May Shank S ENTERN & okh MOLLE- SIST My Khatas Khalano - 11

MOLLO STATE OF STATE OF THE STA 622 ETH ON 2005 (Carlot) मिले इटन (टर स्टिका ) अल्या किए दिस्स में मेरी नुमामा राष्ट्र ( भूती र्य मामाना मामक ) मुलाक् पाए म ( भूलक. (क्याक्षत सम्मीक हक सम्मित्रक क्षित्रमा । नात्र मध्य न स्पूर्ण ) विषय हर के जिसके लाक्यमें िम्बाक्यन बेट्स लाक्ष्यं है में यक्ष्या में कुर्यकारा मार्गे कार्या ) प्रतः (अभा अवाता) मिलामी: र्त्राम कार्य कार्य कार्य व्याप वाडा. (मार्थमा ) विषय बङ्गार (समार अमा) (अस्प्रमात किर्या वस रे के के किए (हम ' कम) के के के ) 11 निता र्रे म: mis (नर्ध समाम्म ) विष्य (क्षाप कर्ष ) इट (नमात ) हाक वर्षा वर्त वर्ष क्षेत्र के स्थान वर्ष उरे जारत ) नम्द्राम (मामानिभामा हिन्नीहि: (किहरून डमन्बहार समा का दमी पूजा) के वारकसम्मानिक. क्रमेत्र हटां कर क्षिताह: ( िक्ट ने कार्जिस क अप स्पर्य यन काल प्रथमिए कुम्प्यामिक के के दिर्गामिकी मनीयनी मणनी - जिल्हि: (मूजनका मनिकानजाणि व यहिक) मार्च य या आदिकारिक (तामार्थ य या मार्थिक) विषय (अम्भिक कर्नि) प्रम् न ने नि

ट्राम्याम् सार्व [क्षित्रक व र्वावक] ) मीट्राम . लक्षालाहम्यः देव (क्षामा बालामाना तम् नाम) 124118, (CALCE ALTCO (5) 11 P d11 कि असासकटला (का असम व चारक) सह ताम्यार (तर् व्योत्मव ) बाहर् (बाका) तिलाका (अयते करवेणा) । श्री उ-टला डिजारमारे (भूष रामाला हा का ने पूर्व क.) अवभाव के कार (प्रक्रम अवस्ति के प्रविद्या-विक्रीत्रम् (बुकार्ट्स की . अस्ड) अप्र (प्रमाणक) मिनीय मुका स व कार् (मिनीय म् (का व स क नानि)) प्रकृत्य । किकः (क्षिके) कवा वा वित्य प्रकृत्य मान्य क्ष्येय ।। १०० ।। भीता क्ष्येय धांका ) त्रियं या: (त्रिमंद्यांक) अव्यय आरं त्यार ( अस अस्म- रिमाइक) लामकाम ( है न के हममार द बार्ब हे ते (हिंसिक कार्य त्य में निवह क्रिया कर क्रिया कर केर् And was Amas Cars to Colonia Carle Cardia Medical south of a doc production of 1= W (लाम (लाक् अव ) आ लाम (जीवाद्या ) विकामितार्थ पर (कार्म्योवन्त्र व्यव ) ध्या (वीक्टक ने) हताकार. कर्यन्ति । ( ि वस

90 [maga yen ] Bis (Bronia) Sil rana (इअ: में अ अन् कांब्रेंग ) लाइ (शम्याय मिल्ले (द्र खिण्डला!) टेलकाहते: (टेलकाइने) निपायकारेल: (मीमप्रहारम) डेमलामिड: (मीडिड वर्रमार) काहिड: अयाग्यात: (अवस्ति इरेट अयाग्रव्यक ) जन (लाकार) कुर लेमन पूर्व ( श्वन स्व वि पूर्व ) यमान्त्र : लाक क्षि (लामन यर प्रक्रांट क्षे) है। अगा कारह (त्र क्षिण्डाम !) प्रकाद्धा : अमा : (मिल-मिल-भूरक (एकमान म्महत्यन हेपनंदर क्रायमनार्भाती) मुबार्छ भारे वका- मना स बाटम (हा का दु भीर वाहिए र्भमास्त्र व्याप र्मार र्भ प्राची भागावितार्थ) ब्राष्ट्रा (भार कार्नेमा ) भारितर तिभीप (क्रियभारा हि) दिस विश्व का साः (या मा यहा सरीक उर्दा ) वर द्वार पृष्टि (हेक आतमाराव हेकाब छाएम) वित्रमाडि? (विश्व करिएट्र)॥ केर" ( किराया ] सती (क) जारित सकी ( विद्या शिक्षा) ( क्ष्र • आंध्या कि कि कि ) जार ( वामुख्य ) कि क्ष्रिया) कि । कि प्रवेश ) में यह : लाभ ( में वस ?) (का वाक्ष कि क्ष्रिया)

वयत्यात (वय- विद्यात) अल्या ०० (वर्ष्य करे ) क्रिंट (उक्षार्थ) लय: (तर्) प्रवसमंत्र्य: (यक समंबर्ध) सप्तारम् अर् ( टब्रमात देवामात के क्रिंग्ल ) विधारमात्म वक्षा ( किंग्रेट त त्मान्तिय कार्यमा ) ल्यांबर ( क्रबल्द ) रेकोष (रिक्र कार्यकार ।। अडा भीक ममावर (मेट्स ) दिलमाधीन (मे मात ) आवमर्गः (पक्षेता) " इसहरे: (हामा अवानेपा) मानुवा: (मिनुवा-वालि ) मनी मण्नी-क्रमानिकामाए (मुझलस्रा या देका का का का मार्थिक ) आर्थ (का एएएए) तिस्तेत्र (धरार्ष्ठ) भू त्यामान (किसमे हिड) क्रमनार (क्रमन्तरेक ) आर्थनिन्छ : (तिक ट्रिनेन्छ-हारा ) कर्षा है (काक्स्म कार्य करता करा। 18 कामान (अदेशात) वर्षावटकार्विण (वर्षात्रियामारम र्थित अस्माट भूममृद्धा रे क्षान-नामिण (क्षतं क्षानं उक्षत्रं क्षतं मा [नवर]) भन-ट्रिम्मान्य (मिनिए प्रधाक्त्रमा) अरेनी (नृकारेनी) मुकी- मूकी कुणामिका (मूर्यका लू अवालि-का ना-जमन्तरेक अन्द्रिस करनेमा ) छाडि (mer लाइटिट्ट )॥ मेरा

) तिकामार्थ (चड्र प्रयामुलाका) लास्ट (लाकाकाराय ) लासार्वा, (टमकार्य ), द्यम् (कार् वर्मार देशक्य)द्यमाञ्चर (अस सार्वि चिवर्])कक्ष: (पिक्मप्र) क्रिंड: ( विकायत ) के क दि : ( लर्ज्य रेक. [0] ) यान करें तहा. क्षेत्र (अस्टार्स ) विकासी (क्याकित्रमर्थ) प्राचीतिक विकास । क्या विकास विकास (अक्षेत्र अप्ताल क बिल्टि), माक्ष र बाता कान ह (यारक्षाम्मान) काक्ष्यात (क्षेत्रक क्ष्यं कार्क कर्टि) : लच १ (लाकं नक्षति) शिक्षत्या : हि (शिक्र मानु ) यर बंग व द्वा हिल क्या का के किट ( चिक्ट ]) मार्थ के. वीचि: (एक मकत ) माने द्वान वी हिं ( वान श्वान प्रिक्तः कारेलाड )॥ अवम ) अव (अमात ) अवा (अदे) वकावि: (वकटवारे) विवाद शिष्टि (धार्टिम प्र कार्ने एटि ) । मिश्रावत. (यारी कार्य (कर्न मिल्से ) पट्टियी हैं वितं वर्त कर्त वर् अहा व कावे (७८२) दे का बाह्य का भी (हिरिष्ट आके. मर् ) म्यानेता प्रदीषि (अव्येक्त मिताद कार्वेष्ट् [ वर ] ) मन्ड अव्रक्तः व्यव (अधारा) प्रमुख अव्रक्तिः १ (मर्ड लाक्ष्य काम क्याहि काक्यात्र) अप्रक्रम्यी छ (डेळकले अक कार्याट )।। 2911

र्भ भूतः ( निक्मित्र अधायाना भागवती नीय - विखाय -यद देवा (त्यमसामा देव निकास - यस विस्तित) रताहिका- त्योकिक प्राम्बामिती (बक मिन) मा व युक्तरान्नविष्यका [अवर् ] ) बलावि-त्नादकन प्रवता (रेक्षत्रक्ष धनकात् भूलाहिन) आष्ट् (यह आरहे व्यक्त वर्षा) अभी हेव (अभी नाम ) तेते (वरे ) अपन्छ- नक्षी: (वर्षा-नक्षी) मण् (लाधात्म हेड दम्म ) हम्मे कथ्याम् (यादमाम) कर्षः (कप्रमूक्षिकिष्) आतम्बारः (लघुषात गर्जनात (डेक्स क्लाइस्तिस्त्र), न्यंतिस्ति । (वंश्रीमार्थिक) त्वक्याः म्यम्पर्णः (क्वनीमून श्या अवन्य हिंछ ) कि नी हे । त नी है मिन [ वर ] ) य-कर हिः (वर्ष्य स्थित मात्र ने का देर मंत्री में दिन : व्यक् (विकामण मृत्यका-कूमूह सामिका) वाहिए) विविध-उन्तम काल (ममाबिस ठानमध्रः) काल्याह ( or of it state ( 2 ) 11 2 2"

La sandara !] रं मा (नद्रव्यायक्ती) विस् (कामानं साम्ब ) भवे वापः ( मड वायमप्र मान् मार्ग) वर (कामान ) मात्रामा: ( जिनेत्याने ) मैं में प्रति शिष्टि हिं। अटला दें। (डेर्के ल व-श्मधमनिविष कृष्णात्मण्), अञ्चल्या प्रमेष अद्भुष्तवालिशाना ) सम्मानक छात्रार् (भूला छत लायक्षा ( कर् ] ) अत्र मर्थ दि : ( अत्र मर्थ न यन प्रमु र शाला ) कर्ण भी. अर्का ने १ है (मूल्मा) अर्भी-आर्मम् एवं ) देलाक्षाहरं (भार्क्ता) ल्पाहरेख ( 3rd ) and (3(5) 11 200 11 )) कू कर विमा (धी कृ कका की क : वा (त्यरे वा) मूमीम : (अमितिके ने मां कित्र किता विमा (अवस्ति) [क्रिक्] के या (क्ष्मिंगरे वा) नीम (नीम [रंग्री) है-माकुरि: (जाश्वभाक्तिन) क्या वा त्या क का कु वा कु वा रेषि विक्षिः ((त्या वा त्या वा के वा के वा, रेक्यामान डेक निराद ) देखि (देशके ) जन त देश के किए १॥ ३६३॥ १०) (मन्दर (तिवहनं ) यतीता अत्रव्याविष्यं : (तिक्रतीता. विका भन क्य अभीव कार्ममादि क्यमपृश्कम कार्व. विवर्तामा ) मार्थः (वस्तास्त्र) मर्भ्वादः (रिक्सिन) क्कर दिशा (अर्क के के के कि

[ske] धान ह (कात तम्मी विलाख में करन धाने (कात कात. विट्याटक) अपूर्विद् परामः (वनक्षेत्रम्न) भएगदाः टक वर श ( सम्मानम तक १ (ma) ) मर् कर मान्ठ: (हम अवं सद्य मान्त) 'सामने मा साम; (ता सहने. भानितिण ) प्रः (त्परे ) भान् देकातः कः वा (विधाकात्र दे वा तक १ र्रिड (अमे काल) (एका: (एक मध्य) अत्रकाद (कार्जनमा तर्व छरत् ) तकरकारिमार्टि : (' त्येंडिकां ने के का के कि का का निर्म (हर्षित्क) जात् उर्ह ( दंभभभम् महा वर्षा काम दक ) विषांडे (17-51 +1900CE )1120 ZII १००) सन्। ७० (के तिम र्रिके नान: (रेमराखेर में मार्स-रहा ) वसामेल (वसाने फील लाम्ने प्रतिक्ति)! त्र्याती ([ma] त्रवं केर्ड ) मार्ट (त्रत्वं wer are in existence "[ Tate ] ) di : ( AM A-如うCOCE )1120011 भारत ) दिस्मार्थ (विसामवंद्र) मिन्नी (तर्वात्) १०८ विभाग (विसामवंद्र) महस्रका (भिन्नी क्या सर्वावः

म् वः (अभ्यास्ताल) अस्तवाः (अभागव) स्निभावितः वीभा (लमन मने नामा प्रमाण माने माने माने लिने किया (त्य में का का का का का का का मार ( भिक्न का में कु र क लाकार कार्य कार्य कार्य ) छा: (जलस मन् रो नार्य ) भवंद : प्रवार (अमेरिय काक्रा ) र्वोति ( रेश तकान कार्टिट्र)॥ २०४॥ १०० वार्यामानाम् छ: (मिन्स्मा विष्ट्र कर्म (प्या) इयह (चर्यात ) मर्वावन्त्र कार क्रिकेट (वक्षायात CN 13187 CHICAMERA ) में के में (में ब्रिस महत्र थेंगेए कार्डि ) ज्यानी हक्ष्रे महाठकार (यभी मार्ने व मन्त्र सम विश्वात के क्षित (मान ) या मार्न (मामने व न्याने व न्यान नामिकान ) विश्वर प्रिकाछ (मिक्रिय अभाउतक े अरिंडमा समावारिक प्रवेष-श्रीक स्पादा करन (भारा की किन्म एक पाद अभावित अम्मान नामम् से ल प्ता अपितं त्य वा ने मन के देश अवश्चित यरेगार्ट), नीवध्वायकाभक्तिम दिए

(अन्मेर्स्स क्रिक्ट अमर्थि के में पाम साम प्यामित्र देव क्षित अस्ता अविताहत के जा की वमलाद्रमात (जार्क्स खारामा कार्य मारान देस रहे गार लिए त्या क्ष्मित्य का त्ये मिल्लि माठा के बेट्या निक्ती ) क्ष्मिक समा लिए वर्ग (क्षामिक में में यम १रेग्टि), टलविस्त्रीत्रामूख काता (विशालिस. नी ना वृष्टि नास्य टमने कार्या व वाड्र मेंड ) पर्नाह नी माहू लय ( विवासम्बद्धाक्त ] सक्ताक्ष्यायी वस्ते न्य: (नर्) द्वायल: (द्वायल ) मर्ग: (मर्ग) मस् (मध्यादात ) मिस्याद (अस्मामानु 夏南河 )11 2211 इति स्थितिहास प्रिकारक - टाराम्य स्थानिक स्थान START LIVE EXTENDED LIVED TO START Marke all reacher will

## वटलंदन यम्

) ति : (अप्रक्षे ) रिक : (अरिक) दि : (अरिक्स अरहेंस्-(भूताक मकालन मार्क) कात्रत-डामापा: (वर्षा क अवरेश्वें काम के विष् वयात्राम सितं ने भीमार ( Merini ) onus: ( gour 20 - 2 gin ) mergin ( जिमेट मंद्र प्रकार ) अर्थ मैमा ज्ञिंग व्यक्षित ( अर्थ -में मार्थ के अक्षम स्थान माना में महीता ) ए व्हाला इ (जिमेन (माडा) जात्र (बनेन करेंग्ड मामित्तर)।।।। ्तितः (ए क्रि.) में के अपन (ममाला<del>वाल</del> के एक किया है स्थान का का का मान के के का निया है का (मार्थे द्राष्ट्रेस सामीर आने कर रहेता अवटें वेस यद्यात वाकला व द्रमं इद्र कि तह ने अवस्थि। कर्म (ब्लारेश) किल्लाकी उत्वद (किल्लाकी क (2 4 2 4 2) RUB ( ( CALEL ALS GO ( E ) 11511 () पटम (में) क्ष्मन (क्ष्मन () भारत (मक्षित) लडतम् देव (कार्डक्षंत्रम् पानंक्षं ग्रेमं) अप्रतः के. मैसार ( के. मैस अन्नर-चंद्या) मेंत्रुकार विक्रा. (मीत्रिका-प्राटक लाक कार्नता) में स्पार्ध देन (संक्रत पालिका वं गारे ) त्वातर दे के के लाई (प्रवाप-क्रम्यमध्याविमात्रिती) काजी (धामवीम कावं अहिं ) स्वर्धा कि (अर्धे ह्यू के इंदिल ) । ।।

Man (2) 20 pt anill sungitude ( 10 man 8) अर्थिय - यं ने कि - प्लाप्त (आर्य वरे देवत एक्रास्त्रवालिवं अष्टराय्यु वक्रवता ) रेम्ट् (वरे) करेंची (इत्यू वि), भाषिणानिकी निअखा (भाषि तर्ते व लेक का खित्र व्याखात कर [त]) काया लेदल : सिवा (काल के किये विकाल के से वर्ष ) हैं (हवा तत्र) मुका (त्मेत्र जावासत्त्र) । स्थिति। (मग्र वर्षात्र), माभी द्रम्म का कि : कि अमि कि मिमाद मुड इंट्रमश्र ) भः (काम्प्रमाद्य) व्यवद्या (व्यव्ह. सत्री श्री,) अवस्त्रिक्ष (अवस्त्री के) लाम वार (लाममन)कममाछ (क्रायम कार्च एवट )॥ ४॥ ( त्रमार्थ (टर प्रमार्थ!) अमात्रीर (भ्नतीर प्रभातमात) Med (cours, ) mo mo (to ca) स्थातिहर (स्थारिक्तानं) सम्बं क्रियाम कार्यमाहिलाम ), आ आ (टमरे टमरे मनी क्यारे यम् ( (यक्ष म ) हिक्किण ( हक्ष महात्व ) धममभाग (अयान्त कार्नेनाह्य "[एमर्बाम]) प्रठकः ( इकारून ) अने : (डसइड) यूर्ग (र्बडरर) The Me (CACA) CONTRA JOHN X MONING

(Curuga - & Kn + Mach) - 20 miles (Mile) शहराद्य) मा मा (अप अप अप आपानमान्त्र) सर्यमाणि मा (किए प्रमाणि डेब्रेन्प्ट्र)॥ ए॥ ्रेसा व (पास्त्र) (अ र सावता कं मुन्याने व मुन्या । [anai]) त्र (लक्ष्येक् ) ये सावता (ये सावता) लक्षत (या (प्रय)) लाय : (मध्येल) यर् (विमासि द्वारां ) प्रमान (अंग्य ) अवस । युर्ति। वृद्ध (अवद क्ष्र कामके व [लक्त] ) द्रेक (नक्षाक (विकात ) द्रह्र (नड्र) रमलामर (समायकाम) प्रिटाम्ठर (दर्भम कर्म)॥ ।॥ of reconf. (12 of my is 1 ) or was ( 75, Cen) ?-म्मान क्ष्य कार्य वप्तरामा डा-अक्षत्र), त्यानि-भागात्रका (हक्षत म्यव मार्क काल ध्याक वालि (भगा ७ ७१), त्रियर रका क के हा (श्रें किंव हर्म बक्र में असे स सुनयूगननानिती )) राष्ट्रप्रेके THE STATE OF THE S (प्रिष्टिम (एक काम मुन्ममा), न्टा प्राथमार के किन

काक्नीविद्वाक्षण), मीत्मव्यामाउर्विका ([- वर्] युट्णिरंवयंत्र क्ष्रक्षिप्रयक्षे वा ) दर्द (नद) (अत्यारमेश लादि (अया कार्य कार्य हरकाक वा उद्गां. " अभी अवंद (अभी अवंद अवंद (व्यामाति इ इत्यंते) विश्व कार्यट्यट्ट )॥ १॥ नि अन्त सप्रवी (नम् अन्त सभी) के अर्थि ( निकेश-उत्त ) मत्र व मेरेनडि: (व मंत्री प्रत्येव मार्च )कानीडि: (सम्बद्धिसम्बद्धां ) काम्यमान्यम् वी: (प्रक्रामंत्रः लामडीत्र )' द्ववद्वः (८. वक्तिन में में क्राइंड) उठ्यात् (जिल्हा द्वते) त्रूष्ट्लः (यून्य) प्रपूर्वे धववर्मका मह (कर्ष्यते [वरः]) भर निपाविषः ( single ) Carentan- xanga: (curery of on-बाल्हीं ) लागार (लाग्र ) प्रमार (ब्रह्म शक्ये) anding ([= xxxx ] xxxxx x = xxxxx x बार (अभिमाटमार् ) वर्ष (अटमन हिटन) यन्तीकरण (दृष्टिमाण करिनेट्टर्ड )॥ ५॥

थीरे क्रियं य अकरम राय टाम्बंद : (य सम्पूर्मां में क्रा-( वर टमलंश कार्क्स कार्क्स किया स्थान कार्क) ' विकास मानु के कार्क कार्क ) ' विकास मानु के कार्क कार्क : यान अभ्यावाय- करक शामवः (यान अका के ज मेंगो हामन (आहिए) अपटना सा एत कालि विनाय - मूर्पिए: (काममा न्या मार्थन मार्थन मार्थन मार्थन हर्मिन पुक), गटलानपूर्-मानम-किन्द्वितीकमः (धाकाममाटमं भागभ-के कि काम का कि दिनी - दिलाने ना भी ) भाग माना मारिक-लाजि निस्त्रम् धरेरहमः (मार्वि = द्रमादि वाक्षेत्रमः सेल महासार्भिमित्। ) यः लग्ड (नद् में साम्य) margin - granderad: (margin and-भर्यारात्म ) कामरम (वम भर्या) भूम: (अपा अटार्म) पीकार (विलास कर्वाटाह)।। २० २०।। क्षेत्र (भवता) कंत्रताकवंत्रामुका (क्षाताकवं लक्षात ल्यावमधाना वार्षेष्टा, ज्यावणम् वाम-क्याम-क्याम तकी दिवी व कह का रक्ष भावा टमावेषा), अवसर्ग-र एक भर समा (अवर्ग्य प्रे नक लास लास्त्रीहिंगी सका दि कंट अने सर्देशमाप्त चक्ताच पाद्रवंता) विलमक्षक कृष्टिः (विलाध भीत हक्त वाक-भाभकृत्व कार् ट्ला द्रिका, अकाउदा- मूह्न ह्रिलाहिका)

जवा अन्त (अरे अन्त ) हशवडातः रेव (क्तवारान उत्र कार्य ) मृतः (अम्म कार्य ) य त्वे (वि साक्त 本はのCE)113211 ) लम (लक्षेत्र) Ca (व्रामाना) मिल् (मकता) वस्त: ्रिता: (अक व्यामवक्त मिम्र हारम व्यवसाम कार्नेपा) अकारिकसमारा (अक्रममाम्य व्यतिका) आ विकाष्ट्रेय: (मानिकामले म भार्ष) छकातार् (एकमाक्रमारेन ) विष्णा (विवाद ) एक द: (अयरे कार्नेपाहित्यत )॥ २२॥ १० विस्थापनं कुछ न्यूनं (मानं ) प्रमाश्वाक्रानमा-हाताः (त्वराष्टिकाटसवं व्यक्तालक्ष्यं के स्थिते) धानु हाता: (माअक छक्त तिकहे दरेख बाठ आह) हिला: (हिल वामिला) स्रीडि: (सीत्नाकमनेकर्क) लाम्बिर्कानार (मिन् रेकमार्टिर ) मानकम्परि (अल डमनेकानेटल) अलाम: (आडिल इरेक) 115011 8 मार्नेकाः प्राविकाः ( ( प्रमात्री मार्गिते ! ) क अवकावा कृताव तिराम (कृताबना भी नव नीक्ष लाह्यर सर् द उर्मा ) लामाहो ( ( लाम्मार्म (क) जिन्द (जर्व) अपर (यत ) ए विश्व (राम कार्ब गारहर);

and (Males [Carrier]) masa (masa) प्रकृ (यसत क्षेत्र) 182811 Daligarussi grz: - (x Bany i) fin (Carais) सद्दित: (राष्ट्राधी) तथा: (तथा) निर्दा का का तब (अंगराम्त्र) व प्रवाद्ये। (यह वक्ष क्रम्मवर्ग नि मंगानुत (मंगापुनास्त्रमित ) इत्रेश्व (प्राप्) देक र किए दरेगाट एम), म्याबटन बत बाका? र अभिवास कुलाव मिलाय कराम धार्मी अभी )। । देश। Menya grad Encad ) mer (me) ्र जर नमर् ( १ रे नम (क ) क्कनम (प्रम ( चीकू (क न वसक्त ) भीगित (क्रीर्य क्रिक्सिंग्डिय) वर (एपडे. प्रवेष ) क्रेंगा (काश्रावा ) भी ह : (भी हवे ) बाद्य र ह & (sign many space Band (miss) विहात्या ( रेश किहात करते भा टिम ) । रेक अधा ) रिंद : (अर्टका) दृत्वं बर्यमाता (चर् वर्षे धारिका ) अस्र तासी किन्त (पर्व लाक ये किमीत ) ' का कर्मा किमी का ( किं अनिम जिल्लाने स्तक ) विस्तान अद्यादिका रिकेश अगर बारी कार्रिय वर्ड हिट वर्ड. केनक)172911

74 [माध्यापत्यं द्राक् ने लाय बत्य (त्रृद्र बत्य ) काकामा: (क्रीमार्कान ) क्रमम: (क्रममभाता) ख-आग्रेमधुक: न (अव-आर्यय-असम्बद्ध गटर ) , ज्यान ह (ज्यानक) यव (लार्ष्) अन (अरे बता) छन कं विषुष, (मायावान धानातिन अविषय कि वर्णात (प्रवास) wink-ममुका: (धानामे डायम् य ममुका उ [मारेगारर])॥३४॥ )ो धमः त्मेरिया-आनियाः (धादत् कृरिय अ असित), बादिवीक्रिने ज्यूका: (धामह बादिद्व नम्म पूजाम्क) oral (73) Culman: (Culmanany) or a strong-कताममाः जारि (अनु अत्राकान का अकान कत्नर wing could suppose ) 130011 0 कियादिक कि निर्मातिक माना का विश्वित क्ष्यवासिव गरंग) आजिकामार (प्यात्रकामार्य) व्याश्वीत : (व्यव धवाश्वीत) वाभा-वन्न सम्बन्धा (अमानारक्ष वर्ताल्य निर्दे ) में देशामार्मिं रेंग (मेरित्यामस्य लाम् माना सत्तारित)।। र०।। ) (ता (municia) मात्र : (सर् मार्का क्रेंग्रेट्ट: (यं त्यं तकारीक) राज्यान (यार करंग देव (याता-क्य बंग निवं पारं ) बार्ड : कड़ : १ तक्वें जा (कडिंदें (स्प्रमेश (श्रीक्ष्म- स्ट्रीय) । (१) । (स्प्रमेश (श्रीक्ष्म- स्ट्रीय) । स्प्रमार मंदिल किस्

Marin Segaration of the [ [migaungi gra ] @3: (maci ) and (ngu) वयतनः लाल (बामनं इद्रांत ) बार् अमेरोठे व्योद्गिर शकी वंदर्यन वर्षका: (वार्षं सकालि कार्ति त हेड्यांचेल इस्पित मार्खितामा क्रिकः केन लम्पर (सरम्मा), व: (वासाद्यं) अहावामा: (क्षीकृष्टीत्यक) word ( ord ) अड्: ( अडार ) देश कारा : देव ( देश. रा किं गाम ) या या अ - म स्पृ र आ कि (या से व मा से व यर (मार्ग के कि ) वंस्थर: म (बंभ मान कर्वनमा )॥ २२॥ कि केल हिमार देव (केल हिमके कार ) लिहा सिमार (अडरव । मेक - [अमह]) गरि: माठेउ-बक्समार (बार-द्रारम अव्यक्त अक्षेत्र के कार (अर्कार (अर्कार निकि देवे ए वाका-निक्षी एं नार वब (बाध दावदा भ ग एक के स्मिन् तार ) टक्क अस्तर ( टमर क्यूर लर्य संस्थित इसं द्विस अप - (त्रेड वस व्या)॥१०॥ To [ Bausya gro Francis y ( Cunyluy) लवानी देव (अवालका कार्य कार्य) कारम् नका किल्ली व क मून्त्र), बाह : डे क्ट्राला ([ध्याड] बाहिरव Be: ([ma] y Crucacaa (MAR) & m:

(नीर्क) संकृष्टिः त्युंबल्यिः (राप्तर्भक्ष्यु सम्मी उ-टर्म वेख- असित ) 1122 811 [याहेकामान्दे कुट्ट-] दुरं त मरी में (एएमार मे में अवी म्याया ) या क्रिका प्रत (शक्तिमाय गार्ग ) मार : बार : धाल (धाउद्व डे बारिद्य ) बहर (भर्वकारे ) अक्वामा (जयस्य लर्डाम में साक्षेत्र क्रिया - बाक्सा कर्त्र visi [was]) Ca (conticte) missym: (अड व्यक्त ) मारिक समिवर (मारिक व काम ) मव-वर-प्रभाद (प्रवस्व वर्ध क्या भर्ट्याण) विडित्र-वाम: (वनत्राम वाम अ धर्माद भागात्रक डावन म्पिक अरक्ष - विकित् वर [अकाम करवर]) है देव। व्यम विकासीन देशिक टियम (भिने) भवनामनः ( थिके रमस्य लास ) माना । ( मानाम कर्ममा ) देखुलमाडाः (तेख्या सीरेमनेक ) पादिषाः (मक कार्नेश टिन [नवर]) एपन (भिन्न) अजीमः (पारस्य भारेत्रि देमें हा (दुकायर कार्नार द्वार) Car ( १ राम न मार्ड ) कः ( एक ) माराध कार्य मार (सरावा पात कर्नु क आदं ) हूरता )वी [यार्कामान् देशक ने बाक्यमंत्र - विदेशकेया

(त्यान विके उपनाक्षत लान्नुमान सरे कु हर्गा) के एक (क्युकिटक व सद्या) व्यावात्र : (क्युम) व्यवकार्यः विकास (विचित लाक अधर्मने व्यक्त ) वकी- वकाएडा: (मित्रात उक्ति ) मंभवंगः (तार्मेंसप्ता) मिरल: (मिरल कार्यगाटन : [अन्छ]) रेस (नरे मन्ता-रत्य ) लयाहित्वः (मृष्काकियने ) कृत्यः (अक्रक्ते) क्यात्: लाज्य ( [क्रिमक्त लम्बद्ध व क्यात् आ त्वाच कविशाद्य )।12911 क्षेत्र वामहरू (वामकात्रमानुकं समत र्भावं र मामनी काम कर्नमा ) लाडि: (मिन्सिम पानस्य) विष्ठ: (असक स्था) अंगर (अंगरं ) असे जार त ( डेर्ड्रांस जात्वार्न पूर्वक ) महासे (काकामपडार) कारिकेट (क्रवस्ति कर्निगाहिला मे [बन्छ]) क्रकः (क्षेत्रक) अभा (magainia ) कर् : (कत्याद्याता) 2 छ शिविधाम ( 2 छ विकास करने पारे ) धर्याक छो (शिक्षा बंदिन ) की प्र (की वि) ड्वी हका क Mars (press; ) AN (maria) ingrécement ्रिंटिक करें (त्रिक्ट) नवनाविषि प्रवाद (क्रिंटी मारेक

(A) Bis क्षित्रका करकं) : याता (याता) बता-क्षित्री (यक्षी-(रव्यंत सम्म लायम्य करतं) मार् द्वार )कर्माक्या-तिवत् (त्यावस्थ-। श्री कि कलक के ता आवेष्य कर्द) mangene soul oue of the stand ([-a. Alba) (अम्प्रे प्रतिशिक्ष सार्व के पर (त्रिम् कार्य क्रिकारीयकी छि: (क्रिकारीयकी छि-नानी), जास त्यादम: (विश्वरभादम), अभाष्मार्भाः (लासाराव ) लांड माना (लाई सह मुरेता) प्रमा धर्व (सम्वित मविभाग्य कक्त ) मेर्का 2) [majulya 9.8-] Bjargain: ( Bjargia) Bier (क्षीड), ब्रूज्ञभवा (क्षेत्रर्व), ब्रूबीतवा (भूचडाप), मर्जन-मामहायूनी (मृद्य-भी उ-तियूर्म) योगी-मान (mena 2 yames [ 235] ) sigar & (sigame) क्रमातारमारम-हिल्मारिमी माकाव (मावन मान-CALLY का के Coal 18 2 ( है) में के का के गा । व का अग्र अपि Mary moon 0) . [auga gren] & Co ( Colomo) aring (मानिशाम ७ ज्यानिकंतापिकं व द्राव मकाव कार्यन)

वाका (क्यांका) वक्षवं - ट्राबाल त्यां गढं (वर्तनं १वंप-[ was ] ) a the ( an tankagin ) on y: ya ( ancaa ( taning one min tona ) is ming ( on the sent; vir ) orme saigné (grige ordien acua श्वंत्य ) यः (चार्कक) व्यक्षंत्रायरं (च्युंशस्त (का विका (त्रिश्नका) देश (यह) विक्रित त्रिश्च (व्यावत. सरात्त ) के कार (स्वर्टकं ) ममंद (ममं) मामाह (काममा करत्र ) , जू (क्रिक ) महार छ० (जन्माक लाड करित ) भूभात म्यार्काला : ( अबन भान कभी क्रिक्रमार्गा मित्र कारल ) यामात (यद्यास करात्र करवनः [ वरेक्ल जिनि ] ) वर्षी विस्वन एए: (वस्ते सावत्यकार्य ) भाषामाम व्यक्ष (साम्या श्रुत्यत ) वम लयर ममाठ (व्यक्षतं क्ष्यूं कार्ट्यं कार कि अविश्व कर अपने के प्रति ) 18 कड़ (त्या का 115011 ( Jeans क्रिया वरं भी. (त्य वरं भी.) यांचे असियी (पर्म प्रकेटरं ड. प्राच्या हेड लाम प्र करने ) विश्वाकार्त्य । विश्वाक व्यक्ति । रहे हेड लाम प्र करने ) विश्वाकार्त्य । विश्वाक व्यक्ति ।

(medas ecza la man med aca) in (gary) [036]) Egyi ( Ediny mya) na chengy इट्ड: प्रानंती (जीहरका अन्नती) गैंठण। De [ Deucy à gre -] &: & ( Cour Diez ai) Eras (म्युडिटक्रमं) बद्ग्यः (बर्ज्युनं) राष्ट्रियमर (राष्ट्रियम ) क्रमते (अप्र अर्खेत आरंते) रियम (एम बर्जिन) भाष-भीने वर्षी। (मरंसम करियस्त्रिमां ) समरवणायां (त्यातकं पान्ताप्तं ) वार्वकं में एव (म्रेक्टनं जॅकतार्यत्व ) यामलक ० (लयं याम-लक्षे ) विर्देग (क्ष्य अभामत बार्बता ) राष्ट्र (सरामं) अठल मार्गेट. के एक (भुकास्त अभिवास का के का क्रिके के ने मार लास्किटंगान (लर्डिंगान नाड्रिंड महाम्मे माद्र)11,081 क्षेत्र (लख्नाक ) क्ष्यारात: ( प्रश्नायक अव्यक्षित म्याने) अभूटमासाराः (अभूटमं द्रमात र्यमा) भवाः ह ung: p ( 22 - 2g6 mig) uy ) Assemplis (जिला- जिला- आविषदर) पूरा (इर्काटन) विष: (अवंश्वे ) जाद्या विधाय कर १ में: (जाया ववं प्रक ग्रिकायाल कार्नेमहित्र ) 110 611 [ (बार बन लावं कार्य कार्य मार्थ मार

(Cal: (ट्रिका!) कः (त्व) कर्षाक्ष (तक इट्स) लाजानुं (आवर्षत्र भिष्टिक ) मडामे (आकामधाउपत्र ) विश्व ( श्रवंतु कार्कमा ) सटड नायुगातु ( इटल के क्रिकेंस अ वर् (क) वर्ष: कामने (किस्: अपक्र कार्यमें हिंदम ' [ कर्ट ] ) कः (क) कामुमंदर : (कामने मात्मकं) कर्मम्बद्धं (कर्मा स्वाप म्लेमएक) नमर् (म्ठा शहताहिला ) वर बर्गा (क्षात्रां महत्वत्र : [क्वेरी) दिव: क्क: ? (किंद्र की क्कि)।। जन।। The migl mai migler and eran for muigi] का (क) निकार पि (निकार क्षाः स्टूल ) क्व वाकाकार्ड-में त्या आड़ हार (हिंद स्में के अ अव्योगता दे कार्च-हारत ) एन्डिइंड रिकाल. (म्लिइंड्ड) का क्रिट्ड त) भी या एका वर (भी या अ एम व ) विकार (कार्य कर्त्त्र, [नवर])का (ल) जूनगदमन-काणमुख-१ कर देवा अनु - जियं स (शामन समय मार्ड किं हिन्दिवात हक्ष्य देव भीवं सक्ष ) पराट (मुड्ड करवंत ), जार के. हिंग ( दियान माम व में) [ ९३ के ] भा स्थाय का का (शित्रे सी का का )॥ ०० ॥ \* + 30 (a) 7 (a)

Of [12 aces one ones see and for Da!] Ren मन ( ( के ) बान ( कुमाबान ) कारण: ( किर्मामिक) यसा नव तेवाः (थिलोसेक चेम्प्रायक वैक्समप्) en (केंड) मार्मका: ! ( सास्यायका-याण ) नाडू-म्युक्र क्रम जलकार (क्राप्तां जलात ) मान्-काश्रवाद्याः (एष-एर्ड सक्षेत्रा भाव क्रांत्रा) ट्रम: बद्रम: (के बेंड्रेसिक - हाक्नेममांग मह्बाला बर्ग, (क्या): [९३ वर्न) सम्बन्ध, सम्बद्ध क्रम्पंट अटम - श्रेक कं अपूर्क ) में कार्य (में क्रिक्ट्रे क्टवंप)' अटम - म्हारं सर्व क्रमं ) मक्ष्य प्रमं (दिस्तान क्रिक्ट्रे रेक आक्र मार्डिक के सम्बाय मेरी - उगाउं अहारक])॥ ७ म। ो [आंतु- किलाटक काट काव का जाने क की असा उद में अप : १ (थ्रिक) में के अंक माण् ) बना (कुर्ट ) कार्क-में कार्य (सम्बन्धा मन मन) मार्ख्य क कार्य : दे विभी ( वेट्यूकरम प्रं वर्ग- टाक्स्य रहाम अम्पूर्य-यर्ड अस्टकारी रहेगा , धार्मची भाभ- धर्म मार्जिस उद्गापिका इरेमा) वर्ष्णाम-मन्ना: खाणा: (स्थापलक सेट वाम - एक अपन के मानु र में गार )

मानाम- यम् मार्गित का निर्मात न मान्त्र ने वास्त्र न वास्त्र न त्रांत अर्प्तं अन्ते ठड्मार्ट ) र वन (न खित्रं) [20 ं वस ( अवंत की करा रम : [ ९३ वे ] क्रिंग अत. (Cour or ) tentupon mind, (annous Liena अस लम्ब वयत्त्वं लयमा व्यक्तिम के अमेर्ट की मान या ८५ व मान्य मारम - स्थापी, वानून वार्याता या-हे अबरत व ध्रमण वमरहत अंगर्यण् )॥ ७०॥ 80 [ यक आयं। जार्स आयं। कि क्रम क्रम अन् यन के : ( कि) लार के कर के कि ( क प्र प्र व प्र में कुक ) (कार्ने श: (ममें (क) अवश्वीकितः (भाश्चकामपुरं ) मॅकेवर् विस् हिताह (वितास करने [ 202] )क: का (क-रे वा) सिमंद (सीक्याहिए) बदम- मृत्यो ह (बदम उ वृश्वतक) तिभूत, (तिर्ज करवे भाउ) न सकार्ष (अक्रिक मानाटम [ताम्य वर्ष म्हेम्स में व्यादम]) प्रमें (बर् शिक्ष वर्ष (वर्ष क्ष्मिक क्ष्मिक

यहंगात) मार्वेशवय: (लांदानं वंभन वामार वामार वामान) लाक्तर ( उन्ने गार्ड ) है कः (त्क ) बरमकं (बरस् िक्स [ Exis E (my ] ) g &: (ca) (q y y & (q y e ) (q विषे कार्याण्डी) धान्नर् त्येनक-नक्षकः (त्येनक धर्मत् (इर्मार्ड्स त्याक्सन माध्यत ( ड्रेम्म्ड्सर ड्रेन्सर)) नेत्र ६ (रेत्र विश्व कार्यमात्र रेव्याप्तः (रेव्याप् (रेंत्रक्त [त्यार वस्वीष्ट्रां ड्रांगार (पर)) } र्याची-वन्ते (क्याचीनात्नेच वन्ते-वा- धनुमस्कात) जम्मे क्रम्बाक् अरोक्षा मीडि: (बादारम्बः टम्ह्य, हिख्तुड 21 (4) à aigm sais yan ) 23-10 /21 mil ) 4: ((4) कार्ष (अर क्रम अश्रीका) लकादाही (श्रुकेग्रियर र किंग्ड के किंग्ड (क) अवसमार (क्षेत्रमुम्परें) यान्त्र ही लाक्ष्य (अनुत प्रंथ्य ) त्राह्म निर्देश हत्य (वन्त्रत्रणीय विवास करिने गार्टिस) देवर बहु ( QUEL & WIM & My [ GRA] ) 21: 52; ( 1847) A 218 )188398211 80 य- अत्वीत (अको आध्य मार्ट ) की (आंका त अक्क) भट्टे विश्वासर (यूनियूते विश्वं ७ विश्वंति-

गतेन ) शेष्टि (अरेक्स ) वाल्बियात्राम्लानि (म्यपूर बार्त विचात्रक अवन् ह तक केंचं (क्ष्रमें सम के कार् वें वेष्र कार्ने में अपराद्य (आप कार्न कर्नात) वर-व्योगेमाम (अर्थ विश्व । विश्वभी भारतेन महताकविकातन की ) विकानिक-प्रमाप (विकानिक-प्रमात्क) धारिमाडी (लाट्ट म करात श्रुंता) ठ०- मन्दे व्यक्षीर (मन्द. का लंब मुबिकुण लाह्यीमक्षाि ) त्या कंपरही (प्रभीत कान्छ कान्छ ) (हन्छ : ([हेक नमपार्वा] विहर्ने कर्निए हिल्लिस )॥ ८७॥ 8 [ [ अपर वं ] यामुका (प्रायका ) यांची की: (आंजी अपुरक) MA- TIME AND AS ( NA TIME MA) PERT (राय कार्ड ने निक्न (कार्ड) में बात ) शुरंक: (अक्ष्माभूत्र ) अव-माहेर्य- व्याद्रिकार (मेलक माडिश्व किलान केमान ) आमायु (मान कार्न मिडिसन)॥ 88॥ 80 वर लर्ड (क्षिप्र के ) भागी में भी (भागी में भी) (वर् (डारादिशाका) अवस्त (बामरता र्विताली! (क्टर र नावार नार्व , वर र नावार यह ! [अलिस हा]) म्यूवंव: (मिल-मन्यम्बद्धारक) मिला: (अगं) मर-सकाकट्रमं : (द्रक स समार् बार लागा ) गरं (क्षेत्रक्राप्ते)

१ वंत्रक्षि (१ वंत्र अधावं कुट्टी) द ६ में क (१ ६ में करे-रें (यह ]) (रमडे - अडिलक्रा सामुक् (रमडे - अडित लकार (प्रविका प्रमेशमांग्रेक के (क मामुस) " नवर् (24) दरलामर (दराविलाम) मिहामंगर (प्रमेत कर्म) ॥ १६॥ कि द्र (नमात ) क्रियमात्रक लक्षान-केक्ट्रिकः हिना (मराम्यू के भीषवर धरामदा वृक्ष वा विव मधारवरमा विचित्रकारी नवामान्यानी), भूटेंब : (दिकार्य) कें के द द्य : (कें के बक्) वा श्रिश्वा ) पर्मा (अपवेता (त्यां क मर्मेश ताम्हि मास्यामिमात्त्र त्यायलतान्त्र) सरपुरा छि वि-लाव- थर्लद- किभी-की वा वर्ष : अ अ ना क्षित शिवित भार चलकं किसी व अक्षाम्मार्ष क्षित्र कर्म कर्ममात्रव कारले सार्यन) मार्केश-पामकं के हिल : (में में भी में के व मार्थें में भ (सन् हाना ) इन्तर (इन्तर अर्था व्यवन वित्री (येक्षात्र था) भा दुर्द (तर्) प्रम्मा (वर्म्य) [तर्]) व कार्य क्रांत्र क्रांत्र क्षांत्र क्र द्वाताः (स्थितिसार्धं दृद्धांतं ) अत्कास्त्रंगर्गारुत्री-लाडि (अक राम्तितं लायम द्वामाय कर्तां CHILD ALY (OLE ) 11 8 911

8) रिक ((अ म्यारिक ; ) मायुक सरहवामी वासुक : (किंगड-धायमाम - विमेश्य भावास कुर के खिला । व्याक तकर (एर अर्क - ] करें छ हत अरह बं अपन के बाबं आ बे ब्याबुठ) अञ्चानकार्डः (विश्वन वाली भरामश्रीहर्भन कार्डम्क, Ligorania Janarie Bria Vac- Extratathe sale magained only come and sale and the sale and sale and the sal अल्ब भिवास्त्र मांचा आश्वितिक के मां में मी अद्भी Dela se la Endina Can I and also squisty Curyuque sia anda orque améina)"1220-Edmary: [ Cannowa 18w no yareng da -Carles " [120 ja ass. ] & Mais 18 21 NEWLER [अरर]) मुभावेष-छक्तीय:) Alanman) the species and all sold is a sold of नाक्रमालेव में मबंद्रियां के श्रियां वासिश्वां में करें हैं) ट्रमहरूतः (ट्रमहरूतः) (व (क्षित्राकः) स्ट्रव्यः ( CECSANIA ) RUB (CALREL OUT COCE ) 198411

8 mm (mails ) 21 j. ( agé 12) one à 120: ( one in स्त रहंगा) काश्वर जात (जिंतकार समाद ) कार (अरे) दिश-अवस्कृष् (यमड अवं क्यात) रेंक ता भी (जवारंश शिंव व्यक्तिस्य कार्ब्यार प्राप्त (प्रमा) 118411 8% असी भी (द्र समास !) असमे (क त्य ) रिकाहन वितिन-बर्म (प्रत्मकृष्ट्र विविचयम्), अञ्च नाग्र्यकाभी (म्यक्र मार्नि धाम वामिस्य व मिन्द्रिण), मदस्य-छ क्याची-पर-पासीमें भी देव (पासी बाद्ध दे कातं यत में अंच क्रिक काम मार् के काम में का 'चिंड ]) मार्च-निर्वादेक र्वान्त्रं स्त्री (भूमक् उ देवन मान्त्रं क्राक्रम स्म र्याटिका) रेग्ट (यरे) त्रमहनकी: (त्रमहनकी) इन पट्टी देव ( टबका पड़ीनं गान ) लाता ( क्रांग्रीन Chara CO(E) 118011 (०) क्यां कें (त्र क्यां के !) विष्युक् धन (त्रवडकारन) हासाः कुकारं (मन्द्रद्वं दुक्का)वैद्यानत्वार (अधिक कट्ये) (a (Carava) अवस्थ अ-रैपूर्व (क्रम्त. Ell ) amaine (mar asy erelect: [mis]) स्य-स्थाकर्तार ([कामान ] स्थकंत रक्ताकलाकृत्) उद्यान (भूरित्वन देक्डान मम्रेट्ट्र) धाम्मम्

खिटियामरें अर् (अने अरिवेत विकेश में अ दुलायार् मा कार्नेता ) काण्यास्यर विस्माछ (पिना कास नकस 1351 à sià Caco I [ Buranon Erasantucia अव्भान अलंबिट्य आर्थिक है निक्टन समझ प हमराक-र्गायं त्रम् र्म्य र्म्यम्पर्टि मिलाशायनं लर्टनं-बला । तिका मिनत मूलक ११ (वर्टी)।। २०॥ हाआ: (अवस क्षेत्र क्षित्र) क्षित्र : (लाम्प्यंत्र) क्षिण्या -(ल्ट्ने) आहेत: (हर्देह्र (क्रापुत उन्नेता) (आहरे (त्यर त्यर) कृषात्र (कृत्यन क्रिक् ) विविधन्त भीता : (अविव व चर्डमान्व ड्रांगाह ) ने लाभ ह (त्वर त्वर वा) PAN CALCE ( SCHA CALOCKER [46] ) ON ZIGHT (अक्ट बडार [ प्यारेगाट ]) ॥ ६३॥ () अर रेग्ट (नर्भे हिम्मी - डाक्सी (विभानी का लाक्त्री )र्र (नर् किल्प) मर्ग्निमर् (मन्ता) धनाकिष् (धनाकिष डात्न) डान्- क्रमुत्ताः (भूर्य उ लासें ) कुक्रेर (आप्यूटर (दुक्र हास अ अक ) अविकार्ड (भाम कार्ड (उ. )।। ८२। (मिल-मिल-) कार्ड (पर (रमडकात) काराह्म ध्यानिमंड कार्डाटक

(अका ला कर्ति विश्व के त्राह्म के त्राहम के त्राह्म के त्राहम के

प्रिक्त (अन्तर्भ ) बतमा (ब्रम्य दिने ) प्रम्र हो। (हर-क्रिजिटिक ) भूव: (अभूभवर्ष) अवने क्रियं के (हर-क्रिजिटिक) भूव: (अभूभवर्ष) अवने क्रियं के के क्रियं के कि आत्मा कर्म हो। विकास (भीवाधाकुक क्रियं के क्रियं के क्रियं के क्रियं ( अर्थित एक प्रमा में देव का - ट्या मा के आही ( मुख्य ताक्ष) का वर्ष शिश्य स्थाप्तिनं स्वय सका त तं ता क्रिकानं कत्ते ) कृ हिंदु (का मम्दा ) असम्माना वै: त्या कवा-मीछ दावी (र्यहर्कमम्यनं मिस्राल के वर्षेकवर्षित्व कीच-तिवासक), मृद्रालिकविकारिः (भूर्यातारकन भृद्रवा-यकार कार्य [क्षेट्र]) राज्य म्यामान : (राज्य म् मिटक भूफीटात्वन मावियुक ) नामी मिन् क हिन नामा ( तमिल्य-कृष्टिने माध्य) , अम्रीनिक तमा: ( १ रे वन -विकास ) जाति (अकास सार्य १०८२ )॥ कणा (१) । निम्न न अपूरक्षी: (अरे मीजक्षण्य सक्षी) कवा-रक्ष कर लाक न- वड़ में केंच ६ (धना-त-वक्ष कर्ति का व काहित्रल ब्रु भड़े बक्क ), मम्मक-अडा- (काती ! (पप्रविश्वास्त दी छ क्रम मिस्सा के क्ष [अरेर]) कूल पूरा छ - विक - विकास एक (कूल भूरके के विकास) छ अ तिरहात ) दमेणी (शवने कार्यो हरदाका-त्यती-किकालिक-राबीक-कालिहिः (क्षेत्राक्षी काम्मालेक प्रिमाले इंदी क आक्रमार्य ने प्रमतका ) कार्य (कार-हतं ) यर से बह्य देव (अधिक्षिति व स्थि अधिकां पत्र ) मित्रि (प्रमात हेकार्य दर्व छ हो। ११।।

भ नात्रकारा द्वापाता का निक्त क्वारक (अकात उ मकारात ममामक भूनिक ब्रोक म्यान केवपुक (अर्थे ) मूर्यकाउपाकिक (अर्थ काउ अर्थ-नियम ), मिरिएमन- उक्तीर् (तिविष्णनभानी मुक्रमारीन) व्यास (त्कारक व्यक्त वित्रम्थनाम क्यार (म) दे नाकिका (डेमिनिसे [यवर्]) प्रमालामक्ष्मा (शिव लामक्त-क्रियान्त्रां व्यतिष्य ) मृमण्डि: (मृममते ) सर् अधीक). (अम्लिक्सिक कर्मन करमेगा) अवर्ष अन्य- गाया (भूतक ७ व्यामाय अरहे अकाम शूर्वक) व्यक्त विषि (1200g my cocz )11 0011 (N) काभीर अर्ल ( 2 रे मीड अकु ( ) मृद् डि: (मृद्) जुशिहें: (सिमिन्नामि) हार्समः धर्किर् (अविधिन) हजार्तनाः व्यमि (अह अह अनिवर्भनामी सूर्य-(114 à a ) G. Caremai ) Cali : mas ; (al : mas) any Harris (any lave ) Miles and State कि में (मर्वाकामण् (लभ्रम्भूष्ट्रक) मार्थः (विमाला [किर् ]) अमूभमप्रमारः व्यक्ष (दियमन्त प्रकर्म में भिरमं ममार्चं के ) यहाँ ता (मार्चा ) के वर ( MEPAL & ME NICE ) : 40 ( SIN ; ) 126 ( 22 MM)

विल्यान् विमा (क्रादीन्यम् दित्र) कः (क-र्यं मा) काम-यमाः (कार्यव वक्षीकि) म डि टकाल (मर्क) हिक्रा। ००) बाद: (मूर्यक्ष) अयमान्त्रीन्द्रहोन्त्रा (अहत भीत्व टार ) मार्डिक क्रेड (क्रिडेक्टा मेल मानारक) बन्नीमर (टमाभीमार्थन) मुनयूम-मिन्दूत्त (सन-में अध्यक्त व्यक्ति में मुक्त (प्राम्नेन के कामानेन-हित्य); क्रमेंह: (प्पानीय) है बिवर (महेंबर) (जार्का द्वारापं क्षेत्र) डे कें (९० प्रम् कार्ना. -(27) दे (एएडर्ड) आह त्यस्ति ( क्यार त्यम आकृति ) वृत्त्राराक्षमा (क्ष्माद्वे कालमा क्ष्मिर किए के (कार्य ) र जन्मान (कार्य रंगा में िकस्त न महत्त मूर्य त्या मार्क के का निष्म ता भी मार्ग ता कि स्टिला प्रकल गवराव कर्णत्य वर्गाल द्रायाद्यं कार्य द्वासत् गार्ग्निकार्ति हात स्थान श्रुक्तादह ])।। २०॥ त्र (कार कार मा कार्य ) म: कार्य कार्य : (च्यकिक) के छि छ । भिना ( कुला दिनी ने श्रुविष्ठः कात्म) अधारितः

(इन् येक्रा) लच (र्जाना के स्थित के का ह क्षिक्रक

( अदारम ) । भारत्य अवस्ति ( भीव अवस्ति ) वता अध्य (बतालाडा) कत्र भन ( दर्भन कर्न ए कार्य ) तथा (वरकार्य) मिकालिगार (स्वाक्षरक) भागवर्षात (भर्षेत्वात वर्षात वात्रत लामिल्यम्)। ७ > 11 75 समान (हर सम्मान : ) मत (रमद्र के) मत (न माउ) चस्ट (चसप्तेत ) द्रामालं - बेलर (चयं पप) लंग बुत्स (अटमन कार ) यमाननं (लान कारनं कारम अव्यक्त) कुटम (कुम पूरका) धारमण् (धारम ) विमार्छ (माड कार्ड किटि । [किटिन क कार्यका ] ) म्लाम्स कंगमर (नीड अपूर धामधन) दिलाव (मुहरा करिएट )॥७२॥ र्ण मूलाह! (त्र मूलाह!) ममा (मेलम) मिन्दारि (मस्ति ) राजालन व्यापर पूजा (अधन व्यापन भारिक मिनिका ) देखिना (नभी ) अवति: (अवन ) दिविः (निनिन्न-अर्अपनि) ५०५२) धानर (५ %-त्यात ) म्यार क्षांत्र क्षांत्र का मुक्त (अम्मिक भीतं सालकं ) विद्यानं (आकंत) एत करवंता ) क्लायत्मे (क्लबामिक) मानवीगा (भान्यक्ल असिक अर्थिक देवता अर्थिकार )।। १०।।

28) चंदरमात्री: (चंत्रक समामाह) हिस्परी (मिल्के कार्य ) मीत्र (मित्य ) प्राप्त द ( अवार्षिक कार्य ति) लक्षा क्रिया ड्रमं ) टाम्य म्म्रांम् क्रमा ( व्रायं अनुर्धि क्रिक्र ) आस्त्री- वावर (कार्मिनेशिक्षक ) लक्षायंते (भार्मित कार्ने माट्य )। एडा। All concingain: ( [ काळानंगु देविमाययशाल भागारि ] लम दर्य केलिया ) बलकरोका छतः (उन्यू अनी मार्पन ) स्यावनी (स्य मिन) भार (गराद्य) हा (वासान ) स्मृति वासिमान (स्मृत-अला लायनंत्र अर्थनंत्रिय ) मा लास्त्र (न इ एन) भारतामा भी (अकु आएं) अप्वपनी - कलावली (अंक्स बर्गिक्य काम् ) लच (नम्पत्र) वार (बल क्लान् अप के के ने कार्य के अपिक के

(र्केस्पर्वक) लामुनं एएत् (लामुक व सरव)'

( overa, Angain ) presing 3 ( gas 22

DATOTES )11 0 811

मिठर्मे प्रधान कि है। - क्रिकें (में त्था तम ( अ० वे वा-में तका वे अब अव के वो से का क्ष्रिक में गाम). अस्यक् करंक्सर (अंसक व करंकसापनं महत) मित्रामा : (शिमेश्यानं ) अपटांग : (अपनेमान् ) यह मेरेड (डिम्प्स करने (यत [ora]) निया करियो ( विमेटल स्थाना ३) वस (स्थिक के) काल्रेसर लाये (क्ष्रवास) त्युमानवर त्या (वेमानैश-द्राष्ट्र लयहैं अंहरं [डिमेंड कर्षेलर])। १०॥ वाहाताः (व्यवाह्मकं )क्षं लक्किए (क्षंक्रमाप् )ता. लोकी धाना (कूल प्रत्यां एप धानारि) निविष लय-क्य-यन्त्रीहित् (अम्ते वक्ष्य हर्न्य वास्त्र) मीखें,) महि (बारंप कार्य :[लायर दरा]) लियां (स्थिम्यर्क ) रक्ति (स्थितिक ) का. क. (कलेटाएक) व्यक्ति (व्यक्ति इरेग) भूत्यापीयस-ताम द्याहि: (अयर भी सबस अटम व सामान कारि. [स्थित कार्य लवढ में स्वारं]) िं (च्या (च्या कि

१मध्यक (ध्रमण्डिय) कर्ष ) कागा: (स्थाक्षेत्र ) साम (क्रां म्हा ) त्यालिया ( विश्व ह इंद्र [ द्रिया] ) हाटलां मायार्थे १०६ ( हलक-वात्यं त्यान [क्षंत्र कर्ष्याह्य] ) 11 वर्गा AR[लप्डवं ] (सर्वा (सर्वेत्राभनेका) प्रचाला (खनाला) लाकर क्रिक्ट ) सम्भेक (यम्य करें) में मिलमा ([मक्रा ] में क्रियाना हिंग) में रिका समा (कारा मार्थे)) . अका कूलवार्यका नव (अकाक्त्री कूलवार्य) क मार्वामाप: (कारममाण) कमरेव: (जमक्मन) त्यसार आवं ) किसीमा (क्रिया मान करके (० हि)।। ति।। त्या प्रमा ( अस्ता ) स्थार स्थार स्थार करके (० हि)।। ति।। अले हिना (हिना) व्यवदीर (अयस्त में मासि (द मासि!) उत्यार (ग्रम्भिमी क्याव मार ) महत्यार (acoloungà) non sa oux (chàra [sig.] हिन ' ट्राइसेस ) लगार (तर समवंसप्तं मृत्) ला अर्था साम क्रार (काळ्नां कर्म नेक्स) कामार (नम् केलामान काक) नकार (दुक त्रांचमान्व) मेरे (त्म ) ट्याइस्ट (स्मासमं ) संसप् ( असप )

Belle (who 3 is) \$ 300 (321) 1226 20 (बिहिन मद्देश)। एको कि ट्युनी ([क्या क्रियाका) ल्यायाल (ग्राम्प्य) eany (द्य मार्ग!) लाउँ वर क्यार (तक विश्व क्षानं देश्य करें) मल्मः (लाज्या) त्रात्ः (क्सरी) तिका हिक-मजाम् (तिकानिकः भगीभवर्ष) क्र कार विकासिक स्थात सात् (मिल-मिल-लार्ड्टि) म्सार (अम्बरायमुकः) यक्ष-विचार विश्व क्रियामक क्र प्रवक्तिर्वा अहरका (भारतक) कर देस (नद रादे ) नक व नयवक्षाचिए (अक नवीत वक्षाकिके मिकाडिं (हेयटबास कार्वटब्ट्र) मं 9011 की हिया (हिया) लाड (शास्त्र) कि के कि है (मिक किं के गामं का दुरेका ) ' त्राहर्षेत्र (त्राहत्त्रका) भावं मार्थम (मवम् महमीमा), अक्रममाम उर्वी (अक्षत्रकं विष्टि अभी किंगामंत्री [क्रिं]) डिमा सर् माण्या है : (-वक्तान मर्क क्ये की विका-क्ल व्यवस्थान नार्ती ) दृशीणि : (मध्यीरकार)

(यामा-कासि सिंद्रमं ]) ' वन (त्मकाप्तम्) मका क्र त्यामा-कासि सिंद्रमं ]) ' वन (त्मकाप्तम्) मका क्र ( 01 x 8. 5 m) 11 42 11 को एक (व्यवस्तुन ) रामे : (मिक्क) मर्थना (व्यवस्तासन MER ) QUE L'INGIE (PARQUELE) MINOISA. (श्रीयात प्रिकारि (क्रिशिष्ट ।) वह (छाप्पन) ळ जून छ र्तः ( ळ जून ती में अने ना कि बादा ) विर्वाधि-धाना (यात्राम् काडिमान धामनीच द्रेन्मार न वर्षक्ष ) आ (एत्रे ) भी : व्यक्त (अक्षी एवरी छ) छव ( ( वामान ) अमू नावि ( अमूनमाम) म अर्था व (अभकी दे ने मा) , अगा: कुछ: (अग निमी नरे किना अपर्य दर्शतम ) प्रिंगि (रेपा) अका ( ज्यान करकुर्त ) मा काम ( ज्याका सर ३) डाकुमा मह (वीक्रक अध्व ) प्रत्याभ (क्षालक्ष्यात शर्जा इत्रेट्सर ) ॥१६॥ की लिंग मार हिन्दी सा (एके) ची: (ची) वेदसी, (म्लाक्षान् स्त्री)॥१७॥ ( Ent & Chia & gra-], nd ( ENISE ) 26 ( SINJ) on (cm ) =1: (=12) 11 9811

de [ = singra, grand Euna Fogrie (cumanijury) क्रमार (क्रीमारम ) मीन मह (मी वर्गात मारं ही वरा कि [याकिक के द्राक्त रामार (क्राइके) प्यान महामः (cula the most) = 1 = 1 ( = 100) 11 00 11 33 [ mingra gre-] Ca (andria ) mila (migrage) may = ) in: (or in) 18: ; (x mg.) 11 dd 11 ति [व्यक्तिक के दुष्टि ] सकार (भ०) है है से सा मा ( cernia I'm quay sein ung) (on (ouna) गावी है का हत (क्षेत्री ड्यूगाट्ट) ॥ विमा की [नीकाक्षक के छिन् यार्म (त्यर्नात ) व्याकृष्टी (कार्का ) मेमी- काम (समा एक) खेटा हिमान ( ALBICHA 1 18-11, ) 11 dy 11 र्सि- (रिमा.) यत मार्ग्य (outring 18 मं) 11 00 11 परंट्य के अनं [एट्स डमं]) 26 (स्व (उट स्मा) (अ) निर्मान काल ने साही मार्था (काल कुर मार्था में त्राक्ष ( िश्रम् स्वासाद ] मान पाद कर्ने गा-(2 र ) वामक्ष्मा (मीक्षा) आं (टमरे के का लामक ग्रमें गढ़ 2,) कि (ख्यां अपरे (अर्गे अ) १/० न।

May Calough Janes (12 in your o) [ ayé can gla] Ea ( Earma ) my ( my ) giá (अप द्राप्त्र ) हिम संका (cornia कर्म मा निया पात्रों) य (अप एम) आभा दीय (विकास ) क्रिक्स निर्वे EN (MMA) 2131, (1211,) 11 P T1, ि विश्वादाव वाक्नीय दमंद (त्रह ट्यह) ते मामकातः : साक्ष (स्प्रमानं सद्गे) वंत्रप्ता देव (वंत्रप्ताये) (स्थाने क्रिये) मुख्य आरस्व (निका मारे (क (हे) 11 का। ८० (तामाय) धनकावनी-प्रदूजी (धनकवालिक भानं काा ह क्रतंत्र करतं ) ' वर (टमइटड्र ) सहा (अक्ट ) यस (ल्प अप के) जिम्मी किंग इन्हें) 11 811 M अश्रम देखे अतिमार्भन पत्र मृती शिट्यार -लियं त्यवा कि न भाग में (का से या निर्दे ]) ज्यकार (मक्टिल भीतर) ८० (भाजाम) नवा (नरे) मृति: (मृति) कथ् (क्किस व प्रसादः (अकार कात ) धमर (त्यावर्वत मिर्विक) माई विषयं कार्य मिन हिंग हिन है।। म् लग

ि [चीर्क केले ] हम (कामन )मूची मूर्ल: (मूरमायम मिल ) कराई (क्ष्येंस (म) मिक)ई (मब्सा) अपि (बक्र: रिप) लक्षे: (मामार) दुष्ट: (लक्षेत्रक) क्रियार मेंगार (मेंगारे-अव्यान ) देखीं (श्रांत्र कार्य खाद है। १०० ॥ Polladara gre- Tom (Bish) Cunded (Paint) विट्यामात्रिकः (विवय प्रश्न कर्ने ए म आविया) उत्ताह : विहिता (त्र क्लाम विहर को मा) (ए (अल्याह ) कार (यक्ष: मृत्य ) ज्यां विश्व (त्या जा यारे त्वरहें) ॥ ७१॥ कि विकास के कि (कार्य ) माम बदमापा : (हस्येश) (व (लामान ) मम मन्ति: (ममनासि) यमान हैं जा (अटल अटर्क करवार करवे का हिला अ) नुभा (ठारा) गरि: धान (मादित्व ) धर्ष्ट्रिकरे 23 415 29 )11 6-6-11 निवी अर्था कार्य कार्य विकास कार्य कार्य कार्य में कार्य र्गं (नम्) उठाठ-ठाठ: (यका नाम ) समन्य काम (जमस-त्याहित वर्मा) देव (अकिस्थान) सरम लाहित्य कि (काल्य क उर्वा दिन कार्य विदि ।। के मा 00 x2 (2 (20/2 (20 4 9/8 - 20 (CALSE ) 4x6 (यरे नजानामि) ए (लामान) प्रदर्भन्ते रेन

Ante ( MARIE PACINE Win) BUNDA- 12 Ride ( [ CONDIA) क असरवास [क्टा]) सिक्षेड्र ([Cerniax] सेत्या १०० वं भाग ) क्रेसर १ (स्मात ) व स्व ( केर्टी कानेएएड ) ।। अगा भी [या अ य व दुश्क ] केंगा कं (ए केंगा कं ) आमा अनु (मानिक्त ) रेप्ट (वर्र) कुमान-मानिका (कूपानी नामिना ) क्राय क्रमी केव (मार्चीय गाप) ब्रायन-इरेश्रा किन्त्र में - अर्थाप मू निस्ते है। केरा गेर क विश्व के कि प्रकिर कि मुक्कि अवारि!) वहः अधन्युना (बाल्युक निभूता) केपर (वरे) नामिका (नामका) मूपान-वृते मूका (कन्य वे म्यापन जारवास ) समाममलका जाएक (मर्वदार्य समामम まてなご) ロカンド Vo La Colona ) a cuising (हत्व डे भावेडाल) हिया (विदिय) प्रमास्त्रभा (क से वी टबंशा ) मार ( (राम म [त्याका मार्ग त्यां के में) टानेवर्रायुक्त टकार्ष ( प्रवर्ति एएवं रकाष्ट्रपटिंग ) लगा (लग्र दर्भगा) कामिल्लिः (क्षेत्र द्वारि) GITO / (CATO ATA (0(4)) 11200

भी ना ना ना के कि क्य (अश्वाप्त ) हिन्य अना ( वि हिन्य अप-कार्यका ) नारी (गरी) भूक्षारी यथा (हिटम क्वालंक. गाम ) लाह (त्या ला मार्ग : [देश]) गार : (मार्ट (दे) ०के यामार (मेंबर्गामान्व) द्रात्मां के (द्रात्मां महिन (हम्म कार्ने मा ) लड़: (लड़ेड्ड ) अर (प्रमादक ) 至近何/後午日本(中)川分8川 Daries John Comme M अक्षित् के कि न कि अ : (जिने ) मिक : (क्याकिन ) में (Сम) भड़कर अक्रसर (बाह्यानुक अक्रमनदं) देकि: मामे ( देक अक्षीय करतं - [क्रम् देशाय प्र]) इंस्ट्र के रेट (रेटाए ) कः भिक-देशकः (क्लिकिलक Ta Chia ! ) 11 9 ell की विश्वास्त द्राष्ट्र वन (तिवासाक) लवंसा (कार् भूमित) में बर्गिका (द्रिज्य बर्ग) विश्वत्याम. लिं सिका विम्यातम् व विकास प्रव सकाम किया किया अव (पूछा कुरितीन कार्र यर्गने र क्रिम्स अस्ति ।। ने छ।

भी ियाके का का निकार (सकारि) व्य (मक्षात ) आवराति : राष- माना एक : ( क्रिक्सी मार्पन ताब-गालवं कावंत्रकाल ) किल्यामें - लहासका (किल्लासम प्रित्मकार्वेशः) वरान्तका (वर्भी) सरक्ष्रा-संसाधका हि लाह, (कामान का हमान मंद्र म्यांगर 15 à 10d 2 d (C (E,) 11 9 d 11 M [ wand & gig ] gualing Janai ( gualing -इड भग्यो ), भूपूना (काम्माभी) कराका-डि: (द्वानी किया) क्यर (क्लेंसल) प्राउष प्रमुम: ( HO HIOW X 5 M. ) OA ( HOLEN ) OLLY 6 (क्यान्यंत्रादि भी छत्र) प्रदाखें (भर) कार्नेट 41531119611 -99 [व्यक्टक देश्च ] स्प्रिया (चेत्र में मुका) श्रीका-स्तान (कालका के गान काई ने हर ! [समा देव]) लार (तथ ) के स्टिंग सम्बं ( समब्दि ) धरापं सदः (काल्यां सदः [अवदः नद्र मेम्स्य]) वरास्त् (त्रावं माद्र ) अत्याम (क्षेत्र कर्ता) asser ( sinc amacres ) as ( cos dada) य ने काति श्रिके करका ] टमालप करिने हुन । १००॥ किर्मात्ति हारू-नित्रिक (ट्राइक ) = इस (नद्र रेसातात) द्रेंग्ट (न्वरं) नव प्रमुक्तियक त्मिरी (का द्रिय में बर्ग्सनी हारी) देवाराम् क-र्या वास (क्रिक्सि स्मिन्सि मर् आधुकात रंद्रगात) ८० (अविसाह ) वर त्यामाया-में विषय सिमी (मिनीटिया मार्थ कि तें प्रायंत गार् [ concert and color, 2003 321] ) & 21 (200 ) 20 [ [ [ ] 2 [ ] ] | ] | [ ] | M M Z 21 GA - [ ] [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | [ ] | क्री (लावर्षतत मून्रमणी द्वी ) दूक्ने - मनेवा लाम ( विकास पाप्त हाना में क. र्मांग ) मर (CN132) Co (comà) त्वरिकार् छ- मुक्क महिका रेप (वरी. Come de de de la min ) 12 en 12 (mien १०) [मान्य के देशका (मान्य किंग्रिय ) इंसर (पड़े) हतानंत्रीकिका (हत्कानंतिक) कर्र (हेक्टिक) एक मार्थेष्ट (एक के मार्थिक) प्रिंग (मार्बेकाम कर्षिण ) अरात्र (पिबालामा) देत्र (न म्राटन) अर्थिक (य (मिक्टे-वर्ध धारकार्म) अवंदर (भिन्य इते-म)

wer (macris mes ) er win ( Jerses ) क्षाह है सिरंग कार्यावाह है हे 205 11 >00) [ays cos 320 ] Par (29 Pemis in ) conto (ou would kom a ) winder 15 Be (wirdunde. द्राम्त आने खान कार्न में । युक्त आने ट्रिक्ट ( तिक् स्मानिकार्तिकारं) क्यं र देवेर ([comi मॅं भरका त्यर ] कुल में क. त्यास्ता ) खें क्या में म- १ वर्ष-आह- बार अर (बाम कार्म महत्यवं शहिसंत. क्सार्झा ) भीषा (भात कार्न्म) नू अर मधा (मूम धार्ष्य व्यव्य ) रेप (नामात ) जारि? ( विद्रांस अड्टिड्र)॥ > ००॥ DOB on ( asistà ) ed arque y lay ( arqueyà विद्यावनाकार (कर्म-३-६३ क्या ता) भावम्था (भारत्रामक्त्य) व्यद्भवावस्वित करितः (टारे तर मनीवृद्ध माधायमा हिसूरी विचिन भरा-इत्ता) धानीभानी: (असन मनीत्करे) वित्रकुग-ENTE: (REMEDICE MONTERLIA कार्यमार्थित )॥ २०४॥

70 ि [ न्युक्ट कर्य दिन क्युंगर्द ! ] का (हक) अद्रवास -अभवा (विधिमेप बाक्ये कामा विभाग विभागे ) १ वी लाल (कालकटाना उद्गांत) विवासक्वाप (कल्क-Révien ) La (on Sar 14 in ) Munita (Marina ecis) [out ]) on (cry ever-यहकारता) दुरे कामा: १ (दुरे कामुवा क्ये में न्युं -यम्त्य ) लमार (द्रिम इम्रेक ) प्रधानंगित कि ( भिर्माक् प्र कर्ति क्षित्र ) कास (भी में) वर (बात हे कि का का के देख के ने जार कि ने जारिका (120 c11 ( 150 c11 707 [नाक्कान क्या का (कि) विवासम्बादमाविम् भी. (कलक्ष्यात्म अग्राख्युकी [ वबर् ] )क्वाहित (कताहित)। क्रमाक्ष्म समाएक अवेटिन : (सन्मात निश् क्रित असे वी लिखक व में मक्ष है में हांका ) दे करावड ( 3 of celais ) ouinging (oringul) Wind : [ 1 34] ) वर, चिनु र जिम्मान दे वे वे ने किंदिर ( 17 17 mm) \$ 18 mm) 11 > 0011

10P) [ Cast Storing and ] and (See ) and only (Mar ड्यंगात ) रद्यम्माना (इवस्व: भम्यम्भीया राभुग्र ) लाश्वस्परं (महामास्त ) स्वरं (र्मायानिक ल्यास्ट्रं - माहिट्स ) छिता (मान्त्राम शहंगा) अपूर्वर् (कार्विष्वणी) कृष्ण क्याय (कृष्ण न क्यामर्भ क ' लम्हितं - चार्ककं भी क्यामरक) यामिषा (माड कार्नेमा) विद्याति क्रममें (प्लादा आरी ! अकि उस ! (चिंग्यां दे दे वे ] दुर्ग ( \$17) 6 FE + MOI ( EWAN OI) 11 > 0911 70 = [ न्युक्टक क अने क्षेत्र (त्रिक्षात ) का (क) कराहतू-म्लान्दिकाडि: (मात्राक्त रक्ष्य्मीत्कान अहिं) मात्राहित्य (तामक्षण हिन्नानार्य) तिश्र में (श्रीश्रमें) र्मः (र्म्यामा निदे ) कालमामरमा ( लाहानुकः भारानुबानं लासर्यभाषा ड्रांगा) यः (mungues) Laines (musil era ecas is िलाका साव एक बन्ने र्रेमं (स्था) हिया (हिया) 112020 १०० = [न्युर्क क कर्य ] ता (। गुर्ध) क स्वर्गमानुस्था-अहै: (कामान्त्रीकिनान मीमुर्भम कामुन्म) इंड (अभारत) तिकुवर् (टमाभरत) भाभाने (निक्राम्)

यत्र ) मान्यया न्य (क्रांत्र) मारक वर्षे) लाम (लाम) भकाव ( अग्र कटवंड ) लाडी लान बतु ( भीने श्रांब पात उस र [आंक्सं ९७वंन]) हरे (हार्य थि) कुर्गाहिरापे (क्रमंहिरा) ॥३००॥ निर्देश (द्य) द्रत्यं (द्र्यंत्राल ) मस्द्रिव-द्रामा यमा लास (मेम्ब लमें बार्मेका 'क्यारिक-म्मार राज्या पुरत किल् ] म्मिर्मा माणाया , ल्या हरन म् अवस्य देश मा छ ) देश (अभारत ) अकनामार् कृषिमा (जिल्कनमियूर)-अपनि वाध्यकावालका, व्याप्तिन त्वादमानामस्य क दिवकतामुक्त [अअह]) भवतादम्क तत्रभी (म्भ्याख्ये कल्लाक्य-मकाक्यांनेती) कार मार् हिलामा मार बन्न । जिस्सिन हेंड में उग्र (र्मेर्ड रेल प्रमा (रेल प्रमा) ॥ >> 0॥ कि विकित्य क्या देश (यमात्र) का (क) बल्ल (ब्लाइस ) सम्बुल्ला (नकन र्ला-कार्य ) महितः लाट्यः ( अक्षत्र मृत्र अत्रुव्यक्षां ) मीकार्त (विस्तामकीया हर्ना) म: (ourment) मैं अंग्रेष्ट (लायमा थाप्र कार्य (चवर ) द्वाका

क्षित्रिक म (Paule side ) that my (autures) (alayer) उन्ने रेमर (रेस्से) बंभरपनी (बंभरपनी)॥ >>>॥ प्रतिमा का (जिसका बालता (क ) हा के लाज (ounder)) खिता (अन्तिक्षि श्रिका ) अत्या के वर (अप सरका रिक्स केव) है ते य- चंत्र (है वे की अलक कार्के कार्ल कार्य न है सेप सेल बेळेडि) गेंडे गेडि (मेड न कर्त्य "[183]) लकारत (प्राथक सवाकांत रम्प्त ) यात् । हरमाड है ( [अपुत्रकाल हें तेय ] राप काई ति प्रक्रिशांत्रमा है िनानान देवने दिन दिन्दी मेरानु (हास वास कांचर (लामांचेंत्र) हेटस्र (हासक ) हास्त कांग्याः हत्त्वस्त (अ हमंतामः) हाः (हासम्) लेगाग्रम (五代引)11>>211 (क (कात्राना ) क्या एक कर स्मिन्त : नजा (क्या स्मित्र र ११०) [क्या के रक के का का का का का प्रति (ह्य क क्यों नहां)

प्रकर्वित्यवं भागे ) देह (चर् रेसान्त ) काम्यामा (कारावंत काहिटक) व्यक्षिकाहंका : १ व्यक्ष रामन ocist[macia]) Zisa (Zisa) non-Z:17121: [(ONOMIN Z:1712 5,2)} uge: Mi में माप्त- में माप्त हिंगः (श्राम में म या-में स्थात) न र्वनतिष्यः (इव म देखा अकाम कलनमा [नवर्] (यक्षायावनण्यवाः) (क्षेत्र (त्राक्षिक लाजस्यान वह सर्व म्पत्र ) ताः सार्वः (स्प्रास्तं मात्र वयः चित्राक्षकं देखतं ने) ्टाः (अथन्।) प्रमाः सर्वनंभारः, (जासाव न द मक्ष्वीयभी)॥१० २७।। ) वन्नीतार (अलाबाद्यिक) किम्मत्रं - क्यामाप्या : (नव भन्नव- ७- फर्नुशार्भव धात्रादन छण् प्रदेशक) मिकिस: वा (क्लाकित बाख्य गारं) भः कित (ट्ये निर्म ) रेपर (वरेकाम) धार्कम-कमा-न्याम - योगिष्टियाम (मनमक्यामिने मा उद्योग्ने -भट्ने के निक्रिया क्यं - के ह कर्य - अभि - अकाह्याद्री:

15 0 Q

(मार्कामण्डल क्षांत्रातार्थे स्थान लिकिक्टिम उनक्तकरात्रातिकांग ) तीकार (विसान क्रिक भिष्या कर्मा मामर मामर (श्राय श्रम्य भ्रम्यवा-नम्बर् (भार्यवात्रमार्थ-मामक) द्रे द्वा आम (इस्क्रिड-कार्येक डर्गायन)॥३>८॥ कादिक्य त्रित्व जात्र ने मान का का कर्ण क्षित-भित्र में भाग ता मा प्राप्त कार्य के कार्य कार् भिष्टि ग्रिंग देव दे क्यार [निक्]) न्यान मान त्रे डबं कि (मार्जे डेबेपाम दे प्राम्ति विष्ये ग लर्जान करा वर्गा हर्गाट्ट) प्याचल-ीयामित भावा (क्षेत्र न्यापाय मध्यामे यामे यामे (मिलालान पार्माक) मनाक मीमान पर (मनाक-भागान्त्र में के निरंग मार्ग माप्ट: (निरंगमा) my: ( And ) only ( ong x mar 2 2 4 3) 11 > 10 11 अक्ट अपिक क्रिक्स निकारित हिंदिकार निकार क्रिकार क्रिक विभाक प्रधारमप्रधिर कार्यस्य प्रधारीकर

## edfu suf

) कर (मद्भी ) न्यापुरम्यय- त्यांक्तर दे : (यथापपुर संसम्भात्मच टम्बंदत लार्केक ड्रंग ) यः लायः (कार कार तार ने में मादम ने नकर (व्राराद यं मधाम भावक रंत्रवा वं क्रमम कर्त्रे )वाहः (इत्याह्मकर्क) प्रवाद्वः (यनादि र्म्ना) शासा का मामें के जिला जिला साने ने म असे पान अस्मिन्ति ( हर्ने एक) लकाड (यस्त्र क्रकेट प्राप्ति )॥३ ॥ अस्मिन्ति ) वर्ष प्रसित्तः ( द्वित्रम् प्रक्रिय यद प्रमें )केवर कारकाटकार्ज्य-अद्यक्ष (भः (क्षित्रकार्यक मेर्स्य) क्षित्र । राम्य (गण्य ) क्षित्र (एम्से नामक निर्म्य) क्षित्र क्रम एक्स क्रिट्र ) नामा (नामानुक्रमा) (यामिक-मान्याम देवता : (कारमान्य क्वकारम न अकालमधाना ) किसः व्यामः (वाहित दर्भाष) (एमडार (ट्याटटरके) न लाममानं (एमराप लाम कार्मेयमा) वर्ष (वस्त ) अस्ति व (अधास्त कांदेत्र) लक्षर्वा (रेंद्रे मार्गा) न्त्रीयतंः (व्यक्तिके )यद्ग्रामक्य-प्रवृष्णप्राक्रममा (९७ ब्रांतिक लक्ष्यमाना सँभक्ष्य लामिक अर्हेना)

माटक (मार्कारक) तिसी मार्ड । (मूकार्यमा कृष्टित्यम )॥ २॥ क्टि श्रीम लिए (लिमडन) टम्ट्र स्तर्शि के हक्रविष्ट्रेष्ट्र ) अभवती १ लाख (अभवता म दिक रामुन (मरम ) लामा: (मणामम) हा ( विवाद्याक) लायः (श्रायम निम्मिश् (प्रमार्ग) दर्श्या कर् (ल्यं कार्ड व्या ) ! क्या (क्षेप्रवं ) लाज (व्य) नागे: (क्ले) अर्ब भूपता: (डमब) न्या की (अभाष्टि: तियाविष्: (ommदेत्वर्क नियाविष इरेमा ) देवक: (देवकाकिवाहित ) अभागीर गव:? (ansiga) may and - and my samp ( कार्य कर्ड मात्र कर्ड मार्टि ) 11011 8) [अम्डेंस अद्माक आकरे , मर्से में म : लमाणुर अतः नरं केल साथ कार्ने विकास कार्यान विकास निकास कार्यात्य-कार्बरी ) मैलपडें नप्त (ट्युकाण मन्तरमें कार्बर्) म्मक्षेत्रम (म्मक्षिक्षिक्षिक कार्ने किर् लक्ष्यंत्रा (लक्ष्यामिकार र कार्त्री) अपरमा क्ष्यकार (द्रेट्यम्नामान्त्रामा ) लग्धरेवा (लग्धर्येवा)

लाए (कारंबरा) मेंबर्गर (मर्मेगवर) रात्वर वर ( जिन्न क्र केटक ) म धर्म मस्य (भक्षा कर्म क्रम्मिसमा) ( वारत (क्षिक्किंति) दाम्तिक्य (राम्तक्ष) के त्रित्र (क्रीक्रकर्क) स्वानियाः (निवानिया निर्देश) प्रभा : (जीमानानं) क्यारहाक्तः (क्यारहतां ) विभिवाः (शिर्मावा डेर्म्म) वा: (अर्र) अभा: (म्ल्यामन) व्याम ( व्याक्तिं मक ) अर्थ मः ( व्यावस्य कार्वात )॥ ए॥ प्रकः (अप्रतिकः) त्थापि विकास (व्याप्ति विकास कि। क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् काउं (म्येक्टक) काद्या देवं वं पठ वं स्था (क्यं मानेकार मिकट अल सप कार्का )केका (केक्टिक) कार्या का विकटि भार्यमा ) बाद (बामिलिय)॥ ए।। व कमरेमारी-मार्ट (कि कमरेमारेड मार्ट!) कामरे ( 214 ( ) ( ( COLNA ) & 4; ( ) & 2 ( CALNIN ), [कामिकेर वारितम] )आमी! (दि आमी!) महम्पान, (तामन जिन्तम ) अम्मूर (तामन मन) क्रेमिन लडरहळ ६ (अमहनंत्र कावेत्व) भवः ( मिगरहरू ।

[वानिक गरितर])क्रमिति। (द क्यारेत्रा) व वर्ष (८४३ मूर्व ) अभाजी १ गण: (ह आ नजी मु निक्रि मार्रेग) ८६९ (श्रद ) हार (कात्रारम ) न्यामा हि (मरे मा कारमा रे [श्रीको बालियन कामा इत्रेस ] )ध्वा (ह व्यापनी, ony ecitumine ) os (comis) dinacel (comis म्पार्ट हाना ) नि लिंच्या है थाने खिया है किक्ट (कार्डिक्नाक्षर्श्यत्व)॥१॥ ि चिनित्त स्त्रकात श्राम्यात्में कि कि कि (ए विवर्ष) त्व (त्यामन ) त्याव: माहि (त्याम देशाव मार्च) देन (क्षाक ) में हा लाइ निव ( में हा नाम में लडब्न (क्यम् ) में हे। (में हो) १ मर (क्रांड) यिक्षे (क्षिकार्व महिक) धर्मा मावर (द्विकार्व) व दम भन्नत ) अक्षा धार्म (अवने कार्नमा ३) करें हुणा: वर (कामने भाग केंद्र की वा भी (क अपने) विमाला (विमास कर्त्यों) वस (सर्) मिन्न). याम् (आएवं प्रकृ ) क्यम का (क्यम मंगह) ।। १ न ) [अमरुनं की संसंव समयकार कार्या आमा समन्] on the interior ( [ Ein i ] purices seining) प्रमा (वरे) भिन्नको ध्याम (भिन्नको उ) म:

(ourugues) saring (saru migle (5 "[onis]) म: ह कार्न (८ अरे हुई - ७) धामात् (धारमाद्मादम) लक्षेत्र (काम कार्नेमा) करें। (त्यह कत्तान्त्रीं अप्रदे ) यर जिंगवरम (कामान किंग बत्तरे ) विस्मान काने एएटन / कारका ) अमु कि (ममु कि ) रेहर ह व्याम (रेत्राड) क्रमाकर (व्यासाटाय) मम्म-विद्यपुर मठर (नमन-(माठव हरेल | [बद्यारें]) आर्थर बमाड (अ ब्राय ) भ: (त्मकि ) हिन् ब्रियर (हिन्दीर्ग-इस) प्रः है का (त्र गार्क क्र) किंदि (कि) १० मि लक्षा है (या टक्ट्स है म गा क्ष्र रूप हर किर टमाट बार क्षाह मरी ( इसमें में रूपा कि यत क्या मस्याव ता ) वार् (न में रिद्र में साह) मधानी १ (हळाननीटक) मरे मिर्मि स्मिनिक स् ( लासान जिस अरबादावं कुर्व बस् शिक के अरका ) के हिंद का के (स्थान मिता) निकान (ग्रीमेंग पिता) ल्याम् काम (कामार्माक ) काम (ग्रमात) मिन्छ (मिन्त) भणमार (जाममम् क्षेक) क्ष्य अपु (अपुकाय ) में साया आवं हैं ( र्वेगा धानारवर धार्ष ) मलना (अमलन वर्ष)

JA (JAMILY) 4: (OLIMPALA) LA XIN (OLLA ONÀ IL) लर्स मान्त्र (अयां प्रकार दिन्ति हाल्या प्राच्ये ॥ >०॥ यन्त (लागुत्र) वश्यक्ति (व्यक्षांव रेक्टवा) में दः रेक्ट ) प्रमुका (पात्रका) मात्र (श्रम्यात्र) क्रिक्रों (स्थ. सम्ह ; ) ( अवं अवं लक्ष्र कार्नेगाह ) अवंता है (देशि अवंता बायमा ) वर (बारा ) म लखाम (बारमा ) रेगडि (प्र ) अमानिवर् भाम : (तिक्ष्यूर हार्यिमा भारे)॥>>॥ मिन्द्र किंद्र शामा ) आसवा (आसवा ) वार (स्थार ) मार्भ हें का (बाटन क्षानंग ) में प्रायेश्व ह दिस (म्ट्र काल्वरम सम्मा माम्ट क्रिंड कार्यस्य )! मा कार्य ([कार्य] मिनाहात) वर्ष विकेतार होता (क्षांत्राक विकार (क्षांत्रा क्षाक्र (क्षांत्रा कि क्रिकाड़ / दुरका ( दुरकाश्व १९८३ ) सर (भाषात्क) बलाद (बिलायन्)॥२२॥ ) [(इ. अ.म. काम्य ] चामर (१०: (ब्रामोश्यालये १९३) प्रकार त्यावार (वर् त्याव त्यावित कार्रा)न र्रेग्रेपट (यर् श्रंग श्रंगा)! लयह: उपार (विष म मार्डित व टायारे) हिडमेट (क्स्मा करने रिलामें)

वार्येक वर प्रवेभाटक (वार्य रेत्व्यिक व क्रामारेक (सामुद्र देख्य करंद ? [mun]) थ्रं करकात्र ] ( \$ 2 2 6 4 5 ) 11 20 11 हिर आस: ] काल्याकात्राकातः देव किल्या वा वाप-प्राथक सामावादियं मार्ग लाम्पर द्रमान नामा नाम रम्द्राय मक्त मत्त्रार्वि मकारं तिसंस शहरं प्रमा हत्या (अव्या ) कार्य कार्यः (म्याहित ) साम्या (काश्रम्पिक) मामाना- वस्त्रवी (मामास्यास्य माना) किला काल (अयम दर्गत ) क्राहित (क्रमत 3) (4) to spien (7) in the train (1) for the spient of the stand of the s मा वाहिका (व्यक्ति ) जार् मश्रीर (मश्री नामिलाक) कारबंद किंच जी वास (यत) ॥ ।। कि मारा (ए मारा ) क्यू के म्युड (क्यू में आप्त मुकारण म्यु) क्रिक्ट मार्थ- हत- यतं क्रमार् (मार्ग्याद्वे न व र् रेम मादिकमा ) छात्र (मार्गामक के) भिष्म (लामक) जामः (वान [नेप्राक]) विशिक्षाति (बाइन इर्में मार् रकत्र) हे इन (इनम्) क्रिन्त क्रियं) यमें मित्राह (रसटा मित्रमें द्रमं डम्स दर्मा 

## Useful Factors

$$(a+b)^{3} = a^{3} + 2ab + b^{3}$$

$$(a-b)^{3} = a^{3} - 2ab + b^{3}$$

$$a^{3} - b^{2} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{3} + b^{3} = (a+b)(a^{2} - ab + b^{2})$$

$$a^{3} - b^{4} = (a-b)(a^{2} + ab + b^{2})$$

$$a^{3} + b^{3} + c^{4} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{2} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} + b^{2} + c^{4} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{2} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} + b^{2} + c^{4} - a^{4} + c^{4} - a^{4} - a^{4} + c^{4} - a^{4}$$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	3nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday							
Saturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প্রভে " —ববীন্দ্রনাপ of suppyyymentos JAIR SINGEN werha 29 Mu Mess Mit मिल्यू क्षेत्र के अंग्रेस के स्टूम के किस के अंग्रेस के स्टूम के وانوى 7 [ [wyar शम्यत्य - [x xm; ] द्वार्कितः (रेक्स्पण्डे माला ) विविध- वस्त्री नकार : विक्रिय के कार्य मार्पन (कासामक:) , काटम (क्यु मिक) है काम (क्याम) रायार (देस्तीयपुरं वाद्र) कर कुर (करेक) / (व (त्याम ) इत (तर्) व्यासम् (क्वामुक ) मार्च पार् हरमा १६ (अवस्ता ७ हमस्ता ) व्यालाका (दर्भन कार्यमा ) श्राट् (लामातक) रेड: धार्म (रेरा धारमका ७) लाइकर कार्मिक (लाइक्सल क्रिया अस्तित्य) ascai(24:1) 4is (overal) 32 (318ACi) विक्रानुतः (कामन लाहनतेन ) द्वाः (विक्रमान हर्ना व्याह ) : अप: ( व्याचाना ) व्यापत (aunduca) विष्या द्रामी (तमने स वर्ष कविष्ट्री)।> ७॥ मि [चार्यस रामाप्य- (र अस : ] श्रम (ए 15 वटमं ) द्व: our ( 321 alennes) organ ( unger ) en me ( and les a) बक्षा गार्श (बक्षा र्युट आरंत्र दिमांत (दम बक्षा-हारा ) नात : म: (त्या है क्यांस ) का मार्थ (कार्याह आक) कर्मा केन्य्राहरी (विद्युत्ता दात्र कर्माद्वार प्रिक (क्यांकर) कुछ (नस्त ) लामला (काम्रिक 11/10 ) mas: (setten ) 21126 (con 32)

रामेकाई (सिमाटक) लाममार (लाममांत मुर्चक) samos (nemo) Paris (18 rianca) न्मक (त्यामक वार्यस्य )113911 ) [ [ अप्रके ] म (म्युवास ) अवसर - राज्ञा वाकार है। इं (मिन्द्रकर्षक लक्ष्यंतारम कामुक्तमायक्षा) अभवीश्वीयार (भिक्षिव सामि भामीश्वी कर विक्री अर काट्ट मेन्बर (मिखन गारं ताझ क्रीमानुता) वर की आई (टमरे क्टिंटिक दर्जन कार्नम ) अभाम भी एवन (हळावण्यांचाल ) वित्रम्हि (विश्व लक्ष) हिना अक्ता (पळ्ळा अक्रां ) विषेश- १ काला (विषेश) इर्ग कल्लाक्टा इर्लन )॥०४॥ द्या अधिका (अवाका) द्र (अस्त ) कर्म (द्रक स्मा (स्कूर्ण) व प्रमे ने ही । अमेर अपि अपित अपित के किय (कार के हैं ता कार्ड मा रिमेर मारेट कार कार्ड मिर्मित्यम् १ केल्या (केल्या ) काराम ) ( कि न्म्यं है। काउं निष्ठ विग्रत्मं मन्यं विष्ट ) ममूद्रका (हेदक्किएहिए अवार्स्टा) हुं

(वाह्र) लामवर (ममायव [0]) अमेरमेंचर (द्रवेशक्त-18 क) वर ( जिनकार कार्य मार्य ) में वर (में अ व ) वित (वितिष्ठा २७); कर्य (किट्यू) धक्याप् (धक्याप्) क्या (कार्ष) विवयी काषा धार्म? (त्यम्भा व्यवस्था कार्बमाह है।। 2011 क्षेत्र कार्य (क्षेत्र दाउ) हार (क्ष्म महारक ) जात्र (क्षित्र) में , व्यक्ष ( ( इ. रे. व. ) हैं हैं। ) मार ( मारा ( ) अर व्याप हैं 6 (Crougasing) mas (menca, ) cuard (sa sass) ल्यान ( िक्किंप ] ल्यामुलंह ) व ( विश्व ) रहाः (अक्टक्न ) रकाम (रकः म्हत ) क्टू क्ष धर्ण जार्गा (त्ये कार्याक) न समामि किट्री (तामिकहम कि १) ॥२०॥ )) क्ष: (त्रीक्ष) लविष्ठ (शामला मित्र विष्ठा विष्ठ ]) मार् ् सर्दित (गायनं कता तर शहरत्ह) नेता (न र कार्य) भा म (भागतः [मन्द्र])का आभी पका (काम पक mero the print (min ) ora (ami co ) ones a. लय में अप (लामुक त्यामुकाम) देश (अप क्राम्य) वेश्वरिकंत्रत ([ला. ह ] न्यु के क्रकं करंग्य ) वपत्वता. धानी (बन एवंग इसे ) विषि हे क्षा (बने बार्ने मा यतात (वत्र भवन ) मार् (धामाक) भावें बढ़ा आर में (आमिनंत कार्या स्टिमाट्ड) । 2211

(आने मंत्र ७ हम्र कार्यम ) याविष्ठम (मिल् विक्रावित्य) अ एक्स (अ के ति ल का सं ) एम (ला मान ) हे साम (सम् : म्हार ) क्या नया (वस्वलाख्ये मन्त्र प्रमाट प्रिमा र्कार्ड क्रिक्ट ( क्रियर कार्ड ( क्रियर क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक लाल ह (लान न्यार्ड) मि: अर्ड (क्लिंड रर्गेट अस्तर र्रे एटरम् )।। रणा यान अमर्या कार्य (कारा व अमर्यम्बर्ड 3) यथा (यहे) व्यक्तिम् की (व्यक्तिर्धाम्यका स्मिमें) भार (कामारक) म समावि (मानेकाम कानेक्टरम); प्रमार् ( व्रिप्ते ] का प्रमार्थ (तिल प्रक्रीति) वावम (वावन कव) विद्या (ट्य) भार (कामारक) वताए (वत्र व्रक्त ) भीएं पाडि (भी डिमि कानेटाह )।। 2811 ( [लम्डक ] यामुलामंड (यामुका ) वक्ष टिले प्रमामंड ( हरतान कर्न अंग्रेस हर्त कार्न कारने कारने अर्च रर्भ कालर करियों) भर (अविश विकारों) कार्या क्षेत्र (मून करन करने (त्रम [आर])

मक्का: (जीक्टकर अर्घ) महाा: (महर्मिन मकतः) क्रमः (रामिक नामित्नः [क्या]) क्रममी (क्रम-. जाण ) जार् (की के कि के काम (का कि क्र ) म र का ) विग्वमात्व ) य न व वित्याकत्म (त्यामित्व मामेल द्या) । प्रमार हामा की प्रमा हाता (करा ) लाम क्षेत्र (लाम मानी) सरा (अर कार्नेटिट विन्द्र) अर्थन (अन्य मालदे) हलायामिकार् विस्कृत्म (हल्यमीन कार्यप्रधामका कार्डि ) वन (तिराम न ) देवर (नर ) स्त्रां मानिक्ष (अर्थार रेटर) १९ नकी (अरिमें र अर्थ ) 11 रेटा। क्रिक (धन्नार ) ब्रमा (ब्रमापनी ) धार (बार्य त्यत ) न विल्यानेताक दर्ग (दर अल्या अत्याक म्रियमा ! [लामन ]) आत्मभादिन: (विदिन ध्यात्मभन त्यारम) \$ 18 are X acus of more / Nois ( Man) वे पार (वर ) मा बहुतार (मा बहु के व मह-भी तार मा-July 21 1/4 24 1/4 3/1 (काह्यार (शरभवत) " क्रक- मेर्म- कर्माम - यक्ष प्रामार (लिंक के के में कर्डी कर्त व देव म हम प्रें)

म्य क्रिम्ब्रिक्ट म्कर-क्ष्म्महः मर्थानः (क्ष्मिक्ट व मिन्द अहित अपटालम् मार्ग्याम् भाग्ने विदेत में अहारत राष्ट्र : विदेशकार कित्व वर्ग में प्रमें दिन : (प्रास्त स्पृ म्ताडि स्र क्रिशकियां ) अविवार (भावकास, [लगर]) (मर्जेंब : धार्ल्बक - ट्याका - धर्म दूक : (श्रिक्व के कर्व ७ म् अस्व हिं क मू क कार्य (मा अके प्रमूप ), क्लेम्रि: (भूकानिविष्) अन्त्रपति: स्तेष्ट्रं ह (क्तू: , बार्नेमपूर ), जायुत्र-शाले : (जायुत्र, धात्र ) क्रम्भाव हमते: (अब्ब क्रमें हमन केराय न हाना) वाल् रिक्रोवरिक डाखरी: युवार् (कार्यसूरी प्रवर्गप्र समातिक हम्यामार (कर्ष के किस कर्ता करके ते हकतान ) अरेड : ४ हमिकरेन : ह किया उ हमेगान माना ) क्रिक्तिका हिं (भार भूते), क्रामाहित्र गर. मृद्दा क्राच मा क्रिक्ति त्राविष्ठा (त्राविष्ठ ) वत्रत्रतीत्राष्ट्रव व्यापिता.

मूती ( वयद्वतीत्मप्यत्वामत्मामी व्यत्वादि ) amody ( toly 2 2) 1150-0011 ) लग (मक्से ) वस (टिक्स ) आवस्त्र गृहम : (त्यर मेन्दर्ध मिनान ) जार क (टमरे क्यारवादिक) आक्रा (पार्वार्न मूर्यक ) अकड: जयम् (यक पिटक धार द्वार कार्ने ग्र [नवर]) जी बंग्रन: लाम ( विमंत्र मीकृष्ड) पकडः ( [डेक वंशेकादील कारवारमेव्यक ] जमा पक दिएक [ध्यम्भार करिएक]) मृदीप ए उत्तर मा मुकादिक: (लाट्नर साश्रियकार्व) अवस्तिक विद्याप (अवस्ति कीएन करिए लाभित्य ) ॥ ७ इग रिटिकारिय रेड्ड (दुक प्रकृतिसिटिक ) विर्वत में सिवार कर्या (म् अन्य क्या है। को विश्व अस्ति में मेर पानी (बिस्मीन क्षित्रशिद्धि त्यात्व व्याप्त मून्य मेन नी (क) [ जवकाता ] त्वी (क्वीकारी छ अरिक्ष ) देव (क्रेंन रमिकान हेलान्डारम ) विर्वतम् भिवार्ष्टा (मृश्र एक यस मविधान मुर्वक) वक्ष प्राध्न मूर्तात्र (मे ( मेंबरेरे का ते अ में में में के के वे प्रकृता, किए व्यक्तिविवर्गातिकव र भारती क्रिक्रिया

(कल्ला बन्नम् हालक क्रां) मूर्र (अरिव मार्ठ) मेर् किन्मिकी के शिमाः (अम्मन ) हत- मिनिष्ठ-करेल्य-कल्ल-नागह-मुख्डो (जीक उ हक्कत कराक्कल कल्ल-क्षिताम् कार्यक्ष्रप्रकारं ) मने में वार्य के (मज्ञान- समझानान मस्प) विम्वड: (orang भी [टरकाटा] ज्यांचाष्ट्रका अर्ट कं: (ज्यांचा कर्ट व केंप्यंता -नरे ) क्रिका विभू अवस्ता हुक् दीरे- उउद का बसी - धर्ष विभा-मृण अप्यादि: (यार् ७ व्यक्तिम् व अवाक्तिन अलाह न दरे ए देवता विक्ति आलं मर्भिय में न अयार काना ) प्रश्रिक -काह-तम्त्राक् तत्र ही का : (मिन्ट्रिन नम्मक्राला के हिल्न आहलाम ्थाडिकिक कार्निमाहित्यम [अवव् मिखनाउ]) उम्र प्राम (म्येक्ष्य) कः (वार्ये वास्मार्वेश्यम्भिवात्रकांता) कालिनिष्ठिः विक्र स्त्राः (त प्रमम्द्र मिन्न काडरवर्ष्ट्र (व्यक्तिक करने त्यत ) : वास्त्र हरिक. म द्वा क्या जिले क में जा : ( कि हिन जार म त्यारम कें प्राप्त न यक्षि भड़ अंवर देत्र इदेशाहिय); । क्रिन्नरकाल-व्च-धर्मन्याक दायाः (धर्मन्यामक लयादेतम्

लाड् लयक बाधि मांचा लार्क दर्गाह्य) रे वित्रमित्या विभन्न १- के में मा बाय का : (भिष्य प्र दक्त बेगान डिमेट म क्रम्यमम् अमानिक इरे एक लालित भे ट्यात दक हार्म-त्रम शक् - के शक्स- प्रका: ( द्रम्म का भी वार्ड से प्रकृते मून्छ हा नम्म हल व देन वार्म ७ किए एम का क्यानिव इरेकारिय) काक्रार ( विषयाना ] हत्त्र प्रात्वे सत्तर ) विधः में हें। मुक्तालियर (छिर्म्स्टाट्य पृष्काल वाक्क), विविषे. सक्तिम्ति (विविधि डेड समक हरी भावे भूते), (3) कारमिक्नी ( ( क्याक्न ) प्रधाता: ( क्षान्ते जूर्यक ) क्यू वे दीलत- प्रतर्थ- प्रताक्ताताः (कार्यापीलक भारत्या उ प्रात्मक स्थी उस्तात्न ) कृषाि विक-मिन छ। छ थू (बोरिक कर्त्र का का हा हा हा मिन निक् पिर ए इस त्रवृत्ते वा व्यक्तेवालात् ) त्रावकाताः (त्राव-भार किया कर के शिहित्तर ; [ निर्माल काराना]) नाराखकान अदेवाअह पात (ताताक्त प्रणाकी हरी. बालि), त्योक्यापि-कल्याना (प्रकार्तिक क्रियमान स्थाप कार्य क्रिया क्रिया है। (प्रिट्म क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय (अम्मेर (त्यम्डर्प) क स्वयं उम्रिः (द्वयप्रमुख)

ब्रमाक्षेत्रामि ते : (ब्रमाकी ख्रम बाना ) बनाइ १ (निक-मिंगवरात्म) यिषिहः (विदे कार्नेगाहित्यर)।। ००-००॥ 20 [ mai 10 (क ] मार्थ : (मार्क व) कार आयाति क कार्य भी क निष् (क्षाप्ता नव्यान अक्षीविष् वर्:), त्माम्पी? वार्यावतीर् (म्थन्व हिन वार्यम्य), अन्तर्कत्वक-विश्मी) कटन (इटक ) ने ज्ञाय माना निर्दे ) वर् भी अपनि [लक्त]) अव्यव्यः (मस्मिर्ध्येश्वा ) । मुह्रे वार (आर्थ-वून ) जी अधिकार (अस्ति अधि ) हम ए ह वि अ १ (हक्रम कार्व काय्रे करिया) अम् विश्वक नक्षमानि : (राम्मेक् गम्भावा ) दमाः शादाः (न्द्र व्यक्ता-मनेत्नं ) प्रक्रम् (त्महम कवित्व कार्य व ) भी गावि (क्रीडा काइए जाल (त्रत्र )॥७१॥ िन लग्ने (पर त्यार किं क ) मा नका स्थान द्वारा ( प्रमासन (य अकरि काला ) ति: मन् वि ( क्रियवः ] त्रिलं इरेक. हिन )वय (धर्मा!) धरामे किस (अत्रात्रे ) रेत्र (यरे) (कारणकारी (धाकामारार्ग) माठवा ह मर् अवा ह ( निक्टारम ३ मर महारम विक रम्म ( मन्हार ] ) धायत्वाजमधाम (अण्यम् वृष्ट्यात्म) नक्षे

( we even Dod ) wend ( was read organ ching-अल्ये काम ) माठमारां (अव त्यं मतातं ) त्यादिश भाग (त्याहिवाल विवक द्वेदक मामिन )।। ७४। क्षि वाह: त्वर वा (त्यामीयन केंद्र मी कि ) ममर्पि: कर्ताः (मक्ष हैंस आवे र्त्त ) माः माळेकः के निकाः (गामीरेशिक तारमक्य केश्रिका)।क्रियाः (प्रिक् कानिति हित्यत ), जा: (जारा) क्ट्री ट्राम्पति : (प्रिट्म त्यं त्या कार्ड:) किमीर्यः (किमीर्य देवंग) ष्ट्रामे (क्वता) (भवु: (भाविष इदेख मामित्र [अरह]) जग्रकाः (जारात्मव धाउन्छ) त्यानिकाः (त्यानक-सर्य ) नक्ष)म् धान् : (नक्ष्रमृत हेनामृत दर्माहिन)॥७०॥ BOOM TO THE COURT OF THE PARTY किर्यात (त्यालकामापुन ) व त्या (अन्ति ) में किताब्ले ब्रायतिन (के ति ति वासिन यकी भूति ) एउ विवास ग्रम विल्व : (विवास भान टमरे स्मामाविष्मसूत्र ) सूर्वन स्त्री - छाछ - भूका सूर्य -त्रकानित्रका अवस् हेत्रमंडि (स्वन्ताकाका हिन भू अप्रभूषि मिन्छि जनवंग मिना जाडि हेल्लाहर कार्निएहिंग )118011

8) वकारं : प्रदेशमर ( चित्रंत्र ] मी क्टकं नवी वं ते भी वार्यका-सम्मान्त्र-मम्भावक - मह्मक - क्रियक्याया । विद्वारिय : द्वारमस्मान्यक्षण के स्वालितं विश्व वित्वालियां।) ग्रेसिट (माने ग्रेसि ड्रेमं ) द्रारे में माक्षेत्र न । व्रह्म मादि : (देश्रामात्र अप अप हक्ष विश्व द्वारा (अविकास)) गढः या (कामामस्वाद्धं ग्रांत ) मानुस्वाद (त्यादा मारेख नामन )॥ हर। HET & ( Cox X my mile ) Donate ( Cocines) in the form 8) क लाम (अप्रिवं ) टक्रमायमामिका की कुर्वे मिकामार ( जिल्ला एक वायन ने में के के निका सर्वे (इंस ) कर्व- मामक- लवा मका - टिमा नका हि: (कर्न मिल्न उ मुक्तान्त्र मानि (मानक ममृह) अमं बहुत (अम्बद्ध) नमाडि: (प्रव्यम विद्ी)म्माकिकार्मः (में भी के यका भंग महिताल ) अहै वैसे ने ने (क्ष्रियात उर्गा ) ताः (अर मेल्युमिष्ट्र) नवार्यकात्रः (धर्मकार्किक विष्टि)काले) मिटिकाः (कार्येत कार्यामिय) 11850

🕲 विकीर्तः नामवितः (नामकी विकिश्व) मक्ष्ट्रेतः (पश्च र्यमत्म ) कारत्म (समम् ) हैं: (अस्म ) टार्गः (आसम ), दिन् निरिक् ह (नेने दिन निर्दे ) स्मात्रल (कार्न्जा क कार्न्च हित्र) वनहार (धमहन ) मकाब्रार् इकित्रराष्ट्रित्रमुटेन: (भक्तत्रवार्मन वर्ष के कार मून विल्ति है के लक्ष द्वानी) Beremonso Cace Visign Panolaiousis हार्ये शर्माहिन )॥ 80॥ कारिएं कार्न अकाल कार्नेग ) लक्ष त्मन हत्र talks and styles of the said of styles of the said of styles of the said of th (MUNT असी) 12 केटर द (COLOR (CALOR ) रिया का ( CAMA में ) भरिकाजमूक: (भरि १६० एशीन उ निकेष भूभाक्षेत्रावितः (त्रुत्ताक्षे ज्यक्षान् [जित्राक]) । मेकारे (टमहत करें एक लाभ (त्रत्र) 11 8811 80 गव: हव: ((त स्म्यापुर र्द्र रहिए) मका सका लाहारो

(CA ENLAND 1929- OWNING) SCA: (SLE COLD) चलान (पाट्य) यर लड़ चामकार (देवस मेंगान हैन-वराली) अवाकिवर (विकास करवेट लामात्वत [विकर]) 2: one ( The same of the same विष्य अस के को दिला (वृश्चित कर के ते के की की कर का की कि कर की क कार्य ) कि: (में प्रकार के प्राचित के कर के कि कर की कि इडियम )118811 8) बक्यानुष (चार्कक) द्वाप (अधिकक: स्प्रमाना) र्देत: (श्रामीतं [ध्रिम्बीरंत]) अद्वासकारं । क्वेडी इ (पक्ष हैंग प्रिक्स कार्बिया) शब्द (क्षेत्रकारक) थिटंग ब्रिकार बीका (लाविशिष्ट करहार करता द्या स्था है। सम्प्रहर्त (मम्प्रसम्) माद्यः (१वैस्टिक) काकातः-लियां एट (क्षार्माह्ट लिंड कार क्षार क्षार) अस्त रेट्य नाम (महक्र ) क्रान्त गार्थिक ( जिल् मान्स् ) भूति प्रधारा (भूति कार्ने महित्ते )। हु।। 8) केक: ([ब्रकार्य] मीकेक) लवयन्त्राम्प्रः (कलात्व अपृत्यकेल [त्यर]) भन्तम स्थातः (अड्डिम्सीमान अमी), जातार (उकामंत्रामारेष ) जीरेष्ट्र: (डीक्र)

करेग्ट्रें (करेग् अपने काना ) विक्रवर्षा (पर्यम्हल विक्र रर्शम ) सदमाविकाः धामी (कामबाम विश्वम रर्शम-हिलान ) न्था (थल्ड्स् क् ) मः ध्याचि (विभिव) व्यव्यव्यक्तः (बाराव काडि काम्यक्व ) प्रदंश प्रेचिवायां ने त्याका श्रीमः ( अ्यत डाम्पर्ने का कामा है जिस स अपने हैं। है। है। जान अलावर्ड ( त्याची मिलंड करामक्ष बारे मधूत्राम प्रवासने करतेंगा ) नायु (त्रिवंह मं ) छा : (त्रिवं म्यूरी -गरेक ) गाक्ता: गामिर (गाक्ता)का माहिता )॥ ११॥ शि महीतं (मन: (द्यावाय सम [व्यंष कर्ने (वटड़])? नः ह (आव त्यरे दमक) मवक्षः (मव्दिर्भावी); जमान (त्मरे (मच इरेट्न) म्यानिज समम् र्यः (अभा दाद मत्मक्ष मेश्रिक्ष की '[त्रक]) लयंग (त्रमकर्ष्य) यववर (मक्स) सम्प्रमां शक्षामार्वः (लक्ष ब्राय हेउप का नार्मिल ) प्रिम्मम : (किटाबिक) नास्था: (विद्युष्प्रभूर [अरे नक्षाल विकास मा 00 E ( CM (सम्माक ) क्षेत्र ( किम्पेड ( my signoss / [ona]) Surysid (Sails Erga) ट्रियं का की प्रवर्ग : (त्यं के के कि ) प्रत (क्षीड -त्यं ) लाभा प्र (-वर् EREA क सद्य ) कर्तिक (में हा ) लाम्बर (मात्र कार्केट माम्त्र )॥ ८ म।

8y fai (nymen) owny (mason) ordig: (cry deig-. अर्प ने अर्ड ) च्हांट्र (क्हांड कांब्र कांब्र कांब्र (स्पार्ट -विकारिकर (दिनामिलिएमं कार्य निकटि) अमधर (अपन कारे प्रार् तान: [अश्वाल]) म: रावे: (नी कुक) मृत्यानिक तरेन : (नम्बद्धीकाता ) र प्रतिक प्रवाह केस प्रवादकः ) यहार्त के क्षा (सहारं कार्बता) इसरं (ड्याहरत ड्याहरत ) काशिकाः (चानाका के के क किया ह (कन्यान हरे त्व ) क्रिंगिमार्गिमा अरावः (अन्तर्धि रवंतु शहरा ) हम (कांबावा ) उठाठ (वप मेंब्य) लाष्ट्रियत् : (क्षारावं वर्नीहि बाहिना पर त्यत [ववर]) प्राचित्र कि विकास मुक्त (दिनास भाषा) काक द्रार (काट्यर्थ कार्यित) ॥ १ थे। (१) ww (अअस्ति ) क्या की (इस्सावन) इसेडी (इमिट्ड रामिए ) अवदर (वारितार मिम्पिरिक म्यार्थ!) (शक्तिकेट) क्रिकार के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि विम्ल (१००) वन ) दे दिया लामें (के दिया-वाण्य देशाक ) ता कीना (कान् कार्न ३११) : त्यात्व । ( ०० मास्त : ) विस् मास (विति ३) वर्ष ( व्यक्त साक्त ) डी धार (डी धाममा ) प्राचित्रपड (जनपडि )

वान्त्रिव अवन अवन्तिन नन्ते ) : (वा (जिन्सिक) कर्णे ) विकार ( कार्यास्त ) करेट्या (करेट उद्र क्षेत्र) कि San Justin यः राष्ट्रः (त्रिक्क) लभावत्र (राज्य) अपंत्र (रस्टावा) गरकर (बन्ध ) मल्य (अमान [अवर]) प्रत्यान (बाम [इसु-यां ) क्रा काल्ला (मांबाका करत ) मं ब मां गेरेर (बेंच्या त्रारं कांब्रिक कांब्रिक) गुवा त्याद वाली इ ( भिक्क रित्र इस मूलन हाना ) कर्ष्याव ( मस सराम अ धें ब्युक्तरप्तं र्षि ) वत्रेति वर संस्थि (द्रक त्राहर्तिक वर्षा क्ष्यम्मेशम ) प्राव (क्षेत्र कार्नेभगदिश्मत्र )॥ १०।। ( [masa] sig: (mpara) massid (ouqueran sigo) र्दन र्भवना १ (र्दा कर क्रम्यवाकि र्क) त्यामर् (त्यामनं) मार्गम्याम (लार्गर् मंगर्गः (त्याम्येक क्रिक्रियों के क्रिक्रिया के विस्तृति विस्तृति विस्तृति के विस्तृति विस्तृति विस्तृति के विस क्षेत्र क्षेत्र (मुर्कक) मिनंस (मिनविधां माद्रव) हिस्साय. किल्लाक्षेत्र) ।। ६४।।

(miah 2) yann (ana)

(ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana) (ana)

(ana) (ana)

माम्ये व्यान क्ष्रिक कार्य क्ष्रिक क्

कें अमर्गाण (१ कम कें अपर्रेमार्थ) 'कमा (न इंसम) (क्या (मार्थाण) । हिम: १४ (भवेम्मार्थ) १ पट-

हक्ष्रकामीस्वक्षरेत् (हक्षत्र काक्षीन स्यक्षम्र) वरमत्रां (अवंश्राद्यं भाक्ष्रमित्र [कुड])लांबु-वाने या पर में मंद लान (वा प्रकार सामी में पत ) हमर-कर्णप्तातं ( अवेत्रावं हे स्य क्रियाको) हैं हैं (हैं है-हारत ) यमानुवर्ष लाहें (यं में इम् ना हिंग )॥ ६६॥ Of cerains necarains ([educa] exq cerang लाहमां दक्षत हर्दा ) दक्षत त्याहमा (दलत नंपमा ) धन्य (मानाना) मन्त्रमायामाध्ये द्रव्यकी (मन्द्रमार्द्रके अत्यान रेक्टर कार्नेट्टरहन केर्म ) दाहि (म भीमन ) रेशिक : (र्शिक कामरे) गणि (क्या कामे स्वरं) migray more (त) या: (त्यह अभाग) वार्ष क्यार (मृत्यंत च्यांक्रास्क) जाकिः त्मामिर्द्रियानाः (मिल्मिनियानं द्वाना द्वाना ल्यास्त्रम्य द्रहें ) लाहित्यामा (लाहितम हक्षा) लाकात्माक्त नारा (कांग महित्यात स्वाहुता) (अवसाव) भारतास्थान विद्या ( क्षेत्र कार्यामस्य क्षेत्र मेला) में डि: १ हिए (हित्त ) स्थानुसर (श्रिश्च सस्यान्त ) कर्मर वार्च-हर्गर (डेडम अविहर्मन) मान डीह्र (थाडियार्डिंग) लाकान (धार्यक कार्यित ) क्रिक्शम्य ६६ (सामावं 

Man Minister Lought & mineral work After (0000) Bulani ausor (Bulania susa). नामिन (मामेन) जासूनवी थी: (जासूनवी हेना मेरिन), ष्टियं (ह्यां अर्घ ) मा दक्षाण्यका (दक्षित्र) गुलत ६ (ग्रह्ममप्ति ), देल त्रमा (देलातमान मार्ड) क्रीकुं विता (क्रुंविया) मारीय-वास्त्र प्रकर्मीयुम् (कल्ली प्रेमि करिकारी किर ]) मुर्दिका मार्थ किन (त्रुतिने मार्च) कां द्वी (कां द्वी) प्रमाम अक्षार अद्वासकार् १ (स्मक्ष्री अके - व- र्ष्ट्याम ) र्राक्ष (कारम्भिक्क) त्यार्म सम्देश (त्यामादमाश्वाहत) लाक्ष्येत (लाक्ष्यं इक्ष्यकार्व) विप्र (सर्व) हिल्ला निकार (क्लान देवन ) कान्यत्वाद (कार्वाद ने कार्ड (लात )।। एए पु ए रे।। ति गाह: (एक मन्त्रमा) कि: कि: (अंत्राक शर्मम ग्राद्वितार-धांबा ) (याविवरंगः क्षिकरंगः ( श्रिम्ममलंब स्त्रवा कार्रात क्षेत्रासन हेल्यान ) गर्माक्षरे : (गर्मन र्मिश्वयमात् ) मामिलास्यः (मामिला अङ्गि भकतः ) स्मार (रामस्मा) अद्गार-रेयमा: ([ममाकाट्र त्यानान ] द्वार्य मार्थ कार्य कार्य केट इन्में) विद्राष्ट्र: (विवाक कावेल मानियम)॥७०॥

Man ( [educa ] Chillia ) nes (neg ) printegal जल्ड (जामार्च कालाव महित त्य) अर्थाः (मभीमर्थ प्रकार ) ल्यः मिलि (प्रमाधवर्ष) वा वाक् को (क्षीवाका-क्करक) युगमद (अक मरभंदे) श्राचमा हिम्माण ए मार्ज ( जिल- जिल- काडिम्टम बिराक्यान काल) में इंड: (CEINCO MASCELLE) 11 0211 ार् मा: ( भूत्रकाम ) स्पर्भायकारिक: वाह: (स्पा-रिक्त का क्षिक विक्र के के के के के के कि का कार्य ( CM) के कि के के कि का का का कि कि के के कि का का का कि कि हिमानि ) व्यक्तिमामार (व्यक्तिम हक्त दरेता) इत् (तर्येस ) लचं (लाव चण्डि)। हिम्सिलामी त (शिट्टिक कालांब लिट्टिमार्टिस)।। तरा, भी डार्ड: (मार्क) कार्ड्ड: (हर्केस्ट्रिक) म्यायरार् (प्रमम्य्यं प्रत्ये )। भ्रामार् (ध्याभ्या) नामार् (भागुकारिक के छि सँमन्। धारपुरं ) नाएक (मान्क्रास्ता) अकि मा आहित मित्र ( निक् माहित कार ति ) हिकीर (लावम्या कार्य ) लामे हि: (प्रमुक्षेत्री सन् कर्क) सरमा (सरमा) दुसर्य : (ल्यामाम् रहमां) मीर्यस्य लम्पा : नेत्र (की नं क्षेत्र का अंच में में ने में की मार्थ (क्रिक्सिके क्रियम )। ५०॥

08 sed (ord ) nethicy: (consisting this ) or west sta (अताक्ष) दिवसकत्र-विद्यालाने (मूर्याकत्तन हेलाने-कारम ) रेष: वय: (रेष्ठिय:)म: (त्यरे) नगासिम-गुर: (नवीत प्रध्वार्म ) प्रडण् (प्रवीत ) श्रकरे-हलनाडि: (अम्बान क्रिक्निकां ) भ्राविक: (भाविकारिक रहेगा ) बरायालाद्याद्यातः (अवत बाग्रायल भूर्त्र ) लाखान्त्रते (इंद्रक) ' वस (वारंत रंद्रा ) करते : (काल्पप) ट्या (त्यामान कार्य मेर्ड में जी मान कर् क मार्ड व्यक्ति न कार्येका) लागांबाद्धः (स्प्रकेटकं ) दुलाहाद्धिलयमा द ( garu ald 25 (24 ) 11 1811 > ताम लामां : (त्या मिक) भेषारी शामित्र मार (क्यां भवं प्रकारक्षायमातं) भाषकार्षे ला के बा (यानिकाटक कायत्र कार्यम कार्यमा ) मार्क्न व्रव् (पाक्रम बाद क्रातः (द्रारा के कर्काटर (का निक्ट ]) अवं कें कें दें (शाम शास ) राज्ञारंभ-प्राप्त (जिल्ला अस्य प्राप्त) विसिधाप (प्रमर्थने भूवेक ) प्र: (जिति ) जार्डिला: मर्ला le a Cey (cur en en en en inno (a al) 11 0 6 11 ( a los of mas and and ( a los of ( china uni ) को की (क्लामण) ध्युवीय (काम्यम) रिवामा:

( 2 2 2 2 2 2 ) a who ( - 5 CL x ) & & & : ECI क्षानिक (सम्मिन्दि हमन क्षितिक मार्टिन and seid - the contract of the order मैं के कुर के जा बिटमें कर्ज क - में के कि कि कर्म केर है. लक्ष क्यानिकिएक सर्वर ) वाक्षात्र वाक्रिंगः मत्र (क्रीनंस्यु व्यामे विक्रम्य वर्षामी क्षांत्र एवं सक्ष कि ( करंद कर : वर्ष : (अक्स क्या (अक्स कलाविशास मूममृक वरे जीकृक. हत्य , कार्यास्टर्स अर्थ स्मिष्ट ) होरिज : (डेनिर्ज इर्माट्य)।। एए।। Ad नवर (न्द्रंस्ट्ल) भार्षवः (चीक्क) क्रमार (क्रममः) विभागिकाद्याः (विभागा अकृषि ) जाः (मग्रीमनेतक) लाकेश (लाक्ष्य कार्ना )लमें: (ब्रूक्रासन) साम्पुरित (माकी काका) धानिकंड (धान अंत पूर्वक) दिल्यान-मून् (हिट्यास्तर-सीतान् धारम ) धार्क् (धरुष्व निमंग्टिलार)॥७१॥ Af लम (लक्षेत्र ) च्यांचा (च्यांचा ) हिल्लामार (द्यापा व्येष ) लक्करर (लक्ष्य र्रिक ) हिमाम-नामिकादिकार (विमाभा ७ मामिकादि)

कालार कालार (दूर-दूर-कर क्रमीन क्राईक) विकारियः ( Baidens ) 18 no ( Mian motor man) ourcessio ( कार्मात्रिक कार्नेक मानित्र )। ७४। प्रे विष: (अम्डन ) नात्वाचिति : (अम्मान रोक्नान्मान) पालवारं : (अल्बाक्षक्विमभीमप्) क्रवंधं : (स्थाना द्रेशक लब क्षंत्र भी ब्रुक ) करा (वरकाटा) धर्वः। भूषाः (त्रिम्नार्युका) काकत्वानिकाः किका-नवा अव्वि ) सभी ह (मभी मनेता) कमन : (कमन :) वलाए इति: (वले १ हित्ते व भार्ष ) गर् (भरे) हिल्ला ख्रमर (त्मायांग) कारबादमं मार्थे: (कारबादन क बारे भा हिस्तर ।॥ ७०॥ प्रवाहिका: (अवाकान मार्ठ) छा: (अरे मणीयन) माने हो: (मात करित कर्ति) क्रमम: (ममका) बामार (ब्रायालक) वर्गा-वर्गा-वर्ग-वर्ग्न (रेप्र-वेत्रवर्ग प्रश्री नामा कार्य कार्य में में में में भी भी किए। वर (त्ये ) ट्याडिसर (अर्काक ) वेस्र (इन्तरकाव) रसामग्राम्यः (multing कर्षांग्रहत्यः)॥ १०॥ ( [लयदेवं ] पात्रकारंगर (यात्रका) वाकारंग: (च्यांकावं) का क्षिया मेर (कर्त महत्रया हर्रान क्रम्ह त्मानार

ट्या के द्रात्म कार्यात ) माराम (ब्रामा ) इसडी. (उपमेख उपमाख ) दमायाई (दमायाम ) व्याक्त्र (ब्यादारम-व्येक) अभी मार् (अभी नारेक) यह महामी हु हमान (अटनक बछन का दल कहार कार्यान)॥ १३॥ JS [DEWLY] DAVIS ( DINGL ) BRANCH ( BARR चारिकां शामकारियः) हिलामार (कामरात्र अस्ति [ लड्डी ) अभी (सम्मा) (समाव) काटलाय नेद्या (काटला का काटलाय का के के कार्य ) म्म : (म्मनाम ) नक्ट (नक्षि) श्चिर लहिंद ( muen shout syly = ( a) \* 2: ( cism ) 2/4: (ज्युक्क) लस्तारं (ट्या सम्प्रापत्नं) हताः हाताः मरी (पूर्व पूर्व कातन अर्थास्त ) आम (असाम भारेष लामित्वत )॥१८॥ कि (रात ) क्यालक : ( क्यामर्क ) मध्वम्यक मार्टि रै म :

काक्ष्यां क्रिक्टि का क्ष्यां क्ष्यां

त्रकं कि के क्षेत्र ( [रमामा इंद्रक्क] काककंत्र काकुरम्य ) ॥ व छ ॥
त्रकं रिके में (क्षेत्रक क्षकंत्र काकुरम् ) क्षेत्रमं (राम्प्रमेरम्)
त्रिकं में क्षेत्रमं क्षेत्रमं क्षेत्रमं ) मः (म्युनेकमञ्चाक्रमें)
त्रिकं क्षेत्रमं क्षिकं क्षिय प्रामुनं । क्षामु के (स्मीमप्)
वर्षमं ) भारत्याम् कर्मे काई क्षेत्रमं (स्थित क्षेत्रमं क्षेत्रमं क्षेत्रमं वर्षमं वर्ष

किस्मित्र : (प्यानंत्राक्ता) मक्स्माह: (मर्ब्य किति के मिला है। का अधी वाम : (म्प्राल वार्धिक) ट्योकी-ब्राबीमार् (क्रमान-क ब्राबिक् विक् ) ह्यू-म्मार्या विकासर (यो के ल हा वक्षामं विका-रामक (केट्र) भिना-कीजानाजी- श्रवाकाटि: (न्यासम बार्बिश्विस्प्राचा )। ब्राबर । यस्य (उयातक्षेत्रक मावक्ष्मां (तक कार् (तक्षार्)) लाए (एप् ) केकाद : (चारिक टाम ) र् यावप् (र्भवत ) वर् द्यामा सिमा ट्यम : (नर्क्ष हिटलाय या भीका है कि का गंब (बन में के उड़्य) ॥ वत। QQ ध्राप (अम्माम् ) कृषः (अक्षि) जाहिः समर् (अंत्राद्यं अहिन ) नी कलकारमं (नी कलका मंत्री का ना के) वासी क. नामक्टिल (मर्नामानटमान क्षेत्र १८६३) निविधे: (डेलल्यमम्ब्रिक) विद्यामम्भर् (विद्याममूत्र) अनुष् (अनुष् किन्नामित्र )॥११॥ त्रि त्य (दृष. १८६ वं ) त्यार्ड का आर्थांपत (त्यार्ड १०० वं देवन मान् रंद्रात ) लावती (वावति कार्यमा )कासतः न्त ( [द्रारा न ] अभी महारात्र ) सत्यक्रा (सत्याकात्) देअत्यम भिट्टि भर्गामार् (दुअरवन्तर्भक क्राम्का)

अकृतिसम्मन् मृत्मार् (कम्मटनाहमा ) Curalमार् (आपी-मत्त्रं ) अवतः (लामलात्म ) र्वामक्षाव-भीवाध्वः ( विचित्रे धानका व अ उसमा क्रिके के के कि कि ट्यार्य राना उत् (अर्रशातन प्रकामण) स्त्राती अहिण: (के वे के शिकाटक) का के लाग : माम (दे न्याप्त मार्ग ) क्षेत्र (काक्षेत्र) में सर्व हर्यः कर्त्र कार्रा कार्रा (काक्ष्रम्य कार्य क्षेत्र कार्य का 9 कार्यकेर) आतमः (मभीन ने) प्रत्नाक्षप्रकर्ण्य वर्ष (अल्याम लडलकात दुत्र ) मास कर्द (मारं रहि) मक हा सबंद प्रमुखे (ल्यू हि हा सबं क्रमें कर्ति।) अस (डेक हष्टमार्भी) निवादकानिवाद्या (की डाकि आहा ) का हमा (स्थित प्रमान भार्ड) निर्वरेष् (ठेलावेषे), कहा ([क्ष्र] कारियांग) किन्मनाक्षिप्ट (कनवनादिवापी) श्रीकर किंप् (तिल-छिए क्रीकृक्टल) मुबीलए (बीवन कार्न्ण-हिलात )॥१२॥ . प्रशीक्षेत्रकर्ग धम् अप भाषाक्र-प्रवाहत बीका नार्टा (भारा के उ बीका ना मिना के मार्डिका का ) निमार्प (सिक्स मार्च मार्च) कामार (अकि दक्षे

पवनात (क्याड मृत्र दरेल ) कृता (कृता त्वी) सास्त्रिक्तर् (धर् वर्त ) हत्रक् (वात वात ) प्रधातीर (लायनयर्षेत्र ) किता: (भाग मा के किते ) में कार (समार्भ) म्बान (किन्ने कानेतान) ॥ ४०॥ मेक्षु आविद्वात्त ) लक्षमार (लक्षमार ) लाक्ष द्वात् (पर् आप्रमात्यं सद्य ) रेक्टरेन के प्रकार विवास रे (र्कानक मर्केपमें मार्थ होता हिंस ) विकास्वर् धार (विकाभिष ), अकर (विकरि) करक- कथतर् (भूवर्यकर्मा [क्ष्र]) अत्राप्त भीत्रवाकीयः (अमारि नीय सम्मी वर्षा ) विद्यार (विद्य) अम्मेलं (अमर्ग) कार्यायार (oug है 2 र्मार्ग्य) 11 + 211 ि) स्विकार्यः (त्यांकार्य) सम्बद्ध (समस्) मन्य-वर्मित्यार (प्राथित क्रावर्ग्य )माद्वि (भवं) भीनमा (कीन भाष ) भाडिए (भाडिड) आत्री १ (यर्गारित ); अथ विकास ) माडिए स्थित स्थाप (कारिया सिक्त प धर्म सूर्य ) जमार (टमरे नी न पर हर्या ) द्राया है वाय व व व्यापी (द्रायान मार्थ दर्गमा ); विकास

922

18 com (इममण्ड) अनुनीप (नामता मिक्कामटार्म) कि कारत क्रिकेटर ((द कंपनामान, दर कंपनामत!) इसर (न द.) रममंद (माम रमाम).) सर्व. (सर्व.) मेंबाल्येर (ब्रामकी दृत्यतं) महस्ता भुवरं ([anna:] Har E(g. Risi. our syding :[d. red]) टिनाः (दुक्टनं के) प्रध्यारम्यामा स्थिता मुक् ( यरं क्ष देव अप त में अवला हार्ं में ब्राह्म दे दे हं रंग [xm2 ]) \$15 (77) (and (al real) no ) इत्रक्त (इसमाहानं ) मिलीरं वार्ष (लाम करं )।। १-8।। (स्वर्भक ) शिव (, नात्र करं ) द्वि (तर् काम्ता) धाडा-वदमान प्रामिष् ( जिल्लान म्यक्रमान निकार ) निता रिक्त क्षा (क्षा के ने तार ) दारे का कार (का दिन कार्रेता ) प्रतिष (क्या) करवंत (इस सार्वा) वर कर्तार (डाराम रह रहेर्ड) हर (भार मार्चार ) ब्राय (अर्ने कार्यस्ते ) ॥ ७ ६॥ ( उत्ताकप्रमानं ) रक्तं (तेत्र) लार्के क्ष्में क्ष्में।) में में मार्सेश मा (में मार्सेश स्थान्।) रमप्रकित्य

256 (22014) engy 20 (Cry 22) outre (outry-ल्येक ) विकास कुलामी प्रवासिकी कुटक स्ट्री वर (श्वीका) लक्ष्म (में असे स्वाम्य कार्यमें) खिनेता (जिनेतिता) कर्ड (राष्ट्र) अमर्थमामाम (धन्वरी कर्मात्म )॥ ५५॥ नि छिए: (काउ जीकृक) छिमरेबी कुक्रमालामुबर् (किंत रेलाद्वां रीममा र्द्राव क्रमय) विराह्न-THE MANTENGE ( INTO THE ORDER MANTE भूतमी कृष ) , जिल्ला भागी - निवराभ - बार्या (तिल्ना सिने मश्रीयरमें मार्डेसममाना मेताहर ) तिमाल्य (तिमंदित्यक्ष कर व) विमंद मर् ( टमर् . जिन सर्व ) यक्षेत्र ( व्यक्ष्यमं व्यवस्ति ) लामार्भ (मात्र कार्बमाहित्यत्र) 116-911 कि मिल्ल कान (जिन्दा मानाबा द) का मान्त्रा छन्carcial ( eliberia est one min pring) maria (क्षिककर्वक) धात्रका-आमुख्य (धात्रां क्षंकरम) ल्युक् (कार ३. चिन् ) राम्बास्य - आयवर ( कां किंग्डिं किंग किंग किंग के कार्य ) वर (द्यार सक्ष क्षेत्र कार्नु कार्य कार्य कार्य हिंद्य )।। ५ ०।।

िर्भिक्क प्रक्रमानेना प्रक्रा (क्रवनिष्ठ मेरे ध्यक्तीमारे में अपरेष ) मुन्ता (म्याप्ति ) ज्ञाक्ताना । मुणिमिनामिन : क्षिमिन के कि विश्व मिन् किन देश के के व कर का मानी है। एक का मन बंगा कर बंग ) Mitad (onemi ounxaca) enauy (ounduntx) अर्रामि क्षा (अर्र करवेंगा) अत्मापण : (इक्स्प्रवादः) स्थायार मेंबेंक: (स्थापान्यं सम्प्रित) मेंबार (कार्य कार्तित )। ४०॥ ) क्रम (अवस्थि ) वाह: (र्सा क्रिकेश्यम् हर्स्यक्रि) यशीयार (यशीमान्त्रं) लक्षतः (यम्प्न) हस्त्रं (त्यर् वात्रभाद्य असूक् ) गटक्ष्र (मूनमत कवित्न ) मः कृषः (क्षेत्र) वाबिहियाविक्रमा (क्षि विहिय विक्रा म अखार ) ग्रम्भर (धककारम ) काम्यामर (मिन्ने मभीवार्षक) माकित (माक्रेन) भाटक (भाटक ) माहिक् वर अभि ( लाइमेर्नेट रेंग्रंस छ ) (स्थ काम (स्थानंत) न आदमार्क (मृद्धिलाहम् दरेत्नमा )॥ २०॥ ) [ विद्यास ] वा: मका: (अर मधाय) क वर मिंगर (जिंग जीक्काक) टक्स्पर (क्ल्यमभाय) अभ अभ (तिम-तिम-) भार्या = व (भार्यात्रे ) धामाउ

Lander How IX mix 5 has prose ( Novem 2 and was with in which were ( to my sais of my water 2 - The sin क्षित्र कामित्यम ) ॥ १० १। भी अम्बन ] क्रम रक्षम (त्ये अक्रक ) हू काकमानः ये विष्मा कर्षिकार (त्राहमने सामक कार्य कार्ड के कर्त्य नियु का नम्बी-प्रमाविश्तिष्ठ-त्माने-त्माने-त्याप्रम् वाताकने-आरमान-तमादिक-निमादिक-मर्भाति (त्मेन्क तमाता कारकादिक खननमार्थन निमार्थ कार्य), रात्मपूरणाड-बालिकार्वन मल्लामानि (इन्छान्तम हलाकिस्ने प्रत्याप प्रमुख्या अर्वन्य म्यामी क्रिक्टि रामन्मना स्मीए-क्षिं- त्रमे सर् - म म्रवनिभामवं व्यक्तामं ( [यर वीम्लन · ट्रियम्मल अम्माकाका काम्यार त्र ताले अर्ड (अन्तर् द्वम अन्त्रेत मर्मानं कार्केत्र) लर्मार में में मार ( क्र में द्यार मा दिन ) नक्राप्त (म्ममपूर ) हबक्जाक्रु अम् : (आमभावक्राल भावेतेव さずいとと )11のとものの11

(क्षीक (कर्व) के सरकार (मूर्व आर्थ क्षेत्र) मावे में आर्थ १ श्रीकारी गायि (म्यार क्षेत्र) मावे में आर्थ १ श्रीकार माद्र (म्यार क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र ) इंदर्व : (में स्थात ) मं स्टिं कार्त कार्य क्षित्र कार्य के कार्य के कि हरेट्य [मून्बीमरोन धर्मातन वर्षे मीम्राकने])धर्मनः (लक्षं ) अवकलार् प्रयमार (भामभामकाल भामे) व वर्तन ) ॥ २८॥ क्षेत्र (लक्षक्षेत्र ) मर्डन्स (श्रिम्परम् मार्डव ) मा रेप्स (र्यादवी) र्यायत-गम्पाः (र्यावत्रक्षेत्रर्यायत्रवात्रे) व उथा (अरे )मनी मार् (मनीमारेन ) भूवतार (ममार्थ) नाता-बिद्रेल: अधिजात् (प्रमुक्तातम् अस्ति, व्यात्रापति रामा विदित क्रा क्रिके क्रिके हारिए मार्क विविधान वासीय-हण्याम् (नामाकाणीम् प्रमः) प्रथममामाम (धर्मने किल्मिनि (अम )।। १ ए।। कार कार कामवनार (भ्रामक नामाविश्व मामाविश्व ८० वार ( चार्कित संभवीय प्वं ) मामकारे मार्वे (अक्ष भामररकू ७ ध्यान तम भाम क नाम रम् क्षातिक सार्वित ) वेलारमः (वेलाक्षिकं ) हिंगांग प्रकारनं के प्रति मार्थनं ती र्य नाजीत हो सक्छ।

मि लाड्ड नार्य (लाड्ड क मर्स मास्मित्य ) मार्थ माडा-हर बाक र (धाउ के का एड के क्राइट के के (भर्ग विका)) यकार् लक् रंगाप ( मिंडे वं लक्षाम्बर्गा ) वर (अरे रे कर्ताक रामित्याः प्रकृष (वित्न कर्मार् भात्रकातीत कार्याम् कर् र्रेश्नि )द्रमत्त्र मे प्रमाण्य (कन्मित-@-सम् सर्हिमात: ) किकां आय कामा = ( किसाद [0] भारत्व ) विभूतानार् (टमरे मूसलतृत्यम् )विभः भारत ( अनंभवं केव व क्याकेव कामम्तेर्त ) देह (नर्रात) मिन्ह्य ; त थान (कात निन्ह्य हिनता । विकिन् कार्री रही कारि विद्रम् का का द का कारा के जारि ो प्रार्थकामण्ड्रतरमार्थाः (वयरत्य धामधरन कन्द्रवक्षानिक) धार्यकार्त्वः (मर्भ भारीकारि किट् ]) भार्ष मार्थाकः ह (व्यक्तिक सम्बद्धानिक) प्रदेश: (जिबिक प्रकार ल्पात्वरम ) हाः वंबान्त्राः (त्रत्रे प्रम्तीमने) काकृताः क्रिकाट्य ] बल्लिय इंड्रेंग हिर्मेड ) ॥ १० १/ क्रिकाट्य ] बल्लिय इंड्रेंग हिर्मेड )॥ १० १/ कृषामान्त्रहात्रव (भाविष वत्रत म्यानिष कृषते विष-किकार्गित अहि दृष्टिन करान) , अकार (अम्मरं)

म्रोड्यायवर (देक रामा) ' लाममर्वास्त्र केरं १ (ममvola gaires) ' myters ([mg ] maisey) डो थेए मा अमामिए हैं (अन्ताप में अमामराना ), वर (कारा र्वाक्ती भामनार (भादेश भामना रेव) लड: यम् (लालाये स्प्रेय विकास ) क्रमंत्र (क्रमान १०० विक्रमहित्र ) ॥ १०० विकास विकास ) १ वर्ष (अभाषते ) जिए में ( जिनेक्सकर्क ) जिनेपपूर (जिनेक्समाप्ते ) करंग-बात:-ल्ल- शहार् धर्यातार् (लावि, बमात, क्ला ७ बहतन् (प स्मात ) विस्तिष्ट् (कर्क इस्), रेप्र (नम्हत्त) मर्मा: (मर्मामित्र मडवारे) व्यम्भरं (देवे) वर्ष्त्रार् (वर्ष्ट्रस्तेत्) वर् क्र्यत् (जार्रा मिकि छ द्वित क्रायत ] अस्रापत करिमा ) अम्र मुक्लाता: (क्रिपंडम निश्रक ) अभिन्नारमण १ (अनि अभिन्म माराप) धार्म् (प्रकारत करिमादित )॥ २००॥ १०) तमा (वरमात्म) मूम्मार् (तमरे मूमवीमार्भव) देखारे ( sue) Diricu ) some ( with the ) " भरवर (भाष्टामधरमं) अभानववर (अमन ). क्मार्छक (क्म उ वत्स ) अमुडा (विश्वस-छाय), ट्रामाटड (नम्बरकार्त) अक्रेन्ज (बाडिमा)

(ट्रिक्स प्रमाटका (क्रिक्स) क्या हमत्त्र इस्म (म्रम) म्राडका (क्रिक्स) क्या हमत्त्र (आविश्रामवात्म्) मेर्डा (मेर्ड) में हैं। भी मित्रका (रे कि केर्रिक मार का शक्ता) विवर्ग ( विमर्ग कि व करमा क्रांगं) रेक्स (रेन्द्रवाकेक ) मित्रकंटमार अधेर मा मा लाभूर ( एक एक विकाश विविद् मान मात्र इमेरड कार्यार र्भं छट्-७-भ क्षाति विक्रिकानं सरिन्दिमका रमेट हेरल के इरे माहिल), का (जर्मपूर्ण) मिनंद (मिने मुक्काक) काम (मार (मार्थिय कार्बनार्य )॥ २००॥ १० हिएक (अर्काद्यातं ) त्रामेश ते नार (त्रामेलार्था-अद्भवं ) शाह (श्रमतं ) मः आदंबामः (तम समादं अत्यात ) नार्विष्ठाबका द्वां (नार्विष्ठा निष्ठ लकारं ) विति भीरिकः (प्राधिक हिन ), भर्माम ([कारा] भरोका प्रिंधिक धळवान ) कावंत्रें कं (कावंतें) (आह ्त श्रेम: (अर) कार्डिया वर्णान्म ) शर्: वड़) (बाह्य क्षात्र ने [का रेमने माएक ]) प्राचारमायक

(नम्मक् डेर्म्स नामिष्माक) कामर् हमान

(अम कार्कारहत काम्त काम्य काम्याकाल व्यक्तामा कार्नेशास्ति )॥ २०२॥ क्रिक्ष (क्षान नक) नवकिल्ला क्षित (नबीन किल्लाकी) (कार्ट कर मडक्तिकार ) चाउ (प्रकार कर्तिकार कर्तिकार विश्व कर् प्रकारमं )कालिविश्वमा (अल्यमं विश्वमं लाख) अस्ताभ (असाभ क्विट्ड लान्ट्रियर क्री 50011 (धल्मी स्मार्क ) भ भ भ भ भ १ (भर्ष ) माभाष : (में केटिट हम [ल्यं]) रा (ल्यां) हि ह विभिन्न (विभिन्न अर्थाप्यम किन् ) भार म मरी (लड्डा ) वाह्यार ममर (व्राधात व वृहतंत्रं महर) The (main maine ) १००० विम् भंता त्याद । विक्षे एकं - विक्षंता एक - विनिधिवकः (यात्रात म्यायात्र विस्कृतिनीत त्रीव्यक्षां क्रमन-अर्थन धाकर्पनेकारी विकामिक लामाक व निका करते), मकामत्वरे विवसी क्रियात- तथाकू के कल्ले प्रकारितात:

(1213 rd, ours a soley on inversion our told BE a sudale onemin son ) " nelgemany-प्रयोग त्व त्र १ - ट्यार भू स्न न्टिंग १ श्राम के व्या त्या : विकामिण वरकाष्ट्रम त्या भगाक वका की क्षेत्रम् [346 1712] Courses from (Course (क्षिक) लाहिया के (भारत्मिक्षिक [ट्राय ] ) रेक: यहकातः वृद् (विवाद विध्वं शामं ) प्रायम्यमाम् (६कामा कार्मिमार्गन सत्ता) नमात्र (बनाकामणित कार्यमिश्तिर )।। २०६३ २०७॥ 500 तार (लक्षां ) (व) (चीनामा ३ चार्केक ) लड: (लहरं) सरमाह में के का ने ह (बसले का व में हैं। क्षित्रमा ) मन्नाकार (मन्नोम्मकर्ष ) निक्षिक्षि धामकः (टमके इरेशिक्तितः [अर्ड] )आतिमाति: (अश्रीति) (कवत्रं (ज्ञात ) प्रक्रमंग व्यक्त व्यम् (क्षिकाकारे श्विष रत्रेगारित्य )॥ २० १॥

१०० (लक्षां ) वटां : (मांगां व मार्केटकं) यतारं अध-निस्द्तीय गुभूशीवितः (मण्डिक् क्रिक् क्रीनीविसपक कार्डनाम छएनत रहेरन क वर् विषयं कार्डका) (यामा: (र्मयवावं) (अवंत्रमं (त्ववंत्रमं) अव्यक्ति तान (क्रम्मनम् नीकृष्ट) का साय उर्भार्थर् (Brown & years & Buis (Brown & & MA) David Jasmer dos was stated at (क्राम (लडमाक में का महमहमाड ) पकार (मात्रा कर्वात ) मेर्स्सिक्रिस्वाम् (मेर्सामाह-(माहता) काहुए अभी (सीयामाउ) त्यवालवाती-वार्वे टिमनो मासा (टमवा अवा मंभ मन्ना मन् कर् टमारीका दर्भा ) मुख्यावान-क्ष कालि (प्रथ-वालिशिह्य मार्गिक्क ) निर्म क्रियाहरी-क्ष गाटन ( निक्क क्ष नामक ठेउमे क्षार्म) श्रृद्वाल (निमानवा इत्रेत्वत )॥ २० ५ १००॥ 170 [लाप्रें ] मामाजना : (ग्रामं लर्जनात्म्वत-अभूक्ष्य ), अविद्यासिक-सामित्यामुक्ट्रिम्गमामा-कस्ता: (प्रारादन मूज्यमा जालमा ट्रान्ड-मुनामिक मुसुर्व देमम इरेक्ट्र ), नमम्ब्राचंडः

(ग्रायादन ध्यां नाम इरेट वसन स्थानिक इरेटिट ) मेर्यम्भारतम्मः (मात्रारम् नम्नम्मात मृतिक Exace [200] ) Maria Mor: / James (कः ठठः अभिजाक्ये भागः (भारादिवं वद-जिल्ला रेण्डण: भारत रते (कार ने किसी) अकाः व्यक्ष (मधीयपुर ) क्यामाड्यादाः (क्याप्तं काकिमार्स ) धर्मः (मधम काब्रिम )॥ ३३०॥ क्रिंश भक्त्रम ग्री ए प्रमानि - म् ह्र - क्रिक्र मूं नि अर्थे -मिन्ना कर्म कर्म के प्राप्त के अवास नाम-द्वारा विकेश के वर्त कर्न में कर्न भाष्ट्र) , प्रश्विकाद्ध-म्लाल्य - भूषा छन्न भू (भारान भरके र्वत लग्ना म्हन अभाष्त्र, अञ्च उ भ्रम्बाहिड MENTER (MIST MY 15 (2) 1500 11 4- 31 83-सक्षित्यते ( १ कथ टार्म नेपान के किए प मार्डान ELANDE EXPLISE ) " DELAY - EXR- HELE-हितिकर ( क्षेत्रमा में में के व मक्षेत्र के मक्षेत्र के अद्मार्थिक मात्रासिक विकिन्न अकाम वार्थाव्य है, [पार्]) जासूय-मामामामामाम-वानिष्य (जासूय ७ मन-

900 म् मभून भाम साम भागा भागामा विवाकाभाम कार्यमाट न [ वर्गम])र् अर् (रूप्रम् र्य म्यूर्य ) म्यूर्याः प्रकार : (कार्यासम्म प्रकार) इंटा: (प्रमण्ड ) Egin.) And Sno (Sno Snucla) र्रेड्टी: (धित्राव लाम्माने मर्प कार्याय)।। >>>- >> १। श्री चीरहेण्य जान नाम में प्रमुख - क्रीकुल ट्राम्य क्रिया (भारा क्रीटिंग्या-के दिया सिट्ट. (अका में आहुत मुक्ति भाग माम Gualett अप्र मार्था द्वाराम अर्थाय ) मीकी यमार्थ पत ( al the of a curantil hing a rusia gra 22 41 (2 [38]) stansoface (38) व व अरम हरे टमाम्मान में मान्य मा वान मार्थित , आरा वहता देरे भाटा ) व त्याविकती नाम ए कार्य (क्षी टमारिक्सी मायु हिमारक टर्म (माटान वाहुमह), महीरक सीमार् धर्म (प्रकार सीम्मी कर्मक) " हर्वस्मार्ग भूपरः मारः (निक्रिया मार) रिक्रिक्नीला-विस्त्रक केल्य सिर्धे व्यक्तिक क्रिक्नील

कार (लक्षेत्रं ) कटिया अमेरक - वसेश - अप्रेतं : (ल्डालक तरक - सुबकाके - भारते : (धार्मारक न मीत ह पक दाए अने मा ) मः (त्यरे ) दाहः (जी क्षा ) देवकः (देवकाश्वाहति) ACREO BRIMO 12 DE ALINO: (Rente 27/1) (अरक्य कार्निक )॥ ।। ्र क्ष्रवय्य प्रचार्म (अक्ष्मभी माउर्दी) कार्या -संवर्षमी विमास (क्रांकाका के वा मलानं देवार्श्व इते (म ) व्यामी - मार्म : (म श्रीकृषा द्रीपरी) लक्षेत्र (मडेन ) दुन्धुनं लस्यमानं (दुन्ध्य इर्एंग अध्य कत्रित ॥ १॥ ्र त्यातः किंकि ) असी (अक्षे त्याहत न्यूक्ष्यं (नम्तकप्रत प्राक्त ) अ पूकालाः (क्यमनम्ता जीक्षणं) भावनेर के आर्थे (के अ- पावनेरे में का ) जिसमें (जान कर्ने क कार् (७) जीकत्वरे (भूकार इस्वावा) क्यूकित्वर् (म्क्राक्षित ट्रेन्स्य नामित्र [अरेट]) नी वी - नामित्री ए ह (मैं वी कल का प्रित्रीत) बामात्र पर (बिकित कार्या-हित्यत्र )॥ जा

क्ष्मिक्षित्रक्षेत्र ) मद्य (मदम) लक्षिमान्द्र क्रिंट भाषा लेखे (मिनका क्षांत्र ) बन्ना क्षिप्रा प्रवासी ( जिन्ना किस्टे देनाई कर्रा ) रस्म (स्थितिक [ वहर ] ) बाधार (बाधानानीय मात: ), मीबी- कू हा कर्मने-अप्रवहर्ष्ट् (हारास्य मीती व सम्मामव व्यक्तिन (एका उद्गात ) अवंतिही (विवंत करकेत करकेत) अम्मान (अमान कर्ने एक मानि (यम)। 811 ( रदं ( ( कि चारक ) मर ( लामातक ) म म म म म म म लि अपूर्ण (अपर्ल-कार्यका) देश (वाश्वात )कि कि कि と (本社 ) 18 18 18 ( をから ) 3 かり 日 ) ( JOEL WISCOSE) JOHN (OUNCER) AY ( (AYMY) ल लामें वूर् (लंग्न कार्टि) म म दमरि (माउ); म् मूर्यं क कार्यकाक्रियमा कार्ये (कारमन रम्म्यूमन भारिक ररे तिर्हे ।। १। क्र (अअक्षेत्र ) मा (विति ) वसा (वर्काटन) वसने म् धन ( विभवस्क )। भवक् दिव । विभिन्न र (रामा व त्यारमण्डः) यर् परमाम क वर्ष ( यर पर. ल्किन्ड लम्बरमार ) देखि (उस्त) राप्ट देखी (श्रीति श्रीति ) क काल्यार (क म्यूलन कामा )

meene (Bissis (Bischi me truck) वारंत्री विविष् कर्षात दुलका दक्षण ) करें हा (धामका 24 (44 [446]) Inin 6 26 26 E (12 in 215 260 Musule ordainis (Signo Billia antin) लक्ष्मार (द्यामुद्र कार्यत्यत्र )। । ।। कार्य नाम्य का मा (क्रम्लिंड मार्डेड व्यावान यत्र का का का का [बदलाडा]) मध मामवरमा : (अस व सामन्त्रिका लक्ष्मानंत्र) श्राण्याम्यवाकी (मध्यम् डेकीयर ७ मिशियर किए) प्रमुक्त टिकिमिका लासीर (मान्ये लाटनेर्ने सम्बा 20 000 000 marco (200 000 ming your of 1200. क्षी छा ( वाम्यान उ न कारिका : ) विषयम् वर्मा (कर्व-प्रकारम ) विमू भी ह जार (की माना विमू भी इरोत ) लक्ष्यत लकात (क्षर क लक्ष्यं देस व इंग्रंग) रेसार ल्याकाका ( सराय ल्याक्त्रमे स्टूबर ) मिल्लिस ल्यानास ( asi tel se se ca mile se de la prode ([ajaqua] काक्षीक ) लाक्से (काक्स्पर्टिक ) में बार् कुम. ( मुकंद त्याम नं ) कम्मः (क्ष्मं ) स्कीवं में में में

( alas Cu night ) lymad Kdacine ga ( my 186 186 ) ( Exintur ) aind ga ( acing cus ) a contract ट्रिय मेर्काव काड्ड आध्य )॥ १ के छ॥ > mangrage: ([adarm sold manda] marce and मार्थ कार्यात कार्याला मार्थ ) मुक्यः (क्रीनाक्षेत्र) गामः (श्राप्त ) कर्ष : (क्रिटिंस ) क्रें : लाम (क्रिक्स टर्गा व) शिक्षिः (बिक्नि)कृतिएः (क्त्र अल्प्याक स्तिकरन) उत्ते (क्षिक्रक मिनते ) प्रकार आर्थार दिन्तिकारनंकार कार्या )हत्क (क्रिक्मिक्क )॥ २०॥ ) त्र (विक्रिक्त ) म: केक: (अर च्या क्रिक) अर्थेय दें असरा त्रार (अ्त कुलक्षे नदायूग्ताकाका ) मार्ग् (मार्थावक्ष पूर्म ) विचित्र (एक कम्मिंग ) क्रिक् (मञ्जू ) वर्षत्र - मर्थ-प्रमातः नाति दात्रात्रम्पि । (धर्म न नम पढ , मकः , १७ क क्रिक्ष्ण ) तिला : (भीम ) ति : त्मके प्रामतः -वीटेव: ( अंभेक्स अमाउ बीवमारने काका ) जार् मूकर्-वर्र-विद्युर (संभव् का द्याक्षक द्रायस्त्र) प्रकृत्यामा The war with the wal and sing the control of the same हरपूर काउकारमध्य ) अरके स्था (अरमणी

यममर्गित्र हाना ) दरमावार (म्यम्डिव ) कमामाहेत: (अर्थिक ) आपुक्रार (क्षेत्रेस्य) क्षेत्र के दिवः (क्षेत्रस्यत्र र्रात ) वाके प्रवेत ( रिल्प्नरकेते ) रेक्ट्र: अवार (मिं के शाबिका का अव ) मक्षेत्र है (क्षेत्र के देव ) का वत्त्र (वद्रत्रक क्ष ) अस्वाम्यर (अस्वाम्य) वालकात् (बाल्य्यत काका ) भीड़िवाद (भीड़िव )कार्माद (कार इत्रेख) उल्लाह (यम:म्यक्ष )म्मान्त्रे (मान्ये [चर्]) क्षात्रार (क्षेत्रमामक्षाका) केंद्रममाप्र (क्ष्माक्ष्मभूक्क) व्यक्ति (व्यक्ति) व्यवस्थात्र (म्यार मृत्त) SIJOS (CULACY XS ALMO) & B & LING ( E AS ONLS म्युम्मायक ) रवर (४७४) नप्र (नप्र) क्यू ८२ ( गृरीक इर्रम्मिट्रेस )॥ २६->८॥ रें लम (मक्स्के ) जमा म्हला (मकालम वर्ष)हिट्ड (हिंस [नवर]) हिः (क्रीकृत्कन व्यवनादिकर्क) अमृज्यु अर्थत (मू अपृष् अष् वि रेत ) विम् थिए (धन. इंट रहेता) लाम काहा लाम (विमंदमा मिमार) अभवना (अभारिक द्रेमा ) न भ-र लात- मामत- मारिक । (नभ उ एउन्न भाग दुलरोन् भारेड) हम्माम् कार्येऽ (रेक्टीसंस (ममल्यूक्त ) अंतः क्रिं (लाम पर्मा)

120/20. 136/2315m mad ( min ersydainsen annaga ) er en en es ( E M y se en prémen ) क्षेत्र (लाबंध कार्बताहित्यत्र)॥३६० त्रिंड ये वा मार्ट (क्या के कर में हा न्या का का कर क ( जिल्लाक ) करमा (करमाने विद्या ) कर मिक्टिकां के इं (Spir OLE WILL ) DEMOIS MÓ (BAUM ENECE) माक्रीकारी: (काळीन कारिये) डेलिंड: दूर्याडमद: (३०० रे.से.८-इ.स. १०) मीर कांब: (मीर कांब: का अन्) वन्त्रितापः (डेउम मिश्रमास्त्रिक्य ) व्याभी ९ ( 5 4 in E 2 ) 11 5 01, Miller ( Willer ( ) Will land ( ) लामार के वात्त्रका (वाकार त्यामा [केंद्र]) वर (लापकृषं ) त्यम काल कालाव (क्रमां क्रम्माख्य [न्यहरूत्य]) खिठ दे सका (अवाधिक सत्य करवृत्य) वर कारी ववर प्राति दे प्रक्रम में ( क्रिक्स के प्रति । हिनंदाल । हाह्य यहरूति ) मैकावयी-पामकरंग (भ्राज्ञाताकां भा निकी व मार्ड ) मनड (म्डा कार्ने ए नामिस )।। 5911 मि (कार्याद्धाः (चार्डकः) अ कार्यः (चार्यायः) मर मर

प्रकृष्मावकं के (क्रांत क्ष्में क क्ष्में कि ट्रि क क्षे )काइकी (रवित्वक ) एम वे वे के एक (भ्रीक्षेत्रे वे वा विवे क एकर ) चिक्ठर टमामुक्र (लकादंबलकाकमारंब में बार मा बारियाता), प्रभा : (वीका क्षेत्र ) व्यान अने अने : (१९० प्रमक्ष अपकार) वर मन्द (ध्राप्तं प्रतितंत्र) मूत्रीयर (वनस्वक प्रदर्भ कार्यन ) देश (कलाए) रूपर् अने खिंद (अरवेत सम प्रवेष कार्न (क्षेत्र (त)) मान-गानी (आर्थ कार्य वार्याय मिल्यों विक केर करते),-रेडि (रेप्रा ) मण्ड (मण्डे नरहे )।। उप ) में में में य: (में में वी की की की की माया कार कर (तें अलगः क्रम क्राकि ) त्रा प्यवासि (नम्मक्र त्र क्रिक दूर ) स्वातमा १८१: (जीकृ एक ) नगन- अर्क् कराष्ठ्र। १ (अंप्रकेल स्तिक्री अपकृष ) चेक्कार (चेक्कार) वप्त-मानित (म्याम्भूष्य डाउन द्रेए) ता-संबंधि (टम्प्न, सर् ) यंग्रव: (पंश्रम शर्वित्रिम) (क) (श्रावा ) वरंग: अभे गिति (भंध- यमवंस्त काक्ष्रमें अभी असे अवस हम्द्र ) चेवर (अवदे ) now hasely ( Eci elyin-lun ) 11 > 9 11 ही कारक प्रवाह ने बीवं बर्न - अम्मितान नव (क्षिर्कन

प्यास्थ श्रीयश्राम्य म्लीमभाष्यत्रे ) कमार देव (ताम क्रेडिये ) लागा: (स्वीवास्त्व ) लासमात प्रसद्दि (अक्तारी नम्मरी के अमार (अम्मर्वा केर्टिन ) मक्षां द्वारा व्याम (वाग्रमें तंत्र व प्राण भारत्यं वाद्य व) द्रा: इहेव (अबाह्य का अबामा महा द्रामित हरे थे)।। 50।। )) बरा (ब्रिक्स) लमा: (इ.मार् ) च्याता (वंश्यार प्रमाद-(मण) अपे भारियातात्रात्र क बृज् ( धर्मक नामिक धर्मन -नातिश्वाना लानेनास ) निष्यः (विषयदाना) विभन्दः (प्रमाद) ' अपरेगमर (स्प्रकरं) एक्रीम- दवसर (दुक्रामद्वटम १ क्य ) " हें ह हरू (हें से मार्स) तमर (प्रत्यत्यानं क्रिटी) भन्ममें (भन्ममात्र) ल्याम्यवर्षे लर्डे (म्ये वेस्ट ड्यं मार्ट्य थ्रिक. (न इंड्रा ) माह्य (मरंग्यात ) अ बा है का (अ बा खे का) र्रंट (स्थास्य) याम्वायस्ट (क्षित्वक्षं कायस्) कार्यात (श्रिक्षक कार्ड-नाम्हिस्त्र) ॥ इ > 11 ) अवर्षात्त्रातिका (कल भीत्रावालक । मर्सलकार) भेषा (व्यक्षा) केक (व्यक्षित्य) लाक्स essin ) organizad (organi alegitas suca) प्रकार (जीर ) टब्मकें क (अवास्तर ) म्यांकी.

(क्रिक्स कर्वाट कर्वाट ) क्रमार (इवाद) मार ( - mars ) sind ad ( sind g Ca ) young mad (भाष्ट्रमार्थे देशक क्षेत्रमा वर्षात्म क्षेत्रमा क्षेत्र ए९ (बारा ) विकिन् मंदि (किस्नि नरम); भा अवना ([sian] Cr [wen] man ) " ne (x) man og ([and 3] want act.) 11 2211 20 20 नाकि भारत्यम र्माक्ष्य क्षाक्ष त्रा अस्त (म्रामं रस, असकार , ट्यमाक्साभ न्या उ काका किसार स्थानिक ड्ड्रिंट्ट) र क्रिकेंग्रि धालवाम् (म्प्राव लक्ष्रमेंदर किनंग्रामं वकः मध्य भावत चेर्राता [नवर]) राम्यामी (म्प्राच मनमम्मम मेरित ड्रमंदि) मा (००१) वाहिका (व्यक्तिक ) नकारित्रिक (प्रवाप त्मारक मार्ज ) हिंबताहे हे द्र ( । हैं वी किंति कार ) व का क्ष ( ( क्लाइ भारे क्षाहित्य ) ॥ २०॥ (ज्याभ- १का दुर्स ) से.दः (अवस्थि) के क्रिस्तं क्रीलार है। लग्यः (किंदलारिय न्यांचाकं) ज्यारमाक्ष्यं हैं तरं (प्रकामन देन अम् कर्ना ) न्यामने देर (न्यान

agida ) and ( astala ) arou: ( ajarara ) congi Com and coing 126 (gan 3) क्षेत्र (व्हक्तरत ) इट्वं : (न्याक्रक्ते ) श्रिय त्रमातिन-मार्वेश्वाम् (वर्यामधात एकामर्ने मेराम्वाम्काम emplage man ga (nova usi ) munor (Bread original menengon (multiple) (goure syn; [and]) Lumes: ( Eldique) यातः (यात्रः) नमा (नक्ता ) वर्षात्रक्त वात्रीवे ( original Eximply ) 115611 निर्मात करा ) करता : (देलरमें) भर आ (मुक्के) क्रिक्ट 3 (मामन कार्नेत ) म: (मिक्क) हे आए (भाषाकाषन-वर्ष ) त्यारी (अधिमा अस्व ) अवस्युकासमा (An sannalas ) Brinis (Brens) Andri-सर्वात (पर्यक्त पर्वत्र) केन्यातकात्र प्रम् प्रश्वि ह EC: (कार्यार त्या व्याप्त कार्या क्याप्य विमास कार्य गार्टिया ।। २००

क्षेत्र) अं ज्ञान्त्व: (ज्ञान्त्य अन्ति । ) मः (ज्ञान्ति) । ति विकास ) अवेष्यवैष्टतं (अन्ति व्यवक्षानुन्यास्त्रे. x of which die: ( Doglary a white ) are ( gringua ) ब्रिश्मिट ( शिक्सिम कार्केक के कि न कर्ड Valle (Xxin) MAIRE: (23-12-22 and and mine) THE GRAD (MERINITENIN ONDER DAIN) DESONY-असम्बा- विकार धार्म (विकास मान्यापित उत्-उमार : वितिता देश हे हे हे विश्व का की का का विश्व : दे दि ( डिंग्साटक ] निट्य की रकारत विनिष्ठ लामित्वन)। 291 ( any ( ( ) min (own ) 32 ( ower ) लिकार के (लय क्रांसिक्स कर्ड) हैं (corner) The surge is a land ( Buy a drawfing to ) Day ango 20 (27. In wind an elm 44); विवेश (केंद्र उत)! हैं का (लपन्न अंस्व आस) सस (onur ) ब्राप कर म हि (क्रीकिसक हरेरवमा ) न लड्ड (aux ) लयक्षे वेप्टन हा कार्य भारत (लयकार्ड-भामन हार्व मका कर्तिक) माला हर (माला व गार ). of Grant ( Day Ely ) and (owner) I Carlo

(अर्था राप्त ) क्रिक्ट क्रमकंट (राष्ट्र (मेर्तारा (अवारा राप्त कर्काइट ) के अपर (अप अप ) आर्त्त र 413)11261 ) आ (क्षार क्षार क्षार (अक्षा कर कार्य) भ: अर्थ: (अर चारक) मठक: (ठकावनाएए) किक्सिए अंबतात (रामा- व- द्यार्थ- कि रामारेख) याम्बाकार (मंत्रायम्याम्बान्यान्याहिक [3])कामक्ष्मार (मर्यम्बाक्ष्र्व) त्यांत्री- बक्ष्यात (व्यावमार्व. रेंजनम र्द्र के देव (रिक्शक के न ) अहत-संबंध (बहत-धर्म ) निजीर (अपन कार्यमा ) हार विषयमाड: (कल्लिन कार्याण मडे) अमेर : विमेर : ह (रामा-के हिंदे । शासक ) लागान ( रहर्गिहि (पत्र ) 11 5 मा 20 red (7x xxxxi) ecii: ( Thereto ina) Cxex-स्प्रकाम्भाः (ट्रायांत्रे में प्रवास्त्री) भरतं चित्रकामा: (त्मक्ष्यिन स्वीकार ) अहन्ता: (शहस्था तडार्स्डा) ' हा: (१५) हिंगा): (हिंग-मश्रीमारे ) (अवाभहावानिष-भार्त काक्षा: (।त्रव=तिषracely crava gramay are quay day ) Talling (क्षुणुष्य) विचित्रः (असमा कर्यत्म म)॥ ००॥

) अपुरमंस्ताह: (अपुरमंसका) बाह: (क्रिंग्रमुमप्) उाध्न-भीव्यक्तामत-भक्ताभारेण: (वाध्ना, भीवत कत, विर्मा मका भामा ), भाषा श्रुकापि - श्रूप्रक्ति - बीक नारेष्ठ : (भारतभारित सुद्र भर्तत ७ मीक्स अक्षिका विषाविष-अत्ये (मान्या कार्या ) त्ये (कार्य व मार्क) विमत्याम (याद्वम्य ड्रमंग) व्यवह (काव्यतं) आत्मादर (इर्क )धामणू: (माड कार्यतात )।। ७०॥ ्री [लयद्व ] शहा (स्रिंग्डल ) मर्ड व सामाव - रेगा (बर्टा अहिमाति व लाहकामं महत्त है कि क्रमीयदंगरंग) Bro (Branca) paig (Cary Les erain) ल्येडी (बार्यन क्रिक्र (द क्रिक्स [ama]) म : बिमा (मारादान सम्बोक्तिक) नार्च (म्म) म नाउ (ध्युडिव कार्वता), क्यूवद्या: (क्यत्रधूत्री) प्रभा: ([अरे] प्रभीनारे) मनावित्रवामंद्रः (मण्डार धवम-टाक क्रिन् (क्रूमम्क ) क्रमन्ति क्रमन्ति भारे द्वति ) वस्ते (त्र वस्ते!) वा: (वारादिमरक) याका नामन् वामन् वाम का कार्य में प्रकार नक्ता 1102" की लस्म (महक) मार्ग (कार्डिया कि वार्डिय

([anna:]acisacin ony ar som ensin [aners]) Bin (Branis) & 15: (martis) only : (anyw. क्ला ) भार्षेत्री: (भारितीमारोन क्ला )माउड: रेप (यत पर्याखन कीत ) हा: (द्राराष्ट्र प्रकार्य ) चेता हें व (इंग्डिया कार्ब अर्थ के ) मिन्दान ([क्या ड्रम्ड] । प्रमुख इते (सन )। ७७॥ 9 = क्षः (अव्य ) धनाम हत्य (त्रत कार्यत्वन (प), कारमे (अभ्यत:) नामिजार (नामिजार), किर्म विमाआर् ( ON MI IS MINIE [ 1884] ) POSIC ( 18 31 is 12 4Cg) भगमि (भारेन जिरेटि (नरेक्टल) मः (छिने) मिर्मिनाः डा: क्रिंग्नी: (टमरे विमंत्रश्रीमत्तेन मनतर्पारे) लानमें (हिंश कार्य कार्य ) इसान (उन्नेक्टर) पक्ष्य (लामन इर्गा) । निक्रमाह (व (मार्टि) अगटड (अगड) बीयापार (कीयापार ) वकः aren (72 / mone vin ) stund (72 more) on year (भिन्न) क्रिक्टि (क्स्प्रम्प्त ) आविमप् (अरवल कर्वात्मन )॥ ७४॥ 20) de (de ) hamin: non (hang delque. [X [ ] CARIAL [ WILL EXPIRED " CAGINE)

至了新方(上述上出来 至二年) OLANG ARLANG (ANDUSTA भकालव्य ) श्रेत-कामविता: (श्रेत्र व-कामवेदिनार) क्षित (क्षेत्रिक मार्ड ) मारार्ज भूमा कामी द (माताकेश शायां वायकाप हार त्यां या )॥ वदा का सम्बद्धाः (सम्मत् ) न्युक्कः (म्युक्क) थः भर्ताः थानी-भन्नी- प्रज्ञीः (भन्नभूकतिष्रते त्रारे यश्रीमत्त्वं मक्त्रास्त्रे ) उद्गुष्ट विभ: त्राम्ट्र (उत्पादन भरिक धार् कि भावभाविक वाल्याक ) म्मान्द (नक्षात्त ) थियान (अन्तात्त्रं क्ष्मित्रत्त्रः) ॥००॥ की प्राप्त (नड़ अमर्प ) च्युव्यक्त (च्युव्यक्ष.) के कि (के के सद्भा ) लामानियः (मन्याप्त्रं ) टमान्ना (Craime signi,) sys (sysum) (3 22) (विज्ञाप्र पूर्वक) है। (जारायन अर्थि) अपन कीर्य-के दिन्द ( भिन-भावादवं भाएवं दे कार्वान्ति 33 20 EAGS) menindi (munu erjecus) 110011. ी का स्थाय के के का कि हैं है कि मह महिवार के छ . TANY AGIN OWN ( THE PEND BLOCK IS PILL) मक्षाति करें केष्र्रामास काम्ये मेश्रिक्षेत्रं लाक्षाहित इंदरम व ) देरमंद्रियात्रक-ममान्यम.

र्ष्य देव (मळाकुणं काबमाध्य काबसीते मासिक र कर्मान गारं है [ताम्ये मार्क्सा व दे हे हैं। है। (तनेस मेंक्रेप्रेक्ट मत्क्वे में ह्या करं प्रदेसे हे) टक्षेट मनार्य दिमप्त- भटका भी क्या करा कार and wind an water and-र कामका मीन (कालिसिक महमा कार्य मा) ना ल्याम् कार्डः (एम् मन्यास्त्राम्) स्थान विष्रं मा (अरें प्लार्जीयाठ: मेंडशीयर्वातं) प्राधितप्रवर्ग (नकारिक्षिम्त ) अभिगार्डम् भाषा (कार्मार्ड (my a sign) ou in a gan a ou ( out of the क्रमा है के में पाल के किए के किए ) का कि मार्थ में कामी (मप्रम्मातम् अर्व निमीतम सकाम मृतक ) रेण: ७०: ( हरेत्वं रंप्टा) मायार काट ( एक ममी न्यानाकां मिक्ट ) व्यक्तरमण्ड (व्यक्षमं ) विभिन्न (आक्रीनिंग इरेलन)॥ ७५ न्छले। 80 ( mx ( al 2 ) x: 5 x: any ( cxx 3/2 x 3) पकः (पक्षकी) निक्क मृत्यापु (निक्क अपूत्र इरेट) मिलेड (बारेलेड किर्दे ) मर्म्सलारेम : (मर्-भन्न म अव्वित भारत ) मित्रम् (विभिन्न इरेण्)

अति (त्रिंग्वमात्क) (संधायमार (ड्रांशमें मी) युक्र) (राम्य कार्नुगा) इसम् (इराम्यात द्वास्यत ) दिः भार्वः (भ्रम्भाम अकृष्वं भागंते) उपार्देकर् (18 sours yall,) source (owery signi-EMA ) 48011 8) क्या (क्रकार्य ) र्सामीयर भगत्र (रस्यक्षितं भव्यां) र्विता (रिवा) केंस्वया (केंस्यवावं माउव) वागर (एक) प्रमेषीयार (प्याम्याप्ते) राह्न-साहकर (वार्किक मकाकाट्टि) प्राधारिमायुवादाः 120 वंतु- लगु (प्रकार्यक्रियात क्षेत्र क्ष्मी प्रत्रिक्स) रिक (प्रतिसाष्ट्रिक्स मिर्द्य प्रत्यक्ष असाम खार्ग) प्रकार-वसवत (त्रवस ) महतीया ( मार्डामकं म भेठमीयां ) कारीय (अम् काम इरेगारिस मिर्मा (Cr किं क्यारियां ) तथा (क्याया ) यवाह (वर्मपार) ai: max: (man cumoylens ) 13/2 ai: (2 in कर्त्या) खानवा: व्याप्तत्र (नक्षा स्थात 11 28 11 ( P. E. Ziniera व्यक्तिमास्य जामस् स्माप्रकः (न्यक्ष्यः

(भर्मा रेंबेबमार डंड्राय ३) अमाने - विवसत्माद्य : (कार्क कार्य महन्त्रकः टकास्यकः कारकृतः) (कत्त्व) मुख्यादिः ( त्यम्बरीय काम्ये त्यमंत्रक त्मनाय मार्गत्त. लक्षारमध्रकः ) माणात ([१३: म्क्षिमकं ने] minut scar : [ais] ) acu: (and) वहत्रः (अंगर्क न क्यार्क्ट्य हमात्रीत ) कार्यः (अल्ब केनिड: कार्म यव (क्रियमनेड ट्य) जाम (क्साक अम्मारा (अम् करके के विवद हामार ( 3/21 CHRIMZ - JUGO 2/50 ) 11 8 5 11 80 लग (अक्षेत्रेष ) बर्म (वरकाट्य ) लक्ष्में प्रथ-(अका दिख्यां (अपट न्याहिक श्रीनं क्ट्ये: रम्बाकितान् लाहत्य ) अयम्पानाकरिंग लायो। (अयम्पित इक्षांक्रका मभी) हैं र (मडें ) दरला (क्षाम्म) विविव्यक्तिम काडिकः (ममस्य विमारम् भारे आस ) ज्ञाडि स्मा : (ज्ञाडि पूछ ) शरे - शर्व - शर्व -राम्बायर: (चारकारित वर्षेत किनेत्रामप्त ) 102: National: (0.320 Marian) व्राप्त क्षेत्र क्षित्र प्रमा व्याप्त प्रमा क्षित्र में कर के के किया है। हामा आया : वह ये : (अधिष्टार्म्स कर्ने कर्ने ।। ह ।।

900

्रिकारण केंक् कार्टा क्षित्रा प्र क्रिक. ट्यानाम, स्था-एर अरे वार हारम रहत का रह म )! यह बाहिताह-नव-छन्न मुहीम एहमा : (अडिनव अनुवर्ग मृभाषमन लार्कात कवा व्येत ) ; टमवा लवानि निहरं ( विक्] मिक्कार्मिय अभीयम् ) कोक्कार्कार्किकार्न-किसप्रता: (वस्त्र प्रति वर्ष वर्ष कार्य कार्य कार्य असूर डेल्याहत कर्न्या लहेलत : [400 द्वारा]) ा: (टम्ड्) प्रेरीम: (प्रमव्याप) प्रदे: (ouguin त्याका वार्ट क्यान (यम ) 118811 किर्देश्वर्ष्ट्रमण्डमा न्यूष्ट्रमानिकारिकार (शिनिकारिकार दिरी नेशाय अ० १८ अंड क्यारा में के लाका आका खिला हिंग का कर्द्य ), त्याना न् विद्याक्त विकश्चन मुसूबाकः (प्रायातः त्रम्मूलत त्रवीत भूर्तपद्रम् विकामिक कमत्रम्भत-प्रत्य ) क सन् त्यां या स्टेश के के के कि कट्टा क: (या प्रतं कट्टाक कमाल्य में असत में अस्त कर प्रमाण क व वार्षिक कर्व ), व्याडिम्माडिक व. श्रूष्ट्र वरकानितानः (तित्र अभीमानक के अञ्चादात काश्रमत प्रदेश [कर्]) क्षः (अकिक) जमार्थे अवस्थिते भारताहः

(वाद डाक्ष्युमारम्बं मह्द ) बाद : (मानेबाद ) ट्रम्बर्ग (CARELPIA) बटा हम माद्रा एक छे - अभिने देव (वयह वे समाव सावाम्य नाम ) लाहिः सक्त महामें गुहः (आध्रितीका की भा त्या त्या त्या कर्क ) सामित : (आहे -( जिन्दान किंत क्षेत्रक क्षिति कामूट कामूद का मान्य के दिए ) Quica (Scan sig Cas) 1186 3 600 80) हरा (दरकार्य ) त्यस्चारमया का (म्रारम्ब त्यनः कालिये डेर्बन खक्त ), धाना क्यान (यून्ये क्रममन्त्र), धानकत्वाल- एकंग (धानक वास्त्रि हक्षत एकं क्ष्म भ), र क्षाक्- क्षाक्रम्भा (स्त्रम्भात्र हे हक्ष क्रम्मत्रम्भ), उत्तार्मिता ([नवर] की बाद्यानारे म्नानsid or to the cumpage: (cumpuy) smin. मन असरिंगः (क्रिक क्षित प्रमास्त्र सन सन मान में प्राप्त) ज्य कार्य देश (क्य मीडाय व विक्रियम केरे) सम्मह: (सम्मव: ) अवसी लामी (भावाव कं राज वाव्यानिक प्रथमाध्या )॥ 8 9 11 की कि मजावाद (भाषाविक छी कर्निक:) अवसाय. भारा: (क्राम अनमत्र म कार्नेम ) उद्गर् : कार्कर

(त्यात्र त्यात्र विषयं) द्यातं अवस्थात्र कार्यात्र दिवाराद्यातं (अन्य के किन्द्र (मन्त) वमत भूतीपा ( 27 1 m/2 mangy of ) mus. 5433: (mai प्रभागती द्वाप्रिंख द्वाप्रिंख ) प्रातिमाह: (क्राय प्रापेड ) निग: (तरेम मिमहित्तन)॥ ४४ ॥ 89 (अंग सक्व: इ. कुक्री. (चिक्रक बचात्रकाय कार) का कि (कार कार वामी अवार्त्र में तिवeligatere [sas]) sist: (or maguy) ge. म्टने (क्षेंक्षानाम्क) स्य (काम) । मृतः (धरमान राहिता ) शहे: (भीक्ष) भागां प्राप्त (निस्ना -जन्म) मानाय (क्रांस ) र्मितः (व्यवम्य कर्त्रमा ) विश्वत् (शाप्राव शाप्राव) बनाए (भवान) भर्या: (अक्टाक्ट्रे ) बते: गामिक्ट (ब्रम्माना मिठन करियाहित्यत )॥ ८०॥ [ [ विकारत ] इरवं: (कार्करकते) स्वत्र सरक्ष्मण (गंत्रम्यतः से स वक डाक्टरें ) तामर (त्मर में मंद्रीयाप्ते) हिया वर्षा वसना दुक्ती र - चयर भंगानि - टामे केय- भावेष- भूकमा कू (क्सामकः कार्यम्भा वटसवं काराद्वं दर्शक भि:मूक लक्ष्मिं (मान्न सम क्षान्त्री व (माना-मान्त्र)

## Useful Factors

$$(a+b)^{*} = a^{*} + 2ab + b^{*}$$

$$(a-b)^{*} = a^{*} - 2ab + b^{*}$$

$$a^{*} - b^{*} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{*} + b^{*} = (a+b)(a^{*} - ab + b^{*})$$

$$a^{*} - b^{*} = (a-b)(a^{*} + ab + b^{*})$$

$$a^{*} + b^{*} + c^{*} - 3abc = (a+b+c)(a^{*} + b^{*} + c^{*} - ab - bc - ca)$$

$$a^{*}(b-c) + b^{*}(c-a) + c^{*}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{*} - c^{*}) + b(c^{*} - a^{*}) + c(a^{*} - b^{*}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROUTINE

Days	lst. Hour	Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64h Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday							
Saturday				70			

স্প্রসীম আকাশ শ্ন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিধী মনে মনে তার অমরার ছবি আঁকে। Subsy y yeurs (03) SING ENER Cekha mortó -9 Khatas Klatano-13 Megio so asing a state + 9=9 of and or see (Could.) 43€ tingiting-mp. one [ [ ous ] is nonunyà म्मिकंस राष्ट्रियान्त ) क्रम क्ष्म (चीक्रकं ) वामू (लामें न लयं ना प्रिंत एमक्रमंत ब्यान्त्री का व्यक्तियां ) इसर्यमाड (शिमस दर्गा त्याता आई व्यक्ति)।। ६०।। (1) Het: ord: (of nay curayury) myargi: fa (myo. माहित्व गान ) दिशामार (लाव्यमं वामीक्ष्यी(दि ) क पिछ- । भेषार् वका: (वपत्र वापन उ क्रामाटमाका किन्वने. न्त्र ) अस्वानिनिकः अमि (अयन वहस्त्र का मान्य न) DON CONTRACTOR (UNOR (2003) ONTA (अर्केक्वर्ष) लार्डेकाः (लार्डेकु उर्देगा) गाहरत्ते ( The Any ) course ( Carear ) and daves: ( 75 mis हल्दिन । मूल: विद्या: (धरम्म मूर्वक वियाद्य किन्पिटियम ) ॥ १०० () [अपटन ] जा: (टार्य मूम्पर्वीसर) मास्त्रिय मास्त्रिय . ने कड़ीक - कडला ब - यु टिमारेस्य - किंवतापार (अम अक्ति क्रियत, त्याल्यात, कर्मान, मीमाविश्यत उ क्रम्प-असिन ) अवसंवर्ण: भठठ भवार्ग: ह (भारत सर्-क्षां व अवस्था अवस्थां शिवां ) टम् व डा डाडि (अभकीक्ष ) अस्ति (क्ष्मधार्का) विकाइ: (विदान क विभाष्ट्रिय )।। एर।।

( विद्रात ] मानीकृत्वितिकोत्ताः (मानीपूजी कृता उ शतकामिति विश्वाद्यार त्यांश्वितिविव विव अतिमात्रः ( Da y Cay 18 y Sin ) differen: of oraca; (air-क्षान व-नं मिन्त्रियाक ) क्षिक में दिला. ( So single on the population of the हत्यं ) हिंवा: (लक्सेय अनुनाहिएय )। ६०। (८) मेवय- ट्यानी हराई (स्वीये व के समता के महित) वह: (भर्षणांत ) जीभाग कृष्टिण (भारित वाता हत्रात ) हित: (लक्स्य क्षेत्रंग) ईक्स. (मुर्ड क्रिके) खिलें बाक्षेत् (विक्रीन काश्यांते) में का व्याहिक दं को वार (अक्षेत्रक्र दि शहेताहित्य )। ६८॥ ( वर (वरकार्य) वाह : अवर (ट्यई प्राम्युमर्प् अपरेव) क्या क्या रावं : (न्ये किं के ) क्या के क्या के क्या के अन्याद्रम् काल मुक्त ) प्रवाद्यर (धार्म इर्नेत );-The distance of the conduction of the case : (स्ट्रिक्ट कर्म माः (वीकृष) मृद्दमहते: (श्रु-श्रु क्रायहनकावा ) अरेश (क्रिय्कात) लामार (ट्यामुमारम्ब) (कारमाई के थ्रिट विस्तु. (देन मार्चित कार्न माहितान वन्ते]) वा:

( ट्यालुयन ) लयं द लाडेव: (मी के एक व हे विस्थ ड्युट) निवंड में नामादेवः (निवंड व क्रम्बायाँ निक्रिक अंत्र ) शिकाद्रो : ( [प्राप्ति ] क्या हुन कार्न कार्न ( कार्य कार् जीका (बर्स)कवा क्रीनि-मतिः (इटक्ष क्रिक्रीवालिकः क्ष्रम्म ) के के (क्ष्र कार्डा) बरम्द लक्: कर्द : क्रम् महारा ) कार्डा कार्डा (क्ष्रम् कार्टा क्रम् व ( अभ लाउपक अर्थनार्टि (पत्र )। एउता (ani) ( an ( Maille ) 2: Sig: ( Eld o) pine ( Cumyusya) ट्यान्यीविताकत (ट्यान्यी-दर्जनविष्यं) प्रदेश-ट्रमण्य (भरम-(महत्रष्ठ), व्यक्तिक भाष्य (अत्रादः) तिकरेमप्रतिष्यः) भर्भ-भाष्यः (भर्भ-भाष्य [कुट व्यासन्]) दुवस्यत (व्यासम्बद्धारं) बर्ज-वाय्षर (भर्भ-वाय्षरे) हेतीहकान रेव (एम श्वीकायं कार्यमाहित्तत )। एडा ( चित्रंत्र ( चित्रंत्र प्रते ] चित्रक ) द्रमं न मेले (अ (देवन अमन अममाक) । में वामार् (अवार्मेवा) न्त्रीर्नार (मेट्यार्थामात्यं साह ) लहे हि: (स्व विय-ट्यहत्र-बडालाट्य ), बदन-लग्न-विकालाटन ह स्मूत्र ( [द्राप्टादवं ] वैमलमानुकाल-भागावं (क्रिं))

ह्राभान-त्याच- प्रिम्तायान- नात्रत धान (स्त्रम्यम् देवंशी हकावं (सरस्ति भाषा श्रीकावं कर्यांगाहित्यम र करंते, लान् अठ अधा ठंडे प्रत्य काम ख्रिया ने किस्टि व निर्दाय हमा भारत का किया प्रत्य का लादं स्थान सुनक्त हमराकामित्रमप्रियं लामम्याचार्यं भर्यः कन्ते, लाभ्-भंत्रे )॥ ए ।॥ () वर्: ([७१म्मा] अर्थ्यात ) कृष्ट् वीका (अर्था मल्य कार्ने ) भूता (इर्जभूतात्व) स्ट्रभ्रमार् अवसाकः सरस्वातः अध्यवः ( व्यव्यवं अरस्वाः मत्र आहत ७ मत्र मार् के कि (प्रेम्प्य) अन्तर्भ (अन्ति वार् ) क्रम् (वार् कार्यमा 12 CM7 ) 11 @ 5 11 ()) जिराम्क (अन्तरण धराम्क ) मानीमू भी (मानीयभी ) इसही (क्रामिए क्रामिट ) + उर भन्तः आर्थादरं भन्दार्गित्याम् भरं, व्रियावं है - इस , लप , रमन , मस्य अ व पन भर्न अ व व व मेर् रेडि (वर्षाम) भारत् (भारतामा) वामरे Em (हकावन कार्कार्य (यम )।। एक।।

(कल्म (कीव्हिन्दा ) आ (तार ) माकी वृत्ति: (क्षीक्क-खत् ) गात्मात्मार (हकता) <u>उलल्</u>यती स्त्रीतार् (उम्मार्मिन्य तलाना किन आड )व्यविष्ण (मरक (अविवास टमहनक्रियान अनुकारन) दिलि दिलि (अर्थ ) विर्देश आवार रवायात्रावार (विर्यम्भाव अवस्थीत क्रांबा के देवन कर निर्मा क्र में क्याला जाकी (ट्रायमाकार्ण विकासिक वर्यार्शिय)॥ प्रवा A) amé (culaxuejaga ) out mis (out nu lui mil ou menter ( monge oughi ingm. विम्यान बामिया ) भार्षः ह किए (अनक मुनारम व प्रतामन कि) दिन्त (नक्षेत्र करनेता) जना (नक्षेत्र) कर्नान-भावा कार्य (क्ष्मिया व लामार क्षाक्क व) हिंग. म्बार (म्बार्स्स) ( क्रियारम् ) वर्षविकात करा अवस्तिका ) बर्न बिट्याल कार्युंगा ) देएक : (कार्य्या) यहा यह लाती (या इर्माहिता म निरे त्याच व्यव्याम यमक रेस: रे तर हिल्मीनाहत अस्ते क किर्मासन वा अधित वस् विति विश्व कि कर्ति । तत्र प्राप्त हत : डिन । (अवक्तिः चड्ड कामुद् व कत्मान्य डड्डंग्ट्ड)।। वना

मा (एक) प्रेसही-लाम: (मेलही सप्) हिमकने-मिलिका में निर्मा का एता ( जिनेक दिन इस मर के म क्रम सार्ल यह छ रहेत्वड) अर्थक् - भण्छ - मिभप्ति।-रावंता (प्रवेष के किंतिए माठित वयक्षवंते) दाष्ट्रिय-हिला (१६८७ द्रत्यम टबार कर्तिया ) लिक्सियल उत्त-ड्यी. (वेष्यवानं दुनामाया [मुक्त]) अश्वनामुक्षक ( टब्रिंगे ब्रह्मे व सामि वं समय के किए ) क्या मेर् व्यामीला के व में दिल ) विश्व मी व्यामी ( तिम्मा वकान कर्निमाह (नम्)। उद्या का वाष्ट्रपाह: (काम्यामन) मानामान (कार्यक) राष्ट्र (अयवंग्रसवं साबरे ) कारहर (च्यक्तिकर्तक) प्रकेदर रिकारी क जा मुना ने ए (धनक का अ क्रवन प्रता) लियामार (लियामनिक ) व्यम्पिः ( व्यम् क भिष्टि इस्मिर्शिया ) द्रामानि-द्रास्त ([लक्ष्मिन्यास्त्र क्रिके ] में में बा बार्जा के मात्र करने में ) में कार के कार में लिम (स्ट्राइट (हरकाट्य) साह कर्ट (साह कर्प) अंग्रह्म: ( विकास कर्ण विया प्रतिक वर्षा मा विकास्वरहरू ) यकीलाड: (अभीमार्थन) य अवर्ग मुनिव राष्

900 ( में अन्तरांत क्रम्ड तकाक्ट विक वासे मंगांते व ( अरकारिक बाराव विवयं निकेस ) अञ्चलकी (WINES) geal sign mode ( ) and i [ of cance. ( Brack distant space of the ( dame ) & UNECO inger ( no secondly spain) ting & my sales ेति काराम् (कामक: ) <u>प्रचार्यक अज्ञान्त्राचाराः</u> (अज्ञानम्परकः अद्युक्तका , प्रमास हत्यः हत्या । ट्याक स्थान र्याप्त ह्यान ह्यान)।। तह। , महात्र्यका कार्याः हत्यः । ट्याक स्थान प्रमास प्रमास वर्षा वर्षायः वर्षायः विवादने कार्यमा )। श्रेश: (अवंश्येष ) मठका हिंगा: उत्ताः म्नांगित्र मुर्वित त्यां क्षेत्र व मुर्वे दिन के प्रमानाम विस् (सहमक्षा) मिलम्बर्ष (म्बर्स ) अख्वर (मर्मिट् इर्गाह्य) ॥७०॥ क्रि [जन्दर ] यश्यामधार्कि यत्राह (यश्याप्तं लाविरवर्षात ) कवाकार्व (१८४-१८४), जुला जाक (कायरण-बायरण) न भामार्थ (मायन माथ किन्द्र) त्रेनम् (किर्म्किनं) रेममारीम् वसावात (भूटमन्यूटम ७ मटि-मटि विश्वयात्र मात्र कात्र कात्र डइनाहिय])॥ एए॥ त्री पायका भ्रमायकाणी काट्यार्थ मन महत्रकार (अनमार्वन अभवारिक रेस्टिक्) के कि (वर्षिक ) व्यापमार्थ (लायदान लायका चिंडी) शकार (स्थिश्वादा ) जारमार्मारे (जारावाल) ट्यामार् (क्यामा) यामा (प्राम्य ) लर्मिड (चार्याक्ररक) लच्चार (गमिलम)। ७१॥

mañosa (umeri escu) madrin di illes pincous mari (ce my i) ma (ald cos) É à ( E ai ) aners त्मेयुड: (क्येयुडकार)। विश्वप्रधाद (कार्वाचेयुक्टता) (a (comà) ma (nocrem) ming de (antir) लाल्बार ( यड्न काक्लंट्ड ) ? के त्या (के अम्माम ) काल त्यांत्य (कालमार्य हक्षा क्षेत्राह् ); विनक् व ह (हिनकरि) कार्निक (अमरिकाल ) भीत्र कार्मीन् (मीन इर्गटि निक्]) सामा (सामादि 3) हिमाहिता (हिंदे शिक्षेत्र डर्मा माहिंग्टर) वमार (क्षिक्षे) मैकार (मेश उर्डा ) विश्व (विश्व रेख)! काउन् (काल्य) अमूर् (अर्थरक) भा भीड्या (अपन भी उप दान कार्य द्वार )। ए ए। प्रेर) बर्जिट्य (अम्पर्टिंग) क्राक्ट्र भार (अन्भन अम्पर्टिन-मेटल ) समेट (टमसेस ) चेंड: (शक्यां ) में अवास्त्री डामार (अवेश्वतं मार्बरायी क्रांत ?) (क्यार (१४) मस्तर् (प्रमात्य) उत्र (त्यरं क व ) त्ले (बार-नवाक्त ) स्टाले (महता. हिन ) 11 फरा

90 रिक: राजितीय देव (मन मास ट्यंस आमितिक [धाकरी वृदेक मामास्य कीछा करत , (अरेस्य]) य: वर्षः (त्यम् न्युक्त ) वार्षां राका व (न्युवासाद्व ) व्यक्ति (धाकर्पने वर्षक ) छार् (छात्रास्क ) सक्तिप्रिएस (जिलः कर्रामार्थि ) मा लक्षात्र (सामव पर्वत ) निमाप (लक्षेत्र (लल्पन ) विक्रं ल्याचार सम्भार् देव (क्याव) एंडरंश हकता वर्ता समकारा वर्ता ) नमारं (स्वारक) मं : (म्यामं) दुस्त्रावं (स्थे उत्राव दुत्राव करिए अगितिम )।। 9011 4) [लाक्ष ] र्टाक व ड (क्षार्कात्रका (क्षार्क कं अ याव मं-नालन इस धाना अत्मन देवन मेवा हरेमा )वार्वतामा (लाक् रक्ता) यादा (कांबादा) वर्ककर्तमान्त- द्या-र्मियर (वर्षने क्लिटिंस कार्केस रिमाय अम्ब्र्स-मूर्वक) त्यामि- टिम्बान- मृजात्रताकी (धू अयद्भ क्रिया क्षित्र क्षिता क्षित्र कार्य के प्रमेश ) कार्ड भी देव (अभित्राम्तिकारं प्रापं) लक्षीत्र (स्त्र ) अमेवारं (अडवंत अर्बलाहिलन )॥१०।। अत्यापत (म्याप ) अम् न कर का में द प्रमाप )

(अभारिक भूवनिक्राम-कामात ) नीमाभू (मूक्कार्यक इतेता) राहा (जीवाका) मार्थे (जीव्याक ) मार्थे (वाजीयन) (Bri ( & 1 Brich ) CA (ourse ) Aires: (20 year) Too (त्रेच ) है में मादा : (त्यामांत श्विता लियम) है र्वार (साम ) न रा: (अप्राटम ) अद्वत्र (लाप्रमाप्त をもり11日下11 की लम् (म्यक्षिक ) न्यु अक्षेत्राक, (क्षाय (प्राय म्यु म्यु क्ये क्ये) त्यं (बीनावात्क) क्रममा अमू अदम (डाम्म क मेरियाने प्रिक स्था अपने का का स्था (का क्षेत्र) का सुध (दुक स्थाप) क्रेन्ड्रशिर् (अपूत्र क्रम्मकानत ) आविना (अवन कर्न्ति) वन् भूष्ठ नात्रता (अभूत्र कथ्यवपता) बाचा (की बादा) भीता जाम (न्कारेण वर्ष्ट्रतन)॥ १७॥ 18 [जिल्लान] वर्ष मृत्ता: (अष्टिक क्षेत्र प्रमन ) क्या : नाष्ट्र-। विलामि (क्रम प्रमेख कि किए हेर्मक) , मूलामिकार्यम. यमाछिविवार्विकाने (अभू न ती त्मार्भत्यम् तत् मामाख्या व्यक्तिन ट्याहिक ट्रिडे ]) वर्षां हम - त्या . प्रमुणित (जन्ने-हक्त ल्यान भूत्य भाविगाड ) कतका मुखानि (अर्थकत्र मानि) दे हैं। (दर्भन कार्य)

ब्रेनाय-१क्य शहः लाईड (दुराधिं सर्वायं स्टें १क्य-हिए इरेशाहित्यत है निम्हत्य अभीमत्तेन प्रभरे प्रवर्त-कथन नम्मपूर्णन मीर्गार्यन ने द्वानामिने टेमवान अवर् जातातम् प्रथम् व जामान्यरे कपन-यर्व काम्यापय के (का त्यावक)]) 11 d 8 11 कि तामार (एम्ब्र ट्याम्ब्रामाप्त ) मेरमर (त्रमम्दर) क्षका वास्त्र वितामधारमध् (अर्थक मत्मव माम काक वेप गर्ने ता ) शह : (व्यक्ति) ह्यार् द्याम कर्यक ्या ( विकाद समब मर्मादव गार्म ) सवी ने ब्रिटी क अटमन ) लक्ष्यं (यक्षि, राष्ट्र ता ) सर्वस्थापर १८५ (वर्षात कार्यमाहत्त्र)॥१०॥ म्बर्काहिक (मानीमाने माक्कि प्रमान मिकते) (अरेम लाभ ) दामिल्य (अश्चा महिल), तिक्छ । ब्रामिक या जी मार्क मा काम का ब्रामा र (मिष्ठ प्रिमिन चीन बेर में अल्ला आराम आरा कामार् (त्याविवार्त्य) हेत्र (डेक म्हात ) अते (अते. कात ) मुलबर (वक्लाकंत्रे) ध्यात्रमाहित्रमाहि (सम्मार्भ-मेम मार्ग ) अम्मे (सद्य) हार्मे ह (2,2 1.2 ) oras (orange 24 ins 2 ) 11 d a 11

2:(बाह्र) ट्याची सत्राचात्रते: (ट्याचीमाने सन् कारिक ) हन्ने रेक: (हन्ने त्वला) हे न न पहें भारति (हन्ने प्रिक्त कार्य क्षांक क्षांना मूल्लाहिक) ह्या मा-विकास (१००म कलमना विक् हमार्स (१६ ममकारम) (हम्मारी (त्वम्भार्वि हम्मा), क्राया प्रमान रेव (द्वार्ष स्य केंग्रिक करण ) मस्य (स्थित कर्ने ग्रेश्टिलक) 11 ववा of 18 ing ( 3) Es ) ( ante ( can pro: ) ouns (Силадикуй) वसमायात- मान्त्रमें त्य में क्षियं देवन ला (क्षे ) में माय कें व करें पुन्याये बिला : ( में प्राथिक हिन क अर्थे अपृत्य व विकास कार्य (अ अ: (जारा) मारा विवास-विकाल-अप्रमार्श्व कार्यप्रद (विविध-विनाधकाती न अप-कारिए क कार्मित कुमार्ग किस्त ) भारता म्यान (अण्टाम्भ) वनमान (वनम्माद्य ) वाविषः क ट्यार्स (अर्था जात्य अयद्यंत क व्याष्ट्रिय )॥१४॥ प्री वर्षिः ([जरकात्म] त्माभवर्षमते)।भीव-देख-भाव-विकाद्वाका - त्वर्यः (मृद्याभा , वाल , महिल्मी, मूर्य , हत ७ ट्रमधार्म [मण्याय]) क्रम्य-वित्र-ध्याता. त्यान-हत्याद्वाति (भूका, व्रोपन वावर्ष्य अभी

इक्सान उ देवना मानित्न ) मिनिएड (कर्कानेपा) निविष-कूड-विष्याक्तायतिः (विषिष् कूड्यूमान ष निष्युत्र धार्मनत्र प्रात्त ) सम् क्रम् प्राप्ति कथाप्षा (सत्र मार्भव ७ कला देवलाद म पूर्वक) भा (त्र्ये) प्रविधी (प्रत्यवंदक) (भगिष्ठिण धाप्रीर् (भू के किया. हिस ) ॥ १२ ॥ नीयाभूष्य प्रामितारेच: (भीयक्तिलड: भूद कमद्राली र्या देवन के विवर्ण : ( विवर्ण नाशिव महित ) मुन्छार (ध्याकार्म) विभिन्नाम (विभिन्न) वार्षिमन् (याने सवार्यं) अंगितः लाई (यह मान् द्र आर्ति इरे पादिन निया (यात्राए ) मीतार विस्तर (कार्य-भरतेन विभूत धर्मार वितिष वाक्रियमा ) त्नातर (६ क्रम हरेगा) मार्ट् महु (धनमान का मधन कार्डि ) अपन्य प्रधारि (समर्थ दरेसार )। ए०। 2) किव्यास ] वामान (त्यह त्यामायाप्ते ) मैमार्थक-के हार (रिअ हक्त क्रिक्ट ) दुनर्स काम (दुर्स मारे दे) विरायम् अर् (विराम् पूर्ण) म धालू: (अस) रमंभात्र) ; किंड (अंड ) वर्षायुक्त (अर्

म्भह्य मेरिहा विकारे के ) व्याचिम्र वर्ष र त्या कप्रधानि (बिना प्रमण अपनालिक्न हर्मनाक प्रिमून अभूद ) धारमान्ड (मर्भन कार्नेग्रा) विन्वाचि विशिव (विश्व के १९३ यम्मा ) व्यक्तिमान ( (व्यक्तमा इस् ) व्यक्तः (ME DESTILE SING भासा में त्राच्या : (कार्याक्षाका के महत्य वे द्रमंदरहें) 62 मर्वाचरनं (मरवाचरनं ) मीरमाठ लय - दिक नरवर्षे काल. भूटल श्री (मिट्यार्य कर् क्या क्ष्माना किन्म विकास वरेटन) मिल्ल धार्त्र (मिलाकाटन छ दिवान) गत्र सर्वायवर में मर (सर्वाय पर प्रमाय में म इम् ) विद्यामाः (मार्याते) मधकातः (यककारते) ७९ ७९ (अर (मर भूम ) wrd: (अपन दर्माण्ड्य ) 11211 किन अभूष्टतं (मभीय) के में विद्या कार्य के विद्याप्ति में (कस्मिती उ लाभितीमात्मेन प्रार्थ) हे मिलिनाता ? (लस्बमार् के) लाहित्यर (लाहाबाह्य) में मनत वियाभर (पक्राचीत वियाभ ) अभावि (मर्मत महिट मनुड दर्राम ) भ: राषे: (अन्क) नी नाक्ष वाल (तीन कथन वालिव धर्का) नीन : ons (नुक्राधिक इत्रेत्यत )।10011

मिट्टी वस (वरकार ) का यह: (म भी मते ) क्रिया (मिन्टिक है) (तीय:मध्यम् इत्क) अभ्य (जन्द्रात ) मुभानि यप्रा (में म साप कर्यमा ) लायम नाता : (लायम माहार रहाम) अर्थित अर्थित ( है से प्रेक् ) अर्थात्मा क्षेत्रः अवेल्यां दे देव्या के के का का किया है। (मार्क क इरेट्सन)॥ ४८॥ ि छिता (छिता) एए बार (क्षणमार ) शाह्मार वे (म्यास्प्र) किम्बक् आम्बर (सिंदिसं बैमलाएम्) व्याप्ते हुं अविस्माका (हेकार्य हरेट दिनियं।) मनी: (मनी-मनेत्क) प्रभाडाक्ड (कामान क्रिकाम): !(रिक्रममीलन!) 4: (ounces) में बं: (or असार ) लडे साउ (अम-रेग्लिं सद्य ) सर्ट कमें वर्ड (कार्य लामरा) वाकात (मर्कत कर )। ए दा अत्र - टेलवात-कद्ध- भर्व्षर (लधुकार टेलवात काल-ही का का कर थे ) करका पहुट अन्देश में मार्ट (मक् वार्य नृह्य के का क्षेत्रमूमाहित ) रामा निरामः (हक्रत क्रम्य क्रम्मान्यिक), व्यु कर् (विहिन) हत-(रम-अव्यक्तर (अकीर हक्षत्र कर्तकपत्र विक्ट्र)

जमाविषेर् (अपून नकार ) मिलम्बर्कर् (मिलम्बर) हकाछ (हक्ष्मकारव विवास कार्नेट्टट )॥ एक।। (कल्प्न क्रिक्ट अवस्त क्रिक्ट (क्रिक्ट (क्रिक्ट कर्म करात) विवस्त क्रिक्ट (क्रिक्ट कर्म करात) हरता भार (लाइहा निष दरे मा ) मीनवाप (मीन ल(मंग अर्व) नमाम (म्यम द्रेम : [आकार]) केर किए जमार (टमरे नी सक्त मन इरेए) विवासिकर लाख्डमर (लाख्डम्म बाद्य) में वः (अपवानं) काम्पर ( करे ती स कमत्यन मार्च ) प्रश्मुण ह अमूण ह (अर्युक व वियुक्त )कात्रीव (वर्रावट्ड)॥ ४९॥ कृष्टि (क्याहिर) देश (अश्वात ) क्रमध्कार (क्रमण -में अस काम्य कामा क्ष्यं क्षित्र के प्रमात रहें कि लक्ष्मार (लक्षमार ) एवं : (क्षेत्र क्ष्रीत ) द्रामुक् (दिश्विक) अमर्गमें (अमर्गम व्याप्त मिकाकं 8 2 3 i [ Disica] ) on Leyed ( mily = visicals " [mais] ) xx 1/26 = 15 32-246 ([an 5/6] हाज्य वक्ष वर्ष करणाम् में मा लग्र की बाहर कं दर )

MANTHE CO [ CALLE MALL CHANGE & SALE EXCE]) लाक: (मर्भा मप्) द्राष्ट्र वराद्यमांगाक्रो (विचात नारे से ल लिए मार्गाक हारा. ) (मार् (क्रि) त्याहर्ष (ला कर्ष्याहित्य )।। ६६॥ िए (अक्षात ) के एक (मिक क) वर् (मिनासादक) लामानं (प्रद्रम् पर्मा ) कामारं (मणायाप्ते ) ताक् (सर्व) जामार (ठेनार्यु इरेटन) जम्मू (द्रायां न्यामेल ) (प्रमास्ति वह (स्प्रमाय-वाजिश्वाका अविरयाधिक ) मीम अभवेष (नीम अटलें भारं) प्राम् (त्याका मार्ने गाहित्र)॥ म् भा लेश (अक्ट के ] रूक: (अर्थ) वाहि: (अर्थातन भार्ष ) कु थाव (कार कार ) वरित्रकारिकर ( एक्राक्तिनं गामं) महिर (क्रम उ वा) देने हि-क्रितिये (पूर्विष क्रिते नाग्) बन्न प्रकृतिमानि (अर्थान क्षानी अर्थ ) लवारंत ( क्षेत्र प्रिक्षणेला) S) शिट्डानिक्किक्टिय में )। २०।। [ब्रश्नात] अवस्ताः (भरताबरक्षंत्र) (कार्न (क्षेत्रवाल्त्र) डाव्टर्शवः मान्नामर (क्षार्का व वर्षण क्षांमामन्द्र) मात्र क्षांका -

ट्रिक्टा: (माटा के मेंसी व माठावां अडरमाता) लाहकमंग्र नीवर (लाडाहक मेमाश व नीवम [कर्ड]) कार्य-। येव-शिमितः : (क्के अक्र व विसंत्र में) वारं-कार्ट्स (कार्वाधान सर (मार्स ) म कर्त्व ह कामीर भागामिकार्य के हरेगाड्य); हि (CACED) अप्रिकार (अनेबातन मर्भार्त) निर्धमामार (मिर्यम अवलियमूर) क्रिके अरामिश्यात (धार्मिक) भाषानी त्रोत : (क्रिके प्राप्ति विश्व क्रिके क्र (यमत् इही कं यान [मार्स्याम क्यूर मार्स्यकाकुरं (पानी पन कर्क ताह (इस. ड्रांग्र)) कंड- केंड (वन (क्षंक्षणमां कं क्षं व क्षेत्र के मानं े डि। ह माल ने के की मृत् हत्रकाता ) जात् (त्मे भाषितीनने (क) भिक्रत् क्रिकार्ड कार्या ) अभू हे- आध्री बता है कार्य ( विकासिक मामस्य म्हे) कामन (क्रम दर्शक) देवीर्य (देख संप्रें वे क ) क्षेत्रक जा मारे (प्रस्वाव दं मारि १० [ज्यामी द्रिया )॥ २२॥ असा मार्थित मार्थित मार्थित के देश: मटकाद्वर्धतः (देन उ अमाक) के (शिपक्ष क अभिष्यक्ष मुख्यां)

त्याविषानंद्रः (धनंत्रावा कवित्व ) छाः कृष्टिकार्थिणः ( de se sa o action carry a) can't as que ( त्यान्त्रीय रस्ति । लाट्नाम ( लन्मनंदर ) यामार्गते (स्थाय कवार्यमा जिब्द बर्द ]) साझा (स्था देवाव ) देवड: (कार्य क्रिक्ट क्रिक्ट (कार्ट व of enjaingre ([seaura] enjaing emoringunga) ला यमा वे वा उत्र (ला मर्य म बास व मा उत्र होता हेर्दि) प्रकारको: (अप्टिक) वाना ए वानाः (अप्रकानिम्य) टिलेबर्गहत्रकूड-एकं-टिलेश-नक्षाद (अक्रीमिविव मेर के मंत्रिके यहंत्र में कार्य प्रतितर ने सार कि अभिन भर्दर (लव्हकानीत समम्म इवेट (लाहा के अन्तर्भ किए के किए के किए के किए के किए का व्यानेकाहिन )॥ १८॥ ) ग्रामार (स्पर् में से बाबा पर्य ) के क्षेत्रवात : (क्ष्ममर्केटरंक) (म्यांड (क्रम्बास ड्युक ) सम्ब : (क्रांब्र ) जारी (मेमक्ष ) ननविष्य : (अमविष्य ) अने आर्थन-ट्योकिक-अगि- जुना : (विद्वार्येन्ट्र पृत्र्यार्थेट व्याशमिन व्या दर्यात ) न्यान : (अक्रिक्र)

इपि थाड: (बक: मृत्य )-वकावती- विह म्लाम् देभ वड़ा (अकावनी-माधक दान्त्रपृष्ट्व धार्मि विषये कार्यमा ) (ब्रा : (विद्राल कार्नाएडिय )॥ रेवग अरभ काली मूर्ना - वित्ताकत्रवामा (अरभ अ वाराय जिल-मान. टम्य मर्येष्ट '[लारह]) हिन्द्रेस्त - विमें वर्ष रिक् -(रास्त्रमेश ) (ता क्रवरात (ता क्रवरात काय कार्य गाउ)
पाट येत्रमाट क्रिक्ट (ता क्रवरात क्रिक्ट प्रामित क्रिक्ट ) रास्त्रिक प्रमित प्रमित क्रिक्ट प्रामित क्रिक्ट प्रमित क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक र्माकर: (Сपर में मंदी नित्ती) विक्रातिकारी-A CAMP BOJOURS भू रिक्ष ( किकार 1234 रिक्ष ) लायसार (लाउँ दिन 2 ( and ( 5213 ) ( Ball ( and ) i sou विष्यहारिक मार्थान (मात्रास्त म्लीन गाएउ लमति क्षेत्र ) टामर (ट्याम्य पत्ते ) दिक्षेत्र-इक्सार्टकमार्त्रः लगम (क्क्यार्ट्सीयम में म बाधेम्पा INJ WE ELENCEL 'CXX. ) MANES: (4 2501) क्रिनाम्मातः - प्रमूतीन - जापनानि - प्रवासनाः थाः सेंट: ([टप्पानुकर्त ] 128. बटमें ककार व डम्ट देशम ह बिहित कालंब में मुक्त कि दिन इस्थानिक [qui sx 2]) as: (con squim) (finim

from ( Cint ] any area } बाटण लाभ (बाणकारणम् ) ममार (त्य [नर्गरह) याना (काका की ग्रामाक वृंका) मित्रिकानि (काकाक) लयहार (लयह )मामान (वंकानाम ) समदार (अर्वाकार्य) विवासियायुर् वामध्य (विवासियाय-सरमारे लाग्रें नक विराय काल मार्चित रम्पाहित) क्रियार द्या (त्यु मनीत्यं) न वि समः (माननातः (ग्रमण उर्वसमा ) किंदि (य्यात्र) हिन्दि ( क्रमण्यात् . (4821 ) 11 29 4 9 P 11 Toux skir wound originated to the (क्रिक क्रिका निर्मा कार्न कर्ति कर्ति क्रिका DD व्यामी हत्यम (मकीयन) ही मार्थां : (म्याम के हाना ) आविधार्किटएरटकमः (एर उ टक्मानाम भर्ति कर्न तन भाने विकार अस्ती ने एए म : (क्लिड इस् भूतन अविकानभूषक ) भम्डा: (महरमप्तान्य महत् ) केकः केक्न्रम्। यहतः १ (चार्कक ३ एसीम टकमंत्रीयम्) लाः (अवंत्रितं ०९- १५८०) १०० (भडे वे ) स्थान भी वे (नस-राम्ब्रियम के कि ) निर्मा (स्वाम कर्षित्र)। 2201 क्ष्यास्त्रम् )॥ २००॥ क्ष्यास्त्रम् )॥ २००॥ क्ष्यास्त्रम् )॥ २००॥ क्ष्यास्त्रम् ) भाषाम् (क्ष्यास्त्रम् ) भाषाम् (क्ष्यास्त्रम् ) क्ष्यास्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम्त्रम् । क्ष्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम्यस्त्रम् । क्ष्यस्त्रम्यस्त्रम् । क्ष्यस्त

स्थार स्थान वर्गावृद्धः (३०० भन्न प्रक्षा एम ।

स्रिम्पाद्धः ) द्राह्ण र भन्न वर्गा ।

स्रिम्पाद्धः । द्राह्ण । द्राह्ण र भन्न वर्ण ।

स्रिम्पाद्धः वर्ण । द्राह्ण । द्राह्ण । द्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः वर्ण । द्राह्ण । द्राह्ण । द्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः । व्राह्ण । द्राह्ण । द्राह्ण । द्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः । व्राह्ण । द्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः । व्राह्ण । द्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः । व्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः । व्राह्ण ।

स्रिम्पाद्धः ।

स्रिम्पः ।

हम्बक-एन ७ धर्वप्रमुख ), ७ क्या ध्योकिक याना -में आव्यम देवा स्कृतिः ( िक्नी वान्त्रातं विक्रामानाः उ में का मामीका में रिकाटि ) मामी का : (मामा-मर्गेर माना ) के द्वा है समाधाक्यार (समा : डे हिता लाखेण), सुवक्यूक्-मिल्कु: स्मर्लभग्र मृत्य मृत्रष्टार (भूतादान व्यक्त्र ), भूभूभ-भिअने (लक्काप लाट्र मेक्स) " केक्सामुर्केसार्व (च्यवंश्यं लाकत्र्यं मार्च) । लाय्यात (प्रादु-रुर्यत [नर्द]) धारवलायद्य ( धारकार्वि) अमर्थीहित्री र हें दार के बार विम्यत के तमराम क हुड़ाविक्रत क्रिक्सिट (सन् ) 11 > 0 > 9 > 0 2 11 १०० कामामं (केम्स मार्पन ) रेमाम्मिरा (मन्यस्त त्यं केंग्रे ) ममार (मारात ) मया (मय रहारा) म मिलिशेट (कार्या र मंत्रा) भा (मरा) द्रहरं-कम्पत (स्प्रम्भात ) अर्नमा (अर्नम इत्रेत) माणू (क्रम्य ३) नवर (बाध्र ) म के द्रावि (व्यक्ताम कर्त्य) ग्राप्तः हार्गः (माधां हार्गः) मर्केट (नश्कां साकः) युआ भाषा लाम ( रेंब्र. ड्रमंग्रे ) केंक र सममेति

(वी हरकन विप्रहें मकान करने ), मा (वार् के काकी हिता (कार्डिक व त्या हिता) असात्रा (प्रकारी हिन हारा ) राम मिन्दी (समद ममी दृष्ठ कार्न मा ) यियम् (विवाश कार्यात कार्य ) 11 20011 १०४ шयवन्त (यायवा) इरवं: (चार्ककं) यथाए. (प्यादि ) मध-सिली सहा ( सक् म्य करे बुंब ब्रिली में [ रेट्री) करि: (करिस्ता ) की प्रवासन् निहिन् (हलात विभू मिश्राका अविद्यास ) न मार्भिक्ड (१ मार्डिश) में आहे (के मार्डिश्ट) राठ विसक्ष (८४ विसक) मृथे ( व्यक्ति कर्म्यार तिम), त्वर (९३१) music (टार्- Cumplusti) द्वर अख्य (क्यान-मावास) शत्रकादिक दक्षे क्रायुद (क्याव्य र्वत्रकः द्रेगाद्यि )॥>०८।। XO हिला (१९७१) बद्धार्म (मिर्के क्रिके मार्गुटं ) डाक्टिर्मः व्यक्षिण् (मनाविषे भयक्षापिष्ट ), मार का केश में में हैं है हिए कि कि कि वाला कर हरी जार्था है ने वहमा करके पार्ट तम ), आ (अस ) भारापुर्धात - १ कर्णी (भारापुर कराति हकत हरेशा) अर (हिन्द्रिक) ग्रांस (ग्रामीता-

कात्रीत ) मैकार् दिमानी-क्कार भार लमावंगेड (क्रिट्रेंबेट ट्यानी क मार्कित में प्रमिश्व मित हर्वादम कर्निगाहित )॥>००॥ ) कि (क्षा (क्षा के ) एमनी का बन हा बेका (क्षेत्री एक का बन हिंडा ) हिंचा (हिंचा ) अधूप किंच माडिंग (मन मिन्निंग. काहिभासी) भिकाश्यमात्य (श्रीम स्मिन्न सिक्क द्वार) यर हिन् (एम हिन्न) अकरमार (बहुमा कर्मगाहित्तन) ed ( शक्रा ) मश्री-यंत्रय-अक्षेत्र- कक्ष्यतं (मश्रीयादेद लाग्यां मणी त्यांबाहरतं यन्यतंत्र मक्षायं वक्ष प्रवंत्री क कर्ण- आकृतिक- विस्ट - काम क्षामीय (कर्म का आकृतिक क्रांत्र आकिका नी विश्व का नकार आर्मेक डर्ममहिम )॥२०७॥ १०० वाह: (ट्यानीयंत्र) पश्चत्र- र्याश्च- रेश-रेटिं! भूटेकाः कृटिः (मामक्रि भूगाकी भ्रमभूत्राम ७ भूकार वृहिष् [ वरः ] भन्नितः हुरेषः (भन्निहिष्) क्छत-राव-क्षत-लममान्त्रीवकाकार्भिः (क्षत्र, डावं कर्षा ने अवं काकी व (कर्षकंत्र) लादवंत् : ( ous a yang shair ) Bracky ( trinacha miglia) विसर (रक्टानं) मा चारामहन्। (त्त त्वमकन्।)

के वर (ब्रह्म कर्ष्ट्राहर्ष्य) मान्य (व्यक्ष्र) ल्पास्ट (९-अ. में मंब्रामिन ) मनंत्रम्- बक्ष्य खिल्ला. (मन्त्रकेल अख्रिष्य मन्त्रकार) कामना (कताल्व) आसारित (आसं पारं तार्षेष् कार्य कार्या कार्या कार्या भिम्माक काल्य अन्तर अन्तर्भा क्ष्रित्य कार्यात्र में वा कार्या शहंगा ) टब्युट्ट : का कंत्र्य : ह ( अं अ के एड क कार वे न-भाषिकारं। ) दिल्ला (लयके व श्वेमार्याप्य [नदर]) आविकारिने हरेंग: E (आविकामें ) क्रधार (क्रथम: ) ७(ता): (प्रकीमनेतक [धमकु क कार्त (मन])॥ >०७॥ ०० दिन: (क्षित्र हे ) कारण (मिक्क) था: ह (क्षेट्र पर मभीमन ) ब्रम्म (ब्रम्मक्क ) वर (टमरे) (योग -के हिमर (अंक्रा हत्वतं ) कामा : (कामा कामा) छ्य (टम्माद ) समाय-मात्र स्वामेष्ट्र (स्वाम्य वन , मानवान भाम वाम निर्मान वाम निर्मान वाम म उ कम्मी भाषास्मा व कि ) कुछी-मामारिकात्मक (केक्टिक म्म्यामिके विषय मित्र मित्र ) में कर् वित्रकं (वित्रकं विकार्काट्य) अधिवास (प्रवंशम्व) अट्रकम: (माता अकार ) कर्मश्रामि डक्सारि (भन-भूतक्ष एक) वस् ) १५७: (१ मन कर्ण-E(AA ) 11 >000 >>011

277 acm (260) sily (3, man em 22) cold 6 (COLUM ALENIA DE DE NOTICE SALAN (BAN) मुक्स का लिक के लेत के क्रम में यहा प्रता ) डे अबिके: (डेमरक्मन कान्रित ), उभ (डारान ) प्रत्य (वाममात्य) क्षीत्रवतः (क्षीकात् भूयत [क्ष्य]) पाकिर्त (पाकी भारत) पर्भे अनेत: (अर्थे अनेत [डेमाक्यात क्रिमाहित्तर])॥>>>॥ ११ यात्र (मजामाप्तं मार्ट ) द्वाहा (चांबाहा) में वं दिमार्डिका ([द्वाराटानं ] सम्मूट्य हेम त्यमन कार्यमा) व टिम्म ने (र्माति वी कर्क) व्याप्ती में र स्थापि (व्यापीक त असत ) काप्त (टमर् हम) अमेर ) दिल्हा : (अक्किक कि कि ) अखेबियम (अखेबमन १०० है। (चानाहा ) कारण (मक्रास्त्र) (क को: (व्याहमा) Car रेक-राम कालिएका (कालिएकारक) एवड-इफ-राविर-भीडबरानि (एवड, व्क, राविर्ड भी जबर्भ), अम्रमा न्यम मारमा भू प्रमानि (अर्मार्क्त, कामन अर्मार्क व भवनकारिन अर्मार्क) प्रकृष - म्यूनलमा (अभाग्जाप वस्त्र तम् रहत्र मिन्) अअभवत्र मूली ने ह (अटक्रम् मार्स्ट्रेन ड व्याप्ति-विकिन्छ ), अटमकमः नाविक्यम्यानि (अटमक

मानिक्त क्रम ) भाने विरयम (भाने रयमम कार्बरेगाहत्यय )।। ३३०व >> 8।। ) (व: (क्षार्कक कर्ति) भव कामायर क्षार (क्रमत नारिकटलन कल भार कार्नेल ) छिष्टा विश्वाप्रकारि ([देश]एम कर्मम) मिश्राभवानि क्रमारि (क्राम कार्क अभिने आ मृति प्रभावि ( प्रशाद अँ। भ बाहिन कार्ता ) लातीमूका (मन्नामाने महिन) म दर्ग (क्यांना [कारा]) मखानि (भारेखमन कर्षि ) लागी (मिर्क महाव [द्रिया]) लार : (कमरे कार्नमार्टियर )॥ >> ६॥ ११) भा (ची गंबा) किंदी: (व्यारामिलक )क त्मर् (क्रथम:) क्राडि- वर्गक् डि- बादू भाक-प्रकृषाक्टरड: (उत्तार्ड, कर्ने, धाक् दि, अर्ब मान उ प्रदेश्यादित्त ) मानाविधानि (अरमक अकाव )आसानि ह पार्थ-(अरसे क्षत्र कार्य कार्यमहित्य ) 1122011 अभी (अंत्राना) म्यलकाति (अस्त्राक्त), नाक्ती-क्षानि (अडी रूष), निक्ष यत्र नाष्ट्रीनि (ने देने ने, के करि-मिर्म ), हर्याने (हर्यने रणाण) कारिहिष ( elgari ) outur ( out my ) outuring (ormana कान्डि mमित्रत्र )॥ >>9॥

असे (o (ब्रासना ) सबस्यामिक ज्याम (बस्यान महित कार्ट्ड) किक् भरव्याति ह (अवद भनव्यविभिक् विकेष्]) उक्राव (जान) - (जक्रानि (जक्र माना अरमे भूषक (संदय-Enul ) अमिराप ( असि असे ) अवराप (शहसरं [लाम-कत्र]) धापत् (डअने कार्न्यार्ट्यत )॥>>>॥ 77 जिल्ल (क्रियां ) के दिन : भी मार्स (वं क भी ) " out क्रियाम्य (क्रांडेंक (मूर्याम क्रिकेर कार्यक), भर्मानि (मक्रार्-ममुक्त ) मर्म् नेप्त (म्प्तिक) क्रामाहि (exerci) outermy (2 at [aux]) En13: ( Pay erein ) (mis anni: Signe erein-हितात )॥ >>>।। ० (ज्यामा ) कलोक प्रतार (करोइक्सिन इरेट) निक्षाम्लात् (वादक्षण), ट्रमेश्टिम्लान-हाटमा कावका हात (मिर्द ] मर्या कमत उ हम्मक प्राथा श्रीमकार्व गारं की कर्य) विक विकार (मामान्याम (काम असूत्र ) कामार्त्य : (तिकासन कार्ने मार्ग्य त्यान )॥ २२० ॥ वाकिका (जीकाका) वष्टकमानि (मनाविक) जीकानि (ला ने म्य ) ' राज्या- मर्बिकाप १ (ताला, मर्बे )'

men) Migai- acely & (might bary)? Maria गामाकी- मर्थाप १ (यामका क कथा) मका -रामने अभी (क्रांति (पर्वे हिस्से अस के अस ) ' विकरित-भनामि ह (विकिष्टिम ), भूरवर्त- प्राष्ट्रम् भामि (क्ष्म्हा, देविष्टित्यू), काभिश्रक- थ्वानि ह (क्ट्रेंस रिवस ) भी कार्य किए के क्रिक्ट निश्चाक्ष-मार्घार क्रिक्ट (विपीत दार्डिश्व धन इवेट अर्ग्टीड) नामार्डमार्न (प्रपालकार्क) मुक्सिप्त (मुक्सिम्हिंड) म्यामाप्त (अंबर्ध) सम्पर्त (बबेरेबर) 'क्ष्डि अर्देनापु १ अधिक्रम् () किलान् अक्षित ), ध्रामानि ह

त्रिके हता. (म्यून्त), नान्त्वार्य-अभिन-प्रक्राति ह (भात्र उ प्रवास अभवीरम् मास ), विभाव ह (म्मात), भिरोप किस- बलाम- बीक्स मार्गि किस् करें कार )' अविकार्य: १ (श्रित क्षाहितार्थ) केवार (क्षर्व) व्याज्ञासमा (पांसम्बर्ह्स) ज्यापरं (मर्टर) ख्रव्याह: लाक में-के के का मारि- क्या कार्य- विकायकार किरामानिक क्रिक्ट कार्र मार्थ के मार्थ कार्य मार्थ कार्ड कि निक (काक) बस् ) में क्बां आकाश्रीत्रारं (लक्षेत्रं भाकप्रम् क्रांडिं ) बिन्न-माडिय-मिर्पम- मण्यं-के हका निकार (डिसे का मार कर का र करी करें Dis the to na man har y (na may muco) किंग (चीकंक्षकर्टक) (मार्टर केटार (मुख्य मेर्टर ससेत) । रक्षण्य (बेल्य सिंग ) केटार (मुख्य मेर्टर ससेत) । कृक भरका खीमा रमा दिन के मेन (व्यक्तिक सक्त दी विदेश CHANGE - SYNEWS ) 3 स्ट्रा-गाल लिक्नाड उ मञ्चलम् मान्ति। कि कामिता ( क्य-प्रमेर) (अक्षा नक्ष्यं अवन न्वमाह उ क्ष्युं हारि-मंद्रः)

म् म महामिका: (पूर्वन भूम प्रमुक्त )। निर्देश (लबन-भूर्वक ) कृत्यान लक्ष्मानि ह (श्रष्ठ लक्ष्मभूर) भनमामिक व्यान (भनम ७ थाम अवृष्टि ल्या विस चित्र ]) क्रिंग्याहः (क्रिंग्याय-कर्क ) आतीषाति (आतीष ) कर्ष्याम्ड क्ताराकीति किर्वामी ७ किम्ठ कामें अकृषि कि जाने भर्गाने ( न के अक्षेत्र ( द्यान) ने ने ) क्यार (क्यान ; ) अत्वामांत (लाइट्यलन कड़िभादित्यन, [नवर्]) कथ्राभने: (क्राम ट्लाहन) शहे : (अष्ट्रक) वाड्रार्भर (भूषम ७ अर्थ मार्थ अर्थ ) कार्त (2) अस्त (काका कर) रेटेला (एम. १ कार्यगार्ट प्रत्र )।।>5>->05।। 100 [abuser ] mry (where has a newy ) granic र्भन्मन्त्रिक (मक्ता व ट्रेक्टमार्चितिक) हैं के दार (र्कम्पर्वितं ) अत्र- अका- मत्र- माम- वियाप्त (अन् भेका मा शाव भागा व संस ) टिर्ट (हर् (no no every ) only (emy evera murity) 112 apr ) वरे: (भक्षांत ) क्यानि क्रिक्स: ह (अभक्त (लाका तक कर लाम का बादमान का बिनी मनित्क)

निवत् अभव्यत् ह (निवा ७ अभव्भा कान्छ कान्छ) ययम् में महित्रिकः (अधिराश्में मार्व में अधिके वि. हाता ) मर्गः वाः (अन्तिमा अकृष्टि सकताक) रामगामान (राम कवार्य मामित्य )।। > 6811 कि लय (त्वाध्यकाट्य) (व (द्वाध्यका) ममामेश्व (मात्रा में र रंगे न संस्कारत ) कर्न बता मान्द ( tola - xauga ) coino ( ( ) or ox: ( our estate कि (यन ) वि : (क्या के ) सभी में हैं : (सभी मार्ट्स के अद्र ) प्रकामिले : (प्रकामित ) (लार्म : (क्रमाना ) का हहमः ह (का हमन काने ट्रान)।। , ७ दा। रिके दव: (क्रिड्ड के) यः डार्ड: (मारक) लर्बिराम्बार (MARINEGA OF PEU) MA: (MAS BLAND) ध्य (जमार्का) मरकूम्मकानुष्ठन्य भरका (धेडम ने अ चान्त्र मिनं हिंद कतारे ) (कार (ममीने कार्तित ); जल ([आय] तम्भारत ) क्रामी (क्रामी) जिन्न श्राहः (जिन्मश्रीम्पन् म्पर्ट ) वासे प्रताय -भद्रमान्य - वीक्षता कि : (जानू न अभान , भाद माने उ बीलमापि शका ) अपूर् (उपमान ) मिटमटन ( ट्रावा कविए लामिया )॥ > ७ ७॥

१०१ व्रवत्यय सम् (स्वत्यव मार्क) वर्षः (धर्मानंत ) जायुत्र-वीडिकाए अन्नत् (जायुत्र वीडिका टमयन क्षित कार्काक ) वर अमामामा केटिता (दृष्ट. अम-धार्यं याम्न १८६३) माद्यमार्गातं (मुद्र आजां ) ट्याट्ट (आरंग्र क्षेत्रेगार्ड (यत ) ॥ २०१॥ िभिक्त (लाक्षेत्र ) यसम् स्थानिका (स्थि सर्व महिक अवाका) माद्रिश (मकेहित ) डेलानेका (देशतामन राहिना ) न जीका प्रकारिक में है बर्ग मण्ड ह (असमाम्बर्गी उ क्रिकारमनी कर्क) आवादामा जानि (आधुरवाम्न किंड न ) शायाम् वार्य करेंग (क्रिंग्टार . विकास्य वक्ष कार्या ) भावता क्षान ( काड लाहानु ) वात्र क्रमान (न (का क्रममंत्र ) बहुए ( ( काम्र क्रिशेश्टि (यम )॥ ५००॥ क्षे वन (वरकारम ) मभी है: (मभी भारत में महत ) नामी कूमवाला: (मसीपूर्ण उक्मनवाव) नर्भावसुष्टिः (भावस्त्रिम्भिम्भ ) थानी रेष (Brixolia mi ) ouns ( Dingua Elea) माक्षित्रभा (प्रशासनीक्षितिक भागर्भ) भावेकालका लहर (अर्वायमन कार्याहिन)।। 2001।

BOTOLA (MENE ) MAL: (MENEX) ONLEND (OUR ME करिता ) ज्यानामा समा ह वर् (मा शाम (वर्ष मक्राता) anni: (munx wig [ ux; [ann]) ing. (जीना कि) जाइ (न्याज्य [नर्दे]) प्रश्रीभाविः (मश्रीमार्न) अविड: (हर्डाम्क) प्रमुवाबिमाए (देव-Cama afair ( 22 ) 11 > 8011 (अहरकन ) ठामून- हरिंग्ड (हरिंग डामून क्रिट्र)) नाकी मूरेक (मन्त्रमूकी), क्षेत्रकार्य (क्षेत्रका [0]) क्षवरेन् ह (क्ष्माणात्क) वीरिकाः (भारतव विभिन्न) प्रिं (दान कार्नाता)॥ 28 ३॥ १८) ७७: (अम्बर्ग) भा जूननी (अर्थ जूनमी) इस्प्रम्भूगी वटा बही ह (क्रामक वी के व्यापारी) (प्रायकारी-हत्म : प्रवर (क्राक्टिक प्रमान (एक प्रायकारी-हत्म : प्रवर (क्राक्टिक प्रमान (एक प्रायकारी-कार : (उमने क्रिमेटियन)।1582। कि वाम (व्यामा) है के। भवासे (त्वास प्रमं सम मिया (यता) म्यून अभा: (अभी तर मिट्री) मान्ती मुकादम : (मानीमूकी अवृष्टि) वा : मर्का : ह

( जाताना सकता ) निसंडा (जना दरेख नादिन दरेगा) लय . वर् अंतु के दिला (अमान्य वं वं वे वे विकार ) मध्यः (निज्ञामक दर्यत्वत )॥ 280॥ 788 दव: (अपरेत ) त्रावासिका (त्रावास ) हारहा: (प्रभीमार्ग ) जायून-हार्विष् (हर्विष वायून [कर]) इलार्स ( कुलारपकी क ) की डिकार (भारत का किनी) मत्त्रे (मात्र कविलान : [आव]) प्रा ह (जिनिव) जान करें (जा अमरी दिना (अवन कर्मां कर्मां) बार्टः (बार्टिषं) प्रत्ये (हामिना (पत्यम)॥>88॥ १८० हकः (न्यक ) वार (व्यक् ) ही पर (प्रवाविता) पादार (जिन्दमा (क) सम्बन्धि (काकस्पर्वत्क) राज्य द्राज्य (द्राचित्व द्राचित्व) भववः (भवमद्रभाष) मानमाद्वार (क्रि म्मामा ररेए ) जम्मार् (छात्राव सूत्रभाष ) जासूत्री मर हरिष्ट् (हरिष्ट जा श्वत ) ना मात्र (धार्य में कर्म मा) इसा ते (क्र के हिए) ला दिल् ( लाक्ट्राम ) मार्गितामाम (मने मंग्रे प्राप्त )॥ १८६। क्षित्र विकास मान्य वी नियं भी मानी है। (असे सम्मे ने महाह अश्रीमर्त ) बीक् नादि : (बीक नादिक्षां ) त्यविर्वा त्व (टमका कर्षात व्यामा द्रवारं) वन

(देश लगतामुद्र ) अपूर (अपूर्णाय) यस्तुमित्र (अस्तिम) लातालक: (देलाकाम कर्जन्मरहत्यम)॥ 2801 िनिरिहे करा अस असिस मईस-स्वीक्स त्यवाकत्य मात्रा माष्ट्रिक्यातित्वं मात्र समास्त्र त्राचमक्त A SAN EL SE CHAMEN SANCED) व्यानियमानाम् । ए विक्रिकीय त्यानामि यम् द्वि गार्थ द्वित र्याह [नक]) म्युर्कwe gade ( The anna of curally) बार्र वा लाय मिंदिर्द्य मामाव वहमा इड्याइड ), ट्याकिस मी माम् ए काटण (मी (भाविस मी आ मृठ. मायक अरे कारक व अनुन ), परीम सी मार् लाई (विकार भी भी बिस पक ) , जिले ( नर् ) अकादमाडिव: अर्थ: (अक्रदम प्रार्-) AQ I LUBY JUNDE-UND REDNA ISON INDENS The wings of Market are Berry will a seller Sand Willed

त्यावंस अपू

) त्या (अव्यक्षेत्र ) मन्दर (मन्याय मदन ) Cay (म्यांका व मारेक) माद्रमस पारमा (थामक रहना) दुमानं (आत्याक्ष्यक्ष्य) व ट्याकां (आगावं द्रवदं) हाति विकी अम्मीका (देलाब के इम्पाट्य दार्थण) वित्र करें हा: (विद्याम का मका क्षेत्र) : उद्यमीलर् (जित्रात्म व निकति) धमू: (अधन क्लिन )।।।।। [ज्क्षास्त] भा बृत्ता (बृत्तार्तिबी ७) मानिरको (विकानिय) विकाविभावारी (मामाविभा-निभूमे), बाटमी (अञ्च य मंक) , कट्या कि- प्रकृ वाक्- प्रश्टिको आर्थिन-उसी किलाडि-तामी आविष्ण उ में बार्स-तामण उक-नम्हिन ) रेप्रीका (पत्रंता) लागेत (त्याम्नेपत्र कुना हुत १ उव: अत्रवन ) टर्न (के मानेस उ उस) नामी (रव रेश्नां) मवेव: (याव कार्वाव नाम्य) ? र्वायतम्बन् ((दर र्वायतम्बन !) वर्ष विराह किए ); रेला अप्रकात ((ठ मणामप्) केते (क्रिक्रिय) रिक् उडक विकर क्रिक्षिय का अकता ]) अभीर ए) (अमन क्रम )।। ७॥

हि िलम्ड वं ने बाद्य रेप्पाम्कालका (मां मार्थ मनंम-मार्काल का का हिला (मू मार्क ) मूला (रेकाट्यु) , अंग्रेडि (त्यात्र क्रं, चर्वायमं) कीवर (अकत्क) प्रधादिल्य (कार्यन कर्यात्म [वर्ष]) थ्वं : लाम ( क्रक ) यहार ( प्रकासम्म ) न्यामनंत्र (कारम रात्र कार्का ) अवाद (वाद कार्क कार्य मार मार ( Ind one ( Tile a ) Ch ( OLENIA ) MAGEL ( MAGEL. ) टेब: (कारक्ताहिक) छटेत: दीता (छने अध्वार्क मुना यान्ता ) काल्यक्ता म (काल्यमं मार्चेन्स्स माम) आकारि (कमामि [रेशा]) WB करी-मेक्सि (न्युक्टक व लक्षतं क्षेत्रमें क्षेत्रः) सवार (मध्य-वृत्यव ) श्रापा डाविंग (धाश्राम (धाणा इतेरव), र्यान- वेरमा (शादिन मेटर लवार्षेत )लगः नकी (त्योद हार्डका ) अपनियानिया अपूछी (अपनियानिय काटम् ) सेवमुर्ड काक्षा (मेंबमुर्ड पाल कार्यता) यरकार (मकायमतिवं) क्षित्र हत् (ध्याक्षानं-( Harita ) Rais ( gasnuf si ) Han सरे ट्यारक 'हु से हु 'ना सक व्यव मा न न अभाव कर. शिभक्त वस कितंब देलका अपरामति ने ने क्या के रंगा

अक्ट की क्रिक के अने अमुक्त के अका किक कर मिर्डिक क्र बहरतं अरम मकाम्सर्भ भार स्थार कार ट्याप्र क टाइका ने प्रकार मान्य क्षा कार्य के कार्य प्राप्त कार्य कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य डेन्याम सम्बद्धिनामें ररेण्टा 1 101 हळाटर्नेनू-भवाकेटकार्न-कलट्राः (हक् , धर्महळ, भव, धार्डिकार हिंस क्रम्म), इस-जिलार्गप्रदं : (इस, विकारे हिंद , बस ), हाम- श्राष्ट्रक - बड़- टाम्बद- दर्भः (रेन्:, वार्डक, रका , ताकाद, मड्य), वीतार्क ख्राक्रि: (यदम् केस्टिम, कर्मा), कटिखान-माम- अम्मान्य. म्प्तः (सम् क्रम क्रम अवे सम्मामका ) न्याम्यामा उम्बन्यम् : त्रम्मी: (व्यक्तावम्हीकायक ट्यके यक्ष्रेनास्त्रिका ) कार्षेत्र (शिक्ष्त ) मिक्क मारहरूर ( The out hus ) shirt ( Wind 5 2 3 ) Han लिशे ट्यारक मिक्टिकं मटमेगप्रवं मालावक लकरान वर्ष्यात्रे , अ वाटवाष्ट्र, प्रामक क्षेत्रके वर्द्र हें हें हें तत क्षरिका क्षेत्र मंगई (स्विक कर ता अस्तेमत्र) सर्दे (जक्कावंतात्र,) काल्यावरं (क्युट्याप्टवं र्युप्तद्र) सर्वात हकार वर् (मिश्रेस रेज्य रक्ष विष्ट्र अपी-

या वर्ष त्या कार्य में कि कर्षण ) में भाव ( क्रिया के ] क्षात काविता ) विभाग वित्याचानियूने ([डेका] विभए बा भिव विवास्य मूत्रियून इरेमा ) मदमक्तार राम्बर (इडिस अलाएं ब्राम्स विवयंत्र कर्त्य) में ब्रं ([mrs ] ziz Cured xxin) Pinain (cymra (55) स्तास्त्र ) दलद्वितिमार् (दलद्वातंत्रं विवनं वाग्रंग) भटना क्रियारेना दकर (विश्वित है। क्रिय एएन धार्मादला प्रम, (अर्केट्रिक [नवर]) तर स्बर्ट (स्वराव सम्) क्र भर्ष निर्विकन् (अक्त द्वानीतालक अ मन्मर WY A DO ON (RISA) CA (ON MA) +118200 हिमार (मार्क्स अंत्रे करूप) के का कि वर त्याद्ध त्याक्ष ह वर्ष में भारति है वर्ष का-रामक के अवस्थानित के कर्र रहे दे मार नकर डेश क्राकाविक कामिश उप्तर्वराख्य क्राचाकि नामक लाक्षेत्र हर्मारह ) भीभी शाकमात्र (श्रीमशाचित्र) क कार्यकार्यार ( कार्क व काकार्क) टम्लामाश्र (प्रविधि अम्कार (प्रकारिंग), यम् अनामार् (मन् असे विक्र) सम्मजीशः (सम्मद्गानिकं) साम् दाष्ट्र (स्मान्द्रिक

ynuisée (nena ynis ousisien) Epuride ( 2) so med on ) 4: ( annice ) named on it ( x 2 x 2 3 x ) & 2 x 1 मित न्या के क आर मार्मिक बार्टि म म ने मार्मि स्वेत मान्यिक व्ययत्त्र व व्यव विमाठ के विष्य प्रवास्ताक 'अवस्तानी ते भग (भाराक )देशामन भा (देशामना भारा ) आछ-माक्तिवण : (आड मार्क्ड ट्रमामा के कार्मिक (शहमतं ) निया: (निया) हिरामन्द्रं (हिरामन्द्र) कान्डि (कार्डिलम्) वियताः ह (वित्रू) कामलविष्ठ् (कास (करें ते विषरं ]) (काहर (शहसर ) के प्रकंदा: (वक्) क्षेत्रामलार (क्षेत्रकंष्ठ) नेका (भाव कार्या) आतिमार् (आतिमार्ते ) धार्मिमाडी स्था: बहु दू: (अर्थाक्षक तावा दर्भाट्ट) वर (अर्) असर (अव्यवादा काम्रद काकारायकानी) न्युकेक्रवरा वार्ष-में भय ( क्या के कार अमें में भय देव ) के : य व्या कर हे ( (क मान्त्रं म करने ) है केश तिर त्यात्म व्यक्तिमासमाय्येत्ववरंग भ्रत्यक बाका उठ के का दूसरा है देव मार्म भाका प्रमा गामक and 1 1 1 1 1 1

) कः भन् वामिकः (त्यान् वामिक भूकंष) आविधानीवाभिष्-द्वर (त्रांशक द्वांश मर्के मार्क कारमाद्वरक), अवसा (सार्टि वंसक दंग न वं ( क्रिकेट ने मार्ग वंदम वंसक म मिल्सम कार्यन वामल प्रमं ) मिनिये भारा-रक्षावर (क्षिक्क भारमध्म ) द्वाक ( अविकादम कर्नाक ) अधीयरण (रेज्या करने) के राग लक्षिम मर् मूर्व ( [सामा ] लायके कुल पर्य क्षां मूर्त ), भा भी मिट्यारे भरे १ मिन अन्ति में में राष्ट्र भन-म क्षा), भूवान मम्म क्रं - मुप्रभीवर् (भूवनी मार्नेष् त्यत्रक्ष क्षत्रमात्र मात्राम् नायने वर्ष् भात करत्), मर्भेनिकन् त्याहिः रक्षम् (मभट्यिते मेंत्राम् रक्षम्-वक्षा) भवर जामी भावमाय विभाव ( भूमा व टम्ने वे क क वार्य दिम से में वा में वर्ष के के के के के के कि के कि म्मीकर् (मूमीक्स ) कृष्मादाकुर् (अक्षिमाद-प्रमार्थ ) मृद्धं (बल्या कार्व ) मेरेकार कि वह द्यारक मिन्द्रक मन उ कर्म नवर पानक-अव्वि उ भर् अव्वित् वादाव्य वर्गाय्य देशक ) enutia existe 1] 1971 [man] masory: a cont (mone of my the

) [मात्रा ] सरवद्यः अत्काल्यंगर्यात्र-कार्यः (अक व्यक्तिंव लाजमारक्षेत्रक लाह सर्द अन्यर्धेर हानं ) इत्यादमाना (इत्यादमानि अमानानी [ वड्ड]) बरामकापिडि: (बरामक्षिकिकिविन्वाधितावा]) कञ्चक्रमानार (कन्नक्रमम् (इक् ) अनुकार ह (अववंगिष्क) विवय (शर कर्निगरह) ' उद्धः क्ष (मुरिक्क [CN5]) श्वेष्ट्र विशेष (अर्थित ) (क्य ट्रमार्थ (श्रायं मार्व वेस्त्रीम डर्डा) द्रमात्र वह लातमा द्रमामं स्वीक्षितं इरक्ष-चम्य-८इट काट्टिक, लमका के किली मिन्ती १० रेक जाए समारण (सुरि एक वे दिन् संत समाय-जीट्य) मकानीविक्टि-लक्षेत (मक्ष्वाहिन छत्रकारि-क्टन मन्त ), उद्गान (जारान हेमाने काता)।माडि -(बाह: (क्काडिकाल) बार्या (मर्मेप (नर्)) लक्सित (मिम्रकार्य) लक्ष्रे क्षिक्षे क्षेत्र (विक्रिमक्रिय) (अभित्या डम्मेट्ट : किन्ति) मेर्ने (देम) भित्रम-मर्गडीकेम (मिर्मित टिमार्स मर्गडी के मार्मी) जिल्ली अमारि जिल्लीकाल विमाय कार्वाटाइ के मार्गा

लय द्यारक भग्यिक क्षेत्रकातु करेत्रित भग्निकेत्वे जामाका वर्षत्र देव देव के निर्क्ष के नाम अभ्याप के निर्देश के निर्देश के नाम अभ्याप के निर्देश के नाम अभ्याप के निर्देश के नाम अभ्याप के निर्देश के निर्वेश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्म के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के निर्देश के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के निर्देश के निर्वेश के निर्देश के निर्देश के निर्वेश के निर्वेश के निर्ये के निर्म के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के निर्वेश के न खिर्वतीकात महावर्षीत्रव द्वेश्वमा, वाचक्रां 37M3 1711 20 🏋 करंगाटवं: (चार्केटकवं) हतंपूर्मेशम्बस्ये (हतंपूर्माध्येतं) चन: (चन्) त्यत्र मा (स्थित ) कर्जन: (कर्जन र अदद) " रह (मारादय ) लाम्ये (लाम्मर कार्य मा ) स्थाप र (धरुकावं) श्वनप्रकृत्य (तिन वितालावं न्त्र) आसुर् (अभामक) क्रांपूर्व (क्रांपूर्य ) थिमेरिस (बाउमेरिस) लम्: केंग्र (लम्: माएक कार्यम ) देलां (देलां दिलां) समाठ ( खिंगेश कार्बाकर " [कारं] ) मेर भुमा ( दुक. भटेगा कार्यमा ) प्रः (क्ये) डेड्बः धार्म (व्यक्तिष्ठ) क्रमंद (त्रामं) ल सम्दं वलकी प्रदं के क्ष्मं (में प्रित्म शर्म-केंद्र ब्रिया कर्षता ) इस्ट (चर् रेवप्रैस्थ )लाम्बर्ट (लाक्रमं कार्नगार । जिन्दा नामर्गमान्य दे अस्टाम-हिंद के के वर्ष लक्ष्यानं विष्यति चे किया लक्ष्य न वर् यभवार्षकेत्र कार्नेश्वराक्त हल्])॥ 28॥ ता द ट्या त्र द नामात्र काम ना ना ना न व व क क क क

रामाकारता दुलातां केकवर्ष विकार क्षेत्र व प्रमंग्रिकं

me as one of species i one mines, on states of as क्ष्मकाराष्ट्र करकामा भागत्रामा दे दे व्यक्ष्मका अस्तर् : ९८ COM, लयक्षेत्र ड्यंगाट्ड 11 वय: (धमडन ) कत्माक्ष: (कत्माक्र-मधी) आ (टमरे) मार्च (मान् )र्ममा (रिकासर्क )रेमा त्वार्वत (यन्त्र सार्थित है। के कार है के कार मिर्दि : (की कृत्य व भारतायं वर्षमात्रामा ) वसकार (मिन श्चित्रात्व ) बामिण्यं हत्ते (टम्बंबल्या मे क्रांपर वार्वेड किविशाहित )॥ > @ 11 का १ कार्याः (र्रात्वं) क्षित्रः (क्षित्रमाणाक्षां) अक्षेत्रक्ष (अर्बेन तक ड्यंप) लक्ष : (लक्ष) र्र (इंड प्यादक) मुख्यांत (मुख्यक्यांतिक) क्षाताका यूमर (अव्कन वादवाय यूमरम) मार्डक: (मलम कर्डिगाहिन (वाव)) लगा ( दमन लके प्रचं ) लकामुसे ( च्रक्ट मा में कंक ) गा छ ई (यास. डड्रांगड्र.) इत्रं (चड्र आरं सम्माममा ) लाकोक्ष्रं ared (overis 222 24 rils) 3 46 (321) क्षामार् (क्ष्यमारम्ब) दुर टिकमा (दुर टिकमाराख) ट (किंड) सस (लामान ) द्रेमर भवर (लाक्रमक

यह (म) केक बामाद्विक ६ (मुक्टक व वर्षे वास ल्याल्या अक्षारिकः ) अस्याहिक ( न्युवाह्य हित्र ) ( इत्रं वर (द्राप्त) सस लाम्मार् (लासाव प्रमाप्त लायतं), गृत (चर्चल विश्वेर्क) स्राम सामा (त्रुश काकामाना ) २८ (९३, आर अमन माम (क) क्रार्जित (काक अधुराह ) 11 2 111 जा दिया का कि किंच हिंच ना आहा विक वाक माद्य व्योगिन हिउनाम अर्भनिन मिन माल असावमा कर्णा , पुरिक्तिमा, लामक्षां उद्गार्ट । od (man) margin I mus ( wer come en, aud-व्यमीलतेव )क्वास (क्वक्यत्न,) मीमावाबिल् (ली नामा खक्ता), डेखां व प्रकी कु एड (अममा श्वरी कल (भव डे अविडाल ) काञ्चाल अवर् (लाप्ताक-असवस्था [तर्ह]) अंदमवास् (छित्र प्रत्यवाय ) वाल्या प्रमाद (वाल्या प्रमाद भाग) रेश (रेशलाक) अवाधिलाविलाहम्भ) (क्षत्रमम्म स्टिक्न ) देवर (नर्सक ) मरासंक्रित (व्योत्पाप अटभन्) अटड् (उन्तरा काब )॥ 29॥

चर् ट्या क तकर मुक्क मार नका मार भीत्रावार्षण विभाविष्युव उ विस्तिश्वाक्षण वालक गर्न भारत जमानाक कार्यात कार्यात वर्मा वर्ष त्यास्त्रक नामक लामकाव रहाराहर । [माया ] श्टामीयवं- हलातन् - ममदार भीवर (हन्द्र) नीय अम े हताय क वृंच लवंद दे अने व वंद्र द में नी द्य) अवीभाः (जीक्षितिकः ) समम्भे त्यामूल्याः (सम-यरं मत्यं स्यो व्यक्तियाये अ. ) व्देवसम्भ्याय्यक (च्युकंक्यनं इस्रिक्षं म्रवेशक्यातं प्याम्त) व्हन्म-इक्टिश-११६७६ (९०. प्रमात केवे सहारा प्राप्त)" में यात्रकर (लाक्साधिका [ नवर ]) (मालाय-भागाम्बर्ट (टम्प्रेक्स निर्वेद्वार्ट् युप्ताव-ल्याकार ) 'वर मार्डिक अस्त्रसेश्ट (म्येडिक दे (अर्थ सी आम्बर्स ) अस (अर्थन ) न : (arance ) प्रवादमी भेट एक (अवकार न क्रान् अर्थनार -Crava Cruss 5800 )112211 त्ये द्वारक म्यास्य स्थिक व्यक्तितार म अवंस असी है उ अवराय वं व्यवराद्ध त्याकार , दिसात, चंडरं , अत्यापाक, ग्रामक लयहान (BTB9) 1

[लयहें ] अक्ते अड़िंट: (स्थानुक्तं त्यांपूकं) मभावक: अक: (मावकार्व मार्ट अक) महोक्ष्म् (यक्राएनं क्ष्रमेग्य) मेम्बिल्य, वहनंत्र (मेब्रूट इत्स अर्ड के प्र कर्षिता ) रेक्स्र. (मुरेक्ट ) जाराध्य (कालंब ) काम्राप्त (काम्रमितं ) कार्यमुने (व्युपा かられるす )112か11 [यारा ] मायते खालेखाल्यियार्थ (मायत) छत्ये डेक्ट्रामिक [नवर् ]) मूचर्डली (अत्मवस वर्ष माकाव) उकारं : (मुर्केक्ट ) लाखाद्यम् (लाख्यर् [नर्कल] ) वर्षा (असम्बर् ) क्रिकंक्या-उन्तीहिनिस् गेर (भन्ना अप्रवक्तिस् इरेक ) असिमिक भी बन त्यान तो देव (अर्स छम्म क नीम अरम क निका मुगति व मार्म) लम्बः (विमान कार्नाटाट )।। २०॥ में कारकार्य न द. त्यारक. कार्केटकनं शक्त नर्रेश-Dalle win Bris Expery calina win - gary भारते वर्णाका स्रिक्ष भ त्र विदे दिवं दे ति भमार कायव डम्नार । लास्मास्य द-सीववंद्यांक लिलका. क न्म्मित्यं देवस्कालय राडे, देवरसम्म , क्या में 222102

(३.१.डंग) जनवाम में बारवं : (मार्काकं ) माद्राव (माद्रमा नम्बिकारकं के आहे किए के किए के भावने स्या पर्म में के मार्थ के अप्रिक हिन् महिता (पानप्रमेश दुउम तर्में भेष दियायनं में द्य-मन्द्रि थाविदिनि श्रिकापून्तमक्ष्म बनिया ) स्यामिः (व्योक्ष व्यवीयन ) व्यवार (इव इरेर्ड) (अव्यवस्थान्त्रमा (मन्यस्य वंस्थानं क्रावास्थां) मर्ट (नक्यक्तात् ) Cr (द्रक क्रिक्र ) my क्र ((यर व कार्नेता) मता (मक्ता) मता (मत दर्ग) विक्रा हि ( मिर्यु इंद्राव्टि )॥ २३॥ चड् ट्यारक पावक्ष करित्र मार्थ स्व करित्र व्यापन्ति वस्त वस्त वस्त न्या प्रमास्ति व स्मिन क्ष (रेज्यान मायके क्ष प्रम् आति न प्रवेत. ८५० , लयकात्र, लयकात् रद्रगाहर। भावा (प्रकाश) क्यांशिकायनेय क्यां में में में में (च्यामान मनमस्य अस्मारम् ) अंद्रको (मेल्न. थ्या ) जिल्यादं : (चुक्रकं ) चुल्डलराक्षेत्रमेत्यावं (मुनार अमेर्गर्य देवाहे हार्य) अम्म्रामा शिवित ( अस्तितिंद हिता ) यंबादि (में बडे ) कर्मित्य (देशी कर्मिक्य ) विक्षा भीता में 2(2) (Cunda sugin suginces 25 25 x) 11 5511

नरेट्याक जीश्रवावं नप्तक्ष छक्प्रतावं ट्यायानेव शिमिल, जम्माकाहित्य त्यह कार्यमा त्याम, चय नदा ब जारामसका क्वेत्रहरेग्य जालमा व्यक्तिमात्वे. दुरिक्ष मिरिया कंग्रें , दुर (सामा, चटर स्मार्थ स्टें रत्यत्यत ७ नक्षेमालवं वारान्धिवपुरद् , येमक, नक् वर्त्त्राचं अवस लामक्वर्ष क्षेत्र-में देय में अप एड के ताम में हि, लाम द्वां र द्वां हर । बीज्य कु आक्ष् ( मादा के आक्षिण में से बंध में में दियं : (मार्किं ) वर (अप) मुर्मिष्यमें (वर्षमात) scay (oveni consider ) " nd (out gos) नकर (मितंदन) के सक्ते ग्रेश: वाक्र समिति ह-कु भा नेका मा (न ) जी ज़की के हिंड श्रिक्त भी की ज़-इका क्यांत्रामार्व ) यमकलकष्ठ व्याम (मेर कर्क मृत्राम्य डाव केर्बर्य कार्य गार्ट )॥ २७॥ तर टमाएक जी नावानं सामाने हि के मानामान्द वाराक्ष व्यापक (क्षक, नवर क्षेक ल्याना उक्तम्मात्मव डेर्क्समस्यवारिष् । डेर्ट्समा अमकार ररमाटा। (पार्मम्मम्यव्यान् (पार्कत्यवं क्रवंत्र्यान्त्रं) टिंडिन हो-हो-विनक्टम (टिंबी क्रम बन्नबान क्रिमानेन विवारमन् करा) इतिक्रक्षाच्या प्रमार (अक्रिक् क्रायमस्य हत्त ) अठता: (कन्नेवासम्)-ल मायमा वंसर (लगायक वं मावंतिह्व) मार्ग वहिता-म् एड (केंस अधिम का केम्सक्रम ित्र का कानि (०८०)।। रहा। अरे त्यारक देशक छ देशका का का का वर्ग मार देश वर सहभागमात्त आंबे मात्रे व लार्बा अपिवस्त 'संसक' ल बर साम् केन्सा में सामित स शामित के बामित है ल्याममर्थक वार्चम्याम देनम्यामम (रह , लयके वि, लयका व पर्माटि। भाना (विश्वाका) ववककम्पपुरं धिन-सि हि-सि हि (यं क्टलानुसरं क्त्यीक्कं वाष्ट्रां भव्यात् ) मर ( [नीर्फन] [प विषयम्मनति]) ह्वन-डनन-विष्ठिति । अधिव (विषयक्त धाली देव भीय-स् क विषा (हम ), ध्राष्टिम ए एक: भीतू-ती तामा-की सर् (भूवणीमाने व हिंड काम इस्रीव वक्षतार्थ रेड. यायाय्यात्रात्र मिल्यां म ) इति विश्वाप्त मार् (महित्यं Cup & BALMANA ) ONS BIMLE ALOS AYNA (ONA-तालिव विमाल कक्क )॥ 2011

नह त्याद्व, संबद्धार्यम् क्षेत्रम् क्षेत्र क्षेत्र कार्य कार्यमा Devision yashin and angelang. र्श्याद् , गाहितंस, चंडर देवरण्यातंत से है व इ के भी अभी मार्स कर में अपनित बडाया कर्ता के रामानी स्पार-८४० ( र सब, ता अक्रेंग्रं स्थावका । प्यामुक्त हर्ष ([मारा] मारमे क्षेत्र कर्म वर्ष-मूछ ), हाक्र्र्भक-क्रम मिणारह ([भारान ] श्राह-त्या सत्यावंश आर इयर मंद्रे भर्मे ये क्रवंश ला -सार्यक रहरमं - विसाम (रवे वंस्त्रीतं [नवरंगाम]) एरकारिमम्मासम्बाना मान्या (बीर्कं एरकारि. प्त मलेगा व अन्यक्षा अरेल ) वैद्याविताः (ब्रिडिक्व) क (क्षे) अमूक (बड्याप्समा) दीन्ड: (कर्ड-CHICL BOMM 21/2 (065 )11 5 PM वर त्यातक मध्यान माना अवृति न महि नी माक मार्था देश देश वास्तरी वर्ष्या देश देशक, नवं दिसमात्रक मस्यान क्षेत्रा अकृति व्यासमा देसामन काम्याति महाद्वे देवकम् सकामार्थे क्रिश्वंत, न्यक्षानं द्रम्पार्ट। लामा (क्याक क्यां ) (म प्राम्य (एम प्रमार्गमय )

मिय: (अन्भटन्त्र ) ट्योक्सर्-ट्योक्टेव विट्याक्तवः (क्लेन क क्लिक म्म्यर्क ) अयुरक (अयुक्त इमेगा) चित्रिक् वर्ष्य वित्ति वित्ति क्रिक क्रिक विष्या-हिन ), त्वर्यापमक्ष (त्यर्वापतम् क्रम) व्याभीम डाल (नर् चार्किक) मिंबहार माह (भिंबतात जनस्य श्वेत्य ) ८० (अम् ४ अम्प्रेसम् ) प्रवेत द्वा (अवमन . माह र्मार) मार्वहा (वर्षव व्यास्त्र) हिनंद ह: में (द्यानाम विनेश कर्षिटाइ नामनी स्त कार्व )॥ २१॥ अहे ट्या क अध्यक: भिर्मिक मङ्ग्यम त्वन वित्रत-का लादं बार्न प्रविक्त महिन्द्रप्रक्र , दुर क्रामा, लम्हीय कावका। मार्न्य अभारः (कार्न्य अभाव ) काष्ट्रवासम्बर्ग (प्रवंश धामनधूनन वक्षण), नावने वस्ताः (नावने मार्डकावं) कर (म्हेस ) अन्योगाक (सार्गिमप्रमंभ [तर्त]) (माजार्जिंगः (त्मेम्ब्नमीनं )क्षत्रवृत्ति (विदेका-ने पर (लयका वं का के (अ. कुमार्म प्रमाय अस्त ) डाव: (क्षकिक्ते) सामार्वर (सामवस) सामे वर्त लाए (लान मूलन त्याका भारे (वर्ष्ट )।। २४।।

चत् ८ आर . चार्किक वार्य मेना व स्पर्य सम्बेद्यामातं. ल्यामार्ट बर बस्व ल्याको ब्यम्बर व्यास्थ्य, orygina recon डिंदं (न्युक्टक्कं) \* बेटलाकेलब्टनंट (मॅबेल थार्गेसप्त) भारक्षित्र (रेम्प्रीयम्न मेहिड) क्रिक्ट (विहिन) प्रत (अंत्राकाष्ट्र) अमिट्ट गंद (स्पृष्ट प्रत्येद व्यक्ष्ट विकार ) अव्यापन विकार (विकिय) मलाद्रमंद (रेग्राद (यमुद्र) " मर (त्माउन ) नम्मानी-(पात्रहम: क्रेमाअं मात्रतः (लामरंगः (पानवंग्री-लानुबं) त्व १९३ १९३ मानुनं : (६ १९३ से व १९३ सम्म-कार्या ) कान् (इत्राच सद्ग ) समातु (कार्यात्रव स्वत्र मात लाड करवंपाट्य )॥ २०॥ - वरे त्यारक जार्यभाग अ मध्यरे प्रात्व वामा भागित मन ८५० (संसक , कार्स हिराम्युनाम्नेस्स कार्य्य दर् लिकार कार्काक्ष शार्षांत्र व्यक्षार्थायं क्षातिका क्षेत्र कार्यात कार्यातिक रिकार्य रिकारिक , त्यानुक, नव कार्य प्रदेश प्रवास्त्र मामान मामाना. क दें अ टिक शांग दुक धार्य में अधंस, अस्ति, सिंगं वे. लिस के अस्परिक लाय मात्र, लाय दें के स्थावने. ।

च्यामरांगः (मॅक्ता असर्ग्याचं ) सम्बद्ध (सम्बद्धाः ) गर (भारत ) शामुत्रेत (बालमंकः [नवर]) निक्कत्य (आक्कानाता) निर्वाचिष् (विनिष्मा) , भीगामेमा भीकष-न्यायक् (त्यांनाना कं कि वांना न्यायक [3]) में म्यरं मयरं (य ज. क. ) र दं : वट (या के कि एक र ) के हिने (शामना) सार्यम्यार (सार्यम्य ) ५: (मानाद्यं ) । खानं कार्ये (सम्भएकाम् विकास कक्क )॥७०॥ चर् त्या क नार्डिक व या में मियं अवाव स्प्याहित ा अलादााह , जमका के सावणा। [मारा ] कथा वर्ष वर्ष वर्ष प्रमान कार (कार कार करन. क्ल वर्षकमारोव मृष्य बंश्रेषक ) भावती कामित्रपत् (भावने बालन कीडानिकडत ), वर्ष: कप्रकार्ली मुक् (लाद्मा छात्य क्राम: अन्त) , माह्यम् (लाद्यम् ), न्यारं (र्मे ) भाष्यकं (तिक्तित [नर्द्र]) वैशायकं (xuigo) seusis: (alécos [cus]) zie eis (डेक्समत्र) मः (धामात्त्वं) मिति (मित्रं) १ कास ( द्वासि विश्वास कंट )॥ ० >॥ ना इ. त्यादन मार्किक देश में मार्थिय मार्थि बार्टिन देश -मून उ की एं उरत्य वा दावा वर्ग न तर के अव ' न र र दिक्तेमध्य के अवस्वश्वश्वश्व (अद्याद्याष्ट , वायद्वेत के

इत् । इत (र्या कि) सक्षात्वे के माद्वर (र्वायामान इं १६०) " लग्ना मामा स्टिश्न ( उमा कर्षात्र 28 24 ; ) " 126 (anal \$ 21 (2) mo(21: (2 x(q2)) annantus (nægi nantus i) 12 0 21 (जनवा केत्रा कि) जनमासदर्गतक वक्षातान करें (मधी-पर्यं । हित्रकी व कमरमं दे लतामी के मिममं उद्राय है ) प (या) प्रेस्ट वर डाइयका मुर्ग्या (व्या का केरकत (भर शायम भय) ॥ १ ।॥ निकृत्याद्य म्य केरक व वार्य में माम मेरिश माम तह: विश्वकावं अध्यतः नवरं अवस्ति प्रिक्तेट्र वे भिन्हता है. परि क्षा । (हेसी) अप्लिय, लायक्षीयं त्याक्का क् इटकः (कार्क क्षेत्र ) कुक्छ पार (देक में गाय कं हत ) व्यानिववायह ता हह मूनी खवार्या व्यानिव नी त-इटह (स्टिम्स्म # डेक अक्रम्मीका करकाम्म तील करती वृष्ण्या ) (भ (अरे करती वृष्ण्या ) नमर्किन्त्री: (प्रिल्क्रिक्स स्प्रकारं) समनाक-क्षेत्रे (इय्रीम लेक प्रमक्ष अक्षार्म मत्ने भागा हिन्द्र ) लाय ह है: (मध्य रंग)॥००॥ नरे एमारक में एमम ७ अन्तरम्मी अवृति व वादाव्यावर्गन (अर्थ त्याम, चत्र शास्त देकत्मात्मं लामस्वर्षित्य

मीत करती बुभकाल भ्रायत रहालू ' ध्याक्राड ' ध्याक्राव

्याहितक, लिल्हानं हत्नाहि। रा अक्षाप्त्रक्तं लिल्हानं हत्नाहि। रात कर्याहिकां ह्रक्तं लिल्हानं सक्ति स्थाहिकां स्

[अर्]) क्री क्रियाप्ति प्रकार (में क्रिया प्रक्रिक्त ) विद्याप्ति क्रिया क्रिया प्रकार क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

लाउड विश्व खाद (अम्बिसंद्य विभाग क्रावेष क्रावंताट )॥० वन पर्दासारक मिळ्सिसन त बारेम सामस्त्रीतं वाराजी हत्यं-उठ (स्थम, लमकीवं त्यावर)। ममन् क्रिकारं- कराम नी मान्य क् वासवास १ (भूरकाड म हिस्टारक्ष एकान ब्राम महाक रेक्स मार्थिक व्यायकाय-अव्यक्ष ) ' केकम क्रुबंबिंदे (म्रेडिक व वरे कि (दल ) नायने का नामि (अमर-काकी ब्रामी कामिडर् विहादि (भारत) केल धनां भारत की दांत अवी केल. वर्त्रीयदम्ब हाना कार्यदम्बित वर्ता ) विकाल (CHTOT WIX (0[2) 11 001 नरे द्यारण करितम उ लारूम व्यवसाय काराया. EXECTE . FOR , ON THE ESPICE ! केकान-। यरंगामय-समितामामुक् मर ( चिक्रिकं लाअंसल. विरंगार अक्त देवाबुद्ध.) श्रेष्टाक्षरंगर धाल: (न्यांश्वां १९३मंत्र शंधांव) ममद्वी (मेमपादिं थ थ) , राज्या (। द्वाराता ) (ज्यापु क्षारात ( [म्यू के रकते] निज्यक्तात ) मीमार्धक म्माविर्भवीमर् क्ष्

(गुमवस् बन्ने ह्यां के प्रमां के म र्राया देवकार

1160 11 ( 23 No 214 129 129 1

चत्र त्यात्व चीक्रकं कन् व । मर्गामन वीक्षकां सरने ज्ञाला अवर निषष उ डेमकारम् जाकाकार्गिति नाराक् व्याक , या मिर्मित्यं बास्ता कार्यार्थिक देशकामसाल मालमार्के विकम् छ , चवर मिन्द्रिके द्रिक्त्रमारक , द्रवरक्षा, व्यवका । (प (मरा) (माधकारेक्नम् माण्याण्यात्रे ( ट्यानुमारम् मे क्रिसं म माम्ब्रेमरम् क्रियं द्या ) आयमे बका में व में मधित (पार्म) यान्य में में र रेड्रि ध्यामनंत्रकंस ( नवर ]) (त (तारा) ध्रावृता-<u> १९०. मे ट्रिस क्या के (स्विका के 18 केंग हिंदिं,</u> विकासार्य देर्पि अरामसम [काहा]) इर्धः (चार्क एक के) मेल दे दि (एम मेलक) कर्मादं (याती किन्यानं वर्षतं अव्यत पिन मित्र मिन नि हितंब दम्या कार्ड )॥ २०॥ चड् त्यादक चार्क क्ये करे में में मार्टि कर्म (50 , 200, My Bis 2100) लक्ष्यिम् (त्रिम वर्श्यमाई) आर्ट (पर्य) दिन्धानं (बार्यं द्रमदं ) गाह- प्रवंश (गाहन

यद्यं वर्ष ) व्हिताः स्टब्र (च द्र द्र द्रातं स्टब्र) लाग्धिलाः (चाडिकं ) शह: (शहराय) कुर्व वीपुर्व ताहि (अम्बरंद - वीम्यकाल विवास अक्टिट (ह ) गढ (८०८५०) त्युवासामाः (त्युवासम्ब ) अत्ता- यद्यातः (१९३ संस पहेंगान) मिन इडाइड- महें १६१मं : (मिलनं विशिव्याम । शिरिया नकी नहीं निर्मा अपिक ) अपर-(अक्षा ) द्रेश (द्रश्य रह्य).) बात्र अत्येतं ( क्रेस शुमातं) विने नाहि (लयम्पत शहरहरू )॥ ००॥ नव् त्यादिक स्त्रीकेक्षक अन्तिस्ति नवर पर्वाय-त्र हाड्ड - शामक्षार्स्स 550 ( स्थाय) वर्णिस rgarde emyrano ouestana (5 essis निर्वाकत महिलात वीत्रित अस्य करार त् लाय तात , चंडतं अकारंत् के त्रिय कारतामा चार् -CHINA GOAR MALLUNISE + GLERAL, ONBLO. कावा (विकावा) विकाव ट्यामीयम्- ट्याममार्थ ( ब्याद्न (प्रामुक्ता (क्षेत्र प्रदेव ) मारान (बन भारत बना) व्यक्तकारं (मिस्टिव (१८३) न्त्री वास्त्र वास्त्र नाहितसार (वास्त्र व्यासकार्य-

चक्र द्यारक चार्डरकं रर रमका लाग वर्ट वार्ट कर्न क्रिंगान के वायान्य काल काम मार्य दे के मन के वाया का कर मारह । हाता (श्रिक्सका ) दुमालदिः (लिखनं काछ) श्रिक्स्यं (आस्पार्य ) कामस्यमा (कामस्यास्यमारम) में द: कर्ता (रामश्चान आर्थन कार्ता ) प्रामाप (कपर्यक ) केकारमध्या हिमार (महिकं त्रिं मक्रामहत) भवामन-म्मविकामम् मूठ: (श्र ७ माहाद्वर्ध मृत-विकासहर्यंत्र अर्थ ) हमकः (हमक्रिं ) विक्रिनः हिं (मात कवियाटहत कि १)॥ 82॥ का दिल्लाक करक कार्यमा महिलक सक्षाति के देवक यक्षायमाद्यक् , देर स्त्रमा, चवर दुक. सक् कार्य व बास्त्राव का अर्थ वेश्व दशक्षात स्थार्ट ल्लाक्ष् , लम्झानं कावडा । महा९ (पालन अकाराम हता) वक्षः समूभाताः (का: उ शहराक्षां) लिखा । हिंवर (मक्रिक्स) BANG (BIME FIRE - [DENTSCA - 18 AN OWERS त्रिमार क्ष्मिक कार्चन्य कार्चन्य हता [कार्यन्यात. अकारिया १९३ X चर्या वाक्षत सक्षानु संदेश सिद्धि लार । कार महिलां का नियम वह का दिलां त्रा -लायत के बेल भी प्रवास्ता, श्री अस्तिवया कार्क टक्टिय तरे प्यतम्बर स्थिकं कुर म्हारमीलं हित द्रिशास धिरवासे भीग वर्ष कार्बे मा दिन विकास की करेंद्र ने विवादन के अ 'अ' अरब माकित्य विभने विकास युर्वात्त्रीयं इतं। मॅबबंद , कम: ककेम (का : कि बंगरिंद प्रमार्ट , लागूर बना: व कर्जना मा निवाद कार्यिक प्रमाय । प्रमार्थमार कार्यताट - म्यान कार्य कार् पड्सा - का: + करें मान - पड़े माश्रकारम मानाहि Brog- 12501月日1日 27-CH AMX をあれらり- マガゴロー वर्गे ।।। हिं।। चर् त्यादक थ्रिक्तमंत्रीं वर्ष कालाम मार्किक व सक्राधित दुर्वक्ष महीअवस्ताइक , कुर क्षित्रात, लयक्षां कावना। आवृत्तास्यः (तिरंग्यम्) द्वादः (क्ष्रिकं) लव्यत्र-टम्स्कूबर (तक्ष्रहारमं में मक्ष्र) रे हैं। (त्याम्मा) प्रधावwind ( min repletted ) Lay and in ( more : minder wein ) Lynnamn. (Emain) Eda: (agoa) Lynn रंबार (रेन्स क्यामर्कार काद्म) शित्र प्ररेट (ने डिंगलेक नह त्यात्म स्टिट्र व क्यात्म व्यावका न्यूडिक व क्याया . good when what golden autho end). I

## Useful Factors

$$(a+b)^{*} = a^{*} + 2ab + b^{*}$$

$$(a-b)^{*} = a^{2} - 2ab + b^{*}$$

$$a^{*} - b^{2} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{6} + b^{6} = (a+b)(a^{2} - ab + b^{*})$$

$$a^{5} - b^{5} = (a-b)(a^{2} + ab + b^{*})$$

$$a^{5} + b^{7} + c^{7} - 3abc = (a+b+c)(a^{7} + b^{7} + c^{7} - ab - bc - ca)$$

$$a^{7}(b-c) + b^{7}(c-a) + c^{7}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{7} - c^{7}) + b(c^{7} - a^{7}) + c(a^{7} - b^{7}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	Jac. Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64k. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday							
Saturday )		~					

ব্দনীম আকাশ শ্ন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিবী মনে মনে তার অমরার ছবি আঁকে।

व्रवीखनाथ :

ENEW YNEWS merks siere weekha 22 mm mas 3084 Whata Khatano Mer sagement renaming ( and)

्ट्रिक्सा, लायक्षेतं हुद्र गर्ह। चर्ड प्राक्षां व्रेट कर्तिस्तां भाद्धिं कुर्वक्ष्म् महित्यार्ठ्ठ चर्ड प्राक्ष्मं भाट्ट व हिन्नि हुर्वक्ष्म् महित्या हुर्वे क्षां कास (क्षां प्राक्षं व क्षां क्षां हुर्वे हुन्ति हुन्ति हुन्ति ।। ८६। सस्त चर्च क्षिक्षं में मह्मे अपद्रित्य ।।। ८६। सस्त चर्च क्षिक्षं में मह्मे भाद्धिं प्राह्मे हिन्दित्। प्रावित्या क्षां क्षां में मह्मे भार्षित्या हिन्दित्। मा क्षां क्षां क्षां के में मह्मे भार्षित्य हिन्दे कि स्त्र मा क्षां क्षां के स्ति क्षां के में मह्मे क्षां क्षां के स्ति कि स्त्र क्षां क्षां के स्ति कि स्त्र क्षां क्षां के स्ति के स्ति क्षां के स्ति के स्ति क्षां के स्ति क

माने का के का का की का कि कि के के का के के कि का कि

र क्रियेमा , क्रियं क्रिक क्राक्क । प्रवेशनं वार्य माहित्याद्रियं क्षित्र सम्मा हर्गातं रेक्ट्रिम स्थावं वार्य माहित्याद्र क्षित्र सम्मा

सर्वार क्षेत्र ( क्षिक्र क्षेत्र क्षेत्र ) व्यक्त क्षेत्र ( क्षिक्र क्षेत्र ) व्यक्त क्षेत्र ( क्षेत्र क्षेत

स्प्रक्र कालिक, लाक्षां काल्का। हिंग भाषा लाक्षमा हुआमां हिंद्या मर्मेमां काश्रुका. मर्मेयां हर्ज्य महास्थाएक , ह्राक्रमा, ' न द्रुमम्प्र-लाभेमार्ज्य किंद्र (लामें हिंद्यामा, ' न द्रुमम्प्र-लाभेमार्ज्य किंद्र (लामें हिंद्र प्रमा लाममा

इरवं: (जीक्टकवं) नाडी बिना (नाडी-मर्ट रेट्रेट ) माभु ममी मुका (लास्त्रीत मुका डर्मा) मा ट्यामा बची (वासावती दाल (र ) क्क अन्ती (क्क मर्था) दाहि ( कवाल मार्ड (कट्ट) मा (देस) में महारम वर्ष. (कार्यम् इमेट्न ) कार्यम्य (मर्वार) मर् मन्त्रात् (तिलाइ प्रमाना का किसरोन ) हिलानियान (हिल्स्य बाध्यानिक) प्रक्रम्कीकर्याचि (प्रथमिक्रथमे भाम कार्डिट लिस्टे हिल्ड क्रियं अवस्थायम मह कर्डिट )।। ४४।। नर त्यातः चीकिक त्यामन्त्री व केश्यम् वासक्षा-सिर्ह्मिर्वेषक , स्वक, लामही के हादती चम्रेबाट्यमामर (चम्रेबिमार्पक) (पत्र रेम् द्याप्तः (यन्त्रकाश्चर्य द्वतकाल्यिय) तैकादक: (च्यक कार्य) मा दुलमार (मादुलम यंद्र ) मनान्त्रमाई (पानप्रमई.) असि (अप कर्त्य ) देख परी (दे हित द्राहर्त ) हरवं शत्र नार्य (चीक्रकं द्रमंत्र अम्मर्थ) स्वर् (साड्व डर्ड्सार्ट्य), स्ट्रिक स्वर् (८०४ चत्रवास्त्र अभ्यं कत्रव ड्रमं ) वर्षेद्रवित-त स्टार ( दंशका काश्वकर द्या ) ट्यार ( यक्य कार्का कार्यमार्ट )॥ ३ गा।

ल्याक्का । ट्यांस्कार्यक क्षणक्षक क्षणक द्रिक्ष क्षणक क्षणक प्रमुक्त क्षणक , यवर सम्बाम् क्षणांत्र क्षण का प्रमुक्त क्षणक क्

किं - हत्रदय - मीला सिमिनि - अर्जाय (पारा ध्यायमा त प्राथितं राममें राक कर्ति कर्ता ) महीतिन-इड लक्क ट्यान ट्यानियात्र (धार्षे म्हाना नर्मक ध्यमार्षं मन्यस्य त्राव्यम् कार्क क्र करं विकरं मात्रा]) विदेवपर्यात्रक्षीत (विदेवध्यं वंत्रक्षीकर्ष) (नाधट्याने-कातीम् तकत (त्नाधनाविसय अडक्षाना) जिस किउर् रेच (त्यत जिसक (आमिड प्रदेश रह , [कारूम]) (मारिक के मर (मीक्रक के हर के टिम ) उपति (कर्म में स क्ष विशंध कार्डडिट ।। ६०।। नर्राक देनमम्बद्ध वन्यवनम्बिक् डेलटलनं हेलटनं कारिक बाड्ड क्षेत्रप्रति कार्डिक (मयनाति उ तथन नवर (आधनाति उ अप्रचन जाराक्तानिर्यम् रह क्षणके नवर जाम्म द व्यक्तिक दुनामं के दुन स्थानमार्य क्टिका, वामद्वाव त्वादका।

, ९-६-टिकमा, लामकी में कावका।

प्रिक्ष , चवर कर्म दुम्दंबं दुद्ध्यम् मिन्याद्व ,

रेल मुक्टिकं दुम्दंवं काम्युक्त मिन्याक्ष्याद्व ,

रेल मुक्टिकं दुम्दंवं काम्युक्त काम्यस्य कर्ममा दुम्हानं ,

प्रिक्ष (अवंत्र क्षिमाकाः विद्यां काम्यद्व कार्याद्व कार्याः ,

प्रिक्ष (अवंत्र क्षिमाकाः विद्यां कार्याद्व कार्याद्व कार्याः ,

प्रिक्ष (अवंत्र क्षिमाकाः विद्यां कार्याद्व कार्याः ,

(अव्याद्व क्षिमान्याद्व मान्य कार्याः , विद्यां कार्याद्व कार्याः ,

(अव्याद्व क्षिमान्याद्व मान्य कार्याः , विद्यां कार्याद्व कार्याः ,

(अव्याद्व क्षिमान्याद्व मान्य कार्याः , विद्यां कार्याद्व कार्याः , विद्यां , वि

क्षान्त (धान्न विश्वां क्रंक)॥ ६ र॥ द्रिकंद्रिक्ष ) सम (क्षाक्षकं)॥ ६ र॥ वृत्रकंद्रिक्ष ) सम (क्षाक्षकं) स्त्वीत्रकः । (क्षाप्तकं क्ष्वं) । वृत्रकं क्षत्रकः । [चर्रक्षेत्र]) रेटकः द्रिकंद (क्ष्रक्षाक्षकं क्षित्रकं ) किष्मिक्षकं (क्ष्रक्षाक्षकं क्षित्रकं ) किष्मिक्षकं (क्ष्रक्षाक्षकं क्ष्यकं ) किष्मिक्षकं (क्ष्रक्षाक्षकं क्ष्यकं क्षयकं क्ष्यकं क्ष् र्रमाटि । त्मानं दुम्दंबं महावव्यम्टि , महाद्वाक् , क्यामानं दुद्वंबं दुवंबंब्म महीव्याटि , दुर्दक्तमा, नद्द क्षणे मध्वंप्टर , क्षामें , दुर्दक्तमा, नद्द क्षणे मध्वंप्टर , क्षामें , दुर्द्वासे क्षामा मुर्वेदक्वं नद्र दिवादक क्षामुक्तिक क्षाममंदिक वासव्य दिवासंत्रामुकं.

राकाहिङ्यात- मृक्लकार्वेका-लच्छावितामास्मर ( [mar] mjálatá 180 den áldzán a Elgiden. मार्गा अविष्य गीयां का अमंत्र में मा का मार्ममामाम्मामिक देर (मारान कट्टारम काक्रेसरम mintaly not erigeous ) " Emmany Emmy-प्रिवासकर ((यामनार्थित मात्रांक प्रिवास करेका) " भावप्रार्कि में खंद (तासा भावप्रें क्या कार्ड में ) विश्वनिका-भूरभाषिविभाविष् (विश्वनिक्ष भूज दक्षामारं नाम मेरनाहिक [नवर]) समादी-मानमर (माट्टर महाव अमेमका म.) । कक्ट्रा : (म्डिंग्कं) च्या वर मर्ग नमा (देर बंक प तर् देवम में वयालन्दि भिष (माता क्रमाल कर्टिट्ट)॥ दत। न्द्र त्या कि अकिरक देश व त अप में भाद व अप ' भावभे व लर्ड ' बांत्रकार व त्म्या करें हवं वाराकी-सिर्मिट्ट , से अस, लामकार त्रावका

मैंबर्टिए । मुक्सिन ([भजा] मेंबेक वर्षपाणां "। मुक्र व मूटकामन ), रूट्व : की आर्यमनायन जन्नाकी (क्षेत्रकन वाक्रेमप्रस्थ दुवस प्रवंत्रम्य ) भन्न (भक्त ) की भावका आत्रिका मिका मिका में अन्तरं मी-अप्तरं में देखें. (न्युवंक्षिकारं मेंबेश्रे, आम्ब्रेंग मंद्र त्यांशुनेंग स्व. स्मिन करा देनमूक दरेग ) विवाधक: (। क्या म कार्टिट्ट)॥ दश्व।। चर्ट्यारक क्षेत्रकं व्यक्षितं व पामक्रीमय नवर चार्वाक्ष्मानं नाम्बर्गत त्यतंत्रीमेंगत्यं वारान्त्रिक्त-रियक , संसक , कामसाव त्यादक । त्कावसम्बद्धां काञ्च्यामकामर (नक्षात्मन दक्षा-सरित माज्य कामकाम काम क कर्म मार्ट्य) माबदम-अक्टाइ विकारित-राक्ष्मार्थर (मत्राव राक्ष्मकाम नीर्याहरू देवस्काहिश्त (माटा भात्रे (कर कार् क्रम् क्षिक महाश्व- । द्वाश्वाम् (क्रमेर्ड क्षिक्रारेड ष्टिवंत्रायांत मास दुक्काय बंहिर्गाट ) प्रमाणकारंग : नाम्बर्विमाभक्रीजिन् (भारत क्रमामान निष्ठुन विभार्भ भूरमा दिव ), न्त्रीन स्वीक्र में - द्वारक - द्वार (थारा टमनीयरम् के केर्यांच क्षाहिकायत )' चीचा साम्यास्थ-

, खलाट्याष्ट्र, लखकी के त्याक्य । स्थारक, चवर स्थिकियं दल; स्वाक्य कल्य वर्ष्य प्रतिक् च्यारक स्था क्यां के प्रतिक कल्य वर्ष्य प्रतिक् चित्र स्थारक स्था क्यां के प्रतिक क्यां क

क्ष्रा ] मुकाबती-प्रदूती- कत्र्वाधवाती- अवस्त्रा क्रिका क्ष्रा व्यक्ति क्ष्रिका क्ष्रा क्ष्रिका व्यक्ति क्ष्रिका ) अल्लेन (अल्लेस क्ष्रिका क्ष्रि क्ष्रि (क्षित्र क्ष्रिका ) अल्लेन क्ष्रिका क्ष्रि क्ष्रि क्ष्रि (क्षित्र क्ष्रिका ) अल्लेन क्ष्रिका क्ष्रि क्ष्रि क्ष्रि क्ष्रि (क्ष्रिका (क्ष्रिका ) अल्लेन क्ष्रिका क्ष्रि )। हिन्। क्ष्रि (क्ष्रिका क्ष्रिका ) क्ष्रिका क्ष्रि क्ष्रिका क्ष्रि )। हिन्। क्ष्रि (क्ष्रिका क्ष्रिका ) क्ष्रिका क्ष्रिका क्ष्रि )। हिन्। क्ष्रि (क्ष्रिका क्ष्रिका ) क्ष्रिका क् (माका भात्र टकटक)॥ दक।।

(माका भात्र टकटक)॥ दक।।

विकास (कार्यका (भावन्य क्षेत्र क्षे

ड्रेग्ट्र। ट्याम व द्वेबक्सस्त्रिवम्ट्रिक , द्वेट्सक्य, जम्हैं के ट्ये , केलक, चर्ड ट्यामडिं क्रिक्स क्रमः म्युकेत चर्ड ट्याद्य पार्ट्रेग्म व स्टिरेंग्ट्यं व्याक्ष्यित्त्र

कारी मार्थने प्रमेष का अक्षेत्र में प्राप्त का प्रमेश क

म्माक (कार्टात्म व मिन्न में मान्य कार्य सम्मान्तिका (कलार्वाकी कार्यक्र) भूमकार् अतिव ELLE COLONIA SUSTICE S निर्दे टिलाटक सदम ७ लाक् मिक निर्दे त्याची मार्थे में में में अक्रम्याम रेजारिष जाराक्तानितिमार्ये (संभक्त) चित्र हार्थ नम् समः मित्र वे दे देवस् मस्तिवस्तरह · वृद्धान , लाक्षां कादका। बकारनः (अकृष्णन) यमण्या (वमःभ्तन हत्न)-क्रीनाश्विमम्बद्धित्वाक्षित्वः (काक्षामम्म) (अंशक्षक्ष प्राची-इन्काना विवावि । हिउसम (काणालावं ) मूत्र मुकी तक पूर्- प्रताक - नी हाकिका-मारिक आक्रीमें पर (मैं मा श्रिम में में के अप के ल मिकायूगनवाया भा किंदियं भावक ) इतियु -क्राहि (रेक्सीनकार्यक्रमारे) वार्ड (विवास करविर्वट्ट )॥ ७०॥ नम् त्यार्क न्या वाहिका करें विव प्रार्व में बदी-त्यु अवृतिव वामाया स्माप मिर्दिला रेजू 'स्मक' क आहे थाल कमः म्यां व का अध्यक्ते प्र इ कार्ते १ वर्ष कामित्र के क्षेत्रमात्रकार्य . दुर्ट सम्म, लामका के सावया।

(मर्) (मर्म) स्थानम् प्र त्याला स्थान सर्म ने सार के वर्ष तं (प्यामाम्याम्यं क्षिवाक्र विवेद्यं वर्षे) अपन्ति-क्षेत्रमें मंबरमा (क्राप्तक मैं के के में में महा प्राप्त लक्षेत्रमामम्बर्ग) मनीमर् (कान्या वस्त्रीमार्ष्य) मास्तिमारः आभाषा कर्डित (मही तेमर्थेत समारक्रे विवालियं नम ) सव्यूक्षण्म (क्यर्न्स नार्ष्यं) जामक्-याने आहेटम् ( व्याभूत्रे र्रायं मने ग्रीत् अहं माममन लम्भेर्यम क्लंब ), त्ये (यरा ) त्याका मे महत्ते न वर्षेत्रकत्यांत (त्यामाम् यागरम् हित्रंत वर्षेत्रं अनिकाटबंद एके ) सर्द न भी म में बरम् (इन्मीन समुमन मूबलकां क्रक्रम ) वाकादिकाव्रित्र वर्थ-क्रमारिकामाः (न्योग्रिक्टिविक करनेत्राल्यिक वमःस्मक्त कमादिक) कू जारा रिता (कार्यक्रम अर्थन प्रत्य अस्य [ ] कर्] ) ग्रेनामि। हिंड एक अन्यू व मा छ एक ह (नी मा सा का कि हिट अंस स्थामी व सिक्र दं व र तम्माम क्रमा), भी मांग्रा ([मारा] मून ७ मूकी र), मृत्यो (प्राम्म), नविर्धाकरामीको (नावान) हेक्सिक), लगारि विश्ववस्ति कस्ति (अभी अपूर मिश्रित व्यतीमात्रेष काक्त्रीय त्यादानि अर्थे (विक्ट्र) भायत्रम् अमन्दर्गरत लागमर् (मृत्यस्ती प्रत्येगर्यं sinaisia overs out ) " nowa: (appros) (अ) (अ) चामिर्धा (में में देशमें में ) (A (ound) लयात (१९८३) में बेहार (मांत द्या है। ब्रह्म कं के मा ११०१-००१ नम्य अभार्याकः उत्तरमन्त व आने म सर्वित मार्ट देशमेमालवं लाख्य वस्त्रमेशक त्येतक) लयकार् । हिल्लास्क में वय 'कार्य व नकेंदरव. क्ल वय वस्त्व मार्ड ड्रम प्राप्त प्रहम वर्षेत्र देव स्मान्य विमान निर् विकित्यारक वक्षित भर्ते में त्य (त्रावयक्ष म सर् क्रम्ड वर्माड व मलानात हर्रे हें । मार्डा : वर्षेत्र (महिक्यं. दिरक्ष अव्योग ) अर्जु विभ-सदमारभो (अर्जू र उ यस्यमानक) यत्मत्वी (यत्र डाक्ष्रकं) साधावी ।के ( Rem everily by [ [CNSS ]) Cer (90. धक दाहिश्ने ) प्रवेशक (धवंदेव ) में वेशनें सम कता-नाम् अर में बे बे बिर्म के में में के में में में के के के कव्यानम्भ प्रविभूगत्वावा ) वात् एक् भावानि

(सार्यहर्त्वं काडिकंता असे बबंगान ) हरं ( ( कार् कड़िटिट वित्राक्षांना भागेर्गम लाक्षायेत्रातिकारता 310 MILE 25/MIE] 117811 चर् त्यातक, व्यक्त्रामिवं आहि वमसार्थं ताहत-व्यग्रेट संसक, धार्यरां कार्यक्त समित्रम् (उर्वेस (त द्रम्याम शक्ता (एउनवं ए) रिस्टि यत उन्हें में आप के कारता मान्य वार्षा कार्याम्य क्षांत त्लार्य न्यार , चवर त्रिमं, चत्र अपनं क्षांत. द्रिक्क् मक्ष्यक्षरहर्ष, द्रे दिस्ता, त्रास्ताव स्ववत । रबन्म (बिनाडा) ब्रम्भिरपाक्षिकित्यामन (लक्षा अम्य दश्मी मर्नेषं हित्यं दालतं करा) च्याकिक दर्भार्य भाषात्वत् (च्याकिक के वेश में भारत् हिल ) वमार् बीटमामिक्या ममारेट्डो (वर्तन मर्प्डी-िरायातक.) राहरते त्या (द्र स्थायम्प्रमार) बिहित्यों (बिह्न ) असी हार्ज किए (४४-विटिंग्ये निकाम कार्बन्तिय कि व )।। तह।। चत्र त्या क मार्क मार्च । उ त्या क क्या । प्रिट्रिक्टिड , संसक , क्य ब्रिक्टिस माउम्मानक लामामान्याक्ताम गराय व त्यामान कि न वर् प्राम्मकरम

ज्ञाचका । देर कृष्णस्य (जीकृत्यन वर् स्वयम् )त्मिवार (गर्नेयापक रिष ) सर्वर्षकित- (भाषा प्रियमातिशव-कळ अंक्षिपुर्म (प्याचीमान् द्वामात्मं कर्य-रामकर्क अमार्थेन था। कित्रिक पटक्ष रेस्मीयमाने-समं में अर्ममत्रे ) पत्रवः (विशेष कांत्रिकः) नवर (इस ) कबीमर (काबमार्ष ) काबार (काका कामार क्षेत्रा बाकरे लाज " [अंदे दुरा ] ) अनु ने साह बंगा है: (की छिम्नक म्मंग्रंद्रमानम् इर्द्र ) निर्मा को (मिन्छ) अप्यमात्री ( दूरेषि छेउम असार असम, [ \$214] ] (CA (OVENA) HOG (OVENA) 117011 नर त्यारक कार्य रेस व मार्थक बार में यत करनमा लेशने भट्ट के देशक महा वयात्र के , दुर दिसमा, " इ ज्बर्नत ७ मृबर्नतादिन जनाका निर्मादिक , के अस, तर्र में आर्ट्स ति क वें में मिने RUMMedy (50, MAZIO, MABLA 23/1651 इरवं: आप्र (चार्क रक्षं क्षंत्राप ) न्यूनंक रमावत्र . स्ताक: (अंकत्रावत्र तिवं त्यावक ) मक्यारम्में -

EVECTO geng-MANNET , gécom, ontovo.

मवाकेट्यः (अक्षमः लक्ष्यं मवं लक्षेत्र) 'लाहे-मरा-क्य-क्षा. मिहिता: (१ क. पता देन क्षा आहरा) " म्लाक्षात्र-इते : (मृष्ण्लभा अव्त लाकंत), क्रू:-भावेशकः (धनः भावेश), जीव्य-प्रीत्रवृष्टिः (123 1 m. 21 M. wan Im, ach 244) an (295) क्षांत्रमार्थः (क्ष्णांत्राम्छ) नम्डायक हर्मः (हमनाय-क्रम ) पढे: विक: नक्षि: निरं म्यूर्य क्रम नक्ष्र -प्रमेशवां ) काहित्व (१९१५ वर्गा ) हाव: (CMIEL OUX 5005 ) 11 19 11 नह त्यात मीर एवं कर्म मात्र किरवर्गमार्द ्रवारमाकि अमक्षान कावना। (मारं : (चार्किक) र्सि (कंबरेंगण) महावर्तरें (मा थानि (अकावनः मूरकामन इते त्न ७) भन्नाभूकव-लक्षकमा (स्था लेक्टिकाहिक प्रमानेक बात्रां) कर्म (कर्मण), भार (भर्ष ) नत्म (क्य क्य) उद् : ([र्या] वतात ), जमा (जमा र्यता ) ख्र (बार्य ) लारे वर्ष ([कास्प्रमं वे] समाव प्रतः ) कन्नवीकलावं - तमभी अमानिमानिमर्तन् ([भन्ड] कळ्नां कारं कार्य त्यानागरम् स्थमंगरमं

स अदिश्म लियम् अवस्त के चित्र प्रति । चित्र प्रे । चित्र प्रे । चित्र प्रति । चित्र चित्र प्रति । चित्र प्रति । चित्र । चित्र चित्र प्रति । चित्र प्रति । चित्र । चित्र चित्र प्रति । चित्र । चित्र चित्र चित्र प्रति । चित्र । चित्र चित्र

स्का : (लाका नाम्रकट्ट)॥००॥ म्याप्ति (म्यक्त न्याप्ति प्रमास्य विष्य । स्याक्ति (म्यक्त क्षित्र क्षित्र प्रमास्य विष्य । स्याप्ति के प्रमास्य क्षित्र प्रमास्य प्रमास्य विष्य । स्याक्ति (म्यक्त क्षित्र म्याप्ति प्रमास्य विषय । स्याक्ति (म्यक्त क्षित्र म्याप्ति प्रमास्य विषय । स्याक्ति (म्यक्त क्षित्र म्याप्ति प्रमास्य विषय । स्याक्ति (स्यक्त नाम्ये क्षित्र प्रमास्य विषय । स्याक्ति (स्याक्त नाम्ये क्षित्र प्रमास्य विषय । स्याक्ति (स्याक्त नाम्ये क्षित्र । स्याप्ति । स्य र्वाय , कंतक, लामक्ष्यं का क्या । पद्याय नामक्ष्यं व पत्रिम नामक्ष्यायं नामक्ष्यायं नाम् त्यात्म चार्किसं क्षेत्रेसण नवह क्रिस्योक्ष्यावं

त्त्रीकामार्के अत्रोमें में में में दिह: (कामत्रत्वं में वका. अके अभिरंद के की में मर्ग मर्ग द मरात्व में मंत्रांचा व वर्कन) श्रिक्षमण्डतः (श्रिष्टा मजनमध्रभाम) । श्रेष्टे र टका का- वित सतावाती - । लिवः भन्धा प्रविकारम ( मराव अवकातामुक ममनाश्रे कामकामधारक मम्हार् काम यंग्रे केर्ड्याटर ' जवार्टेस ) लास (चक्क क्रमम करं) विकास क आमा में भारत (विकास क मीत कश्रम्भटम व धार्मक करिये ) (हर् (यन) मेरिहे (स्वाममारि) मात्राम्योकार (द्वेवसे रंते) QUE ( QUEST. 23/24 ) MA ( \$2 CMLA ) \* AA. : (कार्यभार ) कर्षे होर्द (बार्स इक्ष्यम वार्त अर्थ) इरवं: (अक्टिक ) अभिमार्त्रा: (भरमन्य क्वम्मानव) द्रमार् (द्रमार ) कारामार (काराय कांद्रक मार्बर) ॥ व०॥ नद्र द्यारक विश्ने कथा के काल्याक क्रिक क्रम दें। के कावका । दुलातं बसें रंगरं दुष्तिम पा रंग्नें डे अभान रस्कर्क अस्वत्व केत्न्य र्वत्वर नर्व धात्र वुष्य रेथे। अस्टा का मद्दाव का पद्माव का

देशस्त्रकांन अमें यिकानिकाम दुलायमं विकास काम न्भंतानिक्ष देनभामभावा उत्तर्वानिका केन्द्रक नभा अवानिक्य हे नामम् , भूति इस अववानिक्य देल धारका वा राम्याविक व देल एएमं नी स्वामक मूनन-ये कुल मात्र हा के इस के ह नं के के कार कर चर् स्क इकरमन्त्रमम् देशसम्बाक क्रव्यक्ष्रम् सामर्थे व्यक्तिरंगाक व्यक्तिं ममंद रंग। त्म काकुलरांगक क्षत्र सेनदं त्माम, बाहक लक्षिया लामस्य वस्तं कल्ला रूपं, देश वृत्रीय अकाव काल्याक । यस्य मद्भाव नाहक (हर) असम्बन् व्यक्ति लामसन वक्ष्यत्रमान क्षेत्र क्षेत्र रह्मेरह। नार्क (कर कर ) द्रवातं : (मुर्क क्षेत्रं ) रेब कर हैर. पिलिककारमः (विक्रमाविष्णे क्रमेनामं ) देव्या (९००) मेरे में के यव बंद मा चड़ (सहा में कर कं प्रमप् बार्नियार ) धार्यः (मिर्डन कर्तन ), ६ (किंड) धम she mad (aumis quay us ca) " maingan. ट्यार्नाती-प्रकाशित्र हामात्मार भू लेखा नव (जीनका बार नेयन केस की एम करने से सब्देश सियम टर वे के दिन दे-में ने वार ) लच (नड़ दृष्टका वं) प्रव : (शवंत्रवंत्र)॥ वेश

नद्र द्यारक कार्रकं कश्रमेश्यां कुछवात्ववरंत द्वेस्त्रेश, चद्र अस्त्रसीयं कार्यु टार्ट सेक द्रमान इव राज त्याका पुत्र , चवर स्थितमां बादमां व स्पाय -हर्म काराजानि किलादिक म्माम काम्यान काम्या ह्में यत: (ह्में अने के ) राव: (क्षे के किं ) यत राव (श्-डेक ) थर्टमा (क्यार्गन तक ) जार् नमर्त्नेमुख-करे मार्च ही १ (टक्नेडिट (क्लाडिट कार्य कार्य (काडा) क छे ( पर्णात क का ) अभा (अर्था ) छे प्राचन ( यसे देशक ) अत्युत्र (मान्य ने कहन ) देरं-अविकशा (अवादालन के द्वार का के एका समयकार ) डेन्नामिकी (डेक्टीक्ड) अग्रस्टर्ल (उपीम प्रस्क-मुलन बानिया ) प्राप्त (प्राप्त करने )॥ १२॥ वह त्याक रित्यक समादि स्थाने में प्राच दे दे सब महित्यमार ह . वृद्धाः अस्त्रावं काट्या। डेट्स ([मद्रा] डेसक्तम) भू विस्वर (प्राविष्ठ), थर्व: क्यकार्या अव्यक्त (प्राचारत क्रमा : कृमा ), मार्चि-द्विक: (मार्चिक्य रेव्यीक्षक) केळ्रीयर (रेजरीतकार्रेग्रिड) धामर् (का पिर्यामनक्षा)

प्रवे (दुर तिमा, जमकानं काटना। रक्षेत्रक, चर्ड दुरु स्ति रक्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्र

त्र्राक्षा क्षिण क्ष्य क्षिण क्षेण क्षिण क्षेण क्षिण क्षेण क्षिण क्षेण क्षिण क्षेण क्षिण क्षेण क्षेण

or come galain of som of and dan ourse. प्रिमंदर् , काश्रिक, लामका कारका। [भारात] । निक-छछ-छार्खकासी-गायनिकि-अह्नाबिः विव्यव्ये क्याक्रियार, बीमितिक क्याति ७ वर्नी अक्षित किति अमू प्रमुख्या जिन्द्राम करन ), विक्यतकत त्या-गानित्याम् भी: (जिल्लाकारी क्रमारेष नप्नामक-सानी विभायन काराड (कातावस्त्र कार्न्साइ [नर]) नवनवानिक काडा दृष्टि अधिनी छ : (धाराव नवनव कार्डिकाना त्लेख डक्रिन विकृषिण श्री एक ) वक्षाताः स्तिम् अडमि ) विनम् ( ( क्रेक्ट विम्न विम्न । ( क्रेक्ट विम्न कविल्ट )। १०॥ अरे त्या त करे उ वार्म भारत्य वामाका निर्मा यूनक देवक अमद्भाव कावण । इटनं (त्योके रक्तं) क्या : (क्या राम ) रख्ये के वाबडनंत्रः पाणारिका अक्षत्र : (त्म्लिक स अ अंगर्ट त्मं नामाने द्रमामी लक्ष्म अर्थवं वंदे १८ ) प्राष्ट्र (पाका というとのは、)、れる: (CMは立)のかいる(ままいまなな) भण्डर् (अर्थना ) आडिदिमर् किस (मात्रमादिक)

पारके नर्मकाविष-वद् मात्रमकामं दिशालाः (नायके वादि-हाभवहत्र काविवा व मात्रमान्द्र थ दिया नदीममूत्र) 13: xing (1240 24 cole) 11 4011 अहे त्यारक माननेगाम के अर्च मिना मधी अमृद्रमं कमानाः व्यार्यक मानक नवर जाम्म नदीअम्टरम विः भन्ने सम भाव्यक्षाका. कर्माव अध्यावन मिन् देव ताने , व्यवस्तु लाजीतं त्यावका। राभारविक्टलाके-मक-हिन्म-त्मानादि-दिवाद्मनर् (राभा इरू वर्भर कामान, वर्ष, उर्थ, मड, विष्क ड कर्म अकृषि भात्रात । पिका प्रमास्त्र ), अपिष्ठा प्रमित्यनात्र (र दिंगा रक्कि तारा के कामन ) । खिक मर् माष्ट्र (मारा राम्मर्माना देशायिक) दे नम्परमान्डर् (पायास टिल्ने एक दे मामरेक) ' मार्घम संगर्भ पर (में सं क. नम्त्रम्भन भाषार्थ अन्त्रन्भान अल्लभ), ख्राहिकः आकृतिकात्रा (अभविक वर्णाद् नवपटे आहरवर्ष र्ष्ट्रम् सम् कान वर्ष कान व क्षेत्र कानीमरने दाना) लार्डर (भारा महिट लार्ड), जीतिशापुकर्तिकर् ( चिन् ने । श्रिमारे मात्राक कि हिन कि मा कमारे भक्ति) चित्रं मार्थिक बकार्रेश (कार्क कर्म लंगः

्यंतक, लाम से विका । न्यं द्यादक मारे विका में ति व व्यवस्थि प्राप्ति महिव न्यं द्यादक मारे के दिक के में ति व व्यवस्थि प्राप्ति महिव न्यं ) त्रियंद्व (मारं वृद्यक् विकाक क्षेत्वह ) ॥ ४४ ॥

लाखें में संभवेद्या गांक: (चाक्रकं ने मक्त में १६३) तिश्मक (तिश्व कमक्षानि) (माभीकृत्म (तामीमानेष स्टक्र) ग्रेश्र (प्रिटम्ल वर सम्मेन कार्नेनंपने) प्रिक्र है: (तिक्रमक् ) सकामि कि १ (इरेग्टि कि १) देखें डू (अर्क्स शक्त) के मार्वनाको ६ (अन्तर कार्यमानुबंदे GAZENIZA, ) à (MAB) HARE L'A (OUNIGADEND ज्याने कतं ) , प्रकारियमः अषः (जीकृरकम् अरे व्याह्य माडायण : निर्मत बार्मिमा ) भा मेण्ड (विक का कि कार्य क्रमक क्रमक ) महूमा र कार्मिर (मित्र म भारत सिस्य कार्नाट्ट )॥ १००॥ न्द्र ट्याटक कामुक्ष- हन कर्तिका में महर मंद्र द्रवेसक. ARIANISTE ( BECAMI, - 186 atachia वार्निक्षान्त्रक स्थक, लामकां लावका । मर (मर ) । हार : (। हमांग ) में रम्हाम ( में महत्त्र के स्त्ये.) बदक्षवद्वं (लात्रां क्यह ) दूरमात्री ( अंगमर्थिक ) कर्मा (क्षेत्र में का में का में) ' ते केंद्रे

(म्म्रेयूम्य), मूक्तकविकालातारे (भूक्त क्रूक्वविकाः) क्ष्रिकंग्न में पट्टमकाम् (र्कावक मक्षेत्रकते) कास्ते दं (क्षिट्य), जिल्लाक्ष्य (जिल्ला ), प्राव्केत् : (कलार्वन केन्: [वयर]) ट्यामामियाम ए कि (हकम चमन भराक ), जवाति (यर भवत वस् ) व्यक्तिमार (भूगलन काविष्ठन), उमा यह (काक्रा इर्युनरे) कत्याना : (त्याक कार्याप) कर्मेश (युत्रावं महत्) अस्टिकेश चाहिकका (चाहिरकं ) वैशह दुनामार्थान (मूरभव क्रममा कर्षा भगवर्षम )॥ १२। नर त्यारक विभी मकावं कार्यात्र, वायकातं Exists + ( grid way do contest on the sustained म्द्रेया)। अभूत्य बक्ष्यक्षिक ठेमभात्र भमार्थनावि-हारो. व क करि द अरमन अमान्वास्त याम सारता (सामाइकारमा) हरममा भूगिन नाम सा (समारी न अर्भेन्निमाना लामम कार्ववान मन्तरं ) मर (भाषान ) अन्येमनंतर दंशमित्रम्भ ( मक्रम्म अन्रेखनं महम्मान ने अप अन्तर [नवर]) अर्थ: (अर्था कारा) अर्थे सहस्ट.

क रवा मरव : (जर्म व मकी मान दाना के मार्क मार्मरहरू)

Elenent (maem yad geo soin) as] ochicules (gas naryiculais Exists) 3 दिमंत्रिक्याड - में द्विक टक्ष्मंगर (द्रिमंत्रीय रव्यक्षंत्रं भरत्यात्म मारावं नकदि दय क्रमेदिव बंद्रगंदर ने दंसल) मीट्याद्यमा (मीट्याद्यर्य ) मालाभार्त (मन-यारिक मात्राका मना क्ष रमं), भारके बत्माक्श्रीय द ( गारा मानम् त्रवाहर दुव्हान् ( चर् ] ) सामक्र (सामवंत) स्टिंद : (अक्टिक ) वर (एम्ट्र) स्था हरेक (मेंग) हिबंस त्या ) द्वारि (लाड्रेसर त्याका आई द्वार )। १०- ० २॥ नियु कारि 'अश्रेषे कार्य मार्ग रेकारि जार अर्थ प्रवे शिक्षं , काका कुन, , लामका कं क्ने के कि के ना वर्त हिम्दक मिश्राके अभिम् अ अध्ययम् निर्दे (अध्याकार्ष) लायका वं ड्यूंग्रह । न द्रंस मा । हर्षाये व लाजमा. as to lead a sea of the ment a Real was ( हर किमा, लयक्षीं का का ना । हिंगी मार्था लारे म भी प्यार अमार कामार निर्वाक स । हिनेक ते अ इ अ त्यार के क द क स्मायक ज्यामक, न्यात्व , मार्टिक , क्या के प्रक अकंड दरेटिए।

व्यवन- १ ह के के में प्राप्ता न मरे मार्थित कर (मारावे द्राया यर्जात क्ष्रें मात्र व हिने द्यां के प्रत्य अप् कर्त्यां है। वननभगविष्ठभाकविष्ठार्यकात्र्य (भाषात्र आर्र्यकात्र हरमाने न नम्बक्त विद्यां मने एक आवक करन ), TO SE SE LISTE ( [TO SE MINE ] 1 SAG NARENS) लार्क्ता अवीर् (लार्क्ता मक्तात्त मुक्का) चारतः (चाक्तकं [त्या) त्याकत्रार्व् (भवत्रार्) इत्र्मार (इत्र्मात वर्भार द्वेषि क्षामात ) विस्मान (विरमक्सरम (माजा वार्यक्र )।। +211 त्र त्याकि ची के तक व र्रे मित्तं मका वश्य तर् ध्यालांकि न्यर कत्रमम्य अविश्वामं ग्राम् मिरिमार्य देशक, लमकी कावता। भागाम् अर्पय - विति विष - मास्त मीकर् (भार्म निक आकृष्डि व कामनडामाना मक मकुनी धर्मर विकेष. विट्याखन कर्म अमा अस हे र भारत करम ), आश्राक्षिक अरेगानिवानि से वास्त् (भागा निन ल्डिंन का हार्था हार्थे प्रमेन कर्मन लाक्ष के मती का का तिवं लाक्षकं प्रतं कर्त ) ' मान्त्र का मानि जा भिन्न तिक वित्र ने का मान्त

शिश्य त्यास्कवं मनंत्र व हिवदक व्यवक्ष करवं लिइंस स सक्षाके हि के क प्रत्य में सम्म माराने त्याकाने लयके व ड्रांगार्ड) " म्यास्य हे यप- क्वांत ( क्य हे ताप्ते. टावंटड ) रवेश मुक्किं (राडावं राष्ट्र महत दीर्थ वंश्रा छेर्वत इरेगाटि) न किलाभंगा-नम्मधीन-इत्याम मान्य (यात्रा निर्मित्र वृद्धनी गत्ने म स्मान्य अवभा कावरमं कता कलार्यं काम अक्ष ) , यर (यात्रा) त्मा भी भरतात्रावेते-वक्षत्र-वाक्ष्वा (त्माभी-भटने व । हिंड क्यी प्रावेटनेय कक्षरमायर पामी वाख्या वा क्रांप-अक्ष [ व्वर्याया ] जीवारिका-मन्त-मन्त्र-वक्षामः (अंग्रेश्वं नग्र क्ष अक्रम्भारमयं बक्षात्वक्रमे भाषावक्ष ), भाकाविका-मलाइराम-ममर्व-मिन्न-मकु म्वरहार्श्ड-व्भाग्त- भार टिलास (धारा की नाबाब का देशाय, भर् विला का कट्याक काम अमृ उन्मानन लाप कार्ववार्व क्षण व्यक्तिंत सर्क ) ' प्लाम्पि देवं (ग्रावं तक्रांस्य वंक्यम् [नर्]) यमभाष्ट्रिक्यर (गाप्रां मर्माप ममलाबासरे) वर (पर.) यंकाष्ट्रं (मंबता) "स्मिक क्ष्रांगारं (क्राक्रिं कर्रभूसन ) ट्या (कामान ) द्वाप (16(3)

10 40 ( 12 40 20 200 ) 11 PO- POH चत्रम् अभागत्यास म्मान्य देशमानकृष का का में भी व विस्तेवकात करियमा देनारात जी के कर में मिल ने ठेठ कर्त में यह व्यक्ति के विक ्गाव्डिक, हिवीन टियाटक कल न्याम बाउदा व र अप्रयाम सेंस अर्थक अमार्थिन मार्ड मीकृरकं कर्मभूगत्मव जापाक्षामिरिनाट्य (धामक्षक) वस्तं क्ष्मं मार्यतं मक्ष्यव्ययद्वयाद्वे मह्मालाकु चर् विश्राक्ट्रक कर्ममान मडाव-वर्तन (प्रव ' अडारकारि 'अमझामं का वर्ग । र्ज्या हरी य क प्रमाहित मर ( र्ज्य हर व्यवं भानं मारावं. प्रिय ) में का क्ष्म का मिंट ये मानेय टिमका में कु 6 (क्ष्में क्षेत्रे लक्दिं लर्ध क्षेत्र के आनंदा के एक प्रकार का का का ठिक ) ' तकबंक क्षियर को बंग इ ( कार्य तकबंक कि के किया में अधियां के के प्राया [ वर्ष करा] ) इक्रायम्ब्र-त्वराव (इक्रायमानुमम् प्रमान एक्रबंगु करंडे ) केंग्रेग्रे (च्यक्रिकं [चड्लंब]) प्त रेतं (पत्रेंग्य) ह्याह (लर्ज्य (men Starm \$10(5() 11 0011

त्यक्षेत्रं काळ्या। चवरं प्रवर्त्तारमं खाद्यावस्त्रात्ते (खाद्याक्षः) रिव्येड्राप्तं क्ष्यं व्यामाकी प्रत्यम्पत्यं (संस्थाः) काय्वको स्त्यात्वं (काय्विकः) देकः भवस्य व च्यारक्षं पद्णते पण्णेयं स्त्रां संस्थां देवस्त्रां मन् च्यारक्षं पद्णते स्त्रां स्त्रां

अर्व्यमर्बिकार्क- प्रमेशना : ([मारा] देकान्त सार्मिक अमेर्यमुकं) लाबक्सक्ष्मिमेमार्ट-न्मा १ (धार्यकारिक मर्ज्यपुम मूक्क धार्मा वक्के भार -म अस्तारा काल्यमं देश्यानं ) म्लाउद्या वस्ति । क्षिमाडिकिक ([मरा ] प्रमा पडिमार्थ विकित् Bay-murade over 18. ) L'alle Care- 42-भन्न यमिकि- (बाहि: (धात्राद मीछ प्रकर्षने मवीम अल्लावरक अमिया कर्य ) न उर्का भाविका (० टिश्व हे भाव पारम ) न्या प्रतामित प्रमास्त्र मिष् ( न्याभवार्त प्रमाय्य प्रव मारा नेकर प्रमे विक्री) प्रतिक्री मुर्गिक सक् में (विक्रिय सक् का का मिका दिन के) क्षामाध्या जीमारिमाकाम्मारमः (नाममकार् ७ कर्मिकार्डिं ) विस्ते अरम्प (विस्ते वर्षेत्र )

C शाद्या दे वा मंद्र- शास्त्र के - श्री म दिला कर ( राज्य अकर 3 40 3 avia ocusi y meini mia cure più y कटन ) विसालमा की स्वेसकी म वास रंगक (माराठ प्रिक्रिय करियमा स्थानेस काक्रिके स्क्रमिक में में ट्यंभा विभाग की)। यह अन्म छार (शिया) मिक पर्यन-शर्व रमप्ति ) देव वं समदं महार ( विस्ते-वासमा अलाववर विरक्ष अप्त [नवर राजा]) नम्बर (तिव्ह नं ) तिका सृष्य भूषा भेष- शक्षु वर्गी- भूभागंष-क्यानाड: (श्रापं कर्मेश्राप्त- में क्यान स्पारंत बर्भीव म्भा उ प्रवंश्यानी क्रियां ) व्यक्ष -रिकाह्यर (भाग्रम टमाक्तं, हित लार्के रूपं) चित्रभेलं भेपार ([गाया] चे वं स्त्री मटप्तं) महत्त-ये वे अट्टक: (अड्ड कर्टियं त्याक्रकं टिलाहकर) ब्क डामूमां: ( चिक् ] चीवाकावं ) बीवाज्-मीर्-हा कर् ( सीवम क्रिक भर्ति वित्य एक हा का नामभाज्ञकाम ) न क्रिक उद्दीनमाम्मन-सम्म-भाक्ष्य ( [गाप्राः] न्यांबाक्षकं (भार्म्यभाष्यी मं देवांविकं हिस्वादा (mu हत) महिकाद (बाक्र (म्रिकं ensul orgin 3 ag. ) organs (xen) (x

242 ) 11 Pd- 9011 (mmi. ) 1212 (1821/62) Ean 2 (443.12216.

ल मिल अमार स्मार्क, महार्का व वर्षे क्ष्मुं क्ष्माकी-वस्तर्भक , संसक, नवर कतावद्रमत् व र्षेत्रेत्रामनं अभिन्धे वप्रतंत्रक , दुलस, लामका ने हिंदीनं टामत. ची के दक्ष व कार्य वं अकार वर्ष मार्टि , अकारवाक, चन् कर्म वास्तिमकात्रित् न्यास्याम् तिर्मात्रेव CSELECMERA GUMINISE , GLEMI, ON BIR विचेप ट्यारक उक्षेत्रं में कामनीम (रेड् (अडारवार्क 'नवर् देमभात विश्वकत कर्मा केरान व्रमानं वर्षं वं वर्ष्यम् मेयक वर्षक्र प्रिमार्टिक त्याहरंक, लप्रकेषं नवरं हर्जेत्याद्व बंदे।सुर् त श्रीकृष्टियरक अध्य क कार्यदं क कारकार्यर स. ८२ इसक निष्य कार्य विकास कार्य कर्मा राष्ट्रक भाउरवाकि अमक्षाव कानी हरेता। भाकानंद्राक्षिकः विजित्तिक - क्लब्ल - मर्त्वाम्याम् (भरा थिश- लाके विक, त्मिक कश्वां के आ अंतिक अंतिक. अभिकाममें रकः विकासं करें ) ' मिननं - द्रांकः -(मोकिकातार् ट्याकारियात्रक्षं- मध्यकारियात्र

(माराने का हन ट्यामान्यर, मर्के राष्ट्रेम का रहिन क में कार्क (अम्मूमायक अक्समेंत्र क्रिक करके) यामत्यार लक्षंत्रिक क्षांत्रमायात् (मारा में मंदीयान क्षेत्रेक क सिर्वेश्वाप क्रिकं भाग लार्बिष् करकं ) र थाती पड ([आरा] अकाववरे ) भाक्ति अ-मूमाडिम्बीमसक्त्र (मं अरे राष्ट्र मे बुधिक कार्त सप्तकंस) मे नार्य . विभाष य- बभा कप तत ला नेत्र (भारा निव्दुष् किए-करान क्षेत्रवास्त्र काम्मर्गात्र के बक्ष्य वर्गार्ट) काट्डीकी- (मार्नमार एक प्रकाश रेड्राम् ( विक् भारा) जिएक अक्रम बक्रम स्मीक एक मार्थिया का सरत्यक देवे लाभूठ विधानक लाम्मकंत ) न्यानमकंत द्यात्र (क्षिक प्रवं प्रवं मा प्रवातित्व) मे काराः (त्य का का नामा मार्थि (क्राम कर वम )॥ १० - १८ ।। नर्ति अक्षप्रदास्क , कक्षानंत्रायमं , नरं नहति हि , किस्त हेब लाए शिष्टि, नहंस का कार के कार् क्रमास्य देवनं लाति, त्रकतं त्यामा प्रमार वर्ताटर । बाकार कुलाडवारक , रुव, मान्द्रिव (पाल. -प्रव ्ने प्राममा, लम्बार चर् हिंग्रीन क्रिक न्त्री कृटक में में से बार्ट के दे ने वर माहान वर्ष व बक्सर श्या कारा की ग्री हिला दे के अ के अप के ये व के

अस्ताहित बीम व देश कालका महिकारिय के देवन अस्तिवयादार्वे , वृद्धामा, लयकावं डम्लंटर। यिशकार्त्रेल समझटला भी ( मार्र थिश कार्रेसिन्द यामंडर चव्तंद्वी (च्युकाकं टक्रममामदेवं दुक्रीम. वर्त्त भरकारमं ) काका कामा कामरका कि विकास ( जिल कार्य कार्य कार्य कार्य के महाक कारिक कारिक कर्त ) दमानी क्रिंग र्वं विर्वा : (क्रिक्ट म्बद्धमं) अप अधि टकी मू भी (टमरे शाभा हा जिला) मी गार ( AUNG 26 - )11 NO11 नरे हलात्क । श्रीक व त्कोचु भी व वन्नान्त्रानिर्द्रिक मृत्रक द्राव था भारत का वर्षे अल्यारिषिक वस्ती-कस्तीनमक र नियान त्म्वेड लभी अकृति पिक बन्नी मार्थन ७ कामती ए), त्यामानंता-नप्तक्तं निकीयमान् (त्मामाने नामाने न मन मन क्षव्याने धात्रा अग्र कट्ड [अवर] ) त्यम्तिनपार्विः मार्च में कर ( भारान मार्च में करनी कार्यन मार्थ मार्थन 5 5 miles ) 4 5 mm (= 15 cm 4 ) oursiste - 120 -वर्षार (में सकताला द्वार दामा तहेल) लय र मंगात-( and कार करें ) 11 2811

ना कु टाआटक, में म न नमा । मान न मंद्र मंद्र पार पार प्रायं यम्य ७ ट्रम् वामाका मिर्स्मार्मेयक , संसक, काम के सावका सारा व्या का का का कार के न माक्षि : ([पारा] विविधे व्यक्ष धात्रवा राष्ट्र का कंत्र ) वा साय के महें नित्र के मामित्र . अधीप्त ( मिल ने मुद्रेड दे ते सक्षां बेटमं काम्मर्थाद्वरतं मायुर्भ) में डावं: (व्यक्तकं [प्पर्न]) बमला (प्रमा) विकास विकासमा काम (मिन्नेन वसर्क भर्य कार वस विवन कारियक) सामा में वाम्य वसामनार (क्या करं त्र का के का कार पर दर्दे ) तका का ( विमत्या , चर प्राधान मान्यता मात करकुंगिर )।। ५६॥ नरे त्या का विवासी न कम् कृषि व किश्वान वाराष्ट्री-अरिलाम्यक क्लक , चवर क्ला का का का के कर कर कर लाम्यर पर्वेत ,- नम्सम मार्थ नम् र र व नक क्षाकार व्यक्त ने न प्रतिक रामार्थि मार्की. Soini , enaly, on Bis Rical 1 ल है: टक्स मेवामा (का दिसमें : (मारानं मिन), टक्समें अ. ने क व रामानंत द्रवस्त्र हे । सामिव धार्माह ) गटेशकरितः प्रश्युषा (भारा भाविषाभक्ष मर्गान राह्त र्रं रेक.) " नराह्माक्रमाक्रिक्ट रंगामुले-यमतरम्बंदा (मदानाक व वान्नाक कांचा में। हव

वय अविविक्र अ अर्थ अर्थ रामान माराव एम्बेट देवेश्वर इक्टि) का क्षेत्रिक क्षेत्र के का लास्त्री ([मामा] त्माकी-मार्प कं कल्ल् माराया मेत्राराम क द्रमान करके [ करही ] विटेवक प्रहर्मी (मिथिय कमर्टक धार्माकरंकने कुछि-पान कर्य) अम्वाद्विप्रमात्री (अम्वमम् अवप्रमान का विती करण ), इरवं: (जीक्रफ्य) भा कती व्याता (अपी क्या क्यामा क्यार प्राथिक वासीमितिकात) थाने (थने में ड ड्रूस )॥ १०१। नरे ट्यार्स जीकृष्कत् वारी उ त्रामान् उपमाना निर्मा. म् न मं क्यम े न वर् देसभात धम् दरमूड व्राममा देलरमच वातीस्त वामाना देशकर्ममा क व्यक्तिमिन-टरव कालिक असकार कावरा । व्यक्तिक क्षित्र के निक्ष में प्रमान कार निम्मूभ रेजनीन अने वाहिए । उन मू अमर्म [पारा]) न्यानीय: (रेक्यानेयभनेनियं ) भागानानियः देव ( sur ( a signal al a la care ain) " young गीमाला कुछ छक हक्षाविमिन स्वाह : [ चन् भत्राव ] थानि क्या प्राथित कि कर मार्थ है के दे हिने कर के कटवं) कामाद्वः (मार्किकं [प्पर]) दुव्हाम्ममं

जारायक कर सामुद्रमायक के म्याद्र क्या का मारावा कर का मारावा का मारावा कर का मारावा का मारावा कर का मारावा क

स्माद्धान्तः (स्मिल्यु प्रक्षीतं) (त क्रमेस्टमाप्ट क्रिं विला क्रिं मिन्यु प्रक्षीतं) (त क्रमेस्टमाप्ट क्रिं (श्रिकां के प्राप्त क्रिं क्रिं क्रिं मिन्न क्रिं मिन्न क्रिं क्रिं मिन्न क्रिं मिन्न क्रिं क्रिं मिन्न क्रिं क्रिं क्रिं मिन्न क्रिं (xan whe curavana signi monde si )" भावन्यां ने अमेरा में से में एक प्रमा ([मारा] भावरप्रमं भावमर्थेष के किवंशाल वे व्यवस्त्र ) वाके प्रमात-प्रिमाम् असिसं देने देश: (काकर्त) व अवस्थाने केवल मेर्ग मन्त्र [नवर]) कल्ल्लाबाब्रमंगर्वकार्मा ह (मन्ब्रायम् विश्वाम्स व्यष्ट्रमाद्यां) भवनगर् (असस त्याक ) अर् भावा (भावित कवि गा) अमसार (हर्लाहरू) दे सम्बं (देसामें र्याहरू र्याहरू ([अकर ] कानिस्क), मानिभूत (म्रिक्म), यम्पे (धन्ते) , म्लार्त (मून्धा नक्तर ), म्राम्न भीत्यान-१ कथ- अभावता ([नवर] माराव सका लग्र (पचर्यात. बालि भारीक अन्ते , धन ७ हकन बामिण ब्यानी प्राव यकारं करंब " [गर्बाल मारा] ) वाकंप्रमावसतर्मिय-वस्टल ह (जाक्ने) प्रान्तिक प्रपादकाल धूरीन धड), इत्दः (क्रिक्टकं) क (क्रिट्र) द्राव (द्रवपूर्णक) भरा (कामान ) क्राप (हिट्ड) अमा (मर्करा) कू क्लार (2241 40 28 6 )11 26 - 20>11 न मिल अमारियात इस्त्रीयश्रीमां त्यायक व वार् में अर्थ के अर्थिटर , देशका, न वर बारे म अरबाब-में अ देवतात्र कार्यमा प्यत्रेमय में अ देन हिर्दे तं

हरक्षम्यक कामिकात्रत्रायक कार्यक, कार्यक, कार्यक हिन्दिस क्षा का त्या में भारत अका मार्थ प्रत्ये अका विका नवर रकिए अक्षाना टनन्यम्मरक टमेन्सर्वकीन कर्ण कर्तायकाल लामकी कार्डिंग राज्य दे दे कत्र-यहावता क्लामं दिर त्यमा 'अवदावं वृत्रीमंद्यात प्राचक माना हिं मार्ड में हा करिं छे करा का मिरिय-ध्रेक 'क्राक वर त्यप्रता मध्या कत्र भारका-मेल लंबा मर्मिष् क्रियाम् व १९माड, लामकान न कर हिंदू में ट्रिया के दिन्य में ति के कार्य के निक्ष व्यक्ताताक थालक्षातं क्रानित हमेरव । आसी-अकर्ध- मृद्रेर्ध-विटिन पक्र- कार्यक् जीभू कार्टिता : ( मात्रा भाव बेदा वंस्त्री भारत के में हैं दे ज्ञात बेदा के दिए के विमात विकास कामवादम् भागं क्रामे त काश्य [जवदंगाहा]) श्राट्स काम दूर्तक-अम्बद्ध-दाइक लाकी-वाक्षािक्षेत. वदाना वकाः (तिमित्र दक्षिणतेष अभू पूर्व बाक्रा-अमृत्यन भाष्य्वतीविवत्यं द प्राचमाम्बन्भ) क्रियादं (क्षेत्रकं [त्ये])करामा (करामनाव) विसमाहे (विस्मान कार त्याद कार रवार )।। 50 211 नरे त्यारक क्वयामवन उ जीकृष्किरामन जामका निर्देश. र्वक स्थान, वापका व स्थान, ।

मा (ता) द्रमः (मामं) पत्र- समान्तः (रिक्सेस कान्यात्र-हाना ) विन्यापोचण-विलाल-ग्रतः मून्नान् (निक्य यून्टीमते के हकत हिड्मम श्रामित्र ) ज्यानिक (विक कार्यमा) भूत्रभाष्ठ (भूतिक कार्याष्ट्र ), म्यारिमा: कृतिन कार्न भा क्रमण (अक्रिक् क्रमण के दिया डेर्न मेत ) श्रद्धा (श्राद्धां ) कथल में मर्विवार (कल्ल्ब में अव्यक्ष का विष्टार विभाग (व्यक्ष गार चड्टकाटक मैंबकुमरम्बं सपः व केंबल चवर भारकां वैध्र, कार्बतादर )॥२००॥ क्रिक्टा उ वारे व वादाक्रानिर्दिषम् तक 'क्षक 'काकान निर् क्यार्य मुख्यम् स्म हेन्याम व्याम हेनामा क्रमान हेर्क्यभूमक क्रामका मिर्दिल विष् केरिक? धनद्भाव काजवा । कामुर्नेय (काम्नेयामकर्क) रवंदर (क्रार्किव दिल्ला) विश्वे (अववा) भा अभूवा (जिल्ला प कतमारे ) एक (जीकृषकर्क ) कार्व कार्या (म्यान प्रकार व्यव्य डड्मा.) हिंस (प्रमाम) मा (त्ये) मभी (मभी हे) मामवाठ: (ममवीकारहरू) कार्यक्षा भाषा विकाल किया (त्मा विकाल कार्य कार

प्याद्रिक्तक ) अद्र (बस्या श्रु )॥२० ६॥

त्याद्रिक्तक । भाष्ट्र (बस्या श्रु )॥२० ६॥

त्याद्र वार्ष्ट्र (क्रिक्र व्याद्र विश्व व्याद्य विश्व व्याद्र व्याद्र विश्व व्याद्र विश्व व्याद्र विश्व व्याद्र विश्व व्याद्र विश्व व्याद्य

क्ष्यक्षां व दर्गातः।

क्ष्यक्षां व दर्गातः।

क्ष्यक्षां व दर्गातः व दर्गातः।

क्ष्यक्षां व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः

क्ष्यक्षे व व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः

क्ष्यक्षे व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः व दर्गातः

क्ष्यकः

क्षयकः

कष्यकः

क्षयकः

कष्यकः

कष

बजुनि-बज्र छत्र (अकृष्क ) अत्र कारमाश्विष्टे ( (अव्हा त्रमा हे एए (लवं के आविष्टा (ल)) भा मामिल (माम के आ आ मामा हे (ब्रामी मामेव ) माम ने मेर किय (माम के आ आ मामा हे (ब्रामी मामेव ) माम ने मेर किय (माम के आ आ मामा हे (ब्रामी मामेव ) माम ने मेर किय (माम के आ आ मामा है (ब्रामी मामेव ) माम ने मेर किय (माम के आ आ मामा है (ब्रामी मामेव के ) माम के किय (माम के आ आ के मामा है किया का एक किया के किया (माम के आ के मामा है किया का एक किया के किया के किया आ की ने किया है है माह है। 50 का।

क्ट्रक्रमही नमा ८४० , कुट क्रमम, कमर्राव. भ्याक, कमर्तीय चार धाप क्रमम क्रममंग्रीत. चार क्षमक्षमा व शासिव काराकी मुद्दिसर्ग मंग्रक. चार क्षमक्षमा व शासिव काराकी मुद्दिसर्ग मंग्रक.

menina: ([mx1] aménix a oura) " zaà-सन्दर्ग हिन्ने भेग छ । (भारान हिन्ने माहि सम्बद्धामारक विश्वावं करवं ) में माः से में एक कवं : लाइ मयः समाय: ([मारा] मंभा वाह के के वाह मान मात्र ७ वामकारम समात ), कस्तिमाम्मात्रिकार्यत-प्रक्रमाः (मात्रा कर्नेग्रीमिल्य भ्राप्तिवादमं गरम साराय ) कामकिमामिल म्हामन हाक (भाड : (जिड्ड) कप्टिल्ब खराक्षेत्र वापानम समायं कार मारा के टला का विकास के समान ) में के प्रियाय-क्य वार्थक - कृ देन्वती - कृदेनिका सक् ० - वक्ष विलय वका: (भारा क बिडिन मसरमं हुला किमास कर्मार म्रेडाला विमाम, कर की, अर्कृते, क्रेरवी अक्ष मामान्त्र बक्षम (रेव बंस्त्री मं [वन् माया]) बाक्कानाः (जीवाक्षतं ) अत्नेत्रं कृषि (हिडकेन िक्स सरका ) ठंड मृत्व (ठाड्ड ८) वे गांत (mai वार ) यः टक्यनत्वमवामः (चिक्टकवं त्यर (AMAIN ) 7: ( WING ) BES (1803) 50. da (18 de 2 de ) 11 20 d - 20 p. 11 main in & 2 de y auge ( main nego anter à vois कर्राय दुन्दर्गर्भारम् क्यामारम्बं महावश्वर्थम्यू व स्वामार्थः AMMEDICAL GAMY ZINA OLUMA GALAN COMMINIA GEORG. र्यम्पात्रके १९ सम्मा, नर्द हरते व शास्त्रक काम्याप्तिम् मार्ट्य स्थे स्था ,वाम्याकं १९ त्राप्ताः, विष्यक्षेत्रम् । स्थितिहस्तारम् के स्थानं अहव क्रम्म आस्त्र वृष्यक्षिते (वाश्वित्यकः, चन्द्र शासकः व विमास्त्राप्तिक विस्त्राह्य

यद् इसाइक मीके इकते कर्ममार्थ के कामक्त्र प्रकृत فرويد و معدد فروسمك مرود موسية و معرف مورد amon the mest of the so, or at my desired or interest Blue and of the and ( nite a new - will in win हिंसप्राप्त (भारा ब्रायस कर्ण हिंसप्रमित्र के क्सप् हर्गाट्ड (चर् मया) वर्षे मार्थिक क्षांत्र (भाषा मिश्रिम टलाकन प्रमण् ध्रमण । १ Confid: ( The social) or sury ( [ entire] or sing) यड अवस्थि: (अड सेरेंगव) प्रवश्यात (व्यापन CALUD ZáLAL ) 11 20 4 11 ) समार्वेदक (मानीन भार्व) भर्मम के मकली (पर्पाक्ष कर्ण) रेडि (न देस्क) में वार्षा (वर्ष्यम् ) क्राक्त (अक्षवं ) विवर्ष (तिवृड इत्रेल ) उपा (उर्मात ) भा मका (त्ये प्रका क्यार प्रकार्य प्रकाम ) वर् सक् मूर्वाद्वारि निम्मिष्ठित (काराय मक) कं अ भूका-यम् एम नियम् हिल इरेम ) भने १ (भनेबान) शिविता लाभी ( श्रिक दान मन् म कर्त मार्ट म )।। >> (क्वीट्रिट्य) दर क्षेत्र कार सदम न निमंत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य कार् (माम्मान (मवावं म्हा क्ष्य क्ष्य में मान ) मीवं नेपान-पामक् विमा पिरिषे (अवसम्भाविक मी म्मा

लग (लप्डनं) यांजान्तं (यांजान्तं) (यांब्रांगः, (क्षांतुम्मं ) रेक्तं (र्वेत्रात्त्वां भाष्यकां )प्रमाहेक: यः उदः (भार्त्या व अक) आमार् द्रमामवः (मामानाद करिंगा ) के कमा (चिक् किंस ) अन्योत्राप्त (अन्यम्त) ल्यादिन्दः १ (ल्यादिन्द् इम्में) प्रकार प्रमाम ल्यार (ज्ञान धाराम देन्यापर मर्थाएं माने ए धार्ष काक्रेस )।। उ॥ लर्ड (लाम) पंजाय: लाम (लाइस्य दर्गात) प्रशिष्ट : कार्वाछ : (प्रशाकार्वमार्थ ) अप्रवमार्थ ! (अवसार तम् अरमाम् ) ७० व्यक्त- अमा द्वर (क्या के एक के प्रमामक (क) विकास (क्रिया-बावा ) त्यह १ (त्यस्य कावित ) भेरत (रेक्टा कावेताह), मत काल (मादव) में बडें ( में बडें ) मार्म्यु मंद मार् (मार्वक्त क्रम) अरडमार्(अरडमा), उर्धार्म ( क्याम ) न्द्रमीन: (न्द्र एक मभी ) हुआ (१ के हाजा) में दः (अववाव ) वर किमार (वाम MM ACA) 11211 चड्डाक अक्ष्मित हरें ही की में में मेरे का हे किया मर्दा वायंत्रेषे अभी चवर विकासका कार्य चार्डेक मन-

यामरवं स्वर्मा - नते म्रेहिंग विश्व-मिविविश्व-रियोगरहः।

na: (cross ) musu: (12mm [mun]) sci: (क्रीकृतकन्) छनेनत्र विकामाधि ( छनेनानिन कर्तत कालेल देख्य कालेखाई विकास]) कर्षि (इस-अया ) कामचंद (मित्राका ) द्रेस (मुवाबर्धा) ल्यानिती वार्ष (कामप्तमं देखा कार्काटि) मूर्प विक्रमाना ) म्रामक-वर्ष्ट् (म्रामक्ष्मव्यक्ष) बिटिरमात (तिर कार्यक द्वा कार्यकार ) न (साक्षेत्र (मान मान मारात्र)) सम्मान (समामन) विश्विमान (डेडी में इरेट रेक्ट कार्वाकि )।। ७।। न्तर त्यारक इसकावा मूर्य का कर्यते व देव्हा , समक्षानं में सिके किए ने मुख्य व इसि होतं. मार्गाण सराममें के कुल के विकास मार धारमक डे अधाम नवर सीकृत्मन छनेनानिन विश्व देव्यास्य नक्षि द कलारं । विश्व-अिविश्व का अमर्थ्य (भागा-मिन्स्मा'-प्रसम् लाय हैं रें खालको । मा मा इमका (तारा इमना) हार्व अने नव अने भूषा

स्ता (न्युक्टकं अनुवान्त्रं प्रमाणकं भरम् आब्द्रज्ञ पाक कर्त्यंगिटि ) मा मा (द्रम मक्ष्य बंगम) मार् (कभन्न ) कु थाने (स्माममादारे ) उपमार् माद्र (न्युकेकबाद्राकान् लभ माद्र) प्रकं र में नाह (न क्या दंद अन् कर्म कर्मा ) मा (ता) लाग-ठेकुत्त्रम् (क्याक्यबान ) सकत्मने क अमर्के पर-मारे के हा (कार में ने ये ये के य का का कर का का मेहिलात कार्नाटर ) आ. (अव. क्याक्ष्मनात्र) कार (क्लिए) किडमा क्रिया (मिश्रमूक्त) वंत्राह (कामम कार्ट र )।। ह।। चार ट्यारक रे कार , मामक लाम से मं । दे करमरं विश्व हे नियात्र मक्त भराष्ट्र भाविष्याण दर्राम दे के अमकार रंग । नर्दा - क्लाइम टिंग्स के मात्र मूक्त वा कार्य कर्ति। तिष्ठ मूक्तव लामान करवार राम्का निक्षा करे किया वा विद्या ७ लग क्या की केन करवंग - नर्माय देल भारत में अकत हम देश एम न स्टाठ अविविधित इव्हांस दुक. लाम रादि के अभाद ग्रामकाराई. मिक्क इरेग्टर।

मरम्त (मम्मेष्र) त्रमाह में : (ज्यमस्योग्यं प्रकार ) मर डकर (श्रीमाहित्य एम) व (लाममानं) कामा । स्टमाः हि (चन मेट्यमं) (व: (व: (लाभ्य- छप्रंग्रम् श्रें ) इंड (च ब्याद् ) मांबारेप्: (पर्वानम्) मासाः पत्र ( [मूमाव ] समवा पात करवंत), रेडि (अर्काल) एउत्र वह (ट्यरे मर्स-व्यारे ) त्याक्तावित्याः (त्याक्त वट्यम् ) छनामर (अम्पर्यत् ) व्यात्र (व्यात् ) , मन्य अडवा ( 4 2 2 2 4 4 A B ) 25 So ( 25 B ) MAJ que de लास १ ( का चार मासीम करीह क ) स्थावर (कीर्वन करके गाट्न )।। ए।। नर त्यारक नीक्रकं अन्यानिक अवस्थानि वर्तिहरू दिया 'अन् अकार्यर्तन एर क ्य हारवाडि ' असञ्जान काठका। मर्काकार्मतः (क्षिक्रकं ) अटाउः (तिक डऊ:-विकर्त ) बार मणी- सम्बन्धारिः (बारमा उ क्षातिमान महिति। ) अप्वतः (अप्वातिक) अन्तुवार (अन्तुवाबनाव:) प्रत्था न वव परिव (अन्या त्यात्रकालन् महत्रमण्ड्मता)

मात्रायारं वडकार ([चड्सल] वस्तां कमार्यः रयष्ट्रियमार ) केट (नवे उस्मानेन अपाकः) इंड लास (नड़ कर मान्य सद्या नक दिस् माद्र ) चिक्ता ( यक्त कार कर्न केंद्र ) दे के के दि : यमें तेरे (लायक सकावं के विव द्रिके रिकेटर ) मकार् मन्यर ( [नकाद अत्रवंद ] मकाक मन्या ) न दि हराड (अस्वलं इरेट आरंक्सः)।। ७।। नर स्मारक अन्ममंद्रकं भर्षर सर्म महाह उ में हरवर्ष मार्टि त्राम्यात (दुरात , चर्त महत्रात्राह, ल्यक्ष्यं प्रभंग रम्। रम् (त्राप्तं ) संबद (स्व ) हिस्य- हिस्य ६ (ल्यक्रान्ममृत्यनं क्यक्षानं) मनवमः (म्बीम रांत्र ) क्रिटमानंत्रक्रार्श्टर (क्रिटमाद्वं सक्र त्राय. डे अमी छ), मीर् (मिस्य) क्यू किंण डि ( ( त्यावर्षत्र अर्थिक क्ष्में कार्य अर्थित्यामी) न्मिन (भारत ) कराम (त्रिम ), मीना (भीमा) जगटमादिनी (मगटन टमार्कमती), न्तात् (द्रमंद्रा) ममस्यम् वर्ष (दिम्पन्त) काकासामामार्थ ), मभा (मण )कार्यमञ्चलका

(जिन्य क्रायत्रकाविती: [नर्])कीर्ड: (कीर्ड) विन्याविकार्यमी (विकासवारी), कार्य (ट्रारे) इक: (वहिक) लिए। (नर् स्वाट्य) रूपर (क्लिक) क्या क्या (क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां जारवंत ; ) ॥ १॥ चर्-त्याद्य. न्युक्टिकं सेल सर्वि अवस्त्रकी है उ महावस्त्राहे अहरूर १९५७ न्वर भड्माक and stails ولا رسامة ( وعع رماساء ) ع: عروم: و (ट्यरं छप्नामः) " मा ह प्यामाम् मानः (त्यरं (त्याकाम्यान ), xr ((अर) (यमानी: (रवमान (माडा), म: ह महाबंधा ((अर मार्स्), भा ह कल्यान्यामा ( ट्यार् कल्यान्याम ) " आ (ट्यार्) क्ष ख्रिक्श (क्राप्रकरा.) " भ : १ क्राष्ट्रके । (पर कें अनं केस चिवर्त) सार (Cur) शामणी: (ध्रमण्डिमाना - दंत्रांचा ) नीय प्लारमार्थाः (न्धिकक्ष्य) ताम् कानात (मामवाडक्र) मक्स प्रकार (महरहाकार माक्स). लाड कार्यणाट )।। जा

चार् ट्याटक द्वटमानं मर्के क कराय करने टबने अधिक ( लग्ने , च द्र- च स्ति । क्रिंग्ड महिस्टिं , स्त्रक, चित्र मीर्क छन्द्रम समान कामान किरमाव-लके नि सामा क ममेर ने अतार्य कर समार के ( 2 m) CALLEL , ON BLA EX INCE 1 चीर्क्स (चीर्क्स) व्यक्तानंगर (म्यूक्सं इमेट) व्राधनव्यम् अ-मीत्मार्भमान् (क्षुवीव्र-जिल् मी (मार्भम्कानियं) न कश्र-मा - (मानि-कमार् किए के प्राप्त व किल रम्त ) असकंत्रमम् -लार्का रहार्भमामार (अष्टकं क्याम्क मार्क्काव व हेर्भाश्विष्त्र) निमामा-माडिस्ट्राष्ट्र रङ्ग कर्-लद-म्मार्ह (मामा, माड, मूभ, रस, लद उ तम रवेट ) रेन्रामिष्ठा मुनाम (कर्णनिष्ठ लक्ष नानिन्) प्रवरभेन जा मेरण मि: (४७म (अन्डक्षं अम्ड सर्नी) मान आधावनंडी (य गर दक सार्वत अर्थ गं ) अम बार ( हरे १ (क) ला कार्य ( क्रिकेट्रियक अर्थ किट्ट )॥ १॥ - व व - क्षारक. अंश्वर महाया प्राटड , मह्याता हु, ल्यक्रिं काड्य.।

(श्मी-हें-२)॥२०॥ १९८३ क्षाक्ष्यं क्षिण्यं ) श्मिन्द द्रेयाम्दः १९८३ क्षाक्ष्यं क्षिण्यं ) श्मिन्द (क्षिण्यं) (क्षाक्षात्विद्या ) श्मिन्द (क्षाण्यः (क्षाक्षात्विद्या ) श्मिन्द (क्षाक्षात्विद्या ) श्मिन्द (क्षाण्यः (क्षाक्षात्विद्या ) श्मिन्द (क्षाक्षात

भेजिं : (वी कृरक्त ) वर्जी भरत : (वर्जी कितिर्द्र ) (मारवर्षमन्त्रातः ( ( ( कामन हत्तर काक के देते ) Cumyria: ( Cui ogustia magyisa ) innexincus यव: (धामसदास प्राधमव सिक्ष देते) व बारमाहै मवार (अम द्वमार्ट्र ) आर्टेट में हि: (वर्ता मार्ट्र अंवप् रेंग (चवर् ]) विवर्षितः (वर्गम मर्का र्माटक) यमह (यमह) समार्केटर (व्याप्त क्र्रिंग)॥३३॥ - वरे ट्याटक | काम्रे-भारत रामक ध्रम्भार्ग। अवं अवं कित्रं में बाह नमार्गत में भें विवरं (रक् रदेरा देक धमकान इस। नम्य कर्नीकिन त्याल वर्त भाष्यं व्यक्ष्यं मृत् त्याल वर्त्यात्वं लाकस्त का सीमान काउँ काममीमा महिकन नार्का. ने बंदम् के मान न बर क्यान शक्त में कंप मा किं. में मर्बाद्य किए कार्य मान स्था सम्बद्ध दिलांत कुछ. क्ष्म कर्ता के अने न प्रवादंः (क्षेक्षकं) मा (ता [करें]) राशिलाविष्ठ (बरम्यही कीयत्मादाव कमः सूत्र ) मीत्मार्वनाती-द्रव-भामिका रेच री (मार्श्वान प्रात्न भामान שותו ) בנפן (נמות פו מוץ מוצב ש) יפש פנאן

(अरे वर्षे साम्रे) मरमवरके (लाप्रेस्टिवं माम्रेक) ल्याप्रः (पत्रावं लक्ष्यामा ) त्व क्षमः (लात्र क्ष्रांचा) कार (किक्ल ) प्रया सम् : (मर्थया मात्र कार्ब्या-(三四) 11251 चर ट्यार्क काम्यरमं कार्य के में न कार्य के व्यवकार । जारूम व्यवकारी मानिक प्रधार्यमार्यक नीकृरकात् जनुस्था धान्यरम् वासिक्त निक्र दरेन। रतः (अक्रिकं) जाताः (पादकं) वहः ( कराउद्व ) माना (भाग नीयानामा ) विवर् प्रभा लियाकि (ब्रमाउटक प्रथम्भक्ष मन्त्र कर्षमाहित्तन, (लाव न्त्रीकेटक केट्र]) कर्त (इट्ड) कार्ट् : (मावस्य-मित्रे ) कत्रमञ्च काम (माम् माम् लाडा my ing ) so (mosi!) must (cus. cuts.)

(अत्रतारक अपने ११ मा )।। ३७॥

अत्रक्षा व । जार्म विकत् विकत्य

लाम्य विकासम्विक्षाक्षण आक्षरम् कार्म छ रेबानिक्ष

न्त्री वार्ष कामारे पुक्रमानियाः (क्रीयाकावं म्यक्रमन -

म्मित्रकाति ) को : सूप : (टमरे इस्कार्स ) न मम् :

author susan u so in author augosta · लाहक, लामका व महत्र के हें ग्रह । अका (अमिका ) लामाहित: (अक्टिकं ) मानक वर्षातिकाल्य (नावने निम क्रमानिश्र) क्रिपि (काः क्रम ) आहिति। प्रवार (अविशिष्ठ ) थावाम् विश् (निकामूनि) दुन्ते ( दर्भन शहेंगा ) मर काल केंस्या ( (प्रत्यं करें कंप्यां माहिता. ) ल मार् धारं मार् (धाम (काम ममी) ) निक्षि (मत कार्नेम) (लाखार (लाखबलाड: )विम्भी (विम्भी हरेगा) त्वात भ (काला र्रमाहित्र) ॥ 5811 चारे टक्षाटक , ट्या हुलाउं, यामक लयकें के । सार्वे का कता : चक्र कि का अब बस बार्डिंग कि इंड्राला, देन लायका वं हतं। चर्षा अवस्ति एक क्षेत्र वास्त्रं। त्र र र तारं दृष्ट. लामका व अमेव ब के रंजु गार । ल्या अरामका में (लय दिलक्ष अस्मा ) ची ना क्षेत्र (क्षेत्रका سؤم ) ملك عدد (ملكم عابد ) عزيد: (عرف دهم) वतः (हिंड) धामकान्त्रेन (धाम क्रामीय कार्ड) न क्रेमार्ड (काविक इस्ता), महा (अर्था) अर्लाक्ती-मसर्त्र सकारे: (भाभितीत देख्य मर्नात (माणापूत्र) धर्म प्रवः(द्रमत्) लकार्यमीर (जलक काम मनाक ) देव्हा वे किर् (2021 A (9 1 )11 > Q11

नई ट्यादन, त्याद्य में तमा, पासक लयके वं हर् गंदह । द्यापत व क्रायमं तर् क्रायंत माम त्यत्त व्यक्ष्मण इंग क्यांत कुल्रांत तक स्न्यांत्र विषे निय नियमां प्रित्म क्षित देक लामक्षां रतं । चर्षा स्मरंबं आतियां कां । तका नकर मार्टिकं हिटा मांस्वं मां विकार - नकत्र क्री अवंत क्रा राकामानं ित्र छित्र मक काला के निर्दिष्ट प्रेशेएड । भडावण: (मडावण्डे) हार्वः (मूर्च) डेकः (डेक), हा : (हा ) भी वन : यह (भू भी वन ). हू : (श्री भी ) प्रवर्मरा (प्रवर्भका), मधीन: (वाम्) हलतः (हकत), आर्ष : (आर्ष् काक ) भूक्त म : (काक्किन ), क्यू निर्दे : (अलंख) अस्वं : (अस्वं [नवरं]) रकः (म्हिक) टिस्टिस हि (टिस्टिस के बमी कुछ)।। १७।। नर त्याक 'प्राता- काठिवसुमा' अन्द्रान । नर्दि व्यिष्ट्रिक व्यास देवामास अवर् और् क्षाम अर ए अरमरमं अन्मर्थर मानावक के से भ न कर किंग्र । उत्र । उत्र काल निरिये इत्रेम् रहे लांड (तर्) चारकः (चारक) महीवं: ( अ महीवं) 1 5 3 2 12: (1 2 4 4 12) " mugáz: (mm na.)"

विश्वाति (विकासकार्य मान्यान विद्यते प्रमान विकास द्रेण) व्यामान (व्यापन कार्य क्ष्यान क्ष्य

पक्ष रंतु गाइ। डिप्र क्षेत्रेस विषय कर्ष्टिट्य क्षेत्रेस लाहकान्त्र्रे रंतु गेट्ट । लक्ष्ठ महीबंग्रिक्षित कामुक्ष रंतु गाउ रंतु गेट्ट । लक्ष्ठ महीबंग्रिक्षित कामुक्ष रंतु गाउ क्षेत्रेस, असीबं क्षेत्रेस क्षित्रके कुद्धिन-क्ष्यमं दृष्ट लयक्षेत्रं रंग । उन्हत्य स्थित्कं दृष्ट्य-र्विलक्ष्यमंत्र मांबे टिलक्ष्य । त्रिक्ष स्थित्कं दृष्ट्य रंग चर्रु टिलक्ष्य भर्मेर मांबे टिलक्ष्य क्षित्र क्षित्र क्षेत्र हिल्ल

क्षेत्रेश्वरेग्यक ) सर: (हिडलाउ)क्रेट्र (इंसे ११७) निमामिकामार (मक्षी अक्षियं ) मृद्धिर्थयं र (रिक्षेत्र ) समामिकामार (मक्षी अक्ष्यं (इंसे क्षिंगाह) वामाई वास (मूडारमं व वास्ति असी-अकार अनुन्यामाप्तंत ) ( १६ ( गर् ) द्रंतर रमा ( जस्य अवस्ति [इंग्)) विदेश (बार्स इंद्र्य) सम्मेन्-हिडा: (त्याप्यहिंडा) वजा: (वरे) बनायंगा: का: ( Bourgainey one ca ; ) 112011 तर्तात वर्णात वर्णा के वर्षा वर्षा वर्ष क्यास्त्र के जनम इस क्रामंद्र नवे क्रममान हरेमा आर्क । नम्दान त्यार्य बंधाकके विवेत । हित ord of Except to order entry cury, uly हिडाकरी धर्मासीन है। त्रिक दर्ग। विश्ममा (विश्ममानीयन) कृष्णा (किर्कं) लासंस्टि (लासंस्थामं ) अत्मरमाद मूलका म्हाका मृत मद्रा निका मा भीट : ( भर्म मन , विश्र द्वामाक, यापनं बर्माम्ड, देवम त्यांबंद व श्रूत्रामाना. [गमाकरम])मामीनम्यद्भित्रीनं एक केर्नेमापु (आरा कार्य काश्यम् मं मक्ष व केंका) लाख के: (लाउन् कार्डाम हिटाय) र इस वे (लान कड़ लानामुमारं) ल्या (व्रकार्य) कामार (क्रे मूम्बीनाने के) अविवृष्टादि-नी मामुख्र ह (धार्मिक माद मी मामुख्ये ) दिर्यम्) र

( (द्वाराता [ नवर ] ) में का कुवं कंस : (में कार्य लक्षं कंसम्) लाम्यर (लाम्य) व्यक्त (हर्नाह्य)॥ २०॥ गर्- त्यारक स्मान्त्राम 'अप क्षाम । त्यात्र वस्तं लये बसकाल आहेपाड रहाल दे लयके के हरे। लक्ष के मात्रकेश वासी।त्यंत वारंपूट इरेगार्ड लामं क्षः (त्मरे क्षीकृष) कृष्ण निरंगाहिव हितं : ( क्षार्व हिंड काकिमने कर्म ) वदात्मानाः (ब्रद्रायपात्म ), विभरेत: (विभन्न गार्क मने कर्न ) कर्ने गरे (भवम-क्क्रोमम्), ग्राड-मिक्ट्नः (प्रडीमनेक्र्रक)क्रम्भः (मन्तर्भ), धार्विष्टः (अयमनेकर्क) मृद्धः (यम), सर्कः (भाई तक अनुकर्क) लक्ष्यः (लक्ष्यः [अवर्]) बन्निर्दाः (बन्नामिनोकर्षः) प्रकारिन-द्याः (तिम माजाविक यम् क्रम ) रेडि (अमेकाम) विचित्र टलाटेक: (विचित्र वाममाध्य विचित्र दलालन निकारे ) बलावर : (विजिन्न जात्म ) अठीछ : (अठीछ इड्रेमाट्ड्र )।। र ।।। चर ट्यारक , दुरसम, नमकी का । सारकारिक (७५वलक: नक्त्रे व अव नामा साल अवनार्ड इदेरन

देन. लामकाव इस । चन्द्राय चक्ष्रे. मार्डक विवाक् मर्डेट याचा यात्रककर्त्व भागांक्त्य भूत्रीच इत्रेमारहत । गमा (माम् ) माम्भाव (माम्भारक्) न्यमह: (हवाय ३) हिंगः लाक्ष (हिंभ रतं) विषेताः एवं (लानं विषेत इरेटन) विश्व: (अक्रानेड) धारुकाः (हजान १'न), रहत्यमा (म्प्रां टिमा) ही कामकृतेत आमे (मळा-८२ कात कृ तिव नाम one ये कार्य मार्थ प्र ) अरो प्राक् (अप्रक्राप्तं प्रकार ) कर्मवारात (कर्मावं कारं क्षार्वे करने) के जि: ([प्राप्त ] की जि) कर्णकार बनान् (अक्न ट्लारक्ष ) विश्वपीक् वंश (निर्माणा द्रमाद्य कार्नात ) के कंक्ट्रीय (किक केट्रिक. क्षित्रादुर्क. ' शहत कान् - केंक क्षुतेक]) कांगात (करनं [नवर]) मर् विकार (म्प्रानं विवार ) इन्दं लासः लासः लर्भेटं (१ स लास् रंग नर my mão si ) agm (cry) sain (45 mm) AN: ( Show and ) 112511 नर ट्यारक माडि, छने , किया छ माण्य जिम विक विद्यान ति विद्यात भामक समक्षान दर्भारः। THE OUT POLY BLANGEN O BLANG POLY EN'S

केंद्र स्व अतिसं दिर्स क् रंगुर्स । रसं - चम्हत्य हस्त व कार्य चन्द्र कार्य व कर्मक स्थ. रमं - चम्हत्य हस्त व कार्य चन्द्र कार्य व कर्मक स्थ. रमं - चम्हत्य हस्त व कार्य चन्द्र कार्य रमं कार्य कर्मक रमं - चम्हत्य व क्ष्मिया चन्द्र हस्त कार्य रमं कार्य कर्मक रमं क्ष्मिया व क्ष्मिया कार्य कार्य कार्य कार्य व क्ष्मिया व नम्ति व व कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य विकास । हिल्ली में चम्हत्य व व कार्य के दिसं अरमं कार्य विद्यास । हिल्ली में

(धात्र कर्षेत्र)।(१८॥

किरम्पिः अर (क्षित्रंशास्त्रं अध्येत्र) धानेक्ष्रिः व्यक्ष्येत्रः (क्ष्रेक्ष्यं व्यक्ष्येत्रः (क्ष्रेक्ष्यं ) क्ष्रेक्ष्यं अध्यक्ष्येत्रः (क्ष्रेक्ष्यं ) क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्ष्यं (क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्ष्यं ) क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्ष्यं (क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्ष्यं (क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्षं क्ष्रेक्ष्यं क्ष्रेक्षं क्ष्रेक्षेत्रं क्ष्येक्षं क्ष्रेक्षेत्रं क्ष्येत्रं क्ष्येत्रं क्ष्रेक्षेत्रं क्ष्येत्रं क्ष्येत्य

लकार्यक कार्यके कार्यामुख्य कार्याम् कार्याम कार्

िमम्बर्गात्य केकारम स्थान कार्य कार्य कार्य कार्य न याम (ट्रमार्थः) द्रमर (द्रमा) लामादः (चिक्रकं) रण्: र (त्यर नत्र ), नवः (वेत्र ) कृष्टा श्रवातः (प्रभूतान अवार ), देमर (वेक्षा ) कमनर्न (म्रामात्र ), अपूर (अभ ), ए (हरा)कामिनी न (मम्ममूसन मर्द ), द्वात्य (द्वायवंग) मा कृतं (वृत्रा) व्यक्तमार विकार्क: म (त्यमकानि मर्द ), नमा (रेम) क्रिक्रियाका लामुमाना (स्त्रंसह कि) व (वामान) रत्रमूल (मग्रभूसन ) किए (किएए) अमुद्ध (अमुद्ध हरेमा) शिवण: (शाविण इतेराक (१)।।२०।। नरे ट्यार नविन्द्रमा प्राप्त निन्द्र विन्द्र थे वाद्भान । नी मार्चा व वामा माल्य महत्व म भी वादक काराव तिकर दर्भार्ट । प्रदर: (कल्ल) खक्त्र्र्यण ( अम्ब्रूल्लीमार्ग प्रतः मार् : (१९८० स्टबम कर्ममा ) लाट्य (मगरव:) गामाविकायाम (माम्य विकाव ) क काम (विश्वाव. कार्काग्रह्म ) मम्बद (अपरेवं) स्मिन्यकाम्प्रमाः (च्या अस्ताम (यन ) क्रमण्ड: क्रमण (अग्रः उ भावभुष ) बूब्र भी मितार : (भू के भी किये ) विट्यमा (जम्म अरवम करवेस )॥ 28॥

ना द त्यात्म, अक्रमत्यमानं तप्रव्यत्याम, वाय व्यव ्रदेशारा । अस्ता वस्यः कललिकान्त्रध्यः ध्वती-क्षानिकारणमानिक इतेरमण क्षेत्रापन समस्य: केर्न्नण-(रप् 'नकम अन्यनं कार्जनरमाहि 'नमंग दर्मन। मा (मरा रेर्टि) केवलमेरेमार (पानमें पार्यान्त) कारमान आखे: (कामकारयनं दुरंभाखे) देवित्रमाहः (दित्रकारतं लाभडं के ) " (पाककारिव: प्रक्राह: ((पाक-७८५वं खिरामा) वर्षमाहिष्ठिः (अठीव वर्षा वेस्ट्राम् लामा ग्रा कर्मन देखार ), मठा: वकार (वाहन (कार इंद्रेटक) लाइएड: (लाकक्ष्य) " । मुकं लाम (भावन भरार्भ) कटम्माद्विः (कम्मार्गिष् इत् (शम्मर्थ) लाम (नवर) लाममामार (मार्मिस्टर्क) 発書: (名出の、[xxxx まれ]) und such : (का के कि एक का का मार्थ में में में के का का मार्थ (में महें के. तेंच्याचं क्षित्रं काक्या ) खारंगेंद (धर्मेरेक. इक्क)॥ र ४॥ लड़ दिसारक, मेंबचान काकण्य कारमारमाशु अविद्रे (उट्टें के लि क्यूट डेंड मार्स ( उडे , मार्स लाम डी तं. ラネタでと「 ( (2 2247; ) \$2 240)16 ( 224E)

०१ अर वंश्वी दिन्त्र वंदि : यम् ड : (०१ मर्थ वंश भीता व मेन्सम् बं प्रमां क कामके क ) बरव : दुधा : (अट्रक क्ल बाकिरे) मार्ड (विकास कर्यन) गरी (भद्र) रेयर (यस्य) वम्य (वामित हाड) वम्य (यत ), किंड (किंड ) अने सूत्रीटेंड: (यूत्रवय्गत) जर: (जरमात ) उम्माहमूड: (सीमार उर्वास -यलम्बार ) क्रियार (न) प्रक्रम वेटिं वं ) कार्यः (क्षाक् बार्सिंग ) त्रिक्ष : (त्रिमं कार्बगार्ट्स )॥ २७॥ " उ ट्रिया (क त्रिक्शास में पासक लामक्री के डर म्पर । ए मृत्य वसुड : विकि नत्य, अवंत विकि व्याकाममान अस्ति रंग ' कमतंत्र चड् लमकां रंग । चर्टाम च्टामा माम माम द्या हारू मा ने प्रमेरियम आकर्षात. बता दरेत हेरा विकि नर्य व्यक्ति अंशन मधाक विकाल वर्ष विकास दम्मारे। कार्म - व्याप्रका वर्षत्रम्य हे विविधाना प्रिक रम् भवन अत्मान-नक्तिव छापूम वक्रकेष निष्ठार्भक्त । भूक्षः व्यक्त विश्वित माजामकावर कावना ।

## $a(b^*-c^*)+b(c^*-a^*)+c(a^*-b^*)=(a-b)(b-c)(c-a)$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	3nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th Hour
Monday		+					
Tuesday							
Wednesday							
Thursday	- V						
Friday							
Saturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** "

—ববীন্দ্ৰনাপ

中华田山中田

THIS STATUM EURING WANTES Cekha Symp and Call woof 9 Khatano Khatano mes wito ~~ ची त्याबिक जी नामू एवं अतुम् अ वश्रात्रकाच E merse. 23.2m 2m (Could) कार कर्म (त्र कार्य क्रांतिक कार्य कराना (४ कालाव मार्ग वराम ! [वाम ]) नाम कावार (क्यानुंद हर्ष ) मानंत्रीर कार्येक्ष डं दा (भनंदमं वा कर्तिकें ) मानंद (माना)।क्रमान (विद्यान कार्ने एक ) ' पः ( विश्व ] आभारतम् ) जीवनर् का भृष्टि् का (कीवन वा भृष्ट्रम् ) स्मिन (श्वनी क्षे ) रा (रामं ) वाकार लगार (अरे की बन सम्में कालीड ध्रायम (कार ) थाठा मरार (कार क्षत्रभीमं) विक्रमार मनार (विक्रम मना) न विडर (विडर्न कार्ने छन ), कृष्ण धरे पविकता : (अक्क (अटम विस्ता) (तामी । (तामी मर्ग) वर्षानम् (वर्गीक) देवर (यदेस्य) आह: (बार्निशाहित्तम )॥ 29॥ नर्राक विक्र नामक अम्बाद कावक । वस्त बीरत आक्त किंद्रा मुक्र रहेटच , यह सभ विकला-सक्षाम देव लामका म मन्द्र रहेगर । क्व (लार्स !) (कार्याभाव: (कामानुभाव) केव. लक्षा: (धर्यामानी), युश्रव्धः (भूत्रकाधी [ वर]) (ताकारि अवर्गायवा: (ताकारिअवरकारी) वतः (यर) केर्नुन: (केर्नाष्ट्र) मर्काः (एकामन)

लामकी दिनं मान्य हु दु दि । स्था की के कि व का व विदिश्व विद्य का में गर्द. दिन्न मान्य का मान्य का मान्य मान्य । विवास (विद्य का मान्य का मान्य मान्य । विवास (विद्य का मान्य का मान्य मान्य । (यसम्भाव ) वर्ष के कि (प्रमु: क्या के कि ) विवास है (मान्य के कि कि का मान्य मान्य मान्य । का मान्य मान्य के (मान्य मान्य के कि ) मान्य मान्य के (मान्य मान्य ) मान्य मान्य

नर ट्यारक द्यायक, लयक्षांत । लक्षेत्र चा खांच्यत इस समार हिर्द्ध यानं वद्या इद्र - वद् लामक्षेत्र इस । न स्टार टर स्थिक व्यक्त अवाद अकारता इस कार्या करियारियार, मस्ति हिमान हेला में विति द्रामनंदर मामार के बण इकरार देक वात्र की ब मार हर्ड रहुत । मिश्रम छन्म हीएं ([मिरि ] मिश्रिम छन्बानिव समात्मराष्ट्र महीतं ) न अधार्य द्वाका वृषीरवं (अर्थ- कार्त कीय) , प्रकार-प्रमामीत (अकार्य में मार्थक-महात ) मामुब्रिक्सी दि (अर्बाड्माणक), त्रुडल तव किल्लाए (मूल्य मधीम किलान [जवर]) विश्वहिताकिट्रोटन (अक्र ट्याटक हिंड उत्यत वाक्रे कत्त्त [करे]) वैदाश्व (चिर्का करका) यन्ता (अन्त) म्यनीतर (म्यनीमर्गम) के १ (१६७) विभावन ( निमस इरेगार्ट ) 110011 नर्टियाल वाकर्मां काकासियां अपनीतं लावका । नार्कक यहा मैनद्याप्तं स्रमंत्रव्यापं काह ( विश्वित छन्महीरवं , दंग्याते वाक्यमूद रहजे ( अर्थाद प्रायक किन निमित्र छन मडी व शहाव काल

कामका विकास कामारक मही मंत्री अपनं करने थिमार रह गाट - न द संस्त ) अम्मा देक लामकार्यं maile En 1 इति: (जीक्क) भव (त्म) वमाव (वस्तुक) दिवर (अस-परितं ) काप्रामरावं (सम्प्रंत्र) " महानकः (वृत्यतं) मभाभगावं (मक्टरंबप चिवरं ]) म्प्राप्तः (कार्यातः नारमन ) भारामधाव एह (भार दन्ने कर्निण) अपिन र हरानं (जानियं कार्य कर्नियाहित्यत )्राहत अव (उद्याम् रे ) त्यार् (वादापन ) सूमसंतर् (अ प्र यनंत्र ) विष्टिष्ट् (अम्बिक वर्षे पाट्ट )॥७३॥ तर दिसारक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक विदेशहरू। व्यक्तिम् मा मार्च तम व्यक्ति व्यक्ति कार्यमम्बर् में में प्रकं लरे कें प इव लें ते दिन वा विरं में व इने । जलादि (कतावकाट्य ) सेक्षामकार (क्यांक्षक में इप्रदे 3-HURY ( You has nua) sia: ( Els sai) मिरिकार्काट्राष्ट्र (प्राक्रकंडिं ) लामुक (न पाए) लाकाक्ष्मान: (क्रिक्स्र]लाक्ष्माहरू [वरर])अस्मारक (टामनीत ) बकार्य (बक: श्टल [म्रान्य] )डेर्लामयन-पक्षा ( किय ( विश्वासाव ] स्टाव कर्त्वा १९४) द्यान्तर

(कात ) मीवितिष्टे : कार्ल (मीविक मार्क बर्मा ) न वर्णिं (मक्त कार्वेट्यममा )॥ ७२॥ चार ट्याटक विश्वव मानक लाम है। व डड्रांग टड्रा मादरायक का केंग्युत क्यात हिस्साना कानन क्या हिस्स CMUNA रम्ट्र अमे अमझाबं रेल । नर प्र ट्रांबर-हिराना नामाहिस - वर् रकः मृत्य व वाका विक रीत-कार्यकां कस्वीहित्रव तालव दरेशटा। वाका स्वर टिंग छह सत्त्रामा सर (सी वाका दे छह अनेप. सकारमंड आर्ड ) रक्ता (अर्टिकं ) सर्वेत्रमार (वार्यम्मकार ) कार्यक (मक्त ) वर्षत ( हार्यमाक कांबेटवर चिवर ]) यशीय (स्मीलर्प्ड) मूर्य-मक्तापानिक है। भार्यक् (भूभमका बिना एक भार्यक) Cin: ( QUICHA GELHA) & ( & & Ma) विनाम-भडाउ: ह (विनामनानि उ निर्मा नृति नाड काक्टिटि])।। ७७॥ नर त्याद- व्याद्वाड मानक लामहान । यज्ञात्क अल्यां लिएएकं चक्राक्रं म्मिश्टर्डे दु अ. लायद्वीरतं इतं । ना म्हित १ मड, लाद हैरतं सप्तामार त सार्व्यमस्ति नवडं मर्यायः , यात् अस्यावाः

मॅममामानुकालि व विचायमणानुवं व्यक्ति, च इ. TE BUILDE NAM STANCE 1 outer ténica: ( orsan: mas Esta ) orcin: (out turna) communa (comment) scales ab (alma win) " यम् (समाय ) कुर्ण : तमा (श्रामं गानं) शाह . (क्यरीय ), फ्र : (क्रमण ) प्रथमान मे रेच क्या ( Praisso win san) " orga: (orga) ogén -ल्याः (अर्थिल्याः ) अर्थेवः (सर्वेव ) स्थार्थ (स्लाद्य ह wanted you ( say and con (हक्षा अमान्त्रका) , क्षा करा: (यह कार्ति) इन्तर १ अम्रः (र्वेसर्वेडकार्व प्रातं अमः) " मेमास्वरं (संस्वे ग्रक्त ) लर्मेखर् राम (लर्मेखर्टिश [नवर ])क्रम रामकृष्टिः (राम्करी ) त्यारमा रेच (कारमाष्ट्रम) जीनारी (कव्यूमार ) नवलव्यक्त (नवलव्यव )भन्ती (मर्म) ' गमा: (गमंगाम ) अंत्रमें वेगा: (अप्रक वेपर) ' पर्व्य (प्रवश् ) स्व्यामान् (प्रवश्चमान् ) no ([ogin] ació) dolyad (dolyad) में हि: (युन्ह ) प्रकार न्यामा १ (प्रकार कार्त न्यास )' लाम्यः (कातुम्यत्) मार्थ (म्याक)

oussitude (acha mi empir) ouse (annes) 2 of 1 ( extraight ) 3 5 so (overin & mis mos) लाप्त्रकावंड १वाड (स्तवंश द्वा कार स्त्र अरवंड) यः (तित्र ) आर्या (अर्थ काश्वं निकत्र ) हत्त्राह (PITTE WIN OND A Y DEAY DE MAIN HEINE (अप्रम्प्त मेलारं भाग लार कटवंत ) मे त्येत (कें में -सर्टर ) टम्ब्रीना (अआएन कार्न विकास कर केड ) म: (ग्राम ) ए ए दि ( ते अभरतं वा ह ) कम्पर्यमाड (क्षा वेश कारतम् करवंत ) वृत्र (नव केलाबर्ड) वंत्रपार्वेष्य (वंत्रपामाप्ते महिला) वापारानेति (कल्टिन् काश्वन कर्त्र) " शहर (क्लामा ) ट्यम अथः (याद्याच् अस्मन) दाकान (दाकान [किशा]) क्वारि (क्लाका ७) भन्ना: (धाराव क्रा) भूव: महि लाह (क्षेत्र ) में महीयां में भी (स्थान भीमान अव्यानीका) क्वाहित हि (धान त्याया अरहे), त्यत अस्ततः अली मा (प्राचमसात ) न आरक्ष ([कालवं एकर] गाएं) " मक्त निष्यंत्यः (डार्डिप्यतंत्रा [प्यान केरा मार्ग ) मार्ग (द्वाराव ) न्या प्रमान (म्ययम ) ह्याड (ह्यून कर्नन), नवः (नर्)

लयका के या मेड के इंद्रेश हा। तम्मेर मान तम्मेन अरवाकियं आरं , देशाह की पहुँ आह में एक ममम्त मा क्रिक्टिंगा कि का का के देशका का का विकास मान मक्ता भी मूं हर् ना () (क्यूकी के ये । () बाब्येसवा Cay of Lat. 1 (0) was war cay of Lat 1 (8) must de 11 1 (८) बाकामा व्यक्ति सूर्यन ।(७) समास्त्रका व्यक्ति सूर्यन। (४) अकामका ट्यां भी अस्ति। (४) अस्तिभवा ट्यां वर्ष में रूर। (३) आशी मुख्य ।(३०) मकालाधात्री मुख्य ।(३)) अहिन. भवा काम्य में द्वा । (>१) ममामलका वाम्य में द्वा । (20) out 2 de 1 (28) out 2 de 1 (26) , \$4, 2000. Course was 1 (20) 1 \$4, Course was 1 (30) 1 \$4, Course Lan (20) 15/4, Course Lan (20) 15/4, CHISOL TOO, MEDILON LEST 1 (50) MINISTER 3am 4 (25) AMANOL L'AL 1 (50) DIA) MOL L'AL 1 (१८) वर्षार्द्र देवारि देवार्म न करा। (१८) अस्माना मुक्रा दुसमा । खिलिसाब्दावं लामकावं एक्षेट्ट में के बे ।

नववत्रः (नवीत नवानानि) स्टिः शेव मत्तः (स्तम्मून मा ) । भिद्धः देव मेंद्रशः (द्रामम्म मेल [१४६]) अर्थ हेन मुलन्तिः (अर्थन्त्रभूम मूनभा अन्नवानिकाना) रक्षित (म्हिक्त ) मैटर लाहबर (क्स्पिट दुर्जार्य कार्यमाहित )॥ ७१॥ नम् त्यातः नक दत्त्वाहिया दिनाम व्यवसाव कावक। CARCE GOINE @ GOLCHCHE TENSON BANK ENS टमारं नर् त्रम्डा इ मण्ट दर्गा नर्दा स्था मार्ड मिर्न विकास करिया रिटिय मार्टि वेदिन के कि लर्डाल नर्ड लक्डबंड अहित अस्टिन राष्ट्रमार्ड त डेन्या इते पार्ट। Carcumanys (carcumancya) consugit. इव (त्यासाश्चिव, पान,) ' कुवायकामाई (दुमायक-स्तुनं ) युके छाष्टः इत (विके बाष्ट्रं गामं [चर्ड]) याकामें में (याकामत्येक) हिरामाना है: देव (१९८) १ वं गार ) के क स (चार्ड कं ) बरंग्य (बरंग्य) के अन्छिटामिहित अपूर् (रेक्ट्रोमिहित्रित अधर्थन वर्षादिय )॥ ७४॥

न द त्याद्य मानुष्ये, माल्मानमा लयवानं सावता।

ला द ट्या ट्या ट्या का माम्य कि के कि के का का असे का की का की का क्रमार्थं मान्ते भीक्षक राज्यक के से माराम हम् विशासित कामण देव लामक्षी के उपने दर् त्त्री के क ह नाम की खि: (नी के क हरन व की खि) में ह्या-श्राचा देव (त्रीक्रक्रकं क गानं ) सर्वे वं (सर्वे वं ) ' अस्पेरी हैन (शल्लान भाग ) श्रेम्बर्गा (स्म्बर्ग [नक]) मन्त्र रेव (मन्त्र मार्ग) क्रम भावती (ट्याक भावताना कार्न )॥ ज्या चर् ट्यांटक देवहिंदी अर्थालक लामक्रांत त्यादक । शरं न - नर्मा स्थानां क त्मार्थान वर अम् - नई केल भाषाचारतं व कार्या अवंत्रा विद्यास्त मार्थेन् मीडन छ। नवर् भावत छ। स्व वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष त्या (यह) के का (मार्डिक के ) ला मा: (ला म्याला) लाउँ समा (लिड्स्युर्स ) काम्ना देव (ताम प्लाहरने गार्स ) सम्बैनी (त्राम्बी (लक्ष्यपुरंग)' त्रामुंबी द्रव (त्रामुंबी वं प्रातं) क्ष्रमा (विम्याव जिल्लामी मा नवर ]) क्ष्रमी देव (३ म्याव वं ग्यातं) त्रै म्यान्य त्रा. (त्रे म्या त्रात क्रिटे वत्रात्र 5 m ] H [ [ 10 24 1 2 4 5 5 ] ) 11 8 0 11 नर्त्याक मार्ग्स व्यामानम ध्रमक्ष काठक।

र्ब र्व ह्यायन वस गार अव अव म्य ह्याय द्वाराय हते, बारा रेप्रेटन चरे जिन्द्रान रूप । चर्ष कर जिन्ना ला का व्यवहार त्य देवताय वयंत्र देवतामं मार्चे व्रवास्त्री में एत द्रमताय वर्मित द्रमतान विन्वारि भन्दानी मृत्य देशकात इत्रेशार्ट वन् अर्था धार्भ प्रम. क्रम भार्षकी विश्व समय क्रियारह। रदं: (क्रीकृतकरं )कास्वती (अग्मीलने) (अमलाहे. विरक्षका (बार्यकका) कामानती देव (क्यांत्री मार्यव गारं ) के देंग (कार्ट्य पान कार्याट ) ' विरक्षात र्म (विद्याला वं कार्य) वाक (इनहां ) व्यक्ता (व्यत्वे प्रेम) देखमा (देखमा चिन्द्र) व्यक्ता रेव (व्यक्तान कारं) विज्ञारिका (विज्ञानिका) ध्रत्र वद्म (ध्रव्यतीय)॥४>॥ नरे त्यात्क त्वर्वर्षा व्यवस्था ध्याद्वा र काठका। भूर्ति आर्वर्तिः व्यरमाभमान् रम्भभ नभाने बना इरेग्राह, जमार्का अह अक्रम हेममान ड हेमामान NEW AND WEN OUTS 55 (M 75 ON WELD IN 1 चर्रात समय : का दित्रम् (क्या आहे से का काण्मारिय हिंद अल्डार काहाअन काहरे क्षि विदेशका न देशमात

(म (म्रामं ) केकम (चाक्रकं ) मुकंहें कार किंद मक्कार्य महिल्ला का क्ष्मकं मिल्ला प्रमित् । ता महत्मं विकासिकां दुक्त हर्मातः । चर्च क्ष्म विकास क्षमाय दर्गातः ' एवर दुक्तिं स्पूर्ण दुव्यकां के व इन्नेत्र । का बावं विम्यका (म महत्मं क्षक्कां

खाद्द्र (खाद्द्र )॥ 8 र॥ स्वाह्म (खाद्द्र )॥ 8 र॥ स्वाह्म ) काद्द्र (स्वाह्म (क्षात्र क्षात्र क्ष्ये क्षये क्ष्ये क्ष्ये

क्षित्रक इड्रेश्ट्र। विकास । देशना काका क्ष्मित अक्षित में प्रश्ने हार्ने -विकास । देशना काका क्ष्मित अक्षित में प्रश्ने हार्ने -क्ष्मित क्ष्मित का क्ष्मित क्ष्मित में प्रश्ने हार्ने -

अर्भे कृष्: (त्र्ये अकृष्) भाषीत् (र्पश्चात ) अञ्चिक् व्यु १ (अञ्कूष्), अञ्चित्रस्ति (अञ्चित्रस्ति

[ ass] ) The wight as ( The ange Bair) भवा वर्ष (भविषात्रे) ब्रधिनिष्ठः (ब्रधिने भविष्ठ भविष्ठ) विसमात (विसाम करवंद्र "[एपर्]) रेक्सतंक्रं ( AMIST ) ENG ( EN ) 118011 चड् त्यादकत वंजनार ,पालक बंजाय देंगा देंगा देंगा रहा। अस्टा जुनाव्यम बरवर्गिष्यं ध्यांचन्त । इरदः (नाकिक्तं) असाक्षात (मारमण दर्दत) का दानं-प्रभंध-वित्रप्र-विद्यालयानि (अग्रिमण धकं अक्षेत्रकारत अर्वस क् कुलादि विस्तान ज्य ) न्ता व वार्ति । वम द्वार्यकारम ] इमेनानिन रही यानि दर्भा ) हाति (त्या का मारेट्टर्ट), व्यक्तिका : (वतहरी लववंबर्भार) भारते (टम वित्यमन-मस्य ) क्रमापं (विकासिक सक्तः मृति) अगानिका ( ट्राया करिया ) उद्राय भीख- मूर्यम्भीत-कामकार्यः (जारान कर्मी अभी छ अयर अ श्रूभ प्रमान कारिए काम भावां को विषय: (भावेदा के कार्बराह्ड)॥ 88॥ नर् त्यादः , त्यांतरं प्राथक बंभाय द्वांत कावत.। तक्ष्य नक्ष्रकुकाटयव मामुस्मानं दाव क्रांत्रं बरमन काल र्यं गार्टा

मास्य (एम्सार ) प्रवालाम: (प्रवावात्र) कें मैत-भिद्ध: (अकांचव दामा) म्मा (याद्याः (ममन्त सन [ १४९] ) अनुसक्ता कर्षः धाम (अनुसक्तम लय् व है। वा ) के कर (मुक्किक) में मने ह (में सराय करकं [[रार]] बेलावयर (बेलावय) व्यक्तिमः ( and far ) 11 8 @ 11 नर त्यारक , त्यांपरं प्रमाय दे मायश्ची के का करा। अभूत्म अकाका विव काव बनविन कार्य व का इने पार्ट । इविष्ठदम् मामा ( अव्कर्ण विष्ठ दामकार्य ) er: 346: (cot 347 [nd) 63.301: (28013 विषेता) हा: यमके: (त्मरे वस्तीसते) यामू तीना: (रथकात लुक्कामिक इरेमा) भारतिक: (लवन-मर्भन् अपत ) अमान- म्या अस्यः ( (कामन उ सेंबे व मांबा ) (जा मुखा: (त्या मुरप्र वे ) (वा मुं onest: (xcens me कार्मा) वरवात्र न आदाः ह (म्ब्रिंक वं विक्रिश अपुर्य मार्थ ) म्युराहर स्वाडि (कार्यक विव कविरवत्र '[कार्म]) त्राम-रेत्: (भारे त्रामध्य) के के हैं: (अनेत Course gray stants ) 11 8 PI

वर त्यात्क देशकी मानक क्रमप्रक्षांव त्याकका। न्यम् व मन्यावाद्य मना व मनी वर्षेत्र कारवन অভারল্প এরং লক্ষ্ত লক্ষ্তির্প ভারাতাম डेक बमादादम्ब कर बर्माट्ट। (सरबनायरमें (यामवायम्।) लामामें (oundi) प्रय (विश्वान क्राकिट ) मृत्याम्य प्रार् (हिनिटेक-ज्या ) म्यूकार (पक्रि भिन इमेट ) उब (धायमार ) ही: य (टबाय इमे मार्थ) कर्यवामार (कर्यवाम्य) हेरि सिन्म (अर्देशम बाक्य (इट्रेंट्र) कर्मम (कर्मन) क्रम क्रादि (हिट्ड) थ: (८४) अद: (अर्व (इर्र आहिन) म: (CN) अम: व (मर्च) (वर्षे अप्यु (CN) लिमें बंधन मकरम ) वर लें में कवार लादि में (म्ये किं के हाना हालद्रक दार साम ड्रांटन) क: अक: (क्याआंत । मिन्याह्य ) व म बाटन ([बाह्य] बारिया )॥ १९॥ चर्राक त्मार्क भागक क्रामक्षेत्र काठ्या। कर्त सर्वा सर्क मार्क का कि हार्ग का अमारत युनंत्त लाम्बर्ध स देदंग्डि । सेंब्यर लारम चंत्रापक्षित्वं मन्ने ह दंगा।

四至61岁(四年出山)至南山(四五五十五十二(四十) Will: (WIE), Am on on (Atoms oral [200]) यादिमा वाले (मार्माड) वामह: (वामह), उउर्कर-क्राम्यर (द्रमाराव क्ष्माराव क्राम्य) कालाबाहार (१९८३ व शाकां ) विकासित (विकासि शंवप्रतं) त्र (त्याच ) अपुरामाना तामर (द्रिमात्मे ] अपुरान ला दिया दिव करणात्र भार )॥ १६ ॥ कड़ त्यारक , कारमक, मामक, कायकी कं । चन्द्र इक्क के स्टल लाह्य है. अनुवास्त्र द्याल है। सकार्यं वराने मनेनामान निष्ये तिय हे अ ध्या द्वार हरेगाह। इंगर (नदंसरल) इरवं: (न्युक्रकं ) वर्षान्-वर्गमा (छापून अनेक्रिम्मा ) विभवातामकान-भूत्रभात्रामी (विभवात ७ देवाकान (२० देरभूत्राहिष) मारी अल्लो (मारी अ अक ) जम् छने वर्ष हैं। (सीनाका-इक्षे हे छन्यप्रायां ) ज्यः (ज्यांते ) प्राय अन्यां (तिश में अपी उ में महिंच प्रवाद ) (मान्येवर लगाहकार (थिश लक्ष्य मारका अर्थनाहिन)।।हन।।

## न्त्रीकृक हतार के

लादेत्रं राम लक्षेत्र व द्वारामागुरम दिनसान करने) कुष्माभारक-विदायर्छ विवास्य : (भाराम वसन कें में प्रधारित रीय व विमें दिन क्यान के गांग वियान-मूक ) नीमननं- हाहितन् नीकमाअहन्त : (कर्षे उ के के मात्रा ले क हमा माराक लिए । यह के कि के कि ने पटि )" प्र: (८४२) वत्रवाधात्रकाः (भीभात् व्याधात्रका) (त (कारमाक ) अमा हन - सामाय: लास. (मुध. जा. त अरमं त्राम का कड़र )। इस दरा अवकात्रकाविषाविकात्रकामः केत्रः (माराव अल्डिटिं अल्डामुन् भक्षे के ला में अस विदेशक कर्त ) " १क. अमात्रक- भाष- भाष्ट्रभासी मात्रम : (मार्रे क मैं सत्तात्म हता व नमधायिं मन् डर्म प्रांत्) व वसकी व वीर्वाचा मृद्दाववक्षतः (तालीमारेष्ठाव स्त्राव कान पट बादाव वक्षत राष्ट्र आद्रंति) भ: (त्रे ) वत्रावाचानका: (जीयान व्याचानना) (ता (outeres ) मा है पात्रीत: जारे (130. मारेमानं मारा अमान कढ़त )॥ स्म ७३॥ विका त्रवा क्र अ त्या हार्थ - त्वाविट चिकः (विवि

(20)- रेवर पंत्र, विल : (कार्यापु व लाश्वेष सकाम कर्षत ), भेग्राचिकातमार्क कामिनर्ममार्ग-विय-केल व्याह्म : (मित काम व अधियामश्रे में मित्रानेक शिम्बर्स् अविद्यात्व वेश्वरंग ८० में शिम्प्रमा । भीनंदियाय -कारमार्थ। मिर्विक मला : (प्राम् कीलाकामतम् सीकिमां रुटलं मल्यवर अवादित डर्माटर ) म: (तारे) वन्ति अम्ममः (भी भाग् अवि अम्ममे ) तम (कारकारक ) माड्मे सामात : कास (प्रण मार्मालक. मान कर्त कर्त )॥ ७२॥ (अभर्यमा द्वारा के वा विश्व के वा दिस के अ रें बमु ला हिंद । येथा बार्म बार मा उपर कार कार कार स्थाप करवन ), ट्रामेशिनग्राडान- (ताकामान-भानि-वाक्षण: ( टिलाक आसमान कें कर्ता भयाते. यहं ग्रे कार्युंग. गार्य वलमा क (वन), मिठाकास - भूचे-विश्व-CM बंबा-य- बल्य: (।श्री अव्या वि म त वेस-वर्णक् कन्ताकर्षत ) यः (८००) व त्राच्यान्तः ( The state of ) CA ( and ) AUR! स्मितः कास (य्रा वार वाल वाल स्मिनं सात्री. अदान कड़न )॥ ६०॥

पा यंग ([1712] पुणा मडकारंक) दृश्यका पुरंगक -कर्मबर्ममावक: (इस व भाग्मारमक मर् नवर कर्म व बरमार्वं विष्यम कर्निग्टिय ) विद्याती-कार्यहाक - जे द द करावक: (। हात्र मान व मीया-रिष्टिकां कि स्थत शक्तमार् कि में के प्रांत ) कीर् जीत व जीना हांगे श्रीन त्यासकारी बनापत धानमात्त करत्र) , तः (ध्ये) र तु व धानमातः (अभार बाराम्य क्रम ) Car (our mer ) अमाही पारात: ला है (श्रीर आम्बरमंड राज क्या कंत्र) ॥ ६८॥ के के बाम कायु- मुर्ने- बाह्न कार्यकाम ( तिर्मन कुट्युकिति छ काम स्मार्थकाम मीर्च सा मूलाविलाएक ouset soit af ingland a congenta 23 द. कर्वत ), जनमञ्चरकाति नर्ध- वन मानि- ट्या बर्ग: (1हार श्रां के के स्थानु मके छिट कार्न राज्यां. न्यान्य महिल मार्गा व्यान काम काम कर्त्र) ट्यामकीय-कार्य-कीरेंगे- विश्वरहिड हत्त्व : (प्रारूप्त त्या नीय कार्य क कीर्ज मिल्य ट्राइक र हिन्द्र हलायं नारं । मुखा न मार्थ थांव ) "

मः (तरे) बनु त्यामन्तरः (जीधारं ने त्यामनन्तरे) CA (OLLES ) MILES LLADE: OLZ (LES OLLE-असि व राम्न सम्म कंत्र )॥ ६६॥ श्रास्कात्र-राज्याता-स्माहाक्र-सर्वातः (।तात्र रंग अपने हा हा हा का का का अपने हार हा में अर्थ हा है. अस सम्मार्थ कार्क गार्ट्य ) "अग्राष्ट्र - क्ल- टक्स-वयान्यात्र - वयात्रः (। त्यातः न्यातः । व्यक्तः क्षतः उ ट्यम-हारी क्यार कल त्वं ३ हिड व्यक्त करवं भी (गामिकार् त्याकारे-डावव्य-गश्रम: (पिर Can cour on our con soil ever computy à चार्. टारमिं (प्रवं में हथा श्वंत्र) 'य: (प्रत्) वस्ति अतल्य : (अधार अवस्त ) (ध (oruna) मार्कितामारः ठास (त्रिः आरं मिला से राम) अभाम कक्म )। ६७।। व्यक्त हार्ने- व्यक्तिमा हिम्मी-याह - टार्क : (तित्र वेत्र रेत्रवंता मार्थात्रकं कल न्यादि यरिक) ' एकत्वाला-वेल बाख्याना-वेलि-उति : (गीते क्षिश्मम मामकावनं कार्यान विमान अविकृति में मतिय देस के हुन)

इ.स. चास्त्रावेश (चार्यक्त चर् वम: म्राप) नवः (नरं [मिन]) द्राविष्यमः त्यलः (द्राव-हसराव सरम्ब अभवत ) मः (СПб) वल्लान निवास क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त ) (म (क्रायाक) मा कुनामा : कास ( त्रिक - कार्र-भरभव मार्भ अभाग कक्त)। ८१।। थ: इ (भिनि) अस्तन (११) अम्हेरकन (अभाभेक-शका ) मन्ति काम । त्रिक्ष व्यक्ति - मूर्यक् (यक्षी-सर्ष्य देश्वत मार्थिय ) शास्त्रारम्बरेटर (जी बाबाबं मान्य मारह में) प्रदेशक (स्रोह कर्वत ) , अधः (अरे जीयात अविकासमा ) वित्र- हितः (१९८३ सक्तु. र्युन्त ) वर् (व्यक्ता) Cara कातत (कृषायत ) वार्यकार्य प्रशं-प्रशं-नामिजापाम-एमबर्ग (नीमार्याव असंस्थेत्याव: लामान्द प्रमाम आमन दमनाम ) में माक (मिन के कार्य )।। कि।। The stands was a

## न्त्रीवादिकाचेक.

केंद्रे माक-शक्ता थे- अन्दार्ब- प्लांबला (ग्रांब प्लांब कारि कू कामिल भूवर्गक प्रतास नर्व द्वर करते), भीवयाक्रवार नक्ष-साव् त्राम ट्या बहा (य्राव ट्यांबर रेट यर क अरमन (म्बालन की खिल दिन आने करन) वस्तिल-सूत्र-सर्व-बाक् लार्ब-साविका (भिन्ने भीकात्र उत्यान प्रत्व भर्म कान काल्ड विषयं मण्याप्त कट्नि ), काश्विमा ([त्ये] श्रीकार्यका ) यहाः (लासाक) लाक्षायायमा साम्रासा लास (भीनं व्याद्वरभव दाभा दात्र ककत )॥ ७० गा (अर्वाद्य काडि । द्वाल । हतः अर आदिका (यात्रां विकित अरे वसन कुकाबिल जार्मा असान मार्भेव कारिक मिला करन ), क्रकन्य कृत्रे-रकारी-क्रून-में का वाहिका (।त्राम की के कस्म यह स्वरमं की जारियादियादिय वर्ग अरू ने मूर्काणात्र मंस्था ) १ क्छ । प्रिका प्रभाषी अभवक्ष - वार्षिका (। प्रिते जीरिक व । युक्त अभावा कि व धर्म में न्रिटर दं लाकाक्ष्य करंबर ) वाक्ष्य (त्रत्र चीकाक्ष्य) यक्ष्य (auma ) aud अपर अस रे स्थारे तास (श्रेम आर अस्मिव राम) राप्त करूप )॥००॥

(अर्मार्य-में कु-अम्माम- कुलि- मिन्यर (तित्र मार्ग रकामता का ना न न न न न न कि की लिन भगाड कर कर न ), हळ हमतार्भरमम् त्यवा भीड विश्वस (यादा इ मुनीयत एक एक एता है द्वा धन्य वन् कर्ष त्वन अ CASICALUD. लाभूत वाद्यापुटां कारकात क्षावत ) काडिवर्न- वन्नवील-काव छात्र-वाविका (धीन निक अर्भेड अमिनेत का अर्जिश त्मानी क्रावन एड काममहाल दवने करवंत ) वाविका ([तर] मीवादिका) य रा ( ( का कार्ल ) का का मान मान मान का मान (श्रेर व्यवस्थात्मं द्रामी स्ट्र कंट्र )।। तारा मा (१म) वंसा (मकी प्रेची) विकासमी-एमवद्याति. बाल्य काल (विश्वबन्धा में बब्ध मन् कर्ष्ट्र बाल्या इर्या ७) क्ल मना - टार्भ नमार्थ- प्रकार (क्ष ७ नव टिमेनमाद प्रकाउ भाग ) भरभम न (भाराक व्या न त्यत [ वक् ] ) अन ( त्यत्रे न क्षीत्मरी) भीत-राम् भीयनं ह (में मीयवा व क्रिम्युवा मांग व) मक: (म्या कार्यामा ) व्यवका र व्यक्ति (देवक्द-ल्याम्या प्रत्य ) व्यक्तिम ([प्य] न्यांकिका ) वराः ( annua ) and out and - timber on A ( 13. Air लादलासंब दात्रा दात कक्त )॥ ७ ६॥

राभमात्र - भीष-मर्भ- मर्कमामि-भाष्ठित (। धार्म रामम्बा, भन्। व न माने प्राप्त के व क क्या क्या मेर्ट्र में प्रमें भी। (काम-बेश) के अ- काम- अमं- अम्माय- मालका (। शार काम वित्रीमं क्षेत्र (बमा व यर्वन्याधिकां क्षा क्षेत्र) था (धिति) विश्वतवर्टमान एमा विदानिक: ध्राम (भिर्मात नवीता त्मालवर्ष मने अत्में भाव) व्यक्ति (त्या) वासिका ([प्ये] मीवासिका) प्रकार (लामाक) लाजामार अमे- राम्योत्ता कसे (मांग मार-भरभव पाना पान कक्त )।। ७७॥ निक्र नर्क भः काम-कृष्णय-प्रक्षमा (धिनि निक्र न्वत क्षा काले ७ जीक्ष त्या क्ष प्रधानी-शका ) के क बाम ब श्र- रमा अ- रमा ब र में क स्मरा (न्यक्षात्रामिन त्याभयनीमर्ने कालम्बाद कर्वत ) , कृष्क्रभ- ट्रबल- ट्रिनि- तथ्र- प्रव्यथार्थका (क्षेत्रकं क्षेत्रक्ष व कालिबर्ग माराक हिलियं न का का बिरासाप्त केरियंटि ) कार्यका ([LNJ ] Estally an ) #326 (oursels.) outrale. अल्पराधारा कास (म्यानं आरंभरमं राजी पान कस्त )11 6811

त्यम् कास्य-करेका अ - नम् नमामि- प्राक्रिवा (भिने त्यम्, कला, भूतक, धम्म ७ मद्मद्मकृषि भाषिक डाय-प्रस्था ), अधर्व दर्व-वाम्रजादि-डाव ह्यां किया (गिति त्यार्व इर्व ७ बाश्र क्षम् अ डावक्षरे धनकुषा), क्क-दान्य-दणाये व्यान प्रवामि दार्थका (धित अ के किनं मनम् थिक वं बेले मही संबंधि कर्मन करत्त ), मार्वका ([ठारे] की नार्विका ) मर्छ । (लासास ) काले सार सम्मास का कि (मारं वाद वटमा द्वामा दान कक्त ।। ७ द।। था (पिनि) अने कि. कृष्णि विश्वास्थान महाजादिवासक-देन नियमित हा व कुर लादिवा (अभिकास नी कृत्भन विवय त्यू तिब्हन प्रकाल विविध देन ए हा अन्यादि डायमधूर भारत भी दिंग द'न), थपुत्र तु क् अ प्रश्ने - जिल्ला भिना विका ([ वर्] गत्रमक चीरक्षमभ्टिय मामान भग्नमान सर:about gramm In ) ing an ([Cay] न्त्रीका क्षित्र (का मादक) काळी नार समे-राधीरा लग्न (अग्रं वार् अरमं रामा पात ककत )।। ७७॥

यः व (भिने) अत्यम अवेदनम (नरे अद्राधिक-का ना ) मर्भारत थाने टेम्सनामि-एमार्विमानि-पूर्ता (आरेडी अस्य मस्तीमार्य माभड द्रम्बनम्मा) केक व में तार (चीक कर कां भी ची बा बा व) ट्रोडि (सिडिकटबंप) मिलाप्रक्रमा (यश्वीपार्यकं आतलकाशिती ) भा (इ अशिषा ) उर् (जंकारक) जर बतर (रभरे गार्किक) व्यान (भी अरे) कुक्रममं-नामिलाना-पात्राः मीर्-डाक्तर् क्रवाडि (भीर्षंत्र प्रभंदमा । आमालिका मिन्धित प्रभाक्त शी र् धर्मार मुकार मारिवाव (मव भाम करवन)।। ७१॥ िरेनि जीनाविकालेक अस्ति ] र्याह (नम्स्त्य) वर्षात्रकः (त्यम् मान्। व क्रायन धेर हेर्ट्ड ) केक विपायी- विप्रार्थित (स्विकित अभवत्रक्ष अमृत ) भीवा (भात्र कार्यमा) आ (राष्ट्र) मेटा (मणीमटा) लवाबामल-मार्डिश (कांध्र कामस्ति वरामस्त्) यमा वाभी १ (मिसमा रहेमा-12 CM7 )11 6 6-17

जी ते उरा भदा का विक सर् भ न्थी के भ त्य वर कत्य (भारा की ट्रेडन) दमरवं भारतात्म न मन मन्न जीका माधारी व त्रवाव क्रम करम अकामिछ इरेग्रह) न अविज्ञासमाम नाम कार्वना पिरके ( adribulge affarmenthemeng nists. डे-लाम कर्मिंगरम्य ) न्यीकी यम्भामलाए (क्यान्त्र थी बर्गास्मानं मार्टि मारानं दृष्टित ExiLE [ -36] ) Warmare a sile (मार्के अमा हते प्यामाया वं वर् वा लम्मर (प्रके ग्रारं कथाल इंद्रेगर्ट ) प्याद्वस्त्रीयार्टेड शाक, (माधिमाधिमार्थियार्थे एपर शाक्त अड्रेस्ट ) मर्ग्यास्त्रीयार् अर्डे (अन्यस्त्रीया-विवर्ष ) असरमाहितः अपर असः (परे अक्टल यथ् )कामार (आक्रमाक रक्ष)॥ २०॥

## arguen ou

लन (लपदें ) स्था (मडिकाट्टा) मृन्त्रंत (स्थित्।) यतमा (यदमम्यामरकार्क) क्षेत्रं (क्रममीहरक) करवं (थ्य इट्स ) लामां (कानंप कानंग ) लामंही (लायम राध्ट कार्वटक) लामाक्रेंगेर (मात्र क्यांद्र माम्पर्यं भ [745]) Des: E ( El Daco) missus (miss (a) उद्देश (द्विन विकाश्य निर्माश्य निर्मा निर्म कार्कि भार्व करायेगाहित्तत ])।। ।।। (x 34;) 44 (44), मम् अधीरिक मा कर् (० मम् छ ने मा मन का कर !) अम् छने माने - निकश क्ष (० अम् छने सम अस्ता निश णालवं!) उद्गीमपदक-मर्बेदार्वं (तर ज्द्री-मानेव बादक धर्मिन - अर्थवं नामित् !) त्रामन -Cura (त म्यान-नव!) , अहिम मामन (८ म्लान्यम-भागव !) ववंगामव (८ गामववं !) उगक्तत्रका (x उगक्ततका!) वर ( [amia] यम्मक बढ्ड )॥ ।॥ कोवं (१८ क्रकः) भीवराज्यवीवंतरं (ध्यरम्भाभयवर्षे) यं की व के प्रवंश (क्षांका के कि क्षेत्र) के के मार्क विवाशकात ), क्षेत्र (क्षेत्रिष्ठ ), भिनी अक्षान्त्र १ (मिनिस्ने ) आडीव्दीवर (त्म अदीर्वं ) द्वारी (न्छाडिकन )।।३॥

Mu (4.34;) Mg. ( @ ( d d d d 4 4 ) " MM- 44. लकद्य-रव-लग्रंबन् (प्र लम' प्रक' लकद् व राजायत-वानिक डमानितालक!) नवमन-कमनल-मपन्द्र-हर्न (८० नवीन दलमाती कथलपुष्टलंग गर्वनामक हन्ने-ग्राय (ला. द्वां) ' ध्वंप- थ्यथ-प्र थ्य हतं - क्षंप् (८ द्वम्मार्थ अपृष्ठ धरमान्यं कास्यं।) मुनवतं-हमें (८४ त्यावस्याम्बित्रं : [क्यानान ]) थरं थरं (लाड्रमतं थर्ने के उद्धे )॥ डा। अ की व (१ छक!) मण्यान कत- मन्द्रीव १ (पाराव न्भ्ने में मार्थ विश्वास्त्र कार्य के ) , छ ने मही वर् (त्रिप्त अप्वास्त्र माधीत्मात्री) ' बैंबाक्तंप्तरं रांबर (तिम लर्म कंग एवं यहिक ररं यारा करं बी बंदी सकाम कांच्य ) । भी वेतन हानं १- सी बंद (भिनि त्मावर्षत्रकावरं दिन्नेम्क ), र्वत्रीवर् ियर तिपि ने दी नं दक्ष वाम क्री नं करने करने कि हिने िएर् ] ) ठाडुंद ल्ये (योक्टक के शिल्क के )।। ६।। लड् ट्याटक , त्यायमादिल, (द्यामम )व्यवद्वाव हर्र ग्रिट । ट्रास्ट्र तककानं नवमर्तर शन्। विखि काकाम बाका बंहिए इसे त्यस्तारे यरे

दुक्त लख्नांच मम्ब म्यूंगारि। सर्वे व नवर मार्कार वत बामान नक्सन वाम्ने. सम्भुवं भित्रं भूवं भूवं मुंबं दुशाह कत लख्नांच मम्बं भाषा । नम् स्थाबिक मर्थेमं क्यं

कीम् (र धम !) कमालिकी-कात-काल्लात-विश्वान-वन्-वास्तेर् (पिति कामिकीन कमनार्भन मरा कहरनं विदान-वक इक्सकलं अक्स ), मध्यी-काम्यी-मनं ए (धिरी (आभानंत्रक्त कार्त्तीमतिव मनंत कर्त्त्र) मि विकलक्षा भिवर (लायक्षेत्र भिव कल्पेर भाराप द्राक्षे ), निकान विज्ञाभ-लश्नीप्रिकूर् (धिन विवाधण्डलंभाती अधूडख्लम), हलतादा व. मुखन् (प्रायम् अन्य मुखन्य मान हम्म कार्य (माडा अर्थ (कर्ड [नवर ]) डामें बंदर (म्प्रांक. (कर्में कापकां का का का देखां पर किता (कर्]) यंत्रह (व्यक्षपं) प्यावितर (प्यावित्यं) हिड्ड (कारत कर )।। ७-9।। नर त्यातः , बान्नामम , लप्ति वं कावना । नम्दात्र देकः त्मबंत्र, के के वि आवर अर्के का ह एकारं असकारम क्वरूच रूप।

[अक्षि कार्यरात ] आहि (द माहि!) हरतादाहि-बार्बेभान-। मिमनमार् (भारान-मूभ मानारन मध-भाग (क बनं करंब [ करते ) धम आधी-मक्राड़े-करमाराबंद (क्यान क्रिक्स के क्रिक्स अन्यानक क्षेत्राम् व अस्तर्भा द्वम अस लास्कानं कार्नेगटर न [ din ]) an (ound [cy]) Bis (Bisaus) सार (सार कर )।। सा यम ब्रं मायवं स्मित्यकाम (प्रमासं मिनिकाने क्रमें प्रति । )यात्रे (यात्रे !) क्राम् क (म्रेशिक् ! ितित्र ]) व्यार कपम (क्ष्मार ठड्ड नाह) मर्(प्यारक) चित्रमा क्ष्री (मिट्याक् वक्ष्रामा) क्ष्राम (अक्षत क्रवां क्रमाड्मानं ) (व (क्रामां ) मिक्रानंद ( खिक्राव केकं क्षार्वप् कर्वत्र )॥ ३॥ अन्तिमान : ([मिन ] अन्ति कार्य मिन अपि) उन्दर् स्थान मान् में दि दिन्ति स्थान सम्मान का धानुष्कानिय पिक् ), विष्वतः वतः प्राची- कृदः बल्पहारिण्यी: (वित्नात्मन भव्भ मार्वन सम्बोसर् मात्रां कार्ये व (ला का मक्तार्यं बन्ता करवंत्र) ' ड्रम्भार्क-म्यावनीः मानामिम् की (ड्रमम्बि

रेलाउप राक्षियं लक्ष्यम् )मा (त्यत्र) म्हाराहमा क्रिय (क्यांच का ) दूर (यह केसावत्य) कर्त क्याः (क्रांच क्यांभाव) वित्रवार्ष (वितास कार्ने (एटर )॥२०॥ या (भिन्ने) धनमारेण: (धनमा भाषी) मन्नकरें: (अलगमने मुकः), भरतः (अलक् ) मन् वर्ममकर्मः (अम्बर्गाम चिवर्) मिर्दिः (विश्व ) अर् अरेपः ह (अयंत त्यामप्र काया ) कार्यकर काम (कार्य मीरकार) यम् विकास (बमी दे क कार् मा ) कार्यय (क्षाप्र मार्ड) रेप (नरे) धरेकार (ब्नामत ) नप्राव (विमाध करवंत ), भा (अप्रे की वार्षा) कर्र वसा (कर्र नमीक्षा)।। विंग वृत्र कुरं ( आवत्त्र वृत्त्र न्याक कात्र ) त्रवत्त्र । ( वृत्ता व्याव क्ष्रां क्ष्र व्याव क्ष्रिक क्ष्र व्याव क्ष्र क्ष्र व्याव क्ष्र क्ष (लक्डन) लक्ष्ठं क्ष्यं क्ष्यं (लक्ष क्रिक्स) लचंड (व्यक्ष्यमं)कंटनाम् (व्यक्षकं क्ष्यं नेयहर्षत्र )॥३५॥ नई त्यारक , ह, नवरं , ब, नरं में द्रात साम लक्षरंबं विभागति , दीमनं , मं कवा कि कार्य रह गारि। मीन्डिल (ट्रिमेकिक मीनिव मिर्दे ए) अस (नरे हैं नुकायात ) उठवानी (उक्वानिकारिक) वीर्व वीर्व

#

(जाड क्षेत्रकाटम) कार्ड्य वाह: (१९९ व माममा) लाबाद (तिकत्दे ) छ : जात्यः (डेक्ड क्यान्यम् इ क्षामा) बाह्द (बाह ) बाहितबार (विश्वाम कर्न्टिह )॥ >७॥ चड्र ८आ द्या (७, चवर , वं, चड्र लक्ष वं में दिन वे ख्यामार उर्दे , शे असं, पालक क्षित्रकाको इंद्रताद्य। ला (लाउड ) मार्च कर: लाम (मार्च प्रक) डेड्डीम (डेड्डीन रहेमा [ग्रामप]) रममर्थाः भेलाभी (निम भेश्रवी उ भेश्रावत ) भारिभ द्वाद (क्यम्यात ) अमावर (माविव हम्य [नरर]) (अ Tag (my mit am) de ( de ini) (जीकाशा अ मीक्ष) भूतः (भूत्रकारं) पूषा (अ -प्रकार्त ) वर्ल (मारी उ उक्त ) अभी मरे छा ? (आठे कबारे माहित्यत )॥ 58॥ ची बार्का कामिरम ] om म माबि (र अर्थ माबि!) (कालम्-ती सप-जमान-ममार्डामः ([प्रामि] नमन-नानि नवीन रमच उ जमार्य म् मार्ग रमप्रकार्ड पूक) धारतः (अक्टका) मरीय-श्रीय-क्रान्-हा-कड़का-विभ्रतार (हल्त , तीनक, कुक भूका, कर्न, हळा उ दिवालियान नामं उन्न नर्ने [ वरर] ) भर मून-

याव्य-यव्य-व्यालिम्डि ० (अभे अ अलाहें व गारं लाकु म्यांचेस ) श्रीयात्री ( श्रीयावाविक ) विन (भव्य कर )।। ३६।। नवं त्याद्यः , लाखामम, लामही मनं त्याद्यों। लाक्ताकाः (बीलाक्तहान्यक) किलिः (किलि) मंदीयति (त्या अनं रें डो क्रानं किट ) ममा: (त्य कीर्वितं ) अते : भूते : ( अनेक म भूते वर्ग है मध्य ) विन्धताबी-रूप्बर्भ-मड्डिः (ब्रक्षाटाव मात्री मार्ने हिड के अ वर् माक्षि वार्था दें मा मार् मक्स (क) (१८ आव।) भारत में श्राम्य (बामवाभिक) मः अमूनावः (अष्ट्रक) आवेः (९६०) भवाक - भवंदा: (दस्य मीय देश उ मर्क्स कार्र अपूर [नक्])भक्तः ब्राः (अभ व धनकान्तिकार) संसर (अवस जार्यात मुसक्तं ) प्रवः (जी संस्पू (७) वारं (केव्याम ) समारं (यसम कर्न्स्मिन )।। २५।। चत्र त्यातक (अ, चक् त्यं, चक् लक्ष्यं विश्वीत्र-[इक त्यासक शिक्षक शिक्षक है। वासक हिन्दा रहार । विस्ता : मार्ड (पर मार्च ; ) मार्श (म्प्रांच ) न्यु म बाप्तिकाः (न्ध्रमेकः) लिंद (लिंद) वैवयी-स्वयनः (त्वयाकाय-

बस्य ) नीवी-विअएसमा (मिनी-यक्ता (धाठमकार्य) (आध्यात्र: (प्याच्यापटक) देख् (चाह) लर : (यात्र कार्याहत्त्र) 'वर (व्यात ) सार (श्री कवं)॥३६॥ न द्र दसारक, क्रिंग छाड़, प्रापक ष्टिन का बरे र्थंगट । तिक में : भी यश्चिता : , नम् त्य न्यान पत् वर् न्यान्यान्यः - नदंत्रम ति टाम मेर्क , करें : , नर् हिनां द मां द मां इसां इता। आव्ताहिकार (भूषा वित महिलक मान annoused. ) answer (= ) sugglave (suggl) आअर्कार (पात्रमें अंबु भएदे ) वैवं: (सम्बार्क) दिवारा (माडिन ) वसता जन्नु भार्न (वैस व अन्ति ) स (त्याता) म वावात (विकाश क (बना )112011 चरे त्यात्क कर्षे छाडि 'मासक हिन्नाचा' डड्नाट्ड । , स्थित्वर्ग , - ७ व्हात्त्र , स्थ स्थन्थ, तव् स्व कित कार्यन्य तथा , तव इ. यह कर्तवरात्त्र. द्रमानं सम्बंदि इसे। [लिकिक श्रीरंपय ] श्रेष (४.३४ ।) प्रीय-

भवक्त्रावि-मर्शक्षावि-मक्त्रावि-मम्नाव-विमाम लाल (महीन समक्री व अभवन-मका वी शरपने म कारे सवार्य विचारित लाख्या थ्रे प्रवंशी-कृषीएं (क्षिक्षक्टिव दीववर्ष क्ष्रुमर्प) शुक्र (भारतका) त्यामात्रियामम्मार (त्या कियास क्षे हिला), श्री में व (श्री में किया) टमार्डिस कामनित्री ६ (ची के कि के की टामले मी च्यांबाहर ) द्य (स्वाह कवं )।। र ।।। नर् त्यादा , व्यक्तारम, लमकारं त्यादका। इक (मार्थ) मा शक्त (रम्द्र, मांबाका. ) द्र क्या व्यक्त (द्र क्या क्र हिला इसेमा ७) दिस दिस (आणिदिन) अभी छि: (भन्धीमरने न भार्ष ) व्यक्षेत् (वरे) कात्र (त (बृक्षास्त्र ) का मठा (काम्यन भूके ) go air (go xa 183 ) CA (orane) ग्रामक्ता (ग्राम) कर्त (म्रम) क्षा (अयात करवत )।। २३।। चत्र त्यात्क ,कस्त्राक्ष ,मासक क्रियमावा इइगारः। · Thank, To se Tarres: XSING , THENK, न देश अ त्यास इसे । क्षि अमर्थ (मा नवर् (करं, चर्च व विकास कार्ना, करं, वर हिन

क्रमाल करने कर्वात रम। न्या ना का का का का का ( म म म के ) विंग (वेति) (म (कारमंत्र) कारमर (सँम) यर हेट्टिस (हैसे कार्यामहत्य) वे कार्य (एमपड़े.) के (इकामान सम ) प्रवेशकंड (अस्त) Co ( (द्यारा ) अक्राम् (यो ( अक्र त तम्म ) लिमामाड (साम करकेटि देखा कर्षेत्रह )॥ रहा। नर् एमारक (महाश्व-ग्रह, गामक श्विमका सावक। 'इयातम र्' नर्ल 'एम आममर्' नवर कर व्य क र उत्राकार को नम्ति । जन त्व उका-र्वट्ले ने ने मेल । बिट्यूप कर्मिन (ता नवर , (०, चन् उत्र अक्रम अर टेंग्रिव क्रम डरं। मान (क्या ) समाम्बाद्य (क्या वर्ष क्यावर्य १कत रेश्रेमा ) काहिकार (क्या काला का के के दे दे दे दे (मार्भ कार्याव कमा हर्मूक र्येटम) मामकाया: (बाह्मकाबा ) वर्षक्रम्मा : (व्युन क्रम्ममन्) मण्डल (अर्था) हार विश्वमनीया-वर्षाक (out and Bongarada [44]) xo नवर-यन्त्रमण्य (क्रि छ नम्त्रव अभक् म्यानक)

लाम् (कार्क) त्य जाक्कात्माकत्य (अकर ३ टिकि तम् ) कर्द : (अवं १ अवंग -**記**者 )112011 नार त्या तः । क्रिमां छ। ह अग्रक हिन काका स्थादका । । प्रकामियो निर्मे निर्मा । भक्त । भक्त । लाहिए नर्यंत्र हिला कर्षेत्र त्यर् :, नार के कि किंगा अरम द हार इसे। लग (लयक्ष ) व्यक्तिमा (व्यक्तिमा)-ति ) अरम्म (स्थिक क्षिक ) न्या ताल. (आड़ी व कि का का ) रे लेंग (रे लाक के क ) देल प्रवाप्त (अमिट ) - प्राम्य-दादिवशीवानि (प्राम्य उदादिश-युग्मर्थर ) स्वरस्थ (मिग्रस्थ ) लाम्मेकार् ( अने कबार्शिहित्स )।। 2811 उठ: (अम्हन ) (को (आंसर उ ची कुके ) राज्यमीकां मान्दिलं (दाज्यानं देका-रिम् (क्रानेट डर्मा) का मान् किंगामी (लारी उ अकाक आग्रम कार्य कार्टि) मेर्टरशुरेकसम्बद्ध (म्रास्थिमेरक्-मत्त्व) डाडु ८ डेडिंड र मनद : (डाड्टेब्स् करने असम कर्मित )॥ २०॥

[ करान ] आक्र का का का हिना देख ( muragais देवरतासी क्यान कामार क्रमहर साना मामान प्रकृत्या हिन्दि वार्रारह नवरक्ष ) आयत (आयत्रव) वक्षः (अकारता ) मार्गः (त्रम अपूर्वनारमे अधि ) राष्ट्रः (न्धरेक [नरं]) असम् हिल्ला (ल्याप्टिक) यम भी (यभी मार्थ मार्थ ) मार्थ का (न्वी गर्था) विषयान (डेअरबम्मन कवित्यन )॥ १७॥ नामिया- वरे ( किंवांकात्म ] नामिया ७ अर्थ्यक्ते ) हित्रमार मा अर्थ कार्य ( [गमाम्य मान्य न मार्थ मा डिट्यान- विवास काम्य करं मादक के करमाधी मामा. हत्यमाविधाएं देलादमक [ वंश देखाएं ] ) भारम (भाटक [अभाक्ता)) म्रामी-म्रामी (म्रामी) ज्या ) भावेतामा विधारितो अपू छार् (भावादाता काबी ब्रियाहित्यम )॥२१॥ मानी-वृद्ध ह (मानीसूत्री उ वृष्य ) अकीटम् ( प्रका मा [ ववर ] ) कूलाबी ( प्रश्री कूल्वण ) प्रार्टका (त्रधारम्बी) अखबर (इत्रेशाहित्तत्),उना (जमत) अमा (मांबाहा) नामां (नामवर जिन्हें) मुख्यं (अष्टक) भीषात् (भीषवत ) धर्माभमात्र (काकाममूद्र) र्थारह (मूर्न्स्यमं अव सम् क्ष्मं कर्ष्याराय )।।राम

में वें ने का भी मिर (मिर्कित में के मानक रित उ त्री ये श्वं वे के भी अधी के भी कि अभी में क के में। वर्षाः (लाउस ) समस्म (समम) मितः (स्व-पुलात ) क्षाः (चारक ) लाशनंद (थर्गा ड्याय र िमर् ) वरे: (मर्भम्म) अमून: मन (अमून ्रेम ) श्मीर (ब्राबेनी एक ) वद्गा धनम् (बक्रन कार्या कार्यिक )। २०।। यून्ती भावका भूषि (धून्ती अ त्वर्भ अर्थ कार्वमा लाइस ) हिल्हारं व (हिल्हिं क्या ग्रें ) भाषा धन्तर (अविवि क्याड कर्ने (सन ; [जन्ना]) नानिज (नानिज) कृकानिक् छार (जीक् के कर्ष क मक्रामिक) बर्मार (बर्माहि) लाक्सर बर्रि ( आक्स्नेव्यक अप्ने कार्स मार्टितन )॥ ००० रिलंगः ( [लव: अवं ] दुन्धानं रावस्तार (राव अप erigin ) Eastin (Easin ) & sa ( min R Ex (2) वरें: (मर्मिक्ते ) के किस्स भावें मार्म हात्रमा-विकरं ) लक्तर (वाण्य्य ) केक (प्रच्य किं। [केह]) ार्ट ( क्षिप् ) न क्रिकार मान् ( न कार्ट आहेटक. लश्चर muller ) main (ma onge mas si) 110211

क्राकि-वर कारता (वाडा क्रवण कार्या ) क्राया ह: (क्रक क्रवण -मत्ती) मार्थका (मार्ज) ही का ( [प्रायं सम्बंप याप राधुंता ] हातं ) कार्य हात्र्री (काळबं क्षाप्र कार्वात mésa) gorgia (grein ny in ) or amoné ( [ Lova ] me men ) onus ( galant erjay ) जिल्ला कि किया ) अका (मका मकता ) कि कुनार (क्लेड्रबलड:) अदान (द्राम्न कर्ने तन )॥ ७२॥ दाशकायारत वृत्य ( अरेक्ल दाभ कायादतन प्रकार दर्श ता ) कियबी (कलरे ) श्रें : (जीकुक) क्रांव (बार्स सुवार ) द्वारातं कास (द्वारात क्ष्मिर आमार्य ममार्यामा अवत्त्र अवात्य । अव् ला की इ उठा (ध्या ना की दिता में यह काम्र बन elen ) an 1800 mx ( muni en , sen. डेछ कानि कवित्यम )।। ७७॥ लाबह (चड्रमत्ता) मृष्य (च्युंग्यात) अत्वाद् राटम (मिन कानी हें संदल मात्र ) माहित (माहित रद्दा कार्यह मिन का दंग का त्या भी काला हा समा हरेता) त्रभावी हिः (भित्र भीत्र त्रावा ) इतः (अशिक्ष) कार्यानाम् (क्राम्य) क्राम्य क्रिया (कार्य किंगा ) इसही (क्रामुख क्रामुख) भग विक् व्याद

( , लामनं थतं, जंस म स्थान कार्न प्रकृत्यम ) ॥ ० ८॥ acin: ([क्रांप ] स्थाना व स्थि किं ) हिन: ( udma ) sidsley ( sid mangy 1 & 25 in) tidage Tes on als ( sienzing Xx on iR 2xx [- 46] ) बहुता कॅलवस्था १ ( चिक्लिंस सम्मान) गर्मम् उ केस प वार् महिं ) वनं मात्र (व्यक्त सम्माप्तं) वदाविद (बाक्यमूक [हार्विखनास्त्र])॥७०॥ छमा (छ अर ) अर्थ: (अकाम ) भूरके सकारक मार्कका-हर्ल (अकंभा नामीधूभी अ कुमारक विकास कार्य त देखां ) देहतू: (बामितम ), अमाहिलाजान् लाका करार (कामना देकरण क्षेत्र में बाक्स हा :) यह । क्रम विकासिक (प्रभाषक मिन्द्र कार्य व्यावं भारे )।। ७७॥ लिक्च ] धमं : लम अवागमं : या (यम य अवागमं माराई इंद्रक मा (कम रिविवर्त ]) हरता: चव (पूरे कार करे ) प्राधार कासार (भामा भूव रहेक), रावं: (रावं) मैबर्गाः (दुक्रानंवं) प्राकृ कर (कल्लेड काम्क), अतः (अत्याम) एड अवद्वाः ( मुड्डमी जा वान्स रहे के )11 0911

दरंत्रायु मार ([लपडे वं] मीक किवं बनंता व च्ये क्य के अभी अप एक अप कार्य में किए ( क्वेंश्वरं ) छि ( रीवक्यांस ) भाष्यांश (त्यांश्वां थरं) मादि (मिर् ) नाहित: ([प्रध्वं मरप्वं] लामका कार्नमा ) बद् : (सर्व मण्य ) कार्यात्म कार्त्त-(लर्षिक लात ) अरुषी: श्रामन्त्रं (आला श्रामम कर्त्रंग) 1: 1200 1200 (consulta ar minuta ar,) है। हुकेर (चर्ड शन्ता ) हिला: (दुन्दां )यादी: (अल्ला अस्य ) व्यक्त अमंद (यवस कार्नेन त्याप्ता) ७९ (जिल्ला) जेंग्रास्त ) बकु ९ (बक्षात कर्मचान करा) देपापासीतार (अधीलने छेप्ट्याल करनेता) एवर (द्रायं मार्ड) में मराय थाया: व्यामी (वेसे प 12 3-01/20 22 m)11 60 - 6011 [ क्रिय ] मेम: (त्री के क ) ममार (त्री बाह्य (क ) का त्रवृदे (बार्यायत), अस (अरेकाल) प्राक्रियत (अर्थी-हासमाय )किस: (वियाद ) हायर (इसं, [व्यव वव]) नार्: किन्ने (नान् क्षाप्र अकें ) क्रमार्नः (आमानं १९४. मर्जेड (क राज कार्ना) राजेंग्रेटरं अववृत्त (द्रामांगर में क्रिक्री का वर्ष रहेक)।। 8011

Bin. Hin an ( cornia an oursis ) Ime a och. (on w. Smusy) testis as (tinking) dinacing (धरे अंधरेर [ार्ड्स द्रुर्त]) छे कि (छेवस्थारं) दे अ च ब ( सम्पूर् ) रामा : र्रो : (राम इने ) ' वर (श्याद्य) १ हे अवं : (क (श्याद्वाद राम ) यथा : (भम " [ova]) igam: af (lean tin Erilg) " Cod (अ दलाहि प्रारमंब भटकी) अवासकाः (वामकतामक मार्थं आहित ) समाः (भम हानिति मार्थं सर-ट्याट्ल प्राकत्यर ) अक (माहि दाम ) वय (लाभाम) थन्ताः कार (थंगरानेक [नवर]) लाए (त (लण (म) भक्क विश्वमा: (में किरी विश्वम पाम ), ए प्रम (2151 mma [244154] ) @ 42 (2g4) 1182-8511 बर्म मार्ट (क्रीडाय म्य दर्दन) दम्ह वटांग: डि (munch के द कर मंच साक्ष ) ब दंग माड ([त्य काप्रावं व] यतं रहंत्य ) वरमर्द्भाः व्यक्तः ([विध्वा ] मार्मं यमप्रमेशक लक्ष्मं [विष्टिंत]) - माम्भर्भारति (मारम्य प्रभाव ) व्यवनित (व्यवभाष्त्र) अ मूर) हार् (अर्ग कर्म्स्या), रेकि (वर्षक्ष) ग्रर: (अरे) विदिछ : (अर्बी रूष इरेन )।। 8011

लव: (लप्रदेवं ) लाम. धार्यकामि दि (म्यंका लक्ष ट्रमम् कार्बट्य ) मेलाग्यः (मन्तरक्रम) मानः (this) mad ( directed 5xxx) " xxx: ([axx] वजीयन ) ब्राहिनः (इस्मरकारंग) सरमः (शामीत लालितन व्यान् ) प्रः (अकृष्ण) विवर्तः देव (विश्वतियं गामं) बार् कार (स्त्रीं सम्बन्ध मामित्य )॥ १८॥ 22 (purus ) 4544: ( 1-(2 413 (11544)) रक्षः (इकः) ' कर्त्वा (इस्र हरं) ' वक्राव्र द्वा (वक्र व लक्षं ) मिल् (मन्माय [नक्]) में मर (मेंस) निहार्त (न रं) मेल लक्ष्मार्थ (मेल लक्ष्म) (व (वामाव) छ दर्जाति (CAR CAR दम वर्ज €) एउउ ( 122 र 4 4 4 ) 11 8 GII मर्ग (जीमाचा) क्रमजार पात्र (क्रमजात्म मानित्र) बाडिटक कूंक्यालेक (र अजारमान कूक्राटा!). या नियानि धाना असंतिन ([ज्रिमे ] आमान्तर्म । विष र्देश मारि अभेटम ) अरुवातः भारतं के (निर्ग Cr (एवं एक कार्य) मालनं (कार्य कवं) 118011 पान्त (क्यात ) द्वानित (मिक्क) व्याम । मार्ड (व्यम. (अअरे कब्रित ) हुण् अक्रम्थः (नव-मन्छक)

ein: (tin ) onded (nongo 2xx) " car (cuz. (50 ) one no mis 600 ( m) so one and 2414 डाशास्त )क्तवत्री (क्त्राका)क्ताम (वामानन)॥ ४१० (र मीक् के! ] हर (ज्रामि) कममाम (रमान क्रमार्न) थरं प्यत्म (बरमं प्रमासाद्यम्) केंद्र महिवारं : (पक्त मन्त्रा,)लागाः (चय स्मिश्यं ) मनम्मा-कटलासर (मम्मप्तन ता प्रमास) म्याहर प्रवाभ : (७७, मूभ), हुनभू तन नमारे (हुन ६५ ७ नमारे) केल्यर (अर्थ) ममाचीर (ममरि ध्यंति )रेर (अभारत) अभीतार (प्रथीमार्तक) पूच्छ: (प्रभाष ) आड (नी प्रदे) मास्टिंग ( प्रथ वाक्ने मिका ) कारवं (कार्यम् क्रं ) 118411 लामिन (नामेन ) आद (बालियन ), दरव (कीर्य!) Manie (3) = = = [ Ale ] ) 24 (colone) my प्तम (ट्रा प्रमिष्ट ) अन्ति (अने ) त्योन्तर र्रात (केस अवानं काम्र क्रीन एम काम् क्रान्य कार्नेगार्टन), जानि (अरे पम अनेरे) अप्रवः (अअभवः) अमा: (अहे कूलमवा इदेर्ड) मार्वरवर्त (गुश लक्षेत्रा मा ) कार्य (यर ५ क्षे)॥ ८०॥ (को की (क् पत्रण) अविषेष (बारितन [ता = १२०!])

स्मा (काम) नान (स्मे प्यारे कने) मानेशंमक-भावत्य (पात्रवाव बाह्मधात ) ईवाध (म्यास्त्र withing "[dig]) arous (con som of a sala) wang (अर्थ कर ), रेडि (रेश्र ठार्मश ) मः (अक्रिक) ० के विराम्भः अहर (माम्हान मण्डमान वम छेता अ इमे (जम )।। ७०॥ त्या (वर्वाट्य ) देवता (त्युवंत्वा ) मेल वासक ( मेल कारक ,) द्राह (यह बालता ने कामा (यह से व बार्या० रामुक ) लाक र (जाना) त्याम मह (क्या प यांते ग्रे-हि(यर ) य: (कार्डका) वड ममा लाखा (carris mer aver, ) \$ 10 g Be ( 7 \$ 1 yin Longed , sind लकार्क, या बामारक कामि इत मा - चर् लाजी प्रिमानत्म श्रिक काश्रक मत्र मीबाद्य द्रियावें कार्यंत कारणा क वा धना छ ह ब्रुटा म ध्यम् प्राचित्र त्ये देश छात्र-वित्रकः ( एत लाट्या, धानुना ) श्राममात्रामे मः तार्यते (मारामा विव हि क्यें मार्मा (माराय)। ६३।। नामुका ([क्या ] मामुका ) विसंभी (विमंग्र इंद्रांक) (क्यून-क्ष्यू (क्यूम्बा व मिक्का क ) वाहर्मांत ( डर्मना किंग्ल मानित्तन, [अमउन ]) क्ष:

(व्यक्त) मिनार् (मिनाकारक) आप (कानत्त्र) न नान्तर विवासि (शक्तिके विश्व ) एम अस्ति ( Brot i anx x hei ) 2 i ( [ d 18 x ] 25 x y 2 2 ) 11 651 इंटि (नर् अपमा) निम्मूमर (मिलम् म्म) धमाः (जी श्रमिष्) अउद्दर्भ (अ अक्स धर्म) मिर्मिष् १ (अग्रेश कार्यवाण अत्र ) हलत् विष्ट् (हक्त र्रेत (अरे जिन्नारक) अर्गूरावा (क्रिक्नाम (वक्रमम्मा), आडक्रिक् : (आडक्रिक कडमी-में का )' लाम दिएक: (कामें दिलास्त्र) [मायासा]) छर्भम्डी (छर्ममा कार्न्स)। भिन-क्रिविमिन् (राम) ७ (का प्रमारकार्त ) करा ७)१९ (कर्ममाम क्षाना) वान्मही (वाय्रे कार्ष कर्षा ) उभा (उनश्राय) इसि (इसि ) माजानी (विद्वात कार्न भारितान)।। एक।। लंबर (लंब्स्ल ) छात (छेक्स्रीय ) बिर्मात (हामरा आकर्म) मरमा (मरमा) मृभूकी: भावका (मुक्राची-तामी भारता) जामन (भकार कामिया ) (लाकार (लाक इत्रेड ) भा करिया ( त्ये थाद्रमा ) ला पवा (लाम्नेनाट ), द्राष्ट्र (तं स्का) लाहरक्षे (मर्यम्हित )॥ ६८॥

वर काका (बाधा कार्य कार्क में) समाम (किस किस usy a mos ) ingentised ( Thinge a zylan ) काला (बाव रम्मा) श्यात्व (विभारम्त) मर्माय. अर्थन ) नियु (कार्य) विभिन्न १व (विभिन्न जारकर ) नी पुर (प्रवत ) कृत्यु नमा किने क्ष्यु र ( क् त्यूनवं नामक क् एक ) जामर्ल (हेमार्ड इरेट्यम )।। ००। क्लिक्डा (कूलना) कुक: (जीकुक्ट्म) आज (डेक क्कू प्राची) म्तामिष: (कार्यमा दिसन (आक)) यहा (भ्रांक्य) मित्रान्धं ( भित्रान्ति व ) लागत (मध्य करित्य ), वायर (जभवरे ) कृष्म (करिया) वयः कामका (टममात कामिना) के स्वास्थान (कुन्द्र ना क्ष्माप (कार्य का )॥ २०॥ विज्ञातात् (वक्ष ) वित्रधः कथर् (वित्रद्धं व कावत कि १), भा (कू भवन ) अर् (अंत्रास्क) धार (रामित्रत ) अकः धामे वहेः (अकरि द्राभाने-वातका ) त नजुर्ड (भाउमा भारेरवरहता), टम्पर्क: (मॅबब्राम्प) कत्म (कार्क: शारम्प) प्रमंद्री. ए तीका: (अप्रादिमाक नियम्ने कार्क्ण नर्मा 14 miles ) 11 & 911

क्षीतर्भानिशः (तर्भयुति । निष्ठ) विकामादि : (डिन्सलम्सासक) मः नकः (टम नक्षि)सम्बेः यह: (राम न रामन्यायक) लामक: (यमारम ल्पार्याटड्ड) भ : ( खाद्र ) र्मेन् केंग्रां (र्मन् केंग्रां) डिस्मे : (त्रिमिस्ने) ।। ८४॥ कार्यकदार (कार्यक दार ) मार् अक्षावंगव : (द्यमकावंत्रंक) रेक्स (मार्किक) मिता (जारमनात्रमाद्व ) धार्म (त्मने ब्रामने बातक) प्र- पर्द-नम्मः (वर्षामान भार्ष) कार्षेष्ठ ए (धार्वरे -कर्ण) मार्ट् (साम महित्र) लामाय: (लाममा. (EA) 11 @ 211 यः (लासार्व) मान्यार (मान्यायमहः) लागाउ उर (जिन का मिष्ठ का ब्रह्म कवित्न) क्यर्क्ट्रोलंबा (mund कर्षाता [ र्यु हेर् ए ] ) के ह : (के ह ह) पर्म मन्तः ( मर्ममन ) भार्य (भाष ) ए (धायमान) ल्याप् ज्ञानम्म (लास सम्म कंत्रमं द्रिशाक]) न्द्रायम् (तिथिषं कित्रंगादिन)॥ ७०॥ रका (करिया) धार (क्यित्वत्र), धारमे (त्यरे राजें विस्तापक) में त्यह (क्त्रमं व्याह्य )

ना (क्षान ) व्याप्त (गिरियत ), मः (छिति) व्याप यह (-2 आरम्रे ) वन् मीभाष (बरम् CMICEL द्याभीटण्ड्य ), जर्भादि ([र्का विश्वत्र] वादान (22g- m3) nded ourin (nd Nazarajin our [इस्रवा वितित्तन] )-वश्वः (देति) वर अरेतः (musia asyx) 4 ming (owysocette )110211 जिल्ला रामे त्यार ने अक: ८०९ (जिरि भिन अका)र का भारि (मा लारमर कार्य र्द्राय ) श्रीकृत्य (श्री क्रांक मार्ट | जूलि ] ) col ट्यो अ (उत्तरारम् प्रते कररणते) कृतिमाक्षेत्र (अहत्रमाक्षत्रामः) मामक्षात्र र त्यानार (मेरिक, करे किशिक) तस्री के की (कश्वरक शक्तं) \$2 (7 24 (2) out in (22 in outed) 110511 वृक्षमा (बार्डमा) आरम् जिल (पूरे विकास कार्यस) (२ (१.४४ का ९ करने) प्रत्य (माइना) समर्व मान्त्रे (वर्ष् मलात्यम् भार्ष ) क्रमारवमर् (अम्मनेरवम-क्षात्री) अवस्तिमः (स्वरकात्रम्क) कृषः (वीर्काक) मूत्रीया (आकं मर्मा ) 5.00 (x&4) MULLO ([4M14 1246] अशासम्म कार्तित )। ७७॥

वृद्धां (करियाकर्क) मार्यकः (समानिक द्रेमा) कृतः (अक्ति) छार् (छात्रास्क ) व्यानिया (वामीकाः -कार्ग ) धानकम् १ (धानक वान कित्तन वि 1 (2 1] ) (a (sains) 20: (22) cultur (अलेड ट्याइपड व्यक्ताना [चरर]) वैसा (में वर्ष) त्रविकातात्रिका वास (भवस्कात्रम्का इक्क)॥६४॥ केक: (महिक) क्याबटि (में माव लाकटि ) लवर्त (राभट्य प ) " (०. (०। स्पर्व ) बस्वा: (वर्व व ) यस ि वम (नाम कि वस ), बुक्स (किरिया) राक्तरेषि देखः ( काक्त 'अक्ष अमित ) अरभे (क्रीरेक) सश्मदेशां कं (लामश्री मंडकार्य) वार प्रर (किया कानियम)॥ ७०॥ मध्याः (म्प्रानं ) भारती वर् (प्रवीखनं कथा ) ज्ञात्व (इ अंसर्वा)) स्थात्व (श्रिक्ट क्ष्यंगार ) इंगर (र्ग्य) आ अन्यत् (पार अन्यत् १) म्प नवर ([aui] (uz इस्त ) मर्से का (मर्स विकास (हिस्से ]) विं (वि.स.) हमा (हमा) " कृति (तस्त ) दुस्त (यास्थं ) लास (लापड्रें ) असी (भीवादारक) लाजकी (अस्टिन)।।७७।।

लर्टि ( भाग रेव र मम् भाष् भाष्ट्र से अर्थित दियारे । عير (الحين ) و مدغدين (مغام تعيد ) مع (ماء عد) פואלסצישינסן. (את גענתם של אבותנם) מול (कारणाडक [ वेडवंग्रहत साम ]) रेप (बनंप कनं ) न For ( 41- is) Car (ourses ) somet & ( sol- menten TEX " [mana] ) & Com: ( & marin ) and wang. (munia my ergin ) ag. (ang. करे। पर लान- लार्बर लम्दे क स्पार्ट माना. लाईक ग्राकुटक , कत्र, लाम्पर जिला क्वांद्रिया " ed, orand Eng Esta Rend a TOOD, - RIMA क्षानिक के क्षान कार्य , कार्य के कार्य के कार्य के कार्य र कि कामने क स्थापं कामर स्थापन सामनं smell cend, make munice" ( 17, ought عنا عن ا را به سال المل + خ + به سال ] क्रिक्ट का - मनाम् जात १ वे - क नार्थं , क्री मात्र , - क्राम्द्रमा सात्र देश तर् , - त्राम्प्रक , के द्या: , - के मार्थे की की मार्थ कि का मार्थ 2 (sin 1 de , oure en 24, 1) 119 111 [ववंगमत ] यममञ्चर्वर्तमान् (यमाठवं

200

राम्यक् पात्रमात्री ) काष्ट्रिक क्षं (वित्रम. ए। इस का वाय के प्रका [नक्]) निष्टं (विस्थ ) Boangayó (Bampuna ) Ra36 (munula ) d'inspain (dinspaired) siy (वन्त्र अर्वाताह । प्रदे वार् - यात्राव त्यात्र वास्त्र यास र्माठक सम्मक्षे मिन जाहिति, जार्ष ने अन्त वं सत्त के प्रत्ये तक , कार्य (कार्य) काहाधार ' अहि 'कार्य मुना रंग सक्य न विश्व-मार्ट्र के क्रिक विकास मार्टा में ट्राइ क्रायमित ्वेवं: , काम्पर सम्माला । इतिक मा, काम्पर सम्म-व्यक्ति वर्ष करते ।। = ति।। न्त्राम्याव (।रात्र मीक्षित्र,) विवर्षाः-प्रवास (। यात्र अवस वाक्षकारम्व गामक), ल्लाय का स्ट्र (शित आहः व आमंद्रमान ल्यान व्यक्तामक ) अभित्रव अप (धिनि भाम कक्षतिनीमर्भन कक्षों) न श्रून : प्राष्ट (मस्ति वकामास्त्र ) कर्म (चर्) विचारं यस: (अर्रायदक यसकार । और लाय-गिनि इ छात्रात् अभीर मिन कारि मार्जी,

गिति क्षा अभूर कथ्न अधि कथ्न मिन करा; काम्पर हैं। रामके بالمناه المالا ملوسة مكفس المايار लागुरी उत्तरा भार्ष डकी, मेंड : यह, कामर यसे अवत् चर् छियाक मिन्न कर्ड )।। वर्ग। वर (वास ) कार्यम (न द्र) सास्त्र (संस माना) वियान (विकारक) आमोरानुन (आम) सर्वि 9-00 14 ( 100 00 ) mole ( 700 थ्या ल्यात्या ) असम् (असम् भव ) अस (गहाटक) टामुंबार क्ष : (प्युवंशा है र्रेग् मिर लाग - भीवन भय मीकिक) (a (धारान) यम: (यमा-हेट डड्रांग ) रामत्तर: (कड्रान्ट-तिवा ' लक्ष्यद्वं कामर्भमधवा ) मार (इवेट्यम )॥ 90॥ लच (नर् लेशास्त्र) सर्माण्यः (सर्माण्यः) ला अवर (मिंडेंडें) अप्र- अहर (अहि- सक् ) अमात. (मात श्वाहित्यम ) जाम (लयद्वे) Land Lying (Lou xous Exts) 2: (धर्मेसम्प्र ) शकार (जीनाकारक) दे-अमितिमा (डेमरम्म कविट्यत) ॥ १३॥

भारत (८४ स्थित ।) वर (यात ) त्यालात : न्या में ब्रेड हर ( , प्या, का मूर्व क्षित्र में दिन , व्यक्ति लम्बे लामक मेत्रावकं 'लम्बेरकं मान्माक्राह न्युरिक्षं मळ् वेंद्र्यं थेंगे) ट्या-मर्नेस्रं ( त्याक्य मर्नारं मर्नाष्ट्रं द त्यात्य), काम्द्रदं -राज्य न विष्य अमी अने दिलात्न)) विद्या (वद) मद्याह्यां (माधकत्य लक्ष्युत्व - लक्ष्यु डिक्काबुडिस ) थ्रिश-पावहिं (थ्रिश-व्ये अर्थर ) लिस्टितं - द्राच्नेत्रकंत्र) साक्ष्रिक द्राक्ट. केशना (यदिया ) राक्षमातिय (राक्षमा केटला) (राक्षमा स्था अव )। विट्रा (चवर)) इमस्कर् (<u>मिल्ल महत्त्रता)</u> राक्तम् मुख्यें ने नंद्र (न्युवं क्षत्र अपूर्में कुट्र ) त्या (त्यु भडका ) लास (अमेम हारम) गार (मासम कर्वाय) स्पत्यः (म्याकः) (भावः (भराभवतः) कर (बरियारक) कार (श्रायत्यत्र)॥१७॥ नकार- किया: (ब्रिक नक्षिक- एक.) रहें (जासका ) लाग्रस्ववाटमवर (लाग्रस्वकां. Tarme ) & our: ( con y every " [ord] )

क्षेत्रक : बहु : कार्ट (त्यात ने में के कि के मान्यामक राम्य ) ल्यार्यम्य (ल्या र्यु के ल्यार्ड) म लाममा ( क्यू कर्ममा ) 11 4811 [ लाहा ] मन्त्रिकाः (मन्द्रिक निका) कार्याः . याने का सिक्ट (क्याडिक व माने क्यार BUNN ON DE [346] ) XER: ON H (XQP-23, ) To anyle: Lawe: (cumura-उभक्तम्मारमं मार्ड ) मार्ड: (मिल्रि) CA (OLLELE) DEL CIENT (93 x 24 72) 116 611 रकामंड ([अप्रवं] खादुया ) त्मान्याः (क्रम्यवान) कर्तलामां (कार्त कार्त कार्ति) भा (कू कता ) शहिए (अक्करक) अववीर (कालात), कुका (वर् कुका) है। (काल्यानं प्रकार,) माहित ( मान्या कार्यावटिय ता [ourong] ) वर्षाः (वर् मीर्गमानं ) कवर कीका. (इस अबीमा कार्मा) मन वर (इ मन रम्य)॥ १७॥ राहे: (जीकुक) जार (क्रम्यारक) व्यार (कार्याय), लामाकर (लामार्थन मरमः) प्रमाम करम्प्यरं (ब्राप्त) व एकंदर्भन ) र कार्य (कर्क रात्र) , कमाम (उथाम) व: (लामाद्व ) भीका वल: (भीविमाव:) द्वव: (र्व रेश्टा) मन्त्राम् (रम्प कर्नेट्यार )।। ववं।।

विद्यात (क्रामुक्) लामाः मास्याः (च क्र मास्यां ) अर्थ (manus) ner (ourse ) Hi: (noten) muin (जम्मानेव करं ) 'क्यूमरेत (कॅस्प्रका ) बमा केरव (वार्य कार्त्त ) मः (वीर्क) कम्मान्य-भूतकाविष्टः लर्ट (काम लक्त व में प्रकार के र्य ने निहित्यर) 119011 िश्रि ] विभारंत्य (विधानं यांत्रा ) लाळाळ्यू ६ (प्रिक. वर्ष) क्राक्टामी (स्थुवंत्र श्रूष्ण) क्राय् (मिनितन), रेम् हैं लहा (र्या का का मां का महा (म) कामा: (र्यान ) भारि (ए भक्त ) अडाहिशानि (अडाहिश اغىقىنىددى]) ، بم: (٩١٥ ) ئېند (١٤٤) ئېند 116611 ( 1,8 Fylde & Surum) Sur 112 (६८ (ग्रह ) कम्पः (दूराव ) कमरदेखः (लामसर हिन् [डमं 'खाव]) रमंड (लामस) भीत्र-अस्ति : मा : (आम् अ-रिप्रामानि आनी दर्य) , भन (ट्यमात्त्र) लम्मा: ।म्हाड: (यान क्रवरात्र करवंत्र), लान नव (त्ममारात्र) ममस्ति (मस्ति मार्व) भविभागत् (भक्त धकान् भ्रमे त्रिष्ठवन् )॥४०॥ ( (कालावं ) र्रेट्स: (प्रें क्वं ) गाम १ ए डें स्पर् (गाल कि वय ) रेडि देड गा (नस्तमम महित्र)

रेस्ते (थिद्वा ) त्यामि (में क्षं कत ) द्राहर् (शाया ) डांबं : (क्यारक) मप्रातंत्र (मप्रमार्विक ) लाश्रिश्यात: (लाक्ष्मां विकास समाय कार्व ) बार् लाउ (मरियादक बार्यित )। ५०॥ र्टिश (८४ रेट्स;) (० (कामान ) व्यतामान (प्रावं धार्रः मधाम ) वर्षः (धराक) विभाः (विम ) वव्हि (वद्यान क्षेत्र गाहर '[क्षे ])क्रमा: (नह ) आकृता: (अवत्रेश कर्ताक) कतात्वन (अकारन) कि (अभन्त विमें) के हिर (क्राम ) र अडवार्ड (मिन रम अकाम करनेट भारत्रा)॥४२॥ रिया (याद्या ) वर क्रेरी (बारा क्रान्त्र) लारामुका (लायसमप्रकाटन ) कमा (मिक्रिके ) भू कड: (प्रभूरभ ) अमृलार् काविका- कृष्ट्र प्रिकार् (त्या का कार्य करिया चे के के की मं कार्ड ) आ खें का खर्मां पदार (भाविकाशकस्य क्षेत्र श्वित )।। ५ १।। व्यवत (चर् समर्ति) में द्या: नवा (भें त्य व्याप्तां) वार् (वानित्यत), विकासम् (०-विकासम् !) डाई: (म्याक्रिक) अनं: ८०४ - म्यारीयाई (रे. १८ ८०४ व रूप के विषं ) त्वाश्यांत (त्वाश्य वं श्या)

Marie (COLMICHA GASHA) ARANGO (ARAN विविष्टित )। १-811 चित्रिक वास्त्रम - लगाम ] विटमक बार्सित (बाम्पन -राभी कार्य के कार्य ) म कार्य (कार्य कार्यमा [18 (maa:]) unysa. (my Hyda 2421 [anmer]) मिराहिण: ह कामी (मिमद्भेय कर्मिगारहन [कामि]) नी पर (नी यूरे ) भागि (टमआस मरेटिहि), वर्षानेत (व पर्मान !) पुर् (क्रिम) देन त्यार 5517 ([33] GICAN DIY 44 )11 POL भर्दः (अर्थकात ) आर (शनित्तत ), रूपक (दर रूपक!) माश्चिमहत्र- माक्रिकार टराई ([onenes] माश्चारतम मार्किन माड) अन्याम (विभार) करियाड) यान्तः (तिम वान्ती इक्टन) अर्थानिकार् वाक्षा (अप्रअंत्रेमिक अपिता ) वट्ना (वर्षाण्यात्य) धार (पात कार्यत्वत )। एए। यः वर् : (धर्माण्य ) वार् भाषा (त्ररे क्राण्यंतीयक पालिया भार्तमा ) इन्छे: अत् (प्रसुषे रूपेमा ) मेर: (याववाव ) कटमान्ड बार्में (कटमान् क्रमंड मानारेट मानारेट ) पकत्न (पकत्न) दोरवपाः

वंदूर्ग (टोरम्भावकात सूर्यक ) छार् (मरियाम ) धमर्भन (अमर्भम्य काटन ) यम् (म्डा कर्म्ड प्रमास्त्र ) ॥ मन्।। महमन्तः (सर्भागतः) ब्रह्मान्यः (सर्भागः सार्यायमार्क ) केकः (मिक्किरक )यमार (राम्यम) टिंग (ट्राष्ट्र) साम्पुम्पि (राम्पुमं वर्ष्) वर्षिद्वाव (राष्ट्र पा अव्या ) बदर्जिया (बद र्जिस क्षा ) ॥ १००॥ ०८ (०० ० व ) के लगा (एमा करतेंगा) क्रंबर (एम्पूर्य नरे कर्य ) गूराने (अर्ने कर ), त्वर (अह ) त्व (रामान ) जारामित (जाराम) भागी: त (त्यात प्रामानत या देत उट्टा मः लाई (राक्ष्मानं च द लाम) विटाडाः स्वाहः कत्षार्छ (अभनेमनेस्क दान कांब्र व [रेसार ]) ब्रिका: (ब्रक्ता ब्रीम ७) अधर छात्रिका (अवन वर्षाय)।। ५०।। [अन्छनं सर्वस्थेल ] असूना (अीकृरकनं) स्र: (बाइश्वाद ) मित्रिक : लाम (सिराय गाइ ३) , दरंग मीरेव: (out र्या म्या मार्ग कार्य कार्य ) ' (a (cours ) Chra: र (corr cour रहे (बना) रहे हरूर (चड्र श्रामंग, ) इमर (इएमूट इएमूट)

(क एक संस्थित ( क्यिकाका ! (अद अप्तर्में क्षेत्रक हैंगे) माकर्य (मुख्ये लकर्य) बद्द्य (लाक्ष्य कार्यप्य )॥ १०॥ [ WASE ] करिया (करिया) कृष्ट् (भीकृष्ट् ) जामद (वाजित्यत ), बर्टा (रश विश्वणासक!) एवान् (धाणान ) RE (purus ) RIMA: (RIMAMA: ) NEL 74 (NANY) Curso ( curso) ouring (ourters) 'ou (any) यमं (ल्यास ) ल्यातः (नवं बहुन ) चं ब्रिक्ट (मंग्र-ने भा सक्तात (पंच कर) [कानमाद्य] ) वकः हैवः कार् (अ द्वार्य कर्ल वर्ष कार्यम कार्यावह विराम ) (क (धालकाटक) इति (अहत) मामिने र (कार्किने ) मकामि (पात कविच )॥ २०॥ देखि देखा (नवंसक बाम्स ) मा (टम्प) बाद्या (निरंग) इसे (इसे हिंड) धार्निन् (भूर्य तम) टर्भ हिलो ह ( अबर त्ये हिम्मूमन के) नवर (अनेग्र कार्नमा) भार (निकास) कुलार्यर (कुलार्य) यमस्या (स्य करवेग )जाहः (अनिक्षा अक्षि मार्ड ) लायमं (अंद्राहताम ) धायुवा (कर्राप्र कार्य (वर )॥ मेरे। मील ([जरकारन ] त्रेम छा ) काका (क्रीकाका)

म्प्रह्म (रामुक रामुक) लर्गां (क्रम्मां पास्त्र) प्राथित (पात्रका के महित ) प्राथम कर त्यत्र (लागात्म के ह्ल ) भूष: (वाव वाव ) मरभा (मरभा ) श्रीवार विवर्ते (त्रीय अवावद्यक्ष्य ) श्रामान्वम् प्रमा (कट्राम, अतिसे अ विकेद का का का विवाद : (का करक्र) र केरडी - आवं मर (र्वे म क स ध्यं सर्वे ) खिडाडी aun. (लाम कार्यात ) विश्वित्म काराम (विश्वितार्य कर्यत आहे )॥ भणा ध्याः ( अते ) मूक्तवः (भूमनी जीनाकान ) भा उत्तरक-भटी (त्यक्ष त्यं पूर्व भटी) इत्यं नामेष - तीला-। मेक पूरेकाः अमूर्यर ( अम्नाम्य में माक्स । मेक पूक-वाल हाडा वार् मूर्त हरेगा [म्टर् ]) प्रश्रीमा (प्रश्रीमार्ग ) नग्रव्याद (रम्दाव की ि) कार्याद (विकास कार्ये कार्ये आ (बारा) का छ (भी भूते ) विवय विविधि विविध । विवय -दिता विवर् [नक्]) क्वंभं कासा लासा ( विवंस हर्मा ) ध्यमप्रके दिन वर्ष वर्ष ( = [स्थामस्वं] (तटाव ब्रहाभक्तक ररेपारिक)॥ १८॥ काश्रीयान्त्रेम्भेत्रः (त्रिंग्वमानं मनंसम ह छ कियान मर्मार्स डेर्प्स ), मिलार्बन अड:

(पुरम्पट्मत्रमाड ) रेकः (म्डकः ) विक्रमास्मामरं ( विवरंशन रिल्बं द्रस्टमं ) सिनंत्रं (स्वत्यकानं रहनंत्र) अनीर (अनेकाम अटके के) अगः देव धाडवर (ट्या लाग्यंत हर्गाहरात्र )॥ भवत लार (लायक्ष ) सः (शित्र ) मामान्यारं मार्यवः (मंत्रय व मर्मिनं तिन अर्घ ) विवन : (विवन किए ) अम्मीन धानार (विक अरहवंगतिव विकटि नयन कवित्यन), ( (अरे यर हव भने [ क्यत ] ) इसे : (इसे हि एक) लाउत्मार्ष्यां (त न्याम नीम क्यम मेर्ट्य , पर्माल ) उर् (द्वाकारक) ध्यामिनं हः (क्यामिनं म कर्नाड कर्नाड) धाक्यत् ([अक्ष] वार्त्यमाहित्यत्र)॥ गढा। विद्वालामिहिकूम् (द्वामान विस्मम्सम अक्षम) धात्रमान् (धाक्रमानिमाक ) दिश्वा (छात्र कार्न्म ) भटनठ: वड (शिल्यं प्राप्त क्षिमानं) माश्या (क्षिपंत्राप्) गाक्ते : दीनिहिं : न: (गाक्नणमा अ दीनिहें ल्या अंत के देवन लाक मार्ट (स्म द हाटन के क्रिया हियात [183]) जिमेश (१ (जिमेशमा;) है। बाह लाइ दं नियासका ([तामका] तामक तासकाप मनायक देलका राकुल ) यर (त्यार्क) व ( विशे ) मन्मू कामा: (अम्मिस्कार कार्य है शक्त कार्यमार ) , एवर (अम्बर्ट ) Miss Camayaras : 734 ([couris ] organic and (मक्षात्रकार ) सावर (लक्षत दम्टाह )॥ ११॥

## Useful Factors

## ROUTINE

Days	let. Hour	3nd. Hour	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday		3					
Priday							
Saturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** '

-ববীশ্রনাপ



म् विश्वम्य न्याम् STAT 3 BAYEM Cekha 20 men marches 20 pt meric - 20 Out of 19 Khatas Khatano. - 16 मः लगंड बानायमम्बद्धाः (म्यानावं समस्व न्या के एक वं त्या में मार्थि ) " मी व तक्या स्पाया -भीभूजाकि: (कार्ने भून अक्राक्तीनापृष्मपुक ) भरात मेश्यार: लक्षांबं: (हिमाय मेंबबसार त लाह-पूर्व प्रमुक्ताभरे) विसम्बि (त्याका भारे (वट्ट) न as an eins ([128] \$ x1 x oums Cyem) no (८४), रेर विनम ह - जीनक्षान कक्षावाना नीना (चर् श्रामण्डमप्त में ब्रियामका य क्यापार संस-(सामाध-कर्ष के आरंग बाळोशियां नामुक) करें अपन्यत काल (९० मुम्पर्में कमर्गेर कार्ड में र क्षात ) कर्म हं सार (क्षामिक क्रममीय व्यामात ) लाक्षे अर (अर्थ- क्रांबनाटि)।। १०। म्मिक्स अवाव विय-स्वेत-म्मिन स्वाम्य ( मारा म्या क्रिक्श दिवं आर अस मार्मिं स्मंबद्धांत. My aux & a Cunaray Da & a Crais mitter. मत्रवस्त्र ), व्यक्तिमार्गामकामकार्था । प्रिष्ट ( sign X su Da By and water counting on the द्रमासमा कार्यगाहित ) व व्याची प्रमानं गाव (स्थाय भ्रविधामान्य ममात्रे प्रमाय देरेव

जिनम्भक्षात्याकर्त्य-काताराई (म्प्रि क्रिनेकरमं (र्दार माम्से) मंमालाई बंगोद्यमाई (सात क इस्रीम (बलाविमामपूर्वक) मिन्यमें कृष्ट (मिन क्षितिताचे थरा) के क्षेत्रात्माल दावाई (पाम केल क्रेनरावं असे क विनाटर न न दंसे में मी के का (म्यांबाहात्य निवरं मित्र ])लामवार रे (लमवा में बार्ड) सह त्रिवृद्यः वप्टेणः (त्रित् ७ वप्यानाने व भारेक) चित्र कार्य हासुक्ट (चायतं लाह्रसाल माचा कार्यमा) जीवाका त्याक ए छ १ (जीवाका व पर्ता मार्ष् छ इर्मा) । सर्वे ये आहा प्रवर् (क्या प्रमास कार्य करिए क्षेत्रात् मार्ड मिलिड [नबर ]) मापृष्टेर (यार्वानेकर्क यामारिकाना मार्थित रम्पाट्य न अर्मल ) अक्रिक हे ( अर्थिक कि [aura]) भावामि (भावते कवि )॥ ।।। धम (धनहर )धमुकात्रः (कमनवदन ) श्वः (बीक्क) दम मुन्नी-रवर्ने वीना-अवीतः (अवः मुन्दे , टन्त् अ की ने कारपा मानियूरे ), व्याधित्रीतातातात्रे: ( [अवह]माताविक श्रीताभ लालभागुक ) प्रामिष्ठ:

(वंग्रामनेकर्क ) क्या ममंद (कर्मम ममंदर् ) मनाद (व्यापार ) यम् विकः (अलालक) देवः (विक थिश ) सटमादिकः (सामयम )मालाद्यः (मानायमम् र. हाल ) ट्राया आतः (ट्राया अत्र हरे भा ) के एक : मद् (कार्ट्या कीर्ट ) लयहर (यह कार्यार्क ध्या )॥ र।। काहर (कर कर) लायाद्य: (शिवन बाका कार्माम) धनुषाटेभ: (वार्यानं कथन), अनाटेभ: (अनर्थकवाका) विस्तानिक: (विक्व करात) स्मारेन: (अव्यव कभन्न ), मुझलारें : ६ (भूवहन ), विनारें : (लारकार्ड) धनमानतेः (त्मानमध्मक वाना), स्करिनात (त्यर त्यरं) यद्भ: (यम अम्पर अम्परमाम् ), कार्याख: (३४), मिंग्रेड: ([नरः] इन्ड उद्यादिक), क्रामिक: (काकड़), क्राम (क्रम क्रम) धवरिकः (धर्मित्रीत्र बाका ) विक्ताः (विकाशकात्) न भारत (स्तर रक्तर ) अमंदिन : (अस्तावस का का) (श्वनंत्राधी बाका ) वर्षः (किनवाका) व onch. (एक एकर) टमलायद्धे: १ (विवं क्यां बाक)) (आर्थात्र: (धार्मावाका), द्वार्टमार्ट: विकार :ह (अर्क मर्क मिलानाका), मर्थाक मृहकाकाः ह

(अर्बेस्त्रमें के काक) " कार्या ताय- हाकप्: (अर्थिन मात्रमृत्य गका), धारा (कर कर म) बन्माः ( [नरं ] बन्माराप्त्वं क्ष्यं क्षयं का ष्टिनकाद्यः (ष्टिनकाकाः [७]) सत्त मार-तिय-विविधः (अअभ्यत्तात्र अअभ्यत्ति विष्ट्रेत् ) इमडः (र्घाम्ड रामिए ) नलरकमारको (नलरम्य ७-न्ये क्किक) इम्मिलार्थः (इम्मिन्स्क्रिस्त्र)। ७-७॥ [कामडब ] हो बार देव (काटबंब मिकार विम दिगायन शहंभ धामार गार ]) अनुस मात्र मात्र देशाह (मार्ड (मार्ड व गर्न थिक्ट,) महंगाएं दल्यारात्मार (देवनामंग्र) (मेरपाड़) निकु वानक् (त्मालन क्विए देपाण इरेस) प्रमेम के तर् (धर्म भागतक ) माम: (वादा ) रकार्य (रामित्यम )॥ १॥ बरिर (त्र विश्वतम्तः!) प्रश्मारत (डेडवीरम्य धर्या) रेपर किए (रेश क्यार वस ! विश्व प्रमान कारी तार ]) दिन भटा: (भूर्यट्रपादव ) दिरस्पाउ ( ट्रिस्पाउ, विमापन शामुलाय ]) कें छ : लय छ ६ ( टब्स आस वस मार ह [सर्वेच्यांत वानित्तर]) भारताष्ठाः (धनामतमार्थेव विकरे इशेख । विस्तान वामित्तन ]) शेष क

(इंडावा क व [सर्कान कार्याय]) त्यास्मा देश-स्मा: (ब्राम्य असम ट्लाकर्) , यह (ट्राइइ) लाग (लाग) लाजवः शवः (र्म्यूज्याव प्रि। विनासक नाभागता) रेपर हिंद (रेश कि।) स्का (अस्मा) पर्ना (एक अप के ने पर्ने प्रक्रेस कार्य त्यत ]) मारि ( वादा इत्रेखमा ) वडान ( अअपन: ह ( arang 2 वर लाक्ष्यं क्रिश्म ) मुद्रः (टलाडी, विसद्द बारित्यत ]) विकार (काम कार्यण) (कहा: दिर्दि (कारमित्यः दान ) दें डिके १ ([भिक्न ] दिस्ते करें। [सर्व सम् य वास (यत ] ) (म (orma) मिर्म न ( LICKE JARL MY " [ MAS ] ) MMS JENLOUR. (लाक्ष्यां के बुर व ब्रह्मिंदर ) 11 211 [बसटलव बायस्य ] न (व (नर् बन्मामन्) वर नवर (कामन दिवार) वतार (वत्रमूबन) विष्मार्ड (अवरतेन देखा कामिएट । [धर्षधकेन नामित्र ]) उपद्वयमान (wreary वयमा मने टक [amil]) हिरेग्य म सामा (व्रेव्या अ शाम कार्यमा) , न ए व (य (इंग्रांस लाई (क )) है में : बगु लग्नं (out बामने विकाद : ब्रम्मानी बानगा ) समन्त्र

( HOLANDER TRUES ) BLE OUSE ( OULDER 2) 246 ट्रा प्रमुख (जूरे ज्वाम कार्निमा)।। अ।। क्षित्र (क्षित्रके ) वात्माक्ष्रकाः (बमारायन राम्नका) ( ( ( ) ( ) ( ( ( ) वानवानकार्य ) बहुं ् भूद : (धर्मभरतम् प्रमाण ) अवित्रम्र (वित्राम् अधि). ७ अ) ९ (ट्याम) प्रवा) अपाहत (अल्पेस करवे सिन , [ अन्छ ] ) मः (धर्मभन्ने ) जर् (वाया) निक्रण्ड (Силан कार्यमा ) त्यामी वार्टि (थि: नाटन वादम्य कानुत्तन )॥ 2011 [जगत] धारा: (यकद्य ) मुक्छ : (भारत द्रांक) MELOS FOUNTIND ( MARINE OLL OUNTIND) कबालार (प्रेशाल दिया) व्यक्तिरे निपर्द (तर दास कार्य कार्य प्रम निवर ]) कार्याद (जारा अकता) वृत् (अञ्च ) प्रवित्याः (तर्या): यर ) मह्यामर (देवबीय ) जनार्वम (जन-इक्ने काक्लिम )॥ >>॥ मर्ल ([जभन] मक्त ) ७९। बिन्नु केड (जाश मुलेत. व्यक् ) वार् : ह (एमन कर्न क्रमान ) व्रवम : (अवस ) मात्रकार (श्रियां सत्व अर्थां वीरक्तर्भेड)

लामपी (स्था कर्नातन र [लान]) नकः (नक्वन) लाम (इ.याड ) में खेट: लाडिके (मन्दार हाराम लिए हेंग्र ) अमहार केडर (अमहार प्रिटकन केडर ) लिसारमेड (यक कार्यमा मिस्सर )॥ >२॥ लाय: (लाव नक्षात्र) लाजव: लाक्निवर (धार्माक्र लायमा) enz (द्रारास) अंद्यानम् ( त्रामीत्ममं प्रम ) सत्ताम् मत (धाककी क्रिक्सिन) छ९ थाडि प्रवण: छना (छिनि अप्राप्त्र मिल्डिस्मिन कार्यक दर्दन ) अभाव ह (अअव करमक यत ) आस्त्र : लाला (आर्य लास्या ) दे की वर (डेकी करिएक)। लिल्कीन ए हमूं : (लिकिन काब्रिन [246] ) com a mó ( Cascará a ma ) on con e in y (युक्त कार्य मा दिश्यम , [ अत्रेक्तम ]) त्काहिए (त्वर Cars ) ( PASS ) Cay ( Cay [ Tale ] ) MIS (लाखन कड़ (कड़, ) मानु ( [द्गारान ] मानु १९) मेर्युक्त (मार्य कर्त्रा ) क्रेस्टे द : (अपान्य काविलिन )॥ 20 - 2811 वर्दः ([जन्मत] धर्म प्रांत ) हत्तिः (हेळकर्ल) कप्त (खापत ), रसत (रामा), मर्कत (क्रिकान) ज्वार (विक्र ) ([नक् ] ज्वार करनेट करनेट )

जार (व्यापिताक) मर्भर नवर (निका ७ व्यक्त-यक्षात रायुंता) रक्षेत्र (कार्यक्षेत्रक्षे ) मास्ट लाराने (याशि वि नरेमा ) अवीत (अकला वित्क) व्याडा डवर (कारिक इतेलार)॥ उटा। क्लान्डि (कादाव अक्रावाव अवि ) जमा (जादाव) अपूर (अपुराय ) लहां खाना है में वर (प्याप्रमाव. मक ) अहुद (श्रिमाहित ), उठ: (अमड्र ) क्ष: (जीक्क) उर् (धर्ममान तक) व्यानिकंड (व्यानिकंत कार्रेण) अर्थात् स्रक्षीत् (अर्घव्यस्ति अस्तरक) मुबाब्ध्र (जिलाक्त कार्तित )॥५७॥ कृष: (अकृष ) म पटिम (उत्तात )मर्पन् मार्थ (त्यर उ मार्च अर्ड) प्रकार (डेडवीय) क्रमान्य (क्रिंग्रेश पियान के बन्धा करित्र न [जभन]) भः (मर्यमेल) अवर निर्मित्रकर् बीभार (९७ र्टिन के किए) के लामें बीमक मक्त्र पर सामुका) के का (टमाटक) टलालाम (टलाल गायक मन्दर्क) अस्य वार (अस्मादिक पिक कार्निक)।। २१।। व: (त्वासना ) कतार (वत्र भूवक ) अभवर हुक ० ( TI My 14 MAN 13 COLM ENGINE) " CA (OLIMA)

अर्थ मात्रका: अवा: (अर्थान्त्री अक्षत द्वेष करवेताह) PARL: (CT ROWY [CHLOLY;]) Rive (COLREL) सर्वा (अर्थारे) धालावता: (धालावस वात्रिया) थार (कारातक) म म्यूलिक (म्यूलिक में दिसा)।। उप। न्न : (नद [mun]) में बार्ड कस् (counce à कम्) mrsoro ( वार्यक्त करा) नेव ( वाक ) मार्थ-(पारेटि ) १ वि ( वर्ष मिया ) मः ( विमि ) प्रवृत्त र देउँ । (में कार्य श्रांत श्रांत श्रांत ) केंद्र अख्य (मछन हाम ए धावस करने (न ) ग्राप्त निवानियः (रम एवं डिंग्याक ] शवर कार्व तम )।। उन्गा धाराने (अर्घेषण्य ) छ (बनादिका) आह (बार्यात्मन ), प्राश्चिम, भरत्य ( वर्ष भरवकार्य ) ख्यात (world) अट्यावक: मर्जा (अट्यावक थ्वा ' [000 72]) ज्याना मुक्ट लार्ड व्या (माना मुक या कार्य ) दिगा (arana आहे ) वार (oun) न प्रश्तलाचि (बाक्यानाल कार्यवना)॥२०॥ इक्ष (नदंशक ) काटम् (त्यद्र) मीटामान्यः (म्युर्क) व्यश्मः समादः (मर्द्रवंग्राप्वं मक्रियं. मार्ड ) कुरंप (कुरा प्रज्ञातं ) समाराह (मार्ट)

लामधार्ड (लामधार्डे थाएर ) ममधार (मब्दा) u: eisisé (cureis que in [305]) De Con-पठर (जाक क्रमाना न विकार ) मकवंत ह (विश्व) शहरे ) रेपावंश-। हव- ध्य- भपायं (रिलावंश अव भावनं अन्य अक्षार्क ) नका येषा (धारक्ष अपन-लूर्यक ) श्वात्मात्वकृत् (मिक प्रभाविताकी) उनम् त् (उनकार्यमते (क) प्रश्मनत् (भावते कार्रेस ) में अर्थे व ( में मराय कार्य कार्य व पे ) देवकः धातीय (देवकार्केण वर्वाता)॥ २३॥ लग (लप्टेन ) हाडं : (च्युकेक) मुबया (क्यू : (क्यू -मन्त्र ) अविष्: (हर्षिक ) द्वाराविताः रें हैं। (रेंद्र विश्वेष कर्ते कि त्रिक्त ) काः (अग्रासिगत्त) अक्ष्यान्टे ( ( नवन श्वंयाव थ्या ) डेरकः (डेर्भक रहेमा) व्यवसमा (व्यापन अति के मास देखा वेष प्रकार्य) बहमी इ बटार्स (वर्मीकार्य करवेरक मामायत्र)॥ 22॥ (१४ भरम ह) राह्नान (राह्नान ) , क्राम्नान (कान्नान ) न क्के पटल. (क्कें पटल) " डिडी इटस (द इटस)"

रमांड (रमांड) भक्षे प्र (मक्रीप्र) क्रमामाम. (कळा प्रताक) । हिंदी माल्म (त्र माल्म) क्राब्रिक (-मानेक), ब्रास्त (भ्रास ), ब्रास्त (भ्रास ), हिंदी हिसि (४. हिसि) मंत्राम (मंत्राम ) क्याम (काम ) संबात (संबात ) वरात (वरात ) रहिरी. मार्ज (व्यानार्ज), क्राके (क्राके), विभावे (विभावे), वयान (क्याम), कामिन (कामिन), क्लीमिट्र ( 25 mg - 12 5/2 - WILLA ( ( 22 m) NIA ) " 5612. (इराध), कुरार्श्व (क्रूपार्श), कामरा (कामरा)। (माराबाई (प्राथावाई), र्यं कि (र्यं कि हिंदी ट्यार्प (ट्रा ट्यार्प) व्याप (ट्याप) हिंद्यप (ख्रियान) " मर्नेष (मर्नेष )" हन्मध्राक (हन्मण्टक)" मधीर (मधीर ), रेपर (परेकारण) त्यम्म (म्याक्षे भार्ष) मबार (स्थे माप्ते ) मात्राप्तं (पास देखाने पूर्वक ) गाः समास्राम्छ-(टिन्मिनेटक धार्याम कर्षिटि हित्मन)॥ २७-२८॥ क्सा (ज्यकारम ) ज्रेज्य : मनु सामान् धार्म (हिन्नान सवं कम्प्र समावं के क्षासा) द्राष्ट्रश्ममंद (द्रक्रमानुमार्यं व) (क्रममाश्चम

( (अप्रमूतक जाउरिष्ठ् ), कृषः (अकृष ) न: (लास्प्रत्य ) हावंत्र ( १ वाद त्व १ वाद्रत्व) याताह: (अरम्बर्गात्रं आह्व) अल्हार प्रमात्. ( [लास्प्रतं ] जमहात्वर श्रेष्ट्रां हर ग्रे ( - वर्ष स कार्याय लाख : ) काम म ( कारत ) कार्टिशाद (कार्ट्ड्रेड्स्ट्रेस) प्राम्स्ट्रियणः कल्पर् (अवृष्ठ इत्रेमण्ड्य), देपानी (प्रकार्ष) जारि: (जाराना) उप्रवर्तनापा ( जित्रान वर्मी स्मिने इरेल ) ज्या (इर्याव) म्यार्थिः (१८वं विकास ) व्याष्ट्रा (कामिए मार्विस )। रहा। [ क्राय ] द्वाया : ( क्रियम ) क्रिक्न क्रम्यं प्रदेव-नी भूगानाः (डेसः अर्थात् स्तारीत्वं वा भागात्वं त्रादं व चार्किक विश्व विभेगद्र के ममाक्त धरें व के व माहर् ) ' प्रस्तं - पत् - १म- मार्थ -भयाः ( १३ नं ११० हक्षत्र भवक्षत्रम् क. समाद्या विद्वाप्युक्क ), डेक्स्मन- अवन-बायस्यं: (श्रेम अनुस्ते व मेंबर दुरेत कर्त्या) पराम्यापकरवाः (पडाटम नरीन श्लेष् मान लाई मंग ) लाभा वकारंब : (नव न्मीकरक्र के ) वा न्यर्

(माम्हाराम) यहामं : (देनार्मे व डड्र्य) ॥ रना वष्मता: (वाष्मत्रमूका) गर्भाष्मा: (गर्भामकृषि) गर्नाकीका: (विक विक नर्नाकीका ) त्वत्व: (त्वत्वर्न) तिताः (त्यक्षत्रं ) इतः (क्षिष्ट्रं ) त्योक्षर् । विश्व हे र ( ( प्रमान वात ) मामण (मामका का ) अन्ति कि पुरु : (अने अपृत्व आमाने भू कि ) भारते : (तिक तिक धकंत्रम् ) अभिकंत्रः देव (एम अभिकंत कावित्व कावित्व चिवर् ]) किश्वमा (किश्वाक्षाका) सिरहा: रेब (एम स्मर्त कार्ल कार्न् )मयकात्र (१ क्रा (वंद भवि ) भावि : (हर्षिक दर्श ) उ० (क्षीकृष्टक) भावताद्वित (क्षेत्र कर्म्याक्त्र)।१२१-२४।। भः रक्ता व : ह जिमि (अक्षिष ) उर्द्र्यमा : (ठारादन (अटर बली हुंड इरेगा) सूकाम्मर्लिस (धर्कमान) मानेना (रमुकाना)कष्ट्रमतः भाक्षतात्ताः (क्षृयंत उ स्प्रमात । क्र ने मिन्न ) वा : क्ष्री ने नं (क्रार्टिन अरी हि देवना प्रमारमा आर (बारियन)॥ रूरे।। moi: ( C many; ) nd ( cn(x d ) & nd ( curai) भवरें : (वृत्रेरकाकत्र) वृक्षाः मृ (वृक्षि लाड का में भार ), दिन १ मज आमेर (दिन ७ आमं मव

इक्संटि), बाम (निन्दी विमाद्येर) व: (कामादन) बरमा: (बरममन्) मेर्नु था: (मेर्नाट्, क्रेन्ट्रिगाट्ड) 'यर (mass) The (Training) The (marsi) 110011 aa: (लयदेवं) यमेग्यः (यमेग्यम्) केफ्टमेर्याष्टुः विश्वता: (अर्कुटकवं ट्रिश्यमण: व्यविष्टा) छा: (०५ त्वरंभन्त ) मत्रेत (मत्रेमरकात् )केकवः विभूग (जीकृतक मिकरे हरेटल श्राक कार्यमा) कमार (कमना: ) बनवट्याम्भी: इ हन्: (इत्यं अत्यवं काडिम्भी कार्वत्यत्र )॥७०॥ [ जभन ] नामा एक पाकृषि कान - भन्ते - कि भी - कार्य का : (क्लेट्स्ट्ल मामाक्स थाकृष्टि अ मद्युक धर्मा अ निक्रीकाम ब्रामाडिक), श्रमुम्यायमाः (जिल जिल मृत्यन अञ्चललियी) भावः (वित्रमर्) त्याका हिम्मा कार्यः ( ब्राय व कार्य में वे वर्गादिम )।। ७२॥ [क्राय ] यक्षतंमरंगः (मार व राष्ट्रन आरम् हत एडारे (हार्ने ) द्वाहिकी द्वाबिकी ट्यारेने ( तव अ मृष्टा र्कियू ७ अधि भी (क्यारे ) भारतीन ( दिवहा. क्ट्रिंब [हिट्ड]) मल्या के का- सवाइटिंग : (मल्य व

धम्मान अवात्र बानिधा ) ज्ञाहिए दर्बण्: (ज्याहेन् भाष्त्र कार्डिमार्टिय )।। ००।। [ वरकाटा ] त्वरंबन्द लाग ([100] त्वरंभाप्तं अल्हारक) चल्ड ललंड र (ह्नुरंब क्षुरंब श्राप्त एप्रिक) लर्बेवर रवर्ष्णवर (बर्न्स्व लर्बेब्सत यभीण) विश्वह (अक्लान काविष्टिहित्यत [ववर्]) . द्रे कार्यक हमायक वह (यात्राव हक्ष्म ध्याक वादि (पार्वामुक्षाना वार्के ठ ४ मेग्रहम (निवस्त) ) वर (नीक्काल) बीअड (मर्मन कार्यमा) (क न (का देवा) व्या (वर्ष) म सम्मः (याद या कार्यामित्य )॥ ७८॥ [ जिल्लाटि ] जर ( अस्म ) वर्ष म (अभ हिनमा ), यर (यात्राक्त ) प्राचीहि: (अभ्यानने ) म प्राचिष् (वामकुष मा कार्यभाष्टित्य ), जारभे मधा न (वक्त मधा हिट्यतमा ), भः (धिन ) बिलाभवृत्वाम् न (पायाने में वियास करवे म क्षिय पार्ट,) " लिए. विभागः के (अक्ष विभाग हिममा), थः रि (भारा) पत्ती: य (काक लाबुदामक व इतं पार् [काव]) उर्मित (अझव भावेशप हिनमा), धर्(धारा) धाराविषिः (बीक्ट्रिक् ) मूर्य न (यक्तनक ब्रामार )11 6011

म: ( [वरकाट्य ] म्हिक) विन्या आगंद आगंद (वर्नाट्मात्म मात्र कार्बट्ड कार्बट्ड)। खिद्यः (वम्भाः ग्रिक् महिं ) माडि (माद्रिक प्राप्तिय ) मानं दतारं ([Tyen ] myse myse ) nelus ( ang exa निकारे ) विकोषे मा (अवस्थान काब्रिक मानितन), xino xino ([mais] mesi mesi) कानि छि: (ममझ्य कामिन्नाना) अन् अपटि (यम क्राय कार्व कि हिल्य [नवड ] ) वर समंद समंद (स्मान कार्यात कार्यात ) स्मः (स्मानं ). अभाव (अधन कार्वाक्टिसन)॥७७॥ अ (अपस्तितः (देसदम्बद्यास्ति अर्हत ) त्रक्ष्यत्यः ( छिन म ) विषि- । भी य- मू अरप्ये : ( ब्रक्षा ७ । भी य अर्थ (दयकामने ) = सूत्रीट्यं: ([अर्] स्तिवसमने) या थे याची (वर्भ वर्भ ) हाडि-मृदि-मिट- तीर : (अडि , र्डा, अनेम, भीठ), श्रक्ष वर्षः ( श्रक्ष वर्षे न [3]) मु- शरीत: (देउस बादी श्रांत ) माईव: विकि न्द्रेम ) कर्जा (क्रांकार )क करम (क्रांकार विका कबार । हिए ) द्रवंद्यात्म सर्वे द्र्यं ( क्षार्क्स स्थांत स टक्षाह अकाम्पर्यक ) भिष्मकरूरे पृथि:

कार्यक कार्यक (सरमा द्वारामात्र्य) क्षेत्रक क्ष्मिक कार्यक कार्य

(and su se ) 11 @ P. 11

Bris se of [Cros] ) Se o (orono (se ) In:

Bris se of (yes se ) 'n Court - Inso (n Court in.

And Court in Not in Se of the ) And (not in the orono of the orono o

में दिये ( ग्रामं क्रिये भिष्ये ) में कर्ड रें ( कर् ग्लाम ), म्र्यीयर् (भीला भूलम्), म्रामर् (राज्य में सड़ ) ' में आर (क्याह का टम्बंद में सड़ ) " ये दाव (दावा मेंस्व) में मेंश्रीय (बदाव मेंस्व) स्टाम् (त्यम म्यं ), स्टाम् (त्यम म्यं ), मर्कार (रेका में मंद्र ) में रेक्कार (रेक्स में मंद्र) मूर्वार (मार् भूतर ), मि म्राम्यर (विकास म्मन् [ किने ] ) म्हिन् (कालिकिन ) म्रम् ([-345] CREDINGY & MEGINA "[CHZ]) BLE IN: (धालातारक वदमा करि )॥ 8०॥ [12/2] Damis ( James ) & 2 213 6 (00 0 10 10 10) मूका हर (ध्यार प्रतावध ), किया ह विकास (विकार अधियं कात काराने क्याद्वार कांचार द (रिकामन (मार्काल) बनाउर (बन माउ इरेए ) बिमार उ अगाउर (ग्राडियर भाजाकारी), समकार भराउर ( marcam 256) " years & laces & (oughin दी कि नाजी ), अमाती - कृषादु र (म्बेमर्न व अर्ड्स का की ) मिटियारिय का का का का का का कि ( काल्यां सार्वेसात लक्षेत्र [एए ] ) हार रेम: ( wrorant a - 421 2 2 )11 8 > 11

धकार्व (त्र धमममत ) तकार्व म्वार्व (वकवितामत, हूर्य ! [आलाति]) वसार्यः जिकार्य (एवंशक-इ क्षावं प्रमार [नवर]) व्यास्थातं (प्यावस्थर्भावं ) स्की वर (कार्ष्यकं), भूमारवं: मिमामर् (मिरवनं क्रक ), अलाट्ड (अन्ड) विराद (विराय [3]) म कारक: (अमून मार्न ) देमार्न विदार्न (न कारु भर्यार्ड ) असीनं (म्मिन्ने), प्रार्मः (अपनातक दस्ता कर्ष )॥ 82॥ [ गिर्मे ] मार्डकुर (अवस क्षेक ) ' सार्ड है। (सार्टमार्स) यार्कु ( र्रेनरार ) ' विमान - माट्कु ( र्रेन्ड्रिक-त्याक्कामकाय ) ' सेंबाप्त बांबक्क (मेंबंभारम्बे. मार्का कार्याक्क ), वामक्राम्बिक (पूर्वनमार्थक हिटळं लिआहरं ) मेरियां : (मेरियक लिलमा) भाइकि ( किं कार्मक ) वापकी : बामक ( वमवान भटने द भट्डा कार्व बमामी [ वर ] ) भट्टा: भरिके ( अमेर्य भरप्ने स्थन् काल्ये मेर रेम: ( जानमहरू मन्त्रा कर्ने )॥ ४७॥ [मारा ] मैक्सरि (में मेक्स क्षिमा क) मार्च : (भाविक), अतात्री-माविकः (अतवर्णनं (हमतकानी),

क दारकः वार्यादं ( यरमाने मर्गे एतं के विष् ) विवार श्रिम्हिन (प्रकायमान् हित्र हित्र कार्क) " हिवार (बिस्मिस्मित्ने) म्रेन्तिकः स्टम्यार (स्टरंक प्रिमंत्रकार्य ) प्रवासार (अप्रवस्त्रे ) स्मित्र (अवंशास्त्र [नवर]) अलातः।विद्यः (विद्य-BRITHHE ) " (a (muni [and ]) Plessi रूप: (हाई त्वन वस्ता कर्षे)॥ 88॥ लारा (लारा । ) म : (लालारम ) मामिक् (अन्त-(mainz Cr [mrisi]) sm: riais 6 (मिक र्वत् वृत्सन् हाय्रेकानी), भूतीताः मृत्रुः (देउस भीताकावित मृद्धिकर्ण), भनान मान्मेड ० (अमलतेन प्रदेशनंत्र [निवर]) वित्नाकी : धवड : (बिलाक्ष्यं भामक), प्रादिशे (प्रक्रमाडीके) डबड् (कालमातक) अपा (अर्था) व्यासामग्रम : (पन्त ). असः (अवि [3]) अर्नभामः (अर्थाभ करिएकि )।। 8 ९। प्रिथ्मः (एकवाम्प) गृष्ट (नर्सेन ) सेवायाः ( किय कार्य कार्य ) अमेमा बामा कर्म : ( कर्म मे सरमे रे खिलात ) रे पूर : ( रे. य सामारे र रेमा )

त्रक्ती (य्रामं हवंत्रमंग्राप ) स्प्रमार्थि (सम्मर्थिक) वर कामुअस्माहक मंत्र (व्राप्तं कामुमर्काष्ट्रं मार्काह लाम देन. कार्य में ) वि दंग्येता: (लिस स्मियंत्रादे ) डर त्याकनंदः (द्राधातक त्याक्षाति क्याकाति) माला-मठा: लयंतरं (कामानारिक डर्मंत्र करं मध्य ्च समात- क्षाह्य । १ कता [रक्षः] डलवार विकेत्र र द्या (अकिएक के सद्देर ) अवयर नाम (भिष आक तान्त्र कार्मेंग्रा) लमेंग्रेंगर (लमेंगर्य ) 13 x18 (x6 x1 à x (à x (a) 2 (a) 5 mg] ) oris (21 5 mg) जार राहि (ध्यून्वर्थ कर्षत्र) रोहि (वर्ष्य ) वक्षा (विट कार्करंग्ड ) वें हं : त्या : (वं दिव व्यवमाप) पार (नरे कार्काक )सवाद ( सन करवं न ) के Ca समार: (मार्डिक के प्रिक्र कर्ममान) द्रार (-12 काल ) दिवार रमड: (एकमर्पक काल राम्भरकारं ) किकार (व्राप्टरं ) लाकाके-किक्षि ( कामने व एकाने ) करें डेब्ड: (करंडने शहें दि शक्रिक ) शक्ष्रक (न्युक्रिक्क अहिक ) सरमार् तर : (क्षित्रा कर्त्रकं मध्य कर्नेट्य क्ष्मारम् )॥८१-८०॥

लम (मप्रें ) र्यामिना मा (मीक् करमेला मीकामा) 2426 (SLS.) onua, (one zin) trype: gour खिवा (सामुम्परामं रमकारं) मम्द (मम्माम) विकास (विकास कार्बेस ) स्तीन्स व : (बार्न-स्टिंस) यानि प्रिया कार्य में कि (मक्षा) व मानिकामीय (जारमन् मन) व्यामिष्डि: प्रश् (मभीतात्वं प्राप्त) डमारी मेरी: (त्यामा ज्या उ जाष्ट्रमारी हिना) विपरि (अक्षण कार्या थावस करित्न)॥४०॥ करतक्ष्रमा भाषाभाष अवभी के मार्भाः (भूभक्क करती-मन भाष कताय है ने , डेड्य माहिक (तम् मात्र) , भाविष म्याम पूर्ण : (भविष्ठ हुने, व्यक्तिम प्राथा), मक्ष्राज्यां (जनार नवने , कार्यम दाकाराने त कर्व - तर मर्र मर्र मेर मेर मेर । किया ) मेर (CA ARIL) +x (MECH) NONE: ( NONE हतं ) में आ (स्त्रींबाक्षाः) मिरते कु ( सिने करितं । इंद्रिंग ) में अपोर्ड अप्टर ( शिप्तं आक्ष प्राकृति लाह्याहर ) वर (टम्पे) कर्म विकास र (कर्म व-(कार्य-राधक) बहेकर् का कार (बहेक का कड़ा व्यस्व क्षिमार्यम )।। ६०।।

सामिता: (क्याममा वा द्यामपुक) न्यानिहर्त:(न्याने-ज्लात हरे), प्राथ-प्रावेष-प्राविष्याम् प्रति : (मिर्स मार्केट नक्या नामित्र मालिक हैन) र कारकाता अञ्चलामुक कप्तमित : (कार्यकत्र अलाह लवनं , ध्युषकद्रीक्त ), ट्यानिष्टः विकेष्टिन: ([अवर्] Comनेक व्यक्ति वान्धान धानं भी हा समा का का टला डिण स्नवारे का ना रेकु: (अस्त)म: (रम बसे) ने रव लहै: (ने द-अर्के ररेमा ) (मल्पो प्रवासी (कर्न्ड अर्क्चामिन) त्यसाटि (मन) रेक्षक (वं (रेक्ष क्राम्स व सद्य) ल्या १ (मिलिस उमे ) मा (मिला का ) देर. (नम्दान ) कर (कर्म) मानिएमेर (मिन किंग-उत्यव धाडिमधिड ), कर्न्द्रामें (कर्न्द्रामें-नामक ) ०९ (८४१ ) मूबढेक व्याप (भूमम) वरेक अक्षुष्ठ कहित्यम )॥ १२॥ कः (अत्वाक) म्हाः (ल्यामम्पन्न कि म्रामा ) मुका (महन ) भा क (क्या आहेर महिनाति: (यार् वा छिरे ने भागं ता मक्त वृद्धा ) अकार्यक. (राह् रेखां में वे सर्वे व मक्बाद ) मर्बर (शिक्स इस) मा (आ ग्रासा ) टार (आर ) भागकतारी.

मानुकार केवार (मुर्क माई मान कलि कर्त्रेंग. हित्तत )। वर्। प्रामिटें : प्रामित : (मामित्रे ७ मक्शामित्रिक), म्भीवंभाव-भाभी छ्लून नावित्वन नालि नवं-राहेट्ट: (भी बंभवं कर्त्वं वर्षे यं याबिटकम प्रानंतम लयकं , महिंह ), ब्रेस् लया ह (ब्रह्म छ धनाह -धरे भक्तकाता) भूष दायम्ग ६ (भूषव दावना-प्रदेशादं ) मा कर्द्र (मारा जनिक दंग) भा (क्षीं शक्ष ) क्षितंकार (क्षितंकरमं का हमा हैक) जार (त्ये) अनमं छरिकार विकर्त (अनमं छरिका कर्य- कार्ड ह- में दुक्त : 'भठ- प्यार्ड मन्द्र न महित-विदेश : अम्मू (क्येसी प्रत, शहर पूक्ष , मर्जा अ टमार्ड सम्मित्र के आरक समित गई ता बद्दक )' हिंबि काली-समाद्यः (अक्वस्त कार्यम् र्रण ) नवासर् मर्मार्श (कर्ष व वर्ष प्राक्त) विनाभर विश्व (अवस्थात करते), उपा (जीमांका) रेप्र (अक्टात ) भीर्न भूवः अल्भो विलाभः (अरे प्रीर्-विमाम ) वृद्धिः (अअड कार्य भारतिम )॥ ८८॥

क्रीश्वक्त (क्राशक्त ) अन्तर्कात (12 कर्न हिल्क ) द्राष्ट् ( न द स्त ) तुमान्यायार मेर मेरे मेरे अकर्ष ( ते मार हि द्वार द्रअद्भवं ) केवर (सम्वक कार्न प्रमण् ( किंग ) क्रकः (चीक्क ) में कार विश्व तर्थं (लामे किंव व युम्प कार्तमा ) अर्कः (कार्यनम वार्येवास सरकार के) भन्द नमन ( अक्ष जानम अकाम मूर्य ) उद पहर (इस ) त्या (त्वाम क्षिण क्षां क्षां क्षां भारकत ) ॥ ६६ ॥ एवं (र्याप्त मार्का) अस जीते (धर्म कार्या मक्षि जिर्ना डिका) अम् आप्रकाति (अरम् सूक्षामिक) रा लाश्य-मेमरं १ (मां क्षितं का में द्रि. एक ) 'वर (काइत ) थिलामार (अभयुति) भई-भारतं (धर्मभात्रकारतः) विद्रुलविष् (धर्मण्या orgine enganin ) sexucando (cumos COINT ) 11 @ WII [ अदेसल जी नक्त ] सबिशंत्मन महिति : अर्थूले : (परम् ने नार कर्न त साइस्ते के भावता ) मार्गितः ) मार्गितः (लक्षामभूत्रभावा ) मन्त्रताकानि (मन्त्रता . मामक) कालकार्ति (कामामा) नड्डकारि (नड्डक-अध्यक) हत्सं (अक्षुच कार्नेश हित्यत )॥ ८१॥

on (Spinger) (अर्था) दिः कः मद्दः (प्रमासि स्वम्यः) भीवमद्वः . (भावभाव) कमा (चयर) पाम्म म्मार्ट्यः (भावे-(किपिन म्रे समाना) निमानि काम (क्रि काम-नगमपूर , [नवर् ]) आका कुर्यः ( यु क कि ) मरेषः (मध्याका ) मध्वीलका : १ (मब्बेर्डिम मर्नेट [असुक काक्ट्रिय])।। एए।। लम (लमड्रें )मा माना (त्मरे नीवासा) माणा ध्यानिका (मात्र ७ ध्रम् तमारह) ध्रम् किन मिह्मा (वक्वर भूभ्यवमन भावकात) वकार्यती (त्रेरावकार) , म्राहिका (नमारे ७ मछादि हिंदा. विगाम ), न्यी मिन्द्रम् एका (न मार्टे मिन्द्रम् हत्यं कार्न श्रव्यं हर मान् ) ' र्षितराहर्षा (हिन्कार अक्री बिन्द विमास) भारती (भागा-भावेबात), माद्रप्रश (इएड नीमाक्यन. शक्ते) , मात्रात्मात्मात्मात्मात्मा (गामास दार्मीमान मुकामान मर्पाम), लक्ष्यमं क्ष्यमंत्रा (मने द्य कव्लाय बाम कार्य) उउर्मिती (लिएंग्ड्यरे विकास ), वक्तरीवी (मिनी वक्षत ), जास्त्र- वक्षा (ब्रांश कास्त्र भ्यते),

यक् मूध- हिक्ना (कलमहर्द्धः क्रम्मवालन ट्यानमा [735]) MEDICAL CONTINUES : (METHEN GESTY ल्याक्य श्रेष्य अर्थिता.) 'ह्याह ( ( प्लाह्य नार्द्राव लाभरत्वत्र )॥ दशा प्याहिक (हें कंडे प्याह्मा क्ष्म्या हिं लम्बें) निरंके म बहबाट्य ] शक्ष (म्री शक्ष्ण) हें के वंडे-मंद्रमाम (भवत द्रमांशिक ) विकीमताकार्मा (हळलामाकाकर) काळी-के अप-क्षेपा हर्षे कि कर्णाम (ध्यायं के वा 'कर्म ' आर्यमां ) ' आस्र म्यांम्य लाअ (आप्राम्बांबांत्यमत्र ) (मायां (क्ष्रक्त्र) अपकार्याति (अपक (क्यून), विविधान दायान (पापाकंश ठावं ) धार्याः (ल्जेंब्रांगकमर्तर) एका (वर्ट) सम्बीरम् (र्जेस में भाम ) द्राष्ट्र (चर्ट) इवे क्सप्रतं (बेबापकां वंग्रेष्ट) विस्त्र अविले ) पट्न (प्लाका-मार्म्लाहित्यम )।। त्रा मा ([लप्रेंब ] क्षेत्रका ) में में वाप से वाहि: (अभावा व लयक्षेत्रा) वश्वाद्धः (भर्णाण्यम् अर्घ) एक्रमाण्डार (एक्रमाणांग) प्रमाक्त्र (लार्बारम् अव्य) क्षेत्रक्ति (जीक्रकं मान्य दिक् )कार्य-प्राटमा ट्राम् (र्विष्ट्रमात कार्न्ताः लक्ष्या कार्न्याय )॥१०॥

उस्वी- इंडिकी-डिंड : (त्या व्यम्भी क्रिक का हाडक-(कार्य) श्रम्भायामका (श्रम्भायाने मार्द्रते) क्कारीसमात अत्य (अरक्षत त्यात्म द्रमं-कार्य ) बराज्याम हकः (प्रत्यंसल हळं ब्रिस्तं-नेश्य ) वृद्या (वृद्येक) यह मार्व ) द्रमेश्य व्याभुद ( जेस्की हरेग कार्यात्र )॥ ७२॥ [ब्रिकारम] ब्रम्भाः (ब्रायकार्यक ) वाः (स्रिके) हत्त्र आध्यकाः (हत्त्र नामाध्य ) अवस्टिन कि प्पालायी-रेस- रकिसेमक्षाः (भ्रापं द्रवादं लासना द्वकाराहिन (पालवर्गित्वं पॅमलेल. हल्ला प्रमार्थित मार्थिक (प्रवे ) मार्थिमों: लासर (हम्मामा ने ने गारित मार्क्टा माह कार्मादिल )॥ उठा। लमकारते चारक (ि।एक नेकानंत्रकाण कुनार्शक उद्याप ) वयनाम्हमार्बेका (अञ्चरं लासमाख्यां दरमाश्वा) ' त्रेरमाध्में बाममंग (त्रेरामक हिवा) आ बर्शन्यमी (जीयलामा) उत्रात्मा प्रमिन-में केंद्र (त्यां (काश) बस सर्वादं माने के विवादं विवादिका दमेगा ) मकी ( (मकी ) त्यादिनी ( (वादिनी-

स्वीत्क) भाककृष्ठ (भाककार्य) मरभक्षमं ९ (त्रम्कतः

लाहिती आहं पत्मे (लाहिती त्वीक महाने) अविभित्ती । अपन्य आहं विषय । अपनित्ती । अपनित्ती

अतिका: (माक्यादिव दुर्गात्र) केवा: (विष्णात्र-भाषावात विश्व क्ष्यं के प्रमाहित क्ष्यं के प्रकार भाषावात विश्व क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं भाषावात के क्ष्यं के के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के क्ष्यं के के क्ष्यं के क्ष्

णांड्रेमार्च ) विषयः (उन्यास्मर) ७९०९ क्रमादिक (विचित्र अव्याज क्रमादिक) द्यार्ताय त्यानंद्र ([माद्र ] दराजनामा में दर्द दर्भ व वात्रंत्र इट्र कर्ष्टिन ( क्यामि ] ) बसुछ : (वसुछ : ) कटे ० ड: (१ में अवर ) महा (मक्स [नक्साम]) or: वारिका: (टम्प्रे-हेन्ग्रामभूत्व ) त्मवाड (ट्राका काक्छ), एड (डेफार्समासकसर) छाडा: ((अरे अकत देगात र्रेट ) क्रांत-भूम् व ् (कट्छान क्रमेर मानादि मानावित्र व मे. प् कार्य में ) हैं डि (किंच वार्य मान् ) उत्रे केंद्र सरे-आक- मूत- भत्रापि (विडिन् अकुनाच आक मृत उ भवादि ) ब्रिक्टी (ब्राक्षकीत्क ) देवन्द्रः (多かななははかしませ)1100-0011 कार्नुकंत ) भानेद्रामान् ( सम्प्राक्तायं नाद्यं. लर्जिक (स्पर्या म्या-ग्रामार्गः ) २४ द्रिकाः (स्प्रा स्था हरा) अर्थर (अर्थ अर्म ) मामी है: (मामी मार्पन है। वा ) मर्माहिट (भारत देन दाराम्स्य मर्कान कचार (मम) मंदर वार्ट (वार्ट त्रि रार्म ) आहः भावांन (काव: कात्र्यं

करा.) सार्वेट (साम्नेगा प्रियम )॥ व०॥ प्या (mar) कि: ऋगान (देशानभानकताने कर्ष ध्यत्रीण ) मानि क्यापि अशायक्तानि (मानिक्त -लहि स्य व अरे लास्त्य ) वेत्राताः (वेद्यश्तंतं) मार्गे दिलामार (मामासाट्य त्याप्रद्रं थ्या ) टाद्रमे: (केट) प्रमुखं है। का ) सर्क्यवंत्रास्त्र ( मजारामा क्रील यह अपने अवा द जा हि (अप ) 11 4211 इ८ : स्था (क्रीयटमात्त) सामादीय (देवोक्षे रेटक) (क एक कर्रात (तिम-तिम कर्ण [18?]) अधाला ( युका क्रा टे द अप एक काम्यू (कार्य-या. टम्बा. त कार्यमाक) किन्द्र मी में आरक (मर्क वाक-प्रमाति ) विवंतिही. (द्रदेभार-रात्र कार्ना ) सेंग्रः (कांकांक) रेक: बक: (रेक्सक:) बक्तार (मधने कर्नेटक maraa )11 9211 oo: (अमड्न ) भूम वित्माक तार्म्या (भूम दर्भतन् वर्ग द्वमाश्वा ) राज्यां (रियम्बर्ग) मनार्व-त्रमें भारतार्वा (प्रा. या - त्रकेश मार्यामाप्तं दाका भावेटबार्क हरेमा ) हराम निवित्र- भट्मा-व्यासेवा (स्पर्ध त अमंत्रण स्थमंगय त

लाहे द्वतं चस्र । सक. कार्ता ) में साबंद (मेंब्रें के के-(तर्म) गर्छ। (मर्ग ) द्रियाचना किया (द्रमेश) इरेग एरवमा कर्नेट न्याम्यत ) ॥१७॥ यः टमाद्वक्षंः (न्युक्तर्यका ) मैतृ ६ (मिट्टवटक) ध्वंताः हत- हर्क्टमार्कर (धाराहत्यमात हर्मक) प्रधामी (ए। गुरेंग ) ये क महा अप - था क के कः ( अंचा द स्पांड लाकाक्षातं ) त्यातंत्रे - त्यते - य्रमाल्य - त्याक्ष्रः (त्याक्तिव दिल दान उ वर्भीकान व दिल कर निभूक कालेशा) धाका कृटिन: आर्थर् (निक वनमार्यक भारे ) मूर्न (र्बहर्ष) (मा-मन्नर् व्याप-(cur-musin gousta 24544)11 6811 उने विद्याप काम्य (मार्वाच्याम काम्य काम्य काम्य कार्य कार्य ( मिर्याप व वर्ष्ण ) त्य मन्द्र (मार्वाच्याम क्रिक्र कार्य कार्य वाम क्रिक्र कार्य बामारकां भूने मर्नात जक्ति अवे क्या व ममृति मर्गात म करा है। देर मक दर्भा , जिन ट्याल न आक देरालेड आर्वे मुका मनं यद्य त रामका एवं ममार्थियं थ्ये द्वमेस इंद्रा ) मर्र : इंब (चरात्वं यारं) विभागामा: (विभागित्र ) छक्त्रात मुणः

कार्य ( एक म्रास्त विश्वरम् लागिक मान्य मधक हेत्र मात विष्याक्षेत्रम - वामानादिकं लया-लामकर्षि मात्र ] लक्सात्र कार्नेमारिया)॥वदा रावे: ( [जभन ] न्तिक ) असम मश्रीत् (भरहन्त्री रक्ते) प्रका: यवनंद : (जेंकांबानियां क्यतेत) 'एंबं ( लियर ] याक्रीशिवा ) मसत्त्र: ( क्रिया प्रकृता ) किहार (द्राप्राक्तिं) से तर ध्रमंत : (इस द्रंभार्य मरकारः) जनाडिक बन्द (अरव मकरे करी बन्धर्ण) भर्मा (देलार्श्ट दर्शता)॥ १७॥ प्रम (ध्यत्व ) रावें: (क्षीकृष्क) उन (टमरे बर मर्लंड) भारत (भावकीर) अवामि (भरतायात्व निकारे) व्वती विश्रात: (बर्जी अविश्वान ) मा: सुपुग्र (हिन्मनेटक सिन करनेमा ) भागः (क्रम ) भागायेषा (लाम कडार्या ) भ्यक् मृत्यार पृथार (भूयक् लेगक मेममते ) लंबर में (ब्रुपा कार्यप्य [वहर्] अवस्पि (तिश्वभः भूति) नाता वरिषः (मानावर्ष) धार्माह: (धार्मनामान्ना मिथि ) भा सामा (एम सामा) व्यक्ष (हिन) विमा (सर् भामाकाका ) जिल्ली (विति ) मामक्रमा (माक्री-

शिलक ) मार् (मारं ) दिन में मारं (दिने सल्तं में अभर्तिक) लायमंत्रे लास (यम्या कार्क्स्प्रिय) ॥ ववा मर हवं अटम्बं) सवार (ट्यम्मान्वं) मर्भाष्टित्। मर हवं अटम्बं ) सवार (ट्यम्मान्वं) मर्भाष्टित् (याप्यक्रक्र अर्था वर्षे १ वर्ष ) स्टिंड : तकाव (सक्ष इंद्राक प्राप्तिय " [mia]) सरमारित (अर्भामाठ ग्राया प्रतिस्त ) समादि (वर्क्सार ) टबन् सट्यु ७ सर् दे : (वर्मी व सट्यु प स्वति धाना) क्का निर्म कार्य कार्य हिंदी निर्म किया : ( निर्म निर्म मूल इर्टि हिरे ) वा: मा: (र्य व्येष्ट्रे मा में (मडें ) लक्ष्में वन्ने में (बारादनं मारायं मार्व ) लार्बन (लाड्बन थाड्रांग ) स्थातु ० अ एं र्राट्स ( युवा पुत्र अभाय के अ अ अ एक ) अदुरं र (अरवल कवार्रमा) अर्थ शामनं (अराप्तिनरक हायम श्रुकंग ) त्रमानं ह्याह (व्यवं हित्य हारिए कार्सित )। १४॥ जी र्वत्र त्वर्-भाविभिक्षाविषां छक्रा-वरा अभावत. १ सम्यक- (कलालन्हे: (क्यें अपनं में संग्राश्व है। यु-वार्त्व का वा मात्राव लम् , छन्त्रभाता, वतकाता,

इस, हक्रम व्यवस्थान, त्यम व सम्बन्ध अध्येत-काल विश्वेतवर वरेपाट ) विद्यालकाल मुन्ती-द्रा-यकि न् भी (भिने त्वेत्रमार्तन वापयक्षत नक्षा , मुन्ती , अस माह त के महावा (ताता वार् (वर्ष महा) टमाना करेगडिविजागढ अक्षामाकः (ग्राम बाध-वानित्मा दिन सम्मप्तम हकत, धक्री वर्ष , धक्री विद्युष दर्भार्ट), बनादेन-अभन-काछा वृषाड-वर्षा-प्रश्मिष्डः-प्रवेषित दान्न-हत्वा वृष्तः (।किनि वत-मध्येत्रज् वार्क्षियकानिक वार्कानिक कार्डस्व लिने विश्व विष्युत्रा अयमारम् मन्म से म हर्षाने-र्भाक लाहात्रक भारताहित्य निवरी) र्न कताक्षण-विक्तिंड- ट्रायकाति: (वर्भीव कमकात-द्वारा भ्वाभारते वाक्ष्र व अनिमाक्षर कार्नाड. हिट्यम ), यः (८४१) कृषः (कीकृष) भारियः (लाग्रह्मा) वयरेकः (वयक्षात्रेव अधिक) Carras (इन प्रति) व्यक्ति (अरबल किन्तिते) 1192 - 6011 काकी (माहि: (क्षीक्षक पीछिक्स) व्यक्षणामा (त्ममभाता) उनकाव (उनकामित्व) देवाकारी-(त्रटांगमा भा दंदांगा) विमेश-आदि: (मब्म कामक-नारी विश्नीकाताम्य-प्रकृतामारितः (वश्नीकारिक्य

लर्धात्वं सर्वे क्षांवावस्त्रीत्रावं ) वार् (च करित्य ) यर मिकडी (मारा मात्व मिक कार्ता) मावितर-मार्थारक्ट्यी (क्रिक्षवंत्रक्षिक सेल माबाय (यव देत्वर-भारत विक्क ) दंश (विवास करक्रेसाह्य )॥ १०॥ तार त्याद्य , ध्यम्बं-याया, गासच हमः त्यावक। affraine-Ente: (affini mussin भव्या मिन्न भ्रामिक में महित्य क्षा मार्थ ) कार्या । कार ज्यत् शर्वता जिन्दी) द्रातिमंबद्ध- वेश्वास्त्वत-हरात (त्वेन मार्ने माना किए द्रामिक अक्रमपूर्य) रें बेरे बिट्याकर (रें वे ठंड टिंग सम्य कार्य गा उम् बिव्याका-मक्ष्रमुमाछः (क्षाविव्यमाभक म्भूगान ) देप्षित्र (देप्षित्र हित्य) हिता- जात्रय-वीत्रकाषिक्षकार्व्यक्ताना स्मानिकः (हिसा, कृलका (मेरा), वर्ण प्रदेश, भीता उ द्राहम काम मिरा स्मा-स्तिवं स्तर्व ) अनुरे (अनुकाय लख्ने द्र.) (माकार्व (30 get 2 \$ 10.) Prana: (anis ergings) 11 2 511 त्यारदं: (चार्ककं) लामसामि (लाममध्यम) आवृदेकात (वर्षाकात ) मथाए (वंत्रमत्ने )

र्रे या गाय तार्य (में टबंग गृह र्रीय का भावेश राजा ता गाया गे यानि [-१वर]) र्ष्वास्य-स्निविवानिल (द्रष्यानिल्य पर्यमेल रेम्ते ) वर्जामाया मेठति (वर्जामान्धिकेत व्यवस्त्र प्रकार्व ) अल्यामारि (द्रोप्त दर्शत्य) भर्वः (हारिषक् इवेट्व) अभगनगढिः (अभनभीनने-बक्त ) त्यारोकेका (केम्बर ) दर्द (चये) शवकातः (हाकलते) छे सभी ह (डेसाभ रहेगा) प्रमा (इस्टेवि) लाह्य ( व्याया ] युक्त ह नार्य डड्य ) 110011 रेशमः (नामम्सर्वांश ) हार्वाहः (मानाः (तावा (प्राथमार्ष ) भड़ (अर्ड [नक]) च्राजमा (न्युराजमारा) मार्काद्यः (था, परम्ब मध्व ) र बाड ( र ब डम्ड ) र्व द (मक्षतं ) ससरकरेलरे (प्रकर् क्षात्रं ) व्यर्ण (वेनक्षं (क्ष भाविष्या (um में न कर्म (त्रत )। 1 68 11 (नार्यभी (त्रार्व्यभी एवनी) व्यवणी (आकमात्रा) 22 क्षिर (22 प्रमा अक्तेम ) वर त्वरूप (श्रावं मांबुरम्प) प्राची: (दाभी गर्ने अर्व भेरे (टम भात का भेरा) लिक्यां (लिक्यां अध्व ) लिक्टिश (स्मादिकामुम) त्वे भूति ( भूछ क्ष्मांक ) amanis (amania वृत्वेक) नन्स (aran दिला इवेट्सर )॥ ५ ए॥

रील्ल मन-वंरमाः (में का एड वेल्डिक क्लाबारेका) उठा वर्ष यम्भः (अस्तव म्न्नी मन) बगरिर्यम्मः (बागवं हळम्भी म्यरीमने) प्रवेती-- रसमाद किन्निक (म्यूनिक किनिक्रवार्त मदमा (ध्वामी क किमि अवर्त) डे विष्यदमा : (कन्दर्ध-खादन देवन्यूष्ट्र ) मन्सम्बा: (मन्सद्धायने), » जाभिष्यामा: (।मिश्येम वसम चिष्ट्]) अभवादमा: (छि अउनत्भव डेम्म्य प्रकार्व ) प्रदेश प्रदेश (अह धर क्रेड) मर : (ममानक रहेत्यर)॥ १ ।। उठ (लिया:) केटक हिनदास (मिक्केंस मिर्) पंत्राह (मम्बद्धार ) दुरमेह (द्रार्ट डर्ग्स) बनवभार्छ क्रामार् (बनवारी व्यापित्र) धार्मार्वास (मन्यस्व दुरेकायर ) में येश लार्टि (समेंसे हार हिर्दिक रहे य [निरंबत ]) खिल-के सेराब का मा: (रामक्य क्ष्रम् वाविव विकास), धारं पूकारह: (त्रमंत हनकारिकान्त्र) । ख्रिया (त्यत्राय निका) विन्य प्रमण्छर् (विन्यानम-मनुष्ठ) की वनर्ष (भीवत ) जीवत् (जीवत [इद्रेशिट्न])॥ ५ १॥ वण (आरा:) क्रक (अहम कर्म) तिन्यूरी (१९वं में यहामाम् ) लाहिक एमा (१डाह्य १८ मंड)

देत्राह (द्वार इत्रात ) उव म्याह-व्यामार (उत्वर मंबर्गान्य ) में मार्ड (से मध्येष ) में में लामारे (दरम् इमेगाह्य), अवार्ष- विमेश- हिंदा- नेकवायी (भीड़ा, विषय अहिडासम के लिडकवादि) मिलीमा (प्रात्व रंत्र्य निका) वर्ष- (काक्यु- मर्पि : (त्यरंस्त रक्तकाकीयम्) ज्ञाम्काद्यः (ज्ञाम्सेल क्ष्याक्रमाम्ब अविक ) विमारि ह (विमिर इत्रेम्मिट्स )।। ए ए। -उमार्थार के के विवासियाया (ब्राय्येगमार्य रे कु अंक किंग्यान स्ववंता ) अमेश्य कारी संस्-नेद्या (द्रव्याम् काष्ट्रकां सकताम नापकं नाममारं) प्रकार-कार्य कार्या (प्रकार कार्य कार्य मार्था) विमलगढ़ (कार्यमध्यक ) केक्स (म्रिक्ट त्राचावर्त (म्यक्यता) न नात (नाव वर्गाह्य)॥ जना नणड्याम् ७ वत्रकीमार् (मण्याविव णड्यात लाडार्स्ट्रा. Сपाअर्रेसड्याप्त्यं) बर्डेश्यु (सॅ.श.-हा। शुरु ) विकश्न में भाग (। दिश्य ते अमा (मा) यदा (यत कार्य-गे ) टम्पूर्वः (जीवटक्व ) मुद्रा (मुद्र) रेशायुर्या (अनेयमेशायक्त समबंतेयय) है। ग्राबीता. ( प्रथा मं य बाबी सामा ) म् जाति वा वास्त ( व्यक्षार

भूति इत्रेशाउ) रेह (उमार्क) भागाव (अविव इत्रेशादिन )। २०॥

त्यामिकार्याः (त्याणीयते ) औरत्न : (क्वीकृत्यन ) वदन-कस्रवर (भूभक्षत्र) प्रजिर् पर्नर् (दमार्थिमा दमार्थमा), उद्दर्श प्रायं नाज् (उदी म धार्म भर्म काम ) म्मर् मार् (कार्य कार्यमा कार्यमा) । जनू भारतमार (कारत (अवत ) मार्ट मार्ट (मामाप कर्म्ता कर्म्ता) उपविवस्त्रिक्षिण- वर्मी- विकापर (धिवर् ] उत्रात् क्ष्य के सर्भर्मित्मार्ग म्योक वर् भी देवाने ) स्नापर कारर (धारकाम कार्ने मा कार्ने मा ) भागते (मिक निवा) अपक रेजियार (अक रेजियक) व्यक्तिर असूर (प्रमार्कन-डात भावे अर्थ कार्यमादितान विश्वत भार्यमण् अहे अम्बार्ग अव्दिनं मर्बेनं आक्राम्द्रे न्यान वन् बर्जी क्या के का कारत कर्ति है निष्ठे दे का कर वक राज्यम (आवर प्रिक ररेख्टि) ॥ २३॥ व्यीनाविकामानं वित्याकत्मपूर्व (अनिक्वनं कराम. मुखिकाम बारे) अर्म्ह - प्रधी (प्रविद्त अर्थ मार्डिर) भः (चीर्य) पमा (एसम) धार्मः धार्वर (धार्म ररेमार्टिम ), मह धमारंग-

(कार्य-कर्षाकाकाडिः (धालन प्रकत न्यती मार्यन करो अक्ष वार्र गानि धावा ) अर् छिन्न प्रकाव ग्रवः धानि (मर्वा तं ममाम्हारम विक इरेगा ७) कारे (विवि) ONLY (CHAIN ONE अ द म पार )॥ 451 यः (जीकृष्क) वाक्रिकाणाः (जीवाक्षावं) वाक्रिक्यमन् रामिलामुण-त्यम त्यका ९ (मू अहत्यन भेय १ राभ सम धम् एवं भर्किकि प्रकार्ये ) भक्ष (एक्म) मानिर्छि (धवाम (अवस मूम अनु क क केमिरियन) टमाल- मुद्रुलार् (मिन्निय टमालम्योताहतामलेत) वद्रताल वृत्य- त्यापड्ड- भ्रिका मृष्-सन् - अक्नावभादार (संसहत्त्र वार्ष दंत्र व नर देनात द्रामा रामार्थित-कालिक विस्वित्रपृत्य धावनायमा १२ व ) उद्वर न (जानुना भून्य धनु छव कर्वन मात्रे)।। २७।। (मार्ताः Сита ट्रायम : ([लपडेन ] Ситаны (mary) सीमार (ट्याकेय-वस्ता मान्ये) प्या-केयर (द्रास्ता. कार्या कर्ता (कार्य न कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य ( अस्त्रभूर दावा क्रिक्ट । दिनी 'रेकादि माम्राधनक रक आक हाना ) CM=कूति: (यत्रीवर्ण अकृषि 'CM' गरित अल्ड ) त्मा-कूम ( (क्रूमरेक) त्माकूम ? मिट्र (लाकूट्स धातम्त कार्वातत)॥ 28"

मिल्द्रे (स्थारिकारा व स्थाय स्थाराया ) काममार (इस इरेक) भश्मित्रह (प्रमामक) , क्राविक-व्यापकर (त्रंत्रमेकः) मान् सान् (साम्यक्ष क्रितं) दर् (म्युर्काद,) रेवंद: अवर (रेव-पत विकार अन्हार्ड)) इ ४० (था ८० (इ स आह ) मिति रेच (मिति मार्ग) लास (अमरिस) लामारी (पात कर्षता) है बेट्डी (हम्म करिए कार्न् ) हारि (क्रम्स) मिन्निका (श्रव्येभूवक ) जमात्राः (हाराव प्रम ) ट्याकंप्टा ( निजीकारे [ नवर ] ) निजानि ( प्रसहक ) मर्गियाही (ज्याना कर्न्या) कार्क्षाति (अवस धाडी छे) कामक : (माल कार्नुमार्ग्य )।। ग्रा (का किट्ये (कारा चार्यास व विवा क्या सर्वायां ) र्शियाः (जैन च्युक्टिकं) सक्त्यापं (समंबर्धेट-यारेक) ट्यार्निन मृत्यात् (ट्यार्निन मृत्रमं)धातकात् (धनक गावि) वभगकत्मन (मस्यकत्माण) रिवेशनात्। (आनुकेत कार्यात कार्यात) सेन-मेंक. अगः अद्भः (अपते अत्याव ध्रायाकार) ताम्मान (ताम्मनंद्रक्) क्षामनंद्रम् (त्रमाय-यडकार्व ) प्रयम् (क्षायम् कर क्ष्यंग्रह्स्य )॥ भन्।

मक्क वर्षमा वर्ष (मस्मार्क मभागमात्य ) वक्ताव्याः (जीक्टक्षेत्र) जाजादि-(मारके: (मिण अकृति भक्त ट्लारकर आर्थ) विसमर् (विसम) आवर्ष (आठ:-यादयं प्रांत्र ) लागार (र्युन्प्रह्म ) ' क्रिय (। कि ) आज्क्षतर् (आज: कातीत् ) जप (प्रिमातन) उद्विन्द क्राध्याखन् (डेअन्मारन जीक्रकन विष्द-रामुक सेमाय सरम्पुर रंग) आमंद्रेयर ([mis] भक्ताकातीन । मितराम् ) भर्भूषि- मर्मापा उन्र् (डेडव्यात मिनमनिं अत्याद्यं प्रकार इम्)॥२१॥ था (धमहन ) धर् छमात् (भूर्य ) अव्यवनाठ: (भिन अ विकासांका) अक्षाहत्म त्याकास प्रक्रमण रेव (एक्स असाहत्य क्लिन्नाम्मिक प्रश्यक क्रिया [ किटियम कंग्रेंग मिक्स (टिल्क्स) (कमार : (म्मेकि [प्रमायकामाना]) Ситиса (Си-नायानं [पाश्यक् व्याप्त पा-प्रमेर् क प्रवेतव करकेंगा ]) वयमाम्म (करिया कबाई मारियय)॥ भ्रम।। ल्ला (मीकक [त्यानामां मित्र]) प्रमान्त्र नर् (गमन्त्रात्य) वेमक वेमक (विमध् वेमप्टादि) टिन् : (नर अमृता माजी), नक मंत्री : (हिम्अमृता

माजी-), नर्मण्यी: (ट्यम्बर्भा), मुखी: (अल्लोक्की. (यूरे) अ अर्थे कुका: (लिएक कर्ते क्ष में हा भाव) ) याश्री: (प्रक्रामकावेश माडी) देलमर्गः (अवस्त्री माडी.) मटकारी: (अय-पाइम. cu) रकार (र्व ) वरमञ्चार (ररमञ्च ) कतार (क.) म्यान क्षाम भी कार्य (माम प्रमार क्ष्र) (क.) म्यान क्ष्या क्ष्र कार्य (म्यान व्यापन ) निरमा (खर्यम कवार्या) जर्भमा (वर्म-धन्दि ) आतंत्राम्य (कार्व ह्य नाप अंग्रिंग हित्तत )॥ २२ - २००॥ वस्त्र अर्थ (चीक्टक्र न्यास्त्र वरा) देव केंक-मानभा ७३११ (हि एवं छेर्मूका मिवकान)। मिन्डार् (स्पर्वा (स्ट्रा) में क: (कांबावं) लाख्य : लाख (क्रामित कर्नात ) जामी (वीक्रक) मचानी-त्यात्रा दे में कः (क्ये यान् त्यार्था क्रांत दे दे में क इंद्रेंग ) करा (मजर ) यंडड परि ( वंडपकार ) न नेक्ट्र (रेक्ट्र इर्ट्यनमा), ज्या (ज्यन) र्यक: (मिका न्युपम महाकात ) वर लाइ (काराक विभित्तत )॥ २० >॥

माय: (दिन्तारी) अपी १ (अर्थकात) विद्यारा ह (डिज्यास कंगक) " १ तुक्र : (वर्रमाप्) वर्ग : विवसी ( द्वा अप क्वक ), अर्थ (and ) अर्थ (2 अर्थ) out ( ( 4 5 ing [ - 46] ) - 5 ( - 7) ( man: (ट्यानमान ) (पास्तर द्याद मेंचा: याष्ट्र (पा-(साउर्प दुर्व में बाद काइगार )1120511 [aare] selm, (creen inters;) miley. मबार ( (बासका दुल्दमं आख्र मार्थ गर्म ) गेर्ड माठड (रिटर माड) माना (ध्रमुकर्क) वान (ICS) ALULY): (ALWERIAL) WMELL (myo ठड्डां ) अवक्तात्म (अविकास दें इड्डा) (पाटला अन्त (Cur. त्या अपा ) अप : (अपकार) minos (Esura Janges) 1100011 [ज्या ] रहे: (धर्मान ) कृष्ण (अरिकाक) कत्रम (लाकत्र म अवस्य ) यार (श्रास्त्रम) के क ( ( या की का ) कर ( must ) में दे हों ! के ( \* ge & sour ) suga; ( 46/200 25, ing ) 255 नाह ( [ व्यास ] मर्द्य व्यास ) व्यात- तकाकातः (व्यात-(कांकरम ) म: (orrances) आमेरम, बंध (कीयम नंभर 44 ) 11 30 811.

बदेस्यमं (बारम्यमेक्स ) क्यास्ति (ट्यार्ट्यास्त्र) ल्यासाह्यः (रें. १८४ मण्ड ग्राम्य) व्यवत्त्रम् (न्यायमार्ग्यांशः) देतः (यावंत्रावं) क्यामार्गार्थकः : (यर लागर, जन्मम कांद्रप [नवर ]) विवास में ( ever aforemen ) onto 18 mil : ( 510 the in लाक्ष्य कार्यां) मदास्थः (असव वमारिवनं आहेट) केक: (च्यक) आशाह: (प्रदेश्याप्तं, राम् तिरायव उद्गार ) तिमान रें ( तिमार्टि ) अवटम्ह (मधन क्षतिन )॥२०६॥ लिया (व्या)भक्षत्र (चाक्रकं मक्त भठिवं गम् ) अर्थर र न ने ह्या क्षेत्र ( चात्र न्यवं) त्रिक महके माइट लार्क है अर्थाय ) इट्यं ( जुर्क दिन्यं ) यानू-सावं: (मरश्वं मार्वं सार्वे मार्वे में ) के ने द्या वासी ना: लाम् ( ब्राच कर्षा व अम् ग्रास्त क्रमसम् इस (व उ) सार्य (अमराद्य) किं कार्य सं कार्य (वास्त त्यात्र्या भार्कतं क्ष्मा अभार्षकं (सिर्काक अम् राम न वास विकास विकास विकास विकास ) मिनास् भिरा : (मिन-मिन-मूर्य MJrie (MSAL ) 11 >0011

ब्रामण (इत्मणनी) भवटके प्रवत्न (प्रदेशमंत उ वल (दावन अधि ) इटको (क्रीकृष्णाक ) भूटर (पर्द ) भीटि (पर्ना त्यात्र ) क्यात्री. ( (बंग्रु मार्सेश.) लिं यमं (लिं यां म्पूर्व) (कीण्यादा (आद्यभागन मूर्क) व्यवणी । अपने (आक्षामारं भन्न कर्षात्म )॥ २०१॥ (पार्टिपटला: (क्युटिपार्टिश्व ) (पासमार (सम्मर्थि ) माध्वाविषयं वासाः (ग्रामात्वे विवस्काल देनमाधिक र्यमाहिन [नवर]) MI BURE: ( TING REPENMENTS ) 18150-उदम्भाम: (उपराष् धम्मामार्य ) असकी: [ माराका ] लाल मनं उद्या हुं हर माहित्य " [(१५)] व्यक्तिकामाः (म्यांक्रकेष्ट पान-अर्थनार्ते ) उद्यक्तान - विष्ट्रपार्धि - प्रश्विपार्देखाः (हिट्ड डंक्टर मर्भा रिक्टर देन (किन द्राम वावी मन्त्राविक्त त्रवे मुद्रार डे कि इरेम ) जिम जिम ड वन १ (जिन निश मेर्टर ) सद्यार : (स्पर्नान कार्वनाम्हित्स )। ४० ५ ।।

क्रमें न्यापूर्व (कार्बें का काष्ट्र भारत् कारका) = रेक्स. ( अँ त्वरं ) क्षियार (राष्ट्र साप्तं सरम्) वलक्रक कृष्टे: (अकृष्ठ भूयम् कृष्टिं [ वनर ] ) दावा नत- वार्या - वन्ना श्रिष्टि भूषा १ (दायान नामा ह वयस्तु लवार्ष्ट व्यापुपरम्ब अर्क, ) सक्षेत्रः (अवस वार्ष्य ) अक्रमार भार : (अक्रमार ш. ? ) गमा ( ( प्रक्रेश ) अन्याप्रमेश व प्रमु-(organi mesus se si ) " Constantisto (32) anyuigh alma ) du; one (duini इर्व: प्रमातः (स्किति प्रमापा) द्या लाहि (एमड्से अ अन्याम मामक उद्गांभ्य )।१००% नी ए । का अमा का विल मिल प्रकार प्रवास्त (मारा मुक्किम प्रिंतकं आरं अस्मिवं दमवं-अकंत क्यांका वामाना के रिवाक मत्रवंता) च्याके पाम था मक्ष्य प्रति (वंदामें थाए० af is hundred marie gollen-कार्माट्य), जीकीकमालाप्ताए (जीयार,

धीत टामकाश्वं मार्डि माराकं द्रेश रहनादि [326] = Hanwagasia ( Alsinanai. Curangia, sa at ord ISCOL TUSTA, DARM इरेक्टि), त्मार्क्षितीलामूट कर्क (भीरामिक-Westerna [cro]) escar a ल दिल् अंप्त ) का अबार कामुकास्त : (का अंगर -(कामुनं वर्ष धारात ) लाम (मंद्यायक) क्षेत्रहिल्ला हिंदः (देना हिल्ल- मरक्ष orund ( my- dig x or la 2 x y ) 11 2 9 11

## विष्य मर्ग

[ागुरु ] मांद (मक्राका (प्र) प्रमंत्रमुके ति (त्रिम क्रियं-उ (म इ करता ) असभा (भिन्न सभी भाग ) ट्या बिजा तक रहागाए (लट्यक सकावं त्वाकार सका त्यंत्र कार्बतं मार्चतं ) सन्त्रामुक्तिन. (अत्रामम्बर्धिकरूट (अभीकर्ष्य) लाम् व सिन्वरम् ट्याव (असे लामारे पर्ने न्या लिए इं क्या कार्ने ने हिल्म न जर्मन ) कार वासार ह (क्षीवासाटन निवर । भीति ] ) सूभावर (सून्द्रकाल मात), व्यास्त्र (व्या त्यार ), यूप्र ध्रू (विकाश्य )क्राती-लानिष्ट् (बननीव लामन का छव लकार) आस्टलाके (ट्याटक मार्नमा ) मिर्यटिंग क्रामिट्यार्ट (ट्या-मम्टर् (राज्यकात् सक्तास्य वें ब्र ) में यः ( वें प्रधारं ) मर्धिरं धन (मिन मृत्य धार्मिमा ) दुक्त वड १ (१४१वन क्षिमाहित्यम ) वर् (त्ये ) उत्तर् १६ (चीराम्म. ह अत्व ) मानामि (मान्ने कान् (छाट )।। ।।। लाम (लयत्रें ) या बालामं (बालामं) यरपर one ( Els. ownin ) Day ( daries) on sa-विशिकार परिने विकास ( अपप्र दिवसिकास दिक्सीक कार्या ) मानात् (कृष्णानेतक ) जार्रायपते (उपराततः (भवारं ) प्रिमेश लाम (प्रत्याम मेर्डक) प्रमाष्टिक-

रिवार (भिर्व भिक्द्रमिक ) मित्राक्ष कार लाज (क्षेत्रको (क क्षेत्रिक)।। २।। De (ce De) ( Les ) I sique anue ( minpri And mo), ore काल (प्रकटिमां) विरं (वेंसि) शकार समाह (क्षेत्राक्ष्यं मिकरि भाउ) , जार् आकी (द्रामं मिकरे आश्या करिया ) व्यर्गा (मक्सा ) कि वरंग केवान (इत्याक प्रमुक ) के कका हराय (मार्किक के हिकन [७]) अखपानि (शिकातक) आपृति (प्रभापू) ल पड़ कानि (ल पड़ क प्रमूत्र ) बरेले : प्रेर (बरेक्प्रपृत्र न यहिं ) लाम में (पर्मा लाम) ' (म (लामानं) में (या (मूल्यम्मम ) यमस्माद (भाषाम डभरन ) हिन्द्रीवितर्ग भागार (हिन्मी ररेएक)॥७॥ मा ( विभेष ] सामका ) राज्यताः (राज्यवीव) प्रिटिका : (लाट्रमार्स) प्रिटिकार अंगर सम्मान प्रात्म कर्त (क्रम्य क्रांक) बन्ना क्रिक मंग्र भागित्रे वा म मन के दे दे का के वा हि त्वत ) मनवार (तारे) वासिकार मद्रा (त्राक्रक प्रकार्य) द्रम्भान (त्याक) देव-सर्व ) जागास्य ( आर्या कर्वत्वत्र ) ।। ।।।

वाबर (चत्र समर्भंद्र ) रे तमे महिन (रेमान क्वांत्रा) ( neget of total of the pound ( year) the te भी लाविक म्नाडिक्ट् (भी लाविक मृतं - मामक) प्राक्षणक्ष १ (माइए-ज्ञास्त्रम् ) ज्ञाहरमा (मिर्दन कार्नियम )॥ ए॥ जी ना विका (की निवा का 3) जाने (त्यरे मकत) उपमान (एमका प्रवा ) ब नाक द्वामा - मन् वा - मृश्यात्मक (मूर्य बस्काना व्यान्त म्या पं देवम म्वम्यासमृति) र्मक र्मक (म्यक र्मालात ) व्यर (म्यक स्त) हिवास के केर (मित्र कार्स ने। विशेष ह (मे मकत स्टिनाना ) हिल्लिक (हिनाकि ) विश्वीर (स्विक) माक्त मान्दि (काक्रममं व्यक्तनं वित्तत्व) व्यक्तमं ( यर मानय मेन्स ) बडा में बार्क (बजनसाम्परिक) डर (CHE काकाकाकार ) मकस्मार ब्रमभार (ज्या) उ कहु थीन प्रिकरे ) नामा (अभी कार्यम [नक्]) अलार् (ज्यादिन निकरे) जायू न कीरिया: ह गामा (वास्त्र मिरिकाउ अमान कर्ममा) कान फाजमाद्भ छ-कू कुर्राट्म (भाक्ष क रक्ष क थाडिक छ -अभावा ) क्षतिकारें (क्षतिकाम तिकारें ) भूतः (भूतमारं) ed news (diges new Za) nagind (may कार्वनाहित्यत्र)॥ १०- १०॥ या ई लाभ (श्रम्कात) वाल्यार (क्स्ने व व्यम्भेव म्मिक विकास द्वार्मिस शक्त ) वर कामुन (वरममेंदन) लामुन (लामनम विक्स ) राजम्मुन् (राजमानं प्रमाद) मुख्यम् (विद्यम्य कार्याय ) भा (विक् ] ब्रालक्षी) छाडि: (छात्राद्धन द्वाना ) जाति (अअक्त त्याका वर्ष) ला टार्न (खाद्ये लाट्य ) र्मक र्मिक क्यावंगर (अंग्रें बेंग्रें स्राय क्वांत्रंगाहित्य )॥१॥ करा (वर्काट्य ) आ (जीयरमादर ) क्यार (के अक्य (ताश) बस् ) तमा (चर्ड) साममंत्रक वामार (प्रम र्रे (४ से बे के कार्य के सर्व के के अरंप्रामर (Miscon governa Zalnasca) was was (क्षक क्षक अर्भ ) भारत्र १ (क्षाडित भारत कार्मा) लाराम् (मक्रा म ) पानाममां वास्मे हैं ( अन्तरं प्र Gen (मा) विस्तित तम करा ) वर्ष छा: पत्ते (बामन -वासकमार्थन निक्षे वास्त्र कर्णात्रत्र)॥००॥ [अमडाव] दगरेम: (क्वामे ) अमं क्याममाक्रामित्ता-वर्ताभीतः (कां मधायत अखानं क्यार्तः देवर्तः

मात ) मार्याम् मामती माळ नवग्र अक्षमार्थ हो : (धार्शन , नवीन ट्यांड माण् वस्पूलन मार्थने) ) त्याम-प्रकातं । जितकारमभामा ना विष्वते : (कनम्भावं दिनक- बहरा, हत्यनादिक व्यास्त्रवन, माना व व्यवस्थान-यान्यामा ) रमानुता: केकार्या: (म्रोकेक सर्वे कवं. टमका कावित्न छाराका) (छाकु १ (ट्यामतम्बन्ड) आमत (अम्मत ) निविधे : (डेअखमन कार्नेसन)॥>>->१॥ MA (MARA) mai (mai ) MAO: (MALIA) CO.21: (अरादिनाक)क्षार (प्राक्ष्य ) नाविष्क्रवानि (मानिक्त), विविधाति (विविध) भातकारि- व्यातारि-कतानि (भातक ७ वंभाता अकृषि प्रक् क नमपूर), भीगृश्यार्-कर्वाकतिकाष्ठ कार्यका: (भीगृश्यार्, कर्ष्यानी , अमृष्ट्रकारी), वरेकार (विचित्र वरेक-भर्षेत्र ) " अल्टेकाप्त (मल्डक्सर्ग्य [नवर ] ) नामी -प्रकृषानारिकानि ६ ( भूषभन् धन् कर्षे ) दासी (मात्र कार्यमाष्ट्रिता )॥ ३७-३८॥ (छ (छाराया) भर्न भागत-मधीड: (धर्म भागतम् भावित्राम बाक्सारि धावा ) इभडः रामभंडः (अभन यामा कर्नमा नद् व्यवस्य रामा समाय्ना) मेरा (लाड्नां उस् प्रज्यादं)

हरित अवित (कार्य व सामाक्ति मा मारास्त्र भीत्र ) लाहतर (लाहत्त्रसारह) अनुरं (अनुकास) लाइ (जन्मन ) विकास : (विकास कार्याम ) 113611 मारेमः (क्लामने ) जायुत्र-बाजनामितिः (लायुत्र उ रोअप्रामुक्षाना ) (अद्वा: (व न (व (व्यस्तिन टमवा कावरान भकत्व ) श्रिमिर्छ : श्रिटि : (भाषामिष खियम त्यं महिक) (पास्त्रामं (त्या-त्यात्र स्या) Ly: (dydin) Culmina ( Culminin) nh: (अधन कार्नुगाहित्यन)॥ ३७॥ रामिकिका (सम्क्री) अमना (मिन्नमेरी) छनेपामण ( छप्तासास्त्रें ) व्हिल्ला ( स्रीकेटक के विवाद-(मास ) खर मर्ड (खरमम्म कर ) मिक्कर (पामान) क्रीवादार्म (अविश्व विश्र ) (अवग्रमात्र (ट्यवंत कार्यात्म )॥ २१॥ मायुर्वेसा (मश्रीमार्ष्व मार्व )मा (क्यांबा) वर (काम्रे कामारी (कामर्यम् नेत्य ) रक्षाप्रमार ( १ का मारान ) लाखार (लार्बार म् कार्बना ) प्लाधरंथ. चुढं (प्पारमारम युपाबंद ) केकं तमा है। (या के रकं माड ) अल्पेट्री (टे.क्.बाव मार्डा ) है यर प्रवेतर

( लाक्षां लायपादाम् कार्यात्र )॥३६॥ क्रियो विषय (क्रथमण मिकारम) क्षः (चीर्क) ous ( our orge cuity stan u sign owngry) ery, omy (mora yelf anger erain) Q: माशुक्रिक : असर (अप्रह्में प्रतिक अर्थक ) अर मार्क र (यमक्त्यादं भाष कार्यका प्रा ) मर्भेषा (तम्यतं) के लाम सरं : १ (कमन व वा मायात्व ) संबंध. (अलय अर्वित्र) 'क्स (क्ष्य) रामः (विद्यापन) यामिनः (सके हित्य ) भाग वार्यन । विविध - इभागी ( ताकार कटक डिडिस (हास) अस् िवर ]) मायुना-हर्न- व समादीनि काल (साम डका काहरे व बसारि) र्रे प्रका (अयुर्ध ) मर्ने : ( व्यिक्टाएं अवस्त्रे ] मार्ट्ड ) 112911 वय (त्रमार्थ) त्रीहा: त्रीयमा: (व (द्राप्रादा मात व स्थाल (बलक्ष्में अन्त ) हिंदेर महिंद. (- आर दिला का निर्मा ) भड्डा : (विकास (वि) Culturin (Culturation 24) Car an (Cur अटलत् ) में प्र: (में प्रकार ) अनायरं मारि वस. (वस्त्र ) मा. चाका लाखा. (चांचाका ७) मार्ट मात्र-

क्रामार (मक्राकामीय ख्राप्तं हत्न ) समाहरंगः भवा (यन्ना अर्थ अर्थ अर्थ ) के का अं यम् वार्थित (न्युक्टिक के ला मं मर्मिक समक्राकारां) लामे (आवाम (लर्डेस स्माविव स्का) साक्षा (सामसत्त्र ) र्यस्त्र (र्यायवाह्यां) रेकारं (म्हर्ककाक) is (Charlie Cold) whis ) adring (लाक्ष्र कार्यावार [नडड ])लाभ (चांबास करंदन) दमा लास - वाल वर (केंस इस्ति व स्तिमंत्र कास. न्यार्केटक दे कार्यालक) है देश (एक्स कार्यां) दे अन्ति (क्रिक्क दिन्न दिन्न दिन्न दिन्न क्रिक दे ) मूर् माड (रिट्र ममय कार्याख्य )।। 5>-5511 [क्याकिक दे स्थानायानं महायकार्य ] ति रामाः (क्छायप) क्यांब-वार्त्रेय-भाज श्रेथ प्रमाप्तः (हमान वामें या सम् त प्रथम हाडि पर्म [नवर]) तिर्णिल- भाभ- स्यादिकार्तिः (हर्षत्रातिवं भाद-बक्षत्र बेक्षे ' आमा व बिचारि कुर्ब १ कर्नितंत,) कर (क्षात्रं ) लाये मं : (लायं समय कार्का वर )।। र ०।। [तर्यात । मात ] अरहे । आहे कि महि (अहे । व क्रित्वं) यात्राच्छे (क्रिक्मित क्रकेता)

Сшый ह सामार ह (cumany क राममपुटक) उउद्भूषो (विद्रिकार्यकं) अभाष्मकु (धारम-क्षात्र भूवक ) आस्वात एए मृद्धि ( तिराम क्रामेर त्या के कि के अरम व हिंद में कि आंव कार्क विकित्य [ वर् ] ) भू द्वार्वा तक भट्गा भरेग मेर ( भारा व मसार्भ र १ भर्भाक दे असी विस्म आकार हिल । [ वरेक्य] ) जाउर (जीतल प्रश्वाकाक ) अभात् (प्रम्य कर्तिना ' [तर्र माराया]) इक्षावाद्य: (इक्षानादा) व्यक्षक क्षत्रक: (विकाद क्ष्यत्रक) ब्रेन्स्यरं (बर्मसप्ति) लाक्षंत्रे : (लाक्ष्य कर्नेट कार्या ) डेक्कर्राभाः (प्रभ उ कर्मभूसन डेखानन-भूविक ) खलार्थ (श्रीकृतकत् अरभव मित्क) मिरिड -भावताताषुत्रमाः (छेत्राव दर्भताषु वन) देर मेक प्रमम्भय प्रिम कार्यावाइ) विद्या-कार्यः भ्रम्य क्रम्यः (वामात्मव कार्यं कार्यं अविविष्टि डार्सः (स्माना त्वं डार्स) भागव-हत्रताः (भाशासन् मध्य वाका भिरिष्ट विक् माराजा]) रेकार्वार त्रवद्याः (टेका त्रवार मन्

कांब्रिटि । [नर्मेल])कालाहर (काल्कर) Fall: (AMBCHISH "[SEGAR]) CHISSL: (certa count [ [ 145] ) on wait: ( espais) प्रायानाः र्वतः ह (प्रायाना र्वत्यः [प्रायाना कार्न में मूनक ग्रामना ने ) वक्तायाः (एम एक-स्तिव्यक्ष्य सिर्क गत्ममेग्यं ) दुरुक्तः ता: (त्यर देवकार्वा दिनुसर्क [ वर्ट]) श्राः ( L'ain ) mogri ( ulmoning no auli) ७ उसाषु : वव्यकात् ह (त्यरे त्यरे भाषा सिन्न बर्मापुरक ) ल्यास्कां हु ( ल्यास्वा स्वर्ष ) इंड (कमारं) भवाद अगः (स्म्मात्ने देश) त्यारं (दारक्ष् (दायन कार्नमा कार्नमा) भरेगानिए (भरे-प्रभूर ) भून्येषु ( भून्ते कार्रा कान्ए ) अक्यामे (अश्ट क्षेत्र अटमन दिल) विग्रामः (५ मह-खियात कार्ना- कार्नाट्य " [न्द्रकेल]) Cuitas अपुरं १ वास (त्यानापुरक विस्य कार्ना अवर् भाषाया ]) भूभाम् (प्राम्भाने ) क्राम् (क्यममध्य) विदाय मन्द्र (भ्राम कर्ने

मार्टिट्र ) म्यान (मून [क्समम्पूर]) एका र ( वेड डर्ड ) (आजनात: (स्थय मह्माराज्य ) संस्थात (असरिस) लायनेये ( अझने लाम्सिटार्ड " [ग्राया]) अमल्यारकर (चिक्रकं मल्यिकं यम द्वेशाक्व "[नदंशल]) अटमहर्वतर (म्या दावयारी) भाषेषावकामार सम्ह (भाषे-द्रावक्षम् (क [ एन्स्य कार्य मा पत्र कार्यावा]) र्मा : भूरे : (म् अं ७ भूव धावा ) भूप : (काववाव) द्रार मार्नेतः (द्राट्स विगीम कार्नेता ) पद्गित-जान- अत-गारिण मुदात् (मधीन ठेळ मत्प लाकालामक में में बिंद कार्व किट्ट ) मामका-मणेष्टमं (अलूमेश भाषीन ममेरमं वना) अर्थकं (अर्थकं ) सर्वाव: (मेश्वंव द्र्यं) शिवण: (क्षावण श्रेटण्ट ), जान (वर्काम) ज्यवंगर् ( करत स्वयम् किए क्ष्यं करवंगा ‡ नवर ] ) सिमः (अवम्पव ) में पः (अवमाव) सक्षामस्य (सस्य सस्य वामाव कार्यो।)

क्युलामें में विषस्य: (क्युलामें क्या के कारवंत्र कार्य) बर्माय ह लाम (बर्मा वंसम्प्र ) रेक्ट्र (तन्त्र कार्योग ) मः अतः (त्यम् न्याक्तिक) सैसिट (इस्टार्स क्रिकार्फिट्रामम )।। 28-2911 [लयके ] लाए के के: (त्युं मुक्क) कार्ड खिल्पात. ( अव्यक्त सामार्मा ) त्याराम भव: (त्यार्भन खार असर अन्तर ) विस् (ज्याक्ट दं ) माट्ट: (मिन्स्रभीर्व) मिनिन: (सम्मानन) का: मा: ह (अरे व्यवपारक) मानुते: (आनुतान के आम-मर्भेग्रह्मां ) भार्येगांसाम (भार्येगा नात क्षंप्रंगा -हिलन)॥ ७०॥ [उरमात ] राष्ट्र: (मीरूक) मीरस्थार्थते: (मीरस-हाना भार्य [3]) कर्त्रेन्य : (कर्तिमस्त्रेना) था: मीन्नेम (स्थिमान्व मित्रकार्क मेर्क) बढेमार आरंतर (बढमाप्टक वाप क्षात्रंग) इत्सार (इक क्षारम कर्न्याकियम [-१४६]) कः Q: P (Curanty के हाका क) त्यार मामास (तार्त कबार्यारित्तत)॥७२॥

[ब्रेकार्य] चिमाः (क्षेत्रधम्) द्रमंत्वं (द्रमंत्रं सम् रांड्रेंग.) । य आंग ( टैंका जाय जे ब्र ) ९ क्कांड्र : (व्यहतातं) हार्डि पहा: (वार्ड मार कार्डिया) पामा: (प्यामान) महमाक्ष्यं (देळार्यमात्व ) दे क्षा (त्यादम कार्ग) निर्वा: ह (निर्व दरेन), आर्य (आर्थ!) जमान (जमान ) भवार (त्वम्मर्भक् ) डेर्च: अमः-भूषिः (भामात्मम् पूर्वामिन् भूमेण) श्रीमणार् न धवाल (भग्नाल हरेनना)॥ ७२॥ Culou: ([about ] Culouy) & musulling -ट्या एट मार (मीक्टक व में मनत्म व मार व हिडमधर्मन को ही ) सवार (सिन् गरने वं ) अगर मर अर (अरं आहे ) जिस्मे अर अर । ( सप्तेश -मर्ग्राक) समार्वार्व के समक्तां: (सत्तवः थार्थारपाल मृष्ठ कत्रभ भकात्व भर्बी ) अर्ष्ट्र (न्नकार्ण) बलामण्: (अम्लधरामायम्) व कं छ : (मध्यारा) भिन्छ : (मर्मा भिर्माहरमम्)॥०७॥ यमार्थिः (वनस्तियं भार्षे) व प्रामी (रभरे) डांब: (चिक्क) त्याद्य: (त्याममान् हांबा) मिन भाक् नामिनार (। मन मिन भाक्त भाक्त लामिन)

क्षेत्राप् (क्ष्यं वर्मम्युक् ) क्षेत्रममं (क्षर्रासक अमर्थि ) अखना (अखना क्षेत्रं [नवर]) ता: था: १ (टार्य क्षित्र त्यान क्षित ) माम्यान (माम्यान) विद्यार (ज्यान काईग्रा) ब्रामिनमा (जीनम् -रकारंग्य ) लाड्यर (समाद ) लामसर (लग्न करनेगाहित्यन)॥ ७८॥ य: ब्रामा केराजा (बर्गायव न्युपल मार्गावार) लाहितः (लावकाइपार्यक शका ) रेकार (रेकान्त) र्रड (र्टार) महाका (अव्यक्ता) " अवायनं सिक् (ट्यामामान द्वान्त्रभूटर ) कि क्षेत्र (क्वामरक) प्रिनेश. (प्रिनेशः कार्यता ) सेटास्टर्र सम्म स्विकार्यं महत्रे प्रश्नारं मकर्मः ह समर (वेजात्म तर्द में अर्थ गरिय मार्थ ) काका रा द्वार (निक धालिए) अवकड (मधन करवंशा-हित्तन) 11001 \*अध्यात्रेत्रेतः कि (लियके ने व्याचा वात सम्भाष्य कर्षां) में अधाकरं-वद्गा (अधक काम्यामकर्क) न्या यामा मिया गढ (न्या यामा निया ) के दर् ( कामा के ) ' हिटका : (क्रियं ) माम 6 का बाज्यात (मकामनाक ) रहे हा: (यन्त्र कार्यमाहायत्र)। ००॥

## Useful Factors

$$(a+b)^3 = a^3 + 2ab + b^3$$

$$(a-b)^4 = a^3 - 2ab + b^3$$

$$a^3 - b^3 = (a+b)(a-b)$$

$$a^3 + b^3 = (a+b)(a^3 - ab + b^3)$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b)(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^3 - c^3) + b(c^3 - a^3) + c(a^3 - b^3) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	3ed. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday							
Baturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা পড়ে "

— दवीखना॰

as James y Marie 100 Sulekhl STAT 3 SOLLEW EUR 2 JAUR MONE , SIGN of 19 Khatas Khatano(त्रीक किं मार्ट (बार प्रिंग क्या ) मा रेल त्रास्त्र, (XOTAGRO) INTEGRE (GROBETHY (A) समा (महार निवर) सरवात व (मिन मरामव-मरेलं) कु हिं कु हिंद (कान त्यान दिन) नियम्पंडि (नियम्ने कार्ने एत ) ॥ ८०॥ मि म: (जीनमाध्याकाक) अभित (द्रापिन) जान भवत्र हू (अराया अवस्तिरे ) निमाडि (निमाडिने करिया ) (अधार (जारायन ) (आक्राभिकार्थर ( (डावतन् क्यक्त प्रकारतन् क्ल ) वर्ष काना (पर्मणंत्मर वाना) अमृत्यक्री १ (मिन मृत्क्यी) नीपरमानारपवीरक) असामिन्य (आरमणर्यंत्रे किशाधितम )॥ 8>॥ ००: (लम्बन ) ब्राज्यनी (ब्राज्यनी) क्रेमी (ज्यो ) भगवी (भगवी ) उथा (वहर) क्रवमार (क्रवमा-माधी ) भागाष्ट्र: (मिक क्षा भन्त ) ०उ९ मुखा- व्यापि- र्मार्थाः ( व्यातिक मैं चर्त भन त अस्प्रमें के विक महित ) लासम् (मियन् करवंगाहित्य )॥ 82॥ [अम्डन ] माड्या (बल्यनी) मरेमा (धर्ममंत्रम

हारा ) लाइवा : (लाइवाय अवाद्ध [अकात]) वय. (СММИ ) माम्यान्य अने मां (आय माम्यान भवत्र) च्यान्यं (य्यायाक) साम् के द्वा (त्रव्यक्ता द्रमायमाय क्याम्मा ) द्रावसार (त्यावत्य वता ) डेलावीवेड: (डेलाटबलम कार्नेट्रिम )।18011 ला (नामला नावादाक) मामले (मामले डाएम) लामा (द्रारान (काक तार्क तार्क ) माला (काम ताला) लयाया (कार्यक चाठकर ) वं अं : ( [नवर ] यम ग-जातम ) शूटको (भूकप् ) भिट्टो (डमरबमन करितन। [Wa]) भूउपपाता: (भूडम अहि) २८नः (श्रीकृत्कन् वाभवाता [नवर्]) वरेषः (बामनेवासकार्त) वसपाकर्त (बस्टपटवन राज्यन्तारम क्रिकारक अनुरंग्रह (पन् )। 8811 [जभर ] बर्गालिकिका (त्लेकिकारीकिकाममाना)भूकत-मत्त्री (भ्डड-मत्त्री) जूनी (प्रेमे) भावीतमताम (आवं त्यम्(प्रव प्रमः) चिम्माना (वाम्मानीकर्क) विकालिया (अनुकार दर्ग ) मरवादिनीका (औरवादिनी: (एक्षेत्र भार्व सिम्ब्स्त ) म्हर्ष (ममम्स) विकालाश- अव्य- प्यंत- म्यान्याः (वाक्रपेयाय-

यन । मुश्राम्त्री 'रम्बंबयन व केंच्यम्रक ) रत्या अर्ब (लाम) बस ) आहार्वायल (आहार्यमात्र कार्ने गाहित्यम) ॥८०॥ Con ( QUESTEL MEST ) COMEN (COLDY DESCRIBER कार् ( दंगहरी व महिव व मी.) ब्रिक्स- कियर-भागमें कि: (विविध बरक्षम् भारत महिक) विदिश्में बर्दिः (एउमरभेवज्युक ) करकवर्य मृजाडि विके: (मर्रवर्र मृष्ठाया प्रामिक), सुनीकृषि: (सुनीकृष), प्रमृद्ति: (काउटकामन) , विलटकोकते : (अध अन्नमपृश्वामा) क्षा: (आवेल्र ) म्मारी: (अनुवानमपूर) त्वार भूव: (अकरमव प्रधार्थ) प्रमानिकाभाव (विकाकिकान डेलर्ड ) निष्टिश प्र (म्रायत कार्न्याहित्यत )॥ १७॥ टिर्म (द्रायाना मकत्य ) श्रियदम् (त्राक्षत्र कर्न्टि लाइस कार्डाय ) मा (क्ये ) कमार (कममः) टमकारि (धकामें डे) देवि विश्- अपूर्य- एपनारि (यतंत्र (रंगवमनेक वरम्याव ब्रेट्रममर्ग) प्रथाय आध्य न्यम्बद्देशन (प्रथाय वर्षार् पूक-लके (धार्मिष् व अमर्गामन मार्व बद्य-मर्गर) क्षित्राम् (विविध विकेस चिक् ] महासमायन-है वा: (इडम आचा बिंबं डाम ह) रैं एं खादु था: ह

(carat caugarnax) ouiscanine ([ & 2) ? (बार्ट्रीका वा ] लाब्दलम कंगर्नाह्यम )।। 8911 ला (लप्डबं) ममर मम (म्पाबं म्पाबं) मरमर (cr cr 2.2 ) 18 no (18 n) " ad ad (abxter) चरम्मक्स : (चरमम्बोक) द्रम्भ त्य (द्राम्बक्ररम) काक्षर (लक्षकर डम्सं ) दंबार्ट्य (दंबार्ट्य) ज्ये (जारादिमा क) जर जर (रमरे मकत वस् ) स्यः (बाव्याव ) मार्ति (मान कार्विभाष्टितन )॥ ४५॥ च्यांक-दाकी (बर्जन्यती) टक्टाः (द्रारात्य प्रकारक ) अर्थन (प्रभाक्ष ) निवृद्धनं ) धन् प्रार (धन प्रा), निश्वितीर (निश्विती), वार्वेडर (क्यांड कर्मर क्यांबिल्स ), ब्रमायार (ब्रमाया) यद ता देव दे ( देव स मादेव क्रम्पर केष्ट्रिकं काम्परे - क्याबिटाय ), बद्भक्षिपनि (अम्बन काष्टात ), लके। सेसर वंगर व्यक्त (नंबर सके व्यामिक क्रा) भावित्यम् गिर्वाव्यम् क्रार्शित्र ) ॥ हरा। क्रिकाटम है रकारत: (क (क्रिक क्रियरिय व बनंभायन ) सर्वका: काल (मार्डेविक इद्रायत) त्र्र प्रवाह्म वा (त्र्रा के हिंदा), वाका क्रिवाताः

(mmigacers) niñosa: (mánstá) ngo (कार विष्ट (समाह (कार क्यारे वान कमा) मम्रम्क मार्ग मान् - पृक्षकानिकः (देर्भकः सर: वाकर व देखि यांचा का का वाव ) में पुर: (काम ) लामरमाव: (यव लामरहादा चिवर वार्य]) अठिएकः (अठिव्यास्य ) मेर्डि: ( मेरलक. लिक ला अप्रवादा ] (क्यांदेवा: (क्यांदेव डर्म्से) वस (उरकारत) मूर्यः (तिव्डवं) बूज्वित्वं (जावत कार्यमादियम [अमह]) ब्रह् ७ ए ए व्यास्त्र लयात् )म लागमें: (माल्कानेटि वादिममार्ड)।।८०॥ आवंतमार (बाव: कामीत (बावत इनेर्व) मामंडियामात (नदं माक्ष) देवरिवार ) इमर (देवरि) क्षडं लर्टेंड (डिअन्त म्यह्नाहिन ( विकान दंसमी-) बट्टा: (धर्म प्रमेट्सब् ) मर्थनी (जाबिश प्रकाबाटक) maggé (magg [385]) ma: (mais) लाकत्य (लाकत्यं) भें देवर (भेंदेवर) ।। ६३।। भन कार्य (महिंव) अमरत (द्वान तकारत ) नार्ववासाता-डामक्रिंग्से (बाक्रामान व क्षांब्रामा दे ब्रामार्व) क्कादीयार (श्रीकृक्षक्षिव [वर]) नामरम

(पायम्बर्धामार्क) मार्के: लाम र (म्युक्टमानं) लामार्क्या (लाखाकर मरेड) लाकर (महिमाहित ) के कास (कमात) वावमंद्रकः (मिर्केसमें माक्सान्ते) मास्यः (माम रिकामतर्थे )रिकार (अक्रिक कि कि । अपनि देख : (DIOCEINA WCHAT [MA)COIACA]) MOST (भाग : (अवत्रे प्रम विक् ]) जम्बक्समार (कल्पात ) क्या : (क्या माम ) त्या दिसा ह लाभी र (त्यादि छन स्राम् हेममं इर्माहिन)॥ वरा (७ (मीरल प्रावास अकृषि भक्त विवसात)) JATE ( COL TO S COL T) THE SHAFE त्रावित्वाः (अकृष्णत् ) वाकुत्माः (पूत्रकालतः) भिष-अस्ता (धर्व दामा अस्त ) , जम्बाक् भूकी-विकृष्डि: (वरीमं वाक्याम्य विक् प्रमूर ), उर्भक्छः विमिय-कृषाविमदेव: (जनीय सोयडपुक कृषमाक्ष् विक्षानं ) , ज्ञासन्द्वातितः (ज्योग जासन्द्रन लाम्य प्रेथत्यवं वाम [चवर ]) वक्षीयकोर्धवादिः विछ । सर्दे : (छाटेन): ह (छती म भर रहा कत कम लसे ति से सा ता हा बड़. तर् वं त्वाका का ना ना वा ना नकान्ने का हिनार (नका निरं व हा हिनार )

मर्टाअभी मर ई मेर (ट्याअम्भ्र) काक्रमार प्रश्ति हिल (अशिकेषात्वरे ना कार्यमा-हित्तन )।। ७७॥ to ( aga - Mai in a sale त्व ( व्नेत्राका अकत्य ) के कैंग भी केंग लाहका ( (बाधन ) आत ७ लाहसाय अने ) माममाहिम : (मामान-कर्क) प्रषाप्रती: वीमगारिता: (डेड मालाप्त व बीक्नादिशाला ) (आवेण: (आवेज इरेमा ) भन्दिकात्मे (अर्थक्षेत्रमूट्र) भन्दि जीतन्त्रया-शाम ) त्यः वर्णः (प्रम मनगर्न मार्ड ) त्यमार् (व्यक्त निक्री) में में : (म्यक ) क्रिया कारंग इ (बरेगनिकाव अली) विज्ञाता: (विज्ञास कर्मण-हित्यन )।। ८८॥ सम्मुक्त (सन्मानामं मार्ड) मन्त्रनी (मिनादा) श्वद की क्षाता कि द जातना (ह अभावान सवाभे हारव द्वारिकाम करिया), कर्नरतादम् लेया: (क्रिंगिकाक्ष देम्ग्रेभिषे वर्ष ) अभूमकार क्षानतम् पूर्णि लाएमा १ (हर्षिक अमार्ड क्षाकिक वे म मान का किया (कार केर ) कताने-

न्यार (तिब्रि) भागंद भागंद (बांब क्षांब भाग कार्य) थिए (आमं) कार्ये हिलारम् ( रे.स. शिकास्तामायक) onde ( wieder erainterny) of (CNIXA) यम् हाया र स्था (टिम हा भागा सिमर ने व प्राकारका ) भकेषा (भक्षित ) भवेज अस (भवेजरे ) भन्नस्की (भणन In )116611 म: केंक: (मार्कित ) मायार (रेंस रंद्रि ) मनाम-म्भव: (भवारभव म्भवावा) । प्राप्तकार् (।प्राप्तक), लगाः यं मार्थ-यक्ता- यं क्या वावा र (मा वाका क प्रभाषा अवस्था अर्थिया । भियत (भात कर्म्मा) क्रिकी निकटनच क्रिंभे (अपर क्षाक्र न नम्मम्भ द्यवम्भनत्क) अटलाव (अस् कर्मगाहत्मन) हि (त्यार्व) सत्वार (सरम् ग्रेक्सिन ) देर-कार्या अव (डेएक्कोर्य ) अन्याष्ट्रायः (अन्य-आरित कार्य रेत् )॥ ६०॥ क्र (वनद्व ) द्वामा (श्रीभामा ) प्रशासकार् (मभीमार्ने मारिक) जूनमी ( जूनमीत्म) त्याका पेजू १ ( ( कार्य करार्यावं करा ) क्वाध्या (कार्यस्थान

काहरत ) सामक्षेमा (सामका [द्रायात]) जलान

(बानिरात ट्य), आ देश्र (धरे क्रामी) क्रामिकार विता (माश्वाचा वो विद्यंत्य ) सममर् (लास) त्याभारं न लाह ([Cary] Corest Cary wiary "[1891]) xx6 व्याभ (माउ) म । भिना (भाम करत्म मा)।। १९।। मा (क्षियत्मासम ) अर (परंसक ) त्रस्त्री छ १ (त्रर-क्षेत्र ) अवर (अवरे कर्त्या) अवर (सक्षेत्र हरेगा) धार (राम्यत्न [त्र कानित्ये ! क्रामे ]) ममश्रीकृत-काकार्ड (क्यां का क वर्षा में अभागान के प्रा ) लाकार (अरे कक्ष्मी उ व्यक्षी काना ) क्षर (प्रमुख्रे ) प्रतिमार (बान्ध्रतमध्रतमार्व)ध्रत १ (ध्रत) अम्बर्भ (Cady 24 )11 ap 11 उठ: (धरहन) भा (अरे) भिनेका (भिनेका) उठ-मम्बर्ट (नकरि विसु उ मान्तरे वर्षात वार्षाय-बिटल (व व प्रति) श्रीकृष्ठलाव (चीकृरकन ढ्काबालके ) प्रख्यमात्र (अत्र ग्रमूत ) तिक्षर ( ट्यामटन [अवर्]) बना सुभा पछर् अभी (लाहिनी-ट्रिवीव अपड [धन्न क्षेत्र ने ने ने विकास (अकारना बिगा क कार्यमा ) जूसरेमा पत्नी (जूसभी स विकार) धार्मन कार्रायत्र )॥ एक॥

Temm ([ma: 44] Ismay ) outry (orta) मत्मामकार (त्मानमर्भन महिक) माभी: मामान, ( एर्स रामुखन्द्र ) काथाने क्षेत्र (काथम कंग्रुनं ) अभूकाहि: अभूक्षीहि: (भूक्षिक कमामार्थक महिन विनिवा ) अपृष्टिः भाकि (विश कर भाने प्रापं (छात्रत ) aread (कार्यमाहित्तत ) 110011 जूनभार (जूनभी ) अतु र व्यक्तमं (अतु नरेमा) मालामं र (श्रीमंग (मार्च) मा श्रीमेकी (स्मर् श्रीमेका) मुबलाय (मुबद्यन् निकत्ते ) स्तः (त्माभरत) (कान-कू मु १ थाका १ (टकानिकू त्मु न भविष्म नामित्सन [ वर् ] निर्विका: पद्मी ह (उाम्र निरिका ध्यमी कार्वस्तर )॥ ७०॥-अम (अम्डन) मा अत्में (त्में) ज्यमी आमडा (व्यभ जिल्लाम निकार निकार निकार मार्थ धतुर् (अरे मकत धत्र) मटेश (जीग्रवीएक) मम पर्मा (द्यभारे त्यत्र ), व्याक्ष स्तिन कुर्यत्र ह ( देग्रा के प्रशा के करिये कार्य कार्या के सम्म (रेक् ) आरमे (अभमकः) अमृष्यर (क्रांत्रासम् मन्तमंत्रे) माम-द्रालाः (मात्रका ७ तित्वतं ) हार्डः अडूर (एडि कामिमारिय)।। ७२॥

क्र न मन्द्रवी (क्र न मन्द्रवी) ज्यभाः (ज्यभी व निकर इंद्र ) वर (टम्द्र लय ) ट्यामयायंतर (व्यामयंदर) मुद्रा (यद्रां। एतं ) यत्र श्रविष्वाद्रां (क्यांका व ब्रायं में मार्गामियं स्था [द्या]) ब्रम् - वार्म (अमर् केमर् आयमर्दि) वाक्षेत्र (माञ्च कालमाहिलाम)॥ ७७॥ अभ (अम्डन ) करिया (करिया) विभाभार (विभाभार) आर्म आर (ansura कार्मा वामित्तत (4.), प्रमुड: (ourse of I) Par (ourse engin ) mind . (लांधवं रूप) आलायार (आलायानं ) अव: ( RIMAIN INTILE " [ MAY] ) CA ( CANNA ) HAIS (वर्ष्ट्र ) ट्लाकेंड (ट्लाम प्रमं म्या) ल्यासमं (ल्यासप 24 )110811 अस (विमान्त्रम )ध्यात्र (विविद्यत्र) अम (उति) लबंग्रे अख्यार (वय समार्य) याद्या (अब्याहा ररेमा ) मृत्र मूखा धार्म (ग्रमर्क) निक्रिण क्रियाद्वर ), जय वद (स्थाप्तरे ) व्यर्भाति (एक्सिन कार्यत ), धन १ दमार (धन दिन [orma arce ] and + + + + ) , AI ([ona]

सरिया ) प्राचमन (मासूनभविष) अन् १ (अन्) म्स्म ५८५ (अभात कार्माता )॥ ७०॥ म लास (हिमा मा ३) इंद्रेस (इंद्रिटिड) कर काम्रों (कात्रा कायनंत्र केंस्य ) (काय्यायतं (काय्यकेंत्र) लाक्र ह (स्राज्य कार्बता) मांबाका र नाति (मांबाक्र बं मिक्टि ध्यामिमा ) जिस्म (अंत्राटन) मूदा (यर्वमदकात) उद्वादार (डेक वादा) वार्वद मेर (कालत्र कर्नित्र)॥उउ॥ उठ: (अम्हन ) अरामिशामि: (अभीमार्यन अर्थि) वाका (ज्यांकाका) अमवासी (एववामन) में बार देव (सेवा त्यापानं राश तिलंश [द्रमें र.प परं केत]) क्रिंटे अ प्यर (म्यर के विकाश मह ) त्याकर ( एकाम कार्नान समा ) समूद्रका (अदम्मा प्रकाररेमा) मटमण्ड (अकाविण्डारम) कृत्रंतन भीशानि-विकालि-रकारा (क्षान अ धामन टमा कि एकी न केमरन) डेवार्वटबम (डेवरबमन करितन )। ७१। क्रा (जीश्रामान ) क्षमत्म (प्राक्रिटेन) नामिना (नामिषा) , प्रत्य (वासा) विमान्या (विमान्या [अव्]) भू कुछ : भार्क्ष : ह (मध्य अ भार्ष ) प्रमास्त्र व् (अलाम्यात ) अमार (अवन )मकीवाड : (मकीमर्भ) जेमाबिमा (डेमाबमन कार्यत्र)॥ ७४॥

(अव्या) व्यामा (व्यामाव मार्व) संसम्बेदी (स्ताम केत्) वाका: (क्यांका व वर्णा म भीगम् (क) कमार (ममकात) ध्यत् ( (अरे ध्यत् ) अविविद्यम (अविद्यमत कर्म्ग्राहित्तत )॥७३॥ अप्रात्रेश्य विसे बुढ (अप्रांश श्रमक्क सत्त ) प्वत्त्वं. मर्मिके १ (जीक्टक व व्यवस्थिर अर्थ मारिके), बरकट्ये (अकेटक के इसका का ) वाहमी वर (मरम्बर) तिनानी भी सन दिने १ (क्षीप नि भिन दला दल्य वा की के [ वर ] ) बासना ( अश्वादाकर्य ) त्यम् छेर ( नगत-हाता है के ) व्याप्त (महिलम ) देश मुद्र (इअवामी छ) उद्याप १ (त्रवे व्यत् ) स्टेम पिक् व्याम ह (भावाचित्र इमेर्स ) वर्रेस (वर्रेस मार्स) assid anyld (and Explice ) 11 do 11 सबाताः (इर्मीमर्) क्रार्य-कवतानिकेर् (क्रिपं-इर्ट्सर अमारानिके) अव म्मानर (डेउम म्मान), निक्रः (डाह्यामप्) किलयमकेयरं ( वित्राविष्क असावामचे ] मञ्चवाति), डमर्थः (डम्बीमर्थ िलिए क्रमत्व मानायानिये]) अपन क्षीयव्रम् ( na [-146] ) Plang: ( Planduy ) - mas 101 9100 AN (BITTO NEW OFFICE (18)

लर्क द्व ( िक्ने दिवादं भाषावान्तं ने दन्त-क्षित्मत समाव भाग ) वाक्रवासाः (क्रांमाना-मण्डि प्रकत ) कृषावानिये ( श्रीकृष्णव कृष्णवानि ) ont o and (amy spin ) ortand (onemin) मम्दः (इव्दवाद कार्केमाहित्यम्)॥ १३॥ छा: (जारासा) आहम) (आहमतारह) क् क नामूत-हित्र (अहरकन हित्र वाम्न ) आमाम्मेडाः (आसाप्त कार्वे कार्वे कार्वे ) माभी डि: (प्राविधा: (प्राप्ती-गतिन (मवा नाक कार्नमा) पृष्ठाः (वृष्टिमरकार्न) मनाक्रात्में (मर्क्ष प्रमुद्र) विमल्लम् : (विलाम कविमाहित्वन )।। १२॥ जूनभी-सलम्बू की टर्मी (जूनभी उक्सम्बन्धी) ७ ३ एए वा तु . ए मंतर (क्रीकृष्ण अभी सवी व दुकाबानिय अत्र का मूत्र ) मूत्र (अरियमातः) भामवी द्वारा (सम्बद्धां हाना ) बेम्पर्त (बेम्पांव प्रवन्ति) ट्यम्पामण् : (ट्यम्ने कार्यान )।। १७।। ७७: (अमनुष) (७ (जूनभी ७ समम्मूर्ग) क्रमाः (क्रवालवं) वश्माः पात्रिकाः काली (इस्मा उ पाभी नरेक) तकाम्या (तक्रम

कवार्यमा ) अर्क्षिः (क्रकेष्ठि ) श्रमातं : स्र (मिन-मल्यं याहिक) कामा-कामार्मार् (मिन भेन्यंती व क आय द्यादावं व्यव्या ) व्यम् व : (डम्म कर्षित्र ) 114811 ७ व (वर्नात ) शेषे ग्रम् नापीनार् (निक व्यक्ति रा-श्रुतापिक) थटनारा-भावतिला (भन्भन अटल अग्राल मारियमत कविता ) टाम्पादी (एकामान कावरम ) कटमा: (ज्यारी उ समम्म भीव प्रति ) अने १ (अनेकाल मर्ये ) गुणियातकार्य : किः (अन्मान अमानम्मक विकाप )आत्रीप् (इरेट लगलित )।। १६॥ िर्याम केलएं के क्रम वाहमा (ट्लान्स ड व्यक्तम कार्ने मा ) जमा (जलकात्न ) दार्चामा : (ब्रावाकान ) हरं का कुर का मारक (हरं न काटल में दे का खेल रहेंगा) जन्मा: (द्वाराव ) वासून-हर्विव् (हर्वि कासून ) अन्य दिर्प (आक्रम्य कार्ब कि कार्वाक ) कर (द्वारम्) अटमरणार् (लावेहर्भ कावेटि लागि (तर ) 11 q 611 तिमक त्मात्माः (अर्थामं दामक्षिक्षे के रिक्षित्मी मान टमीम् भी (विक्रम नीमान के के त्वाप्रशासकी) mile de tra

टलाक्टलटला: (बीकार् टलक् न हटला ने) भा (स्थापेका) भाग्डमी विभाव लीमा लोमूपी (भाग्र्कामीमा विकास नी नारकी सूची ) इक्तामिकिनानाए (इक्कामी स्यम्पूरं ) स्मर्वका हित्र कार्येश (हिल काम हल्य कार्य-रारेक विभानिष्र) रेखामिक (रिवंक अमन्त) रम्मकूरमम्मिल्ह (धवल्तम्मक् तीम अधावाणिक) लयर (लाश्यमं ) दुरमें येनेश (दुरमें ये कार्यमं ) भव धनां (अरोप हात थतंत्र उर्1012)॥वव॥ अरिक्स अप्यासिसर्व्या स्वीक्षा स्वापता (भार न्त्रिक्रिएर्यं नामन्यम् नित्रं खेवत्रक्रम मोयान् के लिलाकाशुरं अव्यक्त क्ष्य खंखा ) व्यक्ति प्रामात्राम -के पश्चा गिरमें किंग्से का का माने में मान गाम माना के भारत देसरान्य कार्यमार्ट्स), व्यानीयमानमान (सीमार हीय लामाधीन मणंदि व यारान देखन दर्म गरि [7 का ] ) व्यावमामा के प्रवंश (व्यावमामा क्रिक्स कार्या व वर या लम्मर (रेट मार्रा के काम रम्मार ) मायुक् -भीनाम् ए कारा (जीलाहिन्त्रीनाम्छकामक टारे काट्य व व व प्र ) भाग्रे (भाष्यमा : (भाष्य) मी हर्षे के विश्माविष्मः प्रमेः (विश्मा प्रमें) ध्या (वर्षातः) 2 you and ( want 2 2 4 4 ) 11 5011

## वकविश्मक अर्ग

[いかり] のかるこれのとろいろいろのとう (をなるなる क्षेत्रक के अधिति न मारमाधी (बलक्षांत्र र्रेत्क) सत्पादक (सत्पादकाट्य) के रिका केटला भटकार (रेमान दुलर्सिमा) में ल्या (रेव्यं मार्व) लाड्ररेवः भम्माजीन-कन्नामक्न्यून् (भम्मान जीन नर्शक मुन्तम कुन्द्रमार्की लाहिमां काहिमाहित्य ) मानीमार्भार् (यश्याप्तिक अर्ड ) कार् (८४४) भासार (म्युवाका ८० [अबर् भिने ]) canda: (cananda अरि) म डापार (अकामार्वेड) विश्वि-छति-कमार्माकनर् (अतिमार्तन कतारकोनाम म्याम कार्नमं) भ्रिकामाना (८४२ नी या यटमाया कर्क) अपूर धारीम (मनमम्बार्क नामुख र्ममा) यह नामिंदर ( [म्रमर्थंड ] नामिंड दर्दाम ) विक ( वक्ट अन्हार ) मिड्डर् (cmaca) कास कुन्द्र र (कूट्यू डेमार्ड इरेगाहित्यन, [अरे])कृष्ट् (जीकुक्क) भावानि (भावन कार्टिहि)॥।।। अम (अमहत्र ) रावः (क्षीकृत्कन )। भेजा (भेजा) च्छा भवा (कांग्र) । क्षामभावेद्यः कर्तेवः ( भिर्म नक कार्य न कार्य मार्व । सायव हर्मा) सि येरे - मर्जियर सेव: (इत्रमाद्धे । प्रमायमार्थादः) बार्ड: सत्यरं (बार्ड रहाना मृत महानं ) जार्माना. (आतमन किलिन [ वर्]) मध्कण द्वं : विताकना-ांग (का केंद्रक दे त्या के देश के का का का का का का प्रिव्याम्यः (बक्षाहित इरेगा) सरामित्र बरासाः (मिर्मन डवकामिताले कार्ष ) छाने उता : (छाने मर्न) वर् लाममा (क्रमालन मिनते हेमार्ड रहें त्रेत )।।।।। [अन्डन ] श्राविताम (निकानिक विभाषामा) अध-रेवान . ट्वामनाविमानने: (अक्टक् मराजाय हेर-लादि कारुमां क्ये के कार्या ) भ्रमी क बार्य-राभा नाभा ना किन । (चिनर ] भी मं नी व नामर रामा उ रेब्रिशकं र्यम्भू क्षेत्र क्षेत्रक) र रेब-वर्णालकात्र - र्कामायकर्-वास्तः (अवान्यका, माम् पद्यामा व वास्मित ) (क्रिप्रीमेश्र-टनाक-।विश्व- लाभवृष्यभाष्ट्रन: (किनिक वाद्वीतिक के के कि दिनाक्रमित व कामने मने व त्यान-र्कासन आम ) लामन : (लाममन कार्यम )।। ०।। ca (man a) sp ) (un a sister ( cura sus sister ) मिनिवाः (मिनिव इरेट्स ) एवर (दिरि ) ममपम्

(तज्ञातमा ) मत्ममंत्र र सकानार्ये का क्षेत्र (त्ममंत्र) न्त्राष्ट्र त लार्कमा सरकारक ) समामिता: (समाप्रमाप्त कार्यत्र विषर् द्राराका ) मेर्रोहिका : (इस्रेक. इर्मा) क्रक्मर्गरम्थ्यक्व-रामाहिक्सः (मिक्र्रम्यक थरा (प्रकात हित्व वृद्धका पर्मा )। स्वाः (क्षतस्य कवित्यत )॥ १॥ इव (रातं ) लाम सेव: (अंत स्विक; ) व्रार्थाः न्य: (लाराका (१ सिस्ति ]) समत्ये (वार्डा अ.व. त्रत्र) टलएव (अनेत्र कांब्रेगर्ट ), त्याका: (विदित्व) (याक मकत ) उपीक्ष ने हुंगे! (बारा में प्रमाय में में) लामराविक ' चिलकर्रांत ल्यात ]) किं विद्यंतं (तर्मेल) शिटिनेति (हिंदी कर्न कि हिं ने में कर्ता) (ष्टि कांत्र ) ' (पालकिक् (क्यार्मिका) र्मार्क व्यक्तभार (क्रमार) मार्कितः महिन: (म्रहनंगरनेन mya) six & a: ( soc of box ) serina: ( [2344] g-on x 2 53 544 ) 11 & 11 इक्षेन्ट : (मुर्किक्सल (अड़ १न्त्र) (मान्डेवाम गाम् (ब्रायास्मार्य ) माडाक्षेत्र (हिंद्या मर्गेत्र) टनमहत्मम् कृष्ट् (टनम् क्ष हत्मम् वाकि),

(काटमान स्त : ( (काम केल क्रम्मिम (नकर् ] ) श्रिव-देववानि ह (राभासम क्या कूम्पवाहित्य) यर में से में (द्रिमें कार्नेगे ) सकार में त्या. (अलाक्त केम्प्रकृत्व) हेन्दिवः (हेन्दिव इरेट्नर)॥०० िर्द्राट्य ] यः त्याल (च्युक्तित ) विवास क्षेत्र (उन्मारे ७ एक्कारियर्क ) शक्तानि-वक्षवप्तिः (धन्द्रानिकातपूर्वक बन्दा), अभाग् अभीग् ह (काळाळ्या ७ भकामनेटक) । मिठामि जिल्मेरे : (वित्रामानिक प्रक्रियाक), भामाम जमा धमान जात ( [ अहर् ] भाजन त्याला ७ ७ ० का व्यापा काकिननेटक ) अपमार ताकति: (कुलामुकक कृति-प्रिक्त महा ) महाया (महायम् कार्के में) महाहः (भरहवंसरम्ब भार्ठ) वि द्यमा ([भनामत्तर] अरकल कार्नेगाहित्यत )॥ १॥ [बरकार्य] अम्बायर (सर्गित ममायक) बमामार (विविद्यासीम् ] मार्कमार्यः (त्यमकात) कम कम नवाः (कम कम वव) भित्रक्ताम्बारिः (भ्रम्भक्तप्रमं अन्मिक्न), उउन्नीतारिक्त-भर्गतः (विचित्र नीताध्यक

छेर्क्यवन्त्र ), बामिकः छान्याद्याः (अड्ड वापर भवान ), इरबाद्यारेष: (इर्वनानिक डेक व्य), हिनिकतकर्तः ( [अवर् ] मुक्तिभाना इत दाना ) त्यातः (अर त्यानम्बामके नि ) के तक (च्यकिक के भिक्ट ) अभ भामें : (मारं , Cona , न व भारत के ) निकाकि (भार्यक्न ) गुज्यू जिल्ला १ (विशान कारिपादिन )॥ ७॥ [ क्षेत्र ] अस्त (अध्यक्ष्में विक्रमें में केते ) उलाका मेंबिंड: (क्रायम्बर्शकार्यक विरित्न) छेर्कन नाम ते: (डेर्डिपिक इस्हाममार्ग) नवार द्याकार (नद्र मकल द्यारक )काराद्यार विवार (कामान्य बक्ष कार्न्स अक्ष्य के प्रमान (त्राक्राद्ध ) गिर्वामंत (दुल्यम्य क्षेत्रं )॥३॥ कि के अस्ति के (मे प्रमा शास के अरकताम कांत्रत ) एवं बिहमता: क्रमाचिद: (श्राकेक श्रामिष्र कलाविष्तरे) र्लाभेष्टम (अभाविष देशिवानुभए । क्रमणः (क्रमणः) शुभक् शुभक् (रिअक् रिमां हारिय) , अअक्या : (१५४-१५४ क्या-भम्त्रव) अदम्भितः (अदम्बिकाकः) प्रवासभागः

(यर्द्यक) महोस्यार (महोर्दिस्य) किक्सिन्नं " (प्रद्यात द्वारेय कार्नगहित्यय )॥२०॥ धारक ( क्या टकान ) निभूना: (निभून कारिक) द्रानिकारि र्षा १ (स्ती व देवव प्रामंभात madin tal) ocus (cox cox) mens ; (अर्वा ) , भर वं (क्य क्य ) जा वर् ( भूम व र्ष) भट्डं (क्य क्य वा) मृत्रियः वामहिन क्यकाडि-गरम (म् भिर्द्र व अंसर स्मिन श्रेषाय भागी अल-हा बंप में द्व का हरतं ) " लाता (का कं कर कर) वर्भनि । विद्यार (बार्भन केन्द्र मृत्य क्लेमन) अर्ब (लए क्ष्र क्ष्र का ) र्जामक्षाक्ष्र (भभा लक्षिकं लक्षित्व र्ममक्षायम दम्लेप् [नवड]) धमर् (धमर क्यू क्यू ) गात्म अवासानि (विविधे के अभाग ) अग्रदम्या (अपमित कार्यमा-(ECMA )11 22 - 2211 इट (व (तर्भ एकत एकत ) त्यां वाणुकी : क्रिम : कम : (टमन्त्री की- भूने - क्रमा) , - व टक (क्रम क्रम) विश्विमानि (अप्राविषे) भीषानि (अश्वि [ वर्]) काहिए (क्यार कार का ) बर्मानूब नेपर ( काम बर्गम ए

वत्या ) त्यावतंत्रमार्थः (त्यवत्र कंबाद्रतेयहिष्य )॥ २०॥ लाट्य (कर कर) न्याह क्यांप्र (नवदम्हरं ब अविवयककाल ) ह्यू विवासर (उठ , आमक , का बन व अय - चत्रं सव शाबुक्तकाव ) वालागाई (कराय (काटरावं तकत ) प्लाहि (िवरी त्यर कर का) रूक्ता (चीर्टक ) बनादि नीनाणार (बनादि भीभाभमृद्ध ) विक्रावती १ (क्वाविक्स [ वर्ने क बारे मा हियत ] )॥ 58॥ च्यारी-सलामतः (ज्यामनः भ्रामन अर्ग महोर्म) ८७७ : (भूत्याक कमाविष्ममेरक) धरमक्षा (अकृष) वाटभावनानक्रमंति (वक्ष्वन ७ अनक्राम) मर्: (यात कावित्यत) क्र कृत्कअने-भूनियानमा: (जीक्टल में मन्य मानंत्र हिटल मार्डिमेश्वा इवरात ) त्व (क्यावर्भन्) लाहा बंबन्न (क्ष्यमात्त लाहाब-नभाव ध्यत्राचिरे) जानि (डेक वसारि पान) भीठमः (अर्ने कविशाहित्यम ), द्रक्षमा म (त्याख्याणः अर्ने कर्नन गरे )॥ २०॥ मजुराकि हत्यांव- प्रदुष्ठिः (अजाप्रद्रात्वेव नप्रक्रम हत्कावर्क ) रकामतिलाः (जीक्रक म्महत्वन)

मिक टक्स् मेरे (में में राम्भेल स्थार मानान्त) है नर (लाह्यक्रमाल ) सम्मां (मात्र कार्नेगा) क्राक्रामुकार (भिन धान्नकरत्न ) व प्रही धार्म (वस्त कार्तान छ) लकाकुकार्क (माध्रेक मा ड्यंग) । समाव ([मक्यं] लात कावंद्य लागता ), व्याप (व्यापा !) (अप्रमाव : (corni 40) x2ym (onemi 24n longed दूरम केरे रे रेम भारत )॥ ५७॥ ताबर (चर् मनामं) त्राधना-क्षार्टः (त्राधनम्बोन ट्याब्ड ) म : बक्क : (बक्क माधक दृष्ठ) प्रकार स त्यार (महामं लाममां ) द्वायावं प्राप्त (देववायात नमकावं कार्नेग )आप (बिलियत), ब्रहास्तील-(८० चणक्षितं लक्ष्रां) उत्पन्नन् (उत्पन्नन्) देवक-मनाः (देवकावेदाहित ) मी-यठ- दर्भावकर् (अध्यम् मानक्षार्य ) मिष्काए (पर्णातन देखा काकिकिट्टर )॥ २१॥ वि : (अपरे के ) के प्रत्ये ( चीमल धरावा (अ ) क्षाप्रार्थकं : (अकाउ आप्रश्नकः) कृषः (न्तेष् क हन) निवाद्याक विदिशंत का का वहा न (जिल दर्भनाविष्टित अष्टायमां पूर्वामेक) प्रकार

(अधामर्गरेष ) मराक्षेत्रक-बीम्नामूक : मिकन (मृद् अ मन्म क्राया भी भी भी कि कृष्टि भाव क्रम अमृष-Baix Riai merge erini) yerné nyes (मान मार्माम् (वं ) अटमतः (ममत कार्नेगाह (सर )॥ २०॥ लग (लयक्षं) माना (भागा क्रीमलादा) ममर्म मन्त-विवाद्दाने (पर्प्रमंत उ विवादार्ग मार्ड) आमार्ज (प्रभाष ) त्वी पूर्वि (भूयम्ग्राक) मुमुखेलकार् ( स्मार्विक ट्यमीन मर्ट्या ) निरमा (डेमरमम न कवारेमा) सन्ताक्षामिकामिनमा (स्तर्का व लक्ष-बादाय मिल बक्क मिछ कदिया) टर्न (डायापन देख्या । प्रभाभी भक्ष १ (भक्षा क मूनामाध्य ) भवन्त्र (भवन्त्र) भन् (भन) मुक्तर (प्रम) क्रममंग्र (अप क्रांत्रमाहित्यत )॥ २०॥ ७७: (०७: वन ) मिनमार्स (मिनमर्स) निमानाः (तिक विक मृद्य ) लए (ममन कार्यत ) प्रस्मिरीका (त्लाह्मी दिन वी म अर्घ) त्रुवर्ममा (भवम्बार्ममा-मुख्य ) ह्यारी (भाषा परमामा ) वहे १ (मर्बामान ), बसर् (बसराम ) कुकर् (भिषर् ] अक्करक) मिल मिल (विका विका) नामानियरमं (नामामूर्य) व्यातीमं

(ourinates) Sine (Sine Sine ) ampunid (अग्र करार्गाहितात )॥२०॥ ला (लाक्न ) मा (क्रीमाना) कार (व्रामित्र) आरंग्लेखा (अभेत्र क्वाइंग ) बडायागार (क्षारास्क दाप्रमान (का ) ट्रायता (ट्रायाम ) कि प्रश्या (निम्क श्वेता ) क्यार (व्राप्त्रं ) अक्टल प्रमाहित (अक्टल मिला व श्राविदान काता [कर्र]) निका समृ हारिका (निम्पूर्य भावां कानित्तन )॥ २२॥ थ्य (धनकन ) त्राप्रविक्ति हिला (प्रश्वनिष्य-र्या ) मा (साका ) माडी (शमत शमत) रामान ( क्छा भेरक ) अवपर (बालियन ), बर्भाः (प्रवर्भ-लने!) बमविश्वतिः (बाम क्रमनेत्रेषु) अगाउँकाक् (मार्डमार ) लाम (म बर्म: (muni में महिक) मका (माराह ) वासकी वर (सहाद धाय सम्य ) मिए ७९ (मिर्कात ) श्वामार्ड (मिका भारेरड मार्ष), डवाहि: (काप्रका ) कार्रः रेम् : (करिकारण धारमात्र पूर्वक ) धार (अमात ) धारमाजात. (प्रधानक) विविधिष् - क्राम् (क्षिकाम् गार्क-लतेत्व ) वायमार्डः (वायतं कार्यमा ) उदाविर्दम् (ठारानरे का बन्धा कार्य व )।। २२॥

पाटलं राम दुरे माश्रुका रेश्वांस्त कांस (म्यांसात) द्र्य तालांसम्माति - सर्मे देश्वेंस् (ध्रिटारंग्य मार्केटकरे मन्-(न्द्र म्यारक्) ज्याक त्यान क त्याक त्या मार्ग र (भू हत्य क किन्नेमात्म अभूक्याम ) नात्मी (नम्मीतः)मभीषिः (सभागान्य मार्व ) मास्व के के अस्पर कार्य । नामक. क त्या अवटम के दलला खंगारिय क्रमंग ) नका हि-भाववं हमार (अक्र भर्भवं वस्तीवं व्यक्तिमारवं रमामा व्यक्षा ) हकान (अस्माद्य कर्म्यार्टित्य )॥ २७॥ धाना (न्याता) इरमार्कका (दर्मिन मार्ग ने वर्ष वयत भावेकात भूवक ) अभानि हमताति कुकाम (अर्थाभं कर्ने में के हत्तर ट्रिंग्स कार्ने में में कार्निक में हिंदा (यंकातनं लपकारं कांब्राखा द्रम्मं) रेकार्यका-अक् (भावका भरक्ष न भागा क्षान्ने मत्कारन) भरत्र (भव्रक्षक) मृक्षिक प्रमूल्य कि भूगोका (मू भूव ७ कि। द्वीरोय मन्द्र वक्ष काम्मा ) श्रमपुमाने. र्हे (प्रिक् भीनं बिनका क्षिप् मश्ची भीनं भार्व ) निक्नु १ भरामे (क्र त्यु मधन कार्ना. हिर्नेत )। 2811 कराहित (कमत्र का ) बारामार (के कलाम बाहित)

मा वादा (प्रत्रे न्यांका ) लाश्वत्रम्य (केक्म्य क्रम्य आविद्यात ) म्मार्थः विविद्यानी (अर्थ कर्षेत्रेव लायम् कार्य) कामा के कि कि कि के कि के कि के जिसक व हमा [ वहर ] ) जेर्भम कूरीन : कृष्णा छन्मा (भीत देर्भत्रमात्रिकां मिल्लक्ष्रे में भागादन मूर्वक) नामा त्रिषिधाने क्षामक्ष्मिष्ण (नामास्त्र क्ष्मे धारे शहिष धार का मा मान्त कार्य ) विमाना का (विकित्य) लामिमार्का (मभीमार्न महिं ) किम्र कार्यमंति (मिनं क्येक कि क कार्य करवंत )।। रहा, [ तियर ] रेमक्ररमं भाग भाग (र्रम दे हांगानेक विदिन भर्म [हार्नाव हमित हिन्ने]) हिमा (त्राक-(प्रें ) ख्रामा १ ( निम मड साम्हात ) वक्रमं डी ( Curan कार्याः ) वर्णी वरे विदेशितः (वर्णीवरिष्) भागमा (men ein) unige ([usaxes] un) erein) मत्राकाटन मारं रंतेनक्षात (का मत्राकान निम क्रम्भाम ) गामा (विकास) (कान्ने भूवक ) उत्रयन पूरा (अलं बत्र प्राप्ति र्करें) निपृष् ९ डेराभाता (प्पाली कार्डिका र्यंग )मा (क्रिय ) रकायमान साम (भन्नामं प्रकार गमन कामेनार्यन )॥२०॥

[ जिलि जदकारत ] बूदा (इब्डाइ ) कानू द मुक्तन १ (मान् वाक् प्रिक कम्मामी ) भ्रम्मा- विकेत् (भ्रम्माप तिलंक ) अर्था ( उडक्र व्यक्त ) की आग्यार शासूची-केल के का बहुर (ममें आबे का बेने नहीं है। मार्के वि म एक प्रमात ) भएमे (अधन करनेतान )॥ २१॥ क्क्यर्टमान भीवेर ([मारा]क्षिक् एक वं शियम भीवे) र्भावतमान्द्र अदिः क्रम्यत् प्रम्भक्षी) र्रात्वं में के मिल के प्रामं हरे क्यानि के समा : लावपव ) कुन्द्र त्यनी प्रमाद्ध १ (भारा कुन्द्र त्यारी कुल प्रमानि-हा अं मने हैं। मानुमर्ग गर्म प्रकर् (स्प्रमर्ग प्राक्षेत्र भागांच मक्षेत्रिय देवम क्षिमानक्ष ) म्प्र-वसारमती-किन्नु द (अर्थित कर्याव कंवाविदे भाराव. क्लान [अवर् भारत]) दललावद्य- बाकीवक्र्यार् (प्रभवन कथनभर्म), जीत्मारिकम्मकः ('अीरामिन्ध्न' माधकं) देन् (वरे) अधन एउरे ( विकेश कितामारक) निया ( की केश ) मरम (दर्भन कार्नुमाहित्यत्र )॥ २५॥ त्मुकारं बद्रशा (दुवंतिमंबाह्य) केंका.

क (मस्या प्रती) अन् नान्तिसकामर्गः (अन् व नान्त्रितः ल्यात ) त्रित्रीक्षं व वाजकार (प्रम्व प्रम् व क्रांकेस अर्जमान राक्ष ) लाहत: (र्द्र प्रकं डद्रात ) आश्रेवंदर ق ( درم و عدد معددة ومنوم علية الدي ) ال علام ال मडे (क ट्यांब्रम्स्यमामक, टम बद्दाया) पवाकार्थ-दिशामिका अंटकः (मर्करमं नवाका मिश्रां का निरंद ), नारितः (नात), जारितः (जात), जारितः (जमात). हत्रपत्र-बक्ट्रेतः (अव्यथ् बक्त्त्र), नाव्रिक्तः (मावित्म), कमार्मः (आम्र), कू मार्मः (कारिमाक), अभिग्रिः परिकत-अव्देतः (विश्वत,कालेश,अव्य), क्रीभरमातृ अर्थः ह (वित्र , छम् छत्र ), देखार्थः (क्रिकार्थः ), क्रमकृह-जित्रिः (उप् जित्र) विस्तिः (वस्ति) अल-मार्थः (काड मान), अरेमः (वर ), द्रिनः (बार्या भाक वा गमा अल्याच ), भामाति: (भामा), धवनू- छक्कतेतः (त्यातात्र्, भीत्र्), भामतिः (त्लर्क), आर्ट्संड (ट्याह), लामीरिकः (भनेत भाक्ती ) करेक-पति : (क्षावात ) , पर्किशित : (ट्यो तर्भ ), धर्मिकः (बनकाष ट्योन ),

क् क्यार्थ : (प्रापास), काकामि : (प्रथमक), मयाकारकः (कामायत्र) दामाखर्गः (क्रम् ) " प्रमुति: रक्ट्रि: (धरम् रवं कर्माक), त्मारेन: (यत्वी), यक्तरे: (यक्त्र), यक्ति: व्यक्त (यक्त-विश्वती), क्राध्मिश्वती: (म्बल्म), कर्ण्याती: (भार्य) भीत ), क्राटिः (क्राक), प्रवयमुक्तः (क्रम्ब), वाक्षितात्रक्तः (बाक्ष्मपान्त्रक) कल्र मिर (कल्र ), जनाहेगाहिः जन भाड़े-गार्छः (अजिम्नार्ध-अ भगाउपकारी भारताक) शक्रीपार्दः (राष्ट्रा-गमक) ममानंबर्कः (यलावणक) अभामजामकः (यवाचिष्ठाकरार्व) यहानक: १ (मड्रामक मुक्रः) आख्य (निवंडवं) इर्दः (नीक्रक्तं) हिड-मनीय-हमतिः (१६५ उ (५१३वं धारनापकान के ) हमते: श्रवं हमते: वार्ष (हस्य ७ शर्महस्य [नवर् ]) भरावराद्धाः (सरायतात्रः) रंग्ड्ब: (लाभाभ) हें केट्र: ह (र्क् ने ग्रेश ) मते (मार्क कार्य के के व्यक्त क्षित्रक्ते अर्थ (मन्त्र- व्यक्षित्र ANS-1172 ) 1100- 1811

जीवामडी-मस्ता-सर्म्थी-काली-म्थी-मान्निन-व्यत्वारोगः (धार्वकी वयकार्यका वर्षभूषी, धाराणी, नेगी नाम का व लक्षाप्रवासद्विक्ते ) ग्री वार्नका ७ वूदनवादि [ वक्] ) विक्राडा-क्काडीकाविशा-क्याटकालाते : (जनवाविदाः छकी। अवस्ता, विस्यवा, कातासम् व कात्मावा-वहित ) बसी-समिदि : १ (पवा गानिकाना [नवर]) नवजारमाक-क्याय्यकाष्डिःह(नवने,धामाक, क्न , आम्मता ), प्राक्ष- इक्न वर्त्वीमार् (प्राक्षा उ जायुन-नजान ) बनके : ह (क्रिन्ममूरक्षाना) मत ( मारा क्यूर दे के कार की ) दे हैं। हैं। (लाम काम भारत) वार्वर ह (भूल्लाहर ar2-11(2)1100-0611 na (go. oyleg.) at: (cht.) ngs: (nay) +31: (भवा ) कन्नवन्तः (कन्ननवा [नक्]) अर्थ रिका: (भक्त रिकर ) क्येर्का, (क्येर्कालेक) उकारवं : (पान्धिमर् १ (म्येकिक व प्यान्धा-पर्दर्व) लाक्षक में व्य (लाक्षक में मेर) भम्मः (मम् えれ ) 1 後男 (1を見) 知知 (到) 3 に) れ: (れ

(CA YOU O CA THINE Si ) 'OL: CA ONTH: (लाकाटक त एम् प्रवा न एम् रेम ये। व राज्य द 18 418 BLESOLE ] ) 110 011 क्रारा (क्रारा!) देन (नर् भीनेन्द्रात्न) मणः (प्रवाधार्त) मेमब्राः लाम (मेकामें स्प) लामान्याः (स्मिन्यात्रीयाः) , बर्पु खेन्न्यः अभि (अवाम में अप) भे में मार्गः (में (काम मा) " म अभवा: (ममवर्ग) थान (प्रक्) भूका: (र्मानाकित । सिमार्थिया - , मेरल कर्ना क्यार मिल्हा इर्माड अमार्स्मा अमार कामिन म काश्चरिया निकासी असी भर्द्र केर्ना ?? क्षित्र केट्या मान्यम् माना स्त्रेमा द्रे मान : ? लाम्य अक्ष्यम् भार दे अक्षा : निकार सर्गमकी रंगुमाव भागाः । अमृत में मार्थिकारं ध्रमाडिका])॥ ७ ४ ॥ गत (९० मुक्रमात ) (पाका: (पाक्षम) लामुमा (मक्सर) के काममार (म्यक क्रियं मन्दिर्दे) न्त्रास्त्रवार् भवा: (न्त्रास्त्रवा क्रम्रहन्त्रास्त्रम् Tala Expir ) when a cos and ( when a cal

क्यारे व्यामक प्रमार्किक हिंद्य ) म्रह्माः (इस ड्रांग ) माववंदार (माववंद्य ) चारा: आह. ( Tous 27 5/15 )11 0011 अरहर्यः ह (सरहबीयन) मामाः ह (नबर् राज्यापुत ) शक्तमा (माक (मारेव: (म्येक किं प्रभावित इस्टमाडः) सक्ताः करेकिवाः (सक्ष व अक्षाक्र काम्पर द्यामाक्र रम्मा मनाभर्भ - कल्कमुक दर्मा ) मृतिर्दितः (छित्र भारत करवे ने व्यक्त ) अत्याल मा (अत्यक्त) (में का: (अयम्। न कर्ष्टिट मित्रहरी अवर् द्राशी नरं देक म नवारं विद्याय विद्याम विशेष्ट्र वेटमवं बाहक। किस्न मिन्दी में कि वं बेम. क्रेकाकीर्न ])॥ 80॥ अ- कु. मीता: (की, कु अ मीता - यह mहत्यप) नत्. भूटमाः (जीक्तक्तं ) (अवस्म न्याः (अवावं करा लुक्क इर्रमा ) कृषि - सूर्य): (अक्ष पूर्व) बता )भ्राष्ट्रकर (म्यवंत ) पद्भाः (या कार्यमा ) मन (एम्सात ) माठी मित्री जूमभाष्ट्रमा (भारती, काममसी उ ब्रामीकर्म ) क्रम (माम्पर् कर्य )वर कूर्य डा:

(जीकृत्भनं त्रया कान्छ कार्न्छ ) तिछ् (। हिन्कात) बमाहि (बाम कविरण्डिन )। 8511 ज्यान (भाष्या) दिसम्बद्धी ह (यक् भावती )केका-ध्याक्षत्रकंग (क्षेत्रिवं यन्त्राकारमानं ) कात्र. (अभूगरन ) टममयत्री-इशेष्ट्या: इत्यम (टममनका लवर डंबालका के हिए ) में में कार (मायके के कार्य रमे ) मान (जास रहे गहिन । जिमी, नार्यते धालन धार्य उद्वामक मूक्षामिक नाक विलाय अवर् 'रिश्म वर्ग , नारक वं कार्य कार्य प्रवेश कर्य ]) 118511 धा (अभारत ) करत भ्रत (करत अस्त ) भाषिताः (कभनेती उ श्रितीमने [नवर]) मत्न (मनमार्या) जब ( ( रम्पेक्न ) कानी व भागम : (कानी वर्जाने ) हरं- भिनंदमा (धम्म व मी व वंशाल) केमानं लामना: (क्षीकृत्कनं वामनमाम कर्तुंग ) उपार्ट (टलाडा भात्रे (उर्दे विमंभ नामीय'- विमिम्प्भी, म्ववं रहाकीय'- अम्मम्र ])॥8७॥ लार्या (लार्या ) मन (त्म्यूनत ) दिवास कार्य (एवाला(पा) कंग्री (कंग्री) मंत्रा (अमंत्रा उर्मा ) भिंग (भिंग तात ) कात (प्याता नाप्राहर

्वंश्मी, जदम बाग्य करण विरंत्रम् डमं अवेड प्रवाहतात. लिए। विद्यात्वा के प्रकं द्र मेरिट। न्यरं सेल दम्माए। क्रक्रमा कार्ल पित कार्ल (क्रिल क्रिल कर दिना-जारमण) (कार्मी (कार्मी) भामूकर्मका E ( भि येवा पात कार्कांग्रह , त्यारेत्री, नाट त्यारेत्रा. यणी बाचि अर्थ विद्यार्थ न वर् न डा विद्या म अर्थ दुरा व अर्थित्रक त्यादका )॥ 88॥ गनः (त्मरात ) अभू (बनमार्खाः) नगिनः (भाक्र-विलिय ) हवा जाजि (हत्रमीत्मत्म (माजा भाग) मृत (भूत ७१० ) मणि : (मन्त्राधक कृते प्रभूर) क्षि १ (मी बकंसरल [त्याका मारं ने बर राम्साध] अवा: (शवमत्र ) हवं- मिंबद्या (यम् र कर्षवं धाल) कान मृत्य (इत ७ भून छाएम ) फाडि (विभाव कार्टिट । किल क्षेत्र - प्रद्या , म्हत्व क्षेत्र - नासक्या-11 x 2 4 2 ) 11 8 & 11 थम (त्पर्रात ) त्वारं (ब्रम्पर्क ) नामा : (नाम -सरमा ) हवा: (मन्नम ) न मृत्त (मृतमाक) नामा: (नामक्ष्रमेर ) । मुंबा: (म्यवं ) कर्के (ध्य-सद्ग ) (बाग्रव : (मरमाखाना ) १ वं : (धम्म (वर्ड)) भारतं (क्षेत्र वारम ) टनाप्र रवा (डक हनं मिरने ह लाडि ( त्यार्व , लाग्रें में मार्च कराम न वर् ् दंगार्य , लाग्य रें अन्तित्व मिं वं से प्राप्त त्याता my coce ) 118011 मन (टमरात्र) रक्ता (मार्कक) वेद्रतं (वेद्र-विशास व करा) कू त्यु थू (क्यू मध्य ) कथना : लाह (का रवमा लक्ष्रिक वाद्यां मार्मेकामन (लाडा नारेटहर्ट) जीरन (वीनहारन) कमना: क्रित्रताः धर्मार मृत्तर्तते ) पीकाहि (विश्व कर्वाटिश [नवर]) कद्यता (कंपन अर्थार क्रमपर्यं) कद्यमानि लाभ (क्रांच क्रम्ड क्रमचंत्रि [ह्नंगश कार्कट्ट])॥८१० भव देवर (धरे तम अवस्तान ) मान (भर्मा) व्यक्तिः (भवत ) केन्पर्मः (केमम, नम्दि केम्प्याप्त नम्दि र्वेड ) कार्याह: (कार्यम्य कर्ष ) विकार्क कार्म ( 13मेंक र्यमंत्र ) मठवर (मयूमा ) इक्पर्य ; ( isom, myed man) isomy; ( isom, myed लासंबद [तर्]) कार्कः (वंदाक, लक्ष ए (आर्थम्बर्क ) काश्वर (प्रतिक देश्ये [ विवास कार कार्य मारह ] )।। हरू।

भव (भाष्ट्रा ) कालिकार्षः (कालिकानं अर्थाय विवादकानी कागुणनुकर्ष ) खिनेवर (खिनेक '[लार]) श्य-गांत्रः ( कामकावं , लाग्रंद कवंन्य रे कवंग्रं शांवा) मर्मेवर (परमेक चार्मारह " [नर्मेस मारा]) खादा: (जम्क्रेन) मर्छः (क्रानिन्तिन प्रामा) वित्रीनं ह (इंग्डेंच डर्मगां ) सरा (मर्गा ) । मिर्व : (म्यवं ) हीताः ( 'डीम 'कार्यत . अञ्चलक्य- क्यम्प्रमाण) लाबुक्ट (मैक बंहिनंदर )।। 8%।। [मारा] मर्जादंबः (त्यक्षं वं अभव मन) मार्जिः (काइके कार्मिर करामंत्र-हिंद्र) असामार्कः ह ( वर् ल्यानक , काम्र सरमान्त कार्यम्यक दे क ) विश्वीतर व्याम (विमूक इरेशा क) मर्कु ते : व्याम (मर् वर्ग ), लाइट्टि: १ (त्वाडेक, काम्पर द्युवार्क, निरंती) भाषात्मः ह (प्यमाम 'व्यक्षित्व त्राधक रुक्ष राविश्वारंग) समा (मक्सार ) लारेकर (मेंक कार्र गार्ड)॥ ६०॥ रेश (अरे कीरे भ्रात ) या करका हिण छूं: (य पूर्व न मगी छारी) करके: (हस्मम), करके: (करक अर्थापु किएलक) करिकः (कर्मक अर्थाष्ट्रमा कार्या । करिकः (कनक क्यार रूष्ट्र मान्य ]) कमरिक: ह (कनक क्यार

लीस्त्र ) कर्मकः (प्यानुक्क) कर्मकः (क्येक क्रम्पत काकप-र्के क्रिका ) बेब्र (क्येक क्र्येक क्रिका क्रिके क्र में बड़) कर्म हम : (क्र में क लिए के बाक [नवडी) क्रमेट्यः र्क्नामा (क्रमे क क्रमार बेअमर्क र्का मर्बे सार्वा ) 12 18 01 ( DIE 12 1102 ) 11 02 11 निहिंग विवरको (कास्त्रक्रेम लाका वार्यकर )॥०>1 [डिक भीरे म्हात ] लागरेम : (कां म) विश्व (विश्व वार्यात् म्माविलाम) , । भूरे दं : (म्ययं) भिम्दे : ( श्रियंक वार्षे द सिमेम रेम [११६]) सिन्दः ([मावय] क्तमर्क) ० पर (वर्मन ) कम्पाः (कम्प) प्रमृतिः (प्रमृत् वर्षार् समंबलमी ) मेरवादः (ववर मावव) समंदिः लाम (र्में कम्हे लख्तराय-र्ममार्में में में में विकं (गुड बार्यपाट्ट)॥ वर्षा भमारी (भम् त कृति) नवक्तिः (नवीत त्यानेम्क) वक्तः (वक्त म्भ मस्रा) न विधानिकः (अवनण-क्यीमुङ ) जमात्म : ६ (जमात्म नाविष्या ) त्वा (आविवाह रर्ग) , मक्ता (विविध वृष्णमुक , [वामह]) विक्या के रिकार कार्य रेडि (विक्य प्रमान विकार वात्रक रव गंग्रं ) लामकाम लाक (लामका स्थाप विमासाय

वार्माटा विश्वत 'नवक्ता: वक्ता: वक्ता विषय वल्तवर्ति वस्ते (तिष्णति : क्याति : वर्षे भम्बर्ध कर्णा व्यक्ति कराम नवर महामा कामूर्ट स्थानेका र्मानेक , प्रसार, काम्दे स्थानीया - यम्सार काम् विद्यास ल इंड कर्यानुक काल्य कार्या अस्ताक्षात्र इं कर्या खिटांक्याकार मावना कावन) ।। का यर (देवः भीठ्यात ) केक्स्पादं : (के क्रिक्सर्वत्र ) केक-मार्ब: (केकमार्ब रीम) हैकाड़: (सराकार) कंकाड़: १ (क्क्रमधक मृत्र), अप्रुदिः (प्रकलकाधी) अपृदिः ( असेव असक से अ) ' त्वार्य विकेश ( ट्वार्य म असम -र्धेस [ नवर ] ) त्यार्मा खुर्तः ( व्यासक विनुमर्भेर से कं बातकर (मांच्यास चार्माटर)।। 6811-य९ (टम भीरेभ्यत ) व९भ-मानय-मा छ न्या थिए (बद्भ, मानव उभाजिना अर्थाद क्रेक् त्लाई उ विनुष् वाशिकां के प्रकार क्षेत्र वार्ति व विश्वाल -ए क्लाका छ : (क्लीक्स राग्रेज अभी, हर्यान अभी ड क्ष कार्य हाक माया ) मारियमः भया (बर्ममारी, लात्रवर्गि आरित) मूनिधारा ध्राद्ध व्रामिधार ग्रेर्स क्षेत्र के अवीव आह विदेशक अपत त याम् में क्यापाद व केकियां ) कर्मा (क्लिडिंगान

काळ्-अव-अर्थ-अर्थात् : (हान् विसं हमं वा कानु टबान् में क)ं क्रिन्कि इ अन्तर्भिः ह (क्रार्त्ते धायाय क्रानि क्रिनि य अ नाक्नि भिक्ष , अरे का म) , विविध भी विकि है : (अमह अमाविश्व स्पुन्धां विहिन ) प्रिक्र (हर्वाहित) (आवातम् प्रेंट्ड: (आवातम्ड) " अस अर्दे तं वे गाहि त्यान-स्रमूक् परिभू : (भन्न वक्रः, छेपन्ना कि, टक्कारी, माडि उ डेक् अपने ) , माम वर्षः ([ववर्] आसवास-प्रशक्ति) कुढिट्यः (अस्त्रधाना ) यक्षम्यः (पादारम् में पत्म लावस वार्मात्र) द्यारे (चित्रांत थारा एवं कान कानियं निनवक्ती-वक्तकियाः ( म्स्ने भीय उ बक्र म् ए एमियां का कर है [ कार्य]) देन द्वानेका त्रामका: (हेपादन आमका के केन-हलाका दुर्शीन वाहिए), तक धाना (कात कातिएं) नी तत्य -धारे भारतारका: (आसकार रीत 3 व्यक्त धार्न-वाहिल [कारह]) हलाती-यम् कृष्टियाः (स्मान लाप १ ल्या ने स्था के का निकार है आ : र्या : र्या : र्या : ( [र्याप्य मार्या ] यम भम र्क्ष मध्य ) श्रामित्रीय र (येन्यीत्रधानियम्) अञ्चित्रत्यः (अञावत्रम्-चार्यमाचा ) जिल्लामुल्याः (द्रल्लामुल्यान्यां [ब्रह्ममाँड])

आकप्प: (भैष्यु सन्। [ प्याय प्रमंग्रेश शिक्षे ]) ट्वर्मे मालाः (क्रमें म्थानं चार्मे द्वासी [बेम्पर्मेंड]) का दिय-रामु का: (कादिक-रामुस्य [यवायमं वेष्ट्र-यांग]) " म म्याद्वतः (म्यदिक्सपुरामं [क्रमसँठ]) मामवाद्यः (अमवायरापुवाह्य [यव्यवप्रतंथायुक्षांग]) टम्माकामा: (हलवाडिस्प्रिमं [र्कमर्तर]) वर्का-यद्भः (सर्वक्वस्प्रिकं [मक्षवयन्त्राम्स्वे ]) व्या (अवर् अवेस्म ) ए धारा ह (भागाविष धामन [ब्रेस्सर्वेड व]) कार्यः किः (प्राधिष कार्यं प्राचममंग्रामिया )। भिक्ष माभाः (मामप्रम्य स दिए रंग्रंग ) अरस्मा: (अर्मे में द्यात ) व्यापाप (-12 भीठे मात ) भीकाडि (लास भारे छिटि)। ७५-००। गाभीन (एम भ्रात ) हानेभी क्रीन (रस्मी सभी भम लिलाएं ) द्रिमाः (अप्तमं ) आदिक्रमपुत्रकार्यः (अधिक भग्रमम र्वे त्या ) प्रस्थाः १ (स्थापत्रे ) अपूर्वित्य (अप्रमं तिवास ) म्याद्रमाः (अदिक्रममे ) लक्षेत्रसम्बद्धां (बक्ष्यस्यात्रमं हे वाट्य) न्याक्ष्याः १ (इस्त्री प्रस्तिमार [तक]) संबक्त मापु क्राच्यार (संबक्त-रामुस्त के कार्य ) मामखाया: (अस्वायसप्तां )

क्रा : देव (व्याप्त ) विकाहि (त्यां व वादेखार )॥ वने॥ राभीन (त्यास्तात ) काहि (त्यां व व्यान व्या) अनिक्या : (अश्रमं थात) माति । यि स्प्री-में प्यारिक्ष व्या भा : ( अ के क कार्य सर्ग क्या गा अमा आ ) यं के क ट रंगा : (संबर्धित्राम्ते अच्च ) अस्वाय-त्रवाचाः (अस्वायः रामित क्राम है आ लये व ) महित-क्रमेस : (महिक-राने वेक ) के पर्यका क एपा मा: (क्य में असते क्य बाल शवं कार्यम [नदंसल]) लाट्य ह (लमाम व्भक्तामि ) ज उसी निवं हमा के समीएन (प्रांत मारे काणीण धारारा मारियाचा चिवाहिण ररेगा ) देवनीलार (विभवीण जात्व कर्मीकु अल्यालव प्रतिवाहिण का अञ्चल् कि क्रिक्री व्यक्त ) विकाल एउ (विकाल कर्य एए हि)। ए ।।। ग्य (प्रामेट्ड कार लागार (के प्रक्र क्ट्र ) भनामि (भन-वान्स ) लीक्क-क्कवंत्रीहतं - (याम) वसामक्षावं नक-लह वासम्कारी (वीकृष्ण ७ जिसीम त्यमंत्रीसरीच वहवरार्य. रस लामका के पका ना व में भाक है र काम माना वार् मूर्न ररेगा ) वष् व्यू मामूरे-प्रात्रिकारि (व्यूप्रम् म भूत प्रकृषे वार्याषु त्मीरीय माम ) व्यभ्निकाक्ष पानि (अक्त (अकत्यवं अधीखेना सक्ताल) पीका डि (स्वाम कारिएट )॥ ७३॥

मय (तम्मात ) माजावमामा कार्व भूभा जामार (माजावर राणां कार्ने लार्का विस्त्र में क्षेत्रधातं सर्माः) य में आह्य ( किता के लाक के क्ष्री के क्ष्री प्राप्ति - क्ष्री के क्ष्री ( क्ष्री के क्ष्री क्ष्री के क्ष्री क वस् आक्षे (की कृष्क व भीनाव हे वर्षानी वसु प्रभूर मान्ते कानेमा ) क् कं ह : (त्लाखा वात्रे एटर्ट ) ॥ ७ ८॥ यव (त्यक्त्व ) कूत्रुप्रवृष्टिन न्यार्गित्वाह - कृत्यार्थितः (भूभा निष्ण नामा विषान , क्षिने , डेलक्तन) अधर्व-हमक-जा श्रु मा श्रु न का कि : ( प्रश्रू में भाम भाषा, जासू मारी न, स्मान , नक्ष कारिय भाव ), कान्य-मूक्य-प्रमूकः क्रामयकि: ६ (गन्म, प्रते । प्रमृत्याय द्विष् कळात्र नाटा दावा ) धार्ति - धारी - निहिंत हुई मण : (म्पिन के ला के के के लिए का के का में के के के के के कि रियामान (भिष्ठिक के बन मानी) भार भागाई (रिक-अमू ( क ) छिडिकरेन्न: कु भू मिछ वन् वन्ती प्र छ ति : [ जिनित्यः ( [हर्ज्यात ] आधीरा कार्य व्यवास्ति) कुम्मिण्यत्र-यनी-मण्तिः (व्यामम्य अवूण नण-प्रक्रिती [यर]) हे अर्ति ६ (डेमानेडाल) निविष्- दत-भनामार् (धमकन अवसानी) भार भामार् (मुक्रमाविक)

भर्तारकः भागमध्यः (अवस्तवं भर्भेक भर्त्वत्यः) लक्षा मेरद्र व हात्य काम कामा कि भागामर क्षा ) राम्का: (काक्राम्क) म्याममं मंद्रवया: (काप्रमं भूरमपूल) रूक्षा: (रूक्षमध्र) विकार्ड (विद्यालसात केर्डिमेर्ट )।। २० - ७८॥ मता (एमस्यात ) व्यक्षियाम् वं वैक्षा शिवा : (व्यक्षिम्योगं इस ७ मुक्स झामिश स मूलाकि), नानामानि : मूहिविषा : (विভिन्न क्री गामिन सक्रायल क्रिक्स के विचा प्रम्म न [विवर्]) मुक्तूलनानिमर् (छेउम क्नू वृक्षभम् (र १) आश्रम (आग्रमध्य)।प्रवाः (व्यावक दर्म) व्याश्व ने शिक्त विता : (क्या श्रेष व क्या के कित ) हिट्यानिकाः (हिट्यानिका अर्थिष् (या नाम म मृद्) पीकाछ (me मार्चा वार्वाणार )॥ उका थ९ (एम्म्रामी) क (भाष-भाषायण-काकिमामा (क लाज, भारायज, तमाकित), श्वीज-कामिक्स्य-टि दि अमार (श्रावीक कार्यायम् म , हिदिक), माम्य-हात्मायकः हाउकाराए (सम्य, हिकान, हाउक), हाथाने-ताकाराम-वर्षकारार् (हास, ताय वर्षक), टर्लाक-लावीक छि-हारिका मण् (छक् मार्ची, हिरेक), कार्योन भाषाम् व-

कि डिवीमेर (कालेंक, क् इरे किडिब ), ग्रामाद-जाया नात- त्में कामार (डब्यान, अम उ त्में क लाक्षात्वं )यतः विसामः (स्त्रि उ विसामभाषा) कार्यस्थात (कर्म उ मम्मूम्य वाक्य क्रिक्ट)॥ उम्डः (ठेक भीठेश्रात्यं धर्माप्ताः) कत्रक्रमानार् निकृत्यः -इ.अ.सः (कत्रक्रमभ्यं निकृत्यः मछत्र ) ट्याबिटा (भाषे-रम्बिल चिवल् ]) ब्लु हियासा (ब्रास्ट्रियासा व्यु गार्द्रिका ग किथि ) करक मूनी (मुक्रीमण (अय ) on & (विकाधान वंग्रियाट )।। एक ।। ० भगः (स्परं भूवर्मम् बूखालवं) भर्षा (भक्षाल) क्षेत्रसाद्ध ल लार् (क्ष्मुलक्षा वित स्मार्टिसा) पिश्र (क्य मिटक) कृषिय त्माडि ( क्यां त्माडिए), सम्भा पिश्र (60पिटक) Maria मामि-मिक्ट (Смыл वंगश्रिका प्रत्येत [नवड ]) वितिक (कान्ममित्र) मनामकारी लवं के मह के दिन म (मडानक, मलाय, भारतेमाठ उ शबेहक्त - अरे क्र-हर्ज कुन माया ) शायक (ला के प्राक्ति ) । बाह्य साम-माम्बर् (बिह्न धार्मिम् र ) व्यक्ष (त्याल भारेकार )॥ वर्गा

यभा थडः (त्य भाने नामीत्व व वर्षाम् त्व), भकारिकाता-यण- त्यान महिकः (श्रीमं कारिकामन क्या विक्रेज उ दक्षम नक्रम्मनम्डः) हेर्सक्रमार् (हेर्समिछिट्यू) क्रिक-अर्थार्ट: (क्रावरी अम्मारमव काक्क्रकारी) भ नकामर्थित मुद्र सम्जा मान्यी मानिक दिन्द्र वादे : ( अ न्ध्रात्म का त्या द्वा ता विश्व के खे कार्य कार्य कार्य अम्मूमत्म त्वर्षात् अमिकात्री), प्रामिका त्वरिः (मणीकमम् त्यम्लाला ) व्विक्षमाति: (मूर्यकारुधारी भन एक कारी) , डे ९ मूळ करिन: ( मूळ- 3 कर्ममात्व डेक्स अभावनेयक ) त्राविलाका दिशि: (विम्तियमें अद्यासमी (विम्तिक क्षान्यानिः विद्विष्ट), देखीन मार्च : र्व (देखम त्माना त्म व नाम खरीयमान) वकारिंद्र (वव मन प्रिंद्र हु कि एमव का ना ) भर (भारा) मिश्र ( हर्निट्क ) अर (पार्र) विमित छेशामन रेक (जाकारलाई तमन डेफ्रांड वर्ग्यमात् । १ वर् ]) मु क्त-जूती-युण- एसकर्तिक (धाराक खर्मम् क्री का कर्माद अकी वर्ण काम डेउम न मन हिं वैत्री कामते वैयान कामत कामिक बाहरां (इ) स्रीक्षि - क्ष्मंड (स्प्रीक्षाम् कार्य मार्डि मार्डि

(कथा ने या कुन्य में अक्षत ) महेरतस्य ( राज्य महेरवं गाम विश्व क विलिट ) अक्ट्र - अय- अप्रिक ( [नक्] माराव लाया व लाक्ष्य अमाममें भा) र केक्स. (क्री रें कियं [चर्षेल]) काक्यर (भेय्युसरे) थिर्यामपर लाह (। भ्रेम्स्स्स विकास करने (वर्ड) ॥ १० - १२॥ थ९ (ए भ्रानेप्रालिन) बारी: (बारिकारम) पित्र ( हर्नित्र उ हर् द्वाते ) मध्यामम् मार्डः (काल पान भू अ वर्ष द्रानि मूक ), कल्ल न जा वृद्धिः (अवर् कल्ल न जानानि-हाना भावेग्ण) , कत्रवृक्षात्रेष् अक्षेष् : कृत्यः (क्लु उक्क किए जारे पि क्यू कार्ग ) टमाडिए (क्रव्य (क्रारित हरवे न करवे नाटि ) 110011 िउक मि मियानिव ] उप्राहिम रि: (डेड अर्थ कु त्यू व वारेडाल वारेडाल )कमा (कमा : रे देउदग्छनं वि छ ने अर्भातार् (वि छ ने अर्भात ) व नी पूर्-क नुव्भानेत् (क्लूनणादार्थेण क्लूज्यममूर्यः) व्राष्टिः प्रक्रिः (लासक सल्स मिया ) केळ (व्यक्ति कार्याट्ट) ॥ विष्ठ ॥ उपवारि: (Cxx कुन्ममा नी वार्षिण) मा हि वि छि: (वंक्राहिक) म्मा-लक्ष्णिम निक्रिते : (विकित्र म्मा अ

साउत्पास (अदितक सैवप्रमं वैश्वतं समेळ्या व की भी वाने लाममाना ) रे ०० (यमका ने च्यून मेर्ट गार्ट )॥ वठ॥ तर्वार्डः (१००० वार्द्राम ) कर्नेस्कवंबक्षणः (कर्नावंब लाक्षंत्रक्रम- व स्त्रम् छ ), न्यान्य कर्तः (न्यान्य नत्र-दि। मेर्ड), नामाको डिल्दिः (मिडिन्न कालीम) अ मफतिः (भनवात्) कप्तीय देवः (कप्ती कृष्म का विश्वाना) इ०० ( आवे वृष्ठ वर्ग्या )।। १७॥ उप्यादेः (डिश्व मिर्डिंग्म ) समतुषः (हपूरित्क) ज्यक (ज्यमकार्य) जाउद क्रमारी-वामी जन (हिल्यं मेश्राधाद्यात्य) " महिलामा (वाक-विक्त ) अस्माम्यातम (अस्माम्यात ) (बाक्रकः (वाकित बार्यमाट )॥ १९ ॥ वर्ष वर्षः (अर्थव वर्षिता) म म जाववः नमानाः (यन खनारम् अयन् ) , कृष्टिप्रमार् (ममाभ्रमम्). यम ह्यार (यम मार्मी क्यातिक) हैं : है:

(विद्र ) आयामम खर्म: (हे लय म प्रम्य प्रकारण ट्यार्थेड (कार्येड म्यूर्यट्ट)॥१५॥ उटमः म्यूर्य (भूष्य माहिका उ हे लव दिन मर्ग्डमण 33. (अय) अवसे तित्री- क्यू मात्री मानाविष्टः (अठ अठ वमारावी अदा भीनारो न अर्थ्व युक्त), अत्यामक वंभा मान निकर्नः (अयात्र हे लक्ष्यं भमीठन हात्रावं प्रमित्र में मंग्री मार्थ ) व्यव्य ) 200 (xoust & sustincs ) 11 60) 11 जभार (लर्ड डेश्य (तय ) करि : सरि : (डेडा एंडर अहत्रामभूर ) विक्साम एकार (क्यम : ) भावें वा ( : (ज्ञवायर्वावम् ), ज्ञुलायुकः (विजिन्नाजाः हिन्दिन ) म्राक् (म्रम्बार ) त्यमीकृष्ट: (त्यानेवाका) कि: कि: (सिंडिन ) द्वाम छति : (मुक्रमानि-हाना) केल् (आयुक्त कार्यमारह)।। १०॥ वर्षात्रः (द्रियाय शहित्य )क व्यक्त- हार्यद भीवरक्षाह-याम छ कर दि : (इस सामा इम्बेर्बर्ग जीजवर्ग व बक्रवर्ग (क्मिलाटम लाउंव) मामानार धव्याः (वदाक-वेक्षासी है के किल (काक ने व्यक्षित )।। १ >।। अभार (देशकं) कार्टः (कर्रिदाम) धामकाम-पितिमाला व (क्राम्मेरिकं मिनिकंड लिक्टिला)

मरेख: (मिन्छ) , [यमह ] ) क्यमेरिनिछ: (क्यमेगाविः राजा ) लाकि कध्याः र्य (क्यातिक में मार्कियार) भू थन - उष्ट्रक वृत्यः (यन - उष्ट्रम्माक्ष्ण) नाविकन -वसर्गः (भावं (क स वे अ वाश्विषां ) (वा ब वर् (cay 80 aus 2015 )11 4511 जिन्बारे: (ठेराव कार्डिमा) कृष्णाउति। जावे (यभूगाव जीरव्येंडे जर्द ) हम्मका (माक-मीमामाभीमाः ( हस्त्रकः कर्णकां करते व लाम सर्हि [ निरः]) भू न्यान बक्नापी गए (भू नाम ७ वक्न सहािष ) निकृष्णः (निकृत्यू मध्य ) कृष्णं (वार्थे ज व्यक्षाद् )।। ८०।। [भारा ] जीव- मीवान मुनारिय: ( जीव्छाल उ वन-स्ति न में भागायानाम् न [निक्]) में से व्यामा दे का कि? वाकुत्मः शामु त्यः। कृत्यः (धालाक उ त्राम-@ क कर्क सभें द शाया ) लाहित : (अवा ) रे वर् (MAZO AVZ WIZ )11 6811 लाय ( य म्हात ) का मार्नाम ( हार्म व इरे ए कार्म स कार्य मा ) या भू मारी या भारत थारे भारे वर्ष हु

द्रियम् ) अवान्त्रामः (त्रिक द्रवनं नात्न् ) न्यायक्ता-विनिष्ठार् (वक्त क्यिनिय सत्रधारा ) असे मर्प्यादिवानि ( लग्ज्यान [तका ]) यद्यः क्रिया ( क्रेयं श्रिका हि अविकास ) हक्षावि (शाकितः ) वर्षापि (अम) मिन्न (हाउनिमित्न) मिड्नाई (ल्लाक्त मार्वाखार)। प्रका यमा (देक भीने भारत ) व्येनारतार पिनि (येनार (कार्य) स्पृष्ट्ड (स्पृस्मिक्ट्रिसाहिक) मर (त्म) ( द्राण्युष एका (मुश क्ये प्रहा) क्राण के कर्मिष्ट अरा (कारावरे) जिल्लाका (क्राना (कार्प) (मार्थी-क्रयाका: (प्राचीन्यवंगमक ) यः (में त्राम्य ) भितः (1न्य ) मार (भर्मा) रेट (वरे उनकार ) वार्ड (12 ग्रंश कर वे CO (24) व्या (क्षार्व) दुन्नु शिर्द (छेउनिक ) जिंदानि (प्रमाप् जीत् ) भः (म्यामक) क्लीवरायाः (वल्लीवर्मप्रक) उकः (रिक्र ) लाह (त्रित) मात्र व्यक्त मार्ट ने प्राप्त (त्र र्जा-यदिवं ) के हिट्टम के हिटार (मियटिम मेर (बार्टकार) विक्रम (लक्सम कर्त्यं ) के के : (क्रीक-क) प्रज्या (प्रज्याभागं) चेत्रमाः (प्यावचित्रम्यम्य) ousing (ousur a ( 2 x )11 P P 11

[।ग्रीन ] क्राष्ट्र (त्यानमात ) व्यानूकप्रिः (कानू अमार्ग ) केंद्रक डेक् अमार्न) किराविमार्टि : (करिश्रमते नार्ट-क्राम ), इदक्के मूर्य-इम्ट्मः (बन्नः अमन , क्लेख्याने वा धक्र समान " [लाबाइ]) क्म लाब (काम म्हादा) लमादृ : (ज्याम ) यामितः (स्त्र गामिषाना ) जमारमः (अक्रकन्) अत्यानि- त्रमे अ ९ (अत्यानि म् मूभ ) सम्भाषा भेवी (अस्माप्त कात्र), लममार्क्षितः (अम्बल्पतं विमाम-मुक्क ) , त्रव्धिः (त्रव्य [७] ) मृत्तिः (अमृत्र) कश्लाप-(काकनम- किय्य- भू अमेरिकः (कर्लान, नक देर्भन, लक् हेट्मन (न्यणमा), रेकी वना मुक्र-रत्नक- (रममकी: (मी त्मार्वत वाम वक्त मूं पि ७ अने कत्र ना विश्वावा) सर्मति (मार्म काश्विरमवंस उर्माहि [न बर]) ००८ लया अ- सक्य में प्र Corin & (दे क कडण ब-अर्थित (वं में व सर्व मा का प्रायं प्रमाम टाम्बर्गेक रूरे गाट्ट ) हकालं- प्रमु - श्रय- हक्तवाक - प्रवादि - लाधारिक -भावभागार (इर्भ, भागकोष्डि भ्रम धर्मात छ छ छ छ ज भी, ठ अ वाक, प्रवासि, कामा के भावभे), काम मु-कावछ व-अके प्रामार (क्यर्ट्स कांब्दि वर् अके प्राप्ते) अति: वितास: (क्विति छ वितासक्षा मा ) भूषः धीयः नी ना

( स्रायं श्रेंबित व अथ लाम मैक बार्माट ) ' (माक्ष्-ट्यार तय - आसे वं के कमादि : (Cun कर् ' ट्यार सर असे " इक्रांड) ' गार्के न- चर्क - क्रिंक : (गर्के 'नन ' वस ' क्रिक ) ' अवद्राः (अवम ) अद्भः १ (अभक) अअव - Caliza-त्रमूक - हमूक - हिते : (नक्षर त्यार्ट , प्रमूक , हमूक [वकर]) ज्या: (ज्याम) मृता: (म्ममत्वे द्वाया) वानिष्ठी व व मातुषाला (भाराव जीववर्ण वत्व का तुषाल मात्री इन्सं (इ), यम्पा: (म्यून ) वकानि (कान कान) यानि गानि ( मानित ) थाएक: (डेन्ड म् मार्ल्य ) मिक्स न- क्लानि (त्रिसंग्रं ), अलयानि (अलवं कात्र कात [भारत]) अगटउ (अगडरमण) - थारिमुक्त - निकुक्त - ना निवासन (नक्षक सार्वमे बद्ध ब्रिलाहिक [नर्]) क्रमान (त्यान त्यान [ भूनिन]) मिक्र (ह्यू मित्य) क्रूम्माभवता-र्कारि (अरक्षामान साथियां आवेत्व रर्मा) स्टिन मा असी (स्ति हा अवत अर्थ का) मारा-वस्तान (सत्मवस इरेमाटः [नवर]) कर्स्व हूर्न- प्रद निनक- वानूकानि (कर्ष्य हुन वर्मकाउ अस मूकायन-इन बाम्का-धाउँ ), भूर्रम् । पुर्वा कर्ने विद्यास्य नारि ( र्ने म्टल्स् कियं नियं नियम र्राट अ । विस् म में क्राम न [ अभ ह ] ) व्योक्ष- य न व व व व ह ह भ- ना मन्छा- नाभाविजाने

( . व्यान्य उ टाम्यवर्मित् सम्मन्ति व सम्मन्य इरेल ) ज्यांडे ह (ल्लाडा वार्यक्टर), भा (वर्यका) मस्ता (मस्तानमी) ममा (डेक मर्ली मारेव ) डेक मार्ल मिलि (डेउन मिक) मान्नी- जीर्वः (अव्नेग्रेक भवं-[माहिक [नवर]) माय्याविषायकि : (माय्य-यादिक) ट्यः (भ्रापं) हर्षेषः (अत्यक्) निर्मार्षः (निर्मय्वामा) ल देश ल देश (साक् म प्रेर) साम मिका (शाम मिका) प्रश्रवकी (तक्षेत्र कार्नेगा) विलाल (विश्वक कार्येलक्ष्य)। केन। क्रम्म प्रार्थः ऋष् न प्रमाधिन १ थ९ (क्रम् ७ क्र अकि। एम-120 बंतेमा मुबं क्रांच न मार्ग दक ) लाय मत्याः (ल्याम-आमित्यापु ) क्यानापु क्राया - (त्या भी पू ( ( ( ( ( प्यापा प त्यीक तक व खिंडर सम्मेश का विवस था ता प्राप्त कियों) अवमार्ड (बार्ना भारकत , [ara]) रावः (अविक्षत) खिना भप: (त्यनंभी भप) कान्य मिकेन के जार (कान्-तिकुट्यू कार्यमा वर्ग कर्यत्र )। 10811 प्रमणी- ७७ : (मन्नी सर्ते न महि ) वादा (व्येशाया) कल्ल नी नामू अप्रवाधालिंद (कल्ल नी ना भून क में भिष्ये प्रिवेष के विवस्ति के प्राम्तिक के निवड़ी) आन्नतः छर्तः (तिक छर्ने वा कि द्वा के प्राचित पर्माप्क र

(जीत्यातित्यं भीक्षापक) " च्यातिक् (चर्चेत ) वर् (टार्ट) म्मश्राम जनमर् (अवस्थारे भूम) मिका (मर्मम कार्नम्य ) मेर्ट काल (इस्मात कर्न्स्य )॥ भवा लच (नम्हारन ) अर्बेस्स बेस्स (भिश्च ख्रम सिन् मार्ड है मुक्तारपत्रीः) नामा इहता अहारेषः (मामाधिये बृहमावः डे अक्वमेशांग ) कू क्रुमि (क्कू म्पृत्र) विख् मंही (याष्ट्रक कार्यात कार्यात ) ह्याप्ना ट्रांगः (कार्यन्त्रक्ते उ अरातेकावं ) वर्शन (भरभवं पितक) में उम्बें: (देशि राप कार्यमा ) लक्ष्माठ (लक्ष्माठ ) त्यमाठ ( जिल भेन्व वीटक ) विभिन्न प्रमर्भ (डे मार्स्ट ररेट (पार्शित्यत )॥ १७। भा ([ज्यत] रूपारमती) सूमा व्यक्ति (इस्मरकार्ष) प्रकृष्ण ( प्राचार्वनी रहेमा ) प्रिम (वानिमार्ग) (कलात्वाउर्म-हत्वं (अरिक्तं क्वल्यं कर्त्यतंवक्त) र न क (र न क म म वर्षा व नाम रूँ में भू भ ) विनिष्य) (कार्य्य करतुंमा ) कार ( १ अराक ) वय-के के मक्के कार करम्मांश (वन उ क्यू का विय (ला छा तमारे ए प्रारेष) मिक्रिके अपर कार् (त्या कार्क मिक्क मित्र मित्र) व्यक्तिमी (नार्म लिसन)। २१।

िरेकारिक कित्र ने क्षांचा ] [वरेकार्य] मा (क्षांका ) इ.सं क केर के के के कि ( ह ना क केरि वर्ष के के कि वर ]) थाडावणः (थाउवण्ये) छावण्यः (छाववानीव) छेप्तीमनीः (डिम्मी भर ), वन भी लामखार (कामन-लाका [ नवर् ]) र् ममा हिलाई (इस्पाकर्क मधार्क) मिरेन्स र समा ह (1न के की दार्थ के [आता]) त्रीमरे (एम्य कार्य गे) शक्त्रणं भाषा (धीक्रक्त प्रणं मार्डक करा) (यास वाम (६क्ष्य १३ माहित्य)।। २०॥ [७९कात ] डेप्पी छ डाया भी - या गुर्म (डेप्पी छ डाय-द्रानिश्वदा भ अवन कामु (वला) जन्म : (उन्याक) धन: (18.3.) देखान्य ६ (देखान्य ठड्डां ) के का क्यान्य-स्तार्कश्वायल (क्षाक्क कार्क कार्याक्ष्मी निम् डे दक्के के ल व्यावर्ष वास्त्र ) व्या देव (व्याव गरम ) लामके (चार्क उद्गाहिम )॥ अग। [ अत्र सुन् र्भे (अत्रिक्षा ) भूतः (कादमान) र् के ( रे कि ) के विभाव ( कावमा कार्षात mn भीत्वत ), जल (अआस ) हिनामी (हिन्मसूर) भामारि (पलन कार्नेटिसन , [वाकार ]) व्यभार (इस दर्श ) नित्मा (मिन्टा दर्ग) छिएम)

( । खरेर ( सन् ) अवं पुरं (अरअवं तित्व) अवं ति ( ११ प्रांत भागित्यत ) , इन्हिं (कम्पत्र ) भाग हमां (करि अया ६०० स र्रायर ) ७० मत्य ७० (ठारान हे नार्या ) वन् (शत कति एत [ववर्]) छेरुमूका (अर्म्का अर्कात्) रंगार (रंगारक) क्रामिर (श्रांत क्रामिर्द क्रम) पृक्षि (किकाम कविराष्ट्रिक )॥५००॥ या (भावाका [व्हेमाधा ]) मित्र मिका (मिर्केव त्या हि। विसम्ब छेट्रमूक यन्य :) रावे ने (ब्रीकृष्कवं भार्ष) विमामविष्णः (मस्त्राक्षमा विमाममपूर्यं) भक्षमाम् (अकृत ) न आरखो (आक्षीमियपक ) विकन्नान (ग्रामकेल प्रदेशमं) व वेंद्र में वेठा (विवर कियाकारन हिडाएं डेक्न है हिडाएगाल अम् (में क्रकालेंड) अमूना (वीक् तक्व अम्रेष) ह्रिला: (अव्ष ) अव्य नार ह (वाकाराम ) अउत्वी (विश्व कविना) भूषि भागाः (प्रिक्टिंड ) लाक्षेड (ट्रम्बंहम [नवर]) जन्र (नमात्) प्रकन्न एका (भणायमा विमाम-साल के अंदर्भ वृत्ती ( व्यातम् अंदर्भ के कार्यात कार्यात ) यतु र कार (कारि धातु कारकि ७) धातु कतु प्रमूल (प्रात ( जम्भा कल का न क्रा भारत करने ए दिन में)॥ २०२॥

मिं (भिष्टि) आजांते में कि (आग्रेय कंप्य में ) अर्थे दं क्या वास व्यक्तिकार क्या वास (प्रार्थिक वाहिक) भाष्ट्रवार्थ (स्प्रिय त्याला) ( भिण मेर्ट प्रमा कर्याम ) म: (अर्) (म्प्रायममे . ( वीधान द्वाला नमन ) अने १ ( अने कान ) विवाधी लागार (विकाधम्बक) अप्रमान् (तिम ह्लामीक) मार्: अम्मल (मार्ट्ड (अवंत्र कार्यमा ) आमंत्रार (आमा इरेए ) देपमुख् (दोनी इरेलम्) ॥ २०२॥ िश्य ने में देश से दे र विमें (यस मिन मिन ) की या ने हा (ल्यु पावत कार्युंग ) स्टम्पर् (स्ट्रिय पृदक ) वर्षार : (अरिदेशाल) अभूगमा (स्थानीया) इत्यू (कृत्यू) मह ९ डेर्क्सम : (मारे मान कम हिए डेर्स्क दर्ममा) अक्ष कारवर (अक्षाद वाव किया) मिर्या (मिर्सा) र्रेत्नत )॥ २०७॥ तः (छिति) भारे (प्रामते) असुराविष - विधित-(पाक्ष्यम् सम्बर् ( क्याम् वर प्यक्षं मार्कामा दिवं सस्यम्मकः) मामक्राहिष् (वियर् विकारियर भस्र क्यम ) क्या प्रमास् ( वित्य वरे द्रमें अंत्र विशेष (अविकास विश्व ) सम्बद्ध माना के (अनाम् जास्य ) विकारी विराम मृत्या अवनाम

( In surganisa un igin) dos (orunia) विभिन् (बात ) भागि (अधन कर्मन ) रे ग्रं (नरे मन) प्रित्त (विधावं अविगंत ) यः (शित ) गर्ध (तमप्र) पळ् (पर्रापंत्रं वरा) वैदः (अस्तिलास) अर रीमर् विषि (अपम्मा विमाभ कर्य त्मा ), जमा द्वा (० अयर ) आ ( Cut ) रेग हैं : ( येश हैं यो ) वा क्षिव रे (अका वतीय काल ) यद्वार्वि भनमाने ए (यद्वार्वि -मार्ममपूल ) व्रामकाय (व्यक्डिक्सामी) (मा (अगं) रिवेशस्य (रेस्तेलात )(६६ (व्राठाक)) प्रकृत (अराजन करने मा ) जिस्तामा सत्र (अर्थ हिल्य भारत्र) क् ०० (काष्ट्रमावन ) के केर्रमां ( केंद्र में एड ) भियान (अर्मा थिनाहिष्य )॥ 208- 2001 लंड (aug) कार्य में रेंड (wild में रेंच ) करे (अम ) मर्वार (मर्वभरकार्व ) व्यर (सर्व ) दु महत्तार (ज्यान म व क्य ) ज सम्पर् हा माठ्य नर् (क्य यानिय रामा याचा व्यक्त [लग]) में दे प (व्यक्त कार्यमा) ดนกัน : ( ดนมกา ขงฐกับ g " [12] ) (n (ดนหล่ ) मा टिंगे (एप जिंग्डम ब्रांश ) लागवा क्रिंश न (जाभी तार किमा १), जमा (ज्यात ) कुछ :

(वाराक) रेम् (वर्मम ) देवमः वस्तीव (देवम्कारिक र्येगाहित्यत्र)॥ २०७॥ लावर देव: (चर् सम्मे च पिट्क) शक्त (ची शक्त) ७। ना ( तिक एरे में ) लाग ए प्राक्ट्य निष् - अ बना (का निष -एयर (क्यार मारमार्थ सर्वेष्ट्य ३ अमे दिवं अय-मानिन क्यास्त्रम्यमानी )क्रक-हिंठ् (याप्यूत अर्रवाक ) जमान १ (जमान वृष्ट ) जमाना (पर्यंत कार्यमा ) मूर्यित (इचराविषर इत्रेमा ) । श्रिम् ए धारमाह ए सक्र (अम वीकृष कलमिराटम प्रत कर्य मा) धमूर् (ठाराक) विश्वपिष् (भावेशम करवेणन क्ता ) को जूक वर्ष (को जूक वला ) वयं भागा नुष्ठा (मन्मार्ष्यं लयस्वोर्मम्परं ) रेन्ध्रमंद् लय (क्यू मुट्ट ) मिनीका आसी ( नकारेगा किट्यम )॥ २०१॥ [1617] व्यक्षितादिकसावे-छिछिसनय-दिम-अकियानि वासी ( स्व अपी नारिश ही , जिल्डे प्रन्तन भैवश्यमी काश्या भर्दियं सद्यो । भीता (लव्यमाय अव्यात ) सिंग्ड (सिंग्डमक ) सें : में उने विमा (सम्बारम क्रियामाम प्राम्य क्रिया ) व्यासम् मृत्रेय वामी

(द्वान क्रायाक त्यामागात्म ), द्वाक (वर्क्त प्राय राजुरा ) मँ तः (लॅमकार ) भित्रा (प्रैक्सामुका २रेखन )॥ २०७॥ व्यव (वर महारा) क्षा (व्यक्षित के के वे के क्टिंग बर्ह्या (बें के बाह्य में बांबा मिंदिर में माराता) Oct ( कमानं ) oning ( दे मार्मे क र्य ( स्त्र ) ' रे मा ( [ तम्प्र ] र्यातिष्ठी ) लाक्षिठी (लस्प्रम्य) डम्मे ) उद्या (अपाक ) कर्निणश्चा वण्याकर (कर्निकान मिरिका के क्षेत्रिय मिर्म ) मिरम (स्पर्य क्षेत्रिय )॥ २००॥ लामान पामित ( किंग ना किएक ) देम मेरि (द्रमाम ) आ ल्याम्बराम : (याम्बरमार्क अन्याम ) धूनक मूक्त लाला भार्वी भार्वी रेव (वमतुकातीन स्मिन् ग्राम् ) भूतक-मूक्त माता (भूतकक्ष ते रें य है। हु, ) याका क्ष्यं त्यं में प्रकार ( याका क्ष्यं से न पर्य ) न विकार प्रमाण वा (विकार कार्य (विकार कार्य वस्य काम्य देना व्यापि देश्य व्या क्या ) १ भीठ क्रम् हा निवर ]) यह प्रशास्त्रमा (यर्गा क्रम् वर्ग क्रम् वर्ग क्रम् वर्ग क्रम् वर्ग क्रम् वर्ग क्रम् वर्ग क्रम् ल्य वंस्वात अकाल कार्नुमाहित्यत )॥ >>०॥

क्रकः काल (क्युरंक्व ) प्राम्पर (ध्यद्र मश्रीमार्षक) ध्य त्यारं भाषात्रात्रा अधारानी । विद्विष्ठार्थः (पर्नत्रकारिक कार मार्य दे हैं क लाय बाग्य मार्थ मार्थ । यही सक [न बही]) कार्यरमारकार्यामार्करहरा (सिप्टल्य प्रमार्थ एतं र त १९ दि से हक या वा में क रहाते ) था है। (सिंत वस्तर) लासकार (कारामिया) कतानी: (अन्याव मन्यामप्रक) व्यवप्र (कार्नेक क्यांसिक (अरे म्ल कार्नेक्टिक्न)।। >>>॥ मण: बममा (एमगाराप्) व: (कामप्तव) वममा व र (स्था क्यामानं ह [९३३]) (प्राथितः (भिष्य पर्द) जम् विकारिकः ( अक्क कार्याय ] जम् कार्वाक) यूगर (Carrier ) क्याई साखा: (1250 त्यामुमार 1 [434]) व प्रकृति (भून-मेंगाव) क्रमें मरं लाब ८ वर द (में मान P में ट्रेंच के ल्या विकिक या प्राया ]) केंव ; (क्या मा र्युत्व ) वर्षायंकार (व्राराय कांग्रायंक ) समयाव (विश्व १रे एट १ [डेड्र ]) जमलंग मिनिणप (अग्राय धार्मिय भार्ष । प्राप्ति ) धामाकः (धामार्षित) महीगा९(आयीन दरे ए०) रेप ्षिण्यर ([क्यीकृष्टवानितन] र्या थिया क्या ( एउन ] ) विकर् पर पश ( (वन प्रिया रहेक.)॥ >>२॥

## Useful Factors

$$(a+b)^{3} = a^{3} + 2ab + b^{3}$$

$$(a-b)^{3} = a^{3} - 2ab + b^{3}$$

$$a^{3} - b^{2} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{3} + b^{3} = (a+b)(a^{2} - ab + b^{2})$$

$$a^{3} - b^{4} - (a-b)(a^{2} + ab + b^{2})$$

$$a^{3} + b^{3} + c^{3} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{2} + c^{2} - ab - bc - ca$$

$$a^{3}(b-c) + b^{3}(c-a) + c^{3}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{2} - c^{3}) + b(c^{3} - a^{3}) + c(a^{3} - b^{3}) - (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	and. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	66h. Hour	7th Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday			414		2000 E		
Thursday	N. T.		1-				1
Priday			4.				
Saturday	4.					,	dis

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** "

- उवीखना॰

EURIL Wylan 2003 OTTIS SAVEN Cekha mer 10 - 36 Ond of 19 Khata, Khata no - 18 mer ast की ज्यीर लाहिन की नाम् एउन 3090 धारुष अ व अंतर वाम 2 = 13 com xot (Could) [न्यीक्क वामित्रत्र ] क्रिष्ठ (क्रामेष्ठ ) एउं (न्यी वाक्षाम ) विना (भण्यकीण) वस्त (युनायस्त ) यू याम् लाणः ( त्लाक्षारम् व विष्यति ) म अस्पवड्राङ (अस्ववम कर्ष मामना ) १ लासि १ ( विमा ( १ ( ला वे से कि वे मण्यानी ) ल्यकाल (ल्यकाल ) जमबीहतः (ल्यू क्विम्याला) य अविकारित (यरकेत इतिया )॥ 22011 [अधीसने वालित ] रेयर (र्मि) ७ अवसः न (हटन स्किन वर्षात्र व हन्या व नी नर्द्र में किन्त (अंदे ? र्रे (इंदर) र्मत्ये थे क्या : (व्यक्तिम् र्मि र्मा देवा देवा आपता विष्या विषया ने महार व कमा लक्षीक्ष्यमा ) या (।यात्र ) वक दमाल (वकदाल) किंदा (अवस्थान करनेमा ) स्वभी भी छि: (तिक दी। हिनान-याचा ) अधि वेतर १ (१ न्यासी १९ ३ (वास्पर्क) क्रात्साह (क्षाक्ष्य कर्ने क्ष्यं मा ३ > 811 नास ( शिक्षे ) नामाह: (मभामान अहत ) नवड (चर्छल) यत् वर्षेत्र (लाबुद्राम खिक्षांव कार्वाव रास्ट ) र्यात (र्यात ) त्यात (र्याह ता निया ) अप्रिंद् : (त्याके व्यंगा ) साउत्यम्भूतादक कु : (शिमाव्यान सम्प्रित द्रिक्काम ) सप् राज्य ड ( स्प्रमाल ) स्मार्स्य (स्ट्रिक कार्न लान )॥ 22 611

किंग: ([व्हेक्स्य] विमेत्र कार्किक) सक्ष्यप्राम्ब ( अर् अंत्रम्सम् में त्रिम में ( इन मार्डे ) व्यक्तिरे (लाइक् प्रेक्क) सें क: (संबंधान ) अपापक से में हिलाई (भग में स्थापित क्षात त करते) हिसाई (इसे त्या अथेर ) श्चिम्प्र ( क्रिनिक स्प्रक ) से द: ( ब्राज्या व ) क तक्षा में त्यान (मक्ष क्षेत्रक ) सक्ष्य मुक्षा हिंदि ( भेरम्स्त्रा सेश्र शतुनाई साम् अर्जनाहर्षा )॥ रावः ([जरकाल] क्रीकृष्क) वार्षाका हुष्ट्र तर्थते (भर्का हुउन (की ग्रंबार का दियात हेक्ट्राने प्रवर्ग यानियं कारिया ) व्यक्ति (अकत वस्रे) भी ना दिए कुए (क्या साम भी निर्म आ सु इरेल) ण तुर्व (ठेक पूर्वन झार्या प्राप्त प्राप्त) ) अर्व ( भ्रम स उस्टक्ट्रे) (रसमनं र जलकार ( त्र्यम्सम् लारे (कार्यभूगहित्यम)॥ इत्रुधा जायर (वरे असटम्) आ (जीवार्वा) अक्रमा के विसमार (मिक कार्त व भिन्त ) (आक्र न होन (डेक्ट्रिक) लाहिता १ (ब्योकित्यं काष्ट्रवारं ) ग्रेस्ट (अर्थास्) व्यवजुर् (अर्म मार्यकार्ये ) मर्वर् (भक्त वस्तिर्)

यक्षेत्र अवर (यवं कर समुदं मार्ग काष्ट्रमे क ) व्यवमा दे ( # out & stant E ( H 4 ) 11 >> 4 11 भितः ([ब्रक्यम ] न्युक्ति ) सक्रामका प्रदे ( क्ये में यप्तान से हा असे कि वे साक्र ) गारी मी (यरमधीस्वक) , या त्याक सुष् जी जा १ (तिराव में ल्या उठ हमें त्या :) क्षेत्र हिंगा ( इड दरकाम की नाक्रिक ) स में द: (कावकाव) लक्षान व्यक्ष (मलम कार्यमा ) आक्रानिका (मत ( अन्म भूषि वालियाने धरम करनेयार सम )॥ >> ७॥ [ कमप ] प्रथम ( प्रथम ) कार ( व्यक्षिकाक ) मार्थि-मम्बर्त (खितमण्टित व्या)त्राक (मडव) मैंब्यार ( अअक्राम [ नवर् ] ) सम्चा क (वामन कर्मार् विधेयाका) लालमं वटनं (लालमं व(प्रं र्ये)) लामार (अम्प्रति) देवत (काकत्र कार्ज कार्मान) व्यक्त (यह महारं ) में में का वर देवा (क्ये क्रिया प्र 8 201 ) 302 ( augin ) ai ai e ( aug m 3 दामणाक ) विकार (विवाद ने कार्य मा ) दासा प्राची देव (यारात्यका के अभीव कारं ) इरवं दे से सिर

(न्युरिक्षत वाञ्चतासर हिल्डाअस्य १११ [न्यु गेरुस्ट)) प्रिकेटबाइ (श्रिकेश कार्य) के 11 22911 [न्योर्क ] जर (न्या वासारक) अपने १. (अपने करते वात अभा ) द्विम यक्ता (अटमका कर्ने ) मार्कः (त्यावित इंड्रेंस ) माश्चिमां ६ (सिक्टि देलामें २, इंड्रास) वर (जाराक) स्मूला (बीकिनानिक) सम्राज (सम्राज) क्षित्र (अअम्पूर्व) ) इत्रिष्ट (व्यक्षिक) के (वाद (क्स कार्य ) भ्याम मा ( िक्स ] न्यामा ) त्राहे (क्यार्ट्स ) 010 ( क्षत्र कारक ) द्वार डकार विभियार्थ (अश्राम सिकार्ने मुद्देक)। अर्थाः (क्रिनेक्टराक) ०० सासमा (क्रिनेक्टर प्रकट्ट шई ग्रा मा झंग्र ) ला ( भवे ) विक वं का सम्बंति (क ियो के अ है। या निर्माय र स. स. या प्रचाईगा . 1至(四日) 11 22011 मा (म्यासा) वरमायः (म्यारक्ष स्माम) वेषय-क्ष्यते श्रे क्या (जैयक क्षय उ. ला अमेर अप उर्मा) वियमी- भर्म जलाक ज्यमाम् जाभी (त्यमी) भर्म उ नम्त्रम् तर्मव ६०० मण्ये प्रत्ये के क्रिन-हिन्नि मण-ि (बार्क सारक्त (सं में प्रांच मक कर महकार व

र्काट्ट यमंत्रकात्रकात्रावा) कार्ये लक्षात्री (स्विकारक सम्म् क रिए किल्ल ) जिसक्वार (विद्यान इस १रेए) मकन् हरूर्य (तिल इस कामधन कार्यम नरेत्वत )। ३२३।। रांबे: ([७९कात] न्त्रीकृष्क) (मावाक्रेग ह कृषिना क्य-कलाके वन्ध- त्र त्यानु महत्वन-त्ताहन्- प्रशामिकार् ( विकायण वास्तास अक्रे वर्ग क्रिय ड क्रक्कार्स ग्र-अभारमाडिल, त्रूनला देशमून किने त्लाहरयूत्र-नानी विभाव अधिवन्तं रात्रात्रकः [ववर])कर्णाम-भाकूछ- मद्कुछ- डर्मिताले (करेनाम १९६१ यमारे या का का कि कर्मना का करिन ) । वि मामा ( च्या का कं म्म ) (स्मा) (म्मान कार्नुमा ) व्यामिनार् मुम्र ध्वाम (अलिशिविज इस ट्वार्य कार्न्या हित्तन )॥ १२६॥ [लप्रकं] व्य जिल्ले (प्य जिले में में प्यं में ति की अिंग (अमिंग ) हमा छ तर (हम स्वक मूर जारव [यर]) अर् (जीक्ष) वनार (वनमूर्क) भू हे (अकाम) छात) मिं अप विकास ( भिष्य प्रिय विकास कामार मक्षें क्रम मर् क्रम उभाभीविषामं )म दिः (त्याखनक) मामा-व्यका- क्षाचि- त्रवा वर्षाडि: (नार्भेका विक्रा करे (तय उ एए प्राया ) मियः (लय्य (यय) आमंतीय ए०

(लाअंबाधा ) मॅंकृतामायतः (पॅक्य क्बाइताहिलाम)॥ २५०॥ मंत: (काव: भवं)। पुर्य कळ का व दं (पुर्य कळ दक द ण लाखाद ) म्राजी (छल लाव ब्राजि ) भर्मारी (मैंबन्तिं क्ष्म निक्रिक वित्तामुठ (लल इंबन कर्षेकर के एक ) स्थाले आये (स्वासं क्यात्व कार्के अमेव काम द्वाया काम्य काम के अस्त मान के अर्थ : कवलमें कं (क्रार्टिक वं रिस्मेल एक वं) अवी मेल दे ( [क्र्केल व ताका] समय कार्वास ) या (व्या वाचा ) क (वं र १ का वा ) आकृष्ण (जाराटक कार्या पिट्रिन वर्ष), अयुर् (किंड) यान्हें ०० (वर्षिमंक प्रथ वान्हें एक) य (वाक्ष पि(नममा )॥ > 2811 (सम्मि (सिम सीकृष)। भागीने पवनाहिए (पय उ वात्य देलाभी नाउमुक इसेमा ) रेगि ( नरेकाल ) समर्यन नी ना नामा जिएको (भूष रूप नी ना ना मपूर्य)। निष्ठाप (प्रथय ड्राप ) (अनंभ मा (अनंक्य क्रीयंश) द्रेन्द्रि ब्रास्त्र (बास लायबं द्रमं ८४० ) क्यार (यर रर्गा) जिस्मर मिन मीका (भराव (क्सूग्रंव ला के व वर्ष () विमेश्यामिश्रमी यारियाक्यां कारी-यानिक् ( विम्नम उ मिल्य मिना प्रमित्

वर अस्तर्भ ) साल (देलाईड इरेसन)। ४० वा नेप्रकार्त [जना ] रावि: व्यामि (क्यी कृष्ण्व) व्रम कर्षः (व्रमण्यू भं-सामिषा रा ) जर्मधील ( ती राया मिनारे ) अमले : (कानी रहेटन ) भा (की याचा ) जम यक लन डी जा ( ७१२१ व व्यक्षेत्र ७८५) अभीषू (अभीमार्व प्रार्थ) निनित्म (तू कुपायेज इत्रेतन) , प्रः भूतः (क्षीर्ष्ड) इंट (कमारे) कार्म (मम्प्रापान्ते साम )कर (खितं-ज्यात ) विषित्र (अनू मक्तात कार्वेष कार्वेष वक्ष्यार (व्यर्डिंग हिल ) स्त्रेन के विस में स्तु: ताः (अने मंक्रिन- द्थिमुका मश्रीमने (क) मर्भूमन (स्थल कार्य ने ) (कार के कास (कार्य का ने कार प्रमात करके माहि (सन ) 11 5 201 मर रंग्या (मर्ड) लिसमा: (क्षीया वार )कार्ड-वानका (जार्ड खयन ) माया (माया वा वा ) वार (दिलाक्ट रर्मा) विमाः (दिल्यं सर्) शाम विवस्ता (स्ट्याम्ड लाड्नेक्ड ) काकित लामार (काय काला विटलह्म एक ) ने कं ने ( विद्यंत कार्ने पाहिन ), वर कार्य (व्याम ) (वर् (व्ययमं द्वरंतर) द्रमञार

में मसंस्थि (कालुकां में मसर्विष्ट्र) सालवे : (वारेलव कार्यमाहाय ) गह (त्मार्क ) काम्पाम ( विष्यु -मार्त्य ) वाद्यका कामि (वाद्यकावक) मूचाव्यीम (भूभन सामनंदक) स्त्रमंति (वस्ति कार्नमंत्रे मणक)॥ > २ वा व्योरिक का अप। यदिन हार्यू अ-व्यी कुल एम या कत्य (यारा न्तरिक्राट्य (यदं ला मलामा विक क्रियं खरेल स्थार क्रमाभाषीय (प्रवाय क्रमम्बद्धा ) , व्यीयम्मण-मामक्षिम पिएक (सर्यम्माकिक क्षीर्यूमा प्रम (स्तिकादी भारत र देला कर करेंगाट्य), निक्र क्षीयप्रकारम् मर्क (क्षीयाम् की कर्माकाकीक अमरह मादाय देमिय इंद्रेमाह [ वर ] ) क्यां या या या हिंदे व वं कि किया में में माम हिंदे प्रामिश्वी व व वा लयमार्टर मार्य सकाल हरेगार ), रामाबिल-नी मरभू एउ कारण (जी रमारियामी मा भूष मा म टमरे काला व अहर्मण ) सूर्वमिन्स विमामविना: (अरामभनी नगर्म नगण्य के) अकाविश्ला किये: ( वकाविल्ल-अल्डक ) मर्नः धनात्र ( मर्न वारीममास हरेन )॥ २३॥

## वाविश्य भन

[म्राहाका ] द्वेद्यम् पर्यमास्त्र (द्वेस्माष्ट्राक सर्मावका मल्याल कार्यमें) र्यमा (र्यमाकर्क) र्यमाधिकार्यः ( डिडिस अविश्वत्याके ) व्यवस्थात्म (व्यव्यक्त ड्रांगः) त्यमं भातः ( जिम्मभी मत्वे अपरेक) खिल्या दिस्मतः नात्रका अरिकारेमा: (इत्राविश्व ववर् नात उक्रमादि म्डाभर ट्याला ) ल सहित (स्मिन्स कार्ने ए करिए) मामा-प्राथिकारका ( खितिस भागां का कुण ने के छ उन्हें ) अने में मरह दी दूर्ण - मर्त्र का प्रात्में (अने में प्रहरीयलें मत्माहिक (अका चार करिया) मिलापार (वृष्तीरिक) मुक्त्रमण्य (भूरकामन भूभण्यामं) आस्तित्वर् (मिया भारेतिहर ), त्वी (त्यरे ) मार्श म् एको (वी गर्मा उ व्यक्तिक [नाम]) प्रामामि (स्रवंत कार्नेकार )॥ ।॥ अस (अम्बर ) महता है ता (मिन नमार्त मारे हैं कुमारमवी ) असामिक्टमी (अश्रीमार्तम आरेख) मारमी (अन्त्रही ७ भेन्य व ) कुलावरम्ला (अश्वी श्रिका विकास लयमान (वास्या करिया) व्यस्ति का का क्यानिव ( भू म हात्यत किन्ते प्रश्रम्भ प्रमुख्यम ) क्रीने काला छ । (अरमालामम् के ) विधाममामिन् (देक म्दिन वार्या लाम्य वादं शहिलामारिक अक्षिके विकास । विभाग (मरेग त्मत्म )।। र।।

अ। (श्रिष्ट) कता (ट्यां म्याप्टिस) में साह वा क्यां मंगंड (मक्तारम क्रमासीर्) महीमक्तास्वभारिकागः (भूभी बटमें कास्बेन्रेंक [निक्र]) श्रीम क्यो निय-भीवणांगं (मर्मां वामेलका (४वं यर्मिए में मीवन) काक्ष्य (विधिकागंद (म्या (विधी (क्रियादा व डेडग़रक) मुदीविलप (डेलायलम क्यारेसिम)॥ ७॥ [लप्रकृत ] आ (लीर्बियातिष्ठी) सम्प्रित (प्रवस्ते मार्ज्व) प्रिकाल (प्रिक अन्यवी उ अन्यवं) (भीवाका उत्तरिकत्क) व्याद्यम्मार् (मिन्नुग्र इरेक ) व्याप्तिस्थानीकः (प्रश्रीमने-कर्क लायुक) विष्टिं मैक्स लबंदा: (ब्रिट्स मैक्सलबंप-अपूर्ण ) स्तिः (स्त्य मध्य ) लस्य- मस्य ग्रम् : मुखारेंगः ह (वासून, मक् मानन अ मूली हम भूलाकी बलकाया ) प्रिट्यत्य (प्रमा कार्येगा हित्र )॥ ४॥ प्र: कुक: (त्ये वीक्क) छ कामन (त्ये वम्हार्म), लर् वेष्यु ६ (टम्ड्र वेष्यु ) थ्यः जिमाः (टम्ड्र मिमा-रूप ), जल् रूक्षण् (टमरे भम्मा ) जानि जन्नानि ह (जवर श्वार क्या मान्यकान ) सहाका ( एक्य कार्नेग ) अप खालमा (अपानं खासक) शंभाषुणासकार्किंग ( stry wis over tai ) conto: (caipic)

(धामनुयावं लाल्याव वाका ) टलावृदः लल्बर ( आड्रमाण्य इंद्राय )॥ व॥ यमनः (तिक धरमान्य भारक) व्यः (क्या के ) क्यानः कमार् क्सम: ) अविभाविकाछ: (वराविकार्य) १ दक्त नत्त्र- प्रवर् ( धन्मकारक त्राप्तरकारक रिवर ) ' ड भीमक ( राज्यापनं मलमाराद्यं रेक) में म-रेक्ट (स्री मैंसिवं सिम्ब रें )' श्वित् (वैक्त-रेंटो) "आमा (सी-रेंटो)" नक्षर (नक्षर्ष) विद्यम्भातः (म्भीयम-महिष विदिन में मामार्थि), प्रमृत्य-मार्थिन र्योभी (म्डा मिटि, अर्थेत्राम [नक्]) अपरम्माह(यमकान) " दृष्ट अस्ति (-१ अक्स ) बाजालानि (वाजनीताव अले-प्रमू (१ व) वा वा १ (ध्रम्कान का विभाष्टिलन)॥ ७ - १॥ [ जिरि ] क्यारसिरक्यमर (क्यारमा-मम्क्यम) मसम्मीन-वानिष् (मृष् अवस्य त्यानिष्) , असलं द्याची छ - वत्र छ -ले। हिंठ ( प्रिम्मायहर देली के प्रवितं विणममें है) र्कामगूर् (मग्र-र्का विद्याविक), विक-र्क्र मारिकर् ( [नवर ] एमाड्य त त्यां मान्य क्याम में मार्क) रपर मधीका (यम प्लिम कार्यमा) अव (जमारी) विर्दे ् नेष्ट्र (विश्व कार्ड रेड क द्रेत्र )॥ ७॥

त्वतः (िक अप ] चाकिक ) प्रम्भाषात्य (वर्मावं अयोक-यांग ) कार्र (कार् संस्थ्री पम्त ) भार्किक (ार्य लाहियात ) त्याल गामाम (कालय कार्यप्य [नवडी) व्याह: १ (ब्रायात ) वयासा (ब्रार्क प्राथम मेंक) लर्गाप्य (क्विवंद्रक्ष न भयत्वां) यः लर्गाप्तः (वर्षितां लर्सामय कार्यमाहित्यर)॥ भू॥ िष्म् किं । भूष का हका ने त्या अप न वर आका अपनं वर्षित्रतं लय त्मार्य प्रणीव चर्ये को दि हिमाध्यम् (अ मिनेस भी अप ; ) (म (ल्पमान ) शिवर्षा ; (शिवर्ष ) लार (लार ) भूकार्छ-कार्ड-छार्- मक्यू विष्टार (ह अविवृते अमेल्यम कल सामांसमिति हार्च ) लंग (चर्) मान्तिक ( मुकारमाहिक) सामत (सामत ) हिंग मसं (Corructs भार्व ) ब्रह् (ब्राने कान्यानं ) सार्क्वाति (काल्या) द्रमाद्र विषय करवेलाइ ' चित्रसंत लाहकार त्यालाय असं में में गानु वं लयरमार्थ मानु ]) का का हि जिंगतर ) रेक रेक रेक रेक (मारक ; ) नवर लस ( outry 28 st) 112011 म: ([लामुन ] छिति )देशकिछ: (देशकिछ दर्भण )श्रम्मती-मने मारी (भिन ब्रामी मार्त्य माले भिने रहेता) बुल्या

काल व्यापन: (केला व्राहाक व्यापात कार्या वात्रावाता [1012]) रेट आतंत्र (र्मेन्याव सामकार्त्रोता) काळा सर अश्चित् अद्येष ( अत्येष क्ष अत्येष अत्येष विश्व सिन्हें) अपाक्रीलमा (अपक्रिन कानिए कानिए) अमि भा (अमर्न कार्नेमाहित्यत्र )॥ ५५॥ अम् ने मी सम्मी करें। ([जिल्लास] अमा में मी सम उत्तर छने लाम का बेलिहिलम व्यवस्प्य ) यः शहे: (त्मरे की कृक ) अन (अमास ) मृपू मन्मानिकार्षण-मठा ठकं भर १ मं १ विषे यम मात्रिय कार्या अवा उ क्यं विवं अन्मर्रितं कत्मनमा नी ) ममर्वन भक्त मित्रि-कताहत- (का कित कर् (भू पर्यु मं भक्त प्रस्थातेन धारिश्वरत् मूनिभूने काकित्र वृत्तकर्क मूमाविष्), क्षित्रात्त-मार्त्र् [विवर ]त्यत् असम्बर्भाते कारियुक ) ७९ वन १ (त्मरे वन काराला ) सूपा (कीरिकटन ) धार्यभारड (विष्यं नेकार्यमा) व्या (व्यक् माड कार्यमाहित्यम )॥ > २॥ [७९कात्म ] १८यः (जीकृष्कतं ) वस विश्वतं वित्यक-र्या ९ (वर विदाय मार्मामानिष र्यं व लाष:) वृत्तायरन (कृषायत ) ७ क- ना निमान ना की प्रांप : (७ क् ना ना

मंग नकी उत्तरं पत्र ) में किराज्याः देव लामर ( अस मूर्ण इरे ए रे हे कि इरेस ), भूत: तवनार्थानाः इंस (लाइ में प्रमात प्रमाश्यमं त्रिम अविष् कर्यम) लमें बंदुम : ब्रावा : इय (लसे बंदमद दम्य अरम कार्न ) , सर्विधिण: म (क वमउकर्क टमन हि विषये देवे न ) 11 3011 िसन हिलार नेपूर्वनिका किस (हला किसे ने निकार ), यक्ष्या (वाग्काम्या) व्यास्त्री (व्यव्यक्ष्या) रे यर (चरे) धरेरी (वसामी) क् एक एक एक प्रकृ (क्रिक्स म्ल्रिस मा )। विश-र्धा- क्रवीय-र्द् (अअ) र्वेप व त्राव्यप्टक) व्यास के वेर (व्यास भाग्ना ) " ला चाड लामा द ( सही लामा ) के कि द (क्षी कुकारक) व्याविष् (मध्ये ) काला विषे रेव ( ट्यम खळु म् अधनहेक विया हिन )॥ 5811 ट्यांनाअभार ([विकाल ] ट्यांनाओ केक त्मांभी-भर्तत् ) वभूः काछि। ब्रीनिष्णम् कृष्ठा (८५८२ काछिक शहिज शिमिज हलाकिन्न का ना )। शिमिश्वर् (। शिमिश्व इरेगा ) वन् (त्ये वन अपन ) कन (भेज एमः ल्यन (भूगत उन्मा क्रमाया ) सी ०० वा (विशिष्ट्र काम ) लाड (अमल मार्या आसूत्र) ॥>०॥

केकाम १ कला वर्गः (व्यक्तिक कारमंद्र १ केन मी. व. कार्भ ) व्योकारिका के पा जिन् सम्भेषा (व्यो का मिन व्यानं की छ का निव अनं मट्यू ) मू भार्य मूर्णः (१ व्ययक प्या ) माड्येक अंकिशः (त्राष्ट्र में का इन्स्रि ) १ प्रक्रम्यास- म्यायमं : ममा (ज्यायक्त १ क्य अवसायिं पारं) विस्थित (Cura व्यक्ताह्य )॥ रता ्यमाः र्माः (८ विद्यम्पन्। ८ र्मिनन्।) आपवाः मील्यः भे (कारात्व कलामसन ठर्मात्र व न ( ( ( ) 2 ) 2 4 m: 401 : ( ( ) 4 401 -मन ; ) यः (त्यकारमव ) असे समाद किं (क्रम म ७१) सर्वा: (ए सर्वक्षाप्:) व: (कामास्व) काश्यक्ष ख्यार (मण्न व्यवभारक बारे भार ए ? )? देखि (वर्काल) क्यः (व्यक्षे) जानं व्यक्तानं (व्यादि प्रकल (कर्) कर्ने हिंदिन व । ए त्या कार्य कार्य न हित्नन ) 115911

सरणवस अभी कथा हेता ) इंभेड (चड्र ) त्राद्र्यी (व प्रतीत ) डायुंड करापाकी (ब्युकेकिक स्मित्रांत ) पद्मी देव (प्रकृष्ठी ने गार्गे) यत्रव (प्ठा कर्त्व गार्ग्य )॥ अमा । दे र मूला ( प्रकारमूला), त्वमदी (एकमार्थाहिका) र्गंड (चर्) ममडी (सम्बी पका) भेसा के एका नरे अन (बीवाबाक्तकवं लक्षात लक्षात ) हत्र : (क्षावि) धार्भाम (धमर्भ) द्यान (द्वानमे कि) वा उपन मप्र (भानेकाउ वस कार्यमा) यर भारतीकर (भी ग मर्च ) स्तर्गार्केट 🟞 (भाष क्षांत्र अयो अयो ) येता (मादि-मत्रकादः ) भाषानी-रिलू किलत्र म्य रिक्त (भाष्टरः हक्रम भन्नमभ रस्थाना ) लाचर आसम् रेम (भिन्द्रन त्यत आखात काने छट्ट )॥ ५०॥ ल्याभिका (लायीगर्न) मिलकूत्रवीर् (श्रीयकूत्रवीर्म) लिए दे (याम कार्या ) केक ( च्या किक क ) में मंग्रि (अभवात करवत), रेपि (वर्तमा) भिक्रमा रेय (भिकारक्षे त्यम ) रेप (वर वमप्रति) भामणी (धामनीमन) प्रवाद्ये (वभन्नात) भूतिना (अमृतिशि इरेमा ) अम (अमनु ) जमार (असर्व) स्मार्थ थ्या ) लामुक्टिः (समस्याप्तं ठक्केपल्य ) उर् त्मेषि अभी (जायमर् अपि कानिएट कि?)।। २०॥ प्रजी-वनी (धानिकानण) क्रूम्मिक्रियेण (लूक्सक्षिक हल राभा विकास कार्नमा ) हक्षमण्डा प्रवित्र वित्र विकास कार्नमा म्लाका (प्रछ ७ हक्ष्म ख्रिष्ट्र म् विमारक्ष WAINE की विकार्य्य ) अमिन-हम-वयुषा (अम्पद् एक्न निक एर्याका) मृज्ञि रेच (त्रा कार्ने पात्र ) डार्ने भूप ( व्यक्तियं दे ) व्यवस्ति (विकाय करवे गारिन )॥ २०॥ रेग्र (वरे) अन्मी (अन्यानि) क्षं (चीक्ष्यक) अभिवेद (तिल्ड निकार) आमेक्ट्मीआ (who त्मार्थमा ) अत्माद्मार (इस्टार ) अम्मिन-विद्या-क्षान-नाभी मूं भी (मूट्स र्याष्ट्रिण विश्वांगते विनिक्ष मानी कामार साम्मानिक स्थान अवाका कार्नेगा) मनम्ब-भवतालानप्र १- लल्ल विष ९- कड़ विद् निर्मः (प्रनय-अवान डेन्नाभिण अन्यक्ष काष्टि र एउन विश्व रहारी-मक्सर ) न्जार् रेय (एम न्ज्रक्रिय कामेन)॥२२॥ उन्मार्क क्रिया ( उन्ना नावित्र म्यायत्म हिन्दिन [नवर])क्रेमेमाब्राह्मा (यिद्व क्रिक्र प्लाब्सम्बर्ध)

कुक्राविः काम (कुक्रास्त्रीं ) नवदनक्ता (नवीन अव्यक्ति मारा [ववर्]) अलामिलिक कं सा (धमर्भ त्रमं त क्यास्य मान्यं क्ष्य हिस्मं क्रानंग ) न्यमा ने न क्रमापिक कपि (निम बीकि जान वीक्षक अर्छिन हिए) र्काः अभ्रेग्छ (धिरम् र्काव मक्षतं कार्षेत्र प्राप्त )॥र्वा माशामामानिकिएएएए (जीवार्याकामिमी विभाष्ट्रक wm निर्मा ) न मा स्वात (महीव स्वानिमानी [अर]) लस्वर्ष (लर्ष्यायम् ) क्रक अत्मात (ज्येक क्रम नयक्रमध्य ) थाय (अम्मार्याम ) भूग्रेख (हिपिड रमेल) भिर्मिती छि: (प्रमुवी मर्त न भार्ष ) प्रष-भग्यायिः (प्रज्यम्य गिनि) क्रमातिः हेन्छ-लिटिष्टः (भूष्ट हेन् कार्ने भ किका वय विश्वान्य्येक) का वारंड (कर्मारं ) दुष्ट: रेट्रेट् (काकुमत मृड्ड व्यक्षम कर्नेखिटिन )॥२८४ क्रित पानि-विश्वार् (ज्यव ७ विश्वारीक क्रिकेष्ड )। भीठ कार्वाहें (भीवन कांगेहरं धाम्ते ) भारति। भन्मपूष (अहिलक्न प्रम्मानी) निक्रवा कार्विड (क्राम् आ बाक्कि [लवर]) विकर-क्रम्मम् टम्बेंडर् ( विकास्त क्रम्सकार्य हित्रमा के अभागा )

व्हेलार्ष (इसारं अयं) राह्नेमा (खारकेव विक्रमेगन लागुरा दे थ्या पताय कार्बान लाग्यं महिल्])मार् कार्यु व्यास (ब्रायात) शानुका (यसत अवितिय विवह में यं में में मुद्रिक्त ख्नांकपटर (क्नांकपटर ) मर्रा काल (स्वतार) - महिन हिन्न)) देपए कर (श्रंकिक कर अपमा) नीया : (बीक्रम ) इन्हिंगमूर (अक लाया हारांचे) यें रे लावा ना (इस विकात कार्नेकाहिन)॥ २०॥ लाम (लामक्यं) सैमेला (समेला) रिमलार्मेस्टा (ली बार्श) भएं (मिलार्स) म्यू मूर् (श्रेम् विकार्य) लिकाक्यका स्वक्रमम् (त्रीट् लान्यक्यका हरू) ल प्राष्ट्र) ( हते म कार्य गे ) हल पकार्य प्रक्रिय उसकारों) २८९: (बीक्षक् ) अवाभाः (क्रीयुभाम) मार्ज प्रार्थ ( आर्ड्सान करायर गायर प्राप्त )॥ २०॥ क्रि लर् १ (वर प्रमें ) ल्या (मुडाहा ) मंद (मार्) राहिमा (क्षीकृष्कव भारत ) हिमला (हिमल भारतिक) जिल्ला ( क्ष्य ) अप कार्य ( अक्रिक ) अप मन्या (स्रोपक्रमार ) अवनाविका (विस्पेर लाड कर्मालिका) करने । वर लास (क्यान ) सः १ (त्या मीकिक ) वरक बार (ब्यायाय = इस् इर्ट ) वर (ट्या) श्वक्रम्मन ( छळ्टा) ल कंड्र ( लक्ष्यं पूर्व ) खिंग-व्यवरमः (बिग्डमन् क्रिपरे) म्बर (विम्रु क्रिलन )॥ 2911 क्रीवंत-वर्षेत्रम्यातिः (। म्राह्म यानं भवंता अपन्-करियुका) कुक्की छि: (यूक्की लाम यून्योगर्न)

अखिणः (पूरे भार्त्व ) कल (अव अ १ (अव्य कलकात् ) ध्रम माम्की (ध्रम्भे मान क्रिक्ट कार्ने ) भीषामन-उने: (मात्राम् अभन छनेमानि मीर्टन कामेलि हिन्मन म्मा रे ट्या ) लाड (मुक्क) स्वक व समामा अप-मियान ( स्वक उ म्हारिन वाली करात ) व्याचार (उत्यादन ) व्यानि (वाने ममुद्रम् ) म्यूसन (यान किस्म ) मिष्ठ वं प्रां (मिष्ठ विभाष्य केम) wayse geage (was goods ) makes (स्ट्रेंस कार्ने प्राप्टियर )॥ २७॥ (अवार्ष डे एक का व ) अवस्पर ( क्षि का के गा-EMA )11261 कृष्कः ( [जर्याम ] लीकृष ) अभागेर (मिठा अने-(२० हेयुक) किलाकिक - विस्माक - विलाय - (श) लीकामाछः (किलकिक्क मिस्स विद्वाक विलाभ उ मानि अकृषि ) छाय दृष्टीते: (आक्रिक छावकृष ल प्रहें अंग्रेश के का (क्ये प्रम्योग निक) ज् किंग: हता (धमकुठ कर्वपंतरितन )।। २०।। मायानुकाहः ([मार्किक] मार्क मार्किस मार्थि मार्थि वर्षा कार्निगारितित , त्ये ) व नीडिः (नण गारि)

लामिकारी सियार (समन्मतेन उक्ताला ) अरम लर्गावः (क्षांत्रं क्षिम्मय कर्ने प् ' एप ) वैकालाय-क्रमार (अयस क्रमाने इत्मा) जा: (क्रमिमारमा) क्ष्मम (अन्मिक्क्यों ) व्यस्तारे (व्यस्ताराम कार्बमार्टिय )॥ ००॥ रातः (अक्षे) हल्य नणाम्कः (हल उनणाक्ष्रं असिका,) मर मर बराया (त्म त्म यात्र कार्त्र मार लिन) ७1: लाममं: (टमरे ममीमनेड) अन्हार (अन्हार) त्य वव (प्यम् सम्माना ने ) जिस्सा मूठ राहि । (सिगंड मार्ड सिम्ड सिर्ड कि के तक दे ) लार अतः (अमू की वन का विकाशित्मन) न कु ह (आ का व कन्नन करा) क ज्यान (काममृत्म ) वर्तन मिला: (वर्त अ ज्यान) विवर्ग एमें (विवर्ग करहेगा) क्षमा नामा (बीकृ एक व नार्मारे नितन कार्ने पाटि (मन))॥००।। विश्वितं साम विसमार्यामकन्त्रः (बमाएन व्यार्माम असक श्रावा विलिशे [नवर ]) अध्यापारापि (वृत्रीललेक हिए ) वार्षण-प्रतामिक-भीष : (काम-प्रहरभवर्षक), अमृश्मः (अरे स्परे ) कमानिषीः (हळ) वाक्रिय गारिका छ: विस्मान ( वाक्षा ७ अरू. कार्या तक राव व सर्वा भूत विवासमाती श्रेमा)

[(पान्य मार्थ] (अक्षेत्रवर्द सम्विक वार्यात -वनक [नर्]) अधिकामापि (अधिकामार्वन हिस्त) वारिक समाप्रक भीत : (कामभी जावर्यक ) , क कमामिरे: (भक्त क्या दित्रां का कार्यक्षेत्रक्ष ) भः अमेर (चर CM [अक्क]) भासार यात्रिकाड: (आंभास उ नाने छा व भरी जाता) विन्न प्रम् छ छ एड (विनाम कार्नेम (ला हा भारे 2002 में)।। ७७।। [न्युक्टिक वं यात्र] लंद (नद्र) में येत्यः (पायाद्यमं बुभ ) रेप (-१रे) लय्त (बत्र प्रविष्ठ) स्र ता ता ना ना (मुंब्धा (कार्य भागे क्या ) सामकार (बंबमीरक) में में पिछ: रामणी है: (अमूना भानजी न जा कार्य कर्क) भावे छ: ( हर्लाम् क ) सर्वार्ष : ( वानि वार्ष दर्गा) विश्वा (त्याहा भारे ए० १६) ॥ ७८ ॥ [ ट्यामुम्परम्ब यात्र ] लांद (नद्र) में साम: (मैं सम लागूर लंकमत्वयं [महिक] ) इड (नई) पडाय (उपस्त्र)) अस्पापकोर्ड स्प्यकार (मंत्रसा (भारतिसामगु वन्तीए ) भूजाहै: (अभूजाहिता) समानीहै: (स्पार्व कार्यर पार्मकाम कर्क ) वार्षेतः (हर्वास्त्र)

मर्द्याक्षणः (नावित्याक्षण दर्गा) विकासण (विकास चिर्क्षेत्र मात्र ] भास्त्राम्याम्यान्त्र (म्मडम्ब्र क्यान्त्रम्थः) दरेग ) भार्य वी (भार्य वीला) जालाए (विवास कारे एएट), भार्त्यः १ (भार्त्य कामार बम्बकायक) में में में कामा (अमें मार्याप्यायं सरत्माता) राजात (त्याका वाद्र (वाह) विषय् धार्म (धरे सम निर्मन मणप्र) पण्टा : (वरे देलरमं ) अञ्चलमान्यः (। भिन्नमनानिक व्यवसारक् ) हम्मी नक्षम्म (नम्म्मायक व्यानिक कार्नेम) भक्तः (भव्या) स्मान्त (इव स्थान कावेल्टि) ॥ ००॥ [टमानीमरोव मात ] प्रामिनात्रीयंत्र (धार्मन वर्षाष्ट्रामन क्षाने ज्ञात क्षा कर का ) आर्थवी (भार्थियी क्षानिक की नार्था) मान ए (दी छिनामिनी इरेगार्टन) भार्याः ह (धार्यन लम्पर क्रिकेत ) मैं में ते लयमे (क्रमें प्रिस क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका अभागता ) डाकाक (अवस प्लाका क्षेत्रेन कार्युगाट्य) मिन्यर् काल ( भिर्म्य म्यदे )निक्ताः (क्रायान दुन्तान ) मण्यामण्डः (विममणिक व्यानस्टिक् ) ह्यूमी नम्बन (नग्रम्मत्राक लामाल्ड कार्नेम ) अइट: (अइव ) समित (इस्ट्राम कार्डेकिट )110011

[ agéra us] र्रश् (७३) वत (बत ) अर्जू ना जार्थ काक्रमयनी ह (सरेसा म्युयल [न बर]) धररेसे : (सरेसे) व्यामुके टम्प्रेच: ६ (ज्ञानककं के का ) हिम: मिनगर (अव्यव मिनन (एक) प्रका (अर्था) धानीमार् (ड्यम्मने एक) मूमदा (मूमदात काने खिट्ट)॥ ७६॥ [ टिलामीमार्य मात्र ] इत (वर् ) वत (वयकात्मा ) भर्भू क्रा अरमे काक्रवनी ह (अभूना वरे काक्रवनी लाग्रे क्यां क्या [नवर]) मर्म् म : (क्यां माहिक) लिक्ट-रिमान: १ (सर्वेसेक्सत- रिहाझाड्) व्यक्क) भित्रः मिनमप् (अवस्थव मिनम्यू ) अपा (अर्थारे) धारीयाए (मशीनरोष ) मूयदाला (मूचदान कार्छिट्र )। ७३॥ [बीक्रिक् नाम ] मर्भूम्पर: (अमन ) प्रमास्कार् (प्रमान आरम्भ ) मर्भर् रेष (अहात काने मारे त्यत ) कंपम् मम्भन (हिउदक देसारिक कार्यमा) कनद सम्मन (अभूरे अरवं मात्र का बेर का बेर ) वास्त्र (बार्यकार ) नवलाधितीथू (ज्ञीत क्यानितीलान प्राम्) विन्याि (विभव कांब्रेटिट ), हिन् (र्या लाड्नमं विहिन

गामार )॥ ४०॥

[प्पानी गर्न मात्र] सर्व भूषत : (सर्व भूषत व्यक्त व्यक्त मद्राकार (कल्लेबालक आ(यम ) लर्भन् रेम (महाय कांब्रेग्ने त्यम ) ऋतम् व्यतम् (हिट्ड व देसादम अकावं कार्नेग ) क्यर आमेर (सर्वे के प्रव भार कार्ड वि क्रिए ) क्रां (मानिकात्म ) नवलित्री मू (तमीमा लाभिती धर्मा व भी भी का छी या द स्ती म त्रेस प्रार्थ) हिन्द (विहिन्न छात्र) विन्न भार्व (विना भ काने ए टिन)॥ ४०॥ वननीय [क्षितिक भाष ] वंश्वीवंश्वनः (वंश्वीवं वंत्रप्) उसमार् भवन: (धक्षका व्याभिव विनाभक), नामनीकून-मू माराभार असमूप (मामी अर्भाप कद्मानीमारे व इसे उ मी क्षिमाने विभावक), निविधः (विवर् । अपनिम्मे भामी ) अधः (अरे) कूम्पावकः (कूम्मिनी भाने व्यक्ति ढळ ) विभारत (स्मामिर्म्य ) । मोलिए नमात (७ क मानम् महत्म ) यूषा (इस्मारकारक ) किना प्राप्त (विश्वक कामिएट )॥ 8211 [ Curolucy के यात्र ] वस्त्र वस्त्र (वस्त्रीमरम्ब इसरे ), जमभार नमनः ( पू: भक्तानित वा धकान का निव प्रश्यात्क) भारी में मास्याप्रभार (भारी जारे एका वस्तीमरम् रम् व मी हिवाबिन ) लमर्

(अभूतापतकारी), कूम्पाकनः ([अर्]श्रामीन . हेम्यान्य लायवंत्रकेत ) नतः (वर् ) । ना छि: (क्र-कार्य कार्या विकार के के कि कार्य ( 18, कार्य कार्य वार्य पर व हाका , मत्र, जासूर मार्डे मी ) " । माडिति (स्प्राम्यम् ) मरत (वन आपाला) मूमा (र्म भरकारत) विवाल (विवाल कार्ने (टिन )॥ ८७॥ [ अक्रकं मात्र ] कश्मित्री-प्रामित्रीकवृत्ते वर्षे : (भाषीती-परियं भारता मामान्य मामिश्री ), मः विर्: (नरं ६७) १२ (२०६४८त) हस्य कात्र (हस्र वाक सरे (क) विश्विषाः र्वे विषयं निविषयं (विवयकारं व्याप्त कार्या [नवर]) क्यार्प (खाउकामार्पन सामा ) देखि विस्त्रेष (क्रिम मक्रान कार्नेगा ) मम (आभार ) मू पा न नमू प्यापि (क्षी वित कर) छोरिक इरेलाहम , जम्मेषु महात्वम कमेरे के दिक वरेलाह)॥४४॥ मेरिकार [आयामान्य मात ] मेरिकार (मेर्पाश्या-मर्भकं) से रेगार (संबंधा यन्त्रवाष्ट्र) के हिर्देक हिः (क्रिक्न काडिलात्री) त्र: (अरे) विश्व: (विश्व अर्थात्र न्त्रिक हत्ते ) प्रिवादकाः (तिक वार्ष्ट्र त्यामा व्यम् an अवामनिक ) विवादिवा- वार्वा: श्रुविष्पे (विवर-न्ता कित्रं िवर्]) क्ष्रमावन (क्ष्रमाविक 'प्रायन'

्रं, जन्मरे लेंग्नुइं त्रें , जन्मरे स्माश्वं त्यारतायम्, , जम्मिर सम्भे नायम ) विमर्व (कार्समा) म: (काम्परम् ) वन्यू पि ( कार्क्स र क्रामिना तम् करारे ) मम्पारि (डिपिण इरेएएट्स )॥ ४०॥ ला रकः (त्यद् स्टिकः) द्रवाह (तर्वात ) मानेत्र (मान काकुल कड़िक ) सर्वे वाह्य भित्र ज्यालवा (पाक दे छ : (माणवंश वयत्रतालवं त्मुम्मन् मम् व मक्षे १९ ति) अगार्ड शास्त्र (भिन कव्यामारिषांना )का दा : वती: लाल (कास्मान व प्रतिशाधिक) में माः विन्हतेन (९८ में या केंगा) कार्याः (श्रा कार्याव) व्यवं-निक्दें: (जमन्तर्भकर्क) व्यक्तिः (विकित हरेग ) त्याहः (जिम्मान्द अव्व ) चात्र वात्र (वस्त कार्निए कार्निए ) न्न भी नहें निर्मा : (न्नीयए न्) कार्द्रिय खाल (के के अपातिक के लामिक के ल कार्निया ) अपनित्रामा विष्ठा प्रभार (निराय प्रभान-वार्षत त्याम बन्नवः त्यालुक्त तार्षे वका ) नम्प्रमान-डिएक क्रमीक वर्ताए (तिन भेग्राम ना एवं नम दे। प्रमेवतिन क्षेत्रकार्या ) किया स्थास्य राम्य (त्या सेव राम-त्रकालाज्य निवर ]) मध्यात-मध्यार (काम्प्राप्तं विनामध्यान अभी अवा)

न्प)ः लिनाम् कर त्य अभीवकार्तिन के क्षेत्राह (असुनाटक) मधन (मन्त्र कार्नुआहरत्य )॥ ८४म मार्लाद्मवाम (मिलव भार्लिं मना) डेक्ट्सपूर्व-१४१९ (७ दशंकल १८४३ विस्नाविमी), लाबाइ-इंटिंग्रिसम्भू में देनकाई (६०० मा अ इंटिंग्रिसमंस् डेर्भ्य नम्मलाडिणा), श्रमुख्न न म प्राक्षताभार (क्रेड्रिस्स विकामक रेसीरवं यमसे स देश-भारत्याम् (१४९ ]) व्यावर्गात्रेष्ट्र मूक्त्रे वामी: (मार कार्यक्षल क्ष्र देरे रिक्ष प्रधातिवर ) व कार् (भ्रम्नाक ) ५५ म (५ मिन कर्न्या हत्वन )। १९१-१७। व्याले रावें: (व्यक्षि) सालिशानि (प्रमुत्राव स्वालिते) मधीका (मलनं काई भी) उन (वस्की) वसमा (ज्याप्य माह्यात्य ) रे.कामायं (त्रमेशर्य मार्व) सरीकातः (मर्टि देळ्य देव्या) सिमामानुः (क्षित्वसास्य भारत ) अवद्भारत् (द्राम्य र्रेलन )।। १०॥ लाम (लाप उं ) आ (लाप) इका (मर्था) वन मारिकर् (मिल् न कत्मन मिक्ले) प्रामणनार् (अस्पात ) किसार (क्या के किस हिंदि ) अमारक्षे

(भाषमाभागप्रद ) ७ व अं २ त्ये : ( जवने कुल १४ म्यूर-धारा ) सभावि अंघली (सम्बन्ध अक्रम हेसदान ममध्य कार्यमा ) ताम (वावः भर् ) (व: (१) ०डम्यं इसड्याध्रम्ये ) स्थि (अप बार वास्त्रम्यर्त्ड) स्मिन्ते क्ष (स्मिन् कार्नमा ) सँ ठः (व्यवस्थे ) वयान र्च (टमंच बल्यन कर्ष्यमाहिल्यन )॥ ६०॥ क्स र्षामका वानि - वानिष्: (क्सर्भीनार्ने व भार्ष) क्म-इंसः (क्यर्भ) मिताः (भ्रोम ) भाव-मार्दाः (भावकारी उ भद्मां ) प्रवितिषाः (व्यक्तिक ) विनिष्मा (त्यांभी-मर्नेव ) गाछ-। नाजिए (माछ छ भी अ धामकार व म क्तित्र के ति है जिल्ला क्रिय क्षेत्र के विश्व क्षेत्र कर् (ने न करारे त्यन ) रेर (ज्याम ) भूयं : उरेकक्ष्र (मध्यभ्र छित्राह इरेए ) ७९ थडारिमार्ड (अकाकन काडिम् (अ कामिर्ण मानिय )॥ ह ।।। भयमा (भयमा) अछ्ठाना वियूपा (की कृष्णेत लासम्यामेव रत्रमनः ) भामम् भाविनम् (स्रवा-तिवक्त ) अमुक्त बनाण र क्लाम ( व्रिम्मणः ]क्तर मार्कित्रे भावने कार्नेमाहित्यन "[अन्ड])लाम (अम्बर) एर (च्युक्करक) मामावंड लामुळ ड ( प्रिम मादं

मार् यावं अन् ) मसें ८ कर (दुर्भक) ससुम्भे (त्याम्मां ) कार्यात्मक माट् : (कार्य द्रम स्वय इंग्रेंग्रें कामूर्ट मत्रेव ध्यामानं कालमचन्टिक ) की वर्षां ( 2) you [ 21 & 23 (2) ) 11 @ 511 केकतेक्टां (मुकेटकवं विक्षियं वेश ) केकारां (तसंभवं) सार्म में ति मां मां ( ध्यं सार् क्या र्या ) माय्या के वा (ल्योत- त्याकि ) निर्माताः (निर्मात-प्रमृ (१ व) अन्त-म् भूक्ता: ध्यमनं (अत उ उन्न खमाने र्रेगाहिन)॥ ए।। डावं: (क्रारेक) म-खिनायण्: (क्रिनेम्याप्तं महत) कटमन (क्सल: ) थान (परे मकत ) निका वान (मिस् न ) भू त्यत (अममात्म) जीवा जीवा (भाव इरे ए इरे ए ) पयू भानित्र भू (यसूत्रान भू नित-प्रमृत्र ) विश्वन वक्षाम (विश्वत्रश्रमत कांब्रेमाहित्यत )॥ ७८॥ प्र: क्ष: (जीकृष) भाकृष-प्रात्रीण - वित्माकन - नर्घकर न्न:

।: रुष: (आक्ष) मारूष-मामण-।व(लाकम-ममण (म्नः (आिश्वाम्मूहक मद्याम मृष्टिलाण , लाहेद्राम, बाकामाल), ध्यानिक्म- स्वम्यानिक्म के जिल्ला (ध्याने क्रिक्म) म्याक्षाण उ हुम्बमापिक्षा का ) जामार (ध्यामीमार्तक) भ्रम्थल- प्रताक-विमाम ष्ट्रकार् (मिन म्यं मनानिष् कमल विमारमन् एका) विल्ला क्रम् (वार्य कानेगा) विन्नात्र (विदाय कार्बिमाहित्तन)॥ ८०॥ ७७: (अत्र त ) प्र: (जिने ) ठक खम्मा जिने ( हक्त स्थान-माधक ) भूगमिन ( भूगमिन ) क्या माछ (क्या प्रमायम राव्ना ) वन (टमकात ) वस् (वसन कार्याव कम् ) अमार्तः (क्रिनेम्याप्तं सह्त ) १ के लाक विर (हत्य धार्मार्न कामित्र)॥ एउ॥ लाम (लाक्तं) मः (चीकृषः ) वार्यमा मर (चीवार्षा व यारे ) विवासीमा त्याकारी भाजमञ्जून विस्मितिका में (अर्थर समाय देस , ज्यान त्यामिय विनिर्दे अड्र लम्पेर ट्रिंग के मार्च का ला विरास किराह पामिंत कर हत्यतं ) प्रति (प्रक्षी कारण ) । प्रति : (ध्यक्त कविण) लगमग्रीमर्पः (लावं मग्रीमर्पवं यावं) कवार गरे: (क्रमणः वरिदाल वर्माष्ठ तारिकम् वा आहारि विनिष् हरने) मूत्र अस्य मीर (विनिष् मुल्य प्रक्रम ) हकात (ब्रह्मा कर्नियाहित्सन )॥ एप्न यम्भवातातिः (धर्मकृष्टि आतकात-त्याने ) त्रूवर्म-व मुराकि जान - ला भीन १ रेच (एक ल सूर्यन भान नण-काहिल लिया मक्रिक [वर्षेत्र कार्य मा लाला भागे (अर्थन)) जराम (टमरे) प्रवयन्त्री (दिन्हि प्रवयी) नेमसानंता ल पुर ( अमक्रकांत सरीय [ नवर ] ) आस्मिलरिं द (न्यामायर्क वर्णामान्त्र) हार्ड व्यक्ता व्यक्तिक (क (यक्षेत्र कार्यम ) व्यायाची किस (क्याचा नार्यम हिस )। वन। उच (त्रहे इक्सर्वर) मियः अर्म विम् सु क्ली (अने अहरे के अधिए प्यार विभिन्न कार्यमा) क लाभाविषा ( मृजाविष्गतन ) सन् वविकी (अयती-हासे ल ) त्य शक्षामें में त्या (क्षी या क्ष के के) मामुवा-मिकाली: (लानगासम्भ मशीमन्दर )र्मीलक-इस्थ कान-वाल (इली नक नामक नृष्ठ्य (रेस्) आदिना (लगरम् साम म मेर्क ) लार्काल (रें के कर्रम-हिल्मत )।। लगा उट्मा: (बीज़िक्स व खीक्क) न्का निक भिनी मार् काली ( वर मृण्यका मिनाधीमीनाते न ) विमक्त) समहामते: (प्रमें के अमराम्यामां ) ०६ (अर्) १ कं ( हक्ष ह ) क्रिया हक्ष व (क्षिका दिवं हक्ष कारं) तिसर ल्पिसी ( मिन्यमें के ड्रंगाहिय) ।। २०।। भः थर्भ थहुठः (त्मरे जीकृष)का कदा वाल (क्रायत वा) वाहार (ब्युवाहाक) च्यात्राव्यात्रातां मि

(आम्बा त विभाग्यवं सक् म्हाप ) रेखा (म्हालप्र करवेगा) ७५०मानिकायः (छारास मा छ।राद्य मानादा या प्राथिता मर्चक ) मामाहः मर्कालाः (मणीण-कारियी मल्कीम तेव ) भर (भार्ष) मा मंग्र म्छाम (भात ७ त्या करवेल करवेल ) धान वडाम (भामके. म (भ भविद्यम्ने कर्य्याहित्य )॥७३।। नम्यम् क्रक्तमाणः (यगनेमीत ह अनि व मानि-मामवारण्) orms ( culay by ) आह: (आह ) देशहें (क्रम्यत) असा (अस), क्वाहिं (क अत ७) मी प्रा प्रका (मक [अवर]) क्रिडि (कमन अम) भी भूप (५७ - नरे साम) विचित्र (विভिन्न अकाव ररेमा) २ (व: (अक्रिकं) क्रिया थात्री १ (क्री कि देशमान कार्रिया हिन )॥७२॥ यः (छिदक्यत्ये) क्षीकृष ) जाभार् (टमाभीमार्तत्रं) इत्याः प्राप्ताः प्राप्ते ( मूरे मूत्रे स्तान प्रक्रिकार्त ) जम्प्रम-ग्रम्हाः (छात्राद्य अका का प्रविका प्रभूषक ) भूत्र, (भूषिनाती इरेमा ) हत्रथर-वन्नीमा (हक्कत खर्मना निम् धक्षात ) रेकात्राष्ट्रके वर (रेग्रेयं क्षाप्तकं के हैं भाग ) प्रत्ये (टब्लाका आर्यमाहित्य )॥ तता क जाम (कथरड) मः (जिति) अताण हक्त वर् (अताण-

१ (अरं आमं) प्रमाली लगा अमें पत्रा (चमेल में व-(य(म) अध्यत् (ध्यतं कार्यमाहित्यत त्य), भभा (भाराए ) जाः (लाबीमने खाल) (करे ) दिल्ली (न्युरक) राद दिवा (लामा कार्य कार्य मार्च मा ) में लाम क्रिया (काम एक) न अमार (मधन करमन नार) रेषि (वरेक्ष्म) (मानीएक (मान कार्वेमाहित्यम)॥ ७८॥ मः (लिप्र) आदि (हत्यनं वादिलालं) भवाबिगामतेः (अक्र टक्ष्मेत्रीम तिवृ कावा ) कक्षर् (वक्षि) प्रक्रतीर र्श (प्रवर्ग वहमा कर्मिया ) जायर प्रति (जायापन मकी आरम ) भू रम् मृत्रम् (आविष्ठ म्ल मृत्र कार्ड कार्ड ) 620 धमग्र ह (62600 जिस्मे करारेण) वटले (विवास कार्ने टिस्मे )॥ ७०॥ मः (जीक्ष) यमाकि ए मार्ग्न (मिन मार्ज अम्मरिय बन) हतायु ह्यायु (त्ये खन्न नेव् हम ररेए) ध्रामर् क्रमर्श (क्रमास् गक्रमा:) सूरः (गायवाव ) अवक्ष्र ( [ किंटिय ] अवववं नुभूषक ) उर उर मान् ([एए एमान दर्श वायान कार्वमाधित्वन ] टमरे टमरे मातरे ) धारा (भवन ) भाक् रकार (आरकार ने कार्विमाहित्स )॥ उउ ।।

(याम): १ ( जियंग्स ] (यामीयन ) करा नेत्र (क्राय ३) भर्वाः (भक्त ) भूसल्य (वक्रमणं) क्विष्टि (क्रथन उता) पर्यक्ष : (प्रकार्य) ) व्यवस्त्र ( विवास ] व्यववस्त्र ) लाइ ( कि ) लादम लाक ही (लाटकंड प्रश्वेता) वलन वक्षत्र हिन् : (व्रविष् प्रजनी वक्षत्र कविभाष्ट्रित )॥ ७१॥ मः शबः (जीकृष ) जाषः (त्यप्रीमत्व प्राप्त )रेयः (अर्काल) हक खन्ने न रहे (हक खनने न्वा प्रकार ) विसमा (विलाभक्षप्रभीत्रभूर्वक) बाद्यसीता-विलियाम् (अभिमीनाविला्धव हारा) ह अप (हम १५७) धवक्रवार (धयणवर्तकावित्यम )॥ ७७॥ म: गाछ: (त्माची नरीव महिल व्यी कृष्क) कृष्कंग जाता (अभी धम्माकष्क) भ्रमश्री-मृष्ट्रिः (निक सर्वी-क्ष कामन रस्याना ) प्रक्षिर (लगरें ), क्रम् मुक् दिवारे : (कू मूका विक् सो कर कारी कार्य कर्ष क) प्राविष्ट (प्राविष्ट विक्ट्र) भाभिकित्रे मूकार्डः (हन-किन्ने अल मूर्या भाना ) मिछ- निष् (। भिछ ७ निष् ), धन (भा नाम क्यां भार ( धन (भा नाम क्यें नामक) णया १ मन १ ( जयकार ७ मुबिसी में ) भू निम व व १ वाराष्ट्र (डेउम ब्रामिन स्टिंग डेका क्र १रे तम )।। एक।।

लाग्र क्षः (वर चीक्ष) जास्त्र, (अरे स्मित ) सिला. राम कट्डं: (ल कं मच का वाम करा ) खिला मिं! (किंगेभी-मर्तन वाना ) भावेष: (हल्सिक) ब्रूमछती विकास (दुनम यन्त्र इस्स कार्नेम ) वह वार्य (दुन यन्त्रीन तक् भेष् ) जिने में (जीवाहावं भारते ) विभा भना (जिला आ जावं कावं अहिं । ही निष्) , भावेरवन प्रकी मः (यल मध्ये वर्ग) रे मु: यमा (हत्म सं नाम ) वर्षा (टला डा बावर करियाहित्य )॥१०॥ क्ष अविजयर (क्रिक्ट ( हर्जिक भूर्मन्य (मर्म) ल ल मालि- म छ न १ ( व्रम्मी ना ने व प्रखन हि ) या मादि- भी ना आ भरेगदि- विर्धिर्ल (क्रामादि तीना क्रम घरेगदिन विर्धार्न-का भारत ) शर्त- ५ छ - छ। निष् ( नी कृ क क प प छ छ। या भारी जानिए) काप्रकृतात- खूलाए: (कल्लान्स कु स का (व व ) ब्रुवर्न हिक ए प्रा (भूकर्म म हिक व गाम ) वर्ष (स्माल अभ्येमाहित )॥१२॥ ७९ मछन् (वस्तीमते र ट्राये मछन्छि) रेर विनाम-भागात् (वरे क्तमविमासम् (क) १ (वं : (कीक्रिक्त) सत्मधीतः (हिंड कुल सर्मात्क) त्वा कूर्यव (क्र कान्याम् बनारे ) कला किवर्ष व म्या विष् (कल्पे.

अं प त्यक् भी वाचं क्ष मार्थित [चवर])देरं विवर् (श्रक्त लयाबूम्क) देश (भूग्रियं) प्रशासान । जारि कि (मराकारमका भरे अकाल भारेण हिम कि १ सियवंगरन्वं सार्म न्यू गमन द्वार वाया व मति वायमाय व छ जा व क का आकित अन्त हेतान जा करीले डेमरन मिर्के भारक ब्रह्म न क्वार्य मिर्क हिम्म अभूमा। इस काला नम्दान देक ब्रह्म ने इस्टिंग सम्ब्राह्म का व्याप्त काला कत्रा कना डर्र ग्रंट ] )।। व ह।। अ१९ (कअपत) सः लवः (चारक) अवंभाग्यम्बन मिमं ०० : (अवं अवं लावस्र में एक ने भी भए । वटमा : वटमा : (पूरे पूत्रे बात्र व्यात्र ) अका ला : (प्रकारणी रहेता ) विसे में यार्मा ख्रिन है एमर्गः ( विने में प्रांत्र क्र मिर्न कार्ने मान लाम् म कर्ने में ) गाह: (द्रारात्व अर्थि ) मामपला - मर् तिः (विविध ना प्रिक म्छ -मत्का(न) द्रम्म (भावे प्रमोण्यक) धरा वर् (लाक भारेगार्टियम )॥१७॥ या अप्रात्मा: (तिक त्थ्रंभीमाते व ) जुकानवा भी (क्षण (५ (म) विवास (भार्मम् (वाल्यूसन मधने ने-गरी ) के कर्माद: (जी किएक ने विकार के) कर पर

(मानुत्रमावक) नकर (चर्) प्रवम् (मधमार) सर्ग सका विवाध द । भी बाका हिंदै ल भी हैं दें (सर्ग सर्भ) प्रमालकार । भीतं विरोठक के marino [नकर]) हत्यारि: मस्यद (हक्ताका व मार्याम भूमधात) असम-नक्तनामर् (स्थाभस्मम्यक ) व्याप् (लवा के व श्रेमाहिस )॥ व 8॥ क्षाहि (क्रामक्षा) अकः यह वामः (क्षीकृष त्वाक्षेत्रे ) श्रीम्प्रमने ना मचात् (मिश्र सम्मने मण्या-तिवकात) अमाणह्याष: खमन् (अमणहत्मन् नामः लानिताम कानुति करनीत ) अक्रम्प (त्वनंत्रीमपंत अकलावरे ) भान्यमः अयुवर (भान्याम् क्रांस विकास कर्रमाहित्य ) (1901) डार्च- डार्चराम् जनमार (व्यक्तिक उत्मीम (अग्मीमान्द) वर्मिका-क्रेमात: (वर्मीव उक्के न मार्गीएन त्रार्ठ ) ग्रीनिष - रतम् काकी - तृष्त्रानियानी भ : (ग्रीनिष वत्र क्षात्र उर्भू व मावित (प्रे कारे प्राप्त ) नरेनला विवास १- भार वासाम् भाषी (म्वा कर्भें भारिक विकास साम काम समूपरम्य वाम्याची र्रेमा ) तिवय व सर्विष्मे (श्वीप देउ स भार्षे -वादा ) बलाहे (वित्मकत्क) कात्रल (वादेवालु करिंगिट्रिय )॥ १७॥

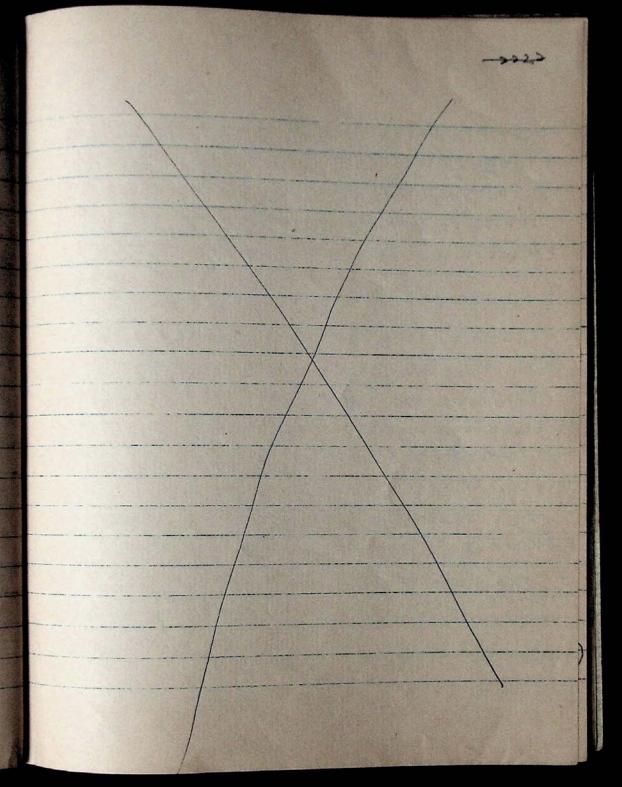
(छ (छात्रावा )कानिक कर् निक्र १६ (कानिक उ निक्क) विदी भी पर् ह ( - वरे मूरे अकार मार्गि ) कछ: (अकाम करिशाहित्यन , [जमार्य) अभागाः]) भन-भाविशम-लका माना-भवतार् (भा भा वि, भ, म, भ भी । नि -चर् मक्त अदं वे ) र्मक् आयम् में: (स्मक् रिमम्बाद व्यात्म कार्यमाष्ट्रित )।। ११॥ [ य्रायं ] क्ष्मर् लायुके कार्र किश्म व लायुके कालाए) शिह्मार (मैंद्र क्यावं) स्थावः १ (ध्याव्यत) येता इ. (इस्मरकार्व भाष कार्य गार्ट प्रत ) वन (जनार्वर) मक्षाविची (भक्षाविचे ) अकार (अक्र कार्ष [वरः]) अकादमाविकार (अकादम अकार) अवार् (व्यक्षेत्रम् याविव [यात्र का वंगाहित्य ]) 11 वर 11 (अत्रादा) मलेश- सद्योत्त- भाश्चावं लिए। प्रति वर्ष त्रक्रम उ माअर्जिलार ) जिल्लाकार (छित्रिक )त्यामार (अवसिवं [अय कार्यमाहिएपय]) वे (व्याद्री ३) यक्षेत्राधारक ( वर्षाधार के कार्याहर ) याक्षां आयर (भाग्यतं भारतं) देश्यतः (देशमायदं रे करियादिलन )॥ १०॥

[हाराना] महस्यं मठाः (मह स्रायं न्याक्त) सायुर्भाव-(क्या: (मारिक्माविक्षकातं) क्याणी: (क्यावि), मधीनमक्याम, (देन लक्षा निक्ती महम्मक ) वामात्र ( (वाम [नक्त]) नक-विश्मािश (अकविश्मािष्ठ अकार ) मूळ्माः व करतः (स्ट्रिंग भात्र कांब्रेमाहित्यन )।। ४-०॥ रेटम (डाइन्स) विविभादिकात् (विविभ-अव्वि) अक्रम्भ-सकाराम् (अक्रम्म खकारं) अमकाम् ह (असक [नवड]) क्रामाप-नल्लाड (क्रामक्रिड) अरमकत्वान ) द्रमा (द्रम्मी भू भू मे ए (स्पर्म वेड) अछः (भान कार्यामितन )॥ ७ > 11 िजाराता ] अफ्र- प्रामान-एड (न म अप्रमाएए) चित्रिश् (पूरे अकात ) मिनफ्र (मिनफ्र ) काउन मछ: (भाम कार्निमा हिलम ) १ उन (जमार्वा) व्यवक्ष वस का भक्ष (व्यवक्ष वसु उ स्थक) प्रदेशानमें (वर विविध् भे त्यारेक ) क्रिश (अक्ष [मान करने गारियत ])। ६२॥ अयरक (अयरका) नामाविधाम अव्वाठापि-एपान (अव आठेगिष मानगाविष एक पविषयन ) जाउ: (भात कार्कताहि (पन गिर्देशत]) भागत्रकावान

(यम समाय ) यामात्र १ (याम [नवर्]) मामार्थनियात्र (न्यासं अद्भ ) अर्थर १ (अर अर्थर विभाग कार्नुगाधितन ])॥४७॥ ( अस्त्रीय (अवश्रत) अवस्त्रत्य (अवस्त्र) अस म्याम् (मक्ष मर्) माल्याल्याम् (याल्यमम्) त्र मं मं (हम अवं [नवर ]) अल्यार (अल्ब-अरक्त ) लक्ष खनान (लक्ष खन्) विष्मकान, कार्यमाद्यान ।। 6-811 (७ (डायाना) मन्नात् - क्रांटिक - महे-आम- स्क्रात्-कारभाषक- टिवंबापीन, (धनाव, कर्निक नहे, भाभ, (करातं व कारमारक उ दिवंब महिति [नवर] मरमायवर् आअपि-तिमास-वम्येकाम् १ (सामव साम्रारं) (दिमान उरम्बन्धक) दालात् (दालमपृद्व) ल्यानंत्र (यात्र करवेत्राहित्यन)॥ १००॥ ता: (प्पान्तीय) जाउश्वी (जा वश्वी) 'ग्रस-किया हि (यात्रा किया) प्रमुद्ध (त्याया) ज्यामवर्ष (क्षाम्यवी) (पाद्धाक्ष्यी (पाद्धाक्ष्यी) काली ह

(कार्ज), त्यमा बनी १ (कमाननी), मन्त्र महर्ति गे १ ह (क्षांत- अथ्वी), बनाहिक्य .. (बनाहिका), तम-वेबाहिकार १ (एल्ल बचाहिका) स्थान्त (स्थान्त) भ को निकी (को लिकी), व्यामी (वानी), नामणा (आमेण) , अविम्या नी ( (अविम्यू मी ), मूजमार् (मूजमा [ नर्] ) । प्रक्रकार ( [ भक्रका ) नवा: ( नर् अक्स ) बाधियाः (बाधियाक) कस्तिः (क्या कस्ति (क्रम् :) अ. छ : (मात्र कार्य गाहित्य )। ४०- ५१। ताः (एपद टमाभीयम्) र्यमम (र्याकर्षकः) एत-क्रात् (अप्ड)भमानक्र-ज्यामः (मर्भाजामापि, य क्यार पी भावति [नका) क्रिक्य परिष् (अ यर भी अ द्वि मात्र पत्त न ) जात् (उप का न ह (अद्युक अमार्थल मस्ट्रं) काराप (ससला) मिल म् यः (मक् मक्) व्यक्षमम् (मामिक कर्षाम-医四月)11661 [वर्याम ] जा: (अयावा) मानाः (समन) प्रमणः (७भक्), ७ मूर् (७मूर), भन् (भन्), ममकारिकः

(यसक), प्रवाधी (प्राची), भगविका (भगविका), यदमा ( वदमा) भाममंद (याम्या) क वाममा (क्वास ), विभक्षी (विभक्षी), प्रश्वी (ध्युवी), री मेर् (ती मा) , काराभी (काराभी), किता मिका? (अनुसामका) भग्न महासकार (अन्यक्तिका) कर्न-रीप्रेंट (चर् कर भीमा ) का सम्म (मायारेना 12 (A A ) 116 N- DOI ण: (इंद्याना ) महत (मृक्यात ) भवाका (भवाका) विभागकार्ड (विभाजका), द्रामार (द्रामा) यात्वास्त्र (यव्यास्त्र) क्याम ( क्याम) धुना भी में ( धुना भी में), में के मक्ति (भन सम्बंध (सम्बंध) अद्यामक (अद्यामक) र्घात्रक (मध्तेम) क्ष्रक्र (क्ष्रक्र) वस-कायादिवाकिकः (अभाकाय, आरिवाकिक), रेकारि-२ सकात (रेनापि रस म्हान वा रसमाञ्चल मूर) मन्त्राक्षात्रः (अम्मीत क्रिक्यारित्तत्र)॥ कर-गरा



[हादाना ] व्यवीवातालव-असि: (व्यवीव,व्यत्रालव उ यस-असर ) जिथि ही: ( वित्र खना ने ) यह : मूलान 6 ( यर में अ किंगड़ी) अस्य- धार्बीक्र था- (आत्वाय सार्थ-माठाले: में बार्ट (मस्प प्यार्जीक्ष्य ३ त्यातावडा-अङ् ि थाछ- प्रयाश्च [ विष्] ) क्छ- धर्या - विताश्चिः (क्र वर्ष ७ विमाधिन मा प्रक) विविधिः (विविधे) आर्म: मे अर्थ १ . (यत- भटन ३. [नर्ट]) धः यत-लाया या किया (भिःलाया अ यलया काला) विकी (विकिं) र्वने भे भे वाम ( द्वन- मुक्त) वकः वर्षामार्थः अवं : व रीयप्रामा हिर्द : (वस्राम-मानक नक सकावं उ दीमसाम्यासक काम अकार्न -) द्राष्ट्र कामव विमाति (वर्क्त रेर् तकार कार्यक्र में के ) याप्य (याप मार्ग) प्रभाषे वात्र ह (प्राम्नोनिष्) क्रियमक्रोपन (क्रिय-थागुने) सर्गकृदेव् (क्र्यूमि [बाय]) यम्म्यूम् क्षियार (स्क्रिशिक क्षिय कार कार कार [ कार हिन बढ़ी) उउद् विस्मिन्स् कार् १ (अश्मिन र्रेट विस्मेन काल्यम [बाम वर्षाल]) क्रांतिसार (व्यक्षकं) कार्या पर्दे: (क्य हर्षेष कार्य में प्राप्ट डिय )। १०-१०।

के कः (ब्युर्क ) कारण खिलाः १ (वर्ड क्राउप्य (खर्जा)यम्) नहित्त (र्क) न्यार्थ ) १ कर्वार (१ कर-वेट) १ ११६-पूरे ( काक पूरे), क्षाकर (क्षक), जिस्ट्रमण नर् (अर्य नम्त), मन सीमार् (मन सीमा), अकणतर् (वक्षान), तिः भाषी प्रापि - जनकर् (तिः भाषी प्रापि छान), अउडकर् (अउडक), आविष्ठले १६ (अविष्ठले), साधार ६ (अस्त ), निष्ठे (विष्ठे ), थां ०० (थां ), मनक्षत्र-रेड (ममक्ष्य-मुड), भारे (भारे), क्रिकः (क्रिक), (क्याकिना व्यव (क्याक मान्य), हेमाहुई (डेबाहुई), प्रवंते ( प्रवंते ) , मान कानायम- निर्मा (वाक्टका नाष्ट्रत भारति विभ ) व अंतिकार्यवर (वक्र-रिकार्यक ) व वामकाम् म क न कड़ार्त (मापकामकुल कड़ते), व्यीचलां भी (व्याच्या) क्रव्यवं (क्याचे) कर् विकास्यकः (क्षेत्रिकास्यक) ज्ञा भावितास्य (व्यक्ती (व्यक्त ) , दास हतारान-यंगात्राम

वाक हका स्पर्न , क्यां खिंग ), बाह्यी यह (ब्रिकी म) न विकार्ष (विकार) १६४३ (१६८३ [ नवर्षे ]) री वारिकार (बिक भी वार्षिका ) रेजामीन (रेजामी) असार (असम्भेद ) सर्व : (क्षेत्रम कर्त्व नेत्रहान्त्र ) १९४१-200 जीरिक्या जमा इसिस मर्म - जीन म (अवास्ति (पर् चा १००० ११ १ वर्ग सामा मा निष्य निष्य में म न्या स्थ इं अ राम क्रामु डं त्मक वं मध्य क्षेत्र ) मी वं मी पार्य -त्रामकाश्या हिएक (अवसमें अपने व्यावमें प्रमान्त्रम (भाक्षा) भारत है पापम कार्निया है। व्योगीय-भागम् भारक (की सार, की य लाका सी ने मणा दिए उपराउ द स्य र्ड मेप्ट [ न ४६ ]) न्यायम प्रायक प्रवेश व्यास्य व्यास्य क्षेत्राच्या क्षेत्र व्यास्य वर्षे वर कार्य स्व ग्राह्म क्षेत्रका हम्याह ) (यादिल मुण्येत गारक (कारणाडिन्द नीमाम्डमार टारे गारक न अनु मा के निया अवस्ति अनू (मार्सी नार्सीन-12 2 1 2 ) Orsis ( 7 5 ) EN gone; ( Engour ) य थंड अव : (अस वार्वेममा इंड्रेस) 115511

(भोगुक लाउंस कर्तित्य )॥२॥ प्राकाश्मः नेम्न स्थिक) ममत्य कार्यं म्हितार्थ प्राकाश्मः नेम्याद्विष् (मामाय्वि कार्यं म्हितार्थ प्राकाश्मः नेम्याद्विष् (मामाय्वि कार्यं म्हितार्थ (भोगुक लाउंस कर्तित्यम्)॥२॥ (भोगुक लाउंस कर्तित्यम्)॥२॥

क्रिक (क्रीकृष) पकत्य मृष्णि (वक्राकी मृष्ण प्रावृद्धः कार्वत्य) सामिकाणाः (क्रीक्रिक्षकृष्ण प्रकत्य) पूक्रिः (पूर्विति ) प्राक्षक्षेत्र (प्राप्त कार्यमाद्धित्य विक्र्]) जाभीय (क्रीकृष्ण) प्रष्ण (प्राप्त कार्यमादित्य विक्र्]) कार्यय (क्रीकृष्ण) प्रष्ण (प्राप्त कार्यमादित्य विक्र्]) कार्यय (क्रीकृष्ण) प्रष्ण (प्राप्त कार्यमादित्य विक्र्यम्य कार्यत्य) क्रिक्षकाणाः (क्रीक्रामाख्यकृष्णि) जाः (प्राची-प्राप्त ) क्रिक्षकाणाः (क्रीक्रामाख्यकृष्णि) क्राम्प्र (क्राचेपा-प्राप्त ) क्रिक्षकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राचेपा-प्राप्त ) क्रिक्षकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राचेपा-प्राप्त ) क्रिक्षकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राक्रकाणाः (क्राक्षकाणाः (क्राक्षकाणा

इटमं (उम्म्यन प्रमी काला) महेलाई (चित्रिक खक्रि) म्कार्याचे कथात्वं अविक ) वा व: भद्यं भवाभार (१० मि क क्यावनं एतं वैपा ठंदां )क्यार (क्या : ) (अपूर्म (त्यानुकाम साल)। भेरियमार (भवास्ता) दीनगर-वामावानिकाने काने (बीनगर वामाक्ष्येंग), भारा अवकारिक - भारीकामार (विवर्) विविध अवकारि-अभीण कार्विती), अभंतात्रण् (व्यतीलार्नवं) ७७-धन-अन्वाद्यात्रामक-क्रम्याली (७०, भर वास्व वामक -वरे हल् विक रामा क्याने उक्षेत्र न्य म्यूर ) स्माविषि -अविति काम (शिवित भूम मार्टिया व ) के का र आरह (येका साम रहेता) मः कृष्णः जाः (जीकृष्ण उ लाभी-अप ) इट (कम्पर ) सामुन्ति (स्त्यम कर्युंग ) स्थित (क्रम्मः) ७५ मूल व्यक्तिर्थः (डेड माप्यक्रिमे उक्के-खाउंच लय्या लत्या [ नवं ] ) त्र क्षाम्माम् शापः (ड्राइड, थर्ने उ स्माहाममामरकार्क) नम्छः (र्ज काइमाहिसम्)॥ १-७॥ न्यास्य सः रकः (न्या केक १ व्या ) में दः (यावसाव )वामार् सक्राड (माल्यामप्त सक्र म्य २६०) इर समामण्ड (म्मं भूत डेलार्य र्रेम ) मात्राणानक म बला एम

(मामानि ६ ७१म-क (सर् अमून क्ति ) जी नमास (नामनम-में मण ) शायमंत्र (लांबेशायल कांबेता ) लागी (क्वेंग्रेंगायंव) हैं वेप (मकाप्रय-मडकार्त ) लाः (त्याल्युमिष् ) लापलमंग्रं िलायमा विश्वाव भव्य ) लखा कामा है। मालि है में एल प्रक्रिय भा (जला, जला, प्रामिनि, प्रामिनि, प्रक्रिये, प्र एक भा ) रेयर (वर्षाय) तिसम् (डिकाय्रे कर्त्रा कार्नि ) मरे वि (मृण्ड कार्नि हिल्म )॥ ७॥ यः राष्ट्रः (चारक) कामावर (वंश्वसीय कामसमा) ल्या पिक् पार्पार् किट किट करतार त्याकु त्या पिक् लार तमर चार तमर चार किरि किरि किरि की ए तम द तमर (अड़ त्यर् तार त्या मिक् मार् पार पृति पृति प्रि कार् काड़ त्मर काड़ त्मर दार (त्मा दिक् पर पर पर किहें क्यत्मरं जाकें त्या । हुड़े कार्व तमरं सरं त्यरं पार् किरि किरि किरि किर किर कर तमक तमर तमक तमर त्याः , त्याः । पिक् , मार् , मार् , मृत्रि , म कार्षे (मरं कार्षे (कार्षे ) त्यारं (तर्से त) धाकं-लाक कावका (राधां में भाक स्वक्ष सरका दं ) भी कि वासा (भीयामा ) क्रमणि - मप्रतं (भीक्रमं कारिकाम र्रेट (क्रमं म्हा)

लिलका अन् सद्ते । [ विले अदक - के कब्य दिल के वित्र ] ) रक्षा इं (श्रिकिं गामं) , केंब्री (सक्षाम्का ड्रमंग) क्तर काकी करेकविष्ते मृत्यं कामम्भा ( अका नयपूर काकी अम्बलमं व में मेरबंद सामवा क्षाप्तं मार्व) महर-कक्ष्यु (कक्ष्म में अध्यक्ष सक्षावं नात्री ) आध्रवत्र (कव्यतं ) म्यः (गरमाय ) हात्रमंडी (भक्षानिक क्रिमं) र्णाडी (मूडा करिए करिए), उस देस देस उरिम देस उरिम भा (क्य कि कि कि कि कि कि मा) देखर ( वर्षक्य) मपाछ (देखान्ने कनिएहिलान)॥ ७॥ जीमिमीमा (भेमारी जीमणी शका)रेश (क्रांस्त) लामको (लामसम्बद्ध ) में व: (मनमान ) मेता (ब्याक -मरकारम ) थार मार मुक् मुक् हड़, हड़, मिडार्नर निहार्नर पिहार भार बेंब्र बेंह वेंद असे असे असे मार मार असे तार उड़ अर दिक दिक ती ती कि निर्दित कि निर्दित पार सिक के में से तार में में मार ( मर मार में में में में 68, 68, निख्र ते०, तिख्र ते० के निख्र , निख्र , नार , ज्यूक, 文 , 点 , 85, 85, 85, 85, 40, 510, 85, 510, 85, प्राः, दिक्, दक्, दी, दी, किनिरि, किनिरि, चार, दिनि, चार मिति चार ) लवर (लम्स प्रावन कर्या ) नमर् (मृष्ठ करिगाहित्यत )॥ गे॥

समाद (ज्यमन ) मानेज कार्य (मानेजा ) जामाद्रम्भाषु ( ट्यामी मर्पन समी र्द्रिक), मात्र अदिवर्ष (त्ममकान्त्रे सद्य हिमें किंड आरंग ) र कथा दिया न्यास (व्यक्तिक क्राडिल्ट्स्न प्रत्याल केन्या (न्याप्रतीक्ष ) कर्ल (इल्फ्ट्र ). जानन (जानममूर्क ) मः मः पूर्वर-करकरतरमं (करक रतम्यावतं सङ्घरम्क) भारिमाध र्षेत्रे (कवंकसम्में में सक्तामक कार्ने में ) दिन दिन तम तम निमक निम कि त्या वर्ष त्या वर्ष वा (ते, तेय, त्या, त्या, लिक लिमला, तमा, वर्षा, तमा, वर्षा, वा) देवा (वर्षा) यमही (देक्षान्ने कानेल कानेल ) म्लाल (म्ला कानेल लामित्र )॥ >०॥ [四文本的] 图如如 (图如如图) 五十五十五十五十日十四五一 प्रिटिं : ( वी भाव कर कर कर विवासिक भार्व । प्रि निष्), मृति मृति पृति तथा तथा तथा सूमलंगिनाते : (सूमलंगिन हामि हामि कामि त्वा त्वा त्वा - अरे काम व्यान स्थापे ) यन्य-यः सर्कार्यन्त्राया (अम्बान्भम्त्र सक्षान विकान कानेगा) माना माना माना हिमा त्या उत्पा त्या क्याने ( मामाछ, मामाछ, मुक्, त्य, त्या, उत्या, त्या -न्तरेक्ष देखान्त्रे प्रकार्य ) द महावि (न्य) कार्ने ए व्यावस किंदियत )।(>>11

गाहि ( (कान (ma) ) अनम् भूवः कि। द्वी का (र्भूवड शिदिशोयं सम महकारन ) भूदः (वानमान) के ने देवती न लापुन थार (किने प्र काका क्षिप्रक ने कंद में) प्रिकेटी (मक्षाभुक, यार्क्स) प्रमंत ब्लानंत क्षानंत (प्रमंत (प्रमंत विष्ता विष्युंत विष्यां ) द्यार (चर्चा ) अवंत्री-(हिक्कार्य के क्रिक कार्या कर्या ) महे कि (म्ठा कर्या कर्या नामी पत्र )॥>२॥ लाग्न (काण काप व्याली) नेमें व क्या थिए। (रेमें विवं क्रियो छ ) भारत्यार्यः (भारतिक्रम [नवः ]) व्यक्तिव्यक्त श्रां (करंत्रमान राष्ट्रमाभ्यकार्य) श्रांभक्तमान (जान हे कार्य के प्रमा) का त्य के कि कि कि कि कि कि मा (के. के, के, के, के, जिस, कि, जिस, भा) रेक्ट (वर्क्स) क्ष्म्यां मंदी (द्रष्टारं प्रथात कार्युक ) रेट्रोट (रेटरे-काविलिहिलन)॥ २७॥ esu (7534 ) ars (0650m) orshir (0142 तक (माली) वह लाम (कार्य सर्व) राज्य वासा (कामरीय तथार्य ) रिकेश (रिक) कार्यात कार्यात) द्यां एक का का क्षां क्षां क्षां क्षित क्षां ( Cy in On- on pin Grin Grin Ogin Bue ० त्रिणं ) इ. र (चय्येस ) प्रवात (९८८ वेप वार्थे ग EMA )11 28 11

कार्न (त्र की नार्त !) (कार् प्राक्य मार्ने (कार् भाव भारती के कामान्त्र ) भारतीय (भाष्ट्रमा भूतिय ) ध्या ध्या भी ध्या धि ला लगाड़ कार्य कार कारण काराड़िका काराड़िका कार कारण ( का का , रंकारियक ) महेर देव मना (त्यम में को मार्च (० (६ एम) मार्च ल्या ल्या ल्या ल्या ल्या (, लारं ला, द्वारिसालं) समया (कांच्वर (से त्याने-क्रानि ) विभिन्ह (वन 3) महेलि (म्हा कार्न्टि , [एम]) मा: (ज्यामार) द्रात (गर्मान प्रामा) क्षे: (वीक्षे) पत वत का ( ar ar ar) मिममन (ग्राम्य ग्राम्य ) रेप (ग्राम्य ) भाग भागं १ (क्राममामक त्राय क्रम कार्टममुख्या तार्य) मत्र (म्छ) किन्या हित्सन )॥ > ०। िलपटन ] कासा (जीवासा) किस काश्रिम (८४ अवस जिंगं [ (धरणक ] ) डाअः (डाम्प) १ व्यात (१८व्यक थर्भ) रेमा ( रेम मेरमवं ग्रां किया ) रंगा (रंगा गारं) लार वं प्र अर्थ (वर्ट अर्वाह (मेट अर्व गारं) 'ड्रावेख (री बंदम के प्रेस निवर ] ) ठा बाह (से अपरे प्रेस कार वर्ष कार्वाटित वर्ष कार्य ) कार के कार्य owa out and or out or ( out of or) रक्ताम्याम ) म्डाडि (म्डा कर्माड न्यामास्य ) ११३७।

यात्म (दे छ मासम्क्रमात्म ) नाम्म (त्या भीमान्य) with: ( 102) owning: (owe wir og syil) णग् (भरे) मूनन: (म्मली) जा निक् जा निक् दिन् (छ। विक् छ। विक् विक्) रे छ ( अरे स्म) तिताप व कर्म (लय कर्निए कर्निए) आना: प्रवामिण: ( मंचर्रा भाषा कर्म काम का का का भाषा प्रक ) प्रव्यक्ति किं ( निका लागूर विकात कारा म कार्य छिए कि । । २ १॥ जिल्लारम ] त्वानेकाः (बीनाक्ताव्री) , त्वनाविकाः ह (वर्षार्प) "अन्छ : (यान्य) " अप्रक्षार्का ; (अम्मान्त्री [नयर]) त्यां नामका: १ (म्मणं मान्ती-भन्छ) महकाडि: सम्ह (महकी मार्प न मह्ट ) मूमा (इस्टार ) म्छाडि (म्ड कर्निक नामित्र )॥४५॥ रेक: (मरिक) सामर्था (स्मीव व रिव्याम् विसारं) ल्यानिकारा (ल्यानिकारिया) ल्यामा (वस्तीमान्व) o उप्तठा (के अक्र किया व विस्वना :) थळ हरू मप्-माद्वक ( माद्वक (परं का क्या मुम् में के ७९ मीबी- (वरी-कक्क कारि (मीबी, वरी उक्क कारि) न्जा भरका (न्टा) व भरकारे)। भ अर (मधक) ववक (मक्तामाना वाद्य कक्षत्र कार्यमा हिमाहित्तत्र)॥११०॥

( आरंती- थेया: ( अंत आर्तिकायप् ) सामासम्बद्धात (यमस्य यद्वलम्य्यावं) य अस्य स्य विकारिकः (वल्च भवल भाषां मक्षां सक्षां (व्यक व प्रवास भाषक) श्रीतः (भन्न श्राक्षाल ) मकाम् मकाम् (मव नव) कालाम् (ग्रेयमर्गाइ ) अमेर्गः (मिन मर्वेगाहित्यम )॥ १०॥ णाः (अराम ) अधार महीराम ह (अय उ महीरिएए।) xx x gi (ontring) x i 1 x (x i x h (x i ) ou maix (क्राण्यल कार्यताहिष्य [नवर ]) राष्-तिल्यामितित्य (स्पर् उ तम्मी मिलित ) र प्रा (र प्रकारत ) मी छ ह कडः . लछः (भन्नीच कार्यमार्थित )॥ १०॥ ७९ (CM) मान् (मनीठ) अार् केंड देव (वक्षामानीत लाकार्यवं भाग ) यम्यर (स्य-मक रेल्य्यास्वरम् -(सत्तर्क भ्राश्वात - कार्मात्राम् वार्मेक) र्घार्य रेव (में हुं हैं य ल जिये गारं) मका हुं दं ( काम् वं में के के कार कार में शुक्र में अ कि में अ कर ये भन्नी जलाम - वल्मी अष्ट्रिक वाद्य पूक ) नमनर् रेय (यमरम्ब ग्रमं) माद्यवर् (लाक्स मन्त्र - माद्रायुर्वे व अक्षी क वास - मी मार्स वामा पुक [ विवर् ] ) मपुर देव (इति व गार ) सरायक्षं ( वर्ते अभ- प्रमा लादक्षं

अकाल नार्याहिस )॥ २२॥ अकाल नार्याहिस )॥ २२॥

यह सब्धायार ( िवेद्याल ] रेवरवंद स्मेकिक व त्यानायात्ते) यकीय- सम्यममं- कल्प- किन्द्रीकः (न्भूव, वममं, कल्प उ हि छिती दर्श देव असे मं अमेर (यह तत ) सर्धि दिया : ( भारतम् काम ) कर्ष (कामाव कर्ममाहिम ) व: (कारत) भाषाय-अध्यम् भाषात्रिकमा (अपाद्यम्भाषात्रक क्षायमाधार्यः भारत भिष्णे दर्मा ) किसे १ वेन वात्मे (०० क्षायक्षं अधिव उ मन - नर् हळार्यस- मास्तुव ) मळमणा लाए कित (अक्षम्भातीम दरमान्द्रेत )।। २७।। ज्या (जरकात्म) बन्न बीतार् (ज्या भीता तंत्र) व्याटम (मूल्य) भीछि: (अभीष), जीकरन (१८४) जवाखिन मन् (भन्नीष-विवयंक व्यक्तियं क्यी ) विभवाद् (वादमा ) जातः (जन), जीवाकिरिय (जीवा उकिरिया) र्व यन (भक्तमम) त्यात्मः (त्यम्मत्म) त्यानमः (त्यात्र ) वार् कामार (व्यक्तम्म (त ) प्रकामकामधन-मधन ( क वाध उ मार्करी मधनामधन ), कृष्णामा दिन ( चा के कि वं ये म ल त्यां वा ) के में भा (कर्म मार [ वर् ] ) मनाभेक-मू भर् ([ 16 उप्रकी] कन्मने का ने छ मित्र ) mung ( द्रमम ड्रम्माह्म )॥ र 811

मा: अप्रवाम : क्रावम : मेंक्या : १ (८म अक्षत्र भ्राष्ट्र क्षाव्य क्षाव्य क्षाव्य मुळ्ता [ववर]) (भ ममका: ६ (ए भकत समक) बीतार् विमा (बीमायाणीय) करते (करते) म डेक मार्ड (अमान्य र्मंता ), जा: (त्माक्षीमर्न ) जाः जात् ह (त्मरे मकत स्ति कार्ट महर्म प्रवर्भ सम्बद्ध व ) इतः (भाम कार्या -12 (MA )112@11 या वका (ए कात ( लाभी ) कार्ल- नमक- द्रमा: (क्यां व सम्दर्भ मम् दर्मात सम्भीम्कात ) अवकता: ( अवसम् (देवं ) अतः अप्रविधाः स्तारीः (आविधि अप्रेत लेमर् नेमर्कास साश्रमित्तं ) समामेता (क्षित्राम सरकारंत आत कार्ने मार्ट स्वय- (तुश्र प्रणीव कार्न वित्र) (जन ब्रामिक प्राविता (जीक का अब खेर इने ए। ) आर्ब के कि निम् ((अन् रे अन् , चर्झत सार्को) द्रंड (द्रायान) में रिष (अधान कारेलिशित्र ), जमा (जवकाट्य) थम (जिल्लान Canal ) ७६ कार्य १ (कार्य का व्यक्ति - यमका विश्वक ममीकरं) क्यारियार सममति (क्य व लाखारा व अर्थाम अविभाष्टित्यम ) न भा ( विभि ) व्यक्तार ( व्यक्तिक भिक्रे १ रेटे ( ) व्यक्ति (स्थार्क ) स्थार ( ( ( ) अलड्ड छर् (लाड कार्ने मार्ग्ट लाम )॥ २७॥

वाहाला: (अभिवाहाव) हालिका न्छ। (शामिका न्छा) जू एकेन (अस्तु इंद्रांग ) क्रिक्य (क्युक्क) लाके (एमं ( लेंबक्यं -(मा का का अप अस ) का का का (म (मामुनं ) जिल्ला (जारातक) कामेन्निक क्रमाव (क्रामेन्सिक द्वा) व्याप्त कार्या : (कार्यात कार्याहित्यत )॥११॥ क्रक (क्याकिक) के त्याल (क्याहि ) से ता (इस्मरकार ) इंट्रेम् अमार्न: (र्ट्या-म्युटिशका) शहर मर्गिष्ट (क्षी कांक्स रेटर कडाइ क लाव में कर्वण ) आ (चानाका ) रेय (हेक वर्मी-मन्नीए) जमा (जीक्रक ) मानमः (मक्ताण किर्व अप) क्रिके मुक्ता नार्था नीएए मुक्ता (भार्त्रामक्ड पृथिड्यीमरकार्त् ) पिलही (विक्षमा येथी मार् के हिंछ लाकस्त कार्ने माहित्य विदेवन वीक् (कर् ] ) भ्रानिष् जातः वाली (जात-भ्रातत रद्राय ७) महायम्ही (भन्न जारान भन्ने करिए न्मित ), जार क्लिक्स ) कु जान (क अत का ar wir (वीवाका) प्राथम: (मिलव ) रीमाप्ति मार्टि: (की भारित आयष्टाका) ७० ६ वाली (चीकुक्काक 3) ow महिमाडि (ट्रारेसलारे र्ठा करारेगा-18 (MA )11 26 11

लाक (लाप हें वे किए (च्या के एक वे) मा समर् (मार्क) याता (त्याया [नवड ]) लेम (त्ये येस्य अध्व ) डावं : (वी क्क) अव ( नंभ्यं (न ) ध्या ( त्यं व ) नन किला लवासमेर (म्लानमान अमर काव्याहिलन) मशी-ाठ: (भन्नायप) विद्याः (द्राद्रारितं द्रवितंतं) भाराहित्र (कार्य वाल (भाराम शबुद् दुर्भेक इंद्रेंगा ) तमा (असल ) रे. वि-माम समित (रेंवो भार उ माप्त कार्नाण ) जन्म व जातीय (अमर्ज वर्याममा )॥ २०॥ श्वे: (भीक्क) जानावत्रात (जात्नव् व्यवभान वा अट्टिक किया ) मिला कार्य (क्या के कार के किया ) ल्याने ना प्रविद्ध (श्रीम इस म्हाम्य कानिकारित्यन [आव] ) क्रिया थाल (व्याचार्ड) ज्केर (अउत् महकी हरेगाउ) क्षा रेस (CNA कार्युवं मार्करं ) मत्यम करंग्न (गामर स्थाता) अभग (बीक्रिक् ) करं (रश्रक) तिस्मारि (तिवाम कावित नामित्रम )॥७०॥ वका (त्यान वक त्याची) आत्राह (आत्र भूगन-राय ) भिष्टि लामसी (हैं वम लामने अंदुरेग)

िल्ला (प्रसेक) लिल्ला (लिंग में या ) सम्पत् (सम्पर्क करिया ) त्यलाभिष्ठा (त्यल बिभिष्ठ ) काक्रमी भाव-१ किया देव (मैक्स्सेस सास एक के भारत ) व मीत् ( भारत दोलाई (यम ) 110>11 आता (त्यात (तामी) कीत्वपूत्रवी अप्रवी ७९१ ० (तीवा-सर्काद्वं डेसमार्ड अ अवस्वते), त्याः समाव- निक्कामः ( राजन यर परं सम्बंद त लाक क्षेत्र [ नवर ] ) लाग्न : ल्यान (वक ल्याम्या लावन ल्यामप्त ) भ्या ही (अप्राच कार्यमा) मुख्दिकास (म्छा कार्ना छाटामन) ॥ ७१॥ राहि (क्रमत ) अवं (कार प्यामी) करिंदिय (तक इटिस ) हैं बढ अने हैं। (है। से अप अ खें ता ) ट्रिड (क्ये बंदि) मंद्र: मंद्र: (मनमाव ) मित्र (लाक्स्म ) भवा कें हो. (मीप्र मार्थमें) है। अवदी (हैंद्राम माट्र रहता) अम्ठा १ (म्ठा कार्निमार्थित ), क्या धार्म (क्या द्वा) भा जल्मे (ल्ये लाभी) ज्याममून विना (ध्रामे लाक्त म श्रुम ) अवं (क्ष्यमस्त्र ) लग्नि ( काकारलारे [ म्डिकार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने कार्ने पका (कार नक) भीतिमंत्री (क्लाम बी लावी) द्वायलमा (द्वायलात क्यूरे हिंद उर्म ) देख्य । मेंग

हेह्याल व्यक्तत्रक) विक्या ([बन्धार्काल] वका ्येमा ) आक्षित्यानीः (त्वती त्य अन्भाषाल्य न भारत यव्यय कार्नमा ) भ का वल । मान्यी मीका (भ का तिला विस्व-अपुर्यस्य ) व्यक्ता (जिन्दी व्यक्ता) विवया: जिसहम्यूका वृष (कलान म्यूस्त्रो हम्यूकर क्रारं) नम् ( न्य) कार्रेगा ह (नम ) ॥ ७८॥ का लान (त्यात त्याली) मात्मे हायमं ही (ममम्मत्यं लाविष्यमा कर्वात कार्वाल ) के काल (कल्मल) कामानू-द्राची १ (का त्र व अमू (कार्ष ) मक्षी का मुनक विवक्ता म् (मृश्रु व हि ( प्रम भक्ष भक ) कता गात (क्ता मं अमृश्र ) पर-18- वि-क्र**मण्**म (पर्वारे, पूरे वि वा वितारे वर्क (अ काम काप ) अपमंती (अपिष कार्यमाहित्यन, [ विवर ] ) के लास (क्स्य व का) प्रमुप्त में प्रमी व (अकत कलाम करे स्त कानिका हित्य ), वबर (वरेकाल) लर्ष्ट्र रें छे है (लर्ष्ट्र रें वर कर्नु में ) नक्त (र्यंत्र) कार्यात : अति । (भक्त अतिमाते न ) भार्य वार्ष : प्रमूख (अमर्भवाक) भावा समामिन द्रमेग्टि(यम)॥७०॥ रेव कू में त्या ( ते कू में त्या क जिस वात में यह मार्थ ने वता]) भव ह (त्म सकत्र) भी ० १ वन मा १ न्वा १ ह

(मीठ बाहा ७ मूज) विश्व - स्मिय न हिण्ड ( ब्राम ७ स्मिय-कर्ण व विकि इत्रेमाहित), भव (त्य भक्त नीए, नामा अनुका) पक्षा गाय- प्रमा- मंत- वाहत् (ण कारंप व प्रमाथप-कर् न मीजिमाजकरम अकामित व्रेमाहिम) यर्थर (टम अक्र मीठ, मापा उ मृत्य ) ट्यम स्मीतः (यापः की के क कर क्या क डंड मार्डिस [लवर्]) मर (CANES भीठ , रामा ७ रूका ) काडि: (यर ) त्र व व य य य मन निष्टि: ह (ब्रायम्यास्य मह भी मन कर्क) धामाममु (अलर्वव प्रिक्रल) म् ४०६ (विहि० इरे गादिन), इर भारत (तर समाव देशत ) वे वैधी (समें हमें के) के कः (निक्ष) क्राहः (तम भीमातंत्र वाना) व्यः (निवडन) ७९ ५७९ अर्वर (७९ असू ५ ८ मृत्र में ) मुजानी ९ (अका आ कानिभाष्टि(सम )॥ ७ ७॥ त्र: (वीकृष्क) क्राकि (त्यात त्यात त्यात त्या भीव वार्ष) लमाडि (मृश्विभाठ कार्नेडिडिस्सन) १ का : ह (कान कान (माभी क ) दृष्ठि ( दृष्ठा कार्वा छिला ), अना : (णण कारावं व कारावं व प्रिक) भा केवर कारणकार (काल्याम् हक नम्मल्या कार्याहित्तन) , कामाकर ( त्यात त्यात (पानी क्) म्लातका (अके अ व्यक्त)

स्थार (भार करि छा छ लाम) , अमाभार (अम काम लाम (माली ने ) के रहा (के ह में स्त्र ) कर्ता (क्ष कर्तन करने करने हिलात [नवर]) काम्मर्ड ह (कारावं व कारावं व) श्कारम (स्रमधंदम) अविविव् (अविविद्धारम) प्रसंत्र लक्षि (प्रसं बाध्वं प्रदितास क्रबंद्वाहिष्य) म: (जिरे) म: शनी: (ल्ये की कुक) मामिषिन ( वारभव हान ) गृष्ण वक्षध्य, (मृज्यमाभारव अरेक्ट खर्म कार्या कार्या ) जा: (तारे लाभी-भर्न क्रिंग् (इमभागत्य) इसम्म (व्या (वस्त कवार्या कर्ड वस्त कर्बसाह (तत )।। ०१।) [ नित ] पर् (परंकाल) माग्र (मात्र कार्या कार्वाक ) अपादान जान ( निक अपूरिस्था अपे लाभी-अपुरक ) आनंत्र (याप कवाइता ) ' ( : पात्र : (उत्राप्त म भाग मालि ररेग ) हिन् (विहिन) मृत्रम, (१०) रुखेट रुखेट [क्षित्राद्वितक दे]) मर्गम (म्टा क्यारे भा [नकः] ) छ : (अत्यात क्षां ) भीठ : न्या मेठ : ( आ० ० कर्यात्र हर् में) ( क्राप्टाम्पिव के ) न्याम ने में ( अभर्भ कार्यमा ) भावतिषः वासकः वा (तिक अणिविष् -मर्थितं स्पर्व मा व्यक्तमानी है [म्रीलंबव] वापाक व मारं) ला का हिला (कार्य मं मार् वार्ष वार्ष कार्य माहितान)।। विमा

## Useful Factors

$$(a+b)^{3} = a^{3} + 2ab + b^{3}$$

$$(a-b)^{3} = a^{2} - 2ab + b^{3}$$

$$a^{3} - b^{3} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{6} + b^{6} = (a+b)(a^{2} - ab + b^{3})$$

$$a^{3} - b^{5} = (a-b)(a^{2} + ab + b^{3})$$

$$a^{3} + b^{5} + c^{5} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{2} + c^{2} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3}(b-c) + b^{3}(c-a) + c^{3}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{3} - c^{3}) + b(c^{2} - a^{2}) + c(a^{3} - b^{3}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROUTINE

Days	1st. Hour	Sec. Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64h. Hour	7th. Hour
Monday							1
Tuesday							17
Wednesday							
Thursday			1				
Friday							
Saturday )							

অসীম আকাশ শ্ন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিবী মনে মনে তার অমরার ছবি আঁকে।

EDIENENTE YELLEL Vekhi 19 run mars vig 30 19 Khatas -Khataho-19 (ast)

)/n

ङानाः (ननार्टे भूभीविल्न प्रश्रामा [नवर्]) किथापू (अर्थ खकान कर्ष ) भागभा भंड : (जारं मम् (इत जातम) अरवर्ष के क्रिक ) अस विस्वानित के हा कार्य (विमाने कार्ने क्याला हा थे । किक प्रच्या वि कि ( क्रिनं वित्रे यम् म मूल्या व्यक्ति ) अर्थकर् (अम्पिक उत्तर्) भू भू थे : (विश्व करनेमाहित्यन )। 8311 वाकी (कान तमा भी ) भूत्र भू खड़ीक - भव - भारे -१ मे थ : ( अपू न कश्रम स्ति में नर्मामक न म्म म्म न -नामी) अभी (मीक्रिक्) विष्य एक न दे दिल (यमन् के विषयं शक्षित्र) अवस्ति। (भड्मू (न) यमल प्रवन् (मिन भड्यक्न) ग्रम) ( ब्र्नंत्र कार्यमा ) एक (०९क क्र ) म ७९ (अपड) अर्म मार्चिड् कार्ड (जाश्व उ एकारक व विर्व कार्य ख्यते कार्विणिह्(त्वत्र) 1182 II अरा (काम पर लाभी) भ्रामाली १ भूमका की ति ( निम्म अभ मिट्र पूर्तक मुक्त ), कृष्ट भी वर्ष (क्यारक के के का तर्मा ) त्रे अंतरम्पर के प्राक्षित (द्वारा के अन्तर्हिं व्यक्ति व्यक्ताक्र ) ट्वर्भेयो

(भिक्त का य कुमा करवेंगा) अपने (अपकार ) विल जारा (डिकास कर्नुमाह (प्रम ) 118011 न्जान-क्याले-पिका (न्जानिक भाने व्यास्य छ।) एका (ट्याप Cut af) व्यापाम - मर्मिक क्रिकार (अन् स्वत्त्र प्रव्यम्भ नाण र्यवमाणः) ह भूमाकिन (यापीन (असक उ त्यापुंड ) कु ठाळी कार्र (समात्य) या - या - या म - या व ( (का हि हन्म मूर्या व ) में या हो ( ( द्या साक Carles ( चिवर) ) ( अम में कर (८अमम् क) अवसम् कर्ड (स्मिन्ड सिन्ड कर्डम) यित्रामं (म्हास कर्षमं ) त्या ह- ल्या हिं व या म (मानुज्यासर नाष्ट्रियाङ कार्युमाई (सर् )॥ 88॥ मगंदियम: (मंगवं माम(वं मिसमें ) केंकः (न्त्रीके ) कबारक्षेत्र (तिक कबकप्रताया ) मूदः (तिवह्यं) जामार् (Ст भी मारे व मार ( द्या ररे ए ) टिक्य क मानि (मर्गम्याया) भर्मार्गम् व्यक्ष (मार्गम् कार्ने ए छेप्र र्यं मा ७ ) ७९ स्मर्मा भार (छारा र स्मन्तानिक मूटभवं जारवल्म ) विद्यमिक्षाने . ([ प्रचेकान व ] वि छन्टाइक ) सम्बू ६ (सम्ब्राप्त ) न अनक ६ (त्रम्य इमेर्निममा)॥ ४०॥

संस्थारित एक बाह्य: (अंस स्थाय अत्य अतः। १ मंभग्रामेव ए अर्थिः (मभ्यंत लर्थियां मारावं एव (म्क ठर्मार्ट वर्मेश ) तथा (काप प्रामी) भाषा (जारिकवं) यद्वाय-लद्राकात्य (दुवध्ने वास्व माप्त-लाम हाता ) भरत्यम् कल ( भर्मकल प्रिक ) लिका भः ( निक में समल्य [लवर ]) मार्स (त्र क्षेत्र (त्र देववी नं वत्से व सामिताम ) लाभ १ (म्मिरिक वेत ) ord ... 6 06 (मन्य प्राप्तिः मूम्मक्त ) समाम (मार्चि कार्यमा-12 (MA )11 8 6 11 स्माका: (त्रे म्ताठमामने) कृष्णके मन्ति। विवास. । भेटको (क्याकृत्क व जलमन्त्रापिस्न विनाममध्य ) कातम्बात्रमः (जातम् मानिक्) ज्यन्यमः (ज्यान निषयं हर्मा )लिक्ष दिसमान्या वे वं विष्या या ० (श्रीमं क्रियायल सामरे बसे उ क्यम मर्टिंड ) सम्बर्प (मक्तमक विभाग कार्वेद्ध ) य लायः लासन् (अस्म र्रे (सम्मा)॥ ८१॥ निक्की वातः अवर (प्यामीय प्रं भारत) रेयर (वरेकाल) वाता भिक्ष (खायामिक [वनर]) विविधिलं (गामक्य धलंत्रताथि ) मर्मनाम-मृष् (अंत्र अंत्ररेट) मधाली (मधालय श्रुंता) (लामी ४-सारंड (कल क्रां(सरं लग्यित्याहरे ) में मः (में मंबारं) अपूर् (अक्क) मिलिनिम्ग्र (मिलिनिम्छ) कर् अस्रित्रत्र (अस्माद्तिन कम छेर्भूकािड १रेल) र्या (र्यात्वी) विविधा वि (विश्व) विवास ररेमा ) समना (तिक बनमती व भारेक) रिवनायूक-वास्त (कर्ष्व हूर्यक्ष मासूका भूर्य) अमरत (मिर्धन) भूगित (मन्त्राज्यामित) मार्या भर (जीका केत भारेष) अठ्ठावर् (क्षेक्काक) विनियमा (मा अम करिया) म भी मिहमें (भ भी समे क ) जर्म : लूब : (छ। द्वार एव छे उत्यं क्रम् एम ) मा वी विल् (वि कि कार्य निम्क कविभादित्व )॥ ८५ - ४०॥ मा ( िमर ] रेमाएस की) डांबे-डांबे माने वा मार् ह्या रेक त विश्व (अभ्रीम (प्रं ) लक्षिः (मस्ति) वृद्धि (५ देः (प्रमास्त्राव) कि: के मेंस मार्थितः ( मान्व व्यक्षाया ) क्रानि (अक्षण), श्राप्रेवामिष्ठी जार्क ([जन्दी क्रिक्स में में में में भित्त (देवस सर्वे) साप्र ह तक देवापु (वंवेसमं बाप बाद्य र्षेष् [चवन]) विविधिक सन्विप्टिलः व्यविनिति (समाविधे कस्त्र विविध

विष्ण का ठाएँ अमृत्यं अच्छ भूक करने भा ) नहिं। ९ (अर्थे किस्मा हिल्लम )॥ ८०॥ am an: (बीक्ष) अनकार (मिल माकियाम) वार्ममाधूलन १ कार (में में इ अम एकमंभी व निकट्ट) म्पूर्वम् (ज्यावर्ष्ट् र्रेम ) अ: (उन्यापिन क ) जमब्राम् ज यात्रजानि (जिप्तीम अर्दनाम् एवं अर्अल ब्रुवामिष [ववर]) विपर्म-मम्लाः (विपर्म-जून) शका: (शका [3]) ले: विपर्ले: पाने (स्वाक विविध-कनविष् विष्णमसूर्य मारेष) जारी सर्पि (क्रिक सर्ममम् ) आमन्त्र (आप क्रांत्रमं [मनंदे ]) लालकर (क्रियो लाय कार्माहिष्य )॥ ६ > 11 इत्में (बीक्ष) कम्पर्भाश्चीक-सपात्रानिष्टें (कम्प्येत्रप वर् मर्न मपकर्क त्यावि रूपेमा )कमार्भ भाषीकमान-क्माओ (कल्लिया उ अर्थ अर्थ विश्वनाजी) बादी ? (न्ध्रीक्षिरक ) अस्तरामं (अर्थ यद्रमा ) विश्व छ० छ० (ल्या-ममाविष ) भामिमा कु सू १ (भामिम आ का कि कू सू भरि ) खाविषे (अरमक वित्न) कुमा काम (कुमाएनवीड) कमर्य-मप्टिक्र राष्ट्र (कल्ल मह्म्कानिण विश्वनण निवक्षन) भूनी -र्जिश्कमाः (मेर् यस्यम्य ) स्थाः (मग्रायम् ) लागान (अप्रें पर्मा) वेमक वेमक के प्रित (वेमक वेमक के प्रित लमामते (मन्य क्वाइनाहिष्य)॥६८-६०॥

र्कः (यारक) भाष्ट्रकारं (यांग्राक ) मास्त्र वर्ष्य बन्दारं (म्मिस्पट्ट्रें अं अस्त ) स्त्रा (माट क्यांत्रेगे ) र्जियाचंगः (म्याचंग लाकेर्जि ड्यूट्य ) करंग सर (क्षायं भरिक ) सम्म (ज्ञाभिष ज्ञाभिष ) बाद : आभएमे (क् सू इर्द्रल विश्विक इमेट्नन )।। ७४॥ [लपक्ष ] यः (। छ। प्र) किंग भाष्ठेवः ( जिनेक्सावं प्रिवंशारं) म्मलर (नक्काल) ममक् (विहित्र) क् एक्षेत्र (क्क्रम्पर) व्यक्त) (यरम कार्डम ) यः मश्री: (अर् मश्रीयते मकत्रकत्रे ) भाषी त्रष्ट्रकावम्य (भाषीत एक् काव व्यक्षा) क्रम कामाम (यह कवार् नाहिलन)।। कक्रा [लक:अव] केक: (मुकेक) खाद : मामाक्रक: (प्याणी-मार्गव व्यात्मा ) क्यू निकवाष (क्यू ममूत्र र्वेष ) नितं : (मिलें ररेण ) अक: मन (अकाकीरे ) खपलंत मृप् भिणार् (भिश्वसम्पर्दे मेर्दरमणनेका) भारत्या लापाठ (क्यीवादीर मिकी व्यामधन कार्ने (यन )॥ ६७॥ िया ] क्यू ७ (७: (क्यू प्रत्र १ रेए ) निर्मिला (मिल्जा) उटा व्यामणा ([वन्द्] व्योक्तिया निकरे समामणा) क्राजिश (म्रजीर्यारे) भूवणः (मम्रजारा) इसडी (राभावण) मिन्स्मी (क्षामानिक मनी नीन भरित) र्षेत (मन्त्र क्रियंत ) मत्राव्यक्षाञ्चा छ । (यत्र मरकार्य तिम तिम कलं मन्द्रमं कार्यक कार्यमा ) मस्तमा (मण्यका) (मानपूर् (६० न नम्टन धानकार कार्न त )पाण्या हेट (खीरारी जियापिमरक ] बिनित्र है। १९१1 म: भागकः (तिम म्लामीयावं भागक) मः (विभि) व्यव इत्यं (वरे व्यंत्रक ) सव्यंग धमा (व्या उवाधाव अप्टि ) । में : ( लियम् । न कार्यमा ) अर्थ ( अर्थ का (य व लग ७) क जाम (जाम का आयंड) मारे मड : (म मन करव्य मारे ), जरमे (छिपि) व: (ए का पिना क) वार्ष-मर्ग (मिन्त) कः (कार्यासिक्ट) म व्यवप्र (२७५ क मान नारे , [धामह]) यः (त्वाधारायः) म्यूथः (८५८२३) अपूर्णी पत्मा ( अस्व पत्मा ) कुछ : वास्तर (इरेल (कन १) गा छ । िसर ] रार्वः (वीच्ये ) रूसर् धार (रामिए रामिए वामिलात), धर् (एएरर् ) मार्जिमा (भूलियात्) डेळ्यट्यम (डेळ्यसम्बद्ध ) इसमाध्कम (इस्माल ल्या व व म , ज्या व लाम ज्यो क ] ) निक्कु व (यं (निक्कु . क्ष न्यं माळ ) रेमाः महेडः १ (यो मर्वनीमने (क) व्जाभा-वृत्व (वृद्धि-मामक वृद्धानी माम्) मण्य विवाः

(में बर्गाल रें विषयें में (ह " [त्रवन व]) में द्वतारें 1; ( रेशापन अर्थी नृष्ड मीनाम विष्ति हिस्मध्य अविकाल MINO 27 (0(2) 110011 र्टिक सेसमार् (न्युर्कक व सभी न्युवादाव त्राष्ट्र) अभूति। एं अ किया : (अभूम भीयत अस्थाव द्वर तं वह त्य) णः (अरे आभीमने [मिर्कामा] छे हं: (मिरिन), ८० (८०१मा । १६ के । तमा (चर्ची वाका) य००० (अर्थपा) छाट् (ट्लाझ्मरक ) ध्वाभीन ( न भूग रन ) बार्डिन् एड ( इ. १ रेटा ) पद मंदी ( रें ) क्यार्मा ) तिमा ( काराय हाया ) त: (orman दिभारक ) आर्मिका : कर्ड् (आर्मिका) लक्षर लिका व लिका करवेल ) मान् वि (रेका काव्एटिन )।। ७०।। लिस (समल ) मिलकमा (मिलव रेक्टाय ) या छस्त-साछ : माड (एक र निकरि ८४ आयम करा रम) क्रिंग नव (अराक्षा कंप्र) व्या में यवा (व्या में मधाक) निकाण मार (निकाष्ट्र मिक्र २५), निवस जारी स्या १ रूषा ( वस भूर्य के छ। राव सक्षापन कार्योग वसार क्षा न वत (नस सूर्क छ स व वाय म्यर्न असमारिष दर्शक लाटनंता ) वह: (व्यक्त वर्)

वंतर (लासका) मिस्रा: (म्लिका) प (पाद "[ous]) वर (राम्ड) छन: (छक [मर में में भंडी) मार (कासामन देलतंत्र) कतः विस्यः (स्रोम प्रित्रेय 2221 )110511 त्यामारी मार्म (त्र मार्च मार्म ! जामारहत् - त त्याम-नीत्म अभी!) पुर् (जूपि) न कू ना अंना मार् मः (नकून-लजीक्त का कामार न ) विस्कार कृष्टि (विस्का कृष्टि) (या सामास (साममा कि । लाम्बाय- क्याममान -क्रमवर्ष्या (मः '- धामाराप्य ।विश्वका वृद्धि · (या कामात्रे ) - खाममा, (मा - देश मात्र , अर्थापु धारकारे जात), ७ भाम (७ भाम) भ्रमाम १ सस्यातानिक ( [लासानियाक ] प्रिंव के समाप्त करवेताक वना) ड्वणं (ड्वणं क वर्षा मिव मार्ड मर्माक, लिए दं - अस्ति की के कारक ) (कत् ( किंग् प्राप कर्षिया [लास्प्रमुम्पक]) । कुट् (क्रिट्रक्) रेमा मिर्गास क्रिय हेठेला हिंदा क्रिया मार्टि )। कि हा स्टिश्य कार्रिं कार्टि के क्रिया है ।। कि हा स्टिश्य कार् ( त्याली मार्ने व मार्ड व्या क्ष्क) रे यर ( वर्काल) मूक (भावेलूर्स) मर्भावेश मृण्ड (भावेशम् विश्व उन्छ) विद्यानं (सम्मार्य प्रिंच के) ००० व्यान (प्राप्तानं (००० १५० लाई जम में व कांत्रवा व अपर ) अण्यून ले जार (त्रमें यमें ) बाबि-विदान-म्जा९ (लयायदान म्ज ) कर्ष् (कार्ष्ण) यराउठ० (लाउंड अति प्रम)॥००॥ क्षूकी अ: (क्लेष्कलाभी खीक्ष) अमा (अल्लाम) कमाहित (कममत) दिसम्पार (दिक्षाने विभन्दी) मार्डिया (मार्डियमार्न) , क्र ६ (क्रभ्रत्वना )क्रेप्स्य (क्र बस्प ) कास तारं (क्षां स्पूर्व स्पूर्व) हाः विमाः (त्यर त्यमंत्रीसन (क) आक्षा (काक्ष्र करवंति) जाह: (इतरा देत ) लायर यात्रक: ([अरावं पाटा] अपूर्काल बन (महन करा प [किनड]) रमन (क्रामिट क्रामिट ) छा: मामक्षि (हाकारम माहिता बन एमहर कार्ने का निरं मा भी स्था रावः (व्यीकृष्क) विक्रकाषिः (वक्वक), सक्ष्याषिः ( लाह हमं [जन् ]) अससाछ : (असस) जाह : (त्यामीयाप्तं मह्द् ) विमक् विमक् विमक् विमन्-डाट्य ) महासीतासूरार (महाकृष तीना वर्न कार्यमा ) रापणुली विदेशि (विव ल्या स स न प्रकर-की अन्य धानुकान कानीत्मन )। उद्या

अटम ([मिर्जातन] धमं इंद्रिन ) वर्वर सेंदर (विकृतिस्थित विलिस मन ) अधामाठ ९ ( [अ) क्राक्षेत्र निकर इतेए ] जारप [नवर]) अवायरत (अवायत वर्गान) सार्व द ( जिल्लाटक मिरिकी ] लय-त्राम ) मंग्रकर् (वरे पूरे काटर ) अमिक् छि: ([माराना]अमिक्क १रेसम), जािं : (अप्राद्य मार्च) मः (सीक्ष) कनश्रम् ( विकाद काईए जामित्यम ) ॥ ७७॥ ९ ड्लं: (डम् १) का त्यों b (का जिकात्म ७) bका त्रिभू त्रिक (६ मः वाक्यूल (सर् भार्ष) यूजानि (ब्रिमिक) मून् मुकानि (अपूत्र कश्म ना नि र [अर्थू ]) । भियारि (भाम करने एट्ट) राये (निक्क) राष्ट्र (नर्क्ष ) क्वार (राज्या) ता: (टप्ट्र) जिम्म: (ब्युकेक (अंग्रियम्) युम्पार्खेटाः (अ दि इंदें में ) त्या अशिष्ट्र (य देव में अभिका अस विमामलूर्क छात्रां का (भाक्षका का रवं विम छ याळ में सम्बाचा ) अमने ( व अ: स्म [ नवर् ] ) वाटमारकात्मम (बम्राक्रमहाया) वत्म १ ( धम-य उपक् ) द्वाक् (भष्ठ के दिन्ति (ज्यक् कार्या-हित्यम [ अश्व व्योक् के दुलं भारत निकाल, क्रमन-हिकातिभूमे भारत त्याची मार्ते व सम्भूसमाक , व वर् भूता-

लर्बेश, लट्ट टमामीमिल्चं चेंगचा जिटक चक्क कार्युता-

मिल मृत्र्विकिष्-लक्ष्यी (मिल मम्दाय त्लाखायाया नाराक लगाविक कर्यमार्टिम "चर्येस ल मध्यी) मार्देश-स्त्रिका देश (स्त्री के युव करिया में एन महें ये का मान कार्त है कि विति ) हाकिन (हाकिन हरेगा ) अप्रथ (अमर्दे तम), शहर (अक्किक ) आवितित (क्यानिश्रंत कार्माहित्तत) (जत (जताल) मः (चारक) लम्पाः (कामचुनं) सम्पेट दिश्य (समा लाम्पर अभीक (मार्डि व्यात्रू मार्डिया कार्य (सन )॥ ७४॥ म की मार् (म की नर्म व हार्य) अवस्था व ) क समा-क धारी (क्सरत क्सरत व्यर्भाष्ठ कतानि (अल्डाया) नक्सता-क्सन (अटम अटम जामाठ करवेंगा) विभावाम ह ( ववर स्मारम स्मारम का माठ करने मा ) यर अवन ए अरूर (रम मक र्राटार्स), रेड (क्या) म्यार (म्य इरेट ) ७९ सम्भेष: इद्रः ( जारान मर्भकारी व्यो कृ एक स ) प्रमः (प्रमः ) देश ( नरे म्राक्ष ) विविष् (अवाविड ररेल) गिरिष् (रेशरे कार्यमं व्याम्प्रमा करके ।। ७०॥

[७९०१८न ] अकुछ: (क्यी कुक) विकारि: (दूरे, जिन), लक्षातः (भूषे हतं) " यक्षाक्षातः १ (भाव वा लाद् ध्य [प्पानाम] ) यह (महत्) यत्या मं त्रिल्य-वकान मूर्यक ) अनम् कुक-वापा १ (अन मकुक वापा) गुण्टम १ (विश्वतं कार्यमाहित्मन )॥ १०॥ इस्रीम् (त्लाकान्यासने ) जन्धनम् (धम्तान करत्न, लाया श्रद् की क्रिक टमवा मृत क खना ए मूस प्रार्थि ) प्रभा भू (निमम इरेटन) अमूमा ( उन्हादम ) कुष्मुमाने (क्षत्रभूत्रत ) मिल्लिलाए (हल्मापित खरमल न्ना) का लाम्यियं - । मिस्सिल वा लाम्य मार्क महम्मा- म्मावा) टमकार्ति (हमका नावि) नियम् मण्ड (कन्नम नात्म न अ ाव , अर्था हर्ट्य - मिक्सा विकाण ), व्रममा: कहा: E (१ व्यापा व दक्त बार्ज ) त्या अर (भ्याय पे लक्ष्मित्न -मुक्क ) मर्याय-प्रामा भीयाः ह (श्यं घरमा उ नी बी असूर ) मिछ ने प्रभार् ( छने मू मे छ। अर्थार् अयन-मू (अ व विकारि, धर्मा सुराव मार्था कि सारि क्र मार्थित समा) लासम् (कास र्रमाहिन प्रित खी म्काप्रयाकन यू कि अक्षिविष्या भ्यू या नारे , क्या वि यू कि अक्षि य नंदर् के बाल इंड्रांब एश क्या किक सिव एवं लासनं अर्थ कर्वम । यरेक्न मिक्रास्म्रास्य यहत्य देहम

लाभूय मम् व इमं । लामवा सम्मावः। विक्रीमं लाभ्वं सक्षी वि इदेश छेदा चीर्काप्रवक्तातंत्र अञ्चल विक्रंक मिन् विद्यं व-अधार्यात इ उमामे । विद्यं वर ७४भे अन दूरव इस्)॥१२॥ उदा (ज्यमात्म ) अमूबार् (त्माबीमात्म ) क्रिका मुखानाय-अर्मार्भे लाखा (भिक्ष वमत्तव अवकात वरे ए देवन व का जाविक अर्थाण ) आत्मलमामकुष्तेः (जात्मलम उ लमकावंशाहित ) कलमार्ण (लायवंभमूक विन्)) मानियान्सीला (समक्षिण्यं सील दर्मां) क्षमा ह्लाः (निक्टिक न मम्मम्मात्म ) (नाराम् धार्मी (त्ना छेर्भामन कार्रिमाहिल )॥१२॥ [ज्वकात्म ] अटमी कृष्म (भव्नममपी) जामार (लामी-मर्तन ) वक्रम्लितः (यक्राम्या विभिन्न हक्तरम् यर्भार्म) त्यल त्यामा ( काल के त्यल वर्ष माने माने माने मा मनंग (नकाम) आछा न न जा काम (आम्न माड कामे (माठ) नम्बर (मिन्हन ) जािं (त्यांभी मार्तन अम्बर्) त्या (नः (न्ती कृष्कितं ) उउदकानि टम्पेला) नाखार (पाहादेव ब्यक्तिंगिरक्ष (भोजन) आहित्यू ) आ (भमूता)

वर्ष (प्रमातक) रेक (यम्भावातम्) काष्रमार (यम क्रिमादिला )॥१७॥ मः काढः (बोक्कं) काउराष्टः (व्यम्भीलतं भार्वं) रेग्यर (अरेकाल) अम्रावित्राव-म्कार (मनवित्राव ७ र्को ) विसान (अर्काप्र कार्डेना ) अवस्ति छोडः (अतः डेमार्ड इरेल ) मार्शक्तः (मारीमार्न) मार्विष-टकमानकी (अंद्रान कमामान उ पादन भारत कामित [किमि])अलू प्रममीय-वस् (अलि वस-मुगन ) प्रमान (लाइस्तर क्यित )119811 र्मा ([जमन ]र्मा (र्मात्यी) जाडि: मपर् (क्रमंत्रीमत्वं महिं ) क्रिक (चिक्क ) व्यापालन (म्मित्र उत्म ) अपरीय ( am म्या ) क्या व व पूर्व-क्रिंग (देशक वर्व-दिल्वर्थ) मार्ग वर्ष स्वास्त्र स्त (असमारं ला के बंद्य) मे बा बुलंदिल दिल दिल दिल में क्वारेट्यर )॥१०॥ उठः (अम्डन) प्रवृत्ता (निम अमू ह्यीन ते न मार्ठ) कुला (कुलाएकी) विविधाष्ट्रकी कूल नाम्यू ति: (विहिन्न वस्त, पृथ्ने, अनूत्वत्त, अन्त्रत [ वर्]) गामन कर् कि: ह (मिन्द्रवाश ) म्राम (कार्वेस्त )

जात् कल्लान-वली- भनमाध्रीत् (कल्लाक् अ कल्लाजान र्जिस्क, स्प्रसंत सर्वेद निस्ते लाम्ते विस्त्रमार्थ ) द्रिलायुयाने (दुलकां बंदाल ल्यामने कार्याप्य) ॥ व त। आर्मिकारिः (क्रास्टिकार् अभीवार ) उत्रत्नाहिकार् ( जित्र जित्र भाभाक्षेत्र ) अ ट्लिट्यान् (डेकः ट्लिडिया-मर्थेर ) लायानं (अर्प र्यक्ष ) केकं (म्पर्क) धादार (बीवार्वा) थम: में भी: ह (वर नामिला ममें में में सम्दा ) अमक् अमक (अमक अमण्टादा) लक्षमं ठ (अमझुड क्रिया टिन्म )॥११॥ र्विः (वीकृष ) डेक्वमव्ममृतिः (डेक्वम वटमव र्विश्वकाल विषर् ] ) कासामाः हि (मीवासामिति Quagua ) बंदिलार्डे प्वस्त्र : (बंदि के अकट्ट-र्याद् । [लाइ]) लांद (चार्का ) । युद्ध : (१ व्यायसेव [नक्]) वाः (त्याचीमते) अभ (द्रायां क्याः (क्या " [ च द्रेक द्रादा ] ) च काळाय: कार्य (काल्याका उद्गात ) वर र्माट्र दा: (म्रिक ररेए प्यक् एर शवन के निर्दा ) ॥१५॥ मधान (मारिक) मालियाः (चीक्रिक् मभाइक)छाः । हामा: (विद्यान (क्षेत्रमीयन्) स्टा: अपनामा विद्याः

(अवस्थातंत्रं को मनाइ । मिश्रः १ म्र १ ७८% - वधाः (अर्भाद् अर्वाम किमहर्मा स्मिनीम), त्रकाष्ट्रीन-र्रास्त्रः (मभास्य दिविद्धिः (तास्त्रः सँ सर्वादितेतः) ार ने) पर्जियू भाजाः (जार ने म्ल ज पर्ज भाज) लाइफे इम्राक्यमाः (भारत्मेल वम्नमाना समक्यम) हियः (भोजान) जिन्नाः (अवस्तर्व (भोजान) सम किन्न-(अगि७०), (अने कर्ने भू । भ्रम किछा : (अने कर्न म्ल भून अकः अर्था ९ हल्यमिन सम्मा के ), सहारिताः ( इस्सिमें ) रामुगाह: (रामु स्थान ) हाव वपुर्यः (कारका वर्ष वामारे वक्ष में में कामाया) हिल्लाकाः ह (अर्थेमधूर्य हिविन्त), किलाकिक्नि -विद्वाकापुमाप्तायु-मुक्जादिनिः (किनाकिकिन्। विद्याक , हिमाम उ छेष-भूका अञ्चि ) मानाजारि : (नानाधिक छादस्य) (मर्गार में मर्थित लाम है व उन्तरं ) ला : (अमुर्न ) रे भर् ( ११ माल ) । मिन् विन : (ज्यक इंड्रेमाइ(सन् [क्यान]) किंगामाह: (क्यांमशी-屋(27)1193-6211

2/37

संलयक्ष्मा (सलसक्ष्ये) गढे (मादा) नामीवर (अत्यम्न कार्यमाहिलन , टारे) अन्ने छाढकार् (यानभाउतिका), श्रीकृ विसामः (श्रीकृ विसाम), दूक-गर्ने थर (ते ह्या के क [नवर]) रेस मा (रेस्पातित्र) वनाष्ठ (वन एरेए) भागि (एम अक्न ) वमक्षानि (य्यम इंभावाक [व]) भईव्या-वंभान र (मर्व भाग में सर्वें ) ज्यान १ ( स्थान ने राज्य ( कार में प काने माहित्यन ]) मः (चाक्क) जािः (स्थिमेरी-अरम् अह्य ) व्याम (य) असे संग्रे ) लाउँ । ( व अप रावेन्त ) लाश्य (लाश्यम वैद्य ) (क भिराम्पित (का मिक्स भएन ) विरम (अरकम करवेरान )॥ 60-6-811 कृषः (चीरक) मध्यानियम्प्रिल (मध्यानं यान-न्त्रवादिव महम्माल मूमीलम ) मुक्क हर्षात् (डेम् अवात्रहें के म्युक ), त्नारिभू मार्च मप्र हमार क - अं साक्ष्य (का हिर्म स्व क्षेत्राम्य गानं समील देवर बंते बार्य व क्षियं प्रार्थ में करण ) ठाम्म (ट्राक्ट) अक्ष में भाष्ट्रियंदि (अवक्रं र्भाषा मुकार्य ), जामीन, (यहे) मताकर-कार्य-

मिनए (कल लेकी जा व काली व काकी) विकास व्यू वर्गाइ ( किमा ह इतिहार अम् (के ने इंट स व्याप्त करा करा हिल (इंट्रां प्रांग अस्वत् व्याप्ता वा (वासकत्त्र) विशिष्ट-उते समासि (मी मास उते मन सम्दि) गारमान क्रिमार (मिसिस हे जियान कार्यात यानेन वानिनामा मा उपार मू (ना 60) त्रभाष्याय्णाय्छ- मिश्रूभाष्ठ्यातालाते (मुक्स व साक्षामिल , ब्रुवीन भूटका मन भूक्ष गाँउ ला प्रवाप्त १ मा क्रार्टिंग ) का प्रता ( सिरंदिया 12 (MA) 1160-6911 नामेषा-विमार्भाक (मार्मण छ।विमार्भा) अर्थकु-आन्यार्श्य - महिकार्ता (अम्दिक देवत आन्ध्रार्थ प्रेरि शहुनम् ) अभ९ (भूरभ) मिविषि (डेमावलन कर्निमा ) कृष्णमा - जामून - मुहार्य जान ति (।ने ल र्थ एम क्युक् एक व र्याम्ब हित्र वासे म लामारे पर्वत्र) क मिरमक्ति (जीयाचा उ न्योक्किएक) जाम्य ० (ग्रास्त्र ) व्याध्याप्य (व्याध्याप्य करायेष्ठ. 12 (AA )11 6611

न्। केल के किया हम्म (न्यों के ल सकी की व न्या केल यक्षेत् ) तिता: ( १ अशासनं ) लात क्रा रंभ र १ अर्थे: (लप् प्रका कार्निणहिलान [ धनर् ] ) र्वना : अलगः (स्था लाम या अव मश्रीम प) नियम ( व) व महाना) (जे धारीन यम् (डारादिव ध्यकं छिएएल) बीनम कार्नि लग्भित्तत )॥ ६-०॥ छा: मा): (त्यर माभीतान) रेयर (नर्कार) अने (अनेकाम) त्ले लाबिहर्य (छात्रापन देल्एम्व लाब्हिय कार्यमा ) कार्यम्य १ (कार्मब्राधिव ११७०) निर्माणः (निर्माण ११ था) त्य त्य कन वंक-मानामारं (कन वंक व कन माना-विषि निक निक क्रान्थ ) मूर्यू भू: (नि डि० इर्याहिला )।12011 न्त्रीक्ष विष्ठे ही में महाः (न्त्रीक विष्ठे के किल हाने किल हाने (अयाभसार्म ) अश्वता: (म्योलने) जन्नीना-मार्भव-वारि: कृष्टिम (टेक नीनामार्भिय्य वारिटानाम्ड हें म्यान मार्भ (मारम्म् ) मिली एं (अग्न कार्यमित्यत )॥ २०॥

र९ (यारा) जाजमार्थः (व्यामन यत्नामा कर्क) मानिष्ट् (मानिष्) निमान्छिः (नीमान्यवर्ग-उठ ) शिक्रमी: (स्वत्र अप्र विकार कर्क) वियारिष् (जिल्म भयाल किथिए) , ७१०: (वक्क. अवर अव्ि प्रवक्तर्भ कर्क ) मिलाविष् (यप्र-प्रकारम (प्राविष [ १४०] ) अगनिष्टिः (प्रभागतिष्ठ]) व्योज्ञारीमा (वीकार्याकर्क ) महा (भर्यहा )ध्याकादिव (कामारिव डर्माटि) विवि र करमार्थवर (वार्म पर व्यो क्या व्याप्त के ) यम र स्मान (उद्य कल खंदाल )॥ गर। धाय (वरे) बुल्याविभित (बुल्यवता) अले अले म्बर-म्बरा: (निष्कुत् नय-नवाम्भान), छाडाः ( निष्टी अर्थसम्भ्यसमं स् (अ ) श्रिमा (व्या ग्राव. भार्व ) क्रक्रमा (जी द्वारक रें ) लामहा: (जारह) मर्नुशः नी सरः (धर्म् व नी सम्मूप्रे) हकामार्ड ( प्यमीका साम वृद्धिंग ( प्रम् ) , प्रम् कम ( प्याप्ति ) पण्ड मिन्याय (देशक मिन्याय करे) अप्राम्प्ट ( मिर्सम कार्यमाहि)। २०१

सम्म (क्याम ) व्योक्ष सम्मिन मिला (व्याध्य के ल-त्यात्राश कर्व क्रमान्त् वीवर्षे भार्व ) दंगंड ल के-अभय न्यां विक्रम-के०-एश्येत्रिः (जीवाका उचाक्रक्य वरे वासेकालीत लीला-त्रभूर ) भिन्निण (मिनविक कार्निगारि) # अप (परे भीना ममूर्य म मारी रे अर्थाप रे रान कार् कार्यके दर्भारे ) क्राम्म क्य- भार्यक करि: (क्राम-धानावलधी भार्यकरात ) त्यानाव्यूषा (विकापति) व्रतमा (हिउदावा) धार्मिन (भर्मेन) धामा धमा: ह (अन्क्ष उ जी श्वाश ) (अवर विति मा (स्वा कार्यन)॥ 2811 न्त्रीसं अ- वं सं या या त्राः (न्या सं अ व न्या कं या या माम (मामामीक) भाषाकारिक-कृत्यंत (भाष-मर्भित तथर मार्थे में मियर (न्यी के कर्राम-भासक त्यात काकी) देपर (वर) त्याविला-नी नाम् ७९ कि ७९ (क्यीर मार्स नी नाम् ए र Pris कार्यमाटि ) 11 % छ। र्गः (म्रां ) अरि अम् कालिकाल (१६० मार्वर विवागमान अयम क्षायल :) क मूत्रः (मिव्डवं)

बकार्याः धाम प्रविष् (बकापित उपर्माण) पण्ड वारिया वजाविर्धाः (जीवार्धा-कृष्कव अवे) नीनामृड् (ती ताम् ) मूयः (तिष्ठ क ) भाने भी म्ए (मर्वाणाय धात्राम्न कर्षत ) व्यान्ति । विज्ञानिनी - कू सूर्यी-र्क्षा (र्क्षायत विमामर्ण खीस्त्रिक क्रि रूप्रिती भरतेष ) रक्षः (अर्वन न् ७ व्यक्ति ) काक्रेगा ९ (कक्रोपचलाठ:) अग्रिट्रेन (अग्रिट्रेर) द्राण (द्रमछल ) अग्र (अग्र ) ए भार (छाराएक) मार्क्छ उप्र ७ (मण् , (भम्म थडी शे अमान कड़न )।। गडा। निरिष्ठ ते अपन वार्तिन में किल-की का अ- (मया प्रत (भारा जी किंग) (परवं नाम नाम नाम न मन्यक्न को सलामायायी रमग्र मन मन्त्र ) भीवर् मामका का मिरक (अन्यम् भाउठ का भाग इ मैं याम राम (आकारी कारा के द ल दि ल कार्नेमार्च्य), व्योकी यम्यामार्ग (व्योक्सन् भीव (आमारी व ममर्थण भाराव देते व इंद्र मार्ट [यवंत]) न्यायम मामान देववं वि (व्यान्त्रमाणा के द्वाराष्ट्राची व व वा लाउँ सर १४०

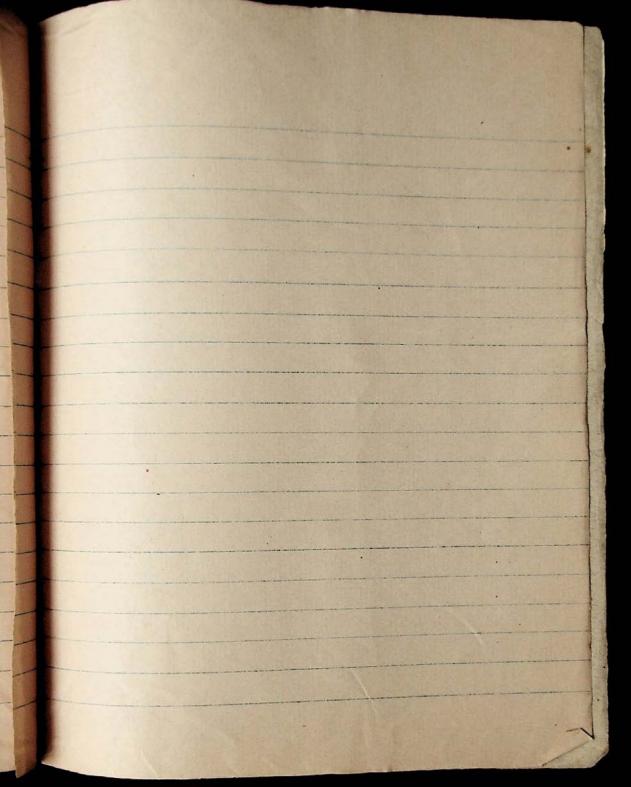
थाराव अकाल हरेणाट ) त त्नाबिल मीमाध्य कारण (की त्या विक भी मा भू जनम्म क. ठारे का त्या न अ मुन्य -दल ) वहारी-विकास वामिष : (विकानिकाम-प्रद्वाति ) व्यम् ( वरे ) वर्षा दिश्यकः मर्गः (वर्णाविश्न मर्त) भूती: (भावे मधाक ररेन)॥ २७॥

व्यात महरमा स्य न सक्षित सरेता. न्म मत्य - वर त्याक त्रेवरार, स्त त्रिस्रार, 11 भारत मान । मार् व क्ली काम ए भारत वित्म परकार र्माम व्याम (क्सीतं, व्यक्ति क्यम्। पेत व्या रेमार्ग श्रिष कास्त्रं त्यात अहि रंग्या हिस्सिक्टः , रेसि, द्राप्त अस्तं । से, पड़ में क लाभावं सामाया-हिक् निषक्ष व्यन आर आरमं के भी खें ररं। र। रडम्म - १६ ट्याक - त्मित्र, चर्चल से दिन लातु. ल्य क्षांत्र रंग्या। (मु: यस- लस-मिटिंग, नर्द्राल ल्यात. त्या म्यं द दं । त्यां अद्य- अद्य मेश्रे, लाद्यं लाक राकार्त है, मार्ग शर्वत रहता। 0120 ml - @9 (Incu - () Afor 27 m Afor and2 अम्मिक अमेट। नम्हान सिस्टा कार्य हेक वार्ट. Direct Spris, I near Bynancy , Ba, garag. + मन्त्री भी कर + क वक्ष + क्षीयीं व्या कामिता (सिवीका का रूप। ( सिनीक 'म्यान - मिमिन- नरे हेक्सार्क करं Male , J, a , y, gre + 2 + on - everse si 1 बिनु 'ति'+ 'वि' com निर्ममतार्थन ट्यार ज्याभिका ।

and Sol 1

, Mon Eyes, My of Ou 1 5th 19120.1 5 shi min a war 1 2 une of 6 2 years, and a 2 in 1 let a mero (2 years, and a 2 in 1 min, a my a day is years a server of the and 01 24 my M (2011er - 1818. 82/226, outo. ax armie Exim 1 (3/200: 25/4 18, 20. MITALX ExiMS 1 (\$12 - 42 426, ong रावाल लाग् ताल में सर्व डरंग। प्रियुक्ति वर्ष वर्ष वर क्षतियां सर्भ क्षे - लाइट ज्यूर में बाष्ट डिर्डिन व दुर्ड के का अप्रमासका प्रव धर्म गाहिला। वि (पछ)। 8122 md - 95/2012 -( अन्ति ह कार्यक्षा र वाहिं हिर्मिश र कार्य। निया त लाई केवर लाग् नेकड़ राष्ट्र द्वार (धारिक्षण् । यून - (विकृष्णः । द्येन 2212 Barolo 2220 MC0. 1 वार अभी कमार अव विकल भट्डा दारे मा। राम् उर - लाममा रिमारवम सामेश प्रार्थियी व 5 Dr. 9 SAN OW 51 ( MET A Da Ani 11 of was proson our of 100 11212 xar 101510 anis 1 [ dading ]

a1 22 x12 - 6 0 conta-( emig) 6, 25 m ( emig) 6, 2 y se un i 19 ; ing y stowing ma news exister (myz), y mis. corr annal enz law, our enzo arto 1 01 20 mg - 80 caller -( ३०: र्मे मेर के मेर के प्रामुक्त का कि : , 73 ATL CERT SHE MIN. Staring an ordans Cr drow Egair, gar amis 1 काकार ट्याकिर जिलेग्येक। महका हेट दिले xin 6 ON 200 aramon 1 CINBANTA AND CAR MENTE MAY MONTHES 2/2000 ada 200; 20 5, 1 flows 2000 CHUMMY DOM OND MET 1 १ दे अध्यान प्रकाष्ट्र में में आ प्या हे हा प्रमा ने में। लाके मार् का उपक्रा का मार्थ (पाटिका व् क मून : " ANTERNAJONERO MINERNINA Egri - 12 Ad Nowwel Digins +1 45 2001 - 82 Jul - 50 Carso 1 (なかしばれるかのし)



## Useful Factors

$$(a+b)^{a} = a^{a} + 2ab + b^{a}$$

$$(a-b)^{a} = a^{a} - 2ab + b^{a}$$

$$a^{3} - b^{2} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{6} + b^{6} = (a+b)(a^{3} - ab + b^{3})$$

$$a^{9} - b^{9} = (a-b)(a^{3} + ab + b^{3})$$

$$a^{3} + b^{3} + c^{3} - 3abc = (a+b+c)(a^{3} + b^{3} + c^{3} - ab - bc - ca$$

$$a^{3}(b-c) + b^{3}(c-a) + c^{3}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{3} - c^{3}) + b(c^{3} - a^{4}) + c(a^{3} - b^{3}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

## ROULINE

Days	1st. Hour	2nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday					i.		
Saturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে
ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** "
— ববীন্দ্রনাপ